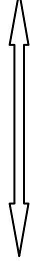
किछु तीत मधुर

किछु तीत मधुर



डा० योगेन्द्र पाठक वियोगी, एफ.एन.ए. , एफ.एन.ए.एससी.

प्रकाशक

डा० योगेन्द्र पाठक वियोगी
ब्लौक 8 फ्लैट 2 बी
डायमन्ड सिटी नॉर्थ
68 जेसोर रोड
कोलकाता 700055

ISBN 978-93-5156-343-3

मूल्य 250 टाका

Kichhu Teet Madhur : Travelogue in Maithili by
Dr- Yogendra Pathak Viyogi, FNA, FNASc.
contact e-mail : viyogi@gmail.com
mobile +91.9831037532

एकर कोन काज ?

भारत सरकारक परमाणु ऊर्जा विभाग मे विज्ञानक सेवा करैत विदेश यात्रा बहुत कएल। हमर विदेश प्रवास शुरू भेल छल 1977 मे अमेरिका सँ। पहिल बेर कैलिफोर्नियाक बर्कले शहर मे हम लौरेन्स बर्कले लेबोरेटरी मे पन्द्रह मास बितेलहुँ। एहि प्रवास मे एकसरे रही। तकर बाद एक सालक प्रवास छल फ्राँस मे 1984–85 मे, जतए हम परिवारक संग गेल रही पोस्टडॉक्टरल फेलो भऽ कए। फेर शुरू भेल विदेश मे अन्तर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक कोलैबोरेशनक रूप मे काज 1989 सँ। एहि काज मे करीब दू दशक सँ बेसी समय तक भारतीय टीमक नेतृत्व कएल, जाहि मे हमर अपन विभागक संस्थान सबहक अतिरिक्त आइआइटी आ अन्य विश्वविद्यालयक भौतिकीक प्रोफेसर सब सेहो सम्मिलित छलाह। एहि कोलैबोरेशन सबहक मीटिंग विश्वक विभिन्न जगह मे होइत रहलैक।

अमेरिका आ फ्राँसक दीर्घ प्रवासक बाद जे प्रवास सब भेल, ताहि मे कतेक ठाम नीक जकाँ रहबो केलहुँ – मास भरि सँ लऽ कए तीन मास तक। एहि मे जेनेवा आ जर्मनीक विभिन्न प्रवास छल। आ कतेक आन ठाम हुरबे छूलहुँ, जेना चारि पाँच दिन। नीक बेजाए सब तरहक अनुभव तऽ लोक कैँ होइते रहैत छैक, मुदा एकरा कहियो लीख कए प्रबुद्ध पाठक वर्गक आगाँ परसए पड़त, तकर कोनो कल्पना कहियो नहि छल। ने कहियो कोनो नोट आ कि डायरी लिखैक चेष्टा कएल आ ने ओहि दृष्टिएँ ढंगक कोनो फोटो आदि सेहो लेल।

पछिला किछु साल सँ किछु छोटमोट यात्रा संस्मरण लीखब शुरू कएल। फेर मित्रवर श्री रामलोचन ठाकुर चरिआबए लगलाह जे मैथिली मे यात्रा साहित्य विरल छैक, तें खूब लीखू। जे लीखल से छपैत गेल। एहि लेल हम पूर्वोत्तर मैथिल, कर्णामृत आ मिथिला दर्शन परिवारक आभारी छी। एही क्रम मे कर्णामृतक 2012 के शारदीय अंक मे छपल "फ्राँसक ग्राम्य जीवन"। पाठकीय प्रतिक्रिया भेल जे 2013 के मार्च मे एक दिन फोन आएल श्री अजित आजाद जीक। ओ हमरा एहेन अन्य अनुभव सब लीख कए पुस्तकाकार करबाक विचार देलन्हि।

माननीय डा० सुभद्र झा जखन 'यात्रा प्रकरण शतक' लिखलन्हि तखनुक जमाना मे कियो कियो लोक विदेश जाइत छल। सूचना भेटब कठिन छलैक। आजुक जकाँ विकीपेडियाक अनन्त स्वतंत्र स्रोत नहि छलैक सूचनाक लेल। तें लोक भूखल रहैत छल दूर देशक बात बुझबा लेल आ खिस्सा पिहानी सुनबा लेल।

आब एकैसम शताब्दी मे तऽ विदेश यात्रा केनिहारक कोनो कमी नहि छैक। प्रायः प्रत्येक पढ़ल लिखल परिवारक धीयापूता आब अमेरिका, यूरोप, आस्ट्रेलिया, सिंगापुर, हाँगकाँग आ कि अन्यत्र रहैत छथि आ चाकरी करैत छथि अथवा बिजनेस व्यापार मे लागल छथि। आ सबसँ पैघ बात ई जे सूचनाक लेल तऽ मात्र एकटा छोटछीन कम्प्यूटर चाही आ इंटरनेटक कनेक्शन। बस एतबे आ बैसल बैसल भ्रमण कऽ लिअऽ विश्वक जाहि कोन मे इच्छा होअए ततहि। जाइओक नहि काज। सबटा बात जानि लेब आ नीक नीक फोटो सेहो देखि लेब। ओतबे नहि, कतेको उत्सव आदिक जीवंत चलचित्र भेटि जाएत यूट्यूबक माध्यम सँ। से नहियो करबैक, तैयो टीवी तऽ अछिए घर मे। ओहू मे असंख्य चैनल छैक जे विदेशक सबटा बात हरदम बतबैक रहैत छैक आ नीक सँ नीक चित्र देखबैत रहैत छैक।

एखुनक समाजक लेल विदेश कोनो अजगुत वस्तु नहि रहि गेलैक अछि। तेहना स्थिति मे कियो विदेशक अनुभवक बारे मे मोटगर किताब पढ़त, तकर सम्भावना ओतबे जतेक कातिक मास मे मेघक बरसब।

की लीखी आ की नहि लीखी ? अपन काजक विषय विज्ञान पर यदि लीखी तऽ ओ अति नीरस खिस्सा भऽ जाएत, विज्ञानक लेखो सँ बेसी नीरस। ओकर कोन काज ? अन्त मे विचारल जे मात्र एहेन विषय सबकें लीखी जाहि सँ विदेशक मानव स्वभावक बारे मे पाठक लोकनि कें किछु जानकारी भेटतन्हि। ई मात्र व्यक्तिगत अनुभव पर आधारित अछि। जे किछु लीखल ताहि मे एतेक तऽ जरूर छैक जे दृश्य वा घटना वा अनुभव विचित्र, अजगुत आ कि अनुपम रहल होएत, तें ने एतेक दिन बितलो पर स्मरण अछि अथवा मस्तिष्क पर जोर देला सँ मोन परि गेल। ई अन्तरंग बात विकिपीडिया अथवा इंटरनेटक अन्य स्रोत मे नहि भेटत। पुस्तक मे इतिहास, भूगोल आ कि विज्ञान कतहु भेटबो करत तऽ एतबे जे सन्दर्भ कें बुझबैक लेल आवश्यक छल आ जाहि सँ खिस्सा अपूर्ण नहि लागए।

एहि विचार कें आधार मानैत पुस्तक कें चारि भाग मे बाँटल गेल अछि। भाग एक मे अछि पहिल प्रवास मे अमेरिकाक अनुभव। दोसर भाग अछि फ्राँस प्रवासक सम्बन्ध मे। फ्राँसक विषय मे लिखबा काल हम अपन पूरा परिवारक अनुभवक आधार लेल अछि। किछु अंश श्रीमतीजीक अपन अनुभव छन्हि आ किछु आर अंश हमर जेठ पुत्री सौ० मधुलिकाक, जे ओहि समय दश बरखक छलीह आ ओतुका स्कूल मे एक बरख बितौलन्हि। फ्राँस मे परिवारक संग रहैत समाज कें जाहि तरहें देखल, से अन्यत्र नहि भेल। भाग तीन मे अन्यान्य जगहक अनुभव अछि। चारिम आ अन्तिम भाग अछि ओहेन अनुभवक संकलन, जकरा लेल हम संज्ञा देल "नीम आ चिरैता" अर्थात कटु अनुभवक संग्रह। ताकि हेरि कए किछु नीक बेजाए फोटो सेहो बीच मे घुसिया देल अछि।

आदरणीय डा० गणपति मिश्रक संग मात्र किछु घंटाक गपसप सँ पुस्तक मे भाषा कें रुचिकर बनेबाक बहुत प्रेरणा भेटल। एहि पुस्तकक आवरण बनौलन्हि हमर नवयुवक सहकर्मी श्री तुषार कान्ति दास। पुस्तक अपनेक हाथ मे अछि। एकरा की कहल जाए से अपने स्वयं निर्णय लेब। यदि अपने कें किछुओ अंश कनियो रुचिकर लागल आ चरणामृतो जकाँ कतहु सँ किछु चीखि सकलहुँ तऽ हम बुझबैक जे हमर प्रयास सफल भेल।

योगेन्द्र पाठक वियोगी
कोलकाता, वसंत पंचमी 2014

किछु विशेष जानकारी

प्रस्तुत पुस्तक मे किछु विशेष शब्दक व्यवहार भेल अछि जे हमर वैज्ञानिक कार्य सँ सम्बन्धित अछि। अपने सब पुस्तकक आनन्द लऽ सकी, ताहि लेल एहेन अपरिचित शब्द सबहक जानकारी नीचा दऽ देल अछि।

त्वरक (particle accelerator) : ई एकटा मशीन होइत छैक, जाहि सँ आवेशित नाभिकीय कण कें ऊर्जा देल जाइत छैक। एकर उपयोग नाभिकीय भौतिकी प्रयोग मे कएल जाइत छैक। इएह हमरा सबहक रिसर्चक मुख्य यंत्र भेल। वानडी ग्राफ मशीन, टैन्डेम, साइक्लोट्रॉन, बीभालैक, प्रोटॉन सिन्क्रोट्रॉन, सुपर प्रोटॉन सिन्क्रोट्रॉन, लेप, सुपरकन्डक्टिंग सुपर कोलाइडर आ लार्ज हैड्रन कोलाइडर सब एहने विभिन्न क्षमताक मशीनक नाम थिकैक जकर चर्चा एहि पुस्तक मे भेटत।

कोलैबोरेशन : हमरा सबहक क्षेत्र मे एखन जे प्रायोगिक अनुसंधानक कार्य होइत छैक, ताहि मे कोनो एक ग्रुप अथवा एक देशक वैज्ञानिक नहि, अपितु विश्वक अनेक देशक वैज्ञानिक मिलि कए काज करैत छथि। एकरा अन्तर्राष्ट्रीय सहयोगिता अथवा इंटरनेशनल कोलैबोरेशन कहल जाइत छैक। प्रयोगक नाम आ कोलैबोरेशनक नाम एके। एहि पुस्तक मे ओहि कोलैबोरेशन सबहक चर्चा आएल अछि, जाहि मे हम स्वयं तऽ काज करबे कएल अछि, संगहिं भारतक अन्य जगहक अनेक वैज्ञानिक सेहो काज करैत रहलाह अछि।

WA80, WA93, WA98 कोलैबोरेशन : एही कोलैबोरेशन सँ हम सब जेनेवा मे काज प्रारम्भ केने रही जकर मुखिया अर्थात् प्रवक्ता प्रोफेसर हान्स गुटब्रोड छलाह। WA80, WA93, WA98 प्रयोग जेनेवाक सर्न प्रयोगशाला के सुपर प्रोटॉन सिन्क्रोट्रॉन (एसपीएस) त्वरक पर स्थापित छलैक। एकर काज आब समाप्त भऽ गेल छैक।

एलिस कोलैबोरेशन : एलिस प्रयोग सर्न प्रयोगशाला मे लार्ज हैड्रन कोलाइडर (एलएचसी) त्वरक पर बनल चारिटा मुख्य प्रयोग मे सँ एक अछि। एहि मे भारतक वैज्ञानिक सबहक पैघ भागीदारी छन्हि। पाँचो महादेशक करीब तीसटा देशक एक हजार सँ बेसी वैज्ञानिक आ इंजीनियर एहि मे काज करैत छथि।

स्टार कोलैबोरेशन : अमेरिका मे न्यूयार्क लग स्थित ब्रूकहैवेन नेशनल लेबोरेटरी (बीएनएल) मे रिलेटिभिस्टिक हेवी आयन कोलाइडर नामक त्वरक पर स्टार नामक एकटा प्रयोग अछि। एहू मे भारतीय वैज्ञानिक कार्यरत छथि।

सीबीएम कोलैबोरेशन : जर्मनी मे डार्म्सटाड शहर स्थित नाभिकीय भौतिकीक प्रसिद्ध केन्द्र जीएसआइ अछि जतए फेयर (Facility for Antiproton and Ion Research) नामक एकटा नव त्वरक बनि रहल छैक। एहि मे सीबीएम नामक एकटा प्रयोगक स्थापना सेहो कएल जा रहल छैक। एहि प्रयोग मे यूरोपीय देशक अतिरिक्त भारत, चीन, दक्षिण कोरिया आदि सेहो भाग लऽ रहल अछि। एहि प्रयोगक अन्तर्राष्ट्रीय सहयोगिता कें सीबीएम कोलैबोरेशन कहल जाइत छैक।

दिशा निर्देश

भाग एक

पहिल विदेश प्रवास

भाग एक : पहिल विदेश प्रवास

- कलकत्ता सँ सानफ्रान्सिस्को
- अमेरिकी भूमि पर पहिल बेर
- आइ हाउस, यूसीबी आ एलबीएल
- खुला आकाश मे ब्रीफिंग
- अपरिचित भोज्य पदार्थ
- भोजन व्यवस्था
- बेरोजगार भारतीयक संग
- सी आइ ए एजेंट ?
- आर यू स्पीकिंग इंग्लिस?
- एतए आलू नहि भेटैछ
- कसरत कखन आ केहेन केहेन?
- मिस्टर एट लार्ज
- माइ कम्प्यूटर टेल्स मी
- करैला किएक खाइत छी?
- यूनिवर्सल स्टूडियो
- डिसनीलैंडक रस्ता मे
- पैघ वैज्ञानिक पैघ भूल
- शैम्पेनक चरणामृत आ कंठी तोरब
- हम की गलती केलहुँ?
- मिडनाइट सन
- सरदारजी टैक्सी ड्राइवर
- माएक ममता
- पियक्कर
- विदाई
- वन मैन आर्मी
- एक बॉगी बला ट्रेन
- लंदन भ्रमण पहिल बेर
- पेरिस मे पहिल बेर
-

कलकत्ता सँ सानफ्रान्सिस्को

अमेरिका प्रवास हमर प्रथम विदेश प्रवास छल। हम ऑफिस सँ डेप्यूटेशन पर कैलिफोर्नियाक बर्कले शहर स्थित लौरेन्स बर्कले लैबोरेटरी (संक्षेप मे एलबीएल) गेल रही। वर्तमान मे एकर नाम मे नेशनल शब्द जोड़ि देल गेलैक अछि आ एकर संक्षेप नाम 'एलबीएनएल' भऽ गेलैक अछि। हमरा अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा आयोग (आइएईए) द्वारा समर्थित टेक्निकल एसिस्टैंस प्रोग्राम मे बर्कले के 88" साइक्लोट्रॉन प्रयोगशाला मे प्रयोगक लेल प्रयुक्त डाटा एक्वीजिसन पद्धति (data acquisition system) के लूड़ि सब सिखबाक छल।

कलकत्ता मे परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा एकटा 88" साइक्लोट्रॉन बनाओल जा रहल छलैक जाहि मे बहुत बेसी अमेरिकन सहयोग छलैक। एहेन मशीन पहिले पहिल बर्कले मे बनलैक आ ओकरा मे किछु मामूली संशोधन कऽ कए दोसर मशीन टेक्सास ए एण्ड एम यूनिवर्सिटी के कॉलेज स्टेशन कैम्पस मे बनलैक। कलकत्ता बला मशीन के सबटा ब्लूप्रिंट टेक्सास सँ आएल छलैक। रिसर्चक काज मे टेक्सासक तुलना मे बर्कले तैयो बहुत आगू छलैक। एही सब कारण सँ हमरा प्रशिक्षणक लेल हमर तत्कालीन वरिष्ठ अधिकारी (बॉस) डा० एन के गांगुली एही जगह कें प्राथमिकता दैत प्रस्ताव पठौने छलखिन्ह।

ई प्रवास एक सालक छल आ हम एकसरे गेल रही। एहि प्रवास मे हमरा 600 डॉलर के मासिक वृत्ति भेटैत। परिवारक संग जेबाक सवाले नहि छलैक, कारण परिवार मे तीन गोटे भऽ गेल रही आ ने तऽ टिकट के खर्चे देल पार लगैत आ ने एहि वृत्ति मे तीन गोटेक गुजर सम्भव छल।

हमर बर्कले प्रवासक लेल वाशिंगटन स्थित नेशनल साइंस फाउन्डेशन (एनएसएफ) सबटा प्रक्रिया केने छल। एही संस्था द्वारा हमरा टिकट आ अमेरिकन वीजा आदि के लेल पत्र भेटल छल। सरकारी यात्रा रहबाक कारणें पासपोर्ट बनेबा मे ऑफिसक सहयोग बहुत बेसी छलैक आ हमरा स्वयं किछु नहि करए पड़ल। हम ओहि समय के नामी अमेरिकन एयरलाइंस 'पैन एम' द्वारा यात्रा केने रही। कलकत्ता मे पैन एम के ऑफिस चौरंघी मे दरभंगा महाराजक बिल्डिंग मे छलैक जतए सँ हमरा टिकट भेटल छल। ने आब पैन एम रहल आ ने चौरंघी के ओ बिल्डिंग।

हमर टिकट छल कलकत्ता सँ दिल्ली आ लंदन होइत सानफ्रान्सिस्को जेबाक। दिल्ली आ लंदन मे रात्रि विश्राम छल, तकरा लेल एयरलाइंस द्वारा होटल के व्यवस्था छल। एहि लेल टिकटक संग कूपन सेहो दऽ देल गेल छल। दिल्ली मे अशोक होटल मे राति बितेबाक छल। सामान मे मात्र चमराक एकटा सुटकेस आ चमराक एकटा बैग। बस एतबे।

कलकत्ता मे एयरपोर्ट पर विदा करबाक हेतु अपन परिवारक लोकक अतिरिक्त किछु सम्बन्धी आ किछु सहकर्मी आएल छलाह। बेटी मधुलिका ओहि समय तीन बरखक छलीह। हुनका तऽ कोनो बोध नहि छलन्हि जे पापाक एक सालक अनुपस्थितिक की अर्थ होइत छैक, मुदा श्रीमतीजी तऽ जरूरे 'वियोगी' हेबाक चिन्ता मे डूबल छलीह। बहुत मुश्किल सँ हम दूनू गोटे आँखिक नोर कें रोकने रही। सबसँ विदा लैत जिनगीक पहिल हवाई यात्रा शरू केलहुँ। मोन मे बहुत तरहक भाव अबैत जाइत छल। एक सालक प्रवास बहुत पैघ नहियो छलैक आ पैघो छलैक कारण हम बहुत दूर देश जा रहल छलहुँ। कोनो आपात स्थितियो भेला पर जल्दी चल आएब सम्भव नहि छल। मुदा जिनगी मे आगू बढ़बाक लेल ई प्रवास जरूरी छल।

यात्राक तैयारीक लेल हम डा० डेव हेन्ड्री सँ सेहो पत्राचार केने रही जे ओहि समय बर्कले मे 88" साइक्लोट्रॉन लैबक निदेशक छलाह। डा० हेन्ड्री दिसम्बर 1975 मे कलकत्ता आएल छलाह तखन हुनका सँ संक्षिप्त परिचय भेल छल। हुनके सहायता सँ इंटरनेशनल हाउस नामक छात्रावास मे हमरा लेल एक अक्टूबर सँ एकटा रूम आरक्षित भऽ गेल छल। एहि छात्रावासक चुनाव सेहो डा० गांगुलीक सुझाव पर भेल छल। ओ स्वयं एक साल पहिने बर्कले भऽ आएल छलाह आ सब किछु देखि सूनि लेने छलखिन्ह।

कलकत्ता सँ विदा भऽ कए हम दिल्ली करीब आठ बजे राति मे पहुँचल रही। ओतए श्री रामयतन ठाकुरजी भेंट करए आएल छलाह। रामयतनजी मधुबनी आ मुजफ्फरपुर मे हमरा सँ एक साल सीनियर छलाह आ हम हुनके पाछू पाछू बीएससी, एमएससी केने रही। मधुबनी मे आरके कॉलेज मे हम सब रूममेट रही। ओ हमरा लेल जेठ भाई जकाँ छलाह। ओ मुंगेर मे आरडीडीजे कालेज मे प्रोफेसर छलाह आ ओहि समय आइआइटी दिल्ली मे पीएचडी कऽ रहल छलाह।

अशोक होटल हमरा केहन लागल तकर की वर्णन करू? जिनगी मे पहिल बेर एहेन होटल मे प्रवेश कएल। एहि सँ पूर्व होटलक नामे मात्र मुम्बई मे एकटा दस बेडक कमरा बला होटल बूझल छल जाहि मे 1970 मे पहिल बेर गेला पर रूकल रही। एतुका जएह चीज देखियैक सएह नव, अद्भुत आ सुन्दर। बाथरूम पर्यन्त मे टेलीफोन लागल।

हमरा एक रातिक, अथवा उचित कही तऽ चारि पाँच घंटाक, रात्रिविश्राम एतए करबाक छल। भोरबे मे उठबाक छल। ताकि हेरि कए बूझि लेल जे ऑपरेटर कें कोना वेकअप कॉल के लेल कहल जाइत छैक। ओकरा चारि बजे भोरक समय दऽ देलियैक आ बेड पर जा कए पड़ि रहलहुँ।

बेड एतेक मुलायम जे कहियो देखने नहि। कथी लेल निन्न हैत ? कलकत्ता छूटि गेल छल आ किछु घंटा मे देश सेहो छूटि जाएत। एही सब चिन्ता मे पड़ल रहलहुँ। बेटी मोन पड़ए, कनियाँ मोन पड़थि आ फेर चिन्ता बढ़ि जाए। कछमछ करैत रहलहुँ। करौट बदलैत रहलहुँ। आराम माने एतबे जे ठाढ़ नहि छलहुँ आ कि दौड़ैत नहि छलहुँ, अपितु ओछाओन पर पड़ल छलहुँ।

कखन निन्न लागि गेल से नहि बुझलियैक आ ने टेलीफोन बाजल से बुझलियैक। जखन दरबज्जा पर जोर सँ पीटैक आवाज भेलैक, तखन चहा कए उठलहुँ। एकटा रूम एटेन्डेन्ट हमरा उठबै लेल पठाओल गेल छल, कारण हम दू बेर टेलीफोन पर कोनो उत्तर नहि देने छलियैक। अस्तु, लगले तैयार भऽ गेलहुँ। नीचा मे होटलेक दिश सँ हमरा लेल टैक्सी तैयार छल एयरपोर्ट लऽ जेबा लेल।

दिल्ली छूटि गेल। लंदन पहुँचैत पहुँचैत दुपहरियाक समय भऽ गेल छलैक। सामान लऽ कए होटल एलहुँ तावत एतेक लेट भऽ गेल छलैक जे कतहु जा नहि सकैत छलहुँ। शहर एतए सँ दूर। होटल करीब करीब ओहने, जेहन दिल्ली मे अशोक छल। रूमे मे आराम केलहुँ। संध्या भोजन मे पहिल बेर विदेशी भूमि पर दिक्कत शुरू भेल। की ऑर्डर करी ? एतए भारतीय भोजनक मेनू तऽ छलैक नहि। अस्तु, एकटा ओनियन सूप आ उसनल पैघ आलू खा लेल, जाहि मे अंट शंट मांसक मिश्रण हेबाक डर नहि छलैक। भोजनक दाम हमरा देबाक नहि छल।

अगिला दिन लंदन सँ सानफ्रांन्सिस्कोक लेल हमर जे फ्लाइट छल से पोलर फ्लाइट कहल जाइत छलैक, कारण ओ हमेशा बेसी उत्तरी अंक्षाशे मे रहैत चलैत छलैक, बूझू पृथ्वी के ध्रुवीय क्षेत्र होइत उपरे उपर लंदन सँ सोझे सानफ्रान्सिस्को पहुँचि गेल। एहि मे दूरी कम पड़ैत छलैक आ समय सेहो कम लगैत छलैक।

स्थानीय समय करीब एक बजे हम सानफ्रान्सिस्को पहुँचलहुँ आ पहिल बेर शनि दिन 1 अक्टूबर 1977 कें अमेरिकन धरती पर पाएर राखल।

अमेरिकी भूमि पर पहिल बेर

सानफ्रान्सिस्को एयरपोर्ट पर डेव हेन्ड्री महोदय हमरा लेबा लेल आएल छलाह। हुनका कलकत्ता मे एके बेर देखने छलिएन्हि। हम जाहि ग्रुप मे एलबीएल मे काज करै लेल गेल रही, ताहि ग्रुपक ओ मुखिया छलाह। एहि ग्रुप कें लोक हेन्ड्री स्कॉट ग्रुप सँ सम्बोधित करैत छलैक। दोसर व्यक्ति भेलाह डेविड स्कॉट, जे ग्रुपक संयुक्त मुखिया छलाह। डेव हेन्ड्री साइक्लोट्रॉन लैबक डायरेक्टर सेहो छलाह, तें ओ प्रशासकीय काज आदि मे बेसी व्यस्त रहैत छलाह आ रिसर्च प्रोग्राम देखबाक काज स्कॉट महोदय करैत छलाह। हेन्ड्री महोदय अमेरिकन छलाह, मुदा स्कॉट महोदय ब्रिटिश, ऑक्सफोर्डक पढ़ल। हमरा लेल आइएईए अथवा एनएसएफ के हिसाबें हेन्ड्रीए महोदय सुपरवाइजर छलाह। हुनके निर्देशन मे हमरा अपन ट्रेनिंग करबाक छल।

हम पहुँचल रही शनि दिन कें। यात्राक थकान तऽ छल, मुदा अमेरिका एबाक उल्लास एतेक बेसी छल जे एकरा आगू ओ थकान भागि गेल छल।

सानफ्रान्सिस्को एयरपोर्ट सँ बर्कले काफी दूर। करीब 30 मील। आब अमेरिका मे एला पर नाप तोल के इकाई से बदलि गेल छल। पुरना ब्रिटिश इकाई, मील आ पौंड, अमेरिका मे चलैत छलैक किन्तु अपना देश मे मीट्रिक पद्धति अपनाओल गेल छल।

ओना तऽ विदेशी भूमि लंदन मे देखि लेने छलियैक, मुदा अमेरिकाक बाते अलग छलैक। एयरपोर्ट सँ बहराए हम हुनका कार मे सवार भेलहुँ आ ओ एकटा सिद्धहस्त ड्राइवर जकाँ गाड़ी चलाएब शुरू केलन्हि। भारत मे कोनो लैबक डायरेक्टर कें अपने सँ गाड़ी चलबैत नहि देखने छलिएन्हि। ओ सब सरकारी गाड़ी मे चलैत छलाह, जकरा सरकारी ड्राइवर चलबैत छलन्हि। तें आश्चर्य लागए जे हेन्ड्री महोदय एतेक नीक ड्राइव कोना कऽ रहल छथि। बाद मे जानल जे अमेरिका मे सरकारी गाड़ीक सुविधा अत्यन्त विरल छलैक आ सब अपनहि गाड़ी चलबैत छल। विरले एहेन कियो होएत जे 18 साल पुरैत पुरैत ड्राइविंग नहि सीख लेने होअए।

हम दूनू गोटे किछु किछु गप करैत जाई। ओ सानफ्रान्सिस्को के बारे मे बतबैत जा रहल छलाह। एक्सप्रेसवे पर गाड़ी 65–70 मील प्रति घंटाक वेग सँ दौड़ि रहल छलैक। सानफ्रान्सिस्को शहर आ आसपासक अन्य कतेको शहर, जाहि मे बर्कले सेहो छल, सानफ्रान्सिस्को खाड़ी (अंग्रेजी मे 'बे') के काते कात बसल छल। एहि पूरा इलाका कें स्थानीय बोलचाल मे 'बे एरिया' कहल जाइत छलैक।

सानफ्रान्सिस्को शहर छोड़ि जखन गाड़ी 'बे ब्रिज' पर एलैक, तखन हमरा पहिल बेर आश्चर्य लागल एतेक टा पुल देखि कए, जे बूझू समुद्रे पर छलैक। तकर बाद रोड पर बर्कले नामक संकेत सब देखए लगलियैक। रोमांच भऽ रहल छल जे हम एलबीएल मे काज करए जा रहल छी।

हम सोचने रही जे हेन्ड्री महोदय हमरा इंटरनेशनल हाउस पहुँचा देताह। मुदा ओ तऽ लऽ अनलन्हि हमरा सोझे 88" साइक्लोट्रॉन के अपना लैब मे, जतए ओहि ग्रुपक एकटा प्रयोग चलि रहल छलैक। ई दोसरे तरहक रोमांच छल। अपन छोट वैज्ञानिक जिनगी मे हम मात्र मुम्बई मे बीएआरसी मे वॉनडी ग्राफ मशीन पर प्रयोग केने रही। कलकत्ता मे साइक्लोट्रॉन तऽ एखन बनिए रहल छलैक। हम पहिल बेर साइक्लोट्रॉन के प्रयोगशाला मे ठाढ़ भेल छलहुँ, सेहो बर्कले सन उन्नत आ प्रख्यात केन्द्र मे।

ओतए हमरा दू गोटे भावी सहकर्मी सँ परिचय कराओल गेल जे ओहि समय प्रयोगक सिफ्ट ड्यूटी पर छलाह। हमर थकनी तऽ कतए भागि गेल छल से पते नहि चलल। हम ओतए करीब एक घंटा रुकलहुँ। हेन्ड्री महोदय हमरा एनएसएफ सँ आएल एकटा चिट्ठी आ एकटा चेक देलन्हि जे हमर छात्रवृतिक अग्रिम राशि छल। हमरा ईहो बता देलन्हि जे कालि दुपहरिया मे डेविड स्कॉट सिफ्ट मे रहताह आ हम जरूर आबी हुनका सँ भेंट करए।

तकर बाद ओ हमरा लेने एलाह अपन छात्रावास इंटरनेशनल हाउस, जकरा संक्षेप मे सब आइ हाउस बजैत छल। हमर रूम रिर्जव छल। चिट्ठी सब देखौलाक बाद हमरा कमरा दऽ देल गेल आ कहल गेल जे डिपॉजिट हम दू दिनक भीतर जमा कऽ दियैक। हेन्ड्री महोदय एकर जिम्मा लेलखिन्ह। तकरा बाद ओ हमरा सँ छुट्टी लेलन्हि आ कहलन्हि जे सोम दिन भेंट होएत।

आइ हाउस, यूसीबी आ एलबीएल

हम आइ हाउस मे प्रवेश कऽ गेल रही। एक थाक सूचनाक कागज सब सेहो देल गेल। आइ हाउसक व्यवस्था कोना छैक, रहनिहार कें की की कर्त्तव्य छैक, भोजन जलपान आदि कखन भेटैत छैक, टेलीफोन कोना व्यवहार करैक चाही, आदि अनेक सूचना जे एकटा नवागन्तुक कें काज परतन्हि से सबटा देल छल।

आइ हाउस यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया बर्कले (यूसीबी) के भाग छलैक। हमरा जे कागज सब देल गेल छल ताहि मे यूनिवर्सिटी कैम्पस के एकटा नक्शा सेहो छलैक। एहि मे एलबीएल सेहो देखाएल छलैक, मुदा ओकर कोनो विस्तृत वर्णन नहि छलैक। यूसीबी स्टेट यूनिवर्सिटी आ एलबीएल नेशनल लैब। मुदा दूनू मे सम्बन्ध एतेक नीक छलैक जे एलबीएल मे काज केनिहार बहुत रास वैज्ञानिक यूसीबी के प्रोफेसर सेहो छलाह। अथवा यूसीबीक प्रोफेसर लोकनिक रिसर्च लैब एलबीएल मे सेहो छलन्हि। एहि तरहक कतेको लोकक वेतन दूनू ठाम सँ भेटैत छलन्हि।

पूरा कैम्पस इलाका एकटा पहाड़ीक नीचा मे आ पहाड़ी पर एलबीएल। आइ हाउस अवस्थित छल पहाड़ीक ठीक नीचा जे पहिल रोड छलैक ताही पर। ओतए सँ एलबीएल जेबाक लेल एक हिसाबें कैम्पसक कातेकात जाए पड़ैत छलैक थोड़ेक दूर आ तकर बाद उपर चढ़ऽ पड़ैत छलैक। रस्ता मे एकटा खेलक मैदान (प्लेग्राउन्ड) सेहो पड़ैत छलैक। सबटा चौक चौराहा खूब व्यवस्थित आ सब ठाम दूनू कातक रोडक नाम लिखल।

जखन हेन्ड्री महोदय चल गेलाह आ हम अपन रूमक निरीक्षण कऽ कए नीचा उतरलहुँ तखन तक डिनर के समय नहि भेल छलैक। डिनर संध्या छऽ बजे शुरू होइत छलैक। आब हमरा थकनी सेहो बुझा रहल छल आ समय के अन्तर, जकरा जेट लैग सेहो कहल जाइत छलैक, तकर प्रभावक अनुभव भऽ रहल छल। कहुना किछु काल बाहर घुमैत काटल।

आइ हाउसक भोजनालय मे पहिल बेर प्रवेश कएल। एक हिसाबें बीएआरसी मे हमरा सबहक ट्रेनिंग स्कूल हॉस्टलक भोजनालये जकाँ। एक कात भोज्य पदार्थ सब राखल आ बाकी इलाका मे टेबुल कुर्सी सजाओल। लोक अपनहि सँ परसि कए खाइत छल। एकटा महत्वपूर्ण सूचना लिखल देखल : दिस एन्ट्री कन्टेन्स पोर्क। ई हमरा लेल नीके बात छल। ओना बाद मे एकर कारण बुझलियैक जे ई मुस्लिम आ यहूदी लोकक लेल देल गेल छलैक। ओहुना माँस आदि सँ परहेजे कएल। भात आ बीन्स सदृश एकटा तरकारी भेटि गेल। दही सेहो। आर की चाही? सबेरे डिनर लऽ कए गेलहुँ आराम करए।

रवि कें संध्या मे आइ हाउस के भोजनालय बंद रहैत छलैक। ई समय स्टाफक लेल छुट्टी आ सब बोर्डरक लेल बाहर खेबाक अवसर छलैक। हम दुपहरिया मे भोजन कऽ कए चल गेलहुँ साइक्लोट्रॉन लैब। ओतए प्रोफेसर डेविड स्कॉट सँ भेंट भेल। भव्य व्यक्तित्व। एकटा ब्रिटिश जकाँ हमेशा फॉरमल सूट टाई पहिरने। परिचय भेल। ओ हमरा पढ़बाक लेल किछु सामग्री देलन्हि। हम ओतए किछु किछु देखैत बैसल रहलहुँ। स्कॉट महोदय चलैत प्रयोगक बारे मे जानकारी दैत रहलाह। करीब छऽ बजे ओ स्वयं डिनर के लेल घर विदा भेलाह। अपने गाड़ी पर हमरो संग कऽ लेलन्हि आ पहाड़ी सँ नीचा उतरला पर लगे मे एकटा रेस्तराँ देखा देलन्हि, जतए हम डिनर खा कए टहलि कए आइ हाउस जा सकैत छलहुँ।

खुला आकाश मे ब्रीफिंग

केन्द्र सरकारक नोकरी मे रहैत डेप्यूटेशन पर विदेश मे रहबाक लेल हमरा आदेश भेटल छल जे पहुँचलाक बाद यथाशीघ्र सानफ्रान्सिस्को स्थित अपन कॉन्सुल जेनरल सँ सम्पर्क करी आ हुनका सँ ब्रीफिंग ली। जेबा सँ पूर्व परमाणु ऊर्जा विभागक हेडऑफिस मुम्बई सँ कॉन्सुलेटक पता आ फोन नम्बर आदि सेहो पठा देल गेल छल।

पहुँचलाक प्रायः चारि पाँच दिनक बाद हम आदेशानुसार सानफ्रान्सिस्को मे अपना कॉन्सुलेट कें फोन पर सम्पर्क कएल। ओतए श्री लखन लाल मेहरोत्रा कॉन्सुल जेनरल छलाह। हुनका सँ गप कऽ कए हम अपन अमेरिका एबाक सूचना देल आ ब्रीफिंग के लेल भेंट करबाक समय माँगल। ओ कहलन्हि जे ऑफिस जुनि आऊ, कारण पता नहि एतए कोन कमरा मे कतए खुफिया कान अर्थात बगिङ (bugging) यंत्र लागल छैक। हम फलाँ दिन बर्कले यूनिवर्सिटी मे इंका सभ्यता पर लागल प्रदर्शनी देखए आबि रहल छी। ओतहि हम सब गप करब। यूनिवर्सिटी के प्रदर्शनी स्थल पर बगिङ के सम्भावना कम अछि। ओ स्वयं पुरातत्वक विद्वान छलाह आ एहि विषय पर डाक्टरेट सेहो केने छलाह।

हमरा ओ ईहो कहलन्हि जे ओतुका भीड़ो मे एकटा भारतीय दोसर भारतीय कें चिन्हिए लेताह, तें अपरिचित रहितहुँ हम सब भेंट कऽ सकब।

निर्धारित तिथि ओ समय पर हम प्रदर्शनी स्थल पर पहुँचल रही, जे कि हमरा होस्टल सँ मात्र दू मिनट के टहलबाक रस्ता छल। हमरा मेहरोत्रा साहेब कें तकबा मे बेसी मेहनति नहि लागल। हम जखन हुनका लग गेलहुँ, ओ स्वयं अनुमान सँ हमरा नाम लऽ कए सम्बोधित केलन्हि। हम हुनक अभिवादन कएल। ओ हमरा संग भीड़ सँ अलग भऽ गेलाह आ कहलन्हि जे चलू, हम सब बाहर मे खुला आकाश तर गपसप करब।

बाहर म्यूजियम के कम्पाउन्ड मे एला पर ओ जेना आश्वस्त भऽ गेलाह जे एतए कोनो बगिङ उपकरणक सम्भावना नहि छैक। ई बात ओ हमरा नीक जकाँ बुझा देलन्हि जे अमेरिका मे रहैत हम सब कखनहुँ आश्वस्त नहि भऽ सकैत छी जे कोन बिल्डिंग के कोन कमरा मे कोन तरहक बगिङ उपकरण नुकाएल छैक। खास कऽ कए विदेशी दूतावासक ऑफिस आकि आवासीय मकान सब मे। तें खुला आकाश सब सँ सुरक्षित जगह भेल।

प्रथम परिचय मे हम सब प्रायः पन्द्रह बीस मिनट बातचीत कएल। ब्रीफिंग के मुख्य सलाह इएह जे अपरिचित सँ भारत मे अपन काजक बात एक सीमा सँ बेसी नहि कएल जाए। एहि सलाह कें हम गुरू मंत्र जकाँ हृदयंगम कऽ लेल।

मेहरोत्रा साहेब लखनऊ निवासी छलाह आ हम बिहारक। तें प्रथमे भेंट मे आत्मीयता कने बढ़ि गेल। बातचीतक क्रम मे ओ संतुष्ट देखेलाह जे यद्यपि हम सब कोनो तेहन महत्त्वपूर्ण गप नहि कएल, मुदा एतेक तऽ निश्चिते जे एकर बगिङ नहि भेल। एहि पर हम पूछि देलिएन्हि जे अपने सब ऑफिस मे एतेक शंका रहैत कोनो काज कोना सम्पादन करैत छिऐक ? एहि प्रश्न पर ओ कने मुसकिया मात्र देलन्हि। कहलन्हि सब चोरक बीच रहियो कए चोर चोरी कइये लैत छैक। हमरा सबहक लाइन मे ई लूड़ि सीखए पड़ैत छैक। ड़

अपरिचित भोज्य पदार्थ

गाम पर बच्चा मे खिस्सा सुनियैक जे अपना गामक गाछी आ आन गामक पोखरि डेराओन होइत छैक। अपना गामक पोखरि लोक कें थाहल रहैत छैक, मुदा आन गामक पोखरि मे कतए खाधि छैक आ कतए ऊँच से नहि बुझला सँ धड़धड़ा कए पानि मे पैसि नहि सकैत छी। अपना गामक गाछीक बारे मे भुतहा खिस्सा सब बेसी सुनने रहैत अछि लोक, तें डेराओन, मुदा आन गामक गाछी तऽ सब बरोबरि।

मुदा ई तऽ कहियो विचारे नहि आएल छल जे एकदम अनठीया जगहक अपरिचित भोजनक प्रति केहन विचार हेबाक चाही। भारत मे रहैत लोक यदि एक कोन सँ दोसर कोन जेबो करत तऽ बहुत रास परिचित पदार्थ भेटिए जेतैक। किछु नबो भेटतैक, मुदा ओहि सँ डरेबाक बात तऽ नहिए, कारण लोक कें बूझल छैक जे साधारणतः कोन कोन अवयव आ मसाला आदि के व्यवहार ओहि मे भेल हेतैक। एतेक तऽ निश्चिते जे निरामिष आ सामिष मे मिझहर हेबाक कोनो डर नहि। एकदम नव आ अपरिचित पदार्थ हम सब खेने रही जखन पहिल बेर दरभंगा मे इडली डोसा के दोकान खुजल रहैक।

एतए अमेरिका मे किछु चीज एहेन भेटल जकर ने कहियो नाम सुनने छलियैक आ ने किछु बूझल छल जे एहि मे कोन प्रकारक पदार्थक उपयोग कएल गेलैक अछि।

प्रवासक दोसरे सप्ताह एकटा चालू प्रयोग मे हमर ड्यूटी लागि गेल रातुक पारी के। कोनो बात नहि, एकर तऽ अभ्यास बनले छल। गेलहुँ बारह बजे राति मे अपन ड्यूटी करए। पारीक समय बारह बजे राति सँ आठ बजे भोर तक छलैक। एकरा अमेरिकी बोलचालक भाषा मे 'आउल' सिफ्ट कहल जाइत छलैक। माने भेल एहेन समय जखन मात्र उल्लूएटा जागल रहैछ। ओहि पारी मे हमर दूटा आर सहकर्मी छलाह। हम तऽ नवे रही आ प्रशिक्षुक रूप मे जाइ। आ मशीनक

दूटा ऑपरेटर। कुल जमा पाँच गोटे रही राति मे ओहि बिल्डिंग मे। जखन भोर भेलैक, प्रायः पाँच बजेक समय, तखन एक गोटे प्रस्ताव देलखिन्ह जे हम सब दोनट आ कॉफी मँगावी। कॉफी तऽ हम बुझलियैक आ ईहो बुझलियैक जे सबेरे सबेरे कॉफी पीबाक चाही, मुदा दोनट की होइत छैक तकर कोनो अर्थ हमरा नहि बुझाएल। अस्तु, हमरा किछु करबाको नहि छल। एक गोटे कार सँ गेलाह आ एक पैकेट मे करीब दशटा दोनट आ पाँच पैघ कप एकदम भफाइत कॉफी लेने एलाह।

कॉफी बँटा गेल। हमहूँ अपन हिस्सा लऽ लेलहुँ। दोनट राखि देल गेल टेबुल पर। हमरा छोड़ि बाकी चारू गोटे एक एकटा दोनट सेहो उठा लेलन्हि आ लगलाह खाए। हमरा सेहो कहल गेल, मुदा कतहु कोनो कोन मे हमरा डर लागए जे की जानि एहि मे बीफ अथवा पोर्कक अंश होइक। दोनट हम पहिल बेर देखि रहल छलियैक। यदि इएह वस्तु आइ हाउस के डाइनिंग हॉल मे रहितैक तऽ हमरा कने मने अन्दाज लागि जाइत कारण ओतए सब तरहक वस्तु अपन उचित जगह राखल रहितैक। देखबा मे डोनट औंठी जकाँ गोल, करीब चारि पाँच इंच व्यास के, बीच मे खाली, जहिना औंठी रहैत छैक आ करीब एक इंच मोटगर। रंग गहुमा, हिसाबें कोनो पकमान जकाँ अथवा छानल पूरी जकाँ। मुदा ओ कथी सँ बनाओल जाइत छलैक से तऽ अज्ञात छल।

हम पुछलिएन्हि दोनट की होइत छैक? ताहि पर एक गोटे मजाकक रूप मे कहलन्हि " दोनट इज दोनट, ह्वाट एल्स?"। सम्भवतः हमर प्रश्नक अभिप्राय ओ नहि बुझलखिन्ह। तखन हम फरिछा कए पुछलियन्हि "एहि मे कोनो प्रकारक मांस आदि छैक की?" एहि पर चारू गोटे हँसए लगलाह। हुनका सब लेल हमर ई अज्ञानता अक्षम्य छल। परन्तु एक गोटे कें हमरा पर किछु दया एलन्हि आ ओ हमरा आश्वस्त केलन्हि जे एहि मे मांस नहि छैक।

तकर बाद हमहूँ एकटा दोनट उठा लेलहुँ आ एक बेर दाँत सँ काटल। जे टुकड़ी मुँह मे गेल तकर स्वादे सँ पता लागि गेल जे ई मैदा आ चीनी सँ बनल एक प्रकारक पकमान थिकैक। सत्ते मे मांसक कोनो अंश ओहि मे नहि छलैक। स्वाद ठीके ठाक। फेर तऽ हम निश्चिंत भऽ कए पूरा दोनट खा गेलहुँ।

भोजन व्यवस्था

आइ हाउस मे तीन समय भोजन देल जाइत छलैक : जलखै, लंच आ डिनर। ओतुका व्यवस्थाक अनुसार पैसा तऽ हमरा सबकें तीनू भोजनक लागि जाइते छल। मुदा लंचक समय आबि कए खाएब सम्भव नहि छल, कारण एबा जेबा मे आधा घंटा सँ बेसी समय लगैत छलैक। तें हम सब ब्राउन बैग लंच पैक कऽ ली। बहुतो लोक एना करैत छल। एहि लेल भिनसर मे जलखैक समय एकटा अलग टेबुल पर ब्रेड, मक्खन, दूध आ दही के डिब्बा, चीज के स्लाइस, फल आदि सामान लागल रहैत छलैक। लोक अपना रुचिक अनुसार सामान सब पैक कऽ लैत छल एकटा ब्राउन रंगक बैग मे। एकरा अमेरिकन बोलचाल मे ब्राउन बैग लंच कहल जाइत छलैक। ऑफिस मे ओतुका प्रचलनक हिसाबें कतेक लोक एहेन ब्राउन बैग लंच घर सँ अनैत छल आ लंचक समय खा लैत छल। खेबाक लेल ओतए साइक्लोट्रॉन बिल्डिंग के पासक बगीचा मे कतेक रास बेंच, टेबुल आदि बनल, जतए रौद मे बैसि कए खेबाक अपन आनन्द छलैक।

आइ हाउस के डाइनिंग हॉल मे दू प्रकारक भात भेटैत छलैक। साधारण अमेरिकन राइस, जे कने मोटगर उसना चाउरक बनल रहैत छलैक, आ जापानी राइस, जे नीक अरबा चाउरक बनल रहैत छलैक। जापानी राइस बेसी सिद्ध सेहो रहैत छलैक। अमेरिकन लोक सरिसोक साग सेहो खाइत छलथि। एकरा "मस्टर्ड ग्रीन" कहल जाइत छलैक। हिसाबें उसनले साग रहैत छलैक, तैयो भात संग खेबा लेल अन्य व्यंजन सँ नीके। ई मेल जहिया भेटि जाए, तहिया पेट भरि नीक जकाँ भोजन करी।

अमेरिकन भोजन मे लंचक महत्त्व कम छलैक। लोक जलखै पुष्ट सँ करैत छल आ हल्का फुल्का लंच। कियो कियो तऽ मात्र एकटा सेब खा कए काज चला लैत छल तऽ कियो 200 मिलीलीटरक दूधक पैकेट पीबि लेलक। बस एतबे। एलबीएल मे कैंटीन छलैक, मुदा कमे लोक ओतए जाइत छल आ सेहो हल्के फुल्के खाइत छल। तकर बाद साँझ मे छऽ सात बजे फेर पुष्ट सँ डिनर खेलक।

एतेक सबेरे खा लेला सँ जखन काजक भीड़ बढ़ए लागल आ देर राति तक काज करी, तखन भूख लागि जाइत छल। तकरा लेल बिस्कुट, फल आदि राखए लगलहुँ।

हमर परिचित एकटा प्रोफेसर एक मासक लेल हमरे गेस्ट बनि कए आइ हाउस मे रहल छलाह। ओ भारतेक एकटा यूनिवर्सिटी मे प्रोफेसर छलाह आ मात्र एक मासक लेल बर्कले गेल छलाह। हुनका लेल मात्र जलखै टा रूमक भाड़ा मे सम्मिलित छलैक। सब दिन अलग सँ डिनर के कूपन कीनैत छलहुँ। पैसा तऽ ओएह दैत छलखिन्ह, मुदा व्यवस्था हमरा नाम पर छल। एहि मे किछु सस्ता पड़ैत छलैक। ओ बेचारे तऽ जलखै मे एतेक बेसी खाइत छलाह जे लंचक कहियो काजे नहि पड़लन्हि।

बेरोजगार भारतीयक संग

अमेरिका प्रवास मे हम कलकत्ताक अपन ऑफिस सँ दू गोटे एकहि संग लौरेन्स बर्कले लैबोरेटरी गेल रही। हमर संगी छलाह पवन कुमार खेमका जे इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर छलाह। हुनका साइक्लोट्रॉन मे प्रयुक्त रेडियो फ्रिक्वेन्सी सिस्टमक जानकारी लेबाक छलन्हि। हुनक प्रवासक अवधि छऽ मास छलन्हि।

खेमका हमरा पहुँचलाक करीब पन्द्रह दिनक बाद अबैक प्रोग्राम बनौलन्हि। ओ पहिने सँ रहबाक कोनो व्यवस्था नहि केने छलाह। हमरे कहलन्हि किछु ताकक लेल। हम जखन आइ हाउस मे रहए लगलहुँ तऽ एक दिन ओतुका नोटिस बोर्ड पर एकटा विज्ञापन देखलियैक जे खेमकाक लेल आवासक सुविधा भऽ सकैत छलैक। ओहि मे देल टेलीफोन नम्बर पर हम सम्पर्क कएल, तऽ एकटा भारतीय व्यक्ति सँ गप भेल, जे अपन परिचय दिलीप कहि कए देलन्हि। खेमकाक लेल रहबाक व्यवस्था हुनके डेरा मे भऽ गेल। ई जगह बर्कले सँ कने दूर अलामीडा मे छलैक, मुदा नीक बस सेवा सँ जोड़ल।

दिलीप गायकवाड़ एखन बेरोजगार छलाह। ओ सिविल इंजिनीयरिंग मे डिप्लोमा केलाक बाद अपन बहिन द्वारा अमेरिका बजाओल गेल छलाह। हुनका ग्रीन कार्ड भेटि गेल छलन्हि। बेकटेल सन नामी कम्पनी मे हुनका नोकरी भेटि गेल छलन्हि आ ओही मे काज करैत ओ सानफ्रान्सिस्को एरिया पहुँचि गेलाह। एतए एलाक किछु दिनक बाद कम्पनीक हालत खराप भऽ गेला सँ हुनक छँटनी भऽ गेल छलन्हि। ओ अविवाहित छलाह आ एकसरे दू रूमक फ्लैट मे रहैत छलाह। बेरोजगार रहला सँ अपन आमदनी किछु बढ़बैक लेल एकटा रूम किराया पर उठबैक विचार केने छलाह। हमर प्रस्ताव, जे ओ रूम खेमका कें देल जाए, हुनका नीक लगलन्हि। बस, बात पक्का भऽ गेल। खेमका कें हम सूचित कऽ देलिएन्हि।

खेमकाक ऑफिसक काज साधारण सिफ्ट जकाँ नौ बजे सँ पाँच बजे धरिक छलन्हि। हुनका बस सँ एबा जेबा मे कोनो दिक्कत नहि छलन्हि। ताहू कारणें ई आवास हुनका लेल ठीके छलैक। आइ हाइसक तुलना मे किछु सस्ता सेहो।

जखन खेमका एलाह आ ओतए रहए लगलाह, तखन हमरा सबहक अमेरिकन जिनगीक लेल दिलीप एकटा नीक गाइड भऽ गेलाह। ओतुका सुपरमार्केट संस्कृति मे कोन वस्तु कतए सँ कीनल जाए तकर जानकारी देलन्हि। संगहि ओ अपना कार सँ शनि रवि कें बे एरियाक दर्शन सेहो कराबथि। एहि लेल हुनका गाड़ी मे पेट्रोल, जकरा अमेरिका मे गैस कहैत छलैक, हम दूनू मिल कए भरबा दिएन्हि। शुरू मे जखन काजक बोझ हल्लुक छल आ हम प्रयोग सब मे नीक जकाँ डूबल नहि छलहुँ, एहि तरहें बे एरियाक प्रायः सबटा जगह देखि लेल आ किछु अनुभवो भऽ गेल।

सी आइ ए एजेंट ?

करीब मास डेढ़ेक बीतल होएत कि एक दिन हमरा एकटा अपरिचित सँ फोन आएल। फोन पर ई जानि आश्चर्य भेल जे हुनका हमरा आ खेमका दूनू गोटेक बारे मे सबटा जानकारी छलन्हि। कहिया अमेरिका एलहुँ, कतए रहैत छी, कतए काज करैत छी आदि। हमर फोन नम्बर तऽ सम्भवतः हुनका आइ हाउसक ऑफिस सँ भेटल होएतन्हि। मुदा अमेरिका मे प्रवेश के तारीख कोना बूझल भेलन्हि ? खास कऽ कए खेमकाक लेल, जे एकदम प्राइवेट रूपें रहैत छलाह। हम तऽ आइ हाउस मे किछु फार्म आदि भरि कए देने छलियैक, जाहि मे अपन एबाक तिथि लिखने छलियैक, मुदा खेमकाक लेल तऽ सेहो किछु नहि भेल छलन्हि कतहु।

अमेरिका विदा हेबा सँ पहिने अपना ऑफिस मे सहकर्मी सबहक संग गप्पक बीच एतेक तऽ सूनल छल जे अमेरिकी जासूसी संस्था 'सीआइए' अमेरिका मे प्रवेश केनिहार व्यक्तिक दोजिये (व्यक्तिगत सूचनाक फाइल) तैयार कऽ लैत अछि। ईहो चर्चा होइक जे ओ संस्था भारतीय सबकें अपना जाल मे फँसेबाक लेल कतेक तरहक उपाय करैत छैक। मुदा एहेन चर्चा सब हँसी ठट्ठाक बीच होइत छलैक आ हम एकरा कोनो महत्व नहि देलियैक। अमेरिका मे रहैत एतेक दिन मे ईहो सुनबा मे आएल छल जे एहनो व्यक्ति सब छथि जे भारतक प्रति आशक्त छथि आ कोनो भारतीय सँ सम्पर्क करैत रहबाक लेल आइ हाउस सन जगह मे खोज पुछारि करैत रहैत छथि। हुनका भारतीय सबहक संग समय बितबै मे आनन्दक अनुभूति होइत छन्हि।

फोन पर ओ अपरिचित व्यक्ति हमरा अगिला रवि दिन कोनो रेस्तराँ मे भोजन करबाक लेल निमंत्रित केलन्हि। हमरा सँ आग्रह केलन्हि जे हम खेमका कें सेहो संग लेने आबी। हमरा ई प्रस्ताव कने अजगुत लागल। तत्काल हम हुनक निमंत्रण कें स्वीकार नहि कऽ सकलहुँ आ अगिला दिन फोन करबा लेल कहलिएन्हि जे हम खेमका सँ विचारि कए बता देब।

1974 मे भारत प्रथम परमाणु बमक विस्फोट कऽ लेने छल आ हम सब परमाणु ऊर्जा विभागक अधिकारी छलहुँ तें कने संवेदनशील स्थिति मे छलहुँ। ओना हम सब कलकत्ता मे साइक्लोट्रॉन प्रोजेक्ट मे काज करैत रही आ बम सम्बन्धी कोनो

काज सँ सरोकार नहि छल, मुदा 'सीआइए' के कोन दोजिए मे हम सब कोन रूपें वर्णित रही से तऽ बूझल नहि छल। आ तें साकांक्ष सेहो रहबाके छल।

अगिला दिन हम एहि बातक सूचना मेहरोत्रा साहेब कें देल। ओ कहलन्हि जे कने मने हिलबा मिलबा मे कोनो क्षति नहि, मुदा ऑफिसक बारे मे बेसी बात नहि कएल जाए। हम खेमका कें सेहो एहि निमंत्रणक सूचना दऽ देलियैक। ओहि अपरिचित व्यक्तिक फोन जखन आएल तखन हुनकर निमंत्रण स्वीकार कऽ लेल।

शनि कें ओ व्यक्ति फेर फोन पर जानकारी देलन्हि जे ओ हमरा लेबाक लेल रवि कें ठीक एगारह बजे औताह आ बर्कले मरीना के एकटा रेस्तराँ मे संडे ब्रंचक प्रोग्राम बनौलन्हि अछि। ओ ईहो बतौलन्हि जे हुनक गाड़ीक रंग केहेन रहतन्हि आ ओकर नम्बर की रहतैक। हम हुनका बता देल जे हम दूनू गोटे आइ हाउस मे भेटि जेबेन्हि।

निर्धारित समय पर रवि दिन ओ उपस्थित भऽ गेलाह। खेमका सबेरे डेरा सँ आइ हाउस आबि गेल छलाह। हम दूनू गोटे प्रतीक्षा मे रहबे करी। हुनका गाड़ी मे बैसल आ विदा भेलहुँ बर्कले मरीना के सी फूड रेस्तराँ। रवि दिन ओतेक सबेरे रेस्तराँ एकदम खाली छलैक आ हम तीनू गोटे पहिल ग्राहक छलहुँ।

हमरा सबहक होस्ट महोदय ब्रंचक बारे मे भाषण देब शुरू केलन्हि। कोना ब्रेकफास्ट आ लंच मिला कए एहि शब्दक उत्पत्ति भेलैक। रवि दिन प्रायः लोक देरी सँ उठैत अछि, कारण शनि कें बेसी राति तक पार्टी आदि मे बाझल रहैत अछि। थाकल रहबाक कारण फेर ब्रेकफास्ट आ लंच अलग सँ के इन्तजाम करए, तें ब्रेकफास्टक लेल कने देरी आ लंचक लेल कने सबेर समय, जेना एगारह बजे के आसपास, लोक खा लैत अछि जकरा ब्रंच कहि देल गेलैक। भारत मे तऽ प्रायः 90 प्रतिशत नौकरिहारा दस एगारह बजे घर सँ खाइये कए बहराइत अछि ऑफिस, मुदा ब्रंच शब्दक व्यवहार भारतीय समाज मे नहि छल। ई तऽ अमेरिकन लोकनिक आविष्कार छल।

मेनू मे हमरा सबहक कोनो खास प्राथमिकता नहि छल। मात्र एतबे जे बीफ, पोर्क वर्जित राखल जाए। ओएह किछु आर्डर देलखिन्ह। भाषणक क्रम चलैत रहल। भारत मे सामाजिक जीवन आ अमेरिका मे सामाजिक जीवन मुख्य विषय छल। अमेरिका मे जीवन यापन कें श्रेष्ठ बताएब हुनक मुख्य उद्येश्य छलन्हि। बीच बीच मे ओ हमरा दूनू गोटें कें कतेक तरहक प्रलोभन सेहो दैत गेलाह। हुनका बे एरिया (सानफ्रान्सिस्को आ आसपास के शहर सबहक क्षेत्रक एकटा सम्बोधन) मे सबटा ओपेरा मे कम्प्लाइमेंटरी पास भेटैत छलन्हि। हमरा सब कें जे कोनो ओपेरा मे जहिया जेबाक हो, हुनका सम्पर्क करी, ओ मुफ्त पास पठबा देताह। सएह बात सिनेमा हॉलक लेल सेहो। जखन कोनो सिनेमा आदि देखबाक हो, हुनका सम्पर्क करी, ओ फ्री पासक व्यवस्था कऽ देताह। कतहु घुमबाक प्रोग्राम बनाबी तऽ हुनका सूचित करी। हमरा सब कें बे एरिया आ आसपासक क्षेत्र घुमेबा मे हुनका खुशी हेतन्हि।

हम सब भोजन करैत रहलहुँ आ गप सरक्का चलैत रहलैक। बीच बीच मे ई प्रश्नो उठैक जे भारत सन गरीब देश कें परमाणु बम विस्फोट करबाक की प्रयोजन छलैक। हम सब एकर चर्चा मे अपन पूर्ण अनभिज्ञताक प्रदर्शन कएल। कोनो तरहक राजनीतिक चर्चा सँ, निकरागुआ मे अमेरिकाक आक्रामक नीति हो अथवा भारतक कोनो अन्य विदेश नीति, हम सब बचले रहलहुँ। एकदिसाह हुनके बात सुनैत रहलहुँ। हम एकेटा बात हुनका पुछने छलिएन्हि जे ओ भारत कतेक बेर गेल छथि, मुदा तकर उत्तर ओ टारि गेलाह। ई हमरा कने अजगुत लागल छल। एवं प्रकारे ओहि दिनक ब्रंच लंच समय मे प्रायः डेढ़ बजे समाप्त भेल। तकर बाद ओहि दिन हुनक प्रस्ताव छलन्हि कोनो सिनेमा जेबाक। मुदा एहि प्रोग्राम लेल हम सब तैयार नहि भेलहुँ, तें घूरि कए ओ हमरा दूनू कें आइ हाउस छोड़ि देलन्हि।

हुनक फोन समय समय पर अबैत रहल। एक बेर फेर भेंट हेबाक प्रोग्राम बनल, मुदा ताहि समय खेमका कें ट्रेनिंग सम्बन्धी किछु जरूरी काज भऽ गेलन्हि आ ओ नहि जा सकलाह। फेर हमहूँ कोनो बहाना बना कए टारि देलियैक। धीरे धीरे फोन आएब कम भऽ गेल। फेर हम सब अपन अपन काज मे सेहो अत्यधिक व्यस्त भऽ गेलहुँ आ हुनका सँ सम्पर्क टुटिए गेल।

ई प्रश्न अनुत्तरित रहिए गेल जे ओ व्यक्ति कोन उद्येश्य सँ हमरा सब सँ सम्पर्क बढ़बऽ चाहैत छलाह।

आर यू स्पीकिंग इंगलिश ?

अंग्रेजी बाजब हम सब अपना स्कूल कालेज मे किछु किछु सिखने रही। बजबा मे गति आएल बीएआरसी मुम्बई जा कए। मुदा उच्चारण परिष्कृत नहिए भेल छल। उच्चारण मे क्षेत्रीय 'एक्सेंट'क समस्या सब ठाम रहिते छैक। इंगलैंडक भाषा, अमेरिकाक भाषा आ आस्ट्रेलियाक भाषा मे काफी अन्तर छैक, यद्यपि सब अंग्रेजिये बजैत छथि। तहिना फ्रेंच, इटालियन आदि देशक लोकक अंग्रेजी बाजब आ जापानी लोकक अंग्रेजी बाजब सेहो अपनहि चिन्हा जाइत छैक। भारतीय उपमहाद्वीप मे सेहो विभिन्न क्षेत्रक लोक अंग्रेजीक उच्चारण अलग अलग करैत छथि। पंजाब मे पैघ पैघ विद्वान स्कूल कें सकूल बजैत भेटताह।

हमर अंग्रेजीक उच्चारण सेहो अपन क्षेत्रीय 'एक्सेंट' सँ प्रभावित छले, मुदा हमरा अपन बात कोनो सहकर्मी कें बुझेबा मे कतहु दिक्कत नहि भेल छल। अमेरिका मे तऽ भौतिकविद लोकनि संसारक विभिन्न क्षेत्र सँ आबथि तें एक दोसराक भाषा कें बूझि लेथि। अथवा कहि सकैत छिऐक जे बूझि लेब बाध्यता भऽ गेल छलन्हि। मुदा जनसाधारणक लेल सब ठामक एक्सेंट बूझब आसान नहि छलैक। हम अमेरिकन उच्चारण सिखबाक प्रयास नहि कएल। तथापि दैनिक कार्य मे कतहु बाधा नहि भेल। एकाध परिवर्तन, जेना जेड कें जी बाजब, आदि स्वाभाविक रूपें आबि गेल छल।

एक बेर हमरा 'वेरियन' कम्पनी सँ किछु सूचना लेबाक छल। फोन सुविधा रहला सँ लोक चिट्ठी लिखब छोड़ि एहेन कोनो काजक लेल चट सँ फोन उठा लैत छल। अमेरिका मे फोन सस्तो बहुत आ फोनक बिल तऽ एलबीएल कें भरऽ पड़ैत छलैक। हमहूँ सएह कएल। फोन ओहि कम्पनीक ऑपरेटर सँ विभिन्न विभाग मे ट्रान्सफर होइत जखन सही जगह पहुँचल तऽ एकटा महिला बात करब शुरू केलन्हि। हम हुनका अपन मन्तव्य जनाओल आ जाहि चीजक सूचना चाहैत छलहुँ तकर वर्णन कएल। हम करीब पाँच मिनट तक एकदिसाहे बजैत रहलहुँ। अन्त मे हुनकर प्रतिक्रिया आएल : आर यू स्पीकिंग इंगलिश ? हमरा लागल जे एतेक काल हम कोनो महींसक आगू गीत गाबि रहल छलहुँ। हम हतास भऽ कए फोन राखि देल। बाद मे ओ सूचना चिट्ठी लिख कए मँगाओल।

एतए आलू नहि भेटैछ

जखन हम बर्कले मे काज करैत रही तखन जेम्स साइमन्स हमर बहुत निकट के सहकर्मी छलाह। ओ ब्रिटिश छलाह, ऑक्सफोर्ड सँ पीएचडी कऽ कए एलबीएल मे डेविड स्कॉटक ग्रुप मे पोस्टडॉक्टरल फेलोक रूप मे काज करैत छलाह।

बर्कले मे रहैत हम सब बहुत घनिष्ट भऽ गेल रही। हमरा अपना कार नहि छल। जेम्स कें कार छलन्हि। हुनका भारतीय भोजन सेहो रुचिकर लगन्हि। रविक संध्या हमरा आइ हाउस मे भोजन नहि भेटैत छल। हम सब रविक संध्या कहियो कहियो भारतीय भोजन करबा लेल इंडियन रेस्तराँ सब मे चल जाइ।

हमरा हिसाबें ब्रिटेन सँ अमेरिका आबि हुनका तऽ कोनो प्रकारक असुविधा नहिए भेल हेतन्हि, कारण दुनू ठामक भाषा एके आ सभ्यता सेहो करीब करीब एके छलैक। मुदा हुनका हिसाबें से बात नहि छलैक। ओ ब्रिटिश सभ्यता कें अमेरिकन सभ्यताक तुलना मे श्रेष्ठ मानैत छलखिन्ह। क्रिकेट कें छोड़िओ दियौक, तऽ हुनका एतए जे सबसँ बेसी खटकैत छलन्हि, से छल आलू। हुनकर कहब जे अमेरिका मे लोक चाउर, गहूम बेसी खाइत अछि, आलू बहुत कम आ सेहो ओहेन आलू कतए पाबी जे ब्रिटेन मे भेटैत छलैक।

ई सूनि हमरा बड़ आश्चर्य लागल जे एकटा पाश्चात्य देश सँ दोसर पाश्चात्य देश मे आएल लोक कें, जकरा भाषाक समस्या सेहो नहि छैक, अपन 'देश' एतेक मोन पड़ैत छैक आ ओतुका रहन सहन सेहो अलग लगैत छैक। खास कऽ कए भोजनक समस्या हुनको सब कें ओहिना छन्हि, जेना एकटा भारतीय आ कि चीनी लोक कें हेतैक।

कसरत कखन आ केहेन केहेन ?

अमेरिकन लोक हेल्थ आ फिटनेस लऽ कए सनकी होइत अछि। ई तऽ सुनने छलियैक। जौगिंग के क्रेज चलल छलैक, सेहो बूझल छल। जखन भोर मे आइ हाउस सँ एलबीएल जाइ तऽ रस्ता मे जे खेलक मैदान छलैक, ताहि मे हरदम कोनो ने कोनो लोक कें जौगिंग करिते देखियैक। कैम्पस मे विभिन्न सड़क पर सेहो जौगिंग करैत लोक भेटि जाए। मुदा दिन देखार तऽ ठीक छलैक जे जकरा जखन समय भेटलैक, अपन हिस्साक कसरत कऽ लेलक।

एक राति हम आउल सिफ्ट मे रही। कहबी छलैक जे एहि सिफ्ट मे मात्र नवका नवका शोध छात्रक ड्यूटी लगाओल जाइत छलैक। सीनियर वैज्ञानिक अथवा प्रोफेसर लोकनि तऽ अपने राति मे आराम करैत छलाह आ दिन मे आबि कए ज्ञान झारैत छलाह।

ओहि राति साइक्लोट्रॉन के ठंढा जल सप्लाई करए बला मशीन मे किछु खराबी भऽ गेलैक, तें काज करीब अढ़ाई बजे राति मे बन्द कऽ देल गेलैक। आब भोरे आठ बजे जखन जेनरल सिफ्ट मे मिस्त्री सब अबितैक, तखन ओकरा ठीक कएल जइतैक। सब अपन अपन गाड़ी लेलक आ घर चल गेल। हम एतेक पुरान नहि भेल छलहुँ आ ने ककरो सँ घनिष्टता भेल छल जे कहितियैक हमरा आइ हाउस पहुँचा दै लेल। लगलहुँ ओहू समय मे टहलि कए वापस आइ हाउस आबए। टिपिर टिपिर पानि से परए लगलैक। समय एकदम ओ गोनू झाक खिस्सा बला। मुदा दोसर कोनो विकल्प नहि छल। कने डर तऽ हुअए एतेक राति अनठीया जगह मे एकसरे चलैत, मुदा सड़क पर इजोत पूरा छलैक तें भरोस छल।

गोनू झा चोर कें छकबैक लेल स्वांग रचने छलाह। हुनके देखि कए चोर बाजल रहए "टिपिर टिपिर पानि परए, गाम निशोदंड। एहेन मुर्दा कहियो ने देखल, हाथ मुंगरदंड"। चोरबाक लेल ओहि निशाभाग राति मे देखल दृश्य अविश्वसनीय छलैक। हमहूँ ओतेक निशाभाग राति मे जे देखल से मुंगरदंड बला मुर्दा तऽ नहि, मुदा खूब अजगुत जरूरे छलैक।

आइ हाउसक रस्ता मे जे मैदान पड़ैत छलैक ताहि मे एतेक राति मे किछु गोटे जौगिंग कऽ रहल छलाह। पुछबाक साहस तऽ नहि भेल जे ई कोन समय भेलैक कसरत करबाक ? हम अपना बाटें चलैत रहलहुँ। मुदा एखनहुँ सोचि कए आश्चर्य लगैत अछि ओहि सभ्यताक मनुक्ख सब पर जे दू अढ़ाई बजे रातियो मे टिपिर टिपिर पानि पड़ैत रहलाक अछैतो कसरत के कोटा पूरा कैए लैत छल।

दोसर एकटा दृश्य देखल एक दिन बर्कलेक आवासीय इलाका मे। जेम्स साइमन्सक संग उपर पहाड़ी पर गाड़ी सँ चल जाइत रही। ओ हमरा बर्कलेक आवासीय इलाका देखा रहल छलाह। दुपहरियाक समय नीक मौसम, रौद सेहो खूब। रस्ता मे देखल एकटा खूब हृष्टपुष्ट नीग्रो नवयुवक भरिगर कुरहरि सँ काठक एकटा सक्कत ढेंग कें फाड़ैत। ढेंग बेस सक्कत गिरह बला छलैक आ हुनकर कुरहरिक चोट के कोनो बेसी असरि ओहि पर नहि पड़ैत छलैक। ओ अपस्याँत भेल अपना काज मे लागल छलाह। घामे तर बतर भेल। हमरा बड़ अजगुत लागल ई काज। यदि हुनका जाड़निक काज छलन्हि तऽ कोनो दोसर नीक काठ तकितथि। मुदा ईहो आश्चर्य जे एतए लोक कें जाड़निक कोन काज हेतैक। बर्कले एतेक ठंढा जगह नहि छलैक जे लोक जाड़ो मे घर मे आगि जड़बितए। आ तकरो लेल तऽ चेरा सब बिकाइते छलैक। तखन हिनकर एहि काजक की उद्येश्य ? जेम्स, जे गाड़ी चला रहल छलाह आ ओहि इलाका सँ परिचित छलाह, तिनका पुछलिएन्हि एकर रहस्य। ओ जे बतौलन्हि से सुनि कऽ हमरा कतेक आश्चर्य भेल से की कहू !

ओ व्यक्ति असल मे कसरत कऽ रहल छलाह। हुनका लेल सक्कत काठ पर कुरहरि भाँजब एकर एकटा तरीका छलन्हि। आब बूझि गेलियैक जे जिम के आविष्कार जरूर अमेरिके मे भेलैक, मुदा कतेको सनकी लोक एखन पुस्तैनी कसरत नहि छोड़लन्हि अछि। अथवा ईहो कहि सकैत छिऐक जे नव नव तरीका के कसरत सबहक आविष्कार भऽ रहलैक अछि। कुरहरि चलाएब देखि लेलियैक, मुदा कोदारि तामि कए कसरत करब नहि देखि पौलहुँ।

मिस्टर एट लार्ज

एलबीएल मे ओहि समय जे सबसँ नामी व्यक्ति छलाह ओ भेलाह नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर ग्लेन टी सीबॉर्ग। ओ बहुत पहिनहि रिटायर कऽ गेल रहथि। यूरेनियम सँ बेसी परमाणु संख्या बला तत्व (trans-uranic elements) के खोज मे हिनक मूर्धन्य योगदान छलन्हि आ ताही लेल हिनका 1951 मे रसायन शास्त्र मे नोबेल पुरस्कार भेटल छलन्हि। अपना सेवाकाल मे ओ बहुत पैघ पद सब पर कार्य केलन्हि, जाहि मे दश बरख तक अमेरिकाक परमाणु ऊर्जा आयोगक अध्यक्ष सेहो रहल छलाह। अपन युवावस्था मे ओ एलबीएलक एसोसिएट डायरेक्टर रहल छलाह। रिटायरमेंटक बादो रिसर्च मे ओ खूब व्यस्त छलाह। हिनकर अपन एकटा ग्रुप छलन्हि आ कतेको शोध छात्र एखनहुँ हिनका निर्देशन मे पीएचडी कऽ रहल छलाह।

हुनका लेल एलबीएल मे विशेष व्यवस्था कएल गेल छल जे ओ वैज्ञानिक रूपें रहथि आ काज करथि। एहि लेल हुनका एकटा पद सेहो देल गेल छल "एसोसिएट डायरेक्टर एट लार्ज"। लैब मे एकटा स्थायी डायरेक्टर तऽ छलाहे आ हुनका नीचा पाँच छऽ टा एसोसिएट डायरेक्टर सेहो छलखिन्ह। मुदा ई पद सब सँ भिन्न छलैक। एहि मे कोनो प्रशासकीय जबाबदेही नहि छलैक।

पैंसठि बर्षक सीबॉर्ग महोदय हमरा सबहक हिसाबें बूढ़ छलाह, मुदा अपना हिसाबें नहि। करीब साढ़े छऽ फुटक शरीर आ काठी सक्कत एहेन जे ओहू उमेर मे ओ नित दिन पहाड़ी पर सड़कक घुमावदार रस्ता सँ नहि, अपितु सोझे सीढ़ी बला चढ़ाई चढैत छलाह जाहि मे हमरा सब कें नवयुवक रहितहुँ दम फुलए लगैत छल। ई चढ़ाई करीब डेढ सौ सीढ़ी के छलैक।

हुनक एहि विशेष पदक लेल मजाक मे परोछ मे लोक हुनका मिस्टर 'एट लार्ज' सँ सम्बोधित करैत छल।

माइ कम्प्यूटर टेल्स मी

सानफ्रान्सिस्को इलाका मे विभिन्न शहर कें जोड़ैत एकटा द्रुतगति संचार सेवा छलैक जकरा 'बे एरिया रैपिड ट्रान्जिट' संक्षेप मे बार्ट (BART) कहल जाइत छलैक। ई एक प्रकारक मेट्रो सेवा छलैक जाहि मे पैघ शहर सब मे ट्रेन भूमिगत आ छोट शहर सब मे जमीन पर चलैत छलैक। बार्टक ट्रेन संचालन पूर्णतया कम्प्यूटरीकृत बनाओल गेल छलैक, जे

सत्तरि के दशक मे एकटा नव आ महत्वपूर्ण प्रयोग छलैक। बार्टक व्यवस्थापक लोकनि आ कर्मचारी लोकनि कें कम्प्यूटरक दक्षता पर पूर्ण विश्वास छलन्हि। एतेक बेसी जे एकरा अन्धविश्वासक हद कहि सकैत छलिऐक।

बार्टक एकटा स्टेशन छलैक मैकआर्थर, जे बर्कले आ ऑकलैण्डक बीच पड़ैत छलैक। ई जगह एकटा निर्जन स्थान छलैक आ चारू कात एक्सप्रेसवेक फ्लाईओवर के जालक मध्य कने डेराओन सेहो। तै पर सँ आसपासक बस्ती अफ्रिकन अमेरिकन (जकरा पहिने नीग्रो कहल जाइत छलैक) लोक सबहक, जे ओकरा आर भयावह बनबैत छलैक। मुदा ई स्टेशन एकटा जंकसन छलैक, तें एतए लोक कें गाड़ी बदलए पड़ैत छलैक।

एक लाइन सँ दोसर लाइन पर जेबाक लेल एस्केलेटरक अतिरिक्त लिफ्ट सेहो छलैक। एक दिन हम खेमकाक संग एहि ठाम ओ लिफ्ट लेलहुँ उपरका लाइन सँ निचुलका लाइन पर आबक लेल। लिफ्ट मे भीतर गेलहुँ। लिफ्ट बन्दो भेल आ कने कालक लेल लागल जे ठाढ़े अछि। फेर दरवाजा अपनहि खूजि गेल। हम सब ओतहि रही जतए चढ़ल रही। दू तीन बेर प्रयास कएल, मुदा नीचा नहिए जा भेल। लिफ्ट सम्भवतः खराप भऽ गेल छलैक।

फेर सीढ़ी सँ नीचा उतरि हम सब सोचल जे एकर सूचना दऽ दियैक। बार्टक व्यवस्था मे कम्प्यूटर के ततेक व्यवहार भेल छलैक जे आब लोक रहितहि नहि छलैक। एकटा निश्चित समय मे स्टेशन एजेंट कहि एक गोटेक डयूटी रहैत। संयोग सँ ओहि समय ओ स्टेशन एजेंट, जे एकटा अफ्रिकन अमेरिकन नवयुवती छलीह, अपना सीटे पर छलीह। हुनकर घर तऽ बन्द छलन्हि, मुदा एकटा छोट खिड़की खूजल, जाहि सँ बात कएल जा सकैत छल।

हम हुनका जनाओल जे लिफ्ट मे गड़बड़ी भऽ गेल अछि। ओ उपर सँ नीचा नहि अबैत अछि। ताहि पर ओ कहलन्हि जे अहाँ सब एक बेर फेर उपर जा कए कोशिश करियौक आ हम कम्प्यूटर पर नजरि रखने छी। हम सब तहिना कएल। लिफ्ट किएक नीचा आओत? फेर हम सीढ़ी सँ नीचा उतरि हुनका जनाओल जे जहिना पहिने भेल छल तहिना भेल। आब हुनकर उत्तर सुनै बला छल "my computer tells me that the lift has gone down and also gone up once".

हम सब कतबो हुनका बुझाएल जे लिफ्ट घुसकबे नहि कएल, मुदा हुनका अपना कम्प्यूटर पर बेसी विश्वास छलन्हि, लोकक कथन पर नहि। ई कम्प्यूटर युगक शुरुआते छलैक, तखनहुँ एहि मशीन पर एतेक विश्वास! जानि नहि ओ लिफ्ट कहिया ठीक कराओल गेलैक।

करैला किएक खाइत छी ?

बर्कले मे जखन रही तऽ किछु दिन आइ हाउस मे रहलाक बाद विचार भेल जे अलग डेरा लऽ कए रही। खेमका सेहो एहि लेल तैयार भऽ गेलाह। ओहो दिलीप गायकवाड़ सँ मुक्ति चाहैत छलाह। दोसर कारण भेलैक जे दिलीप स्वयं अपन फ्लैट खाली करबाक निर्णय लेलन्हि। ओ कैलिफोर्निया छोड़ि नोकरीक खोज मे ओहैयो जाए चाहैत छलाह, जतए हुनकर बहिन रहैत छलखिन्ह।

केम्पस के काते मे हमरा सब कें एकटा फ्लैट मे एकटा रूम भेटि गेल। ओ फ्लैट एकटा अमेरिकन रखने छल, जे दिलीपे जकाँ बेकार बैसल छल आ नोकरीक जोगार मे छल। हमरा सब कें एक रूम मे दूटा बेड भेटि गेल आ किचेन व्यवहार करबाक सुविधा सेहो। ओकर बाथरूम अलग आ हमरा दूनू गोटेक लेल अलग। ईहो नीके छल जे ओकरा अनेरेक शिकाएत करबाक मौका नहि भेटितैक। ओ अमेरिकन किचेन कमे आबए आ हमरा सब कें भारतीय भोजन बनबै मे कोनो असुविधा नहि होइत छल। कहियो कए ओकरो बजा लिऐक, मुदा ओकरा शाकाहारी भोजन बेसी रुचैक नहि आ हम सब मांसाहारी बेसी काल बनाबी नहि।

एतए खेमका साँझ कए बीयर पीबए बैसि जाथि। ओ यादवपुर यूनिवर्सिटीक छात्र रहल छलाह, आ तें 'लिवरेटेड' छलाह। बीयर आदि ओ बहुत पहिनहि सँ पिबैत छलाह। अमेरिका मे बीयर बहुत सस्ता भेटैत छलैक। मिनरल वाटरो सँ सस्ते बूझू। हम तऽ एखनहुँ कंठी बन्हने छलहुँ। टीटोटलर भेल रही। कहियो कए दिलीप सेहो आबि जाथि खेमकाक संग दै लेल। ओ दूनू गोटे कहियो कए वाइन आदि सेहो लऽ आनथि।

बीयरके संग ओ सब पापर सेकि कए खाथि। पापर हमरो भेटि जाइत छल। हमरा आश्चर्य लागए जे आखिर एहि ड्रिंक मे की भेटैत छैक जे लोक पिबैत अछि। हम पुछलियन्हि खेमका कें "बियर केहन लगैत अछि ?" ओ कहलन्हि "तीत"। तखन हमरा आर आश्चर्य भेल जे तीत वस्तु लोक किएक पीत ? मुदा खेमका तऽ एहि प्रश्नक उत्तर लेल तैयारे छलाह। ओ उनटे हमरा प्रश्न केलन्हि "करैला किएक खाइत छी ?" हम आशय तऽ बूझि गेलियैक, मुदा एहि लेल कंठी तोरबाक कोनो जरूरति नहि बुझलियैक।

यूनिवर्सल स्टूडियो

दिसम्बर 1977 मे हम आ खेमका विचारल कने लॉस एंजेल्स आ डिसनीलैंड आदि घूमल जाए। खेमका लेल तऽ प्रवास छबे मास छलन्हि आ मार्चक बाद ओ कलकत्ता वापस चलि जइतथि। एखन हमहूँ काज मे बहुत डूबल नहि छलहुँ। तें ई नीक अवसर छल।

हम सब बस सँ सानफ्रान्सिस्को सँ लॉस एंजेल्स गेलहुँ। ओही बेर पहिले पहिल देखल जे बस मे शौचालय सेहो छलैक। एक तऽ अमेरिकन हाइवे आ दोसर बसक नीक बनाबट। आठ घंटाक रातुक रस्ता नीके जकाँ कटि गेल। ओतए पहुँचि लगे मे अपना बजटक अनुसार एकटा होटल लेल।

लॉस एंजेल्स मे यूनिवर्सल स्टूडियो एकटा नामी आ दर्शनीय जगह छलैक। हम दूनू गोटे ओकर 'कन्डक्टेड टूर'क टिकट लऽ कए देखबा लेल गेलहुँ। ओही समय प्रसिद्ध फिल्म 'जौज' (jaws) आ 'मिलियन डॉलर मैन' के शूटिंग भेल छलैक।

टूर कें मुख्यतः तीन भाग मे बाँटल गेल छल। पहिल भाग मे हम सब एकटा बस मे बैसि कए ओकर विस्तृत कैम्पसक दर्शन केलहुँ। एही रस्ता मे हमरा सबहक बस कें एकटा एहेन पुल पर सँ पार कएल गेल जे चारू कात घूमए लगलैक। हमरा सबकें तऽ लागल जे आब घुरमा लागि जाएत। ई मात्र एकटा भ्रम उत्पन्न कएल गेल छलैक। तकरा बाद बसक रस्ता ओहि पोखरिक काते कात छलैक जाहि मे प्रसिद्ध फिल्म 'जौज' के शूटिंग भेल छलैक। एहि मे एकटा दृश्य छैक जे शार्क जखन एकटा लोक कें मारि कए खाइत छैक, तखन पानिक उपर खून आबि गेला सँ जल मे बेस पैघ लाल धब्बा जकाँ बनैत छैक। से देखलियैक जे जखन हमरा सबहक बस ओहि पोखरिक कात मे एलैक, तखन जेना जेना गाइड बजैत जाइक ओही अनुसारें बीच पोखरि मे एकटा लाल धब्बा करीब सात आठ फुट के घेरा मे बनि गेलैक। मुदा आश्चर्य तखन भेल जे बस कें आगू निकलि गेला पर जखन पाछू घूमि कए तकलियैक, तखन पोखरि एकदम साफ देखाएल, जेना ओ लाल धब्बा बिला गेलैक। आश्चर्य लागल जे कोन तकनीक व्यवहार कएल गेलैक एहि लाल धब्बा कें देखेबा मे जे बसक यात्राक संग जोड़ा गेल छलैक आ सेहो मात्र तात्कालिक रूपें। धब्बा स्थायी सेहो नहि छलैक। ई गुप्त रहस्य गाइड नहिए बतौलन्हि।

बस सँ यात्रा करैत हम सब स्टूडियोक ओहो भाग सब देखल जतए विभिन्न सभ्यताक अपन गाम घर बनाओल छलैक। भारतीय उपमहाद्वीप के गामक भीतक घर, खढ़ सँ छारल घर, मिस्रक ग्रामीण इलाकाक घर, तुर्कीक घर सब आदि अनेको प्रकारक सभ्यताक दर्शन भेल। एहि सब दृश्यक शूटिंग के लेल यूनिवर्सल स्टूडियोक लोक सब भारत आ अफ्रिकाक गामे गाम बौआइत नहि छल।

टूरक दोसर भाग मे हमरा सब कें विशेष प्रभाव (special effects) के शूटिंग देखाओल गेल। एहि विशेष प्रभावक खोज ओतहि भेल छलैक सत्तरिके दशक मे आ टटका बात छलैक। दूटा प्रभाव टटका टटकी उदाहरण द्वारा सेहो देखाएल गेल।

पहिल मे मॉस्कोक रेड स्क्वायरक एकटा पैघ फोटो टाँगि देल गेल। दर्शक मे सँ एक गोटे कें चुनि कए ओहि फोटोक सामने आनल गेल आ हुनका सँ 'एक्टर' जकाँ हाथ पैर चलबैत कोनो क्रिया कलाप करबा लेल कहल गेल। कैमरा तैयार छल। शूटिंग चालू कऽ देल गेल। कोना कए की फोटो लेल गेल से तऽ नहि बुझलियैक, मुदा किछु कालक बाद हमरा सब कें एकटा छोट फिल्म देखाएल गेल। एहि मे हम सब देखल जे ओएह दर्शक, जे एक्टर बनल छलाह, से मॉस्कोक रेड स्क्वायर मे अपन खेल कऽ रहल छलाह। हमरा ई आश्चर्य लागल जे मात्र एकटा फोटो लऽ कए आ बिना कतहु गेने एहेन दृश्य तैयार भऽ गेल।

विशेष प्रभावक दोसर आर बेसी आश्चर्य बला दृश्य देखाओल गेल जे 'मिलियन डालर मैन' सिनेमा सँ सम्बन्धित छल। ईहो सिनेमा किछुए समय पहिने रिलीज भेल छलैक। एहि मे एकटा दृश्य छैक जे हीरो एके मुक्का मे एकटा ट्रक कें तोरि कए खसा दैत छैक।

हमरा सब कें एकटा ट्रकक सामने ठाढ़ कऽ देल गेल। फेर दर्शके मे सँ एक गोटे कें चूनल गेल। हुनका कहल गेल जे ट्रक कें चोट दियौक आ तोरू। ओ बेचारे चेष्टा केलन्हि। किएक किछु हेतैक ? तकर बाद हुनका एकटा कोन मे लऽ जा कए टूर गाइड कान मे कोनो गुरूमंत्र देलखिन्ह। की कहल गेलैक से तऽ हम सब नहि बुझलियैक, मुदा तकर बाद जे ओ ट्रक कें मुक्का मारलन्हि तऽ वाह रे वाह ! ट्रक भड़भड़ा कए खसि पड़लैक। हम सब अन्दाज केलियैक जे ओतए राखल ट्रक कोनो साधारण ट्रक नहि, अपितु, एकटा विशिष्ट मशीन छलैक, जाहि मे कोनो मर्मस्थल छलैक, जतए चोट केला सँ एक पर एक सबटा नट बोल्ट खूजि जाइत छलैक। एही तरहें मिलियन डालर मैनक शूटिंग भेल हेतैक। दर्शक सँ हीरो बनल ओहि व्यक्ति कें जखन एक कोन मे लऽ जा कए कान मे गुरूमंत्र देल गेल, तखन ओही मर्मस्थलक जानकारी हुनका बताओल गेल छल से अन्दाज भेल।

ई दूनू दृश्य विस्मयकारी छल। एकर बाद लंचक समय भऽ गेलैक। टूरक तेसर भाग मे लंचक बाद हॉलीवुडक कोनो नामी हीरो सँ दर्शक लोकनि कें भेंट कराओल जइतन्हि। हमरा सब कें एहि मे कोनो विशेष रुचि नहि छल आ लंचक बाद हम सब यूनिवर्सल स्टूडियो सँ घूरि एलहुँ।

डिसनीलैंडक रस्ता मे

दोसर दिनक भोरबा मे हम सब डिसनीलैंड जेबाक प्रोग्राम बनेलहुँ। कहल गेल छल जे ओतए बहुत बेसी लाइन लगैत छैक तें सबेरे जाएब ठीक रहत। कतेक सबेरे से हम सब बूझि नहि सकलियैक। हमरा सब कें लॉस एंजेल्स बस अड्डा सँ अनाहाइम जेबाक छल। ओतए सँ लोक टहलि कए डिसनीलैंडक कैम्पस जा सकैत छल।

हमरा सब कें ई बूझल नहि भेल जे बस कतेक समय लेतैक पहुँचबै मे आ कोन समय लॉस एंजेल्स छोड़ी। हम सब धड़फड़ी मे किछु सबेरे विदा भऽ गेलहुँ। बस अड्डा होटल के पासे मे छलैक। हम सब ओतए तीन बजे रातिए मे पहुँचि गेलहुँ आ टिकट कटा एकटा बस मे बैसि गेलहुँ। बसक गन्तव्य स्थल कोनो दूरक जगह छलैक, मुदा ओ अनाहाइम होइते जइतैक। बस कें मुश्किल सँ एक सवा घंटा लागल हेतैक। हमरा सब कें अनाहाइम के बस स्टॉप पर उतारि देल गेल।

आब देखैत छी तऽ एखन बेस राति छलैक आ ओहि हाइवे पर सोंसिआइत दौड़ैत ट्रैफिक के अतिरिक्त कतहु कोनो जगह नहि जे कने काल बैसि सकी। एकदम निर्जन स्थल। एना मे कने डरो लागए लागल। खेमका तऽ बेसिए डेरा गेलाह आ हमरा पर तमसाए लगलाह। कहुना ओतए हम दूनू गोटे टेलीफोन बूथक बॉक्स मे करीब डेढ़ घंटा तक नुकाएल रहलहुँ, तखन जा कए फरीछ भेलैक आ जान मे जान आएल।

भोर भेला पर किछु काल बाद ओतुका बस स्टॉपक मकान मे सेहो हलचली भेलैक। एकटा महिला कर्मचारी आबि ओकरा खोललन्हि। हम सब हुनका कहि सुनि कए ओतए शौच आदि सँ निवृत भेलहुँ आ फेर डिसनीलैंड तक टहलि गेलहुँ।

डिसनीलैंडक विस्तार तऽ एकटा विस्मयकारी अनुभव छल। ओकर पार्किंग एरियाक विस्तार तऽ एतेकटा जे एक कोन मे गाड़ी पार्क कऽ कए दोसर कोन जेबा मे दश बारह मिनट लागि जइतैक। टिकट लऽ कए भीतर गेलहुँ। लोक बहुत, मुदा ओतुका कर्मचारी लोकनिक भीड़ सम्हारबाक लूड़ि देखि अचम्भित रहि गेलहुँ। एतेक लोक जँ अपना देश मे कतहु एक ठाम जमा भऽ जाइक तऽ निश्चिते धक्कामुक्की हेबे करितैक आ दू चारि के जान सेहो जइतैक।

विविध भाँतिक खेला आ कतहु कोनो गड़बड़ी नहि। दिन चढ़ला पर लाइन जरूर पैघ होइत गेलैक, मुदा कखनहुँ कोनो हल्ला गुल्ली नहि भेलैक। सब तरि वोलंटियर सब ठाढ़ लोक कें गाइड करबा लेल। दिन कोना बीतल से बुझबे नहि केलियैक। साँझ भेने फेर लॉस एंजेल्स घूरि एलहुँ आ तकरा प्रात दिन भरि ओतए आर दर्शनीय स्थल सब देखैत राति मे बस पकड़ि सानफ्रान्सिस्को वापस भेलहुँ।

पैघ वैज्ञानिक पैघ भूल

वैज्ञानिक लोकनि सेहो हाड़ माँसक बनल मनुक्खे थिकाह आ भूल हुनको सँ होइते रहैत छैक। संगहि हुनको सब मे कतेको दुर्बलता सेहो रहितहि छन्हि। समाज अमेरिकन होए कि मिथिलाक, लोकक स्वभाव एके रंग। हम एतए एकटा घटनाक वर्णन करैत छी, जाहि सँ मानव स्वभावक कएकटा पक्ष उजागर होइत छैक।

घटना 1978 के फरवरी मासक थिक। हमरा सबहक ग्रुपक मुखिया प्रोफेसर डेविड स्कॉट महोदय ओतुका बीभालैक त्वरक (Bevalac accelerator) पर एकटा प्रयोग के प्रस्ताव देने छलखिन्ह, जाहि मे प्रक्षेप्य विखंडीकरण (projectile fragmentation) द्वारा नव नव नाभिक (nucleus) कें तैयार करबाक सम्भावनाक अध्ययन करब मुख्य उद्येश्य छलैक। ई नाभिक सब रेडियोधर्मी होइत छैक आ प्रकृति मे नहि भेटैत छैक। एहि प्रयोगक सफलता सँ नाभिकीय भौतिकीक क्षेत्र मे नव क्रांति आबि सकैत छलैक।

अपने सब परमाणु नाभिक के खोज सम्बन्धी रदरफोर्ड के प्रसिद्ध अल्फा स्कैटरिंग प्रयोग, जकरा स्वर्णपत्र प्रयोग सेहो कहल जाइत छैक, जरूर पढ़ने होएब। संक्षेप मे हम एतए बता दी जे नाभिकीय भौतिकीक कोनो प्रयोग मूल रूप सँ ओही प्रयोग जकाँ होइत छैक जाहि मे प्रक्षेप्य (projectile) आ लक्ष्य (target) के बीच भेल प्रतिक्रियाक अध्ययन कएल जाइत छैक।

प्रयोग मे प्रक्षेप्य तऽ त्वरक सँ औतैक। आ प्रयोग केनिहारक काज भेल लक्ष्य आ डिटेक्टर सब कें उचित जगह पर राखि देनाई, जाहि सँ प्रतिक्रिया भऽ सकतैक आ प्रतिफलक अध्ययन सेहो। डिटेक्टरक संकेत कें बुझबा लेल सेहो व्यवस्था करए पड़तैक। रदरफोर्डक प्रयोग मे एकरा लेल माइक्रोस्कोप लगाओल गेल छलैक। हमरा सब कें बहुत रास इलेक्ट्रॉनिक्स लगेबाक छल आ आँकड़ा कें कम्प्यूटर मे लिखबाक जोगार करबाक छल। इएह भेल प्रयोगक तैयारी।

ओहि प्रयोगक लेल हमरा ग्रुप मे तीन मास पहिनहि सँ तैयारी चलि रहल छलैक। ग्रुप मे सब सदस्य कें काज बाँटि देल गेल छलैक। हमर हिस्सा छल प्रयोगक लेल कम्प्यूटर द्वारा आँकड़ा लिखबाक (data acquisition) आ ओकर तत्काल विश्लेषण (on-line analysis) करबाक सॉफ्टवेर तैयार केनाई।

बर्कले मे कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय मे भौतिकी विभाग मे एकटा बहुत नामी प्रोफेसर छलाह, जिनकर नाम हम मानि लैत छी प्रोफेसर सैम। विषय वस्तुक संदर्भ सँ हिनक असली नाम जानि लेब कठिन नहि, तथापि हम हुनक नाम एतए लीखब उचित नहि बूझि रहल छी।

हिनकर रिसर्च भौतिकीक कतेको विधा मे पसरल छल, जाहि मे मुख्य छल न्यूक्लियर फिजिक्स आ पार्टिकिल फिजिक्स। ई चन्द्रमा सँ आनल गेल पाथरक टुकड़ीक भूगर्भीय अध्ययन सेहो करैत छलाह, जाहि मे नाभिकीय भौतिकी मे विकसित विधि सबहक व्यवहार होइत छलैक। यूसीबीक भौतिकीक सब प्रोफेसर कोनो ने कोनो रूपें एलबीएल सँ सम्बन्धित रहिते छलाह। कतेको कें तऽ संयुक्त रूप सँ एप्वाइंटमेंट रहैत छलन्हि। ताहि पर प्रोफेसर सैम तऽ ओतुका सब त्वरक कें अपना रिसर्च के लेल व्यवहार केनिहार छलाह। एकटा नीक भौतिकविद मे हिनक गिनती छलन्हि। बर्कले मे एलबीएल आ विश्वविद्यालय दूनू ठाम हिनकर खूब प्रतिष्ठा छलन्हि आ धाख सेहो। बीभालैक त्वरक मे कोन ग्रुप कें कोन प्रयोग करबाक अवसर भेटतैक, तकर निर्णायक मंडल के एकटा प्रभावशाली सदस्य सेहो छलाह।

1975 मे एकटा सनसनीखेज रिसर्चक प्रतिफल, जाहि मे कॉस्मिक किरण प्रयोग मे भेटल संकेतक आधार पर मैग्नेटिक मोनोपोल के खोज सिद्ध कएल गेल छलैक, लब्धप्रतिष्ठ जर्नल फीजिकल रिभ्यू लेटर्स मे हिनका नामे प्रकाशित भेल छलैक। मुदा बाद मे ओ प्रतिफल गलती साबित भऽ गेलैक आ एहि लेल प्रोफेसर सैम कें किछु बदनामी सेहो भेल छलन्हि, कारण रिजल्ट हड़बड़ी मे छपा देल गेल छलैक।

अस्तु, छोटमोट एहेन गलती तऽ होइते रहैत छैक, जाहि मे एक प्रयोगक रिजल्ट बेसी सूक्ष्म अवलोकन के बाद अथवा कोनो अन्य ग्रुप द्वारा साबित नहि भेला सँ गलती भऽ जाइत छैक अथवा ओहि मे कोनो कमी बुझा जाइत छैक। एहने एकटा घटना 2012 मे भेल छल, जखन जेनेवा मे एकटा प्रयोग मे प्रकाशक गति सँ बेसी गति सँ चलैत न्यूट्रीनो चर्चा मे आएल छल। ओहू प्रयोग मे बाद मे कतेक तरहक सूक्ष्म अवलोकन केलाक बाद फल मे किछु त्रुटि भेटि गेलैक आ एहि बातक चर्चा बन्द भऽ गेल।

हम जाहि भूलक चर्चा करैत छी से एकदम अलग प्रकारक अछि आ विरले एहेन होइत हेतैक।

जखन हमरा ग्रुपक प्रस्ताव डेविड स्कॉट महोदय ओहि निर्णायक मंडलीक समक्ष पठा देलखिन्ह तखन प्रोफेसर सैम सेहो चट दए अपन एकटा प्रयोगक प्रस्ताव ओही आइडिया कें मूल मे रखैत अपना दिश सँ राखि देलखिन्ह। एहि मे प्रयोगक लेल व्यवहार मे ओएह उपकरण होइतैक जे कि हमरा सबहक प्रस्ताव मे छलैक, मुदा डिटेक्टर मे कने भिन्नता छलैक। हम सब सिलिकन डिटेक्टर व्यवहार करैत छलहुँ आ हुनकर डिटेक्टर छलन्हि एक प्रकारक प्लास्टिक के पातर फिल्म।

हुनका लगलन्हि जे एहन नीक आइडिया पर हमहीं किएक ने पहिने प्रयोग कऽ ली। निर्णायक मंडलीक मीटिंग मे ओ अपनो प्रस्ताव आ हमरो सबहक प्रस्ताव अनुमोदित करा लेलन्हि आ एकदम चालाकी सँ अपन प्रयोगक लेल बारह घंटाक त्वरक समय हमरा सबहक प्रयोगक समय सँ पहिनहि निकलबा लेलन्हि। हुनकर विचार छलन्हि येन केन प्रकारेण एतेक महत्वपूर्ण प्रयोगक रिजल्ट पहिनहि छपा ली जाहि सँ श्रेय हुनके भेटि जेतन्हि।

हम सब अपना ग्रुप मे ई जानि एकदम मर्माहत भेल रही। मुदा प्रोफेसर सैमक समक्ष हमरा सबहक कोनो बस नहि छल। हारि कए हम सब भवितव्य कें स्वीकार कऽ लेल। आब एकेटा उपाय छल हुनका सँ आगू बढ़बाक, जे कोनहुना हम सब अपन प्रयोग कें पूर्णतः सफल बनाबी आ प्राप्त आँकड़ाक विश्लेषण हुनका अपेक्षा बेसी द्रुत गतिएँ करी, जाहि सँ रिजल्ट कें जल्दी प्रकाशित करबा सकी।

एहि मे आँकड़ाक विश्लेषणक बहुत महत्व छलैक आ सेहो ठीक ठीक हेबाक चाही। बीभालैक मे होइ बला प्रयोगक तैयारी मे हम दिन राति लागल रही। साधारणतः हम दू तीन बजे राति तक काज करबे करी। बेसी काल कम्प्यूटर सेन्टर पर आ फेर प्रयोगक स्थल पर जतए सबटा इलेक्ट्रॉनिक्स राखल छलैक ततहु। ई एकटा बैरकनुमा छोट कमरा छलैक। अमेरिकन बोलचाल के भाषा मे एहि कमरा कें सैक (sac) कहल जाइत छलैक। एतहि हम अपन प्रोग्राम कें ऑन लाइन विश्लेषणक लेल जाँच करी।

तैयारी प्रायः पूर्ण भैए गेल छलैक। अन्तिम दिन संध्या काल हम फेर बीभालैक के सैक मे काज करैत रही। प्रोफेसर सैमक ग्रुप के प्रयोग शुरू भऽ गेल छलन्हि। हुनक बारह घंटा समय साँझक आठ बजे सँ अगिला दिन भोरक आठ बजे तक

छलन्हि आ तकर बाद हुनका एक घंटा लगितन्हि अपन प्लास्टिक डिटेक्टर हटेबा मे। अगिला दिन नौ बजे हम सब अपन सिलिकन डिटेक्टर लगाएब शरू करितहुँ।

प्रयोगक महत्त्व कतेक बेसी छलैक से एही सँ अन्दाज लगाओल जा सकैत छैक जे प्रोफेसर सैम अपनहि राति भरि ओतए उपस्थित रहि ओकर ओगरवाही केलन्हि। हुनका ग्रुप मे जे छात्र लोकनि छलखिन्ह से दिन मे प्रयोग शुरू हेबा सँ पूर्व डिटेक्टर आदि बैसा कए चल गेलखिन्ह आ रातुक ओगरवाहीक काज रहि गेलन्हि सीनियर वैज्ञानिक पर।

सैक तऽ एकेटा छलैक। ओही मे एकटा टेबुल कुर्सी लऽ कए प्रोफेसर सैम बैसल छलाह। हम बगल मे कम्प्यूटर पर काज कऽ रहल छलहुँ। हमरा तऽ बहुत धाख होइत छल हुनका सँ गप करबा मे, मुदा किछु कालक बाद ओ स्वयं बातचीत शुरू केलन्हि। असल मे हम तऽ अपन काज मे व्यस्त रही, मुदा हुनका तऽ किछु करबाक नहि छलन्हि, मात्र ओगरवाही टा। से हमरा लागल जे ओ किछु बोर भऽ रहल छलाह।

बातचीत शुरू करैत ओ हमरा पुछलन्हि, हम भारत मे कोन लैब मे काज करैत छी। हम संक्षिप्त उत्तर दऽ देलिएन्हि। तखन पुछलन्हि जे की हम प्रोफेसर डी लाल कें जनैत छिएन्हि। हमरा कनेक अजगुत लागल। विज्ञानक क्षेत्र मे काज केनिहर के एहेन होएत जे मुम्बई स्थित टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान (टीआइएफआर) के प्रोफेसर देवेन्द्र लाल कें नहि जनैत हो ? भारतीय वैज्ञानिक समाज मे ओ बहुत ख्याति प्राप्त कऽ चुकल छलाह। ओ एकमात्र भारतीय वैज्ञानिक छलाह, जिनका चन्द्रमा सँ आनल पाथरक टुकड़ीक अध्ययन करबाक अवसर भेटल छलन्हि। एहि बातक प्रचार तऽ हम सब जखन कॉलेज मे रही तखने बहुत भऽ गेल रहैक। ओहुना परमाणु ऊर्जा विभाग मे काज करैत रहला सँ टीआइएफआर के नामी वैज्ञानिक सबकें कोना नहि चिन्हतिएन्हि ? आ फेर प्रोफेसर लाल अहमदाबाद के फीजिकल रिसर्च लेबोरेटरीक निदेशक से भऽ गेल छलाह। सब तरहें हुनकर ख्याति छलन्हि।

अस्तु, हम फेर एकटा संक्षिप्त उत्तर देल जे प्रोफेसर डी लाल तऽ भारत मे ख्यातिप्राप्त वैज्ञानिक छथि आ हम हुनका जरूर चिन्हैत छिएन्हि। मुदा हम तऽ अदना व्यक्ति छी, एखन तक पीएचडी सेहो नहि भेल अछि, तें हमरा तऽ ओ नहि चिन्हैत छथि।

पता नहि बातचीत चालू रखबा लेल, अथवा हमरा पर धाख जमेबा लेल, मुदा प्रोफेसर सैम फेर हमरा सुनौलन्हि जे ओ डी लालक नीक मित्र आ सहकर्मी छथिन्ह। हमरा ईहो बता देलन्हि जे प्रोफेसर लाल कें बर्कले मे सब साल छऽ मासक लेल एप्वाइंटमेंट रहितहि छन्हि। ओ नियमित रूपें अमेरिका अबैत छथि आ दूनू गोटे संगहि काज करैत छथि। हुनक पत्नी सेहो हिनक पत्नीक नीक मित्र छथिन्ह। फेर अपना काजक बारे मे किछु गप केलन्हि। इत्यादि इत्यादि।

ई वार्तालाप नहि छलैक, हिसाबें एकभगाहे आलाप छलैक, कारण हम कोनो रूपें हुनका संग एहि तरहक गप करबाक स्थिति मे नहि रही। हमरा दूनू गोटेक वयस, योग्यता आ अनुभव मे सेहो बहुत अन्तर छल। हमर काज छल बीच बीच मे हँ हूँ करैत रहब। कने हुनका पर मोने मोन तामसो हुए, कारण हमरा काज मे व्यवधान भऽ रहल छल। हम अपन प्रोग्रामक जाँच के लेल ध्यान केन्द्रित नहि कऽ पाबि रहल छलहुँ। हमर प्रयोग शुरू हेबा सँ पहिने अन्तिम जाँचक लेल ई अन्तिम राति छल।

मुदा हम हुनका मना करबाक स्थिति मे नहि छलहुँ। यदि किछु कहबो करितियैक तऽ एकरा उद्दंडता बूझल जइतए। तें मोन मारि कए सुनैत रहलहुँ। जेना जे काज भेल से करैत हम करीब तीन बजे राति मे डेरा घूरि एलहुँ जे भोर मे काज शुरू करबा सँ पूर्व कनियो आराम कऽ ली।

हम ठीक नौ बजे भोर मे सैक पहुँचलहुँ। ओतए हमरा ग्रुपक अन्य सदस्य लोकनि पहिनहि सँ उपस्थित छलाह। हुनका सब कें तऽ एहेन जगरणा नहि भेल छलन्हि आ दोसर बात जे कार सँ अबैत गेल छलाह। ओतए सब कें देखल प्रसन्न मुद्रा मे एक दोसरा सँ कनफुसकी करैत। हमर संगतुरिया मित्र जेम्स साइमन्स हमरा कात लऽ जा कए कहलन्हि "योगेन्द्र, बुझलियैक, हम सब बाजी जीत गेलहुँ।" हम किछु बुझलियैक नहि। एखन तक तऽ हमरा सबहक प्रयोग शुरुओ नहि भेल छल, तखन बाजी जितबाक की अर्थ ? तखन जेम्स जे गप कहलन्हि तकर हमरा कखनहु अनुमान भैए नहि सकैत छल।

बात भेल छलैक जे जखन भिनसर आठ बजे प्रोफेसर सैमक समय शेष भेलन्हि आ ओ अपन प्लास्टिक फिल्म कें बहार करबाक लेल गेलाह, तखन हुनका पता चललन्हि जे लक्ष्य तऽ लगाओले नहि गेलैक। फेर प्रक्षेप्य सँ प्रतिक्रिया हेतैक कोना ? किछु नहि भेलैक, आ प्रोफेसर सैमक भरि रातिक ओगरवाही पानि मे चल गेलन्हि।

खिस्साक सारांश जे प्रयोग कें असफल सेहो नहि कहि सकैत छलियैक, कारण प्रयोग तऽ भेबे नहि केलैक। पूरा बारह घंटा तक त्वरक के समय बर्बाद भऽ गेलैक। मुदा प्रोफेसर सैम कें के दोषी ठाढ़ करितए ? ई दोसर बात जे ओ मुँह लटकौने चल गेलाह। हमरा लागल जे ईश्वर कतहु तऽ न्याय केलखिन्ह।

प्रोफेसर सैमक ई भूल हुनका लेल छोट बात भऽ सकैत छलैक, मुदा एकटा वैज्ञानिक के लेल पैघे भूल कहल जेतैक। हुनका तऽ ई घटना मोनो नहि हेतन्हि, मुदा हमरा वैज्ञानिक जिनगीक लेल ई एकटा पैघ सबक भऽ गेल। हम एकरा

कोना बिसरबैक ? हम अपन सब सहकर्मी आ छात्र लोकनि सँ एकर चर्चा करैत रहलहुँ अछि जे एहि तरहक लापरवाही कखनहु नहि करैत जाइ।

शैम्पेनक चरणामृत आ कंठी तोरब

प्रोफेसर सैमक समय बितलाक बाद हम सब अपन प्रयोग आरम्भ कएल। हुनकर चालाकी सँ कएल गेल प्रयास कें टाँय टाँय फिस्स भऽ गेला पर हमरा सबहक मोन कने हल्लुक जरूर भेल, तैयो प्रयोग करबा मे कोनो तरहक ढिलाई नहि कएल गेलैक। अगिला अठतालीस घंटा हमरा सबकें प्रयोगक समय छल। पूरा ग्रुपक लेल प्रतिष्ठाक प्रश्न भऽ गेल छलैक। तकर दोसर कारण जे एहि त्वरक पर ई हमरा सबहक पहिल प्रयोग छल आ ताहि हिसाबें कने नवसिखुआ जकाँ सेहो रही।

एहि प्रयोग लेल हम स्वयं दिन राति खटि कए डाटा एक्वीजिसन सिस्टम तैयार केने रही। ओतबे नहि, डाटा विश्लेषणक लेल सेहो बहुत तैयारी केने रही आ राति राति भरि जागि कए कम्प्यूटर सेंटर पर एकरा लेल प्रोग्राम विकसित केने रही। एक हिसाबें इएह प्रयोग हमर मुख्य काज भऽ गेल छल बर्कले मे। करीब एक मास सँ बूझू बीभालैक के ओ बैरक, जाहि मे कम्प्यूटर आ इलेक्ट्रॉनिक्स राखल छलैक, सएह हमर डेरा भऽ गेल छल। दिन मे तीन बेर एलबीएल के पहाड़ चढ़ी आ उतरी।

प्रयोगक लेल दिन रातिक काज कोनो पहिल बेर नहि भेल छल। जखनहि मुम्बई मे प्रायोगिक भौतिकीक काज करब प्रारम्भ केलहुँ, तखनहि सँ दिन राति काज करबाक हिस्सक भऽ गेल छल। बर्कले मे रहैत सेहो एहि सँ तीन मास पूर्व कएक टा प्रयोग मे दिन रातिक काज छल। मुदा बीभालैकक ई प्रयोग दू बात मे हमरा लेल विशिष्ट छल : एक तऽ ई जे एहि मे हम अपना बूतें डाटा एक्वीजिसन तैयार केलहुँ, जकरा ट्रेनिंग लेल हम बर्कले आएल रही आ दोसर ओहू सँ महत्वपूर्ण, जे एहि प्रयोगक सफलता सँ नाभिकीय भौतिकी कें एकटा नव दिशा भेटितैक। यदि प्रयोग सफल भऽ जाइत तऽ एकर रिजल्ट निश्चिते फीजिकल रिभ्यू लेटर्स नामक प्रसिद्ध जर्नल मे छपि सकैत छल।

एहि समय मे हम कखन जगलहुँ आ कखन सुतलहुँ तकर कोनो ठेकान नहि छल। थाकि कए आबि जाइ डेरा आराम करए। आँखि लागए आ कि आबि जाइथ कोनराड गेल्बके (जे एखन मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी मे नेशनल सुपरकन्डक्टिंग साइक्लोट्रॉन लेबोरेटरीक डायरेक्टर छथि) बजबै लेल "योगेन्द्र, चलू, एकटा टेप भरि गेल छैक, एकर डाटा कने चेक कऽ लिअ।" आ हमरा ऊठऽ पड़ए हुनका संग जेबा लेल। डाटा चेक करबाक माने छलैक टेप लऽ कए तखने कम्प्यूटर सेंटर जाएब आ ओकरा पढ़ि जरूरी ग्राफ आदि प्लॉट कऽ कए हुनका सब कें देखा देब जे सब किछु ठीक चलि रहल छैक। प्रयोगक सफलताक किछु अन्दाज लागि गेल छल तत्काले कनेक डाटा विश्लेषण कऽ कए।

डेविड स्कॉट एकटा नीक टीम लीडर छलाह। सबकें हमेशा प्रोत्साहित करैत रहैत छलाह। हम तऽ हुनका गुरू जकाँ मानैत रही। एहि प्रयोग मे ओ अपने तऽ सिफ्ट मे नहि रहैत छलाह, मुदा हुनकर छाया सदैव बैरक मे उपस्थित रहिते छलैक।

प्रयोगक समाप्तिक दिन सब गोटे ओहि बैरक मे जमा भेलहुँ। हम तऽ भरि राति जागल ओतहि रही। प्रयोगक समाप्तिक घोषणा आठ बजे भोर मे भेलैक। हम डेरा जा कए स्नान कऽ कए फेर सोझे बैरक घूरि आएल रही। नौ बजे तक सब गोटे जमा भऽ गेल रहथि ओहि बैरक मे।

तखन पहुँचलाह डेविड स्कॉट महोदय एक हाथ मे एकटा पैघ बोतल लेने आ दोसर हाथ मे बहुत रास पेपर कप लटकौने। ओहि बोतल मे शैम्पेन छलैक। लोक खुशी मे झूमैत छल। कतेक मासक अथक परिश्रम फलीभूत भेल छलैक। ओतए स्कॉट महोदय शैम्पेनक बोतल खोललन्हि। हम ई दृश्य पहिल बेर देखि रहल छलियैक। हम जेना विस्मृति मे चल गेल रही। जागल रही कि सूतल, सेहो नहि बुझियैक। ओङही सँ मातल। बोतल जखन खुजलैक तऽ भप्प के एकटा जोर सँ आवाज उठलैक आ किछु फेनिल द्रव बाहर आबि गेलैक। शैम्पेनक बोतल खुजला पर सब थपड़ी बजेलक।

तकर बाद अपनहि हाथें स्कॉट महोदय टेबुल पर राखल पेपर कप सब मे शैम्पेन परसलन्हि। आ एकटा कप लऽ कए पहुँचि गेलाह हमरा लग।

हमरा हाथ मे शैम्पेनक कप देबा लेल प्रस्तुत छलाह डेविड स्कॉट। हम की करी ? ई मद्य छलैक। ओना हमरा एहेन तऽ स्मरण नहि छल जे कहियो कोनो प्रकारक सप्पत खेने होइ मद्य नहि छूबाक, मुदा संस्कारवश कंठी बन्हा गेल छल। एतबे बूझल छल जे ताड़ी दारू खराप चीज थिकैक। दुर्गन्ध करैत रहैत छैक। भभकैत रहैत छैक। ततेक तेज दुर्गन्ध जे लागए रद्द भऽ जाएत। जे पीबए ओकर मुँह सँ सेहो दुर्गन्ध अबैक से तऽ गामक हाट पर अनुभव भेले छल। एतबे नहि, गन्दा से बहुत। कतऽ मैल कुचैल ताड़ीक घैल आ नीक पैकिंग मे बन्द चमकैत ई शैम्पेनक बोतल, जकर मुँह सुन्दर कॉर्क सँ बन्द छलैक आ तकरा उपर सोनाक रंग बला पन्नी चढ़ाएल छलैक ! दामक तऽ हमरा अन्दाज नहि छल, मुदा ताड़ी आ शैम्पेन

मे कोनो तुलना छलैक ? एतए जखन बोतल खोलल गेलैक तखन कहाँ ओहेन दुर्गन्ध उठलैक ? उनटे तकर बाद पूरा बैरक मे बहुत हल्का हल्का मादक गंध पसरल छलैक। एहेन गंध हमरा नाक मे तऽ पहिल बेर पैसल छल।

क्षणांश मे हमरा निर्णय लेबाक छल जे हम की करी। हम किछुओ नहि बूझि सकलियैक जे ओ हमरे किएक पहिने ऑफर केलन्हि। की हुनका बूझल छलन्हि जे हम शराब नहि पीबैत छी ? हमरा स्मरण नहि छल जे हुनका संग कहियो एहि विषय पर कोनो चर्चा भेल होअए। एहि सँ पूर्व एकाध पार्टी मे जरूर गेल रही, जतए हम जूस आ कोल्ड ड्रिंक टा पीने रही। मुदा हिनका एतेक खियाल छलन्हि की ? आ से यदि छलन्हि तऽ फेर किएक हमर परीक्षा लऽ रहल छलाह ?

एखन बैरक मे जे किछु भऽ रहल छलैक से तऽ कोनो पूर्व नियोजित पार्टी नहि छलैक। एकर भान तऽ हमरा नहि छल। यदि पूर्व नियोजित रहितैक तऽ विकल्प मे कोनो सॉफ्ट ड्रिंक जरूर रहितैक। जेना कि लागल, ई तऽ टीम लीडरक आकस्मिक उद्गार छलैक जे सफल प्रयोगक अन्त मे कने सेलेब्रेट करी। जेना कलकत्ता मे हम सब अकस्मात कोनो सफलता पर रसगुल्ला बँटैत होइ।

हम दुविधा मे एही दुआरें पड़लहुँ, कारण पहिल कप हमरे देल जा रहल छल। बाकी सब लोक हमरा दिश तकैत छलाह। यदि से नहि रहितैक आ चारि पाँच गोटे कें बँटलाक बाद हमर नम्बर अबितए, तऽ भऽ सकैत छल हमरा निर्णय लेबा मे सुविधा होइत। ओना कने झंझट तऽ तैयो होइतए, कारण विकल्प नहि छलैक, मुदा तखन पूरा बैरक के करीब चालीस टा आँखि हमरा पर केन्द्रित नहि रहितैक।

हमर योगदान एहि प्रयोग मे जरूर बहुत छल। अपना बुझैत हम एकरा सफलताक लेल जान जी लगा देने छलिऐक। आर एकटा बात छल। हम एहि ग्रुप मे हिसाबें सब सँ जूनियर सेहो रही। आ ताहू पर रही तऽ प्रशिक्षुए ने। हम भारत सँ आएले रही प्रशिक्षण लेबा लेल। की ताही कारणें हमर नम्बर पहिल भऽ गेल? की हम अस्वीकार कऽ दिऐक? एकर असर की हेतैक? की हम बज्र देहाती, भुच्चर, गँवार बूझल जाएब, जकरा कोनो 'मैनर्स' नहि अबैत छैक?

हरेक बीतल मिलीसेकेन्ड हमरा लेल पहाड़ भेल जा रहल छल। कप लेने आगू मे एकटा सज्जन ठाढ़, जिनका हम गुरुवत् बुझैत छलहुँ। आ एम्हर हमर अनिश्चय। नीक की बेजाए ? उचित की अनुचित ? हम दू ध्रुवक बीच झूलि रहल छलहुँ, मुदा हमरा लग समय अल्प छल। हमरा निर्णय लेबाक छल अगिला किछु मिलीसेकेन्ड मे। मद्यपान वर्जित छैक ? तऽ देवता लोकनि किएक सोमरस चटैत छलाह ? आ आयुर्वेद मे जे एतेक रास आशव आ आरिष्ट छैक से की थिकैक ? मद्य, मुदा नुका कए। लिखल रहैत छैक जे पीला सँ मधुर निन्न होएत। जँ अल्कोहल नहि रहैत छैक तऽ अनेरे स्नायुतंत्र पर असर करैत छैक ?

ओहि क्षणक उत्तेजना बूझू कि हमर अर्द्धनिद्राक अवस्था आ कि कप सँ उठैत मादक गंध सँ मदमत्त भेल हमर मस्तिष्कक अस्पष्ट विचार क्षमता, हम कोनो तर्क मद्यनिषेधक पक्ष मे नहि पाबि सकलहुँ। अकस्मात किछु माइक्रोसेकेन्डक भीतरे हमर अनिर्णय निर्णय मे बदलि गेल। हम एकाएक आगू बढ़ि कए कप हुनका हाथ सँ लऽ लेल। तकर बाद अन्य लोक सेहो अपन अपन हिस्सा लेलन्हि। सबकें चियर्स करैत हम पहिल बेर बहुत हल्का घोंट शैम्पेन जिह्वा पर आनल।

स्वाद ? कोना वर्णन करू ? बीयर पिबैत काल खेमका कहने रहथि, लोक करैला किएक खाइत अछि। करैला तीत होइत छैक, मुदा सुअदगर। ताही सँ अन्दाज लगाओल छल जे बीयर तीत होइत हेतैक। मुदा हमरा जिह्वा पर एखन जे द्रव्य छल, तकरा तीत तऽ किन्नहु नहि कहि सकैत छलियैक। मीठ ? एकदम 'नहि' नहि कहि सकैत छलियैक मुदा बहुत हल्का कतहु दूर जिह्वाक कोनो कोन पर सम्भवतः मीठक स्वाद लगैत हो। अथवा भऽ सकैत हो जे ई मात्र हमर अनुमान छल। कड़ू ? एकदम नहि। कोनो तरहक कटु स्वाद ? ओल, अरिकोंछ, सुथनी, खम्हारु, एहेन कोनो वस्तुक कटु स्वाद सेहो नहि बुझा रहल छल। दू तीन बेर ठोपे ठोप आर पीलहुँ। प्रत्येक ठोप पर ओकर स्वाद कें चिन्हबाक प्रयास करी। मुदा जे नहि बूझल भेल से नहिए बूझल भेल। रसायन शास्त्रक किताब मे ईथाइल अल्कोहलक जे किछु वर्णन पढ़ने रही, ताहू सँ मिलबैक कोशिश कएल, मुदा सेहो व्यर्थ। बीएससी मे केमिस्ट्री प्रैक्टिकल क्लास मे ईथाइल अल्कोहलक उपयोग केने छलहुँ। उत्सुकतावश सब संगी चिखने रहियैक। मात्र चिखने रहियैक, आधो ठोप नहि रहल हेतैक। केहन दन लागल छल, कने जरबैत। मुदा तकरो दश बरख सँ बेसी भऽ गेलैक। सेहो स्वाद एखन बिसरि गेल छलियैक। ओहुना शैम्पेन तऽ शुद्ध ईथाइल अल्कोहल छलैक नहि।

जिह्वा सँ मस्तिष्क तक नीक लागि रहल छल, मुदा केहन नीक तकर वर्णन हमरा बुतें पार नहि लागि रहल छल। पूर्वज सब सोमरस पान करैत छलाह, मुदा हमरा नहि बूझल अछि कतए एकर स्वादक वर्णन कएल छैक। एखन तक जतेक चीज खेने पीने रही ताहि सँ एकदम भिन्न, एकदम अपूर्व, एकदम विशिष्ट। एकेटा कहि सकैत छलहुँ : तोहर सरिस एक तोहें माधव। कोनो चीज सँ एकर तुलना नहि कएल जा सकैत छैक। शैम्पेन शैम्पेन थिकैक। फुल स्टॉप। स्वाद बुझबाक हो तऽ चीखू।

आब पछता रहल छलहुँ जे एतेक दिन तक एहेन नीक वस्तु सँ किएक पड़ाइत रहलहुँ। मोन पड़ल एकटा खिस्सा, जे गाम मे कतहु सुनने रही। कोनो गामक एकटा बरियाती मे किछु दुद्धा वैष्णव लोक सब गेल छलाह। बरियातीक लेल भोजन मे आन वस्तुक अतिरिक्त विशेष चेष्टा सँ माछक अंडाक बड़ी बनल रहैक। सरियातीक किछु अगत्ती छौंड़ा सब

द्वारा ओ बड़ी मात्र बड़ी कहि कए वैष्णवहा सबहक थाड़ी मे सेहो परसा गेल रहैक। सब कें बेस सुअदगर लगलैक। सब परसन लऽ लऽ कए खेलक। जावत घरवारी बूझथि तावत तऽ कएक खेप परसा गेल छलैक। सब चुप्पे रहबा मे भलाई बुझलक। ओहुना तऽ जखन पेट मे चले गेलैक, तखन जेहने एक दाना तेहने पेट भरि।

भोजन भऽ गेलाक बाद अपना मे जखन बरियाती सब गप करैत छलाह तखन ओहि बैष्णव मे सँ एक गोटे ओही बड़ीक प्रशंसा करैत पूछि देलखिन्ह "हौ, एतेक सुअदगर बड़ी तऽ हम सब जिनगी मे कतहु नहि खेने छलहुँ"। आब तऽ जे बुझनुक बरियाती छलाह से बूझि गेलाह जे किछु पैघ गड़बड़ भेलैक अछि। सब अपना जीह कें दाँत तर दबलन्हि आ गुम्मे रहलाह। मुदा एकटा छौंड़ा बाजिए उठल "बाबा, ओ बड़ी अहाँ सब किएक खेलियैक ? ओ तऽ माछक अंडा सँ बनल छलैक।" बपहारि उठि गेल। सब घरवारी आ सरियाती कें गरिआबए लगलाह आ कंठक भीतर तक हाथ लऽ जाकए रद्द करबाक कोशिश मे लागि गेलाह। मुदा एक गोटे कहलखिन्ह "हौ बुरिबक सब, एतेक दिन तक एहेन सुअदगर वस्तु नहि खेलहुँ। बूझह जिनगी नष्ट भऽ गेल। हम तऽ एखनहि ई कंठी तोड़ल। आइ सँ माछक अंडा की, माछक काँट पर्यन्त खाएब।" ओ सत्ते कंठी तोड़ि लेलन्हि।

हमहूँ आइ कंठी तोड़ि लेलहुँ।

ओहि कप मे मात्र अधहे छलैक ओ मादक द्रव्य। ई तऽ बूझू मात्र चरणामृते छल। धीरे धीरे ठोपे ठोप ओकर आस्वादन करैत हम ओ कप खाली कऽ देल। बोतल खाली भऽ गेल छलैक, तें दोसर बेर मँगबाक प्रश्ने नहि उठैत छलैक।

सब किछु अनायासे भेल छलैक। हर्षक अतिरेक मे हमर जड़ता टूटि गेल छल। एतेक दिन तक कोनो तरहक शराब सँ परहेज करैत रहलहुँ। आ फेर शरू कएल तऽ एकटा अत्यन्त उच्च कोटिक शराब सँ। ओ एतेक हल्लुक स्वादक वस्तु छलैक जे पहिलो बेर कंठक नीचा गेला पर कोनो विकृत अनुभव नहि भेल।

सुनने ईहो रही जे शराब पीला सँ लोक कें निसाँ लागि जाइत छैक। मुदा हमरा तऽ किछुओ नहि भेल। सबहक संग एकदम सामान्य रूपें गपसप करैत रहलहुँ। करीब आधा पौना घंटाक बाद ई सभा विसर्जित भऽ गेलैक।

फेर हम दू तीन गोटे लागि गेलहुँ ओहि बैरक सँ अपन सबटा सामान उठाकए खाली करबा मे, कारण दुपहरिये मे दोसर ग्रुप एतए अबितैक अपन प्रयोगक तैयारी मे।

हम की गलती केलहुँ?

बर्कले जेबा काल हमरा अपना बॉस डा० गांगुली सँ किछु आदेश भेटल छल। ओहि मे एकटा काज छल जे हम अपन ट्रेनिंग मे ओतुका इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा विकसित जे कोनो निम मोड्यूल (NIM modules) सबहक व्यवहार करी, तकर सर्किट के नकल प्राप्त कऽ कए कलकत्ता पठबैत रही। ई काज आसान छल, मुदा कलकत्ताक लेल बहुत उपयोगी, कारण एक तऽ एहने मोड्यूल हम सब कलकत्तो मे व्यवहार करितहुँ आ दोसर जे एकदम हूबहू क्षमता बला मोड्यूल बाजार मे उपलब्ध नहि। जे छलैको से खूब दामी। सर्किटक नकल भेटि गेला सँ कलकत्ता मे हमर सहकर्मी श्री त्रिवेदी ओकर प्रतिरूप तैयार कऽ लैत छलाह।

एहि काजक लेल हमरा ओतए डॉन लैंडिस नामक वैज्ञानिक सँ सम्पर्क करए पड़ल। ओ बड़ नीक लोक आ कलकत्ता साइक्लोट्रॉन प्रोजेक्टक लेल हमरा लोकनि कें सब तरहक मददि देबाक लेल हरदम तैयार। ओ अपन सेक्रेटरी कें बजा कए निर्देश दऽ देलखिन्ह जे हम जे कोनो निम मोड्यूल के सर्किट माँगी, से ओ पूरा फाइल हमरा दऽ देथि। ओहि फाइल मे एकटा फोटो निगेटिव सेहो रहैत छलैक।

हम जेना जेना सीखैत गेलहुँ आ कलकत्ता सँ माँग अबैत रहल, तेना तेना लैंडिसक ऑफिस सँ सर्किट लऽ कए पठबैत रहलहुँ। पठेबाक तरीका एकदम आसान। बड़का लिफाफ मे सबटा कागज दऽ दियैक, ओहि पर त्रिवेदीक नाम पता लिख दियैक आ ओकरा लैब मे एक जगह राखि दियैक, जतए सँ एलबीएल के डाक बला एक व्यक्ति उठा कए लऽ जाथि। तकर बाद ओहि लिफाफ कें की कएल जाइक से बुझबाक हमरा कहियो कोनो प्रयोजन नहि भेल। समय पर सब सर्किट त्रिवेदी कें पहुँचैत रहलन्हि। एहिना अन्य कतेको लिफाफ पठबैत रहलहुँ। छोट पैघ उपयोगी यंत्र आदि जे हम व्यवहार करी आ सीखी तकर चित्र, ब्लूप्रिंट आदि सेहो कलकत्ता पठा देल करी। मास मे प्रायः तीन चारिटा एहेन डाक तऽ हम पठबिते रही।

बर्कलेक साइक्लोट्रॉन लैब मे एकटा यंत्र बनाओल गेल छलैक जकरा 'ऑन लाइन मास सेपेरेटर' कहल जाइत छलैक। एकर संक्षेप नाम 'रामा' छलैक। छलैक तऽ ई मात्र रिसर्चक उपकरण, मुदा एकर नाम सँ ई बुझाइत छलैक जे एकर उपयोग लोक यूरेनियम के संवर्धन मे कऽ सकैत अछि, जाहि सँ परमाणु बम बनाओल जाइत छैक। एतए हम स्पष्ट कऽ दी जे एलबीएल मे परमाणु ऊर्जा अथवा परमाणु बम सम्बन्धी कोनो काज नहि कएल जाइत छलैक। ओहि लेल तऽ

लिवरमूर आ लॉस अलामोस सदृश लैब छलैक, जतए विदेशी लोकक प्रवेश प्रतिबन्धित छलैक। एलबीएल तऽ 'ओपेन बेसिक रिसर्च'क जगह छलैक। तें एतुका ज्ञानक आदान प्रदान सब ठाम होइत रहैत छलैक।

हम एलबीएल मे ओही साइक्लोट्रॉन लैब मे काज करैत रही, जकर प्रतिरूप कलकत्ता मे बनि रहल छलैक। तें हमरा सब कें एतए ट्रेनिंग लेल पठाओल जाइत छल। एतए विकसित सबटा उपकरण, मशीन, आदि हमरा सब कें कलकत्ता मे रिसर्च मे उपयोगी छल। एही दृष्टिकोण सँ रामा उपकरण के सबटा ब्लूप्रिंट मंगेबाक लेल कलकत्ता सँ अनुरोध एला पर एतुका हमर सहकर्मी लोकनि सहर्ष सबटा चित्रक ब्लूप्रिंट समुद्री डाक सँ पठा देलखिन्ह। समुद्री डाक सँ पठेबाक मुख्य कारण जे बहुत रास ड्राइंग के पैकेट बेस भारी भऽ गेल छलैक आ हवाई डाक सँ खर्चा बहुत बेसी पड़ितैक। घाटा एकेटा, जे पहुँचबा मे प्रायः एक सँ डेढ़ मास लागि जाइत छलैक। हम सब मानि बैसलहुँ जे ओ सबटा पैकेट कलकत्ता पहुँचि गेलैक। मुदा जखन तीन चारि मास बीत गेलैक आ कलकत्ता सँ पहुँचनामाक कोनो सूचना नहि आएल, तखन खोज पुछारि शुरू भेल। पता लागल जे अमेरिकी कस्टम विभागक कोनो अधिकारी कें एहि मोटगर पैकेट पर सन्देह भऽ गेलन्हि आ ओकरा सम्बन्ध मे जे घोषणापत्र देल गेल छलैक, ताहि मे 'मास सेपैरेटर' नाम देखि तऽ हुनक सन्देह विश्वास मे बदलि गेलन्हि जे जरूर कियो एलबीएल सँ यूरेनियम संवर्धनक टेक्नोलॉजी चोरा कए भारत पठा रहल अछि। ओहि पैकेट कें रोकि देल गेल। ने कोनो पूछताछ, ने आने कोनो प्रतिक्रिया। बस, ओ पैकेट पड़ल रहल।

खोज पुछारि भेला पर जखन ई रहस्योद्घाटन भेल, तखन फेर कतेको लिखा पढ़ीक बाद ओकरा छोड़ल गेल। एहि घटना सँ हमरा एतेक तऽ पता चलि गेल जे हम सब जे पैकेट पठबैत छलियैक तकरा अमेरिकन कस्टम विभाग द्वारा कतहु ने कतहु जाँचल जाइत छलैक।

पैकेट पठेबाक काज चलिये रहल छल। जेना जेना समय बीतैत गेलैक, विभिन्न प्रकारक उपकरण सबहक उपयोग करबाक हमर अनुभव बढ़ैत गेल, तेना तेना उपकरण आ सर्किट सबहक ब्लू प्रिंट पठेबाक संख्या बढ़िते गेलैक। तें कोनो बेर हम बेस मोटगर पैकेट सेहो पठा देल करी। सब किछु ठीक ठाक पहुँचिये जाइत छलैक। यदि कोनो वस्तु प्रतिबन्धित रहितैक तऽ ओकर ब्लू प्रिंट भेटबे नहि करैत।

हमरा प्रवासक आठ नौ मास बादक घटना थिक। एक दिन मुन्हारि साँझ कें जखन ऑफिस सँ सब कियो चल गेल छल आ हमहूँ विदा भऽ रहल छलहुँ तखन एलबीएल के डाक ऑफिस सँ हमरा फोन आएल जे हमर पठाओल एकटा पैकेट घूरि आएल अछि। एतबा कहि फोन काटि देल गेल। हम किछु नहि बूझि सकलियैक। सोचैत विचारैत डेरा एलहुँ।

मोन मे धुकधुकी बनले रहल। ककरो सँ एहि बातक चर्चा सेहो नहि कऽ सकैत छलहुँ। खेमका तावत भारत वापस चल गेल छलाह। साँझक भोजनक बाद जखन सूतए गेलहुँ, तखन एकर चिन्ता खूब ग्रसित कऽ लेलक। की कारण भेलैक जे पैकेट घूरि एलैक ? की एकरो कारण ओहने छलैक जेहेन कि रामाक ब्लूप्रिंट लेल छलैक?

की अमेरिकन कस्टम आ कि अन्य कोनो जासूसी संस्था हमर एखनुक तक के सबटा गतिविधि पर नजरि रखने छल ? की ओकरा सबकें हमर कोनो पैकेट मे संदेह भेलैक अछि ? की एकर प्रतिफल खराब होएत ? राति मे एकसरे हम मात्र सोचैत गेलहुँ आ जतेक बेसी सोची, ओतेक बेसी डेराइत जाइ। की हमरा जेल होएत ? की देशनिकाला कऽ देल जाएत ? रातुक समय हम मेहरोत्रा साहेब सँ सेहो कोनो सलाह नहि लऽ सकैत छलहुँ।

ओहि राति एको रत्ती निन्न नहि भेल। कछमछी लागल रहए। एतबे भरोस छल जे हम अपना निजी लाभक लेल तऽ किछु नहि केने छलहुँ। ई तऽ देशसेवा लेल छलैक।

कहुना प्रात भेलैक। डेराइते डेराइते हम समय पर ऑफिस पहुँचलहुँ। कमे लोक तखन आएल छलैक। सब कें संदेहक दृष्टियें देखियैक। यद्यपि कियो हमरा किछु कहलक नहि आ पहिनहि जकाँ गुड मॉर्निंग कहैत गेल, पहिल बेर ऐना लागए जे सब हमर जासूसी कऽ रहल अछि, हमरा संदेहक दृष्टियें देखि रहल अछि आ हमर स्थिति पर व्यंग्य कऽ रहल अछि। करीब एक घंटा एहने सस्पेंसक स्थिति मे बिताओल। तकर बाद साहस कऽ कए लैबक सेक्रेटरी मिस कैरोल सँ पूछए गेलहुँ।

मिस कैरोल कें जेना सबटा बात बुझले छलन्हि। ओ हमरा आश्वस्त करैत कहलन्हि "It was the fault of mail office staff, they had not put sufficient stamp on the packet and hence the packet was returned. This morning they realized their mistake and after having checked the weight of the packet they added more stamps and sent it back for despatch to India. No worry."

हमरा अपना कान पर विश्वास नहि भऽ रहल छल। एतेक छोटछीन बात आ हम एकरा कतेक भयावह बना लेलहुँ ? अस्तु, कतहु सँ जान मे जान आएल। एकटा काल्पनिक भय के अन्त भेल।

मिडनाइट सन

हम 1978 के जून मास मे कनाडा के विनीपेग शहर गेल रही एकटा कन्फरेंस मे भाग लेबाक हेतु।

एहि कन्फरेंसक स्मरणीय बात छल विनिपेग झील देखब आ ओतए एकटा रेस्तराँ मे मानीतोबा राज्यक गवर्नर द्वारा देल गेल भोज। भोज मे पहिने मात्र एक बेर कनियें सलाद परसल गेलैक आ तकर बाद मेन डिस जे कि बीफ छलैक। हम सलादे खा कए रहि गेलहुँ। ओहि समय एतेक होसियार नहि रही जे ककरो कहि कए बीफक बदला अन्य कोनो खाद्य पदार्थ मँगा लितहुँ। बाद मे हम जतेक कन्फरेंस मे जाइत रहलहुँ, सब ठाम पहिनहि सँ बूझि लैत रहलहुँ जे भोजन मे की छैक। यदि माछ आदि रहलैक तखन तऽ ठीक, नहि तऽ ओही अनुसारे अपना लेल कोनो निरामिष विशेष वस्तु मँगा लेल। लोक ठेस लगले पर बुधियार होइत अछि।

दोसर स्मरणीय अनुभव रहल ओतेक उत्तरी अंक्षांस मे दिनक लम्बाई। हम जून मास मे गेल रही, जखन कि दिन ओहुना खूब पैघ होइत छैक। ओतए जखन लोक संध्या आठ बजे भोजन करैक लेल बैसैत छल, तखन ततेक रौद रहैक जे लगैक बीच दुपहरिया छिऐक। एगारहो बजे मे प्रकाश कम नहि होइक। रातुक तऽ कथे छोड़ू, साँझो हेबाक अनुभूति नहि होइक। लगैक जेना दुपहरिया राति मे सूर्य उगले होथि। होटल मे बिना खिड़कीक पर्दा खसौने निन्न होएब सम्भव नहि छल। सेहो खूब मोटगर आ गाढ़ रंगक पर्दा। तखने रूम कने अन्हार होइत छलैक आ निनियाँक आवाहन सम्भव छल।

सरदारजी टैक्सी ड्राइवर

विनिपेग सँ हमरा ब्रिटिश कोलम्बियाक वैंकुवर शहर जेबाक छल जतए ट्राइम्फ (TRUIMF) नामक प्रयोगशाला देखबाक छल। हम सबेरे विनिपेग सँ विदा भेल रही आ करीब नौ बजे वैंकुवर एयरपोर्ट पहुँचि गेल रही। एयरपोर्ट पर टैक्सी लेबाक लेल एकटा टेलीफोन राखल छलैक। टेलीफोन उठेला सँ अहाँ कें टैक्सीक नम्बर बता देल जाइत। बाहर निकलि ओ टैक्सी अहाँ लऽ लिअ।

हम सएह कएल। बाहर निकलि देखल जे टैक्सी सामने मे ठाढ़ छल। हम ओकर पछिला दरवाजा खोलि कए बैसि गेलहुँ आ ड्राइवर कें ट्राइम्फ चलबाक लेल कहि देलियैक। वैंकुवर शहर मे ट्राइम्फ बहुत नामी जगह छलैक, जेना मुम्बई मे बीएआरसी आ हमरा अन्दाज छल जे सब टैक्सी ड्राइवर जनिते हेतैक जे कतए जेबाक छैक। टैक्सी विदा भऽ गेल।

हमरा लागल जे ड्राइवर बेर बेर मूरी पाछू घुमा कए हमरा देखैत अछि। किछु कालक बाद ओ पुछलक "सर, आर यू फ्रॉम इंडिया?" हम ओकरा सकारात्मक उत्तर देलियैक। तकर बाद ओ कहलक "आइ एम आल्सो फ्रॉम इंडिया।" बातचीत शुरू भऽ गेल। थोड़ेक कालक बाद ओ हिन्दी बाजए लागल। हमरो नीक लगैत छल। गाड़ी एक्सप्रेसवे पर दौड़ैत चल जा रहल छलैक। ओ अपन खिस्सा सुनबैत छल। छल तऽ ओ सरदार, मुदा कनाडा मे आबि कए केश कटा लेने छल। कनाडा ओ दू साल पहिने आएल छल। एतए एबा सँ पूर्व ओ पंजाब सरकारक कृषि विभाग मे क्लर्क छल जालंधर मे। एहि दू साल मे ओ टैक्सी चला कए आठ हजार डॉलर बाप कें भारत पठा देने छलैक, आ ऋण लऽ कए एकटा घर कीन लेने छल, जकर मासिक किस्त नियमित रूप सँ दऽ रहल छलैक। ओ आशा करैत छल जे अगिला छऽ मास मे अपना लेल एकटा सेकैंड हैंड गाड़ी जरूर कीन लेत। इंडिया मे रहैत ओहि क्लर्कीक नोकरी सँ तऽ एकटा स्कूटरो नहि कहियो कीनल होइतैक। हम हाँ हूँ मिलबैत चल जा रहल छलहुँ।

गपक सोह मे ओ बिसरि गेल जे कतए ओकरा ट्राइम्फक लेल एक्सप्रेसवे छोड़ि अन्य सड़क पर गाड़ी घुमेबाक छलैक। ओहि एक्सप्रेसवे सब मे एहेन तऽ छलैक नहि जे कतहु गाड़ी घुमा दियैक। अगिला एक्जिट, जतए ओ गाड़ी घुमा सकल, प्रायः तीन मील के बाद भेटलैक। हमरा दूटा चिन्ता भेल : एक तऽ देरी भऽ रहल छल आ दोसर भाड़ा सेहो बेसी भऽ रहल छलैक। कखनहुँ होअए जे ई जानि कए एना केलक, जाहि सँ कहुना भाड़ा बेसी भऽ जाइक। एहि तरहक घटना भारतक प्रायः सब शहर मे अनठीया लोकक संग टैक्सी ड्राइवर करिते छलैक, जे लगोक जगह पहुँचेबा मे रस्ता घुरा कए लम्बा बना देत, जाहि सँ भाड़ा बेसी भऽ जेतैक।

बहुत बेसी भाड़ा भऽ जेतैक तऽ डर छल जे हमर बिल पास हैत की नहि। खैर, हम अपन मनोभाव ड्राइवर कें बूझऽ नहि देलियैक। घुमाइये कए सही, मुदा हमरा ओ ट्राइम्फ पहुँचा देलक।

ओकर बिल 18 कनाडियन डॉलर भेल छलैक। हम ओकरा पैसा देबए लगलियैक तऽ ओ साफ मना कऽ देलक। हमरा भेल जे ओकरा ग्लानि भऽ रहल छलैक जे हमर रस्ता ठीक सँ नहि आनि सकल आ भाड़ा बेसी भऽ गेलैक। मुदा ओ तऽ एकदम भावुक भऽ गेल। कहए लागल जे एतए विदेश मे अपना देशक लोक की सब दिन भेटैत छैक ? आइ हमर दिन नीक छल जे अहाँ हमरा गाड़ी मे बैसलहुँ। अहाँ हमर गेस्ट छी। हम भाड़ा नहि लेब।

आब तऽ हम बेस मुश्किल मे पड़ि गेलहुँ। भाड़ा नहि देब अनुचिते होइत। हम ओकरा बहुत बुझेलियैक जे देखू एखन गाड़ी तऽ अहाँक अप्पन नहि थीक। गाड़ीक मालिक तऽ जतेक मील चललैक तकर हिसाब लेबे करत। एकटा काज करू। हम अहाँक गेस्ट भेलहुँ तें पूरा भाड़ा नहि देब। पाँच डॉलर कम कऽ कए 13 डॉलर अहाँ राखि लिअए। कोनहुना

एहि प्रस्ताव पर ओकरा राजी करौलहुँ आ भाड़ा दऽ कए भारी मोने ओकरा सँ विदा लेलहुँ। एहि मे हमहूँ बुझलहुँ जे जतेक बेसी रस्ता चललैक तकर पैसा ओकर कटि गेलैक। अथवा बूझू पाँच डॉलर अतिथि सत्कार मे खर्च केलक। ओहो बूझि पड़ैत अछि इएह सोचि अन्त मे 13 डॉलर स्वीकार कऽ लेलक। ओकर एतेक भावुक व्यवहार हमरा मोन मे एखनहु बैसल अछि।

माएक ममता

हमर अमेरिका प्रवास तीन मासक लेल बढ़ि गेल छल, कारण बीभालैक प्रयोगक सब डाटाक विश्लेषण समाप्त नहि भेल छलैक। ताहि कारण सितम्बर 1978 के अन्त मे देश वापस नहि गेलहुँ। ओतए दिसम्बर तक बितेबाक छल। ताहि बीच आबि गेल थैंक्सगिभिंग। अमेरिका मे थैंक्सगिभिंग एकटा पैघ उत्सव होइत छैक, जे नबम्बर मास के चारिम वृहस्पति कें मनाओल जाइत छैक। एहि मे लोक टर्कीक माँस खाइत अछि। टर्की मुर्गी सँ पैघ आकार के चिड़ै होइत छैक। ई पुरान प्रथा थिकैक, जखन कृषि प्रधान समाज छलैक आ लोक गहूमक कटनीक बाद ई उत्सव मनबैत छल। जंगल मे जा कए लोक टर्कीक शिकार करैत छल। ई शुद्ध अमेरिकन उत्सव थिकैक। टर्की सेहो अमेरिकन चिड़ै थिकैक, ओना आब अन्यत्र सेहो एकरा पोसल जाइत छैक।

थैंक्सगिभिंग मे सामाजिक प्रथा छैक जे लोक अपन परिवारक संग मनबैत अछि। लोक कतहु रहओ, ओहि दिन जरूर एकत्रित होएत। कतए एकत्रित होएत से तऽ परिवार मे अपने लोक विचारि लैत अछि। मुदा साधारणतः बेटे बापक घर जाइत छैक, बाप बेटाक घर नहि। एहि समय रेल, सड़क, हवाइ जहाज, सब मे बेस भीड़ रहैत छैक।

आइ हाउस मे रहैत हमरा एकटा परिवार सँ निमंत्रण भेटल एहि पावनि मे हुनका सबहक संग भोजन करबाक। आइ हाउस सँ हम दू गोटे गेल रही। हमरा संग एकटा श्रीलंका निवासी छलाह। हमरा सब कें लऽ जेबाक लेल एक व्यक्ति एलाह जे स्वयं ओहि मे निमंत्रित छलाह, मुदा ओहि परिवारक सदस्य नहि। आरो किछु लोक निमंत्रित रहथि। सब मिला कए हम सब सात आठ गोटे रही बाहरक लोक।

हमर होस्ट रहथि एकटा अधवयसू महिला। ओ एकसरे रहैत छलीह। एकटा बेटा छलन्हि जे ताहि समय आयरलैंड मे रहैत छलखिन्ह। परिवार मे आर कोनो सदस्य नहि।

थैंक्सगिभिंग एकसरे कोना मनौतीह, तें एतेक लोक कें निमंत्रण दऽ कए बजौलन्हि। अस्तु, हम सब टेबुल पर बैसलहुँ भोजन करबाक लेल। थैंक्सगिभिंग के रीतिक अनुसार खूब अधिक मात्रा मे भोजन बनल छलैक। करीब तीन तीन किलो के दूटा रोस्टेड टर्की राखल। हमरा सबकें अपनहि काटि काटि प्लेट मे लेबाक छल। एकरा संग विभिन्न ब्रेडक से विन्यास छलैक, चटनी छलैक आ वाइन सेहो रहबे करैक। तावत तक तऽ हम कंठी तोड़ि लेने रही।

हम पहिल बेर एकटा परिवारक संग एतेक आत्मीय भऽ कए भोजन कऽ रहल छलहुँ। एहि सँ पूर्व कहियो कहियो डेविड स्कॉट अथवा डेव हेन्ड्रीक घर मे पार्टी जरूर भेल छलैक, मुदा ओहि मे पारिवरिक वातावरण नहि बनि पौलैक, कारण आमंत्रित लोक सब ऑफिसेक सहकर्मी सब आ बेसी बैचेलर। महिला वर्ग अपन गोष्ठी बना लेथि, जेना भारत मे सेहो होइत छैक। एतए वातावरण भिन्न छलैक।

भोजनक बीच हमरा सबहक चर्चाक विषय भऽ गेल आयरलैंड मे टेररिस्ट समस्या। अपना होस्टक बेटा बेलफास्ट शहर मे रहैत छलखिन्ह, जतए आयरिस रिपब्लिकन आर्मी द्वारा बहुत आतंक पसारल छलैक। ओ महिला सब समय बेटाक सुरक्षा लऽ कए चिन्तित रहैत छलथि। हुनक अपन बेटाक प्रति ममता। ओ एतबे सुनबैत रहलीह जे जखने कोनो बम विस्फोटक खबरि उठैत छलैक, ओ आशंकित भऽ जाइत छलथि आ जावत बेटा सँ गप नहि कऽ लैत छलथि, तावत बेचैने रहैत छलथि। एक बेर हुनकर बेटा कनिए लए बचि गेल छलखिन्ह। तहिया सँ हुनकर डर आर बेसी भऽ गेल छलन्हि। ओ कतेक बेर ओकरा बेलफास्ट छोड़ि देबाक आग्रह सेहो केलखिन्ह, मुदा ओ मानि नहि रहल छलन्हि।

हम देखल जे ई खिस्सा सब सुनबैत कतेक बेर ओ आँखि पोछैत छलीह। हमरा लागल जे माएक ममता सब ठाम एकहि रंग होइत छैक। मिथिला रहओ कि अमेरिका। अपना संतानक प्रति मोह सँ ग्रसित।

पियक्कर

कंठी टुटिए गेल छल। आ ताहि लेल तऽ चरणामृत भेटल छल शैम्पेन के। तखन आब आधा कप पर किएक रहितहुँ ? आब हमर खान पानक व्यवहार बदलि गेल। कहलकै जे मियाँ जातियो गमौलहुँ आ स्वादो नहि पौलहुँ, तकर परि नहि ने होमए दितिऐक। किछु दिन तक एक एक कप नॉरमल जकाँ दैत रहलियैक। आब तऽ चाहक हिस्सक छुटिए गेल छल।

फेर हमरा एकर चस्का चढ़ल। से एक सँ दू कप भेल आ एवं प्रकारें बढ़ैत बढ़ैत चारि पाँच छऽ कें पार करैत हम पहुँचि गेलहुँ दस पर। सेहो एकदम सुच्चा। एतए कने दिन थम्हल रहलहुँ। मुदा लागए जे इच्छा पूर नहि भऽ रहल अछि। कंठ सुखाएल लागए। तर करहिं पड़त। चहट जे चढ़ि गेल। फेर कप बढ़ए लागल। आब तऽ स्थिति एहेन भऽ गेल जे हरदम हाथ मे कप रहबे करए। खाली होइक की भरि ली। गुनक एकेटा जे निसाँ एको रत्ती नहि लगैक। कपक गिनती के करए ? बीस होइक की बाइस, सब बराबर। जे देखथि तिनको अनसोहाँत लगन्हि। मुदा नीक बात एकेटा जे ओतए कियो ककरो कोनो तरहक परहेजक शिक्षा नहि दैत छलैक। सबटा ठीक छैक, जावत अहाँ काज नीक जकाँ कऽ रहल छी। आ ताहि मे हम कोनो त्रुटि नहिए होमए देलियैक।

हमरा अपनहु कखनो कए डर लागए जे सत्ते हम पियक्कर ने तऽ भऽ गेलहुँ। की हम 'एडिक्ट' भऽ गेलहुँ ? जे फगुआ पर्यन्त मे ठीक सँ एक गिलास भाँगो नहि चिखने छलहुँ, तकर एहेन स्थिति ? परिवार मे एहेन तऽ पूर्व मे कहियो नहि भेल छल। बाबूजी एडिक्ट छलाह, मुदा तमाकूएटाक। किछु दिन पानक हिस्सक लगलन्हि, मुदा देखने छी जे ओकरा त्याग करऽ मे हुनका बहुत तकलीफ नहि भेल छलन्हि। भांग सेहो खाइत छलाह, मुदा से तऽ मात्र साँझ मे एक बेर। एना कपे कप बीस बेर नहि। भरि दिन गिलास धेने तऽ नहि रहैत छलाह। काका कें तमाकू सँ सेहो परहेज छलन्हि। हुनका मात्र सुपारी भेटबाक चाहैत छल। हँ, सुपारी ओ कहियो कतरि कए नहि खेलन्हि। छलिया सुपारीक दू फाँक कएल आ एक फाँक मुँह मे देल। बस ओ जतेक काल मुँह मे रहए। भरि दिन तऽ सुपारी नहि खाइत छलाह, मुदा दिन मे चारि पाँच टा छलिया जरूर शेष भऽ जाइत छलैक। सुपारीक हिस्सक मुदा काका कें संगहि गेलन्हि। नहिए छुटलन्हि। आ ने एकोटा दाँते टुटलन्हि। हमरा की होएत? कखनो कए चिन्ता होअऽ लागए, मुदा फेर बेफिक्र भऽ जाइ। जे हेतैक से देखल जेतैक। वएह बात, असली पियक्कर जकाँ।

एक दिन जखन बर्कले छोड़बाक समय एकदम नजदीक आबि गेलैक, तऽ हमर घनिष्ट मित्र जेम्स साइमन्स पुछिए देलन्हि "योगेन्द्र, एतेक जे कप पर कप भरि दिन चढ़बैत रहैत छिऐक, से जखन इंडिया वापस जाएब तखन कोना भेटत ?" हमरा बर्कलेक बाद इंडिया आबऽ सँ पहिने अमेरिका मे दू ठाम जेबाक छल, एक प्रकारक स्टडी टूर करैत : एक तऽ टेक्सास ए एन्ड एम यूनिवर्सिटी आ दोसर न्यूयार्क लग ब्रूकहैवेन नेशनल लैबोरेटरी। आ फेर यूरोप मे लंदन आ पेरिस से टूर करबाक छल। सब मिला कए बर्कले छोड़बाक दश दिनक बादे हम मुम्बई पहुँचि रहल छलहुँ।

हम हुनका आश्वस्त करैत कहलिएन्हि "चिन्ता जूनि करू। इंडिया तऽ एखन बहुत दूर छैक। पहिने बर्कले सँ हमरा अमेरिको मे आन आन ठाम गेनाइ अछि। ई कप तऽ एतहि रहि जाएत। हमरा संग कतहु नहि जाएत। एतहि हम एकर विसर्जन कऽ देबैक"।

आ से सएह भेलैक। बर्कले छोड़लियैक आ बिसरिए गेलियैक जे हम पियक्कर भऽ गेल रही। कथी लए कहियो इच्छा होएत ? ई परिवर्तन भेलैक जरूर, मुदा कोना से तऽ हमहूँ नहि बूझि सकलियैक। पियक्कर लोक कें आदति छोड़ाबऽ लेल कतेक टोना टापर करए पड़ैत छैक। हमरा किछु नहि करए पड़ल। ने निसाँ, ने आदति, ने कप। सब स्वयमेव "स्वस्थानं गच्छ" भऽ गेल।

बूझि गेलियैक ने पियक्करीक भितरिया रहस्य। हम शैम्पेन नहि, कॉफीक चर्च करैत रही। जेम्स ओकरे बारे मे चिन्ता प्रगट केने छलाह। से एकदम सुच्चा ब्लैक कॉफी, मात्र कने चीनी देल। दूध ? नै नै, कॉफीक स्वादे बिगाड़ि देत। एहन काज करबे नहि करी।

अहाँक मोन जरूर औनाइत होएत जे एतेक कपक पैसा कतए सँ अबैत छलन्हि। से ठीके। मुदा धन्य बर्कले मे लैबक कॉफी क्लब। तीन डॉलर मास के लगैत छल आ फेर जे जतेक पीबए दिन भरि। लैबक सेक्रेटरी मिस कैरोल आठ बजे भोर मे जखन ड्यूटी पर अबैत छलीह, तखन पहिल काज हुनकर छलन्हि एकटा पैघ कॉफी डिस्पेन्सर मे टटका कॉफी बना कए भरि देब। फेर दुपहरिया मे दू बजे के करीब सेहो ओकरा भरि दैत छलीह। लोक अपन कप, मग, आदि लेने जाए आ इच्छा भरि कॉफी ढारि लिअए। पूँजीवादी अमेरिका मे समाजवादी व्यवस्था। भेलैक ने अजगुत !

विदाई

भारत वापस एबा सँ पूर्व हमरा लेल डेविड स्कॉटक नेतृत्व मे विदाई पार्टी आयोजित कएल गेल। तावत डेव हेन्ड्री महोदय बर्कले छोड़ि वाशिंगटन चल गेल छलाह आ स्कॉट महोदय 88" लैबक निदेशक भऽ गेल छलाह। हम सब सानफ्रान्सिस्को मे एकटा जापानी रेस्तराँ गेल रही। एकर चुनाव ओ लोकनि अपनहि केलन्हि।

एतए भोजन सामने मे टेबुले पर बनाओल जाइत छलैक। वेटर जे छल से कूक सेहो आ भोजन बनबै सँ बेसी एक्रोबैटिक्स मे सिद्धहस्त। कोनो सामान कें एना कए उठा कए फेकि दैत छल आ फेर प्लेट अथवा बर्तने मे लोकि लैत छल से देखितहिं बनए। सामने टेबुल पर आगि लगा देलक, धधरा उठए लगलैक आ फेर चोट्टहिं ओकरा मिझा देलक। एवम

प्रकारें ओ खेला देखा देखा हमरा सबहक मनोरंजन करैत रहल आ एकदम गरम गरम भोजन सबहक प्लेट मे परसैत रहल।

भोजनक बाद डेविड स्कॉट ओतए उपस्थित अन्य सहकर्मी लोकनि कें अपन अपन अनुराग व्यक्त करबा लेल कहलखिन्ह। संयोग नीक जे डेव हेन्ड्री महोदय सेहो उपस्थित छलाह। हम तऽ बूझू स्वप्नक दुनियाँ मे चल गेल रही। एतेक आदर भेटत, तकर कहियो अनुमाने नहि छल। अन्त मे स्कॉट महोदयक भाषण भेल, जे हर दृष्टिकोण सँ हमरा लेल शुभकामना संदेश छल। तकर बाद हमरा देल गेल उपहार, जाहि मे सब सँ विशिष्ट छल फ्रिजॉफ कापरा लिखित 'टाओ ऑफ फिजिक्स'। ओहि समय ई किताब खूब चर्चित छलैक। खास कऽ कए एहि कारण, जे किताब मे पूर्वी सभ्यता जेना शिवक तान्डव नृत्य आ चीनी दर्शन आदि सँ आधुनिक विज्ञानक पार्टिकिल फिजिक्स मे भेल खोज कें सामंजस्य स्थापित करबाक चेष्टा कएल गेल छलैक। एहि पुस्तक मे ओतए उपस्थित सब गोटे अपन अपन हस्ताक्षर करैत गेलाह। एकर अतिरिक्त बे एरिया तथा कैलिफोर्निया सँ सम्बन्धित नीक नीक दृश्यक फोटोक संकलित तीनटा किताब – सानफ्रान्सिस्को, ब्यूटीफुल कैलिफोर्निया आ कैलिफोर्निया कोस्ट – सेहो देल गेल। ई सब हमरा लग एखनहुँ सुरक्षित अछि।

जेम्स सलाह देलन्हि जे हमहूँ अपना दिश सँ एकटा छोट पार्टीक आयोजन कऽ ली। ई अति उत्तम विचार छल। हुनके सलाह पर हम आइ हाउसक एकटा रूम बुक कएल जे ओतए रहनिहार बोर्डर सबकें पार्टी आदिक लेल भेटैत छलैक। पार्टीक मेनू भेल अमेरिकन स्टाइल मे वाइन आ चीज। संग मे ब्रेड सेहो। कतेक वाइन लागत आ कतेक चीज आ ओ सब कतए भेटत से सब हुनके बूझल छलन्हि। हुनके संग जा कए हम सबटा सामान कीन आनल। मात्र रेड वाइन कीनल गेल। पार्टी मे हम अपन सब सहकर्मी कें आमंत्रित केलहुँ। सब खुशी खुशी अबैत गेलाह। एहि पार्टीक किछु फोटो अछि जाहि मे फ्रेंच महिला मदाम फराजी सेहो छथि। हुनका बारे मे अगिला भाग मे विशेष पढ़ब।

ई पार्टी सफल रहल। खुशी भेल जे हम हुनका सबहक ऋण कें कनियों तऽ सधा सकलहुँ। एकर बाद हम बर्कले छोड़ि देल।

वन मैन आर्मी

बर्कले छोड़लाक बाद हमरा पहिने जेबाक छल टेक्सास ए एण्ड एम यूनिवर्सिटीक कॉलेज स्टेशन कैम्पस। पहिनहि कहि देने छी जे कलकत्ता मे जे साइक्लोट्रॉन बनि रहल छलैक से एतुके मशीनक हूबहू नकल छलैक। एतहु जाहि तरहक प्रयोग सब भऽ रहल छलैक, ताही तरहक रिसर्च हमरा सब कें करबाक छल आ एतए जे डाटा एक्वीजिसन प्रोग्राम व्यवहार होइत छलैक, तकरा बारे मे जानकारी भेला सँ हमरा अपना लैबक लेल एकटा नीक प्रोग्राम बनेबा मे मददि भेटि सकैत छल। तें एतए दू दिनक टूर राखल गेल छल।

पन्द्रह मास रहि कए बर्कले सँ भारत वापसीक रस्ता मे विदा भऽ गेल रही तें सामान बेसी भऽ गेल छल। दूटा पैघ सुटकेस छल जाहि मे एकटा भारत सँ आनल आ दोसर सैम्सोनाइट के सुटकेस एतहि कीनल। एकर अतिरिक्त एकटा हैन्डबैग आ एकटा झोड़ा। सबटा छोट पैघ जगह पर एतेक सामान उघने जाएब कठिनाह छल। तें शुरुए मे एहेन योजना सँ पैकिंग कऽ लेल जे दूनू बड़का सुटकेस कें एयरपोर्ट पर छोड़ि दियैक आ दू तीन दिन जोगरक सामान बैग आ झोड़ा मे कोंचि ली।

कॉलेज स्टेशन एकटा बहुत छोट शहर टेक्सास राज्य मे। एहि लेल हम सानफ्रान्सिस्को सँ डलास एलहुँ। एतए हमरा जहाज बदलि कए कॉलेज स्टेशन जेबाक छल। पहिने दूनू बड़का सुटकेस कें एयरपोर्टक लॉकर मे राखल। तकर बाद विदा भेलहुँ दोसर जहाज पर चढ़ए।

आहि रे बा! हम सब ठाढ़ छलहुँ एकटा एहेन हवाई जहाज लग, जकरा हेलिकॉप्टरे कहब बेसी ठीक रहितैक। ई दश सीट बला जहाज छलैक। एकेटा व्यक्ति एकरा सम्हारबाक लेल ओतए ठाढ़। ओ पहिने सबहक सामान लऽ कए राखि देलन्हि। फेर सबहक बोर्डिंग पास चेक करैत अन्दर बैसबैत गेलाह। फेर अपने ओहि मे चढ़ि सबकें एक एक गिलास जूस परोसि देलखिन्ह। तकर बाद गेट बन्द केलन्हि आ बैसि गेलाह पायलेट के जगह पर आ उड़ा लेलन्हि जहाज। जखन कॉलेज स्टेशन पहुँचलहुँ, तखन फेर ओहिना ओ इंजन बन्द केलाक बाद गेट खोललन्हि आ सबहक सामान उतारि कए दैत गेलखिन्ह।

सत्ते, वन मैन आर्मी एकरे कहैत हेतैक। ग्राउन्ड स्टाफ, केबिन स्टाफ, पोर्टर आ पायलट सब एके व्यक्ति। ई अमेरिके मे सम्भव छलैक।

एक बॉगी बला ट्रेन

स्टडी टूरक दोसर जगह जे हम चूनल से छल ब्रूकहैवेन नेशनल लैबोरेटरी (बीएनएल)। बीएनएल चुनबाक कारण छलैक जे ई न्यूयार्क शहरक लग मे छलैक, तें एही बहाना सँ न्यूयार्क सेहो देखि लितहुँ। एतुका टैन्डेम लैब मे जे रिसर्च भऽ रहल छलैक सेहो साइक्लोट्रॉन पर भऽ रहल रिसर्चक समतुल्ये छलैक। तें एतुका डाटा एक्वीजिसन देखला सँ किछु लाभ हेबाक सम्भावना छल।

एलबीएल मे हम अपना सुपरवाइजरक सहयोग सँ बीएनएल मे सम्बधित वैज्ञानिक प्रोफेसर पीटर बॉन्ड सँ सम्पर्क कएल आ यात्राक सबटा प्रोग्राम बनाओल।

हम कलकत्ताक अपन एकटा भूतपूर्व सहकर्मी डा० नियोगी सँ संपर्क कएल। ओ कलकत्ता मे साइक्लोट्रॉन प्रोजेक्ट मे काज करैत छलाह। किछु वर्ष पूर्व ओतए सँ इस्तीफा दऽ कए अमेरिका चल गेल छलाह आ न्यूयार्क इलाका मे रहैत छलाह। ओ बैचेलर छलाह। हुनका सँ आग्रह कएल जे दू तीन दिनक लेल आवासक व्यवस्था करथि। ओ अपनहि फ्लैट मे हमरा लेल इन्तजाम कऽ देलन्हि। हम न्यूजर्सी के होवोकेन शहर मे हुनका फ्लैट मे रहलहुँ। एतहि सँ हमरा बीएनएल जेबाक छल आ कार्यक्रम के अनुसार ओही दिन घूमि जेबाक छल। बीएनएल के हमर सम्पर्क वैज्ञानिक हमरा सबटा रस्ता बता देलन्हि। ताहि अनुसारें हमरा न्यूयार्क सँ ट्रेन लऽ कए लौंग आइलैंडक पाचोग स्टेशन पहुँचबाक छल। ओतए बीएनएल के गाड़ी हमरा भेटैत। वापसी मे फेर बीएनएल के गाड़ी हमरा पाचोग छोड़ि दितए, जतए सँ हम फेर ट्रेन लऽ कए न्यूयार्क चल जइतहुँ।

बीएनएल लौंग आइलैंड के अप्टन इलाका मे स्थित छैक। ई जगह विश्व युद्धक समय मिलिटरी स्टेशन छलैक, तें मनुक्खक आबादी सँ हटि कए जंगल मध्य बनाओल गेल छलैक। अमेरिका मे तऽ पब्लिक ट्रान्सपोर्ट ओहुना कम्मे छैक। आ लौंग आइलैंड सन धनीक इलाका मे तऽ आरो नगण्य। तें बिना अपन कार के ब्रूकहैवेन अबै मे बहुत झंझट छलैक। पाचोग मे यदि बीएनएल के गाड़ी छूटि गेल अथवा वापसी मे यदि ट्रेने छूटि गेल तऽ पड़ले रहि जइतहुँ। नहि तऽ सैकड़ो डालर खर्चा कऽ कए टैक्सी लेबए पड़ैत।

हम समय सँ पाचोग स्टेशन पहुँचि गेलहुँ आ नीक संयोग जे बीएनएल के गाड़ी सेहो भेटि गेल। बिना कोनो झंझट के हम बीएनएल के टैन्डम लैब पहुँचि गेलहुँ जतए प्रो० पीटर बॉन्ड हमर स्वागत केलन्हि। ओ टेन्डेम लैब घुमौलन्हि आ हमर मुख्य विषय डाटा एक्वीजिसन सँ सेहो परिचित करौलन्हि। ओतुका डाटा एक्वीजिसन ओना हमरा बहुत आकर्षक नहि लागल, मुदा बिना देखने से कोना बुझितियैक ? अस्तु, ई काज प्रायः दू घंटा मे भऽ गेल। ओ हमरा लंच करौलन्हि आ तकर बाद बीएनएल के किछु अन्य त्वरक फैसिलिटी आदि देखौलन्हि। तावत गाड़ीक समय भऽ गेलैक। हम हुनका सँ विदा लेल। समय पर फेर बीएनएल के गाड़ी हमरा पाचोग स्टेशन पहुँचा देलक। हम टिकट लऽ कए ट्रेनक प्रतीक्षा करए लगलहुँ।

ट्रेन समय पर एलैक। मुदा देखबा मे अजीब। एकटा इंजन आ मात्र एकटा बॉगी। न्यूयार्क सन शहरक आसपास एहेन दृश्य किछु विचित्रे लागल। मुदा लौंग आइलैंड सन धनीक जगह मे ट्रेन पर के चढ़ैत छल जे पैघ गाड़ी रहितैक ? दू अथवा तीन स्टेशन गेलाक बाद ई गाड़ी बदलि कए दोसर गाड़ी पकड़लहुँ, जाहि मे खूब भीड़ छलैक। हम ठाढ़े रहलहुँ। किछु नवयुवक लोकनि जे लग मे ठाढ़ छलाह से सब बीयर पी कए मस्त छलाह। तावत टिकट चेकर आबि गेलाह। हम जावत बुझियैक तावत ओहि बीयर पार्टीक किछु लोक शौचालय मे बन्द भऽ गेलाह आ किछु एमहर ओमहर छिड़िएबाक कोशिश मे लागि गेलाह। टिकट चेकर कें जेना बुझले होइक। ओ लगलाह शौचालय के दरवाजा ढकढकाबए जे कहुना अन्दर के लोक ओकरा खोलथि। एम्हर हुनक दोसर सहकर्मी आबि बाँकी लोक कें पकड़लन्हि। तकर बाद खेल आबि कए रुकि गेल शौचालय के गेट पर। दूनू टिकट चेकर गेट पर ठाढ़ भऽ गेलाह। ने कियो अन्दर जा सकैत छल आ ने कियो बाहर आबि सकैत छल। अन्त मे जखन ओहि बीयर पार्टीक लोक कें उतरबाक स्टेशन एलैक तखन ओ सब बहरेबे केलाह आ पकड़ाइये गेलाह । एतेक काल खेला खेलाइत रहलाक कोनो लाभ नहि भेलैक। हमर स्टेशन आर किछु दूर छल। जखन शौचालय खाली भऽ गेलैक तखन हम एक बेर हल्लुक हेबा लेल अन्दर गेलहुँ। अन्दर के दृश्य वर्णन नहि कएल जा सकैत छल। सब तरि बीयर के कैन भरल, कमोड आ बेसिन पर्यन्त नहि छूटल, बीयर के गंध सँ भभाइत। हल्लुक की हैब, मोन आर भारी भऽ गेल आ चोट्टहिं घूरि एलहुँ।

एहेन दृश्य जँ भारत मे देखने रहितियैक तऽ सब कहितियैक ने एतुका लोक कें साफ सुथरा रहए नहि अबैत छैक। मुदा अमेरिका मे एहेन दृश्यक की अर्थ भेलैक से अपने सब अनुमान लगबैत जइयौक।

लंदन भ्रमण पहिल बेर

अमेरिका सँ घुरैत काल हम दू टा स्टॉपओवर लऽ लेने रही। एक छल लंदन आ दोसर पेरिस। लंदन मे हमरा एक राति रुकबाक छल आ पेरिस मे दू राति। लंदन तक एबा मे हवाई जहाज कम्पनी सामानक लेल एक तरहक नियम बनौने आ फेर यूरोपक भीतर अथवा यूरोप सँ भारत एबा लेल दोसर तरहक नियम। एटलांटिक पार करै बला फ्लाइट मे दूटा सुटकेस चेकइन सामान मे दऽ सकैत छलियैक, ओजन के कोनो हिसाब नहि। मुदा अन्यत्र जेबाक लेल चेकइन सामान मे बीस किलो ओजनक सीमा लागि जाइत छलैक।

अमेरिका छोड़ैत काल लंदन भ्रमण के कार्यक्रम बनबै मे जेम्स खूब मददि केने छलाह। हुनके सहयोग सँ विक्टोरिया स्टेशन के पास मे हमरा होटल से भेटि गेल छल।

न्यूयार्क सँ हवाई जहाज जखन लंदन पहुँचलैक, तखन करीब नौ बजैत रहैक। न्यूयार्के मे हम अपन पैकिंग एहि तरहें केने रही जे मात्र एकटा हैंडबैग लऽ कए शहर जा सकब आ सुटकेस सब हवाई अड्डा पर क्लॉकरूम मे राखि देबैक।

अस्तु, इमिग्रेसन सँ बहार भऽ कए सामान लेल आ दौड़लहुँ क्लॉकरूमक दिश। ओतए बड़की टा लाइन लागल छलैक आ सेहो धीरे धीरे ससरैत छलैक। लागल जेना भारते पहुँचि गेल होइ। लाइन मे ससरए लगलहुँ। जखन हमर नम्बर आएल तखन ठीक दश बाजि गेल छलैक। क्लॉकरूमक किरानी बाबू खिड़की पर 'क्लोज्ड' के पट्टा लगा देलखिन्ह आ चल गेलाह चाह पीबए। सूनल छल जे अंग्रेज लोकनि चाहक टाइम के बर पकिया होइत छथि। एतए साक्षात प्रमाण भेटि रहल छल। कएले की जा सकैत छलैक ? प्रतीक्षा करैत रहलहुँ। पाछूक यात्री लोकनि तरह तरह के टीका टिपण्णी करैत रहलाह, से मात्र अपन मोन हल्लुक करैक लेल। किरानी बाबू जे गेलाह से ठीक आधा घंटाक बादे एलाह। हुनका अपन दूनू सुटकेस पकड़ाओल, रसीद लेल आ पड़ेलहुँ ट्रेन लऽ कए शहर जेबा लेल।

विक्टोरिया स्टेशन पर देखल सूचना सब हिन्दी मे सेहो लीखल। आश्चर्य तऽ भेल, मुदा नीक लागल। स्टेशन सँ निकलि अपन होटल मे गेलहुँ। स्नान कएल आ किछु हल्का भोजन। ओतहि पासे मे लंदन भ्रमण के बस भेटैत छलैक, से जेम्स बता देने रहथि। हम बसक टिकट कटाओल आ बैसि गेलहुँ। समय बहुत ठंढा छलैक, मुदा साफ रहैक।

बस करीब दू घंटा मे नामी नामी जगह के हुरबा छुआ देलक, जेना कि सब तरि एहेन टूर मे होइत छैक। घूरि एलाक बाद हमरा एतेक समय छल आ जगहक एतेक ठेकान भऽ गेल छल जे टहलि कए फेर ट्रैफल्गर स्क्वायर चल गेलहुँ। ओतए बड़का टा क्रिसमस ट्री लागल आ खूब सजाओल। अन्हार जकाँ भऽ गेल छलैक, तैयो हम अपन नव यासिका कैमरा सँ ओकर एकटा सुन्दर फोटो लेने रही। स्लाइडक रूप मे ई फोटो हमरा लग एखनहु अछिए।

अगिला दिन भोर मे फेर टहलैत निकलि गेलहुँ आ कने काल पार्लियामेंट भवन कें निहारल। तकर बाद पुल सँ टेम्स नदीक दोसर कात जाकए बिग बेन घड़ी कें निहारैत रहल छलहुँ। ओहि पहिल यात्रा मे ई सब एकटा विचित्र अनुभव भऽ रहल छल। फेर टहलैत टहलैत चल गेलहुँ बकिंघम पैलेस। ओतहु कने काल ठाढ़ भेल रही आ ओहि ऐश्वर्य कें निहारैत रही। फेर हाइड पार्क होइत अपन होटल घूरि आएल रही।

लंदन मे एहि सँ बेसी ने समय छल आ ने किछु देखबाक। मिला जुला कए नीक अनुभव रहल। भोजन केलाक बाद एयरपोर्ट चल गेलहुँ पेरिस के फ्लाइट पकड़बाक लेल।

पेरिस मे पहिल बेर

लंदन सँ पेरिस अबैत काल एयरपोर्ट पर हम भारत सँ आनल पुरना सुटकेस फेकि देल। ओकर सामान कहुना सैम्सोनाइट बला सुटकेस मे आ एकटा झोड़ा मे पैक कएल। ई झोड़ा हम अमेरिके मे कीन लेने रही, कारण बूझल छल जे यूरोप मे एक ठाम सँ दोसर ठाम जाइ लेल अथवा फेर मुम्बई आबक लेल हवाई जहाज मे बीस किलो बला नियम लागू भऽ जाइत छलैक।

ई झोरा बेस फैलगर छल आ बहुत किछु सामान अँटि गेल। मुदा भऽ गेल बेस भारी। ओकर हथ्था ओतेक मजगूत छलैक नहि, से हमरा बुझा गेल छल एके बेर उठेला पर। हम अपने ओकरा नीचा मे हाथ दऽ कए उठाबी। हम सामान एहि तरहें पैक कएल जे मात्र एकटा बैग लऽ कए पेरिस एयरपोर्ट सँ बाहर जाएब आ झोड़ा आ सुटकेस क्लॉकरूम मे राखि देबैक।

लंदन मे एयरपोर्ट पर सुरक्षा जाँचक क्रम मे एकटा महिला अधिकारी ओकरा बिनु बुझने हथ्था पकरि कए उठा लेलन्हि आ एकटा हथ्था तोड़ि देलन्हि। हुनकर हम कैए की सकैत छलहुँ ? अस्तु, मोन मारि कए आगू बढ़लहुँ। दूटा सामान हम हैंड लगेज जकाँ लेने रही।

पेरिस मे हमरा सिते यूनिवर्सिते मे भारत भवन (मैंजों लैंद Maison l'Inde) जेबाक छल। एकर चर्चा मान्यवर डा० सुभद्र झाक यात्रा प्रकरण शतक मे कतेक बेर आएल अछि। एतए हमर मित्र डा० अशोक धर रहैत छलाह आ ओएह

हमरा लेल दू राति रहबाक व्यवस्था कएने छलाह। ओ हमरा पेरिस मेट्रो के नक्शा आ एयरपोर्ट सँ सिते पहुँचबाक विस्तृत वर्णन पहिनहि लीख पठौने छलाह।

हम जखन पेरिस पहुँचलहुँ तऽ बेस राति भऽ गेल छलैक। ओहुना दिसम्बर मासक अन्तिम सप्ताह मे दिन बहुत छोट होइते छलैक। एयरपोर्ट पर पुछारी कऽ कए क्लॉकरूम ताकल आ ओतए दूटा सामान राखि देल। डालर कें फ्रेंच फ्रैंक मे भजा लेल। एकटा हैंडबैग लऽ कए विदा भेलहुँ। पहिने बस सँ शहर एबाक छल आ तकर बाद मेट्रो मे दू बेर लाइन बदलि कए सिते पहुँचबाक छल।

बस हमरा एकटा मेट्रो स्टेशन लग उतारि देलक। फेर सीढ़ी सँ नीचा उतरि गेलहुँ। टिकट काउन्टर पर गेलाक बाद पहिल बेर भाषाक समस्या बुझाएल। बस मे ई समस्या नहि भेल छल। मुदा एतए जे महिला काउन्टर पर बैसल छलीह से असली फ्रेंच आ हुनका अंग्रेजी सँ कहियो कोनो सरोकार नहि भेल छलन्हि। हम सांकेतिक भाषाक प्रयोग कएल। मेट्रोक नक्शा पसारि हुनका सिते देखा देल जे हमरा ओतए जेबाक अछि। हुनका हम एक सौ फ्रैंक के नोट बढ़ा देल। टिकटक दामक हिसाबें ई बहुत बेसी टाका छलैक, मुदा हमरा तऽ कोनो अनुमान छल नहि, तें बड़के नोट देलिएन्हि। ओ टिकटक संग बाकी खुदरा वापस कऽ देलन्हि। एहि सँ लाभ ई भेल जे बहुत रास खुदरा हाथ मे आबि गेल। हम आगूक यात्रा शुरू कएल।

मेट्रोक नक्शा देखैत आ अशोक धरक मार्गदर्शनक अनुसरण करैत हम ठीक ठाक सिते मेट्रो स्टेशन पहुँचि गेलहुँ। एतए हमरा बाहर निकलबाक छल। बाहर निकलबाक लेल गेट मे टिकट ढुकेलहुँ (जहिना कलकत्ता मेट्रो मे करैत छी) तऽ हरियर हेबाक बदला लाल संकेत आएल, जाहि मे किछु फ्रेंच मे लिखल छलैक। दू तीन बेर प्रयास कएल मुदा व्यर्थ। एहि प्रयास मे लिखलाहा अक्षर पढ़ल भऽ गेल "billet invalid"। बिलेट शब्दक माने तऽ नहि बुझलियैक मुदा इन्भेलिडक माने तऽ स्पष्ट छल। ताहि सँ अनुमान लगाओल जे ई टिकट गलत भऽ गेल छल। आब भारी मुश्किल मे पड़लहुँ। तावत देखियैक जे कतेक गोटे गेट तड़पि कए बाहर चल जाए। हम विदेशी छलहुँ, भाषाक ज्ञान से नहि छल, तखन एना करब हमरा लेल सम्भव नहि छल। यदि कतहु सँ कोनो पुलिस आबि पकड़ि लैत तऽ दोसरे पेरिस भ्रमण भऽ जइतए।

हम किछु क्षण ओतए ठाढ़ रहलहुँ। लोक कें बुझा गेल छलैक जे हमरा टिकट मे प्रोब्लेम अछि। एक गोटे कें दया एलैक। ओकर अपन टिकट पर जे गेट खुजलैक तऽ आधा घुमा कए ओ निकलि गेल आ गेटक हैंडिल पकड़ने रहल। हमरा इशारा केलक जे ओहि आधा फाँक सँ हम बहार भऽ जाइ। सएह कएल। एतबे काल मे लागल छल जेना हम कोनो जेल मे रही। स्टेशनक बाहर आबि स्वच्छन्दताक साँस लेलहुँ।

बाहर सड़क पर इजोत तऽ छलैक मुदा लोक कतहु नहि। ककरा पुछिऐक सिते के गेट कोन छिऐक आ भारत भवन कतए छैक ? तखन अशोक कें फोन करबाक विचार कएल। रस्ताक कात मे फोन बूथ भेटि गेल। ओतए सँ कोशिश कएल। एक फ्रैंकक सिक्का रहबे करए। से खसा कए नम्बर लगा लेल। फोन बजैत रहलैक मुदा कियो उठेलकै नहि। चोंगा जखन वापस रखलियैक तखन हमर खसाओल एक फ्रैंकक सिक्का तऽ वापस एबे कएल, संगहि एकटा दश फ्रैंकक सिक्का सेहो लेने आएल। वाह रे पेरिस ! एहेन आश्चर्य तऽ कतहु नहि देखने छलियैक। ओ दश फ्रैंक कोना बहरेलैक से एखन तक ने हम बूझि सकलियैक आ ने कियो आन। ओ भागमन्त सिक्का हम रखनहि छी।

फोन सँ सम्पर्क नहि भेला पर हम खूब निराश भेलहुँ, मुदा किछु तऽ करबाके छल। जाड़क मास बाहर तऽ बितेबाक नहि छल। दोसर, चोर उचक्का के सेहो कोन ठेकान। कात मे देखलियैक बड़का छहरदेबाली जे अन्दाज सँ लागए सिते हेतैक। मुदा गेट कतहु देखबे नहि करियैक। अन्त मे टहलैत टहलैत जखन दोसर कात गेलहुँ तखन गेट भेटल। अस्तु, सितेक भीतर तऽ प्रवेश कऽ गेलहुँ। आब तकबाक छल भारत भवन। ओतए देखल, बहुत देशक भवन छलैक। जे नजरि पर आएल से सब अफ्रिकन देश सबहक भवन छलैक। ओही मे सँ संयोग सँ एक गोटे बहरेलाह। हुनका अंग्रेजी मे पूछल। ओ हमर बात बुझलन्हि की नहि से तऽ कहब कठिन, मुदा ओ हमरा भारत भवन तक पहुँचा जरूर देलन्हि।

एतए भीतर गेला पर अशोक सँ भेंट भेल। राति बेसी भऽ गेल रहैक। भोजन करबाक इच्छो नहि रहए। ओ हमरा रूमक चाभी दऽ देलन्हि आ सबटा बात बुझा देलन्हि। टेलीफोनक मादे ओ कहलन्हि जे ओ नीचा मे राखल रहैत छैक आ यदि एटेंडेंट सुनलक आ उठेलक तऽ बर बढ़िया, नहि तऽ फेर घंटी बजिते रहैत छैक। सब लोक तऽ अपना अपना कमरा मे रहैत अछि।

अस्तु, एतेक परिश्रमक बाद रूम मे तऽ एलहुँ। दूनू गोटे रात्रि विश्रामक लेल तैयारी करए लगलहुँ।

अगिला दिन हमरा सैक्ले जेबाक छल, जतए मदाम फराजी काज करैत छलीह। ओ सैक्ले मे न्यूक्लियर फिजिक्सक विभागाध्यक्ष छलीह। हम हुनका संग बर्कले मे छऽ मास काज केने रही, जखन ओ सैबैटिकल लऽ कए डेविड स्कॉटक ग्रुप मे आएल छलीह। ओ हमरा सैक्ले एबाक लेल आमंत्रित केने छलीह। एतए जेबाक लेल फेर हमरा मेट्रो लेबए पड़ैत।

हम सबेर सकाल तैयार भेलहुँ। स्नान घर मे गरम पानि नहि छल। कारण तऽ नहि बुझलियैक, मुदा कहुना मंत्र स्नान कऽ कए निकलि गेलहुँ। ओतेक ठंढा मे स्नानक काजे नहि होइत छैक लोक कें।

बाहर सड़क पर एलहुँ तऽ विचित्र दृश्य देखलियैक। ट्रैफिक लाइट नहि छलैक। बस सब मे कलकत्ताक नामी भीड़ो सँ बेसी भीड़। लोक सब गेट सँ लटकल। हमरा लेल पेरिसक पहिल दिन छल। सोचलहुँ, एहिना होइत हेतैक। हम आगू बढ़लहुँ। मेट्रो मे प्रवेश केलहुँ तऽ एकदम परिवर्तित दृश्य। ने कतहु लोकक भीड़, ने गाड़ीक आवागमनक कोनो आहट। किछु बुझिए नहि रहल छलियैक। एक गोटे भेटलाह जे फ्रेंच मे किछु कहलन्हि। अन्दाज सँ एतबा बुझलियैक जे गाड़ी बन्द छैक। आब की करी ? सैक्ले तऽ कोनो दू तीन किलोमीटर पर छलैक नहि जे पैरे विदा भऽ जइतहुँ। घूरि कए सिते आबि गेलहुँ।

ओतए किछु लोक बजैत छलाह जे राति मे बिजली कटि गेल छलैक। अशोक निकलि गेल छलाह। हम भारत भवनक फोन सँ मदाम फराजी कें सूचित करबाक प्रयास कएल जे मेट्रो बन्द रहला सँ हम आबि नहि सकब, मुदा हुनको सँ फोन पर सम्पर्क नहि भऽ सकल। किछु कालक बाद हम सब प्रयास छोड़ि देल आ रूम मे आराम करए लगलहुँ।

करीब बारह बजे फेर बहरेलहुँ। भोजन करबाके छल। तावत किछु परिवर्तन भेल छलैक। ट्रैफिक लाइट सामान्य भऽ गेल छलैक। हम टहलैत टहलैत रस्ता कातक एकटा छोट रेस्तराँ मे गेलहुँ। ओ एकटा अरब रेस्तराँ छलैक। ओतए चिकेन भात भेटि गेल। मोन तृप्त भेल। तकर बाद फेर मेट्रो स्टेशन एलहुँ। तावत किछु गाड़ी चलऽ लागल रहैक। आब तऽ समय बड़ कम छल। हम गेलहुँ ईफिल टावर देखए।

मेट्रो सँ बहराइते ईफिल टावर आँखिक सोझाँ आबि गेल। ओना मौसम बहुत ठंढा छलैक आ धुँध से लागल छलैक। तैयो पेरिसक पहचान एहि वस्तु कें झाँपल नहि जा सकैत छलैक। ओहेन समय मे ओतए लोक सेहो एकाधे टा, हमरे जकाँ, जिनका आर कोनो अवसर नहि भेटल हेतन्हि। हम बगल मे ठाढ़ भऽ कए किछु फोटो लेल। फेर घूरि एलहुँ सिते। अन्यत्र जेबाक इच्छे नहि भेल।

साँझ मे जखन भारत भवन पहुँचलहुँ तखन पता लागल जे पछिला राति ग्रिड फेल कऽ गेल छलैक, ताही सँ पूरा फ्राँस मे बिजली सेवा बाधित भऽ गेल छलैक आ फेर मेट्रो आदि सेहो बन्द भऽ गेल छलैक। ई हमर दुर्भाग्ये छल जे पेरिस घूमि नहि सकलहुँ।

अगिला दिन करीब बारह बजे हमर मुम्बई के फ्लाइट छल। कम सँ कम दू अढ़ाई घंटा तऽ लागिए जाइत एयरपोर्ट पहुँचबा मे। तें सिते सँ हम साते बजे निकलि गेलहुँ। पेरिस कें प्रणाम कएल।

पहिल विदेश प्रवास समाप्त भेल।

भाग दू

फ्राँस जे हम देखल

भाग दू : फ्राँस जे हम देखल

- जेबा सँ पूर्व
  - पोस्टडॉक ऑफर
  - छुट्टी, पासपोर्ट आ वीजा
  - यात्राक तैयारी
  - भाषाक शिक्षा
  - टिकट के चक्कर
- प्रस्थान
- ओरली एयरपोर्ट पर
- पेरिस सँ काँ
- अपना गाम मे पहिल अढ़ाई दिन
  - नवका डेरा मे
  - पहिल दिनक पराभव
  - कारफू सुपरमार्केट
  - भोजन मे घासे पात ?
  - नून कीनब आ फ्रेंच सीखब
  - गामक मेला
  - भारतीय लोक सँ भेंट
- ऑफिस मे पहिल दिन
- बसबाक प्रक्रिया
  - ईरोविल साँ क्ले
  - आबाजाहीक व्यवस्था
  - बच्चा सब कें स्कूल मे नामांकण
  - प्रीफेक्चर मे रजिस्ट्रेशन
  - बैंक मे खाता
  - फ्रेंचक ट्यूशन
  - अबिहें तों
- भोजन भात
  - चाउर की आलू ?
  - अनचिन्हार फल आ तरकारी
  - बुलैंजरी अर्थात् बेकरी
  - प्वासोंनेरी आ बूसेरी
  - ऑफिसक पार्टी
  - फ्रेंच परिवार मे भोजन
  - मद्य, मद्य आ मद्य
- ग्राम्य जीवन
  - अर्वाचीन ग्रामीण समाज
  - हाट बजार
  - प्राचीन ग्रामीण समाज
- इंडियन एसोसिएशन
  - जन्म
  - शोक संदेश
  - गणतंत्र दिवस
  - कार्निवाल
  - सामूहिक उत्सव
  - मेयरी मे विभिन्न प्रोग्राम

    - स्वतंत्रता दिवस आ इतिश्री
- वेलफेयर स्टेट
    - स्वास्थ्य सेवा आ डा० सुक्रिये
    - गर्भवती महिलाक लेल सुविधा
    - बच्चा पिछू भत्ता
    - एके भोजन, विभिन्न दाम
- समाजक बीच
    - पड़ोसीक आत्मीयता
    - दुखद प्रसंग
    - शीत ऋतु
    - साइकिल दान आ चोरी
    - फ्राँसक रेल एसएनसीएफ
    - गर्मीक छुट्टी
    - पड़ोसीक संग पिकनिक
    - भैंसुर, भाबहु आ बिकिनी
    - स्कूलक व्यवस्था
    - भरत नाट्यमक शिक्षिका
- ऑफिसक समाज
    - ग्रुप मीटिंग
    - चालीस प्रतिशत पहिल बेर
    - लंच सभ्यता
    - कर्मचारीगणक बँटबारा
- विशेष आकर्षण : राजीव गांधीक आगमन
    - वैज्ञानिक गोष्ठी
    - पेरिस मे राजीव गाँधीक कार्यक्रम
    - मृणालिनी साराभाईक नृत्य
- विविधा
    - मोना लिसाक नकल
    - काठक कनियाँ पुतरा
    - युद्धक स्मारिका
    - बुम बुम बुम बुम
    - मांउट साँ मिशेल
- वापसीक यात्रा
    - टिकटक चक्कर
    - घर खाली करब
    - पड़ोसी सँ विदाई
    - भारत वापसी

जेबा सँ पूर्व

पोस्टडॉक ऑफर

1983 मे पीएचडीक थीसिस जमा कऽ देलाक बाद हम विदेश मे पोस्टडॉक पोजीसनक खोज मे लागि गेल रही। अमेरिका मे पछिला प्रवासक गुरू प्रोफेसर डेविड स्कॉट सँ सम्पर्क मे रही। ओ बर्कले छोड़ि मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी चल गेल छलाह। हम बहुत ठाम अपन बायोडाटा पठा देने छलियैक। ओना तऽ अपन इच्छा छल अमेरिका जेबाक, कारण भाषाक सुविधा रहैत छैक, मुदा पोजिसन भेटब तऽ अपना हाथ मे नहि। यूरोप मे इंगलैंड छोड़ि भाषाक समस्या सबतरि आ इंगलैंड मे कोनो पोजिसन छलैके नहि। एकर अतिरिक्त प्रोफेसर स्कॉट महोदय एकटा गुरूमंत्र पहिनहि दऽ देने रहथि, जे नव जगह जाऊ, जाहि सँ किछु नव अनुभव होएत। कहबाक तात्पर्य जे बर्कले नहि जाउ।

अस्तु, 1984 मे मई के अन्त सँ ऑफर सब आबए लागल। सबटा यूरोप सँ। एकटा हालैंड मे ग्रोनिंगेन सँ आएल आ फेर दोसर फ्राँस के ग्रेनोबुल सँ। ई दूनू चिट्ठीक रूप मे छल। एही समय एकटा लम्बा टेलिग्राम भेटल फ्राँसक गैनिल प्रयोगशाला सँ आ एकरा संगहि डेविड स्कॉटक अनुमोदन, जे ई नव परन्तु यूरोप के नीक लैब छैक आ हम एहि पर विचार करी।

टेलिग्राम मे ऑफर के पद आ वेतन सेहो लिखल छल। ई पद फ्राँस के 'सीएनआरएस' (Centre National de la Recherche Scientifique) मे चार्ज द रिसर्च स्तर 1 के छल आ वेतन एगारह हजार फ्रेंच फ्रैंक छल। सीएनआरएस कें भारत सरकारक सीएसआइआर के समतुल्य बूझल जा सकैछ, मुदा रिसर्च फन्डिंग मे एहि संस्थाक क्षेत्र बहुत बेसी पैघ छैक। फिजिक्स आदि मे दुइए टा संस्था फन्डिंग करैत छैक : सीईए, जे भेल परमाणु ऊर्जा विभाग, आ दोसर सीएनआरएस।

हम अपन ऑफरक तुलना जर्मनी मे भेटल पोस्टडॉकक वेतन सँ कएल, जे हमर कलकत्तेक ऑफिस के सहकर्मी कें भेटल छलन्हि, तऽ किछु झुझुआन लागल। पता चलल जे नव पीएचडीक लेल फ्राँस मे वेतन एहने छैक आ जर्मनीक तुलना मे किछु कम छैक। हमरा जर्मनी सँ ऑफर तऽ छल नहि। दोसर, एहि सब मे तऽ कोनो मोल मोलाई के गुंजाइस सेहो नहि छलैक। सीएनआरएस सरकारी विभाग थिकैक आ एहि मे चार्ज द रिसर्च स्तर 1 के लेल ओकर इएह वेतनमान छैक तऽ एहि मे कोना हेरफेर हेतैक ? तथापि कने हिम्मत करैत हम एकटा चिट्ठी पठा देल जे वेतन किछु कम बुझाइत अछि।

खुशखबरी देखू जे हमरा पत्रक उत्तर फेर टेलिग्रामे सँ आएल जे ओ लोकनि हमर बर्कलेक अनुभव कें देखैत हमर पद बढ़ा कए चार्ज द रिसर्च स्तर 5 कऽ देलन्हि आ वेतन भऽ गेल तेरह हजार फ्रैंक। एकटा चिट्ठी सँ चारि स्तर के प्रोमोशन भऽ गेल छल। आब एक हिसाबें ई जर्मनी मे देल गेल वेतन सँ बेसिये भऽ गेलैक। आ सबसँ नीक बात तऽ ई जे सीनियरिटी सेहो बढ़ि गेल। ई पद अन्य दूनू ऑफर सँ बहुत बेसी नीक छलैक। आब तऽ हमरा स्वीकार नहि करबाक कोनो बहाना नहि छल। हम टेलिग्रामे सँ स्वीकृति पठा देलियैक आ लागि गेलहुँ तैयारी मे। ओतए हमरा ज्वाइन करबाक कोनो निश्चित तारीख तऽ नहि छल, मुदा एतेक कहल गेल जे शीघ्रातिशीघ्र जतेक सम्भव होअए से हम चल आबी।

छुट्टी, पासपोर्ट आ वीजा

पहिल काज छल ऑफिस मे स्टडी लीव लेल आवेदन देब। हमरा विभाग मे एकरा 'एक्स्ट्राऔर्डिनरी लीव' अथवा 'लीव विदाउट पे' कहल जाइत छैक। एकर मंजूरी परमाणु ऊर्जा विभागक हेडक्वार्टर मुम्बई सँ होइत छलैक। छुट्टी भेटि जेबाक पूर्ण आशा छल, कारण पहिल बेर माँगि रहल छलियैक। तैयो सरकारी नौकरी मे ई एकटा पैघ बाधा छलैक। निदेशक महोदय सँ गप कऽ कए प्रस्ताव मुम्बई पठबा देल गेल।

किछु दिन तऽ एही विचार सिचार मे लागि गेल जे एकसरे जाइ कि सपरिवार। परिवार आब छोट नहि छल। फेर समस्या छल जेठ पुत्री सुश्री मधुलिकाक पढ़ाई। ओ दश बरखक छलीह आ एतए पाँचम कक्षा मे पढ़ैत छलीह। छोट सुश्री अपाला तऽ चारि बरखक छलीह आ एखन स्कूल जाएब शुरू नहि कएने रहथि। जतेक किछु आत्मीय आ गुरुजन सँ सलाह लेल, सब कहथि परिवारक संगहि जाउ। अस्तु, ईहो विचार फाइनल कएल जे सब संगहि जाएब।

आब भेल पासपोर्टक समस्या। यद्यपि थीसिस एक साल पहिने जमा कऽ देने छलियैक आ बाहर दरखास्तो पठा रहल छलियैक, मुदा पासपोर्ट बना कए तऽ रखने नहि रही। हमरा अपना एकटा सरकारी पासपोर्ट छल, जाहि सँ हम दू बेर बर्कले गेल रही, मुदा एहि बेर तऽ हमरा पर्सनल पासपोर्ट पर जेबाक छल, कारण हम सरकारी डेप्यूटेशन पर नहि, बल्कि

व्यक्तिगत काजें जा रहल छलियैक। एखुनका लोक जकाँ होशियार तऽ रही नहि जे काज लागए वा नहि, एकटा पासपोर्ट बना कए राखि लेब। ओहि समय पासपोर्ट बनाएब किछु कठिनाह काजो छलैक।

अस्तु, पासपोर्टक आवेदन जमा कऽ देलियैक अपना आ श्रीमतीजीक लेल। ओहि समय नियम छलैक जे नाबालिग सन्तानक पासपोर्ट अलग सँ नहि बनैत छलैक, यदि ओ संगहि रहथि। बच्चाक नाम माएक पासपोर्ट मे लिखा जाइत छलैक।

पासपोर्टक आवेदन देलाक बाद पुलिसिया काजक लेल मददि लेल श्री विष्णुकान्त झाजीक, जे ओहि समय डीआइजी भऽ गेल छलाह। फ्राँस जेबा एबा मे हुनकर योगदान बहुत बेसी छन्हि आ हम हुनक अनुगृहीत छी। हुनकहिं प्रयासें पुलिस वेरिफिकेशनक काज बहुत सुगम भऽ गेल आ संगहि रिपोर्ट से जल्दीए पठा देल गेलैक। जुलाई के पहिल सप्ताह मे पासपोर्ट भेटि गेल।

एकटा आर समस्या छल : एखन तक पीएचडीक मौखिक परीक्षा भेले नहि छल। थीसिस परीक्षक लोकनिक रिपोर्ट सब आबि गेल छलैक। मात्र कलकत्ता विश्वविद्यालय मे परीक्षा विभाग मे किछु धक्का देबाक छल। दौड़ बरहा करए लगलहुँ। अन्त मे 11 जुलाई कें थीसिसक वाइवा भेल आ पीएचडीक प्रोविजनल डिग्री सेहो ओही दिन भेटि गेल। एही अवधि मे मुम्बई सँ छुट्टीक मंजूरी सेहो आबि गेल।

आब चाही वीजा। असली समस्या तऽ एही मे छलैक, कारण एतए लोक कें विदेशी सरकार सँ पाला पड़ैत छलैक आ ओतए कोनो पैरवी नहि चलैत छलैक। पैघ प्रवासक वीजा भेटब अधिक कठिनाह आ सेहो परिवारक लेल। हमरा बूझल छल जे बीएआरसी मुम्बई सँ हमर एकटा परिचित सीनियर वैज्ञानिक जखन फ्राँस मे ग्रेनोबुल गेल छलाह तऽ हुनका एकसरे जाए पड़ल छलन्हि आ मिसेज कें जेबा सँ पूर्व वीजाक लेल काफी चक्कर काटए पड़ल छलन्हि। हुनको तऽ सीएनआरएस के नौकरी छलन्हि आ हमहू यद्यपि कलकत्ता मे काज करैत रही, मुदा रही तऽ बीएआरसी के अंग मे। अन्तर कोनो खास नहि छलैक। तें बेस आशंकित छलहुँ।

कलकत्ताक फ्रेंच कॉन्सुलेट जा कए पता लगा एलियैक वीजा भेटबाक विधि की छैक। ओही हिसाबें आवेदन जमा कऽ देलियैक। ओ लोकनि पासपोर्ट नहि रखलन्हि। कहलन्हि जे एहि मे खोज पुछारी बहुत छैक आ समय लागत। जखन पेरिस सँ हमरा सब कें सूचना भेटि जाएत, तखन अहाँ सब कें इन्टरव्यूक लेल बजाएब।

अस्तु, एकर आगू तऽ किछु करबाक नहि छल। समयक कोनो सीमा नहि छलैक। इन्टरव्यूक प्रति कने सशंकित सेहो छलहुँ। फेर देखू महादेवक कृपा। हमरा फुराएल जे दिल्ली स्थित फ्रेंच दूतावास कें एकटा पत्र लीख दिऐक। हम गैनिलक अपन ऑफर के प्रति संलग्न करैत आ सबटा बात बुझबैत दूतावास कें चिट्ठी लिखल, जाहि मे स्पष्ट कऽ देलियैक जे हम भारत सरकारक परमाणु ऊर्जा विभाग मे कार्यरत वैज्ञानिक छी आ रिसर्चे करबा लेल सपरिवार फ्राँस जा रहल छी। एहि चिट्ठीक कोन असरि भेलैक से नहि जानि आ ने हमरा इएह बूझल भेल जे ओ लोकनि पेरिस सँ कोन तरहें सम्पर्क केलन्हि। मुदा करीब दशे दिनक भीतर हमरा कलकत्ता कॉन्सुलेट सँ फोन आएल जे हम पासपोर्ट लेने आबी आ वीजा लऽ जाइ।

अत्यन्त खुशी भेलहुँ। ई चमत्कार कोना भेलैक से नहि बुझलियैक, मुदा हमरा तऽ मात्र वीजा भेटबा सँ काज छल। हम तऽ गेलहुँ कॉन्सुलेट जे इन्टरव्यूक लेल कोनो डेट देल जाएत। ओतए हमरा कहल गेल जे अँहाक लेल इन्टरव्यूक कोनो काज नहि। मात्र दूनू पासपोर्ट लेने आउ। अगिला दिन 20 जुलाई कें हम दूनू पासपोर्ट लेने गेलहुँ। मात्र एक एक सौ फ्रैंक शुल्क लागल आ वीजा भेटि गेल। एतेक आसानी सँ आ श्रीमतीजी कें तऽ कतहु कोनो कॉन्सुलेट आ कि दूतावास जाइक काजे नहि पड़लन्हि। तकर बाद गैनिल खबरि पठा देलियैक जे हम सपरिवार आबि रहल छी। हमरा लेल एकटा आवासक व्यवस्था कऽ कए राखू।

यात्राक तैयारी

आब जेबाक तैयारी करए लगलहुँ। चारू गोटेक लेल कपड़ा लत्ता आ अन्य जरूरी सामान, जे काज पड़ैत आ तुरत्ते नहि कीनल जा सकैत छल, से तऽ एतहि सँ लऽ जेबाक छल। अपना अनुभव सँ एतेक तऽ बूझल छल जे फ्राँस ठंढा देश छिऐक। दिसम्बर 1978 मे अपनहि पेरिसक जाड़ देखि लेने रहियैक। अपना तऽ एकटा मोटका फर लाइनिंग बला जैकेट, जे अमेरिका मे कीनल छल, से रहबे करए। एकटा टोपी (मंकी कैप) छले, एकटा आर कीनल। हमरा कान मे बहुत ठंढा लगैत अछि आ हमरा व्यवहारक मंकी कैप भारतक बाहर जल्दी भेटब सम्भव नहि।

फ्राँसक जाड़क अनुसारें तऽ गरम कपड़ा कलकत्ता मे अगस्त मास मे भेटब सम्भव नहि भेल। आ एतुका जाड़े की? जतेक ऊनी कपड़ा छल से तऽ लैए लेल गेल। तै पर सँ धर्मतल्ला मे एकटा दोकान मे किछु कार्डिगन भेटल। छलैक तऽ बेसी

मोटगर नहि, तैयो एक सेट तीनू गोटेक लेल कीनल। नीचा पहिरैक लेल सेहो ड्रायर सब भेटि गेल। एक एक सेट सेहो लऽ लेल।

ठंढाक लेल जूता सेहो चाही। संयोग सँ चीना बजार मे तकैत तकैत दूनू बच्चाक लेल जाड़क जूता सब भेटि गेल जाहि मे घुठ्ठीक ऊपर करीब छऽ इंच तक चमड़ा छलैक आ चेन लागल रहैक। ई जूता मात्र बच्चा सबहक लेल भेटल। ओहि समय एखनुका जकाँ विभिन्न प्रकारक स्पोर्ट्स शू बजार मे नहि आएल छलैक। श्रीमतीजीक लेल जतेक जूता देखल से सब हुनका छोटे होन्हि। सौंसे कलकत्ता मे जतेक सम्भव भेल से ताकल, मुदा हुनका साइज के कोनो जूता नहिए भेटल। कोनो उपाय नहि देखि अन्त मे एकटा पुरखाही पम्प शू कीन देलिएन्हि। ओ पहिले पहिल एहि तरहक जूता पहिरलन्हि। बर असौकर्य बुझेलेन्हि, मुदा हमरे जिद पर ओकरा पहिरै लेल तैयार भऽ गेलीह। सब मिला कए एतेक सामान तऽ भैए गेल जे प्रारम्भिक दू मास अर्थात् सितम्बर, अक्टूबर तक ओतए काज चलि जाए। फ्राँसक असली जाड़क लेल बजार तऽ ओतहि करए पड़ैत।

अन्य जरूरी वस्तु सब मे मसाला, सिन्दूर, चूड़ी आदि छल, जे ओतए भेटब मुश्किल छल। कने चाह सेहो संग कऽ लेल। तखन सारी आ ओकरा संग साया आ ब्लाउज सेहो एक सालक लेल लऽ लेबाके छल। हम जतए जा रहल छलहुँ से जगह अमेरिका, इंगलैंड जकाँ तऽ छलैक नहि, जे भारतीय सबहक कोनो दोकान भेटत। एतेक सामान सब लऽ जेबाक लेल सुटकेस, बैग आदि सेहो कीनल।

भाषाक शिक्षा

पोस्टडॉक काजक लेल फ्राँस जाए पड़त, तकर तऽ कोनो अनुमाने नहि भेल छल। फ्राँस मे अंग्रेजी बाजब लोक हेय बुझैत छैक। यदि कने मने सिखबो करत तँ बाजत नहि। ई अनुभव हमरा छऽ वर्ष पहिने पेरिसक प्रथम दर्शन मे स्वयं भेल छल। कलकत्ता मे मित्र लोकनि फ्रेंच सीख लेबाक सलाह देने जरूर छलाह। पार्क स्ट्रीट मे आलिआँस फौंसे (Alliance Frenchaise) छैक, जे लोक कें फ्रेंच सिखबैत छैक। ओतए जाकए बुझबो केलहुँ, मुदा ओकर सेसनक व्यवस्था हमरा लेल ठीक नहि छल। एकटा सहकर्मी, जे पहिने फ्राँस मे रहि चुकल छलाह, हमरा एकटा गुटका फ्रेंच–अंग्रेजी शब्दकोष आ फ्रेंच बोलचाल के गुटका गाइडबुक देलन्हि। दोसर गोटे एकटा ब्लू बुक, जे फ्रेंचक प्राइमर सदृश छलैक, से देलन्हि। एहि किताबक माध्यम पूर्णतः फ्रेंच छलैक, मुदा नीक बात ई जे प्रत्येक अध्यायक अन्त मे बहुत रास प्रश्नावली देल छलैक।

लिंग्वाफोनक कैसेट आ किताब सेहो कीन लेल, मुदा ने समय भेटए आ ने चित्त स्थिर भऽ पावए जे ओहि माध्यम सँ फ्रेंच सीखब। किछु किछु प्रयास केलहुँ, मुदा जेबा सँ पूर्व तक फ्रेंचक ज्ञान "कमा ताले वू? त्रे ब्याँ मेक्सी (अपने कोना छी ? बहुत बढ़ियाँ, धन्यवाद)" आ "एँ दू त्रवा कात्र" आदि गिनतीक शब्द सँ आगू नहि बढ़ल छल। जेबा काल ई सबटा किताब आ केसैट संग लऽ लेलहुँ।

टिकट के चक्कर

आब हवाई जहाजक टिकटक व्यवस्था करबाक छल। हमरा चारिटा टिकट चाहैत छल, तें दाम मे कनियो कनियो अन्तर पड़ने बहुत टाकाक अन्तर पड़ि जइतैक। एहि काज मे सहायक भेलाह श्री ब्रह्मदेव चौधरी जी, जे ओड़िसा सीमेंट मे काज करैत छलाह आ एहि लाइन मे बेस अनुभवी छलाह। ओ हमरा लऽ गेलाह धरमतल्ला मे स्पीडवेज ट्रैवेल कम्पनी मे, जकर मालिक एकटा सरदारजी छलाह। ओतए सोवियत एयरलाइन एयरोफ्लोतक टिकट के व्यवस्था करबाक लेल। एयरोफ्लोत सँ यात्रा करब ओहि समय सबसँ सस्ता छलैक। हमरा बूझल छल जे हमरा ऑफिस मे कएक गोटे एना कऽ चुकल छलाह। एहि मे लोक कें कलकत्ता सँ पहिने मॉस्को जेबाक छलैक आ फेर मॉस्को सँ अन्यत्र।

एयरोफ्लोतक टिकट सब एजेंट नहि करैत छलैक। स्पीडवेज एहि मे नामी कम्पनी छल। रूसी लोक सब ओकरा मकान मे किराएदार छलैक, तें ओकर बेसी प्रभाव छलैक। हम अगस्तक अन्त के एकटा डेट तय कएल। हमर बुकिंग लऽ लेल गेल। कलकत्ता मॉस्को सेक्टरक रिजर्वेशन तऽ एके दिन मे कन्फर्म भऽ गेल, मुदा पेरिस मॉस्को सेक्टर चल गेल लम्बा वेटिंग मे। सरदारजी कहलन्हि जे ई समय यूरोप मे गर्मीक छुट्टी बला छैक तें सब फ्लाइट भरल रहैत छैक एहि सेक्टर मे। कने समय लागत, मुदा भऽ तऽ जेबाके चाही।

आब हमरा चिन्ता होमए लागल। जाहि काज मे सरकारी चक्कर छलैक, विदेशी सरकारक खोज पुछारीक झंझट छलैक आ देरीक आशंका छलैक से सब काज तऽ चटपटे मे भऽ गेल। विभागक छुट्टी भेटि गेल, पासपोर्ट बनि गेल आ वीजा भेटि गेल। आ जाहि काज मे सुपत टाका दऽ कए टिकट किनबाक छल, ताहि मे बाधा आबि गेल।

कएल की जाए ? एयरोफ्लोत आ एयर इंडियाक दाम मे बहुत अन्तर छलैक। चारि टा टिकट मे करीब आठ हजार टाकाक धक्का परि जाइत, यदि एयर इंडिया सँ जइतहुँ। तें स्पीडवेजक चक्कर लगाबी। दू तीन दिन पर जा कए खोज पुछारि कऽ आबी, मुदा स्थिति मे कोनो परिवर्तन नहि। वेटलिस्ट टिकट कन्फर्म नहि भऽ रहल छल। एतए सँ स्पीडवेज

कम्पनीक टेलिग्राम जाइक जरूर, मुदा ओकर जेना कोनो असरे नहि होइक। सरदारजी कहलन्हि जे देखू एयरोफ्लोतक कर्मचारी लोकनि हमर टेनैन्ट छथि आ तैयो हमरा सँ टिकट नहि भऽ रहल अछि। यदि एकटा टिकट रहितए तऽ हम चान्स लितहुँ आ झुठे सही, मुदा एतए सँ हम कन्फर्म के टिकट निकालि कए दऽ दितहुँ। एहना स्थिति मे मॉस्को मे किछु झंझट तऽ होइत, मुदा एकटा पैसेंजर के लेल कहुना इंतजाम भऽ जइतैक। ई हुनकर अनुभव छलन्हि, कारण एना ओ कतेक बेर केने छलाह। मुदा हमरा चारिटा सीट चाही आ सेहो छोट बच्चा सबहक संग। यदि कोनो उपाय नहि लागल तऽ मॉस्को एयरपोर्ट पर बैसल रहि जाएब आ कतेक दिन सेहो नहि बूझल। एयरपोर्ट सँ बाहरो नहि जाए सकब। ओतए तऽ भोजनो किछु भेटत की नहि सेहो नहि जानि। तें हम अहाँकें झूठ के कन्फर्म टिकट नहि देब। बात तऽ ओ ठीके कहैत छलाह।

अस्तु, पतीक्षा करए लगलहुँ।

प्रस्थान

अगस्त मास सस्ता टिकटक प्रतीक्षा मे बीत गेल। हमर वीजा 20 जुलाई कें भेटल छल आ नियमक अनुसार दू मासक भीतर हमरा सब कें फ्राँस प्रवेश करबाक छल नहि तऽ ओ वीजा निरस्त भऽ जाइत आ फेर सँ आवेदन करए पड़ैत। ई एकटा बड़का झंझट छल। ओम्हर प्रतीक्षाक समय घीचले चल जा रहल छल। कोनो भरोस नहि जे एयरोफ्लोत कहिया मॉस्को पेरिस सेक्टरक यात्रा कन्फर्म करत।

ऑफिस मे हमरा सबहक काज मे चार्ज देनाइक कोनो पैघ झंझट नहि छलैक। तथापि हमरा द्वारा बनाओल डाटा एक्वीजीसन प्रोग्राम सँ किछु लोक कें परिचय करेबाक छल। सेहो काज सम्पादन भऽ गेल छल। आब बूझू मोटरी चोटरी बान्हल हम सब मात्र टिकटक प्रतीक्षा मे छलहुँ।

अन्त मे हम निर्णय लेल जे एयरोफ्लोतक लोभ छोड़ि देल जाए। हारि कए एयर इंडियाक महग टिकट लेल आ छऽ सितम्बर कें बृहस्पति दिन कलकत्ता सँ मुम्बई के लेल संध्याकाल प्रस्थान कएल। हम गैनिलक निदेशक महोदय कें तार द्वारा अपन अबैक सूचना दए देलिएन्हि आ एयरपोर्ट पर गाड़ी पठा देबाक आग्रह सेहो केलिएन्हि। गाड़ी आओत, से उत्तर हमरा भेटि गेल छल।

मुम्बई सँ पेरिस के फ्लाइट दू बजे राति मे छल। किछु समय छल हमरा सब कें। सामान एयरपोर्टक क्लॉक रूम मे राखि हम सब अणुशक्तिनगर मे मित्रवर श्री सुरेन्द्र झाजीक डेरा गेलहुँ, भोजन केलहुँ आ तखन फेर हवाई अड्डा आबि गेलहुँ। यथा समय दुपहरिया राति मे हम सब पेरिसक लेल प्रस्थान कएल।

ओरली एयरपोर्ट पर

सात सितम्बर 1984 कें शुक्र दिन श्रीमतीजी आ दूटा बच्चा, दश बरखक सुश्री मधुलिका आ चारि बरखक सुश्री अपालाक संग एयर इंडियाक विमान सँ हम सब पेरिस के ओरली हवाइ अड्डा पर करीब एक बजे दिन मे उतरल रही। हमरा सब कें पेरिस सँ करीब 250 किलोमीटर दूर उत्तर पश्चिम मे काँ नामक शहर जेबाक छल।

हवाई जहाज सँ बाहर निकलि हम सब अपन सामान सब लेल आ ओकरा एकटा ट्रॉली पर राखि चललहुँ कस्टम के गेट दिश।

कस्टम अधिकारी हमरा सबहक एकटा बैग खोलि लेलन्हि। हुनका ओहि मे राखल एकरंगा मे बान्हल पितरिया डिब्बा, जाहि मे श्रीमतीजीक अति पूजनीय गौरी छलखिन्ह, बड़ अजगुत लगलन्हि। ओ हमरा ओहि डिब्बा कें खोलबा लेल कहलन्हि। पहिने फ्रेंच मे कहलन्हि। आदतिक अनुसार फ्रेंच लोक इएह बुझैत छैक जे समूचा संसार ओकरे जकाँ फ्रेंचे बजैत छैक। मुदा जखन हमर भाव सँ हुनका लगलन्हि जे हम फ्रेंच नहि जनैत छी, तखन अपन टूटल फूटल अंग्रेजी मे ओहि बात कें कहुना बजलाह। हम अन्दाज कएल जे लाल रंगक कपड़ा मे बान्हल रहलाक कारणें हिनका किछु संदेह भऽ रहल छन्हि। हम हुनक आदेशक पालन करैत कपड़ा खोलि देलियैक आ ओहि मे सँ पितरिया डिब्बा बहार कऽ देलियैक। फेर ओ डिब्बा से खोलबौलन्हि।

खोलला पर हुनक संदेह आरो बढ़ि गेलन्हि। ओहि मे सौंस सुपारी छलैक सिंदूर मे डूबल। हमरा सब कें लाइन सँ कात करा देल गेल। आब ओ लगलाह मारिते रास प्रश्न पूछए। हम यथासम्भव हुनका बुझेबाक चेष्टा कएल जे ई वस्तु एकटा प्रतीक थिकैक, जकरा भारत मे विवाहित महिला लोकनि पूजा करैत छथि। मुदा एहि सँ ओ संतुष्ट नहि भेलाह। फेर ओ हमरा कहलन्हि ओहि गोल सुपारी कें साफ करू, जाहि सँ ओ ठीक सँ ओकर परीक्षा कऽ सकताह। अपने सोचि सकैत छियैक जे चौदह बरख सँ सिन्दूर मे भीजल ओहि सुपारी कें साफ करब कतेक कठिन काज रहल होएत। उज्जर तऽ हम ओकरा नहिएँ बना सकलहुँ, मुदा अपना जनैत जतेक भऽ सकल से पोछि जरूर देलियैक। श्रीमती जी कें ई काज नीक नहि लागि रहल छलन्हि आ कोनो अनिष्टक आशंका से भऽ रहल छलन्हि, मुदा एतए उपाइये की छल? सिन्दूर तऽ सुपारी मे फेर लागि जइतैक, मुदा ओ सुपारी तऽ छोड़ि नहि सकैत छलियैक ने। अस्तु, रंग परिवर्तन भेलाक बाद ओ कस्टम अधिकारी कने नरम पड़लाह। कि एतबे मे ओही बैग मे राखल अनेक सिन्दूरक पैकेट पर हुनक नजरि पड़लन्हि। फेर ओ लगलाह तारतम्य करए।

सिन्दूर प्रचुर मात्रा मे हम सब लऽ लेने रही कारण एक वर्षक प्रवास छल। मैथिलानी अन्न बिना उपवास तँ कए लेतीह, मुदा सिंदूरक बिना तँ एको दिन नहि रहि सकैत छलीह। श्रीमतीजीक माथ पर लागल सिन्दूर कें इशारा सँ देखा हम हुनका एकर व्यवहार बुझेबाक चेष्टा कएलहुँ। किछु कालक तारतम्यक बाद ओ हमरा सभ कें छोड़ि देलन्हि। एहि सब मे करीब पन्द्रह मिनट चल गेल।

अस्तु, फेर सब सामान ट्रॉली पर रखैत कस्टम के गेट सँ बहार भेलहुँ। गेट सँ बहरएबाक मार्ग मे "मीटिंग प्वाइंट" लग बहुत रास लोक सभ ठाढ़ छलैक, जे ऐनिहार यात्री सभक स्वागतार्थ आएल छलैक। कतेको लोक अपन आगन्तुकक लेल नाम पट्ट लेने सेहो ठाढ़ छल। हमरा अपन नाम पट्ट नहि भेटि रहल छल। कनेक चिन्ता सेहो होमए लागल। एकाएक हम एक गोटेक पाकेट मे गैनिल लिखल कार्ड देखल। हम रूकि कए हुनका अंग्रेजी मे पुछलिएन्हि - "की अहाँ गैनिल सँ आएल छी ?" ओ उत्तर तँ किछु नहि देलन्हि, मुदा आगू बढ़ि श्रीमतीजीक हाथ सँ सामान लऽ कए हमरा हाथ सँ ट्रॉली सेहो लऽ लेलन्हि आ अपना संग अबैक इशारा केलन्हि। हम अनुमान कएल जे ओ अंग्रेजी नहि बजैत छलाह।

गैनिल सँ जे व्यक्ति हमरा सब कें लै लेल आएल छलाह से केन्द्रक ड्राइवर छलाह।

हम सब ड्राइवर महोदयक पाछू पाछू पार्किंग एरिया तक गेलहुँ। गाड़ी मे सामान राखि सभ गोटे बैसैत गेलहुँ। ड्राइवर महोदय विदा भेलाह। एयरपोर्ट इलाका सँ बहरेलाक बाद गाड़ी फ्रीवे पर दौड़ए लागल।

पेरिस सँ काँ

मौसम बहुत नीक छलैक। सितम्बर मास यूरोपक हिसाबें ग्रीष्म ऋतुक भाग होइत छैक। चमकैत सूर्य। तापमान मिथिलाक फागुन चैत मास जकाँ।

पेरिस शहर छोड़लाक किछु काल बाद खेत पथार आबए लगलैक। फ्राँसक कृषि बहुत उन्नत छैक से पढ़ने छलहुँ। देखल माटि गुण एकदम मटियार अपना गामे जकाँ, समतल जगह जमीन। खेत सभ मे कतहु कतहु लागल पाकल गहूम। बेसी खेत मे कटनी भऽ गेल। ततए गहूमक डाँटक बड़का बड़का बल्ही बनाएल। ई बल्ही सभ ट्रैक्टर मे लागल मशीने द्वारा बन्हाएल जाइत देखलियैक। एक एक टा बल्हीक दू दू मीटर व्यास, एकदम सोंटल। एकोटा डाँटक जड़ि वा छीप कुम्हरो बेसी बहराएल नहि। इच्छा भेल जे लग जाकए देखियैक, कोना ई बन्हाएल जाइत छैक, मुदा समयाभाव, भाषाक समस्या आ बहुत थाकल रहलाक कारणें ई विचार त्यागि देल।

आब पेरिस शहर बहुत दूर छूटि गेल छल। मोन पड़ल जे हड़बड़ी मे एयरपोर्ट पर डॉलर भजेबे नहि केलहुँ। आब लेट सेहो भए गेल छलैक। पता नहि काँ शहर केहन छैक आ ओतए डॉलर जल्दी भजत की नहि। ड्राइवर महोदय कें संकेत सँ बुझेबाक चेष्टा कएल, डॉलर के नोट बहार कऽ कए देखा देलिएन्हि। ओ बात बूझि गेलाह।

थोडबे काल मे एकटा छोट शहर एलैक। फ्रीवे सँ गाड़ी घुमा कए ओ हमरा सब कें ओहि शहर मे लए गेलाह। ड्राइवर महोदय एकटा बैंक के सामने गाड़ी ठाढ़ केलन्हि आ हमरा लेने भीतर गेलाह। पता लागल जे पूरा यूरोप मे बैंक दुपहरिया मे साढ़े चारि बजे तक काज करैत छैक। आइ शुक्र छलैक, तें बैंक सब खुजले छलैक। शनि, रवि सब किछु बन्द रहैत छलैक। ओतए काजक दक्षता देखि आश्चर्यचकित रहि गेलहुँ। डॉलर सँ फ्रेंच फ्रैंक लेबा मे मिनटो नहि लागल। कलकत्ता सन पैघ शहर मे डॉलर कीनैक लेल मात्र किछुए बैंक मे सुविधा छलैक आ ताहू मे पचास तरहक झंझट। फ्रेंच फ्रैंक तँ कतहु दैतो नहि छलैक।

बैंकक काज केलाक बाद हम सब फेर फ्रीवे पर आबि गेलहुँ। गाड़ी आगू बढ़लैक तँ धीरे धीरे किछु पहाड़ी आ घाटी जकाँ दृश्य सभ आबए लगलैक। ई इलाका अति मनोरम, फ्राँसक स्विटजरलैंड कहल जाइत। घाटी मे खेतक पचासो बिघा बला बड़का बड़का प्लॉट। ताहि मे हरियर हरियर घास लागल छलैक आ ओहि मे सैकड़ो गाय चरि रहल छलैक। सबहक गरदनि मे घंटी बान्हल आ कान मे एकटा प्लास्टिक के टुकड़ी गाँथल जाहि पर एकटा संख्या उल्लखित छलैक। चरबाक काल यदि कियो कनियों गरदनि हिलाबए तँ टुटुन टुटुन टुन कर्णप्रिय ध्वनि बहराइक। यदि चारि पाँच टा गाय एक संग एम्हर ओम्हर भागए, तँ ई ध्वनि सुगम संगीतक भ्रम करबैक ।

गाय सब रंगक, मुदा बेसी चितकाबड़ि। थऽन देखिए कए कहि सकैत छलियैक जे दूध देबा मे ई सभ अपना गामक सेरही गाय नहि, जरसी गाय जकाँ पसेरी सँ अधमोनी तक छलैक।

रस्ता मे बच्चा सभ कें लघुशंकाक वेग एलैक। ई अपन देश तँ छलैक नहि जे कतहु गाड़ी ठाढ़ करबा दितियैक आ रस्ताक कात मे शंका निवारण कए लितहुँ। ड्राइवर साहेब कें इशारा सँ एहि समस्याक संकेत देलिएन्हि। ओ बूझि गेलाह। एतए बड़का हाइवे आ फ्रीवे सभ पर प्रति चारि पाँच किलोमीटर पर शौचालय आदिक व्यवस्था रहैत छैक। ई जगह मुख्य सड़क सँ कने हटि कए बनाओल रहैत छैक, जाहि सँ गाड़ी सबहक आवागमन मे बाधा नहि होइक । एतए अलग बड़का पार्किंग क्षेत्र सेहो रहैत छैक।

सब गोटे शौचालय सँ निवृत्त भऽ कए आगू बढ़लहुँ। किछु कालक बाद पहाड़ी दृश्य छूटि गेल आ फेर समतल मैदानी इलाका सब आबि गेल। दूनू कातक नयनाभिराम दृश्य देखैत करीब चारि घंटाक यात्राक बाद हम सब काँ शहरक बगल मे 'ईरोविल सॉं क्ले' (Herouville Saint Claire) नामक गाम पहुँचलहुँ। ई गाम शहर के बहिर्भाग मे छलैक आ शहर जेबाक लेल बसक सुविधा नीक। एही गाम मे हमर डेराक व्यवस्था छल।

अपना गाम मे पहिल अढ़ाई दिन

नवका डेरा मे

डेरा पर स्वागतक लेल जाँ पीटर नामक एकटा भावी सहकर्मी उपस्थित छलाह। ओ गैनिल मे वरिष्ट वैज्ञानिक छलाह आ अंग्रेजी बजनिहार भौतिकविद छलाह। भौतिकविद लोकनि अन्तर्राष्ट्रीय सम्पर्कक कारण अंग्रेजी बजितँहि छलाह। पेरिस सँ एतए तक के यात्राक बीच सांकेतिक भाषाक प्रयोग करैत रहलाक बाद अंग्रजी बुझनिहार कें पाबि बड़ खुशी भेल। ओ हमरा सँ बेसी परिचित तँ नहि छलाह, किन्तु 1978 मे हमर अमेरिका प्रवासक अवधि मे एक बेर हमरा देखने जरूर छलाह। ओही अवधि मे ओहो बर्कले मे छलाह। हम सब लौरेन्स बर्कले लैबोरेटरी मे काज करैत रही, मुदा ऑफिस अलग अलग मकान मे छल।

पीटर महोदय अपने पैसा सँ बहुत किछु जरूरियात वस्तुजात कीन कए डेरा मे राखि देने छलाह। ओ हमरा चाभी देलन्हि आ डेरा सेहो देखा देलन्हि। ई कहि, जे ओ कालि सवेर मे नौ बजे आबि हमरा सभ कें बजार लए जेताह, विदा लेलन्हि। ड्राइवर महोदय सेहो चल गेलाह ।

हम सब यात्राक झमारल छलहुँ। पछिला राति दू बजे हवाई जहाज मुम्बई सँ चलल छलैक, तें राति भरि प्रायः जगले रहि गेल छलहुँ। भोजन करबाक इच्छा ककरो नहिए छलैक। किचेन मे आलमारी सभक निरीक्षण कएल। खेबा पीबाक बहुत रास सामान राखल छलैक। फ्रोजेन फूड के कएक टा डिब्बा सेहो राखल छलैक। एक डिब्बा दूध, चाकलेट पावडर, चीनी आदि भेटि गेल। चाह हम सब सँगहि लएने रही। बच्चा सभ कें चाकलेट ड्रिंक पिया देलियैक आ अपने दूनू गोटे चाह पीलहुँ। ओहि संध्याक लेल बस एतबे।

पहिल दिनक पराभव

श्रीमतीजी सामान सभ खोलए लगलीह आ हम घरक निरीक्षण करए लगलहुँ। घर एकदम नव छलैक आ हमहीं सब पहिल वासी छलियैक। ई घर गैनिल एनिहार विदेशी वैज्ञानिक लोकनिक लेल कीनल गेल छलैक। डेरा पूर्ण रूपें 'फर्निस्ड' छल। सब वस्तु जात एकदम नव। सोफा, कुर्सी आदि मे प्लास्टिक के कवर लागले। बहुत खुशी भेलहुँ। किचेन के बर्तन, बासन, प्लेट, गिलास सभ डिब्बे मे पैक कएल छल। ओवेन (चुलहा) सेहो झाँपले छलैक।

सभ किछु निरीक्षण करैत बाथरूम पहुँचलहुँ। ओतए टिशू पेपर भेटबे नहि कएल। घर मे अन्यत्र सेहो सौंसे ताकल, मुदा ओ नहि भेटल। घर मे एहेन कोनो प्लास्टिक के मग, गिलास आदि किछु नहि भेटल जकरा दूरि कए दितिऐक आ एक दिन शौचालय मे काज चलबितहुँ। राति भऽ गेल छलैक, जगह पूर्ण अपरिचित आ हाट बजार सेहो देखल नहि। बिना

टिसू पेपर के अथवा मग के इन्तजाम भेने कालि सबेर तक कोना काज चलैत? पीटर महोदय कें बजेबाक कोनो साधन नहि छल। ओ कतए रहैत छलाह, सेहो ज्ञात नहि छल।

एकदम अपरिचित जगह मे अड़ोसी पड़ोसी कें कोना टोकल जाए से बूझि नहि पड़ैत छल। अमेरिका मे रहैत परिवार बला पड़ोसी सँ कहियो सम्पर्क नहि भेल छल। हमरा सबहक मकान एकदम नव छलैक आ कोन फ्लैट मे लोक छलैक आ कोन खाली छलैक सेहो ज्ञात नहि। सबसँ विकट समस्या तँ भाषाक छल। समाजक बीच रहितो बूझि पड़ैत छल जेना 'स्विस फैमिली रोबिन्सन' जकाँ हम सब कोनो मानव विहीन द्वीप पर आबि गेल रही।

किंकर्त्तव्यविमूढ़क स्थिति मे हम श्रीमतीजी कें बुझाए फ्लैट सँ बहरेलहुँ। सीढ़ी सँ नीचा उतरैत गेलहुँ, कोनो फ्लैट मे एहेन मनुक्खक हलचल नहि बुझाएल जे घंटी बजा दितियैक। नीचा उतरि ओही दिशा मे बढ़लहुँ जेम्हर बाटे गाड़ी सँ आएल रही।

ओम्हर बंगलानुमा किछु घर छलैक। एकटा घर मे प्रकाश देखलियैक। ओतए एक गोटे अपन गैरेज मे किछु काज कऽ रहल छलाह। हुनका बजौलिएन्हि। ओहो अंग्रेजी किछु नहि बुझैत छलाह। टिशू पेपर कोना बुझाउ ? एकटा कागजक टुकड़ी भेटल, ओ देखा कए संकेत देलिएन्हि। ओकरा मोड़ि तोड़ि कए मुलाएम हेबाक संकेत देलिएन्हि जे साधारण कागज नहि, टिशू पेपर बूझथि। ओ घर जा कए एक ढेर रद्दी कागज, अखबार आदि लेने एलाह। हम मोने मोन कपाड़ पीटि लेल। हमर निराश मुद्रा देखि हुनका बुझा गेलन्हि जे हमरा ओ कागज नहि चाही। अंग्रेजी मे लीखि कए देलिएन्हि, मुदा ओहो बेकार। विचित्र समस्या छल। सांकेतिक भाषाक प्रयोग असफल भऽ रहल छल। तखन हमरा एकटा नव युक्ति सूझल। कागजक टुकड़ी लऽ कए हम अपन हाथ पाछू लऽ जा कए पृष्ट भाग पोछबाक इशारा केलिएन्हि। ई संकेत हुनका बुझबा मे आबि गेलन्हि। ओ भीतर जा कए आधा रोल टिशू पेपर आनि कए हमरा देलन्हि। हम हुनका बहुत धन्यवाद देलिएन्हि आ प्रमुदित भेल घूरि कए अपना फ्लैट मे एलहुँ।

थाकल रहलाक आ सामान सरिआएल नहि रहलाक कारण शब्दकोष आ बोलचाल के गुटका गाइडक खियाल एकदम्मे नहि रहल छल। घर वापस एला पर जखन सबकें खिस्सा सुनएलहुँ तखने सबकें ओकर स्मरण भेलन्हि। आब निश्चय कएल जे एहि 'द्वीप' मे मानव जकाँ रहबाक लेल ई दूनू गुटका किताब संगहि राखब।

तकर बाद सब गोटे स्वस्थ होइत गेलहुँ आ सुतबाक इंतजाम मे लागि गेलहुँ। डेरा डुप्लेक्स छलैक, जाहि मे नीचा मे छल दूटा बेड रूम, एकटा पैघ, जाहि मे डबल बेड लागल छलैक आ एकटा कने छोट, जाहि मे मात्र एकटा सिंगल बेड लागल छलैक। किचेन, ड्राइंग रूम आ लैट्रिन आदि सेहो नीचे मे छल। उपर मे एकटा पैघ कमरा जाहि मे सेहो डबल बेड लागल। एकटा फ्रेंच परिवार एकरा कोन तरहें व्यवहार करितथि से तऽ हम सब नहि बुझलियैक, मुदा अपना सुविधा कें देखैत निर्णय लेल जे नीचेक दूनू कमरा हम सब व्यवहार करब। चारि गोटे मे एकटा डबल बेड आ एकटा सिंगल बेड सँ काज चलए बला नहि छल, मुदा ओहि राति एतेक होशो नहि छल जे बेडक अदला बदली करी। दूनू बेटी कें कहलियैक जे एक रातिक लेल सिंगल बेड पर सूति रहए।

केलहुँ तहिना, मुदा दुपहरिया राति मे निन्न टूटल बच्चाक कानब सूनि कए। भेलैक ई जे सिंगल बेड पर सँ राति मे चारि बरखक अपाला नीचा खसि पड़लीह आ तखन लगलीह कानए। बहीन हुनका चुप करेबाक कोशिश केलकन्हि, मुदा असफल। तखन हम सब उठलहुँ। अपाला कें अपना बेड पर लऽ अनलहुँ।

एहि प्रकारें पहिल राति बीतल।

कारफू सुपरमार्केट

प्रातः काल सब गोटे नित्य कर्म स्नानादि सँ निवृत्त भेलहुँ। जलपानक हेतु तँ बहुत रास सामान छल। आब ठीक सँ सब वस्तु जात कें देखए लगलहुँ। किचेन मे जे सामान सभ छल तकर फ्रेंच नाम कें शब्दकोष मे देखि बूझब प्रारम्भ कएल। फ्रोजेन फूडक सब पैकेट मे पोर्क (सुग्गरक मासु) छलैक। श्रीमतीजी कने भरकली। हुनका बुझाओल जे ई सामान पीटर महोदय कें दऽ देबन्हि। ओकरा अलग कऽ कए राखल। सुखाएल ब्रेड जकाँ बिस्कुट छल। जलपान मे दूधक संग ओ खा लेलहुँ।

ठीक नौ बजे पीटर महोदय पहुँचि गेलाह। हम सब तैयारे रही। हम पहिने क्षमायाचनाक संग हुनका पोर्क बला डिब्बा सब वापस कऽ देलिएन्हि। ओ सहर्ष ओकरा राखि लेलन्हि। रातुक पराभव कहलिएन्हि तँ ओ बहुत दुख प्रकट केलन्हि आ तुरत अपन टेलिफोन नम्बर लिखा देलन्हि। हम सब बजार करए बिदा भेलहुँ। दोकान मे चीज वस्तुक नाम बूझैक लेल फ्रेंच अंग्रेजीक गुटका शब्दकोष संग लऽ लेलहुँ। ओ अपना गाड़ी मे बैसा कए हमरा सभ कें 'कारफू' (Carefour) नामक बड़का डिपार्टमेंट स्टोर लए गेलाह। रस्ता सेहो बुझबैत गेलाह। बतौलन्हि जे गाड़ीक रस्ता कने घुमा कए छैक, मुदा पएरे एला पर शॉर्टकट छैक आ 8–10 मिनट सँ बेसी नहि लगैत छैक। एक ठाम सड़क के उपर फूट ब्रिज जकाँ देखलिऐक

जाहि पर किछु लोक हाथ मे भरल भरल झोड़ा लेने जा रहल छल। पीटर महोदय बुझा देलन्हि जे ई पुल सुपरमार्केट के शॉर्टकट थिकैक। अपनहुँ रस्ता खियाल करैत गेलहुँ।

आइ शनिक दिन छलैक आ बजार कएनिहारक बहुत भीड़ छलैक। पार्किंग एरिया मे एतेक गाड़ी बच्चा सब पहिले पहिल देखलक। कलकत्ता मे एक ठाम सबसँ बेसी गाड़ी लोक हबड़ा स्टेशनक टैक्सीक लाइने टा मे देखने होएत। एतुका पार्किंग एरिया हबड़ाक जगह सँ पचीसो गुणा पैघ रहल हेतैक। आ तहिना रंग विरंगी गाड़ी सबहक विविधता।

पार्किंग एरिया सँ बहराए पीटर महोदय एकटा शॉपिंग कार्ट पकड़ा देलन्हि आ हम सब स्टोरक भीतर घुसलहुँ।

स्टोर मे सभ वस्तु रैक पर सजाओल राखल छलैक। लोक सब अपनहि सँ चुनि चुनि वस्तु सब कार्ट मे रखैत जाइत छल। एहि तरहक व्यवस्था श्रीमतीजी आ बच्चा सब पहिल बेर देखि रहल छलीह। चीज वस्तुक नाम फ्रेंच मे लिखल छलैक। तरकारी सब मे बेसी वस्तु तँ परिचिते भेटल यथा आलू, फूलकोबी, बन्धाकोबी, प्याज, टमाटर, बैगन, शिमला मिर्च आदि। आन वस्तु सब ताकए पड़ल। एही तरहें रिफाइन्ड मुँगफली तेल (huile de arachide) सेहो ताकल। सरिसो तेलक दर्शन नहिए भेल। मुदा सरिसोक पीसल चटनी बहुत रास देखल। शब्दकोषक सहायता सँ बुझैत गमैत सब चीज लऽ कए कार्ट मे रखैत गेलहुँ। सामान लऽ कए काउन्टर पर सबहक दाम देलियैक। एहि सब काज मे भाषाक प्रयोग करबाक प्रयोजन नहि पड़ल। काउन्टर पर जे लड़की छलैक, से सब वस्तु कें प्लास्टिक के बैग सब मे पैक कऽ देलक। फेर ओहि पैकेट सब कें कार्ट मे राखि हम सब बाहर एलहुँ। पीटर महोदय प्रतीक्षा करैत छलाह। हुनका अपना कम्मे सामान किनबाक छलन्हि।

डेरा वापस अबैत मध्यान्ह सँ बेसी समय भऽ गेल छल। ओहि दिन तत्काले चुलहा जरएबाक विचार नहि भेल। पीटर महोदय सलाह देलन्हि जे हमरा सबकें लगेक एकटा रेस्तराँ मे लऽ जेताह। भोजन कऽ कए ओतए सँ हम सब टहलि कए वापस आबि सकब।

सएह कएल। ओ अपना गाड़ी मे बैसा कए रेस्तराँ लए गेलाह। ओतए ओ हमरा सबसँ विदा लेलन्हि। हम हुनका एतेक सहायताक लेल बहुत धन्यवाद देलिएन्हि।

भोजन मे घासे पात?

रेस्तराँ मे बूफे सिस्टम छलैक। एके दाम मे जे वस्तु जतेक खाइ। मुदा खाई बला चीजे नहि भेटए। शाकाहारी वस्तु चुनबा मे पैघ दिक्कत। मात्र सलाद टा आ कि कुसकुस (जे काओन, साम जकाँ एकटा दाना होइत छैक अरब देश सब मे) के पोलाव जकाँ एकटा पदार्थ। अमेरिका प्रवास मे एहेन सलाद भोजन हमरा अनुभव भऽ चुकल छल, मुदा एतए बाकी लोकक लेल तऽ ई नवे नहि, विचित्रे छलैक। चारि बरखक अपाला तऽ बहुत छोट छलीह जे हुनका अनुभव सँ बेसी मतलब नहि छलन्हि, मुदा दश बरखक मधुलिका तऽ सब किछु नीक जकाँ बुझैत आ अनुभव करैत छलीह। खेनाइक बारे मे हुनके शब्द मे :

"हमरा सबकें बहुत जोड़ भूख लागल रहए। रेस्तराँक नाम सूनि हमरा तऽ लागल जे कलकत्ते जकाँ बहुत तरहक सुस्वादु भोजन भेटत, मुदा एतए तऽ खाली नाना प्रकारक पाते टा देखलहुँ। पापा कहलन्हि ई सब सलाद छिऐक। सलादक माने हम बुझैत छलियैक खीरा, गाजर, मूर, चुकन्दर। पापा ओएह घास पात सबहक प्लेट मे भरि देलखिन्ह। हमर तऽ भूखे जेना पड़ा गेल ओ घास पात देखि कए।"

हम एकटा आर गलती कएल। ओहि सलादक प्लेट के घास पात पर सलाद ड्रेसिंग से लगा देलियैक। हम तऽ बुझलियैक जे कहुना एकरा किछु स्वादिष्ट बना देतैक, मुदा जे पहिल बेर ओ चीख रहल छल तकरा लेल तऽ आरो अखाद भऽ गेलैक। हम तँ कहुना पेट भरि खा लेलहुँ, मुदा ने श्रीमतीजी किछु ठीक सँ खेलन्हि आ ने बच्चे सब किछु खेलक।

ओतए सँ टहलैत टहलैत करीब दू बजे घूरि कए डेरा एलहुँ। डेरा आबि फेर दूनू बच्चा चॉकलैट पीबैत गेल। तकर बाद बजार सँ आनल चीज वस्तु मिलबए लगलहुँ। रातुक भोजन तँ पकेबाके छल।

नून कीनब आ फ्रेंच सीखब

सब वस्तु ताकि हेरि श्रीमतीजी कहलन्हि जे नून तँ लेबे नहि कएल।

आब की होएत ? पीटर महोदय अपन टेलीफोन नम्बर तँ दऽ देने छलाह, मुदा सोचल जे मात्र नूनक लेल हुनका बजौनाइ ठीक नहि होएत। फेर ई गाम घर अपनहुँ तँ देखबाके छल। एखन तँ दिने छलैक। मौसम सेहो नीके रहैक। बढ़ियाँ रौद, फागुन चैत जकाँ। फ्रेंच बोलचाल के जे गुटका गाइड रहए, से संग लऽ कए विदा भेलहुँ जे लोक कें पुछैत पुछैत ओहि सुपरमार्केट तक चलि जाएब।

डेरा सँ बहरेलहुँ तँ देखल जे लगे मे एकटा महिला अपन फुलवारी मे बैसल रौद तपैत छलीह। हम गाइड देखि फ्रेंच शब्दक अंगरेजी रीतिएँ उच्चारण करैत हुनका पुछलिएन्हि – "ऊ स त्रूब ल मॅगाजिन ?" मॅगाजिन (magasin) शब्द "दोकान" के लेल फ्रेंच अनुवाद छलैक। ओ हमर बात नहि बुझलन्हि। हम हुनका अपन गाइड मे लिखल ओ पाँती देखा देलिएन्हि। हुनकर आँखि चमकलन्हि। ओ महिला पहिने दू बेर हमर फ्रेंच उच्चारण शुद्ध केलन्हि, "मॅगाजिन नों, मगाजैं"।

तकर बाद रस्ता बतौलन्हि। हमर चेहराक भाव सँ हुनका आभास भेलन्हि जे हम हुनकर फ्रेंच ठीक सँ नहि बुझलिएन्हि। "आ द्रवा", "आ गोस" तँ दहिना बामा भेलैक। एतबे बुझलियैक। फेर ओ हमरा इशारा सँ रस्ता बतौलन्हि। हम हुनका धन्यवाद देलिएन्हि। गाइडबुकक प्रयोग सफल रहल।

हम ओहि महिलाक मातृभाषा प्रेम पर विचार करए लगलहुँ। हुनका अपन भाषा सँ एतेक प्रेम छलन्हि जे एकटा विदेशिओ द्वारा अपन भाषाक गलत उच्चारण सुनब ठीक नहि लगलन्हि। ओ हमरा एकटा शब्दक ठीक उच्चारण सिखा देने छलीह। एकटा विदेशी कें एहि रूपें शब्द आ उच्चारण सिखा कए अपन भाषाक प्रसार सेहो केलन्हि। तखने ने फ्रेंच भाषा इंगलैंड सँ रूस तक समूचा यूरोप मे राज दरबारक भाषा बनल रहलैक अछि। ई बात तँ हमरो दिमाग मे बैसि गेल जे रोमन लिपि मे लिखल रहलाक बादो फ्रेंच आ अंग्रेजीक उच्चारण मे बहुत अन्तर छैक। ई छोट छीन घटना हमरा आगू फ्रेंच सिखबा मे बहुत सहायक भेल।

हम सोचए लगलहुँ एकटा काल्पनिक दृश्य, जे दरभंगा टीसन पर एकटा विदेशी टूटल फूटल मैथिली मे हमरे सन कोनो लोक कें किछु पूछि रहल छथिन्ह। की प्रतिक्रिया होएत हमरा सबहक ? मैथिलीक शुद्ध उच्चारण सिखबैत हुनका उत्तर देबन्हि आ कि अपन विद्वत्ता झारैत अंग्रेजी मे हुनका बुझबए लगबन्हि ? विदेशीक बात तँ जाए दिअऽ, देशौक अन्य भाग सँ यदि कियो औताह आ टूटल फूटल मैथिलीक व्यवहार करैत किछु पुछताह तँ हम सब हुनका मैथिली मे नहि बुझाए हिन्दीए मे उत्तर देबन्हि। मैथिली अनका की सिखाएब, हम सब अपनहुँ नुकएनहि रहैत छी।

इएह सब सोचैत विचारैत आ एक दू ठाम आर पुछैत हम ओहि सुपरमार्केट पहुँचि गेलहुँ। पएरे जेबाक रस्ता सेहो देखि लेलियैक आ नून सेहो कीनि लेल।

गामक मेला

अगिला दिन रवि छलैक। हाट बजार सबटा बन्द। चुलहा तँ पछिला राति जरिए गेल छल। मुदा घर सरिएबाक काज बहुत छल। सब वस्तु जातक पैकिंग खोलि ताक सब पर रखबाक छल। बच्चा सबहक लेल बहुत चीज नब तरीकाक आ कतेको चीजक उपयोग बूझल नहि। प्रेसर कूकर पर्यन्त अलग डिजाइन के, जाहि मे बड़का हैंडिल नहि छलैक। वाइन गिलास ओ सब सुननहुँ नहि छलैक, पहिले पहिल देखि रहल छलैक। किचेन मे ओवेन के बगले मे वासिंग मशीन सेट कएल छलैक। भैक्युम क्लीनर, फोल्डिंग डाइनिंग टेबुल, प्रेसर कूकर आदि सामान पैकिंग खोलि फिट कऽ कए राखल। सब सामान कौतुहल सँ देखि सरिएबा मे बच्चा सब सेहो बहुत मदद केलक। एहि सब काज मे भोरुक उखराहा सँ भोजन तक सब गोटे व्यस्त रहलहुँ। दुपहरिया खाली छल।

हमरा सबहक डेरा पाँचम तल्ला पर छल आ भीतर मे डूप्लेक्स छलैक। घरक भीतर काठक घुमावदार सीढ़ी छलैक ऊपर जेबा लेल। दोसर तल्ला मे पैघ बालकोनी छलैक जाहि मे पूरापूरी शीशा लागल छलैक। एतए सँ बाहरक दृश्य सभ किछु बहुत नीक जकाँ देखि सकैत छलहुँ।

हमरा सबहक मकानक आगाँ प्रायः दू सौ मीटर के बाद मुख्य सड़क छलैक जाहि पर बस चलैत छलैक। बस अड्डा एकदम सामने। इएह बस हमरा लोकनिक आवागमनक साधन छल। सड़कक कात मे बेस पैघ जंगल छलैक, प्रायः चारि पाँच वर्ग किलोमीटर मे पसरल। ई जंगल अनेरुआ नहि, यत्न सँ लगाओल छलैक।

हम सब बालकोनी मे बैसि रौद तपैत रही आ कि बच्चाद्वय बाजि उठल जे जंगल मे मेला लागल छैक। ऊपर सँ देखलियैक जे जंगलक मध्य लगे मे एकटा पैघ मैदान छलैक, ताहि मे चिल्ड्रेन्स पार्क बनाओल छलैक। ओतए बहुत रास लोक रंग विरंगी परिधान मे टहलि रहल छल। दृश्य मेले जकाँ छलैक।

खाली दुपहरिया समय बिताबए हम सब मेला जेबाक बिचार कएल। बच्चा सभ तँ बेसी उत्साहित छलेहे। तैयार भऽ कए मेला विदा भेलहुँ। श्रीमतीजी सारी पहिरने छलीह आ बच्चा सभ फ्राक आदि।

मैदान मे दृश्य रवि दिनक चिल्ड्रेन्स पार्क जकाँ नहि, वास्तव मे मेला जकाँ छलैक। सेहो गामहिं जकाँ। मीना बजार लागल। चारू कात नाना प्रकारक दोकान सजाओल छलैक। बीच मैदान मे छोट मोट खेला आदि सेहो चलि रहल छलैक। बेसी दोकान मे खेबा पीबाक वस्तु जात छलैक, जे हमरा सब कें अपरिचिते लागल। किछु दोकान मे बच्चा सबहक मनोरंजन हेतु घिरनी बला जूआ, बैलून फोरए बला शूटिंग प्रैक्टिस के खेल, आदि सेहो छलैक। एकटा उड़नखटोला सेहो लागल छलैक, जाहि पर बच्चा सबहक संग अभिभावक लोकनि पर्यन्त झूलि रहल छलाह।

भाषाक अज्ञानताक कारण हम सब मेला मे मात्र टहलिए रहल छलहुँ। एक आध दोकान पर जा कए ठाढ़ो भेलहुँ, मुदा वस्तुजात अपरिचित रहला सँ किछु कीनल नहि। खेबाक वस्तु मे माँस (पोर्क आ बीफ) आदिक आधिक्य। कतहु कतहु पकवान जकाँ चीज सब छलैक, मुदा कोन वस्तु सँ बनाएल छलैक से बूझल नहि रहला सँ हँटले रहलहुँ।

एकटा अधवयसू महिला अपना झोड़ी मे लौजेन्स जकाँ किछु चीज रखने छलीह आ बच्चा सब मे बँटैत छलीह। महिला अपने आगू आगू आ एक हेंज बच्चा सभ हुनका पाछू दौड़ि रहल छल। ओ सभ हुनका "मैम.... मैम...." कहि गोहरा रहल छल। कखनहुँ कए ओ झोड़ी सँ किछु बहार कऽ कए बच्चा सभ मे बाँटि दैत छलीह आ फेर आगू बढ़ि जाइत छलीह। बच्चाक हेंज पछोड़ धएनहि रहैत छलन्हि।

ई दृश्य हमरा मनमोहक लागल। पहिल बेर एकटा धनी एवं विकसित देश मे बच्चाक लीला देखि रहल छलहुँ। मोन पड़ल अपना गामक भोजभात मे पान सुपारी बँटबाक दृश्य आ भगवानक पूजाक बाद प्रसाद बँटबाक दृश्य। बँटनिहारक चारू कात लुधकल बच्चा सभ आ "कने हमरा दिअऽ", "कने एम्हर दियौक", "एकरा दू बेर दऽ देलियैक" आदि के हल्ला। जे दू खिल्ली पान पाबि गेल से बेसी होशियार आ जकरा नहि भेटलैक से मुँह लटकौने।

सोचए लगलहुँ बच्चाक मनोविज्ञान पर। मिथिलाक गामक बच्चा सब, गरीब अभावग्रस्त बच्चा सब, जे पान सुपारी प्रायः हकारे तिहार खाइत छल, तकरा सबहक लेल एहि तरहक याचना कौतुहल मात्रे नहि, अभावक पूर्ति सेहो छलैक। मुदा एहि हेंज मे सभ तरहें सुखी परिवारक बच्चा सब छल। ओ महिला कोनो एहेन अनुपम लौजेंस तँ नहिएँ बँटैत छलखिन्ह, जे ओ बच्चा सब पहिने नहि खेने होअए। मुदा फोकट के वस्तुक प्राप्ति, अन्य बच्चा सबहक संग हेंज मे चलबाक आनन्द, उन्मुक्तताक अनुभव आ मधुरक लोभ, इएह सब कारण होएत एहि बच्चा सब कें ओहि महिलाक पाछू पाछू लुधकल रहबाक। लौजेंसक प्राप्ति ओतेक मुख्य उद्येश्य नहि रहल होएतैक, जतेक कि किछु काल मुक्त भावें विचरण करबाक। एहू बहाने अभिभावक लोकनिक लगाम ढील तँ भए गेल छलन्हि। समूह मे एकटा लौजेंस खेबाक आनन्द घरक एकान्त मे अनेको कीमती चॉकलेट खेबा सँ बहुत बेसी छलैक।

तावत देखलहुँ जे एक गोटे किछु तमसा कए अपन अढ़ाइ तीन सालक बच्चा कें एक चाट लगा देलखिन्ह, जाहि सँ ओ बच्चा कानए लागल। कनबाक स्वर, आरोह, अवरोह हमरा एकदम परिचिते लागल। हमरो बच्चा सब तँ एहिना कनैत छल। भेद एतबे जे कनबाक संग ओ बच्चा जे बुदबुदा रहल छल ताहि मे फ्रेंच भाषाक किछु अस्पष्ट शब्द छलैक आ हमरा लोकनिक बच्चा सब कानल तँ ओहि मे मैथिलीक अस्पष्ट शब्द रहैत छैक। बच्चा सब ठाम एके रंग होइत छैक, मिथिलाक गामक होअए वा फ्राँसक गामक।

भारतीय लोक सँ भेंट

इएह सब सोच विचार मे मगन छलहुँ कि अकस्मात लागल जे किओ हमरा सब कें हिन्दी मे शोर पारि रहल अछि। पाछू घूरि कए देखल तँ एकटा दोकान सँ लोक हाथ हिला कए हमरा सब कें बजा रहल छलाह। किछु ठकमकाइत हम सब ओतए गेलहुँ। ओतए गेला पर सुखद आश्चर्य भेल। चारि गोटे हिन्दी बजनिहार भारतीय मूलक लोक ओतए ठाढ़ छलाह। एक गोटे कहलन्हि जे सारी पहिरने महिला कें देखि ओ सब अनुमान लगओने छलाह जे हम सब भारतीय मूलक लोक होएब आ तें हिन्दी मे शोर पारि बजओने छलाह।

परिचयक क्रम आरम्भ भेल। ओहि मे सँ एक गोटे दोकान लगओने छलाह आ बाकी तीन ओहिना दोकान पर हुनका संग अड्डा जमौने छलाह। दोकान पर खेबा पीबाक वस्तु बिकाइत छलैक। मुदा ओहो पोर्क आ बीफक सामान सब सएह। ओ हमरा बच्चा सब कें आग्रह केलखिन्ह, मुदा हम सब मना कए देलिएन्हि। हम अपन परिचय देलिएन्हि जे भारत सरकारक परमाणु ऊर्जा विभाग मे वैज्ञानिक छी आ एतए गैनिल संस्थान मे काज करए आएल छी।

जे व्यक्ति दोकान लगओने छलाह हुनकर नाम छलन्हि शबीर मनोहा। करीब तीसेक वयस। हुनकर पिता भारतीय छलखिन्ह, जे भारत सरकारक विदेश सेवा मे रहैत एकटा कम्बोदियन महिला सँ विवाह केने छलखिन्ह। शबीरक जन्म कम्बोदिया मे भेल छलन्हि आ अपन बेसी समय ओ ओतहि बितौलन्हि। हुनक पिताक पहिल स्त्री भारतीय छलथिन्ह आ हुनका सबकें मुम्बई मे किछु चल अचल सम्पत्ति सेहो छलन्हि। शबीर कें एकटा वैमात्रेय बहिन छलखिन्ह, जे मुम्बई मे रहैत छलखिन्ह। माता पिताक देहान्त भए गेल छलन्हि। शबीर दू वर्ष मुम्बई मे रहि कोनो मेडिकल कालेज मे पढ़ने छलाह। ओही प्रवास मे हिन्दी बाजब सिखने रहथि आ अंग्रेजीक ज्ञान सेहो भऽ गेल छलन्हि।

जाहि समय कम्बोदिया मे खमेर रूज द्वारा नरसंहार होमए लगलैक, बहुत रास लोक ओतए सँ भागि कए शरणार्थीक रूप मे फ्राँस आबि गेल छल। 1953 मे स्वतंत्र होएबा सँ पूर्व कम्बोदिया फ्रेंच साम्राज्यक अंग छलैक आ तें ओतुका लोक कें फ्राँस सँ ओहने सम्बन्ध छलैक जेना हमरा सब कें इंगलैंडक संग। नरसंहारक ओहि समय शबीर कम्बोदिये मे छलाह। अपन पढ़ाई छोड़ि ओ शरणार्थी सबहक सहायतार्थ फ्राँस चल आएल छलाह। कम्बोदिया मे शिक्षित भेलाक कारणें हुनका फ्रेंच भाषाक नीक ज्ञान छलन्हि। शरणार्थी सब मे बेसी लोक अशिक्षित छल आ फ्रेंच भाषा नहि जनैत छल। शबीर

हिनका सबहक लेल समाज सेवक के रूप मे ठाढ़ भेल छलखिन्ह। ओ सम्प्रति फ्रेंच नागरिक भऽ गेल छलाह। ओ हमरे गामक दोसर टोल मे रहैत छलाह। ओहि टोल मे करीब पचास परिवार कम्बोदियन शरणार्थी रहैत छलाह आ काँ शहरक पूरा इलाका मे करीब तीन सौ परिवार।

दोसर व्यक्ति अपन परिचय देलन्हि जोसेफ कहि कए। ओ मुम्बई के निवासी आ मूल सँ केरल के क्रिश्चियन छलाह। डिप्लोमा इंजीनियरिंग कऽ कए किछु दिन खाड़ी देश आदि मे काज केलन्हि। हुनका मे भाषा सिखबाक अद्‌भुत क्षमता छलन्हि। ओ शीघ्रे अरबी भाषा सीख लेलन्हि आ किछु दिन सउदी अरब मे अरबी भाषाक अंग्रेजी मे अनुवादकक रूप मे काज केलन्हि। एखन ओ काँ विश्वविद्यालय मे एक वर्षक लेल फ्रेंच सिखबाक हेतु नामांकन करौने छलाह आ विश्वविद्यालय के कोनो छात्रावास मे रहैत छलाह। ओ भारतीय नागरिक छलाह।

बाकी जे दूटा व्यक्ति ओतए रहथि से सिख कार्यकर्ता आ पंजाब मे अलगाववादी आंदोलन सँ सम्बन्धित छलाह। ओ लोकनि ऑपरेशन ब्लूस्टार के बाद भारत छोड़ि चल आएल रहथि। ओहो सब शरणार्थी बनबाक चेष्टा मे रहथि। पहिने किछु दिन इंगलैंड मे रहलाह, मुदा ओतए शरण नहि भेटलन्हि तँ फेर कोनो प्रकारें फ्राँस मे प्रवेश कऽ गेलाह। शबीर शरणार्थी सबहक लेल काज करैत छलखिन्ह तें ओ सब हिनका सम्पर्क मे एलाह। हुनका सबहक उद्देश्य छलन्हि कोनो तरहें अमेरिका चल जेबाक। शबीर से तँ नहि कए सकलखिन्ह, मुदा फ्राँस के एकटा दोसर शहर तुलूज मे किछु दिनक लेल व्यवस्था करबा देने छलखिन्ह।

भारत सँ भगबाक क्रम मे ओ दूनू सरदार दाढ़ी केश मुड़ा लेने छलाह। ओ सब अपन नाम हमरा नहि बतौलन्हि। मात्र एतबे कहलन्हि जे काल्हिए ओ सब दोसर शहर चल जेताह। हमरा लागल जे भारत सरकारक अफसरक रूप मे हमर परिचय सँ ओ सभ किछु विचलित भए गेल छलाह। हमहुँ नाम बुझबाक बेसी प्रयत्न नहि कएल।

फ्राँस मे प्रवासक तेसरे दिन भारतीय लोकनिक एहि परिचय सँ हम सब बहुत प्रसन्न भेलहुँ। श्रीमतीजी सब कें ओहि संध्याक चाहक निमंत्रण दऽ देलखिन्ह। ओ सब मेला समाप्त भेलाक बाद डेरा अबैक आश्वासन देलन्हि।

करीब सात बजे शबीर आ जोसेफ डेरा एलाह। सरदारजी सब नहि एलाह। चाहक निमंत्रण रातुक भोजन पर समाप्त भेल। बहुत आत्मीयता सँ हमरा लोकनि तीन घंटा तक विविध प्रकारक गप करैत रहलहुँ। काँ शहर मे भारतीय मूलक जे लोक सब रहथि, तिनकर चर्चा भेल। शबीर एकटा 'इंडियन एसोसिएशन' गठित करबाक प्रस्ताव सेहो देलन्हि, जाहि लेल सबहक संग एकटा मीटिंग करबाक विचार भेल।

अढ़ाई दिनक भीतर हम सब एक अपरिचित जगह मे सामाजिक प्राणी भऽ गेल रही।

ऑफिस मे पहिल दिन

शनि रविक वीकएन्डक बाद सोम दिन हम गैनिल मे अपन काज शुरू कएल। पीटर महोदय भिनसरे आबि कए ऑफिस लऽ गेलाह आ एडमिनिस्ट्रेशनक काजक लेल ओतुका प्रशासकीय अधिकारी मोशिए कावाहाती लग छोड़ि देलन्हि। ओ मूलतः सीरियन छलाह आ बहुत मजाकिया व्यक्ति छलाह।

कतेको तरहक फार्म आदि भरल गेल।

तकर बाद हमरा अपन ऑफिस बला कमरा देखाओल गेल जतए एक साल बितेबाक छल। एतहि आन्द्रेयास भेटलाह। पूरा नाम आन्द्रेयास क्यानोव्स्की। मूलतः पोलैंडक, मुदा जर्मनी मे कतेको पुस्त सँ रहैत। ई पीएचडीक छात्र छलाह आ पश्चिम बर्लिन के हान माइटनर इंस्टीट्यूटक एकटा प्रोफेसर के निर्देशन मे काज करैत छलाह। मुदा हुनका रिसर्च काज एतहि गैनिल मे करबाक छलन्हि, जकरा लेल एतुका एकटा सीनियर वैज्ञानिक हुनक कोसुपरवाइजर छलखिन्ह। हम दूनू गोटे एके ग्रुप मे काज करितहुँ। आन्द्रेयास फ्रेंच बहुत नीक बजैत छलाह। हमरा एक साल हिनके संग एहि ऑफिस मे बितेबाक छल।

ऑफिस देखि मोन हर्षित भऽ गेल। एक देबाल सँ दोसर देबाल तक शीशा लागल खिड़की। सामने गैनिलक कैंटीन आ तकर बाद विस्तृत खेत पथार। खेत पथार जाहि मे सँ गहूम कटले छलैक आ ठाम ठाम डाँटक बड़का बल्ही बान्हल पसरल, जेना पेरिस सँ एतए अबैक रस्ता मे देखने रही। एहि विस्तार मे बाद मे जेना जेना ऋतु बदलैत गेलैक, तेना तेना खेतीबारीक विभिन्न क्रिया कलाप देखबा मे अबैत रहल। आ सबसँ नीक तऽ लागए जखन बर्फ पड़ैक आ पूरा धरती श्वेताम्बरा भऽ जाथि। किछु दिनक बाद ईहो बुझलियैक जे यदि हमर ऑफिस कॉरीडोरक दोसर कात रहैत तऽ दृश्य मे मात्र सड़क आ सुपरमार्केट अबैत। कतेक अन्तर दूनू मे !

तकर बाद शुरू भेल प्रक्रिया सहकर्मी आदि सँ भेंट करबाक। पहिने हमरा भेंट कराओल गेल डानिएल आर्दुआँ सँ। पता लागल जे हमरा हुनके संग काज करबाक छल। हुनके रिसर्चक लेल ई पदक प्रस्ताव स्वीकृत भेल छलैक, जाहि सँ हमरा पोस्टडॉक नौकरी भेटल छल। अर्थात ओतए हमर डायरेक्ट बॉस ओएह छलाह। हुनका सँ सब तरहक गप करीब आधा घंटा भेल। तकर बाद गेलहुँ गैनिलक डायरेक्टर मोशिए क्लाउद देत्राज सँ भेंट करए, जिनका सँ पहिने टेलिग्राम द्वारा सम्पर्क भेल छल। हिनके प्रयासें हमरा गैनिल मे काज करबाक अवसर भेटल छल आ वेतन मे वृद्धि सेहो।

देत्राज महोदय अपन पैघ मोंछक लेल फ्रेंच भौतिकविद समाज मे बेसी प्रसिद्ध छलाह। परोक्ष मे हुनका लेल मोछियल सम्बोधन प्रसिद्ध छलैक। हुनका सँ गपक क्रम मे चर्चा चलल डा० गांगुली के। जखन ओ ओर्से (Orsay, Université Paris Sud) मे पीएचडीक छात्र छलाह तखन डा० गांगुली सेहो वरिष्ट वैज्ञानिक के रूप मे ओतहि काज करैत छलाह। देत्राजक शब्द मे "ही वाज ए टेरर फॉर अस स्टूडेन्ट्स।" डा० गांगुली तऽ हमर बॉस रहि चुकल छलाह एगारह बरख तक आ हम सब नीक जकाँ बुझैत छलियैक जे ओ कोन तरहें भौतिकी मे अपन तीक्ष्ण प्रश्न आदि सँ सबकें थरथरेने रहैत छलखिन्ह। सएह गप देत्राजो कहलन्हि जे जखन कोनो सेमिनार होइक तऽ डा० गांगुली कें देखिते छात्र लोकनि डरि जाइत छलाह जे कोन तरहक प्रश्न कऽ देल जाएत। हुनका ई जानि खुशी भेलन्हि जे हमर पीएचडी गाइड डा० गांगुली छलाह।

अस्तु, ई परिचय एकटा नीक सेतुक काज केलक आ देत्राज महोदय हमरा प्रति नीक विचार रखैत रहलाह।

हम सब ग्रुप मे लंचक लेल गेलहुँ, जाहि मे आर्दुआँ संग जाँ पीटर महोदय फेर आबि गेलखिन्ह आ अन्य करीब चारि पाँच टा सहकर्मी सेहो। आन्द्रेयास सेहो संग भेलाह।

एखन तक जतेक बात भेल छल से अंग्रेजी मे, कारण हम एके एके व्यक्ति सँ गप कऽ रहल छलहुँ। मुदा लंचक समय तऽ एक सँ बेसी फ्रेंच लोक भऽ गेलाह। तें गप सप के मुख्य भाषा आब फ्रेंचे भऽ गेल, मुदा कखनहु कें हमरा बुझबै लेल अंग्रेजीक व्यवहार होइत रहलैक। ओही सँ पता चलल जे हमरा एकटा नव प्रयोग पर काज करबाक अछि, जाहि मे मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटीक प्रोफेसर कोनराड गेल्बके आ हुनकर ग्रुप सेहो सम्मिलित हेताह। ई हमरा लेल बेसी खुशीक गप छल, कारण बर्कले मे हम कोनराडक संग काज कऽ चुकल रही आ हुनका सँ नीक परिचय छल। दोसर खुशी कने एहू लऽ कए भेल छल जे अमेरिकन लोक सबहक संग काज करैत भाषाक समस्या नहि रहत। ओ तऽ अंग्रेजी बजबे करताह।

लंचक बाद आर्दुआँ हमरा ओहि प्रस्तावित प्रयोगक बहुत रास कागज आदि देलन्हि आ फेर गैनिल प्रयोगशालाक त्वरक आ अन्य सुविधा सब देखा देलन्हि। सब किछु बर्कले सँ भिन्न, मुदा परिष्कृत लागल छल।

बसबाक प्रक्रिया

ईरोबिल सँ क्ले

हमर गाम ईरोबिल सँ क्ले मुख्यतः दू टा पैघ टोल मे बाँटल छल। हम सब जाहि टोल मे रही तकर नाम छलैक लुब्वा (le bois) आ एकटा छोटका धारक ओहि पार जे टोल छलैक तकर नाम छलैक लुवाल (le val)। एकटा भेल जंगल आ दोसर भेल वैली अर्थात् घाटी। कहिए देने छी जे हमरा सबहक घरक सामने बड़कीटा जंगल छलैक। उचिते ओहि टोलक नाम लुब्वा राखल गेलैक। दोसर टोलक पृष्ट भाग मे कने हटि कए एकटा नाम मात्रक पहाड़ी छलैक आ तें ओ भऽ गेल लुवाल, जे भेल घाटी। ई दूनू टोल सघन बस्ती छलैक। गाम तऽ आर बहुत पैघ छलैक, मुदा ओहि सब मे कतहु कतहु किसान सबहक घर आ हुनकर फार्म। एकटा इलाका अलग कएल, से छल औद्योगिक क्षेत्र। ई जानि आश्चर्यमिश्रित खुशी भेल जे एतेक साधारण गाम मे, जे मात्र एकटा जिला मुख्यालय तरहक शहरक बगल मे छलैक, औद्योगिक क्षेत्र सेहो छलैक।

आबाजाहीक व्यवस्था

गाम सँ काँ शहर आ आसपासक अन्य गाम सब जेबाक लेल बस सेवा बहुत नीक। प्रातः पौने पाँचे बजे सँ बस चलऽ लगैत छलैक आ राति के साढ़े बारह बजे तक चलैत छलैक। बेसी भोर मे आ फेर बेसी राति कें समय मे अन्तर सेहो बेसी रहैत छलैक, जेना 20 मिनट सँ आधा घंटा तक। मुदा सात बजे भोर सँ नौ बजे राति तक तऽ प्रायः दश दश मिनट पर बस अबितहि छलैक। बस स्टैंड पर समय सारणी लिखल। हमरा गाम मे बहुतो लोक बसक उपयोग शहर जेबा लेल करैत छलाह। खास कऽ कए स्कूली बच्चा आ बूढ़ पुरान लोकनि तऽ निश्चिते।

बस एकदम निर्धारित समय पर अबैत छलैक। बस मे टिकट सेहो लोक कटा सकैत छल, मुदा से महग पड़ैत छलैक। दश टिकट के बंडल कीनला सँ सस्ता होइत छलैक। आ मासिक पास सेहो बनैत छलैक, जे आरो बहुत बेसी सस्ता होइत छलैक। पास बनबै मे फोटोक काज पड़ैत छलैक। ई जानकारी सब मोशिए कावाहाती पहिले दिन दऽ देलन्हि। पहिने हम दश टिकटक बंडल कीनल आ तीन चारि दिन मे जा कए अपना लेल पास बना लेल।

बच्चा सब कें स्कूल मे नामांकन

गामक दूनू टोल मे अलग अलग मिडिल स्कूल छलैक। अपना टोलक स्कूल तऽ हमरा मकानक एकदम बगले मे छलैक। दोसर टोलक स्कूल प्रायः दश मिनट के पैदल रस्ता छलैक, जेमहर बाटें लोक कारफू सुपरमार्केट जाइत छल।

दोसर दिन अर्थात् मंगल कें पीटर महोदय कहलन्हि "चलू, बच्चा सब कें स्कूल मे नाम लिखा दैत छियैक"। वाह रे वाह! एतेक आसान छैक स्कूल मे नाम लिखौनाई की ? हमरा मोन पड़ए कलकत्ताक अनुभव। कतेक दौड़ बरहा, कतेक खुसामद आ तै पर सँ दक्षिणा सेहो।

ई सितम्बर मासक दोसर सप्ताह छलैक आ गर्मीक छुट्टीक बाद ओही सोम कें सबटा स्कूल खूजि गेल छलैक। तें हम सब एकदम टाइमे सँ छलहुँ, बूझू एको दिन बिलम्ब नहि भेल छल।

हम सब पहिने अपने घर लगहक स्कूल मे गेलहुँ। बातचीत तऽ सबटा पीटर महोदय केलन्हि, कारण सब मात्र फ्रेंचे बजैत छल। हमरा लेल पीटर महोदय दुभाषियाक काज कऽ रहल छलाह। दूनू बच्चाक विवरण पूछल गेल। जेठ मधुलिका, जे भारत सँ एबा काल केन्द्रीय विद्यालय मे पाँचम कक्षा मे पढ़ैत छलीह, आ छोट अपाला, जे मात्र चारि बरखक छलीह, आ कोनो नर्सरी स्कूल मे जइतथि, मुदा हमरा फ्राँस एबाक चक्कर मे स्कूल नहि गेल छलीह। हुनका ईहो बता देल जे जेठ बच्चा अंग्रेजी माध्यम सँ पढ़ैत छलीह।

तकर बाद ओ सब अपना मे किछु विमर्श केलन्हि। पीटर महोदय हमरा बतौलन्हि जे छोटक एडमिशन तऽ एही स्कूल मे करबा दैत छी, मुदा जेठ बच्चाक लेल नीक होएत दोसर टोलक स्कूल, कारण ओतए एकटा शिक्षक छथि, जे थोड़ बहुत अंग्रेजी जनैत छथि आ बच्चा कें बेसी नीक सँ गाइड कऽ सकथिन्ह। हमरा ई प्रस्ताव नीके लागल। मधुलिका दश बरखक छलीह आ हुनका लेल दश मिनट पएरे जाएब आएब कोनो बेसी भारी काज नहि छलन्हि।

तकरा बाद किछु फार्म देल गेल जाहि पर पीटर महोदय फ्रेंच मे सब किछु भरि देलखिन्ह आ हम मात्र हस्ताक्षर कऽ देलियैक। अपालाक एडमिशन भऽ गेलन्हि। एडमिशन के बाद हमरा स्कूलक नियमावलीक एकटा कागज देल गेल। सबटा तऽ फ्रेंचे मे छलैक। मोटा मोटी बात पीटर महोदय बुझा देलन्हि जे एकटा बच्चा बला बेडशीट, एकटा तकिया आ एक जोड़ जूता अलग सँ जमा करए पड़त स्कूल मे। स्कूलक समय 9 बजे सँ 12 बजे तक आ फेर डेढ़ बजे सँ 4 बजे तक छलैक। बारह सँ डेढ़ लंचक समय। लंचक लेल दूटा विकल्प छल : एक जे बच्चा स्कूले मे खाथि, जकर कि पूरा व्यवस्था छलैक ओतए आ नहि तऽ अहाँ घर लऽ जा सकैत छिएन्हि। तखन डेढ़ बजे फेर स्कूल लेने आबए पड़त।

ई बात सब बूझि फेर हुनके गाड़ी सँ दोसर स्कूल गेलहुँ आ ओतए एहिना दश मिनट मे मधुलिकाक एडमिशन भऽ गेलन्हि। मधुलिकाक ज्ञानक स्तर कें देखैत हुनका ओतुका स्कूलक नियमक अनुसारें छठम (sixieme) वर्ग मे राखल गेल। किताब आ कापीक लिस्ट दऽ देल गेल। सबटा किताब कापी आदि कारफू सुपरमार्केट मे भेटि जाएत, सेहो बता देल गेल।

ओतहु स्कूलक समय ओहिना आ भोजनोक व्यवस्था आ विकल्पक नियम ओहिना। हँ, एतए बेड शीट आ तकियाक काज नहि छलैक।

कुल आधा घंटा समय लागल। आ एको फ्रैंक नाम लिखाइयो नहि लागल। वाह रे समाज आ ओकर व्यवस्था !

अगिला दिन सँ दूनू गोटे स्कूल जाए लगलीह। लंचक लेल दूनू बच्चा कें घरे ठीक बुझाएल, कारण स्कूल मे तऽ बीफ, पोर्क आदि परसल जेबे करितैक आ बच्चा कोना ओकरा अलग कऽ सकितए ? अपाला कें मम्मी घर लऽ अनैत छलखिन्ह आ फेर डेढ़ बजे पहुँचा अबैत छलखिन्ह। मधुलिका अपनहि जाएब आएब करैत छलीह।

अपालाक स्कूल एक हिसाबें प्ले स्कूल छलैक। माने एहि उमर के बच्चा सबकें किछु पढ़ाई लिखाई सँ सरोकार नहि। हिनका सबहक लेल खूब बेसी मोटका कागज आ रंगीन पेन आदि राखल रहैत छल। लंचक बाद सब बच्चा कें एक घंटाक लेल सुता देल जाइत छलैक। तें हमरा सब सँ बेडशीट आ तकिया लेल गेल छल। बच्चा सब सूतत की? करौट बदलैत रहैत छल आ मास्टरनी सबहक नजरि बचाकए अपन लीला करबे करैत छल। आ कहुना टाइम पास करैत छल। मुदा एहि समय किओ उठि कए खेल धूप नहि कऽ सकैत छल।

बच्चा सब जखन स्कूल बिल्डिंग के बाहर माटि मे खेलाइ लेल जाइत छल, तखन जे जूता ओ घर सँ पहिरि कए आबए से पहिरए आ फेर जखन किलासक भीतर जाए तऽ ओतए जे एक्सट्रा जोड़ी राखल रहैत छलैक से पहिरए। एहि प्रैक्टिस सँ किलास गंदा नहि होइत छलैक।

प्रीफेक्चर मे रजिस्ट्रेशन

हम सब काँ शहर मे विदेशी परिवार जकाँ रहै लेल आएल छलियैक। काँ शहर कालवादोस जिलाक मुख्यालय छलैक। हमरा सब कें कालवादोस के प्रिफेक्चर मे रजिस्ट्रेशन करेबाक छल। मोशिए कावाहाती हमरा अपना संगें लऽ गेलाह काँ शहरक एकटा ऑफिस मे। ओतए कतेक तरहक फार्म देल गेल। फार्म आदि लऽ कए हम सब गैनिल घूरि एलहुँ।

प्रिफेक्चर बला कागज पत्तर भरबाक भार कावाहाती पर छलन्हि। फार्मक संग किछु प्रमाणपत्र आदि आ पासपोर्टक प्रति सेहो देबाक छलैक। ओहि सब कें भरबा मे एकटा जरूरी कागज जे हमरा लग नहि छल से भेल मैरिज सर्टिफिकेट। यद्यपि श्रीमतीजीक पासपोर्ट मे सरनेम ओहिना वियोगी लिखल छलैक जेना हमरा पासपोर्ट मे छल, मुदा मात्र एक सरनेम रहला सँ तऽ ई साबित नहि भऽ जइतैक जे हम सब विवाहित पति पत्नी छी।

ओ हमरा कहलन्हि जे भारत सँ मैरिज सर्टिफिकेट मँगा लिअए। हुनका बूझल नहि छलन्हि जे विवाहक समय हमरा सबहक तऽ कोनो रजिस्ट्रेशन भेले नहि छलैक। ओहि समय रजिस्ट्रेशनक कोनो व्यवस्थो नहि छलैक आ ने कहियो हमरा दिमाग मे ई बात आएल जे ई कागज बना लेल जाए। एकेटा उपाय छल जे गाम मे कर्मचारी कें कहल जाए एकटा सर्टिफिकेट बना कए दै लेल। ओ जमाना चिट्ठी पत्रीक छलैक, इमेल आ मोबाइल टेलीफोनक नहि। हम हिसाब लगाओल जे गाम पत्र लीखब, फेर कर्मचारीक चक्कर, ओ कोनो तरहें मास दिन सँ पहिने तऽ देतैक नहि, आ फेर ओकर अंग्रेजी अनुवाद कराऊ कतए, आ तखन फ्राँस पठाउ, एहि सब मे कम सँ कम दू तीन मास तऽ लागिए जाएत। एतेक दिन बिना रजिस्ट्रेशन के कोना रहू ? हमरा सबहक वीजा सिंगल इन्ट्री छल। आब यदि कतहु जेबो करब तऽ बिना प्रिफेक्चरक अनुमति के सम्भव नहि छल। ई मुश्किल समस्या छल।

हम मोशिए कावाहाती कें एहि समस्या सँ अवगत कराओल। तखन हुनका एकटा आइडिया एलन्हि। फार्म मे जतए मैरिड, अनमैरिड आदि के चर्चा छलैक ओतए एकटा आर विकल्प छलैक : कोहैविटेशन। माने संग संग रहनाइ, बिना विवाह के। फ्राँसक समाज मे ई प्रथा ओहू समय मान्य छलैक। ओ कहलन्हि जे यदि हमरा आपत्ति नहि होअए, तऽ ओ एही विकल्प कें टिक कऽ देथिन्ह। एहि मे मैरिज सर्टिफिकेट के कोनो काजे नहि छलैक।

कने काल हम दूनू गोटे मिल कए एहि विकल्प पर हँसलहुँ, जे सही मे विवाहित रहितो हमरा दूनूक लेल ई कोहैविटेशन के विकल्प लेबए पड़ि रहल अछि। एकर दार्शनिक पक्ष पर विचार कएल। देखू, हरेक विवाहित पति पत्नी जीवन भरिक लेल कोहैविटेशन मे रहितँहि अछि। मुदा मात्र कोहैविटेशन सँ दू गोटे विवाहित पति पत्नी नहि कहल जा सकैछ। सही मे हम सब कोहैविटेशन के सब शर्त पूरा करैत छिऐक। तें यदि कालि किओ प्रश्नो करत, तऽ हम कहि सकैत छिऐक जे कोनो गलती नहि कएल।

अन्य कोनो उपाय नहि देखि हम एकर स्वीकृति दऽ देलियैक। एहि विकल्प पर कतहु कोनो प्रश्न नहि उठल।

रजिस्ट्रेशन भऽ गेल आ एक सप्ताहक बाद हमरा सब कें परिचय पत्र सेहो भेटि गेल।

बैंक मे खाता

बर्कले जखन गेल रही तऽ ओतए हमरा स्कॉलरशिपक अग्रिम राशि पहिनहि डा० हेन्ड्रीक नामे पठा देल गेल छल। हम एतहु तहिना किछु आशा लऽ कए गेल रही जे नहि पूरा मासक वेतन तऽ कम सँ कम पन्द्रहो दिनक वेतन तऽ अग्रिम भेटबे करत। एहि लेल मोशिए कावाहाती कें जिज्ञासा कएल। मुदा ओ कहलन्हि जे फ्राँस मे एहि तरहक प्रथा नहि छैक। हमरा पहिने बैंक मे खाता खोलए पड़त। तखन हमर ज्वाइनिंग सँ सम्बन्धित कागज आ ओ खाता नम्बर लऽ कए पेरिस पठाओल जाएत सीएनआरएस के ऑफिस। ओतहि सँ फेर किछु दिनक बाद वेतन आओत।

हमरा लग तऽ बहुत कम्मे फ्रेंच फ्रैंक बचल छल, तखन खाता कोना खोलाउ ? हमरा तऽ भारतक प्रथा बूझल छल जे किछु न्यूनतम राशि तऽ जमा करहि पड़तैक। मोशिए कावाहाती एकर समाधान केलन्हि जे एतए बैंक मे खाता खोलबा लेल कोनो न्यूनतम राशि नहि छैक। ई खाता 'करेंट एकाउन्ट' होइत छैक। एहि पर कोनो व्याज सेहो नहि भेटैत छैक। एहि बैंक मे भारत जकाँ बचत खाता खोलबाक सुविधा नहि रहैत छलैक। बचत खाताक लेल दोसर उपाय छलैक जे बाद मे बुझलियैक।

ओही दिन लगेक बैंक मे कावाहाती संगें गेलाह आ एकटा फार्म भरि कए देला पर आ पासपोर्टक प्रति देला पर खाता खूजि गेल। एकर नम्बर मुदा अगिले दिन भेटल। ओ नम्बर हम कावाहाती कें दऽ देल आ ओ सबटा कागज पेरिस पठा देलखिन्ह।

ओतए सँ टाका अबै मे करीब बीस दिन लागि गेल। तावत काज चलबै लेल हमरा दू हजार फ्रैंक जाँ पीटर महोदय सँ उधार लेबए पड़ल। बाद मे विशेष बचत बैंक Caise d'Epargne मे खाता खोलि लेल, जतए मासे मास किछु रकम अलग सँ जमा करैत जाइ। एहि मे मात्र 5 प्रतिशत व्याज भेटैत छल, जेना प्रायः भारत मे पोस्ट ऑफिसक बचत खाता मे होइत छलैक।

फ्रेंचक ट्यूशन

फ्रेंच सिखबाके छल। एकर अनुमान तऽ डेग डेग पर लागि रहल छल जे एतए एक साल बिना फ्रेंच सिखने बिताएब असम्भव छल। सामाजिक जीवन कें तऽ छोड़ि दिअऽ, असली बात जे ऑफिस मे सेहो काज सम्भव नहि छल।

ग्रुप मीटिंग मे एकमात्र फ्रेंच बाजल जाइक। किछु नहि बुझिऐक। बजबाक तऽ कोनो सवाले नहि। मीटिंग के बाद आन्द्रेयास हमरा अंग्रेजी मे सार संक्षेप बता देथि। मुदा टेलर देखने की सिनेमा बुझबैक ? सेहो एतए जखन हमरा सँ लोक अपेक्षा करैत छल जे हम मीटिंग मे बहस मे योगदान दिऐक। अपन पूर्ण योगदान आन्द्रेयासक अनुवाद पर तऽ नहिए दऽ सकैत छलियैक। तें हमरा भाषा नीक जकाँ सिखबाक छल, जाहि सँ हम अपन विचार कें फ्रेंच मे बाजि कए लोक कें बुझा सकियैक।

भारत सँ लिंग्वाफोन के कैसेट लऽ लेने रही। आ एकटा ब्लू बुक (प्राइमर टाइपक एकटा किताब) सेहो संग मे रहए। लिंग्वाफोन तऽ व्यवहार करबे करी। ओ बाजब सिखबै मे आ उच्चारण सुधारबा मे मददि करैत छल। मुदा हम यदि अंग्रेजीक कोनो वाक्य कें अनुवाद करी तऽ ओ ठीक भेल की नहि से कोना बुझबैक?

एकटा ग्रामर के किताब आ मीडियम साइज के डिक्शनरी तऽ मधुलिका लेल किनाइए गेल छल। एकरो व्यवहार करी। ग्रामर सँ लिंग, वचन आदि बुझबा मे सहायता भेल। फ्रेंच भाषा मे लिंग विचार हिन्दीए जकाँ कठिनाह। पुलिंग शब्दक स्त्रीलिंग रूप बनेबाक नियम सब छलैक। क्रियाक विभिन्न रूप तऽ संस्कृतो सँ विस्तृत। एहि सबटा कें यथासाध्य प्रैक्टिस करी।

तैओ लागल जे बिना गुरू के ज्ञान नहि होएत। शहर मे किछु संस्था छलैक फ्रेंच सिखबै बला। तकरो सब कें पता कएल, मुदा टाइमिंग सूट नहि करए।

अन्त मे विचारल जे प्राइवेट ट्यूशन लेल जाए। एहि लेल हम चूनल लीना कें, जे हमरा सबहक इंडियन एसोसिएशनक सदस्या छलीह। 30 फ्रैंक प्रति घंटाक हिसाबें शुल्क पर लीना तैयार भऽ गेलीह। ओना ओ घड़ी देखि कए कहियो नहि पढौलन्हि आ तें नीक प्रगति भेल।

हुनका लग जेबा सँ पूर्व हम कम सँ कम एकटा पैराग्राफ अंग्रेजी सँ फ्रेंच आ एकटा दोसर पैराग्राफ फ्रेंच सँ अंग्रेजी मे अनुवाद कऽ ली। एकरा हुनका सँ जँचाबी। ब्लू बुक सँ दू दू अध्यायक प्रश्न हल करी आ हुनका सँ ठीक कराबी। एहि सँ आत्मविश्वास बढ़ल। बजबाक प्रैक्टिस तऽ भैए रहल छल। शब्दक ज्ञान मे सेहो वृद्धि होअए लागल। लीना सँ दश घंटाक ट्यूशन लेल।

दिसम्बर तक एहेन स्थिति आबि गेल जे ग्रुप मीटिंग मे योगदान देबए लगलियैक। तकर बाद तऽ हाट बजार, अड़ोसी पड़ोसीक संग निधोख भऽ कए बाजऽ लगलहुँ। अशुद्धि तऽ रहितहि छलैक, मुदा धाख छूटि गेल।

अबिहें तों

फ्रेंच भाषा सिखैत सिखैत हम सब ओकरा मैथिलीक ढंग सँ उच्चारण करबाक सेहो प्रयास करी। एहि मे एकटा सन्बोधन तऽ बूझू एकदमे नीक भऽ गेल। 'फेर शीघ्रे भेंट हेतैक' भेल एकटा सम्बोधन, जे लोक एक दोसरा सँ जखन विदा लेबए लगैत अछि तखन बजैत अछि। एकरा फ्रेंच मे बाजल जाइक "आ ब्यां तो" (a bian tôt)। बस, एकरा हम सब मैथिली मे बना देल अबिहें तों। जल्दी जल्दी मे यदि 'आ ब्यां तो' बजबैक आ कि 'अबिहें तों' तऽ दूनू मे कोनो अन्तर नहि बुझाएत। कम सँ कम हमरा सबहक ई व्यवहार तऽ कियो पकड़ि नहि सकल।

भोजन भात

चाउर की आलू ?

शुरू शुरू मे हम सब रासनक लेल कारफू सुपरमार्केट जाइ। ओतए चाउर के एक किलो सँ पैघ पैकेट नहि भेटए। हमरा सबहक मुख्य, आ कि कही एकमात्र, भोजन भाते भऽ गेल छल। ने गैसक चुलहा छल, ने चकला बेलना लऽ गेल रही, तें रोटीक सवाले नहि उठैत छलैक। कारफू सँ एक किलो बला दू तीन टा पैकेट एक बेर मे लऽ आनी तऽ एक हप्ता चलैत छल।

धीरे धीरे जखन काँ शहर सँ परिचित होमए लगलहुँ, तऽ पता लागल जे ओतए एकटा विएतनामी दोकान छलैक, जतए अरबा चाउरक पचीस किलोक बोरा भेटैत छलैक। ई चाउर एशिया सँ आयात कएल जाइत छलैक, तें नीको छलैक। एकर दामो कारफूक एक किलो बला पैकेटक तुलना मे कम। कतए कारफू मे एक किलोक दाम 10 सँ 12 फ्रैंक लगैत छल, आ एतए 25 किलोक दाम मात्र 175 फ्रैंक। तें विचार कएल जे एक बेर पचीस किलो कीन लेब, तऽ महीना भरिक खोराक भऽ जाएत। मुदा एतेक भारी बोरा काँ शहर सँ आनब कोना, से समस्या छल। दोकान सँ बस स्टैन्ड कम सँ कम आधा किलोमीटर छलैक आ फेर उतरबाक काल बस स्टैन्ड सँ घर सेहो करीब 200 मीटर। ताहू सँ बेसी झंझट जे पाँचम तल्ला माने फोर्थ फ्लोर पर चढ़ेबाक छल। कलकत्ता तऽ छलैक नहि जे रिक्शा आ कि कुली भेटि जाइत आ यदि टैक्सी करितहुँ तऽ फेर गुरक नफा चुट्टिए खेलक सएह बूझू।

हम अपन कमराक सहकर्मी आन्द्रेयास क्यानोव्सकी सँ मददि मँगबाक विचार कएल। हुनका कार छलन्हि। आ कार लऽ कए हम सब आसानी सँ ई काज कऽ सकैत छलहुँ। रहलैक पाँच तल्ला उठेबाक, से तऽ नहियो होइत तऽ जखन बोरा अपना मकान मे आबि जाइत तऽ खोलि कए छोट छोट पैकेट मे उपर लऽ जा सकैत छलहुँ।

आन्द्रेयास कें रिसर्च मे हमरा सँ मददि भेटिते छलन्हि, तें ओ सहर्ष हमरा मददि करबाक ई प्रस्ताव स्वीकार कऽ लेलन्हि। बस, ओही दिन ऑफिसक काज खतम भेलाक बाद दूनू गोटे सोझे काँ शहर मे ओहि विएतनामी दोकान गेलहुँ आ पचीस किलो चाउर के एकटा बोरा कीन कए लऽ अनलहुँ। डेरा पहुँचला पर आन्द्रेयास एकदम आज्ञाकारी छात्र जकाँ ओ बोरा अपना पीठ पर उठा लेलन्हि। हम कतबो मना केलिएन्हि, ओ नहि मानलन्हि आ बोरा कें पाँचम तल्ला पर हमरा फ्लैट मे पहुँचाइये देलन्हि। ओ कहलन्हि जे जर्मनी मे एक सालक अनिवार्य मिलिटरी सर्विस मे हुनका एहेन बोरा की, अहू सँ बेसी भारी सामान, लऽ कए चलबाक आदति भऽ गेल छलन्हि। अस्तु, चाउर हमरा घर मे चल आएल।

दोसर दिन ऑफिस मे एक कान सँ दोसर आ दोसर सँ तेसर होइत समूचा हल्ला भऽ गेलैक जे एतए जे भारतीय लोक एलाहे से पचीस किलो चाउरक बोरा किनलन्हि अछि। हमरा नहि बूझल भेल जे फ्रेंच लोकक लेल ई एतेक पैघ आश्चर्यक बात छलैक।

किछु कालक बाद जाँ पीटर महोदय, जे हमर वरिष्ट सहकर्मी छलाह आ एक हिसाबे जेठ भाइ जकाँ मार्गदर्शन करैत छलाह, हमरा अपन कमरा मे बजौलन्हि। साधारण हाल चाल पुछलाक बाद ओ हमरा पुछलन्हि जे कोन कारणें हम एतेक महग आ एतेक बेसी चाउर कीनल ? हम अवाक। एहि प्रश्नक उद्येश्य हम नहि बूझि सकलियैक। हम अपना जनैत तऽ सस्त बूझि कए कीनए गेल रही। हमरा लागल जे आर कोनो जगह हेतैक, जतए चाउर आर बेसी सस्त भेटैत हेतैक, से नहि बूझि हम बकलेल जकाँ हड़बड़ा कए ओहि विएतनामी दोकान सँ एतेक चाउर कीन आनल। आन्द्रेयास तऽ हमरे जकाँ एक डेढ़ मास पहिने गैनिल आएल छलाह आ हुनको तऽ काँ शहर आ आसपासक इलाका के बहुत नीक ज्ञान नहिए छलन्हि। पीटर महोदय तऽ स्थानीय लोक छलाह, हुनका तऽ सबटा बात बूझल छलन्हि से हुनका बिना पुछने हमरा एहेन काज नहि करबाक चाहैत छल। हमरा एहि बातक ग्लानि होमए लागल।

धखाइते धखाइते हम हुनका अपन तर्क दैत सबटा बात बता देल, जे हम सब कारफू सँ एक किलोक पैकेट बला चाउर कीनैत छलहुँ, से बेसी महग बुझाइत छल, तें एके बेर एक मासक रासन जोगर चाउर ओहि दोकान सँ कीन लेल। चाउर नीक सेहो छलैक आ सस्त सेहो बुझाएल।

आब ओ असली बात पर एलाह। ओ हमरा बुझबए लगलाह जे एतए लोक चाउर तऽ कियो नहि खाइत छैक। कहियो काल कने मने खा लेलक। मुख्यतः लोक आलू खाइत अछि, जे बहुत सस्त छैक। पचीस किलो आलू के बोरा कारफू मे मात्र 10 फ्रैंक मे भेटैत छलैक। कतऽ 10 फ्रैंक आ कतऽ 175 फ्रैंक ! 17 गुना बेसी महग भेल चाउर खाएब। मानि लिअऽ चाउरक बदला आलू कने बेसिए खा लेबैक, तैयो 10–15 गुणा अन्तर तऽ रहिए जेतैक खर्चा मे।

आब हमरा असली बातक अन्दाज भेल। हम भाड़ी मुश्किल मे पड़ि गेलहुँ। कोना पीटर महोदय कें बुझाउ जे हम सब आलू तरकारीक रूप मे खाइत छी, मुख्य खाद्य पदार्थक रूप मे नहि। हमरा की बूझल छल जे ओतए लोक आलूक भोजन मात्र उसने टा रूप मे नहि करैत छल, बल्कि अनेकानेक प्रकारक स्वादिष्ट व्यंजन बनबैत छल ओकर आ मुख्य भोजन मे व्यवहार करैत छल।

हम कहुना हुनका बुझाएल जे ई दू सभ्यताक अन्तर थिकैक। भारतीय लोक भाते रोटी मुख्य भोजन मे व्यवहार करैत छथि। गरीब लोक अल्हुआ, सुथनी सेहो खा कए पेट भरि लैत छथि, मुदा हम ककरो मुहें ई नहि सुनने छलियैक जे ओ

आलू खा कए पेट भरि लेलक। सस्त महग के बात नहि छैक। तरकारी जाहि रूप मे भारतीय लोक प्रयोग करैत छथि से अन्यत्र नहि छैक। ई तऽ जिह्वाक प्रशिक्षणक प्रश्न छैक। किछु नहि भेटला पर एतए फ्राँस मे वा अन्यत्र विदेश मे कोनो एक दिन हम सब आलू खा कए जरूर रहि सकैत छी, मुदा प्रतिदिन एकरा व्यवहार नहि कऽ सकैत छी। मासिक खर्च मे बचत हम सब ओहुना कऽ लेब, कारण सामिष पदार्थक व्यवहार एतुका लोक जकाँ तऽ नहि करैत छी। हम सब तऽ कहियो काल माछ, मासु खाइत छी।

हमरा लागल जे पीटर महोदय हमर एहि तर्क सँ सन्तुष्ट नहि भेलाह। हम हुनका लग अपराधीए बनल रहलहुँ।

अनचिन्हार फल आ तरकारी

शुरू शुरू मे तऽ चिन्हल तरकारी टा कीनी। एहि मे फूलकोबी, बन्धाकोबी, बैंगन, मूर, गाजर, टमाटर आदि भेटि जाइते छल। आलू, प्याज तऽ भेटिते छलैक। फूलकोबीक वेमात्रेए ब्रोकोली हमरा अमेरिका प्रवास सँ चिन्हल छल आ एकर नीक स्वाद सेहो बूझल छल। छोटका काँच मेरचाई तऽ नहि भेटैत छल, मुदा एक प्रकारक पैघ आकार बला मेरचाई भेटि जाइत छल जे किछु कड़ू होइत छलैक।

कने पुरान भेला पर नव नव चीजक स्वाद चिखबाक इच्छा जागल। सुपरमार्केट मे एक प्रकारक तरकारी देखियैक जकर आकार घेरा, झिंगुनी सँ मिलैत जुलैत छलैक। फ्रेंच मे नाम कुर्जेत (courgette)। रंग गाढ़ हरियर। एक दिन कीन लेल। मुदा रान्हब कोना से तऽ अन्दाज नहि छल। काटल तऽ घेरा सँ मिलैत लागल। बस ओहिना पातर कए काटल आ प्याजक संग भूजि देल। खेबा काल बेस नाटक भेल। नव वस्तु छैक। जहर ने होइक। कोन ठेकान कोनो दोसर तरहें लोक बनबैत होअए आ तखन जहरक अंश कम भऽ जाइत होइक। आदि कतेक तरहक शंका उठल। अन्त मे हम डेराइते डेराइते चीख लेल। वाह, की अपूर्व स्वाद छलैक ! जेना बुझियौक घेरा आ कदीमा आ सजमनिक मिश्रित स्वाद। तकर बाद ई हमरा सबहक रेगुलर तरकारी भऽ गेल, जे बाद मे हमर जेनेवा प्रवास मे सेहो संगे बनल रहल। आब तऽ ई तरकारी एतहु पैघ शहर सब मे भेटि जाएत। आयात कएल जाइत छैक। कलकत्ताक न्यूमार्केट मे सेहो भेटैछ।

सेलेरीक डाँट लोक सलादक रूप मे खाइत छल। एकर जड़ि सेहो बिकाइत छलैक, जे देखबा मे एक प्रकारें ओल जकाँ होइत छलैक। एकरा सरिसो दऽ कए बनाओल गेल, तऽ ईहो अपूर्व तरकारी भऽ गेल। सरिसो ओतए चटनीक रूप मे भेटि जाइत छल। पीसल सरिसो भिनेगार मे डुबाएल डिब्बा मे बन्द। ई फ्रेंच समाज मे खूब चलैत छलैक। हमरा सबहक लेल तऽ बूझू रेडीमेड मसाला, सेहो खटगर कारण भिनेगार छलैक। माछो मे देबाक लेल ई उत्तम होइत छल।

वसंतक समय एला पर बजार मे एकटा नव तरकारी देखल, नाम फ्रेंच मे आँदिव (endives)। देखबा मे कोनो उज्जर फूल जकाँ। काटू तऽ तहे तहे पात, जेना दाबि कए राखल होए प्याजक तह जकाँ। एकरा महीन कए काटि कए बेसन मे मिला कए पकौड़ी नीक बनैत छलैक।

फ्राँस मे कीवी फल सेहो खूब भेटैत। एकर उत्पत्ति स्थल न्यूजीलैंड छलैक तें ई नाम पड़लैक। खटमधुर स्वाद बला ई फल संसार मे एतेक दिन तक लोक कें बूझल नहि छलैक। ई फल हम अमेरिकाक पहिल प्रवास मे कतहु नहि देखने छलियैक। 1983 मे दोसर बेर जखन बर्कले गेल रही, तखन ई फल सुपरमार्केट मे पहिल बेर देखबा मे आएल छल, मुदा खूब महग। फ्राँसक मेडिटेरेनियन समुद्री किनारा बला इलाका मे एकर उपजा खूब होमए लागल छलैक। पेरिस जाइ तऽ पगाल इलाका मे मेट्रो स्टेशनक सीढ़ी पर श्रीलकांक तमिल लोक सब छिट्टा मे भरल कीवी बेचैत। आ सुपरमार्केटक तुलना मे खूब सस्त। आब तऽ ईहो खूब भेटैत छैक भारत मे। सेव सेहो कतेक प्रकारक भेटैत छलैक। स्ट्रॉबेरी हमरा सबहक लेल नवे फल छल। मई मास मे चेरी से भेटए लागल।

बूलैंजेरी अर्थात् बेकरी

बूलैंजेरी भेल बेकरी। फ्राँसक बेकरी प्रसिद्ध छैक, से कतेको लोकक मुँहें सुनने रहियैक। एतए आबि ओकरा देखबाक आ विभिन्न व्यंजन कें चिखबाक अवसर भेटल। ओतबे नहि, जखन हम सब बाहर जाइ, तखन तऽ बूझू बेकरीए जान बचाबए, कारण साधारणतः जे चीज खूब बेसी प्रचलित, से होइत छल बीफ आ पोर्कक व्यंजन। बेकरी मे मैदाक व्यंजन बनैत छलैक। ओना एहू मे किछु व्यंजन छलैक जाहि मे मांसक व्यवहार होइत छलैक, मुदा से कम। आ साधारण बेकरीक वस्तु खेबा मे नीक सेहो।

हम सब क्रोसाँ आ बागेत खूब पसिन्न करी। दोकान मे जखने प्रवेश करी, नाक मे सुगंध भरि जाए आ मोन ललचा जाए कीनऽ लेल। पातर पातर छड़ी जकाँ टटका बागेत तऽ एहेन स्वादिष्ट होइत छलैक जे कतेक बेर दोकान सँ घर पहुँचबे नहि करए। बसे मे सधि जाए। तहिना मक्खन बला क्रोसाँ। ओना बच्चा सब केक, पेस्ट्री आदि सेहो पसिन्न करैत छल। एही सब कारणें बाहर मे हम सब बूलैंजेरी पहिनहि ताकी।

जखन पुरान भेलहुँ आ फ्रेंचो बूझए लगलिऐक तखन अन्य वस्तु जेना किशमिश बला ब्रेड, चॉकलेट बला ब्रेड, आदि सेहो सुआदल आ पसिन्न केलहुँ। मोटगर आटाक फूलल रोटी सेहो आनब शुरू कएल। एकरा तरकारीक संग खा ली। नीक लगैत छलैक।

प्वासोंनेरी आ बूसेरी

करीब दू मास तक तऽ हम सब सुपरमार्केटक बरफ बला माछे किनैत रहलहुँ। तकर बाद ऑफिसक लंच समय के गप सरक्का मे एक गोटे हमरा बतौलन्हि जे एतए अलग सँ माछक दोकान होइत छैक, जकरा प्वासोंनेरी कहल जाइत छैक। एतए जीबैत माछ सेहो भेटि जाएत। प्वासों भेल माछ। ओ हमरा गाम सँ काँ शहर जेबाक बसक रस्ता मे एकटा एहने प्वासोंनेरीक पता सेहो बता देलन्हि।

पहिल बेर ओहि प्वासोंनेरी मे गेलहुँ, तऽ ओतए देखलियैक जे एकटा बड़का हौज मे पानि भरल, आ ओहि मे विभिन्न प्रकारक जीबैत माछ पोसल। एकटा मझोलबा आकार के ट्राउट ऑर्डर कएल। ओजन करीब सात सौ ग्राम। एकर दाम मुदा सुपरमार्केट के दामक ठामहि दूना। ओतए 35 फ्रैंक मे एक किलो माछ भेटैत छल। एतए सत्तरि फ्रैंकक रेट छलैक। पैसा दऽ देला पर दोकानदार ओहि जीबैत माछ कें नीक जकाँ निका बना कए कुट्टी काटि कए दऽ देलक। खुशी खुशी घर एलहुँ आ पहिल बेर सुआदि कए माछ खेलहुँ।

तकर बाद तऽ ओ दोकान हमरा सबहक लेल रेगुलर भऽ गेल। सुपरमार्केटक बरफ बला माछ छुटिए गेल। जीबैत ट्राउट लाबी आ नीक जकाँ सुआदि कए खाइ।

ओहि दोकान मे अन्य जल जन्तु, जेना कि बड़का इचना, श्रिम्प, लॉब्सटर, घोंघा, सीप, आदि सेहो जीबैत भेटैत छलैक। फ्रेंच लोक जे ओहि प्वासोंनेरी मे जाथि से एहने जल जन्तु सब कीनथि। बाद मे जानल जे किछु जीबैत माछ रवि दिनक हाट मे सेहो भेटैत छलैक।

भोजन भातक एकटा आर अंग भेल माँस, जे सुपरमार्केटक अतिरिक्त एकटा अलग दोकान मे भेटैत छलैक, जकरा बूसेरी कहल जाइत छैक। बूसर भेल अंग्रेजीके बुचर आ बुसेरी भेल कसाइखाना अर्थात् माँसक दोकान। एतए सब तरहक माँस भेटैत। मुख्यतः बीफ आ पोर्क, मुदा चिकेन, टर्की, रैबिट, लैम्ब, आदि के माँस सेहो खूब भेटैत छलैक एहेन दोकान मे। स्थानीय लोक सुपरमार्केटक तुलना मे बेसी एहने दोकान सँ माँस कीनैत छलाह। मुदा हम सब एहि दोकान सँ परहेजे करैत रहलहुँ। कहियो काल चिकेन खेबाक होअए, तऽ कोनो सुपरमार्केटे सँ कीन ली।

ऑफिसक पार्टी

भोजन भातक स्टाइलक सम्बन्ध मे एकर चर्चा जरूरी अछि। ई भेल छल हमरा सबहक ऑफिसक सहकर्मी लोकनिक डिनर पार्टी, जे कि पहिल वैज्ञानिक प्रयोग सफलतापूर्वक सम्पन्न भऽ गेलाक अवसर पर आयोजित कएल गेल छलैक। करीब तीस गोटे गेल रही, जाहि मे अमेरिकन सहकर्मी सब सेहो रहथि। ओना एहि पार्टी मे लोक सपत्नीक सेहो गेल छल, मुदा हम एकसरे गेल रही, कारण एखन तक फ्रेंच भाषा नीक सँ बाजब आ बूझब सीखल नहि भेल छल आ दोसर समस्या छल बच्चा सब कें एकसरे छोड़बाक। पार्टी मे बच्चाक प्रवेश वर्जित छलैक।

अस्तु, पार्टी करीब आठ बजे शुरू भेलैक। हम सोचने रही जे कतबो देरी हेतैक तँ एगारह बजे तक तँ निश्चिते घूरि आएब। सएह बात श्रीमतीजी कें बुझा कए गेल रही। व्यवस्था भेल रहैक एकटा सीफूड रेस्तराँ मे। ओतए टेबुल पर बड़का बड़का परात मे विभिन्न प्रकारक सीफूड यथा घोंघा, डोका, छोटकी इचना, मझोलबा इचना, खुरचन आदि सँ लऽ कए पैघ श्रिंप, काँकोर आ लॉब्सटर पर्यन्त सजाओल। सब वस्तु देखबा मे एतेक जीवन्त, जे लागए एखने पानि सँ छानि कए आनल गेलैक अछि। सबटा मुदा भाफ मे सिधाओल आ कने मने भिनेगार मे डुबाओल छलैक। स्वाद हमरा सन अजनबी कें सेहो खूब नीक लागल। एकरा संग रेड आ ह्वाइट वाइन चलऽ लगलैक। लोक डोका, खुरचनक चखना खाए लागल आ वाइन पीबए लागल आ संगहि विभिन्न फदका मे सेहो लागि गेल। परातक सामान तँ खतम नहिए होइत छलैक, मात्र वाइन तोरक तोर परसल जा रहल छलैक।

समय कतेक बितलैक तकर ककरो चिन्ता नहि। मात्र हमहीं टा घड़ी देखी आ चिन्ता मे लागल रही जे कखन ई खेला समाप्त हेतैक आ घर जाएब। बगल मे बैसल एक गोटे सँ पुछबो केलियैक, मुदा ओ कोनो संतोषजनक उत्तर नहि देलक। एक मोन भेल जे होटल के टेलीफोन सँ श्रीमतीजी कें खबरि कऽ दिएन्हि जे लेट भऽ रहल छी, मुदा इतस्ततः मे सेहो नहि कएल। वाइन आ फदका शेष भइए नहि रहल छलैक। एगारह बाजि गेलैक, मुदा लगैक जेना पार्टी तँ एखन शुरुए भेलैक अछि। अन्त मे करीब बारह बजे राति मे बएरा आएल मुख्य भोजनक आर्डर लेबा लेल। सबहक आर्डर लऽ कए परसैत परसैत एक बाजि गेलैक। भोजनक उपरान्त फेर चललैक ब्रान्डीक दौड़। अन्त मे करीब तीन बजे राति मे हम सब घूरि कए डेरा अएलहुँ।

अमेरिका प्रवास मे सेहो कतेक रास पार्टी मे भाग लेने छलहुँ, मुदा ई अनुभव अभिनव छल।

फ्रेंच परिवार मे भोजन

एहने एकटा घटना अछि अपन एकटा सहकर्मीक घर मे भोजन करबाक। हम सब साँझ खन कने जल्दीए गेल रही। ओएह सहकर्मी महोदय स्वयं आबि कए अपना गाड़ी मे हमरा सब कें लऽ गेल छलाह। करीब घंटा डेढ़ेक तक हम सब कोल्ड ड्रिंक, वाइन आदि मे बिताओल आ परस्पर सामाजिक जीवनक चर्चा कएल। एतेक काल हमर दूनू बच्चा हुनकर दू सालक बच्चाक संग खेलाइत रहल। ठीक आठ बजे ओहि बच्चा कें सुता देल गेलैक। तकर बाद हमर बच्चा सब बोर होमए लागल।

अस्तु, बच्चा कें सुतेलाक बाद गृह स्वामिनी फ्री भेलीह आ हम सब भोजनक टेबुल पर बैसलहुँ। एतए एक एक टा सामग्री परसल जाए आ जखन हमरा सब खा ली तखन गृहस्वामिनी पूरा टेबुल कें साफ कऽ देथि आ तकर बाद फेर नवका प्लेट मे दोसर सामग्री आनल जाए। ओ सब हमरा सबहक लेल बहुत रास शाकाहारी व्यंजन बनौने छलथि, जाहि मे आलू, पालक, फूलकोबी आ चीज (जे कि पनीरक पितियौत अछि) आदिक विशेषता छलैक। किछु आइटम तँ ओ किताब देखि कए भारतीय व्यंजनक अनुरूप बनौने छलीह। एवं प्रकारें करीब दू घंटा तक भोजन होइत रहलैक। हुनका बूझल छलन्हि जे हम सब माछ बेसी पसिन्न करैत छी। से तकरो ओरिऔन केने छलथि। मुदा आश्चर्य हमरा तखन भेल, जखन पता लागल जे सबटा शाकाहारी व्यंजन शेष भऽ गेलाक उपरान्त हमर सहकर्मी अर्थात् गृहस्वामी महोदय स्वयं गेलाह माछ पकबै लेल। ताहि लेल विशेष रूप सँ लकड़ी कोयला आनल गेल छल। हम सब माछ कें पकैक प्रतीक्षा करैत रहलहुँ। हमर दूनू बच्चा तँ टेबुले पर सूति रहल। हम दूनू गोटे तँ जगबा लेल बाध्य छलहुँ। अस्तु, बलजोड़ी गप करबाक नाटक करैत रहलहुँ आ समय कटैत रहलहुँ, जावत माछ तैयार भेलैक। तकर बाद ओकरो भोजन भेल। मुदा खाली माछेटा। हँ, नेबो जरूर ओहो लोकनि नहि बिसरल छलाह। बूझि परल खटर कका पहिनहि हुनका सब कें समाद पठा देने छलखिन्ह। माछक संग नेबोक व्यवहार प्रायः सब सभ्यता मे चलैत एलैक अछि। ओहू दिन हम सब डेरा घूरल रही बारह बजेक बादे।

मद्य, मद्य आ मद्य

फ्रेंच सभ्यता मे मद्यक बिना भोजनक कल्पनो नहि कऽ सकैत छिऐक। मद्यक एक प्रकार 'वाइन' बनेबा मे फ्राँस विश्व प्रसिद्ध अछि। ओना वाइन आनो देश मे बनैत छैक, मुदा जहिना भारत मे माछ खेबाक ठीका बंगाली लोक लेने अछि, तहिना विश्व मे वाइनक एकाधिकार फ्राँसे कें छैक।

गैनिलक कैंटीन मे लंचक समय सेहो वाइन राखल रहैत छलैक। ई मुख्य भोजनक दाम मे शामिल नहि छलैक, मुदा बहुतो लोक अलग सँ वाइन लैते छलाह। हँ, एतए दोहरौनी तेहरौनी नहि करैत छलाह।

शैम्पेनक संग कंठी तोरलाक बाद अमेरिका प्रवास मे छोट छीन स्तर पर हम किछु कैलिफोर्निया वाइन सेहो चीख लेने रही। ईहो ट्रेनिंग भेटि गेल छल जे वाइन संग लोक चीज खाइत अछि। चीजक बहुत प्रकार सँ परिचय सेहो भऽ गेल छल आ ओकर स्वाद सेहो नीक लागल छल। बर्कले सँ विदा हेबाक समय सहकर्मी सबहक लेल वाइन चीज पार्टी देने छलियैक।

फ्राँस एला पर जखन कोनो अतिथि कें डेरा पर भोजनक लेल बजाबी तऽ किछु वाइन कीन ली। की कीनल जाए, ताहि लेल हुनके सबसँ विचार सेहो कऽ ली। एवम् प्रकारें ओतुका रेड वाइन, ह्वाइट वाइन, रूज, सेक (ड्राई) आ देमीसेक (हाफ ड्राई) आदि तरहक वाइन सँ परिचय भेल। ओना एतेक तऽ परिपक्व अनुभव बला नहि भेलहुँ जे नीक स्वाद वला वाइन चिन्ह जइतिऐक। मुदा सब फ्रेंच लोक कें देखियैक जे जखन वाइन बोतल खोलल जाइक, तखन पहिने गिलास मे एक घोंट ढारि कए ओकर स्वाद लऽ लैत। तखन ओकर प्रशंसा करए लगैत। ई विध भेलाक बादे सबहक गिलास मे वाइन परसल जाइक। मुदा आश्चर्य ई जे आइ तक ककरहु कोनो वाइन कें दूसैत अथवा रिजेक्ट करैत नहि देखलियैक।

घर मे जे वाइन कीनी से साधारणतः सस्ते रहैत छलैक। एतबा कीनी जे अथिति महोदय सम्पन्न कऽ देथि। हमर काज छल मात्र संग दैत रहबाक। शैम्पेन अथवा ओहि तरहक महग ड्रिंक कहियो नहि कीनल। अतिथि लोकनि स्वयं सलाह देथि जे फलाँ ड्रिंक एकर नीक नकल छैक सएह कीनू। शैम्पेनक एहने नकल छलैक जकरा 'मेथड शैम्पेन्वा' कहल जाइत छलैक। ई एक प्रकारक स्पार्कलिंग ह्वाइट वाइन छलैक। जतए एकर एक बोतल 30–40 फ्रैंक मे भेटि जाइत छल, ओतए केहनो शैम्पेन 200 फ्रैंक सँ कम मे नहि भेटैत। नीक शैम्पेन तऽ कतबो महग भऽ सकैत छलैक।

एक बेर स्ट्रासबुर्ग गेलहुँ एकटा कन्फरेंस मे भाग लेबा लेल। ओतए हमरा सब कें वाइनरीक टूर कराओल गेल। एहि टूर मे वाइन बनेबाक विभिन्न प्रक्रियाक जानकारी देल गेल। ओतए देखलियैक उनैसम शताब्दीक किछु वाइन बोतल राखल। करीब डेढ़ सौ साल पुरान वाइन। एकर एक एक बोतल के दाम छलैक चारि पाँच हजार फ्रैंक। आ नवका वाइन भेटैत

छल दश बीस फ्रैंक मे। पुरान चाउर तऽ मिथिलाक रीति मे पथ होइत छैक, मुदा एतेक महग पुरान वाइन, तकर कल्पनो नहि छल।

जखन हम सब किनको डेरा जाइ तखन विभिन्न प्रकारक आपेरितिफ (एपेटाइजर) चीखी। चिखबे कहबैक, कारण एक बेर देलाक बाद हम कहियो कोनो मद्य दोहरा कें नहि लेलहुँ।

फकरा छैक "एक तऽ करैला दोसर नीम चढ़ाओल"। हमरा बूझल नहि अछि जे कियो एहेन बुधियार भेल हेताह जे नीम मिलाएल करेलाक स्वाद चिखने हेताह। तखन सबसँ बेसी तीत ककरा कहब ? चिरैता? गुरीच? एकर फैसला व्यक्तिगत छैक।

मुदा कालवादोस नामक एकटा पेय एहि सब कें पछारि देत। यदि अपने कालवादोस चिखलाक बाद चिरैता पीब तऽ लागत जे शरबत पीबि रहल छी। ई पेय नॉरमैन्डी इलाका, जतए हम काज करैत छलहुँ, के अपन विशेषता थिकैक।

कालवादोस एक प्रकारक एपेटाइजर अर्थात् क्षुधा जगौनिहार पेय थिकैक। एहि मे अल्कोहल के मात्रा 40 प्रतिशत होइत छैक, मुदा एकरा लोक 'नीट' पिबैत अछि, अर्थात एकरा जल मिला कए पातर नहि कएल जाइत छैक। एकरा पीलाक बाद क्षुधा कतेक जगैत छैक से तऽ हम नहि बूझि सकलहुँ, मुदा एतेक जरूर बूझि गेलहुँ जे कतेक तीत ड्रिंक भऽ सकैत छैक।

मारटिनी सेहो एकटा आपेरितिफ होइत छैक।

शेरी एक प्रकारक शर्बत जकाँ पेय छलैक, जे हमर श्रीमतीजी खूब सुआदि कए पीबैत छलीह।

विभिन्न प्रकारक वाइनक कतेक वर्णन कएल जाए। फ्राँस मे सब क्षेत्रक अपन अपन विशेष वाइन। सब मे ह्वाइट आ रेड दूनू प्रकारक पेय। बोर्दो, सावॉय, बुरगुन्डी, बोजोले, रोन्ह, प्रोवाँस आदि अनेक नाम अछि विभिन्न क्षेत्रक, जकर अपन अपन विशेष वाइन होइत छैक। बोर्दो एहि सब मे बेसी मशहूर अछि। शैम्पेन नामक गाम एही इलाका मे छैक।

हार्ड लिकर, जेना स्कॉच ह्विस्की आदि, लोक कम पीबैत अछि। फ्राँस मे एक प्रकारें एकरा अछूते मानल जाइत छैक। ओहुना फ्रेंच सभ्यता कें श्रेष्ठ बतबैक लेल ई जरूरी जे अंग्रेज सबहक रीति रिवाज कें उपेक्षा कएल जाए। ह्विस्की आ वाइन मे एकटा महत्वपूर्ण अन्तर छैक। लोक ह्विस्की आदिक बोतल सँ किछु खर्च भऽ गेला पर ओकरा बन्द कऽ कए राखि दैत अछि दोसर दिनक लेल। अपने एकटा ह्विस्की बोतल मास दिन मे कि बरख दिन मे सधा सकैत छी, मुदा वाइनक बोतल कें खोलला पर सधा देनहि नीक।

एक बेर हम गैनिलक निदेशक मोशिए देत्राज कें घर आमंत्रित कएल। हुनक पत्नी रूसी छलखिन्ह। भोजन साजन तऽ जे भेल से भेबे कएल, ओ हमरा खूजल वाइन बोतल मे बाँचल वाइन कें ठीक रखबाक एकटा टोना बतौलन्हि। यदि वाइन बोतल मे स्टीलक चम्मच राखि दियैक, तऽ बचल वाइन खराप नहि होएत। हमरा लागल जे ओ मजाक केलन्हि, कारण एहि टोनाक पुष्टि अन्य कियो नहि केलन्हि। दोसर बात जे हमरा एहेन कोनो अवसरो कहियो नहि भेटल जे एकर जाँच करियैक। जहिया कोनो वाइन बोतल कीनल गेल, अतिथि लोकनि ओकरा सधाइए कए गेलाह।

मद्य चीखल कतेको प्रकारक, मुदा जेहेन 'पियक्कर' बर्कले मे भेलहुँ तेहेन तऽ फेर नहिएँ भऽ सकलहुँ। भारत मे रहैत एहि वस्तु सब पर कहियो एको छदाम खर्च नहि कएल।

फ्राँसक ग्राम्य जीवन

अर्वाचीन ग्राम्य समाज

सभ्यताक विकास मे ग्राम्य जीवन सब ठाम महत्त्वपूर्ण रहलैक अछि। प्राचीन काल मे मनुष्यक सामाजिक इकाई गामे छलैक जतए दश बीस सँ लऽ कए सौ पचास परिवार रहैत छलैक। शहर अथवा नगरक संख्या नगण्ये छलैक आ सेहो राजधानी तक सीमित, जेना कि प्राचीन पाटलिपुत्र, हस्तिनापुर आदि। यूरोपक देश सब मे सेहो तेहने स्थिति छलैक, मुदा औद्योगिक क्रांतिक बाद एतए शहरक विकास अपेक्षाकृत किछु पहिनहि भेलैक। तैयो एखनहु तक कतेको देश मे ग्राम्य जीवन प्रमुख छैक। ताही श्रेणी मे यूरोप मे फ्राँस सेहो अछि।

फ्राँसक एहि प्रवास मे एतुका ग्राम्य जीवन, अथवा उचित कही जे अर्वाचीन ग्राम्य जीवन, कें नजदीक सँ देखबाक अवसर हमरा सब कें भेटल।

फ्राँसक प्रत्येक गाम मे एकटा मेयर होइते छथि। ई भेलाह अपना गामक मुखिया जकाँ। हरेक गाम मे, से छोट होउक वा पैघ, मेयर लेल एकटा कार्यालय रहैत छैक जकरा मेयरी कहल जाइत छैक। एकर अतिरिक्त एकटा "ओतल द'विल"

(hotel de ville) सेहो रहितहि छैक, जे भेल मेयरक निवास। ई घर गामक अन्य घरक अपेक्षा बेसी सुन्दर रहैत छैक। ई ओतल द'विल सब पैघ शहरो मे भेटत आ छोट सँ छोट गामो मे। पेरिस मे ई मकान एकटा दर्शनीय स्थल छैक। अपना सबहक गामक तुलना मे ई एकटा पैघ अन्तर भेल।

हमर गाम, अर्थात् ईरोविल सॉं क्ले, किछु अर्वाचीन गाम छल। एतए निजी बँगलानुमा घर सबहक अतिरिक्त फ्लैट सिस्टम बला चारि पाँच तल्लाक मकान सेहो छलैक। हमर आवास एहने मकान मे छल। गाम मे एकटा कम्यूनिटी सेन्टर छलैक, जतए एकटा पैघ हॉल सेहो छलैक। लगे मे एकटा नीक पुस्तकालय सेहो छलैक जाहि मे मुख्यतः फ्रेंच भाषाक पोथी सब छलैक, मुदा हमरा काज चलाबऽ जोगर अंग्रेजीक पोथी सब सेहो छलैक। ग्राम्यवासी कियो एकर सदस्य भऽ सकैत छलाह आ पुस्तक पढ़बाक लेल घरो लऽ जा सकैत छलाह।

अर्वाचीन गामक रूपरेखा भेल जे एतए फ्रेंच सँ इतर अनेक देश आ समुदायक लोक रहैत छलाह। हमरा गाम मे इटली, स्पेन, पोर्तुगाल, तुर्की, साइप्रस आ अनेको अफ्रीकी तथा एशियाई देशक लोक रहैत छलाह। उत्तर अफ्रीकी देश, जेना कि अल्जीरिया, मोरक्को, सेनेगाल, आदि जे कि फ्राँसक उपनिवेश छल, ताहि देशक लोक बेसी संख्या मे छलाह। पूर्व एशियाक लोक मे कम्बोदियाक लोकक संख्या खूब बेसी, जे मुख्यतः ओतए शरणार्थी छलाह। पोल पॉटक नरसंहार सँ बचबाक लेल लोक अपन देश छोड़ि फ्राँस आएल छल। अरब देश मे सीरियाई लोक सेहो छलाह। सबहक अपन एकटा रजिस्टर्ड संस्था छलैक।

हाट बजार

गाम मे रवि दिन कें हाट लगैत छलैक, भोर मे आठ सँ बारह बजे धरि। एकर तुलना अपना गामक हाट सँ कऽ सकैत छी। रवि कें सबटा बड़का दोकान आ सुपरमार्केट बन्द रहैत छलैक, तें लेट लतीफ लोकक लेल एकर बड़ उपयोगिता। किछु लोक एहनो जे सुपरमार्केटक तरकारी आ माछ नहिए कीनथि आ नियमतः रवि दिनक प्रतीक्षा करथि ई वस्तु सब कीनबाक लेल। एहेन लोक सबकें बरफ पर राखल माछ एकदम पसिन्न नहि छलन्हि। आब तँ मिथिलाक गामे गाम बरफे बला माछ बिका रहल अछि आ लोक किनबा लेल मजबूर अछि। टटका माछ तँ सबटा पड़ा गेल आन्ध्रप्रदेश।

हाट पर टटका फल आ तरकारी, जे किसान लोकनि अपना बाड़ी मे उपजबैत छलाह, बिकाइत छल। सबटा चीज धोल पोछल। विविध प्रकारक ब्रेड सँ लऽ कए माछ, मासु पर्यन्त सबटाक पथार लागल। सुपरमार्केटक तुलना मे किछु बेसी महग, मुदा ताजा वस्तुक शौकीन लोकक लेल ई दामक अन्तर कोनो महत्व नहि रखैत छलैक। हाट पर शोर मिथिलाक गामक हाट सँ बहुत कम, मुदा तकर कारण कम जनसंख्या आ फ्रेंच लोकक कम जोर सँ बजबाक हिस्सक। मोल मोलाइ सेहो होइते छलैक। खास कऽ कए बीतैत पहर मे गेला सँ आ डटि कए मोलाइ केला सँ सस्त चीज भेटब सम्भव। एक बेर हम तीनटा खरबूज मात्र पाँच फ्रैंक मे कीनने रही जकर मूल्य सुपरमार्केट मे 30 फ्रैंक छलैक।

सुपरमार्केटक अतिरिक्त कतहु कतहु छोट छीन दोकान सेहो छलैक। एहि तरहक दोकान साधारणतः रवि दिन कें भोर मे बारह एक बजे तक खूजल रहैत छलैक। बूलेंजेरी, बूसेरी आदि तऽ निश्चिते रविक भोर मे खूजल रहैत छलैक। रविक दुपहरिया सबटा बन्द, सबहक छुट्टी।

बाद मे जखन जेनेवा जाए आबए लगलहुँ तखन एहि हाट बजारक आरो विकसित रूप देखबा मे आएल। जेनेवा इलाका फ्रेंच भाषा भाषी आ सभ्यता बला अछि। एहि शहरक आसपास जतेक गाम छल, सबमे हाट लगैत, मुदा कोनो ठाम रवि कें तऽ अन्यत्र कतहु शनिए दिन कें। फर्नी वोल्टायर मे, जे फ्राँसक एकटा गाम अछि स्विटजरलैंडक सीमा पर, शनि दिन लागऽ बला हाट तऽ विशेष नामी छलैक। हाटक दिन गामक पूरा बिचला इलाका मे ट्रैफिक बन्द रहैत छलैक। ओतए मात्र खेबा पीबाक वस्तुएटा नहि, अपितु, कपड़ा लत्ता आ अन्य अनेक जरूरी सामान हाट पर भेटैत छलैक।

जेनेवा शहर मे सेहो शनि दिन कें कएक ठाम हाट लगैत छलैक। ओतुका प्लैंपालै नामक मैदान मे तऽ बहुत पैघ हाट लगैत छलैक। एतए तरकारी आदि तऽ नहि बिकाइत छलैक, मुदा पुरान घरेलू आ एंटीक वस्तु सबहक खूब बिक्री। पुरान किताब, कैसैट आदि सँ लऽ कए टेबुल, कुर्सी, घड़ी, पुरान कपड़ा पर्यन्त बिकाइत।

प्राचीन ग्रामीण समाज

ई सब तँ भेल आधुनिक गामक चर्चा। आब किछु सूनि लिअऽ पुरान गामक चर्चा। गाम मे भोजक परम्परा मिथिलाक परम्परा सँ बेसी विस्तृत। विवाह आ श्राद्ध आदि अवसर पर गामक लोक कें भोजक लेल निमंत्रण भेटैत छलन्हि। ई भोज एकाध घंटा नहि, प्रायः भरि राति चलैत छलैक। लोक बेस भोजन भट्ट होइत छल आ खेबा पीबा मे विशेष रुचि लैत छल। भोज मे किछु सामग्री खा लेलाक बाद लोक उठि कए टहलए चलि जाइत छल, जे मोन हल्लुक भऽ जेतैक आ पाचन क्रिया सेहो बढ़ि जेतैक। एकाध घंटाक बाद फेर दोसर तोर चलैत छलैक, जाहि मे बाकी सामग्री परसल जाइत छलैक। एवं प्रकारें भोज समाप्त होइत होइत प्रात भऽ जाइत छलैक।

एक बेर हमर डेराक पड़ोसी महोदय लऽ गेला पुरान गाम सब घुमाबए, जे शहर सब सँ दूर छलैक। एतए किछु पुरान घरक वास्तुकला देखल जे कि एहि नॉरमैन्डी क्षेत्रक विशेषता छलैक। माटिक भीत वला घर, मुदा भीत मे सुन्दर रूपें काठक उपयोग। काठक पट्टी सब विभिन्न आकृति मे बनाओल आ देबाल मे साटल। एहेन घरक किछु फोटो एहि पुस्तक मे देल अछि। किछु नव घर मे माटिक प्रयोग नहि, मुदा सीमेंटक देबाल सब मे काठक पट्टीक सजावटि ओहिना। एक तरहक भित्ति चित्र सेहो देबाल सभ मे बनाओल। दूर सँ देखला पर बुझाइत मिथिलाक गामक कोनो प्राचीन दृश्य देखि रहल छी।

एहि पुरान गामक दूटा बात हमरा बेसी आकर्षित केलक। एतए कपड़ा साफ करबाक सार्वजनिक व्यवस्था। गाम मे एक ठाम करीब पन्द्रह बीस फुट नाम आ दू फुट चाकर एकटा नादि जकाँ बनाओल, जकर दूनू कात सिमेंटक नीक चबूतरा सेहो बनल। ओहि मे पानि बहैत। हमरा बताओल गेल जे प्राचीन समय मे एहेन जगह मे गामक महिला लोकनि आबि कए कपड़ा धोइत छलीह। एहि व्यवस्थाक तुलना अपना गामक इनार, पोखरि पर महिला सबहक सामूहिक व्यवहार सँ कऽ सकैत छी।

एखन एकर व्यवहार आब नहि होइत छलैक। तैयो ग्रामीण लोकनि एकरा नीक जकाँ सजा कए रखने छलाह। एकरा उपर एकटा छज्जी बना देल गेल छलैक आ ओकरा उपर आ छत सँ लटकैत बहुत रास फूलफाल लागल।

दोसर बात छल चर्चक व्यवस्था। फ्राँस कैथोलिक धर्माबलम्बी समाज रहलैक अछि। एतए खूब उँचगर चर्च सब ठाम भेटल। यदि एकर तुलना हम मिथिलाक गाम सब सँ करी तँ अन्तर स्पष्ट भऽ जाएत। मिथिला मे सब गाम मे मन्दिर भेटबो नहि करत (डिहवार स्थानक बात छोड़ि) आ जतए कतहु छैको से स्थापत्यक दृष्टिएँ बहुत नामी नहि कहल जा सकैछ। एकर विपरीत फ्राँस मे दूर दराजक गामो मे 100–150 फुट सँ बेसी उँचगर गुम्बज वला चर्च देखब साधारण बात आ सेहो पाँच छऽ सौ साल सँ बेसी पुरान। संगहिं ओकर वास्तुकला सेहो प्रशंसनीय। आ एतेक पुरान वस्तुक रखरखाव से सुन्दर। गाम जरूर बदलि गेलैक अछि, मुदा चर्च सब अपन पूर्ण गौरवक संग ठाढ़ अछिए। आब एहेन गामक पुरान घर सब भाड़ा पर भेटैत छैक, जतए शहरी लोक शान्तिपूर्ण वातावरण मे छुट्टी बितबए जाइत अछि।

इंडियन एसोसिएशन

जन्म

पहिल भेंट मे शबीर मनोहा जी एकटा इंडियन एसोसिएशन बनेबाक चर्चा केने छलाह। दूर देश मे एहन एकटा संस्था बनि गेला सँ हमरा सब कें ऑफिसक अतिरिक्त किछु काज भऽ जइतए, जाहि सँ परिवार कें सेहो कने मोन लागल रहितैक। शबीर ओहि गामक पुरान वासी छलाह आ इलाका मे जे कियो भारतीय मूलक व्यक्ति छलखिन्ह तिनकर जानकारी रखैत छलाह। हुनके प्रयासें एसोसिएशन बनि सकल।

एहि मे सदस्यक न्यूनतम संख्या आठ छलैक। हम सब कहुना आठ गोटे भऽ गेलहुँ। एहि मे हम दूनू पति पत्नी आ जोसेफ, ई तीन गोटे सुच्चा भारतीय नागरिक रही भारतीय पासपोर्ट बला। चारिम शबीर अपनहि भेलाह। एकटा गिरीश नामक व्यक्ति, जे केरल के माहे नामक फ्रेंच कालोनी सँ सम्बन्धित छलाह, आ काँ मे एकटा हायर सेकन्डरी स्कूल (एकरा फ्रेंच मे लिसे कहल जाइत छैक) मे अंग्रेजीक अध्यापक छलाह। छठम भेलीह लीना, जे तमिल मूल के छलीह आ जिनकर पूर्वज मॉरिशस मे बसि गेल छलखिन्ह। लीना स्वयं एकटा फ्रेंच सज्जन सँ विवाह कऽ कए हमरा गाम मे रहैत छलीह। एकर अतिरिक्त दूटा विद्यार्थी छलाह, जे पांडिचेरी सँ सम्बन्धित छलाह। हुनक कोनो पूवर्ज फ्रेंच मिलिटरी मे छलखिन्ह आ ई सब एतुका नागरिक भऽ गेल छलाह।

एहि आठ गोटे सँ प्रस्ताव पास करा कए शबीर एसोसिएशन कें विधिवत रजिस्ट्रेशन करौलन्हि। शबीर कें अध्यक्ष बनाओल गेल। एकर सूचना ओ पेरिस के भारतीय दूतावास कें सेहो दऽ देलखिन्ह।

शोक संदेश

31 अक्टूबर 1984 कें सबेरे प्रधान मंत्री इंदिरा गांधीक हत्या भऽ गेलन्हि। तुरत्ते ई समाचार विश्व के सब टीवी चैनल मे प्रसारित होमए लगलैक। ताहि समय हमरा घर मे टीवी नहि छल। यूरोपीय समय साढ़े चारि घंटा पाछू रहला सँ ओतए तऽ सकाल मे जे लोक टीवी खोललक से ई समाचार देखलक। हम जखन नौ बजे ऑफिस पहुँचलहुँ, तऽ सब सहकर्मी सब हमरा ई समाचार सुनाबए लगलाह। बहुत दुखक समाचार छल ई।

हमरा सबहक एसोसिएशन बनि तऽ गेल छल, मुदा एखन तक ने कोनो बैसार भेल छलैक आ ने कोनो कार्यक्रम। ओही दिन साँझ मे जोसेफ आ शबीर हमरा डेरा एलाह आ प्रस्ताव देलन्हि जे हम सब शोक सन्देश पठाबी। एकरा लेल एकटा

रजिस्टर मे प्रस्ताव लिख कए सब सदस्य दस्तखत कऽ देथि आ रजिस्टर पेरिस के भारतीय दूतावास मे पठा देल जेतैक। इएह नियम छलैक, कारण हम सब सीधे इंदिरा गांधीक परिवार तक तऽ पहुँचि नहि सकैत छलहुँ।

एहि प्रोग्रामक लेल मेयरीक सहयोग सँ एकटा छोट हॉल मे जगह लेल गेल। सदस्य लोकनिक अतिरिक्त शबीर अपन सम्पर्कक किछु फ्रेंच लोक कें सेहो बजा लेलन्हि। इंदिरा गांधीक फोटोक जोगार कएल गेल।

हम सब एकटा छोट शोक सभा कएल। दिवंगत आत्माक शान्ति के लेल प्रार्थना कएल। प्रथाक अनुसार मौन राखल गेल। तकर बाद शोक प्रस्ताव एकटा रजिस्टर मे लीखल गेल आ सब उपस्थित लोक ओहि मे दस्तखत केलन्हि। ई रजिस्टर शबीर कें दऽ देल गेल जे ओकरा पेरिस मे भारतीय दूतावास पठा देथु।

आब एकरा अपसकुन बूझी अथवा नीक काज। हमरा सबहक संस्थाक कार्यारम्भ भेल एही शोक सभा सँ। मुदा बादक घटनाक्रम कें देखैत हम तऽ इएह कहब जे ठीके ठाक रहल। गाम मे तऽ नाम कमेबे केलक ई संस्था। हमरा सबहक समय नीक जकाँ बीत गेल। मोन लागल एतए रहब। कतेक लोक सँ परिचयो भेल। आर की चाही ?

गणतंत्र दिवस

इंदिरा गाँधीक मृत्यु पर शोक सभाक आयोजन हड़बड़िये मे भेल छल। एकरा बाद पहिल नियमित कार्यक्रम भेल छब्बीस जनवरी 1985 कें गणतंत्र दिवस समारोह मनाएब। एहि लेल पहिनहि सँ तैयारी कऽ लेल गेल। पेरिस के अपन दूतावास सँ एकटा तिरंगा झंडा सेहो मँगा लेल गेल आ लोकल टीवी चैनल कें सेहो खबरि कऽ देल गेल। ओहो सब हमरा सबहक गणतंत्र दिवस समारोह कें देखबा लेल उत्सुक छलाहे।

ईहो एकटा नीक संयोग जे दिन भऽ गेलैक शनि, जाहि सँ सबकें छुट्टी भेटि गेलैक आ सब गोटे बिना कोनो काजक व्यवधान के उपस्थित भऽ सकलहुँ। एतबे नहि, शबीर अपना परिचयक अनेक भारत प्रेमी फ्रेंच लोक कें सेहो आमंत्रित केलन्हि। मुख्य अतिथि के रूप मे हम सब बजाओल भारतीय तमिल मूलक एकटा व्यक्ति कें, जे काँ मे जिला जज के समकक्ष कोनो पद पर रहि चुकल छलाह। ओना तऽ ओ हमरा गामक आसपास नहि रहैत छलाह आ ने संस्थाक सदस्य छलाह, मुदा एहि कार्यक्रम के लेल आमंत्रण भेटला पर अबैक लेल तैयार भऽ गेलाह।

जनवरी मास, खूब ठंढा पड़ैत। हम सब कार्यक्रम शुरू कएल करीब दश बजे। करीब पचासेक लोक जमा भऽ गेल। झंडा फहराओल गेल आ राष्ट्रगाण सेहो भेल। सब उपस्थित लोक एकदम अनुशासित ढंग सँ कार्यक्रम मे भाग लेलन्हि। तकर बाद शबीर लगलाह फ्रेंच मे भाषण देबए। से बेस पैघ भऽ गेल। तावत हमसब फ्रेंच बूझऽ तऽ लागल छलियैक, मुदा धाराप्रवाह भाषण बूझब तऽ एखनो कठिनाहे छल। शबीर करीब पैंतालीस मिनट तक बजैत रहलाह। ओ इंदिरा गाँधीक मृत्यु लऽ कए बहुत भावुक भऽ गेलाह आ हुनकर भाषण चलैत रहल। पहिनहि कहि चुकल छी, ओ नेता टाइप व्यक्ति छलाह।

हमर दूनू बच्चा तऽ खूब बोर भऽ गेल। कने हटि कए मधुलिका ठाढ़ छलीह, एकदम उदास आ विरक्त भेल। टीवी रिपोर्टर कें ई बात बुझबा मे आबि गेलैक। ओ चुपचाप हुनका लग चल गेल आ कहलकन्हि कोनो गीत गाबए। ओ एकाएक एहि प्रस्ताव पर कने थमकि गेलीह, मुदा तुरत्ते बाल सुलभ उत्सुकता सँ गाबए लगलीह "सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोसताँ हमारा" बला गीत। ई गीत कलकत्ता मे हुनका स्कूल मे बेसी गाओल जाइत छलैक आ हुनका कंठस्थे छलन्हि। एतबा तक हम सब किछु नहि बुझलियैक। जखन गीत उठलैक तखन सबहक नजरि ओम्हरे घूमि गेलैक। मुदा ओ बिना धखेने गबैत रहलीह।

ई दृश्य टीवी रिपोर्टर कैमरा मे भरि लेलक। हमरा सबहक आश्चर्यक ठेकान नहि रहल जखन साँझ कें सात बजे के आँचलिक समाचार मे भारतीय एसोसिएशनक गणतंत्र दिवस प्रोग्रामक झाँकीक संग मधुलिकाक समूचा गीत प्रसारित भऽ गेल। हम सब बहुत खुशी भेलहुँ जे मधुलिका विदेशक ओहि छोट गाम मे देशक नाम ऊँच केलन्हि।

कार्निवाल

गामक दिस सँ जे कोनो कार्यक्रम कएल जाइक, सब मे हमरा सब कें भाग लेबाक निमंत्रण भेटैत छल। कार्निवाल (carnival) पहिल एहेन कार्यक्रम छल जाहि मे हमरा सब कें पूरा गामक संग भाग लेबाक छल। ई उत्सव साधारणतः फरवरी मार्चक आसपास मनाओल जाइत छैक। ई पूर्व मे क्रिश्चियन धर्मक एकटा पावनि जकाँ छलैक आ ईस्टर सँ चालीस दिन पहिने मनाओल जाइत छलैक। आब धार्मिक पावनिक भावना प्रायः नष्टे भऽ गेलैक अछि आ ई मात्र स्ट्रीट शो बनि कए रहि गेल अछि, जाहि मे लोक मस्ती मनबैत अछि।

हम सब खूब उत्साह सँ भाग लेल। एहि मे सब लोक अपन अपन सभ्यताक किछु झाँकी प्रस्तुत केलन्हि। हम सब विचारल जे रावणक पुतला बनाओल जाए। एकर इंतजाम हमरे घर मे भेल। उपरका तल्ला मे पैघ खाली जगह छलैक।

सामानक जोगार मेयरीक सहयोग सँ शबीर केलन्हि। पारिश्रमिक सहयोग मे मधुलिका आ जोसेफक योगदान मुख्य रहल। शबीर सेहो गाइड केलखिन्ह। करीब दश फुटक पुतला तैयार भऽ गेल। ओकरा बड़ इन्तजाम सँ नीचा उतारल गेल।

सब गोटे जुलूसक संग अपन पुतला लेने गामक हरेक गली मे घुमलहुँ। दशटा मुँह बला ई पुतला सबहक लेल आकर्षणक वस्तु भऽ गेलैक। कार्निवालक अन्त मे रावण कें जरा देल गेल।

सामूहिक उत्सव

गामक सामूहिक आयोजनक सबसँ महत्त्वपूर्ण घटना भेलैक एकटा मेला, जे हमरा लेल अविस्मरणीय रहत। ई मेला मई मास मे लगाओल गेलैक। एकर समय छलैक वसंत ऋतुक यौवनावस्था।

एहि लेल मेयरी सँ हमरा सब कें निमंत्रण भेटल जे फलाँ दिन गामक बाहर किला अर्थात् सातो (chateau) मे सम्मिलन हेतैक, जाहि मे हमरा सब अपन अपन रुचिक अनुसार किछु व्यंजन, पकवान आदि बना कए लऽ जाइ, जे कि आन लोक सब चिखतैक। ई व्यंजन अपन सभ्यताक रूपक होएत। व्यंजन बनेबा मे जतेक जे वस्तु लागत से मेयरी सँ भेटत, मात्र परिश्रम अपन। हम सब खूब बेसी मात्रा मे पकौड़ी आ निमकी बनेबाक विचार कएल। एकरा लेल बेसन, मैदा, तेल, नून, प्याज आदि के लिस्ट बनाकए मेयरी कें पठा देल गेल। शबीरक विचार भेलन्हि जे एकटा मिठाई सेहो बनाओल जाए। एकर कलाकार मुदा कियो नहि भेटलाह। शबीर अपनहि सँ किछु फालूदा बनौलन्हि। ओ ई लूड़ि अपन गुजराती परिवारक संग मुम्बई प्रवास मे सिखने रहथि। पकौड़ी आ निमकी तँ सातोक भीतरे किचेन मे बनेबाक छलैक, जे गरम गरम बेचल जइतैक। एहने योजना आनो समाजक लोक सब कएने छल।

सातो हमरा सबहक डेरा सँ करीब चारि पाँच किलोमीटर दूर छलैक। सब गोटे गाड़ी सँ एकटा जुलूसक अंग बनि कए ओतए प्रायः एगारह बजे पहुँचलहुँ। किचेन एकटा बड़का हॉल छल। सब समाजक लेल जगह निश्चित कएल आ सबटा इन्तजाम सेहो। हम सब गैसक चुलहाक इन्तजाम करबौने रही, मुदा आन समुदायक लोक बिजलीक हॉट प्लेट व्यवहार केलक। सातोक विशाल प्रांगण मे एकदम मेला सदृश दृश्य। सब समाजक लेल एकटा पैघ स्टॉल बनाओल आ ओतए समुचित साइन बोर्ड सेहो लगाओल। स्टॉलक बनाबट बूझू गामक दशमीक मेला मे हलुआइ के दोकान जकाँ। किचेन मे दूनू महिलाक संग एकटा विद्यार्थी कें सेहो राखि देल। शुरू मे शबीर आ जोसेफ सेहो मददि केलखिन्ह। बाकी लोक दोकान सजबए लगलहुँ। विद्यार्थीक काज छलन्हि जेना जेना पकौड़ी, निमकी बनैत जाइक, ओ दोकान पर पहुँचाबथि। आन आन समुदायक लोक सब सेहो एही प्रकारें किछु किचेन धेलक आ किछु दोकान सम्हरालक।

प्रत्येक समुदाय कें आपसी लेन देनक लेल 200 फ्रैंकक कूपन देल गेल। ई नगदी नहि, मात्र कूपन छलैक आ एकर व्यवहार मात्र ओहि मेला परिवेश मे कएल जा सकैत छलैक। एहि कूपन सँ हम सब आन आन दोकान जा कए अन्य समुदायक पकवान आदि चीख सकैत छलहुँ। एहि लेल सब समुदाय अपना हिसाबें चीज वस्तुक दाम सेहो रखने छल। विदेशी समुदाय कें छोड़ि फ्रेंच लोक मात्र नगदी फ्रैंक दऽ चीज वस्तु कए कीन सकैत छलाह। हमरो सबकें कूपन शेष भऽ गेला पर नगदी फ्रैंक दैए कए चीज वस्तु कीनबाक छल। हमरा सबहक पकौड़ी आ निमकी तँ छुहुक्का उड़ि गेल। करीब 500 फ्रैंक नगदो कमेलहुँ। मुदा फालुदाक बिक्री ओतेक बेसी नहि भेल। बिक्री सँ प्राप्त कूपन हम सब अन्य अन्य दोकान पर जा कए खर्च कएल। खेबा पीबा मे बेसी तँ बीफ आ पोर्कक प्रधानता छलैक, तें हमरा संगठन मे मात्र किछुए गोटे एकर व्यवहार कऽ सकलाह। सब समुदाय टटके चीज नहि बेचि रहल छल। इटालियन लोकनि तँ घर मे बनाओल इटालियन वाइनक बोतल सजा देलखिन्ह आ ओकर खूब बिक्रीयो भेलैक।

हम एक बेर किचेन गेलहुँ तँ देखल जे एकटा अफ्रिकन महिला पाकल केरा कें तेल मे तरि रहल छलीह। एहि लेल छोटका केराक व्यवहार कएल जाइत छलैक। खोंइचा छोड़ा कए कने बेसन के घोल मे डुबा कए टहकैत गरम तेल मे खसा देल जाइत छलैक। आ जखने बेसन तरा गेलैक, ओकरा बहार कऽ लेल जाइत छलैक। हमरा सबहक लेल ई अजगुत छल। किचेन मे काज करैत काल श्रीमतीजी एकर स्वाद चीख लेने छलीह। ओहि महिला सँ माँगि कए एकटा तरुआ हमरो देलन्हि। पहिल बेरक अनुभव छल। स्वाद मे अनुपम तँ नहि कहबैक, मुदा एतेक नीक तँ छलैके जे कंठक तर आराम सँ चल गेल। हँ, एहि लेल कूपन खर्च करबाक कोनो प्रयोजन नहि बुझाएल।

मेला मे कतेक समुदायक लोक नाच गान सेहो केलन्हि। जगह जगह देखनिहारक दल बनि गेल। साँझ भेला पर मेला समाप्त भेल आ सब गोटे घूरि एलहुँ।

एहेन मेलाक आयोजन हमरा लेल एकदम नव अनुभव छल। कतेक नीक तरहें एक दोसरा सँ सौहार्द बढ़बैक लेल मेयरीक ई आयोजन भेल छलैक जे ओ लोकनि बधाई के पात्र छलाह। पूरा मेला मे करीब पाँच सौ लोक छल, मुदा कतहु कोनो तरहक गड़बड़ी आ कि हो हल्ला नहि भेलैक। सब किछु एकदम अनुशासित ढंग सँ सम्पन्न भेल।

मेयरी मे विभिन्न प्रोग्राम

रजिस्टर्ड संस्था भऽ गेला सँ हमरा सब कें सांस्कृतिक कार्यक्रमक लेल प्रोत्साहन भेटए लागल। कम्यूनिटी हॉल बुक करबा मे सहूलियत सेहो होइत छल आ भाड़ा मे छूट सेहो। हमरा सबहक पहिल सांस्कृतिक कार्यक्रम भेल छल श्रीमती इंदिरा गाँधीक मृत्युक पश्चात शोक सभा। तकर किछु दिनक बाद हम सब दूटा सिनेमा देखेबाक प्रोग्राम कएल। पेरिसक अपन दूतावासक सहयोग सँ सत्यजित रेक अमर कृति 'पथेर पांचाली' आ गुरुदत्तक 'प्यासा' सिनेमाक फ्रेंच सबटाइटिल वला प्रिंट मँगाओल। मेयरीक सहयोग सँ हम सब एहि आयोजनक नीक प्रचार कएल। खूब टिकट बिकाएल। महिला सदस्यगण मीलि कए पापर छनलन्हि आ कने पोलाव से बनौलन्हि। इंटरवलक समय पापर आ पोलाव बेचलहुँ। पापरक माँग अप्रत्याशित भेलैक। सप्लाई नहि कऽ सकलियैक। पोलाव सेहो निंहटि गेल। संस्था कें सब खर्च काटि कए नीक आमदनी भेलैक।

एहिना फेर हम सब एक बेर भरत नाट्यम डांसक प्रोग्राम राखल। काँ शहर मे एकटा महिला छलीह नेल्ली बुशार्दो, जे मद्रास मे चारि साल रहि कए भरत नाट्यम सिखने छलीह। फ्राँस वापस जा कए ओ एहि नृत्यक शिक्षा देबए लगलीह आ हिनक कएकटा शिष्या भऽ गेल छलन्हि। एहने एकटा शिष्याक प्रोग्राम बनाओल गेल एहि कार्यक्रमक लेल। ओ स्वयं सेहो एलीह। एहू प्रोग्राम मे लोकक उपस्थिति नीक रहलैक आ एसोसिएशन कें नीक आमदनी भेलैक।

स्वतंत्रता दिवस आ इतिश्री

अन्त समय मे हमरा आ जोसेफ कें लागल जे भारतीय नाम पर संस्था बना कए एतए एहिना छोड़ि देब ठीक नहि होएत। हम अगस्तक अन्ते मे वापस जा रहल छलहुँ। जोसफ सेहो एके सालक लेल ओतए छलाह आ हमरा एलाक बादे हुनको मुम्बई वापस भऽ जेबाक छलन्हि। संस्थाक अन्य सदस्य लोकनि, जे फ्रेंच नागरिक छलाह, से नीति निर्धारण मे तटस्थे रहैत छलाह। गिरीश सँ हम सब पूछल तऽ ओ कहलन्हि जे हुनकर ट्रान्सफर दोसर शहर मे भऽ सकैत छन्हि, तें ओ बेसी सक्रिय नहिए रहताह। लीना आ दूनू छात्र लोकनि तऽ मात्र हमरा सबहक क्रिया कलापक कारणें एहि सँ सम्बन्ध रखने छलाह। व्यक्तिगत रूपें हुनका लोकनि कें एतेक बेगरता नहि छलन्हि। छात्र लोकनिक कोन ठेकान। एखन काँ मे पढ़ैत छथि, कालि कोनो दोसर शहर चल जेताह नौकरी करए। तेहना स्थिति मे शबीर एकरा व्यक्तिगत संस्थाक रूप मे उपयोग कऽ सकैत छथि। एही नामे चन्दा आदि सेहो उठा सकैत छथि। अपन महत्त्वाकांक्षाक पूर्ति के लेल ओ अनेक तरहें एहि फोरम के दुरुपयोग कऽ सकैत छथि। ओ राजनीतिक लोक छलाह आ हुनका एहेन फोरम सँ लाभ हेबे करितन्हि।

ई सब सोचि कए हमरा सब कें एकटा षडयंत्र रचए पड़ल जे कहुना संस्था कें भंग कऽ दी। एहि लेल सबहक दस्तखत सँ प्रस्ताव पारित करा कए फेर ओही ऑफिस मे जमा करबाक छलैक जाहि सँ रजिस्ट्रेशन भेल छलैक। अन्दाज छले जे शबीर एहि लेल तैयार नहि हेताह। तें पहिने बाकी चारि गोटे कें एहि लेल राजी करा लेल। जेना कि हमरा सबहक अनुमान छल, ओ लोकनि कोनो उत्साह नहि देखेलन्हि संस्था कें चालू रखबा मे।

पन्द्रह अगस्त कें स्वतंत्रता दिवस मनेबाके छल। एहि लेल जे हम सब मीटिंग केलहुँ ताहि मे जोसेफ प्रस्ताव राखि देलखिन्ह संस्था कें भंग करबाक। कारण हम सब बता देलिएन्हि। शबीर विरोध तऽ केलन्हि, मुदा ओ एकसरे छलाह। तें कने बुझेला सुझेला सँ हुनको मानए पड़लन्हि।

अन्तिम प्रोग्राम पन्द्रह अगस्त कें स्वतंत्रता दिवस मनाओल गेल। एसोसिएशन के आसन्न मृत्युक छाप एहि पर पड़लैक, जे लोक बेसी नहि जुटल। एकर दोसर कारण छलैक अगस्त मास गर्मी छुट्टीक बीच समय भेलाक कारण ओहुना गाम प्रायः खालिए छलैक।

एकर बाद एसोसिएशन कें भंग करबाक प्रस्ताव पठा देल गेलैक। एतेक दिन मे जे कमाई भेल छल ताहि मे सँ आधा कम्बोदिआइ रिफ्यूजी फन्ड मे दऽ देल गेल आ बाकी सब सदस्य मे बराबरि कए बाँटि देल गेल।

वेलफेयर स्टेट

स्वास्थ्य सेवा आ डा० शुक्रिये

हमरा सब कें फ्राँस मे दशे दिनक करीब भेल छल कि अपाला कें बोखार लागि गेलन्हि आ लक्षण एहेन जे हुनका मीजिल्सक प्रकोप छलन्हि। ई समस्या भऽ गेल जे पहिल बात, डाक्टर कतए सँ आओत आ फेर बिना फ्रेंच बजने काज कोना चलत। गैनिल मे ज्वाइन करबाक संदर्भ मे लैबक जे लेडी डाक्टर हमर परीक्षण केने छलीह, ओ अंग्रेजी नहि बजैत छलीह। एतए डाक्टरो सब कें देशक बाहर जाइक काज तऽ बेसी नहिए पड़ैत छलन्हि आ तें ओ सब फ्रेंच छोड़ि दोसर भाषा बजितहिं नहि छलाह। एकटा डर ईहो जे लोक कहत कि एहि संक्रामक बीमारी कें हम सब भारत सँ लेने एलहुँ।

अपाला कें स्कूल गेनाई बन्द कराओल आ अगिला दिन ई समस्या मोशिए कावाहाती कें सुनाओल। हुनकर एकटा तकिया कलाम छलन्हि कहबाक स्टाइल के संग "नो प्रोब्लेम"। एहि नो प्रोब्लेम के बाद ओ बतौलन्हि जे हमर नौकरी मे मेडिकल सुविधा बहुत बढ़िया अछि। हम दिन राति कखनहुँ डाक्टर कें डेरा पर बजा सकैत छिऐक। ओकर जे फीस लगतैक तकर रशीद एतए डाक्टर कें देब अनिवार्य छैक। रशीद रहला पर सबटा खर्चा वसूल भऽ जाएत। एहि लेल क्लेम एमजीईएन नामक संस्थाक ऑफिस मे जमा करए पड़त। ओ सब एक सप्ताहक भीतरे पैसा अहाँक बैंक मे पठा देत। ई एक प्रकारक मेडिकल इंश्योरेंस संस्था छलैक, जकरा लेल हमरा वेतन सँ एक भाग प्रति मास कटि जाइत छल।

हमरा ई सूनि आश्चर्य लागल जे फ्राँस मे डाक्टर घर पर जाइत छैक। भारत मे ई सोचबो असम्भव छल। आ क्लेम वसूली एतेक आसान ! कलकत्ता मे जखन ऑफिस मे मेडिकल बिल जमा करैत छलिऐक तऽ एक दू मास सँ पहिने तऽ कियो चर्चे नहि करैत छल ओकर आ फेर कम सँ कम पचीस तीस प्रतिशत कटाइये जाइत छल कोनो ने कोनो रूल मे।

अस्तु, कावाहाती एकटा डाक्टर के नाम आ फोन नम्बर देलन्हि जे अंग्रेजी बजैत छलाह। डा० शुक्रिये हुनक घनिष्ट मित्र छलखिन्ह आ ओहो सीरियन छलाह। पहिल बेरक लेल ओ तखनहि डाक्टर साहेब कें फोन कऽ कए हमर घरक पता बता देलखिन्ह आ साँझ मे अबैक लेल कहि देलखिन्ह।

साँझ मे हम ऑफिस सँ कने पहिनहि डेरा चल गेल रही। नियत समय पर डा० शुक्रियेक पदार्पण भेल। ओ आबि सोफा पर बैसलाह आ हमरा सँ बहुत नीक सँ अंग्रेजी मे बात केलन्हि। अपाला कें देखलखिन्ह। बोखार जँचबाक हुनक तरीका एकदम नव आ विचित्र लागल। ओ माथ, देह आ कि हाथ आदि नहि, बल्कि कान मे एकटा फोंफी लगा कए जाँच केलखिन्ह। ई हमरा बड़ अजगुत लागल। हम पुछलिएन्हि जे एहि तरहक जाँच कोना कएल जाइत छैक आ एकर अर्थ की भेलैक। ओ पहिने हमरा ओही फोंफी द्वारा अपालाक कान मे देखबाक लेल कहलन्हि। तखन बतौलन्हि जे कानक भीतरी भागक रंग बोखार मे बदलि जाइत छैक। आन अंग कें छू कए जँचैक तुलना मे ई जाँच बेसी नीक छैक।

मानि लेल। तकर बाद हम डेराइते डेराइते हुनका सँ मीजिल्स के बारे मे पूछल जे फ्राँस मे जखन सबतरि खूब बेसी साफ सफाई छैक तखन एतुका बच्चा कें ई बीमारी किएक होइत छैक ? आ कि कोनो तरहें हम सब भारत सँ एकरा उठेने एलहुँ। ओ हमरा बतौलन्हि जे एतहु बच्चा सब कें ई बीमारी खूब होइत छैक। अहाँ कोनो चिन्ता नहि करू जे बीमारी भारत सँ एलैक। सम्भवतः स्कूले मे कोनो बच्चा कें रहल हेतैक ई बीमारी।

ओ किछु साधारण दवाई आदि लिख देलखिन्ह। अपन फीस लेलन्हि, रशीद देलन्हि आ आश्वासन दैत गेलाह जे हम कोनो तरहक समस्या मे कखनहुँ हुनका बजा सकैत छी।

एहि प्रथम विजिट के बाद तऽ डा० शुक्रिये हमरा सबहक सलाहकार भऽ गेलाह आ जावत फ्राँस मे रहलहुँ हुनकर मददि लैते रहलहुँ।

गर्भवती महिलाक लेल सुविधा

विवाहित पति पत्नी सँ हमरा सबहक स्थिति कोहैविटेशन पर बदलि गेल छल। आ फ्राँसक मनोरम हवापानि। एकर किछु तऽ असर हेबाके छलैक। 1985 नव वर्ष मे कार्निवालक आसपास श्रीमतीजी सूचना देलन्हि जे किछु गड़बड़ अछि। अस्तु, काँ विश्वविद्यालयक अस्पताल मे जाँच कराओल गेल तऽ आबि गेल खुशखबरी। डाक्टर, नर्स सब बहुत खुशी। हम हुनका सब कें अपन टूटल फूटल फ्रेंच मे कतबो बुझेलिएन्हि जे हमरा पहिनहि सँ दूटा बच्चा अछि, मुदा ओतुका समाज कें देखैत ई जरूर खुशीक बात छलैक। ओतए बेसी लोक तऽ बच्चा करए चाहिते नहि छल। तें सरकारक दिस सँ बच्चा जनमाबक लेल खूब प्रोत्साहन भेटैत छलैक। गाम, शहर, सब ठाम कतेको छोट छीन संस्था छलैक जे गर्भवती महिलाक लेल देखभाल करैक जिम्मा लैत छलैक। एकर अतिरिक्त कतेको महिला दाई अथवा मिडवाइफ (प्रसव करौनिहारि) के काज करैत छलीह। ओ सब मुख्य अस्पताल मे रजिस्टर्ड रहैत छलीह आ अस्पताल सँ हुनका सब कें सूचना भेटि जाइत छलन्हि जे कोन इलाकाक कोन महिला गर्भवती छथि आ हुनक प्रसवक समय की छन्हि। हुनका सरकार अथवा म्युनिसिपैलिटी सँ टाका भेटि जाइत छलन्हि।

सरकारक हरेक अवयव गर्भवती महिलाक सहायताक लेल तैयार। नौकरी केनिहार महिलाक लेल भारत जकाँ तीन मास नहि, अपितु, पूरा दू सालक मैटर्निटी छुट्टी भेटैत छलैक, जे लोक कोराक बच्चाक हिफाजत कऽ सकए। एकर अतिरिक्त प्रत्येक बच्चा पर भत्ता से भेटैत छलैक। जतेक बेसी बच्चा ओतेक बेसी भत्ता।

खुशी तऽ हमरो सब कें भेल। तैयो किछु दिन तक एहि समाचार कें गुप्ते राखल गेल। मुदा ओतुका सिस्टमे एहेन छलैक जे गुप्त राखब सम्भव नहि। डाक्टरक सलाह जे प्रति मास चेक अप करेबे करी। ई सब मुफ्त छलैक। किछु दिनक बाद डाक मे कतेको तरहक चिट्ठी आबए लागल। आशय जे हम सब कोनो दाई चुनि ली। मुदा हमरा सब कें अस्पताले ठीक लगैत छल।

ई दैव इच्छा कही जे प्रसवक समय अक्टूबर के पहिल सप्ताह छल आ हमर एक बरखक छुट्टी अगस्तक अन्त मे समाप्त भऽ रहल छल। गैनिल प्रबंधन तऽ हमर नौकरी छऽ मासक लेल बढ़ा देलक, मुदा कलकत्ता मे हमर ऑफिस सँ छुट्टी मंजूर भेबे नहि कएल।

हम सब देश वापस अबैक मोन बना लेलहुँ। आब दोसर समस्या उठि गेल जे एयरलाइन सब पूर मासक गर्भवती महिला कें पसिंजर रूप मे लऽ जाइ लेल नहि चाहैत छैक। ताहि लेल फेर डा० शुक्रिये कें पकड़ल गेल। हुनका सँ एकटा सर्टिफिकेट लेल गेल जे श्रीमतीजीक गर्भ छओ मासक छन्हि। मुदा संयोग नीक छल जे ओहि सर्टिफिकेट के काज कतहु नहि पड़ल आ हम सब सकुशल कलकत्ता पहुँचि गेलहुँ।

बच्चा पीछू भत्ता

फ्राँस मे साधारणतः महिला लोकनि बच्चा पोसबाक झंझटि सँ मुक्त रहए चाहैत छलीह। द्वितीय विश्व युद्धक बाद जनसंख्या मे भेल क्षतिक पूर्ति लेल बच्चा तऽ आवश्यक छलैक। तें सरकारक एहेन व्यवस्था भेलैक जे प्रत्येक बच्चा पर परिवार कें एकटा भत्ता भेटतैक। जेना जेना बच्चाक संख्या बढ़ैत जाइक, भत्ता सेहो बढ़ैत जाइक। पहिल मे 200 फ्रैंक, दोसर मे 500 फ्रैंक आ तेसर के लेल सोझे 1000 फ्रैंक भऽ जाइत छलैक। अफ्रिका, तुर्की आ कम्बोदियाक कतेक गरीब परिवार मे लोक पाँच छऽ बच्चा जनमा लैत छल। बेसी बच्चा जनमा कए मात्र भत्ते सँ परिवारक खर्च चलैत छलैक।

हमरो वेतन मे दूनू बच्चाक लेल प्रति मास भत्ता भेटैत छल। एतबे नहि, सितम्बर मास मे स्कूलक नव सत्र शुरू भेला पर अलग सँ किताब, कापी, बैग आदि लेल पैसा भेटैत छलैक लोक कें। ई भत्ता हमरा छूटि गेल, कारण हम एके साल रहलियैक आ पहिल बेर तऽ स्कूल शुरू हेबाक बाद पहुँचबे केलियैक आ दोसर बेर शुरू होइ सँ पहिनहि भारत वापस आबि गेलहुँ।

एके भोजन, विभिन्न दाम

फ्राँस एक प्रकारक वेलफेयर स्टेट कहबैत छलैक। समाजवादी व्यवस्थाक एक अंग। एहि मे गरीब लोक कें धनीकक तुलना मे किछु बेसी सुविधा।

सीएनआरएस के सब इकाई मे अपन कैंटीन व्यवस्था रहैत छलैक। यदि अहाँ सीएनआरएस के चाकरी मे छी तऽ अहाँ पूरा फ्राँस मे ओकरा कैंटीन मे भोजन कऽ सकैत छी। हमरा लेल ई विशेष आकर्षक छल, कारण जखन हम पेरिस जाइ तऽ सीएनआरएस के हेडक्वार्टर मे जा कए ओतुका कैंटीन मे भोजन कऽ ली। कैंटीन मे मेनू सेहो करीब करीब एके रंग। पाँच प्रकारक वस्तु, जाहि मे एकटा सलाद, एकटा मेन डिस आ एकटा डेसर्ट रहितहि छलैक। वाइन एक्स्ट्रा। चाह आदि सेहो एक्स्ट्रा। मेन डिस मे बीफ, पोर्कक विशेषता, मुदा एक दिन माछ भेटबे करए। चिकेन आ रैबिट मीट सेहो कहियो काल।

मुदा आश्चर्य भेल ई बूझि कए जे भोजनक दाम वस्तु पर नहि, व्यक्तिक आय पर निर्भर छलैक। हमर एकटा टेक्नीशियन सहकर्मी हमरे जकाँ पाँच प्रकारक वस्तु लेताह खेबाक लेल, मुदा हुनका हमरा सँ कम दाम लगतन्हि, कारण हुनकर वेतन कम छन्हि। चार्ज द रिसर्च के स्तर 5 बला नौकरी करैत हम मध्यवर्गीय वित्तक श्रेणी मे आबि गेल छलहुँ। इएह छल वेलफेयर स्टेटक व्यवस्था।

ई बात स्कूलक कैंटीन मे सेहो लागू छलैक। जाड़क मास जखन बहुत बर्फ पड़ए लगलैक आ मधुलिका कें स्कूल सँ दू बेर जाएब आएब कठिनाह भऽ गेलन्हि तऽ हम सब हुनका लेल स्कूलक कैंटीन मे भोजनक व्यवस्था कऽ देल। तावत हम सब थोड़ बहुत फ्रेंच बाजब सीख लेने रही तें ई भय नहि छल जे भोजन मे बीफ आदि यदि परसल जेतैक तऽ ओ बूझि नहि सकतीह। भोजनक व्यवस्था करबैक लेल हमरा सँ एकटा फार्म भराओल गेल जाहि मे आय लिखए पड़ल। मधुलिकाक एकटा संगी छलखिन्ह, जिनकर पिता फैक्ट्री लेबर छलखिन्ह। ओहि लड़की कें कैंटीन मे ओएह भोजन के लेल चारि फ्रैंक देबए पड़ैक जाहि लेल मधुलिका कें सोलह फ्रैंक देबए पड़न्हि। स्कूल मे एकर पुछारी कएल तऽ हमरा बुझा देल गेल जे हमर आय बहुत बेसी अछि, तें हमर बेटी कें भोजन महग भेटैत छलन्हि। सरकारक इएह नियम छलैक।

समाजक बीच

पड़ोसीक आत्मीयता

हम सब पाँचम तल्ला अर्थात् फोर्थ फ्लोर पर रहैत छलहुँ। एहि तल्ला पर मात्र दूटा फ्लैट छलैक। हमर जे पड़ोसी छलाह से एकटा फ्रेंच परिवार। ताहि मे महिला कने मने अंग्रेजी बजैत छलखिन्ह, मुदा हुनक पति अंग्रेजी एकदम नहि बजैत छलाह। हुनका दूटा बच्चा : जेठ बालक आ छोट बालिका।

हम सब नवे छलहुँ। मुश्किल सँ पन्द्रह बीस दिन भेल होएत फ्राँस मे प्रवेश। एक दिन जखन हम ऑफिस मे रही तऽ पड़ोसी महिला एक बाटी झोरगर व्यंजन, जाहि मे प्रायः कोनो माँस छलैक, हमरा घर मे दऽ गेलीह। श्रीमतीजी ओकरा चुपचाप राखि लेलन्हि। हम एलहुँ तऽ हमरा देखए देलन्हि जे ई सामान पड़ोसी दऽ गेलीह अछि। हमरा कने शंका भेल। हम सोचल जे पूछि लिऐक, की थिकैक। हमरा मोन पड़ि गेल जाँ पीटर द्वारा पोर्क राखब।

हम हुनकर फ्लैटक बेल बजाओल। ओ महिला स्वयं खोललन्हि से नीक बात भेल। पहिने तऽ हुनका हम बहुत धन्यबाद देलिएन्हि जे हमरा सब कें नीक पड़ोसी बूझि ओ अपन हाथक बनाओल किछु खेबाक सामान हमरा पठौलन्हि। तकर बाद हुनका पूछल जे ओ की थिकैक। ओ कहलन्हि, पोर्कक झोड़ जे ओ इन्डियन मसाला दऽ कए बनौलन्हि। हम हुनका बुझा देल जे बीफ आ पोर्क हम सब नहि खाइत छी। माछ आ मुर्गी सँ कोनो परहेज नहि। आ यदि अन्य छोट जीव जेना कि रैबिट आदि के माँस होअए तऽ सेहो ठीक छैक।

ओ बात बूझि गेलीह आ अपन बाटी वापस कऽ लेलन्हि। मुदा एहि घटना सँ हमरा दूनू घर मे नीक सम्बन्ध जोड़ा गेल। तकर बाद तऽ बेसी काल कोनो ने कोनो भोजन सामग्रीक आदान प्रदान होमए लागल। हमरा घर मे जखन पकौड़ा बनए तऽ जरूरे पड़ोसी कें पठा दिएन्हि। ओहो माछ, केक आदि पठबैत रहलीह। पड़ोसीक संग पड़ोसी जकाँ रहए लगलहुँ। एहेन तऽ नहि जे जखन तखन एक दोसराक घर चल जाइ, मुदा तैयो बेस आत्मीयता छल। हुनकर दूनू बच्चाक उमर हमरा बेटी सब सँ मेल नहि खाइत छलन्हि तथापि हुनक बेटी कें धीरे धीरे परिचय गाढ़ होमए लगलैक, जखन मधुलिका सेहो फ्रेंच बाजब सीख लेलन्हि। आब हमरा सब कें लगैत छल जे वास्तव मे समाजक बीच मे छी।

दुखद प्रसंग

मदाम होनोरिएट फराजी पचास के दशक सँ सत्तरिके दशक तक फ्राँसक नाभिकीय भौतिकी क्षेत्र मे एकटा प्रतिष्ठित नाम छलीह। ओ सैक्ले मे, जे कि अपना देशक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र सदृश परमाणु ऊर्जा सम्बन्धी पैघ रिसर्च सेन्टर थिकैक, नाभिकीय भौतिकीक शीर्ष वैज्ञानिक आ विभागाध्यक्ष छलीह। फ्राँस मे गैनिल प्रयोगशालाक स्थापना मे हुनकर पैघ योगदान छलन्हि। मुदा गैनिलक काज शुरू करबा सँ किछुए वर्ष पूर्व हुनकर रिटायरमेंट भऽ गेल छलन्हि।

हम हुनका संग पहिल अमेरिकी प्रवास मे 1978 मे काज केने रही, जखन ओ छऽ मासक सैवैटिकल पर एलबीएल आएल रहथि। उचिते छल जे फ्राँस मे पोस्टडॉक करबाक मौका भेटला पर हम हुनका सँ भेंट करबाक लेल बहुत उत्साहित रही। हुनका लेल एकटा सनेस (souvenir) हम भारत सँ लैए गेल रही।

गैनिल पहुँचला पर हम पत्र सँ हुनका सूचना दऽ देलिएन्हि आ प्रतीक्षा करए लगलहुँ पेरिस जेबाक कोनो अवसर के। गैनिल सँ प्रति सप्ताह एकटा गाड़ी जाइत छलैक पेरिस सीएनआरएस के हेड ऑफिस। ई गाड़ी पेरिस करीब बारह बजे पहुँचैत छलैक आ फेर ओही दिन चारि बजे तक फेर गैनिल के लेल विदा भऽ जाइत छलैक। अपन काजक व्यस्तता देखैत हमरा करीब दू मास लागि गेल जखन कि एक दिन हम पेरिस जेबाक प्रोग्राम बना सकलहुँ। जेबा सँ पूर्व हम मदाम फराजी कें सूचित कऽ देलिएन्हि जे हम फलाँ दिन अपनेक भेंट करए आबि रहल छी। फोनक बातचीत सँ बुझाएल जे ओहो एहि भेंटक प्रति उत्सुक छलथि।

ओ पेरिस के एकटा सम्भ्रांत इलाका 'एमिली जोला' मे एकटा एपार्टमेंट मे रहैत छलीह। हम तऽ सोचैत रही जे ओ कोनो बंगलानुमा घर हेतैक, पैघ बाग बगीचा सँ भरल। तेहने घर हम अमेरिका मे अपन सीनियर सबकें देखने रहियन्हि आ गैनिल के सीनियर कलीग सबहक घर सेहो एही प्रकारक छलन्हि। तें हमरा विश्वासे नहि भेल जखन हम एकटा एपार्टमेंटक पता पर पहुँच गेलहुँ। तथापि जा कए धखाइते बेल बजौलियैक तऽ सत्ते मे मदाम फराजी ओतहि रहैत छलीह। हम दुपहरिया मे लंचक बाद करीब दू बजे गेल रही, जे लोक लंच आदि सँ निवृत्त भऽ जाएत।

ओ स्वयं केबाड़ खोललन्हि आ हम अन्दर गेलहुँ। एपार्टमेंटो कोनो बहुत पैघ नहि छलैक। ड्राइंग रूम मे सोफा पर हम दूनू गोटे बैसि गेलहुँ। मदाम फराजीक पारिवरिक स्थिति ओहि समय तेहने छलन्हि जे 'ने आगू नाथ ने पाछू पगहा'। ओ एकाकी जीवन व्यतीत करैत छलीह। एकटा अधवयसू महिला काज करबा लेल रखने छलीह। ओ महिला हमरा दूनूक लेल चाह राखि गेलीह। लिकर एकटा बड़का पॉट मे। चाहक लिकर एकदम हल्का, मुदा स्वाद, गंध (फ्लेवर) खूब बढ़ियाँ। मदाम फराजी स्वयं मात्र लिकर लेलन्हि। हम कने दूध आ चीनीक संग चाह बनेलहुँ।

हुनका बहुत खुशी छलन्हि जे गैनिल प्रयोगशाला नीक जकाँ काज करऽ लागल छलैक आ हम ओतए पहिल विदेशी पोस्टडॉक भऽ कए रिसर्च करए गेल रही।

हम अपन आनल सनेस, जे धातुक एकटा मूर्ति रूपी कलाकृति छलैक, हुनका देलिएन्हि। ओ बहुत खुशी सँ ओकरा स्वीकार केलन्हि आ भारत मे एहि कलाक बारे मे किछु जिज्ञासा केलन्हि। ओ स्वयं भारत नहि गेल छलीह कहियो। तकर बाद अपना बारे मे बतबऽ लगलथि जे ओ गैनिलक स्थापनाक लेल कतेक प्रयास केलन्हि, सरकार सँ फन्ड जोगार करबा

मे कतेक परिश्रम भेलन्हि आ जखन ओ मशीन काज करए लगलैक तऽ ओ रिटाएर भऽ गेल छथि। हमरा हुनक एहि बात मे किछु व्यथा सेहो बुझाएल। ठीक एहने बात भेल छलन्हि कलकत्ता मे हमर अपन सीनियर बॉस डा० एन के गांगुलीक संग। ओहो 1983 मे रिटायर भऽ गेलाह जखन एतए साइक्लोट्रॉन ठीक सँ काज करब शुरू केलकैक। मशीनक निर्माण आ ओहि मे प्रयोग करबाक उपकरण आदिक जोगार करबा मे पन्द्रह सालक हुनक परिश्रम छलन्हि। हुनक ई इच्छा रखले रहि गेलन्हि जे एहि नवनिर्मित मशीन सँ सफलतापूर्वक एकटा रिसर्च प्रयोग सम्पन्न कऽ सकताह। किछु किछु एहने हतोत्साहक भावना डा० गांगुली कें सेहो छलन्हि।

बातचीतक क्रम मे कतेको बेर हमरा एहेन लागए जे मदाम अपन एकाकी जीवन सँ बहुत व्यथित छथि। हुनक कातर दृष्टि आ आवाजक नरमी एकटा एहेन थाकल पथिक जकाँ लगैत छल जे यात्राक प्रति आब पूर्ण रूपें निराश भऽ गेल हो, जकरा मे कोनो तरहक उत्साहक संचार नहि संभव होइ। हुनक ई रूप हमरा छऽ साल पूर्व अमेरिका मे एलबीएल मे देखल अति उत्साही रूप सँ एकदम भिन्न लागल। कतए गेल ओ ऊर्जा हुनक, जाहि सँ एकसरे बैसि कतेक पैघ पैघ गणना ओ कऽ लैत छलीह ? हम सब नवयुवक कम्प्यूटर सँ गणना करबा पर आतुर रही। ओ हमरा सब पर हँसथि आ सबटा काज मात्र एकटा छोट कैलकुलेटर सँ कऽ लेथि। हम जखन अपन लेक्चर तैयार केने रही तऽ ओ सबटा स्लाइड के एक एक पाँती चेक केने रहथि। प्रत्येक चित्र पर अपन सुझाव देने रहथि। एतेक तक जे कोन रंगक व्यवहार कतए करी, जाहि सँ श्रोता कें ध्यान बान्हल रहैक आ कतहु भाषण उबाउ नहि होइक, ताहू पर बहुत विस्तार सँ विचार केने रहथि। हुनका आवाज मे टाँस छलन्हि तखन। ओहि छऽ मास मे हुनका थाकल तऽ हम कहियो देखबे नहि केने रही।

पेरिस मे रहैत एतुका सामाजिक संरचना एहने छैक जे पारिवरिक जीवन शून्य आ सामाजिक जीवन सेहो शून्य। ककरा सँ गप करबैक ? सुखदुख बटनिहार किओ नहि। लोक मात्र चर्चटा मे जाकए दोसर मनुक्ख सँ भेंट कऽ सकैत अछि कि अपन मोन कने हल्लुक कऽ सकैत अछि।

एहि स्थति मे हमर कर्तव्य छल जे हुनका बोल भरोस दी। ई तऽ संसारक नियमे छैक – जे लोक गाछ रोपैत अछि से फल नहिए खाइत अछि। मुदा तें लोक गाछ रोपब बन्द तऽ नहि केलक। हम हुनका डा० गांगुलीक खिस्सा सेहो सुनाएल जे कहुना हिनकर व्यथा किछु कम हेतन्हि। ओना हमरा बूझल तऽ नहि भेल जे हम अपन प्रयास मे कतेक सफल भेलहुँ। जिनगीक संध्या मे एकाकी रहब कतेक कष्टकर हेतैक से हम ओहि समय कोना अनुमान लगा सकैत छलियैक ?

हम सब आर किछु गप कएल पेरिस शहरक जिनगीक बारे मे आ किएक एमिली जोला सन महग इलाका मे बंगलानुमा घर भेटब कतेक कठिन छलैक आदि। ओ ईहो कहलन्हि जे हुनका लेल ई छोटे घर बेसी उपयुक्त छन्हि। ई तर्क हमरो उचित बुझाएल।

हम करीब एक घंटा तक हुनका संग बातचीत केलाक बाद घूरि एलहुँ। हुनक व्यथित मोन आ कातर दृष्टि एखनहुँ हमरा मानस पटल पर अंकित अछि।

एहि यात्राक पन्द्रह दिनक भीतरे गैनिल मे एक दिन सूनल जे मदाम फराजी बिजली के झटका लगा कए आत्महत्या कऽ लेलन्हि। हम बहुत विचलित भऽ गेल रही। विश्वासे नहि हुअए एहि समाचार पर। आत्महत्या की थिक ? जिनगी सँ हारब आ कि ओहि पर विजय प्राप्त करब ? कम सँ कम एकटा बात तऽ निश्चिते जे आत्महत्या केनिहार मृत्युक डर पर विजय प्राप्त कऽ लैत अछि। ओकरा ईहो बूझल रहैत छैक जे कालि ओ नहि रहत। तखनहुँ ओ आजुक दिनचर्या नीक जकाँ सम्पादन करैत अछि।

हमरा लागल छल जे हम अपन प्रयास मे असफल भऽ गेल छलहुँ। यदि हम बेर बेर भेंट करए जइतिएन्हि तऽ की हम हुनकर जिनगी बचा सकैत छलहुँ ? प्रश्न अनुत्तरित रहिए गेल। मुदा फेर इएह सोचि संतोष कऽ ली जे एहेन एकाकी जीवन मे ओ प्रायः ठीके केलन्हि। यदि ओ कोनो तरहें शारीरिक अक्षमताक स्थिति मे आबि जइतथि तऽ के हुनकर सेवा करितन्हि ? तखन तऽ स्थिति आर विकट भऽ जइतैक। एखन तऽ ओ आत्महत्याक विविध तरीका पर सोचि कए किछु निर्णय लऽ लेलन्हि, मुदा शारीरिक रूपें अक्षम भऽ गेला पर तऽ सेहो सम्भव नहि छलैक। तखन तऽ कष्ट कटैत रहितथि। मुदा सेहो किएक होइतैक ? जेना कि हम सब अपना धर्मशास्त्रक अनुसार कहैत छिऐक, जकरा जाहि विधि मृत्यु लिखल छैक से ताही विधि सँ मरैत अछि। लोक तऽ मात्र एकटा साधन बनैत अछि। भगवान कृष्ण अर्जुन कें एतबे ने बुझबैत रहलखिन्ह महाभारत युद्धक समय। तखन फेर आत्महत्या पर एतेक विवेचना किएक ? एकरो प्रेरणा तऽ ईश्वरे सँ भेटैत हेतैक लोक कें।

शीत ऋतु

हम सब सितम्बर मे फ्राँस पहुँचल रही, जे ग्रीष्म ऋतुक अन्तिम मास छलैक। अक्टूबर अबैत अबैत ठंढा पड़ए लगलैक आ गाछ सबहक पात सेहो खसए लगलैक। कपड़ाक दोकान सब मे विभिन्न प्रकारक गरम पोशाक सेहो सजि गेलैक। पहिल

मासक वेतन भेटि गेल छल। दूनू बच्चा लेल परका कीन लेल आ श्रीमतीजीक लेल एकटा ओवरकोट। अपना अमेरिका मे कीनल एकटा मोटका जैकेट तऽ छले, तें कोनो हड़बड़ी नहि छल।

हम जाहि समय गैनिल मे काज करैत रही ताहि समय तीनटा मित्र आ सहकर्मी यूरोप मे छलहुँ। हम तीनू गोटे कलकत्ता मे एके ऑफिस मे बैसैत रही आ संयोग देखू जे एके समय यूरोप सेहो आबि गेल रही पोस्टडॉक करबाक हेतु। दिनेश श्रीवास्तव एक साल पहिने जर्मनी मे कार्ल्सरूहे आएल छलाह आ हुनका दोसरो सालक छुट्टी भेट गेल छलन्हि। शान्तनु पाल छलाह पश्चिम बर्लिन के हान माइटनर इन्सटिच्यूट मे। हम आ शान्तनु करीब करीब एके समय देश छोड़ने रही। हम तीनू गोटे हमेशा फोन सँ गपसप कऽ लेल करी। एहि लेल लैबक फोन सुविधा उपलब्ध छल, कारण तीनू ऑफिस नाभिकीय भौतिकीक रिसर्च केन्द्र छलैक।

एहने गपसप मे शान्तनु सँ पता लागल जे बर्लिन मे 'सी एण्ड ए' नामक डिपार्टमेंट स्टोर मे हूड बला ओवरकोट, जाहि मे फर के लाइनिंग अलग सँ लगाओल रहैत छैक, से ओतए 100 मार्क मे भेटैत छैक। ओ अपना लेल एहेन एकटा ड्रेस कीन लेलन्हि। ई स्टोर पूरा यूरोप मे भरल। काँ मे सेहो एकर एकटा दोकान छलैक, मुदा एतए एहेन ड्रेस हमरा नहि भेटल। एहि बीच नवम्बर मे आन्द्रेयास गेलाह बर्लिन। ओ बर्लिन जाइते अबैत छलाह। हम शान्तनु कें खबरि कऽ देलिएन्हि आ हमहूँ ओ ड्रेस आन्द्रेयास द्वारा बर्लिन सँ मँगा लेल। ओहि ओवरकोटक व्यवहार हम एखन तक कैए रहल छी। हरेक विदेश यात्रा मे ई हमर संगी भऽ गेल अछि। एहि मे विशेषता ई जे कम जाड़ मे लाइनिंग खोलि दियौक तऽ ओ हल्लुक कोट भऽ जाएत। कने मने बरखा परला पर रेन कोट जकाँ सेहो काज करैत अछि।

नबम्बर के अन्त तक सबटा गाछ पत्रहीन भऽ गेल। एतेक नग्न जे सामने जे जंगल छल ओ पारदर्शी भऽ गेल आ करीब एक किलोमीटर के सघन जंगल के दोसर कात जे सड़क छल से स्पष्ट देखाए लागल। एहेन पत्रहीन नग्न गाछ सब बर्कले मे सेहो नहि देखने रही। लंदन आ पेरिस मे पहिल बेर एहेन किछु दृश्य पर नजरि जरूर पड़ल छल, मुदा एतेक स्पष्ट चित्र मस्तिष्क मे बनल नहि छल।

क्रिसमस के प्रात खिड़की सब पर उजड़ा दानेदार पदार्थ सब लटकल देखल। मधुलिका बाजि उठलीह जे बर्फ खसलैक अछि। हुनका सब कें बच्चा सबहक बीच स्कूल मे एहि तरहक चर्चा चलल छलन्हि। हम सब बर्फ कहियो नहि देखने छलियैक। दुपहरिया होइत होइत मौसम एकदम बदलि गेलैक आ नीक जकाँ बर्फ खसए लगलैक। सामने बँगलानुमा घर सबके छत पर श्वेत चादरि पसरि गेल। अन्हार से जल्दी भऽ गेलैक। अगिला भोर मे तऽ समूचा इलाका हिमाच्छादित। मैदान सब मे ठेहुन भरि बर्फ लागि गेलैक। एहि मे चलबाक आनन्दक की वर्णन करू ? नव नव हिमकण बहुत कोमल आ पैर ओहि मे धँसैत चलि जाइत छल। ठेहुन धँसि गेल आ उठा लेलहुँ, सबटा साफे साफ। एहन बर्फ मे चलबाक लेल लोक गमबूटक उपयोग करैत छल। मुदा एकर तुलना गाम घर मे ठेहुन भरि थाल मे गड़ल पैर आ ओहि मे लभरल कीच सँ कोना कएल जाए ?

घर गर्म छल। मुदा हमरा सब कें तैयो गर्म कपड़ा पहिरिए कए रहऽ पड़ैत छल कारण ओकर गर्मी सँ न्यूनतम तापमान 13 डिग्री रहैत छलैक। इएह व्यवस्था छलैक। एहि सँ बेसी गर्म चाही तऽ अलग सँ हीटर लगाउ।

ऑफिस मे दृश्य आरो नीक। सामने पसरल खेत सब आब उज्जर दपदप करैत चमकैत। बड़ी काल तक निहारैत रहि जाइ। सूर्यक प्रकाश मे मात्र चमकीएटा, उष्णता नहि। रौद देखला पर भ्रम होअए जे कने तापी, मुदा आहि रे बा! ई तऽ नामे लेल रौद छलैक, कनकनी ओहिना। हमरा आब दूटा टोपी (मंकी कैप) पहिरए पड़ैत छल आ ताहि उपर सँ ओवरकोटक हूड सेहो कसि कए बान्हि ली। मात्र आँखि आ नाक बहार रहैत छल। ऑफिस जेबा एबा मे कष्ट जरूर होइत छल, मुदा एहि सँ बेसी उपाए कैए की सकैत छलियैक ? मार्च तक हिमपात चलैत रहल।

ऑफिस मे कमरा सब घरक अपेक्षा बेसी गर्म रहैत छलैक। एतए लोक कोट उतारि कए रखैत छल। बेसी लोक, खास कए महिला लोकनि, तऽ मात्र कमीज पहिरने रहैत छलीह। एखन लंचक समय चर्चाक विषय एतबे जे जाड़ मे डटि कए काज करू आ गर्मी मे विविध कन्फरेंस मे घूमू। एकर विपरीत कृषक लोकनिक लेल एखन आरामेक समय छलन्हि। दिसम्बर, जनवरी, फरवरी मे खेतीक कोनो काज होइत नहि देखल।

फ्राँस मे शीत ऋतु मे बिजलीक दर मे सेहो परिवर्तन भऽ जाइत छलैक। ओतुका बिजली कम्पनीक नियम छलैक जे जतेक कम बाहर के तापमान, ततेक बेसी बिजलीक दाम। यदि राति मे हीटर चलाउ तऽ बिल बहुत बेसी भऽ जाएत। बिजलीक दाम राति आ दिन मे अलग अलग। घर मे हमरा सब कें सीमित मात्रा मे गरम पानि भेटैत छल। हमरा सबहक परिवारक लेल कोनो दिक्कत तऽ नहि भेल, मुदा एकाध बेर राति मे बरतन साफ करबाक समय लागल जे गरम पानि सधि गेल हो। अगिला दिन एकर पुछारी मोशिए कावाहाती सँ कएल तऽ ओ बुझा देलन्हि सबटा बात। ईहो बता देलन्हि जे गरम पानि सधि गेला पर कोना फेर बेसी पानि गरम कएल जाएत। संगहि चेता देलन्हि जे राति मे एना व्यवहार केला सँ बिजलीक बिल बढ़ि जाएत।

ठंढा जल तऽ एतेक कनकन रहैत छलैक जे ओहि सँ बरतनो नहि धोल पार लगैत छलैक। जनवरी, फरवरी आ मार्च हम करीब तीस प्रतिशत बेसी बिजली बिल देलियैक।

साइकिल दान आ चोरी

वसंतक आगमनक संग एक दिन ऑफिस मे हमरा कमरा मे एकटा अधवयसू व्यक्ति एलाह। ओ प्रस्ताव देलन्हि जे हुनका लग एकटा साइकिल छन्हि से ओ हमरा सब कें बच्चाक लेल देबए चाहैत छथि। ओ व्यक्ति गैनिलक कर्मचारिए छलाह आ हुनक पत्नी सेहो गैनिल मे काज करैत छलखिन्ह। ई तऽ हमरा ज्ञात नहि भेल जे कोना हुनका साइकिल दानक लेल हमहीं सब सँ उपयुक्त पात्र भेटलिएन्हि, मुदा अन्दाज कएल जे ओ गैनिल मे हमर परिचित व्यक्ति सब सँ गप जरूर केने हेताह। हम हुनका कहलिएन्हि जे विचार कऽ कए हम अपनेकें बता देब।

साँझ मे ऑफिस सँ घुरलाक बाद डेरा मे चर्चा कएल जे एक व्यक्ति साइकिल देबा लेल इच्छुक छथि। ई मँगनी भेटत। सबहक विचार भेलैक जे लऽ लेल जाए। मधुलिका तऽ एहि प्रस्ताव पर बेसिए उत्साहित भेलीह। उचिते ने। ओतए साइकिल सब बड़ महग आ हमरा बुते कीनल पार नहिए लगितए। किनबो करितहुँ तऽ वापस इंडिया आनल नहि होइतए। तखन जँ कियो पुरानो धुरान दऽ दैत छल तऽ किछु तऽ सीख लितथि आ ओकरा संगें अनमाना सेहो लागि जइतन्हि।

अगिला दिन ओहि सज्जन कें सूचित कऽ देल जे हुनकर साइकिल लेब हमरा सबकें स्वीकार अछि। ओ कहलन्हि जे ऑफिसक बाद ओ हमरा डेरा आबि साइकिल पहुँचा जेताह।

साँझ मे साइकिल कें कार पर टङने ओ दूनू व्यक्ति आबि गेलाह हमर डेरा। साइकिल नीचा मे राखि देल गेल। हुनका सब कें उपर बजौलिएन्हि आ पकौड़ी, पापर, चाह आदि सँ स्वागत सत्कार केलिएन्हि। तखन बहुत बहुत धन्यवाद दैत विदा कऽ देलिएन्हि।

बिल्डिंग के नीचा मे साइकिल रखैक एकटा छोटछीन कमरा छलैक। ताहि मे बिल्डिंग के आनो लोक सब साइकिल रखैत छल। लोक साइकिले मे ताला लगबैत छल। ओहि कोठरी मे कोनो ताला नहि छलैक, कारण तखन तालाक चाबी करीब बीसटा बनबए पड़ितैक सब फ्लैटक लेल एक एकटा।

जोसेफ आबि कए मधुलिका कें साइकिल सिखबए लगलखिन्ह। हमरा साइकिल ने चलबऽ अबैत अछि ने सिखा सकैत छी। वसंत आबि गेला सँ सामनेक जंगल हरियर भऽ गेल छलैक। ओतए कतेक रास जौगिंग ट्रैक छलैक, जे साइकिलो सीखैक लेल नीक छलैक। संगें तऽ हमहूँ जइयैक, मुदा कातेकाते झटकि कए चली, ततबेटा।

किछु दिन मे मधुलिका नीक जकाँ साइकिल चलबऽ लगलीह। तखन जोसेफक अनुपस्थितिओ मे हम साइकिल निकालि दियैक, रोड पार करा दिऐक आ फेर जंगल मे ओ साइकिल चलाबथि। ओहि सँ स्कूल जेबाक काज नहि छलैक। तैयो ई एकटा नीक अनमाना भऽ गेल छलैक।

करीब दू मास ई आनन्द रहल। एक दिन जखन साइकिल निकालए गेलहुँ तऽ ओ गाएब छल। पता लागल ओहि राति पूरा गामक दूनू टोल सँ चारि टा साइकिल चोरी भऽ गेल छलैक। आब ओतए कतऽ पुलिस कें शिकाएत करू ? मोन मारि कए रहि गेलहुँ। जहिना आएल छल साइकिल, तहिना चल गेल साइकिल।

फ्राँस रहओ कि भारत, चोर उचक्का तऽ सब ठाम छैके ने। से नहि रहितैक तऽ ओहि भाषाक शब्दकोष सब मे ओहेन शब्दे नहि रहितैक। जखन कतहु सामूहिक चोरी होइक, जेना कि एहि बेर सुनलियैक, तखन संदेहक सूई घूमि जाइक अफ्रिकन मूलक नवयुवक सब दिश। मुदा ई के कहत जे चोर गामैक लोक केलक कि बहरिया लोक आएल छल ? हम सब चुपे रहि गेलहुँ।

फ्राँसक रेल एसएनसीएफ

फ्राँस मे सरकारी रेल सेवा Société Nationale des Chemins de fer Français, संक्षेप मे 'एसएनसीएफ' कहल जाइत छैक। परिवार लऽ कए यात्रा करबा लेल ई कम्पनी लोक कें बहुत प्रोत्साहन दैत छलैक। गैनिल लैब मे सेहो एकर एकटा ऑफिस छलैक, जतए प्रतिदिन दू घंटा क लेल एकटा महिला अबैत छलीह। बेसी लोक ट्रेन टिकट हुनके सँ कटा लैत छल। एहि मे स्टेशन जेबाक झंझट सँ लोक बचि जाइत छल। समयक बचत सेहो होइत छलैक।

ई कम्पनी परिवारक लेल एकटा पास (परिचय पत्र) दैत छलैक जाहि सँ यदि लोक संगे यात्रा करए तऽ एक गोटेक टिकट पूरा दाम मे, पत्नीक टिकट आधा आ बच्चा सबहक टिकट ओकरो आधा अर्थात् 25 प्रतिशत मात्र मे। गैनिलक प्रशासनिक अधिकारी मोशिए कावाहाती एहि स्कीमक जानकारी हमरा देलन्हि। हम ई पास बनबा लेलहुँ। पास मे चारू गोटेक फोटो साटल छल। आब कतहु ट्रेन सँ जाइ तऽ चारू गोटेक टिकट मात्र दूटाक दाम मे भऽ जाइत छल। हमर

अपन काजक यात्रा छोड़ि तऽ सब खन हम सब संगहि यात्रा करैत छलहुँ, तें एहि स्कीम सँ बहुत बचत होइत छल। हमरा सबहक कोशिश रहैत छल जे जतेक भऽ सकए, ट्रेने सँ यात्रा करी।

गर्मीक छुट्टी

फ्राँस अथवा कही पूरा यूरोप आ कि उत्तरी अक्षांसक देश आदि मे जुलाई, अगस्त आ सितम्बरक मास कें ग्रीष्म ऋतुक समय मानल जाइत छैक। एहि समय गर्मी तऽ पड़बे करैत छैक, मुदा नॉरमैन्डी सदृश उत्तरी भाग मे मौसम फागुन चैत जकाँ। जाड़क कपड़ा सँ लोक कें छुट्टी भेटि जाइत छैक। दक्षिणी भाग मे गर्मी कने बेसी पड़ैत छैक। एहि समय लोकक व्यसन भऽ जाइत छैक देह मे रौद लगाएब अर्थात सन बेदिंग।

सीएनआरएस मे नौकरी केनिहार कें साल मे डेढ़ मासक छुट्टी भेटैत छलैक। एतए छुट्टी जमा नहि होइत छलैक। सालक भीतर यदि नहि लऽ लेब तऽ लैप्स कऽ जाएत। स्कूल आदि सेहो बन्द भऽ जाइत छलैक। तें लोक छुट्टी लेबे करैत छल। लोक सब मे मौज मस्ती करबाक इच्छा सेहो बेसी रहैत छलैक। एहि लेल लोक धन संचय कऽ कए सेहो रखैत छल। तें सब मिला कए गर्मीक मास छुट्टीक मास भऽ जाइत छलैक।

गैनिल मे हम देखल जे लोक अपन छुट्टीक योजना बहुत पहिनहि सँ बना लैत छल। जुलाई आ अगस्त मुख्य रूप सँ लोक छुट्टी लैत छल, कारण एही समय स्कूल कें सहो छुट्टी रहैत छलैक। सितम्बर के पहिल सप्ताह वा दोसर सप्ताह मे स्कूल सब खुजि जाइत छलैक, तें लोक छुट्टी सँ वापस आबि जाइत छल। सितम्बरक अन्त तक समय कने ठंढा होमए लगैत छलैक।

मई के प्रारम्भे सँ देखी जे रेल कम्पनी एसएनसीएफ के ऑफिस मे बेस क्यू भऽ जाइत छलैक। इंडिया जकाँ तऽ पैघ पैघ लाइन कहियो नहि होइक, मुदा एतुका जनसंख्याक हिसाबें पाँच सात गोटेक लाइन जरूर लागि जाइक। से बहुत भेलैक।

संगी सब अपना मे छुट्टीक चर्चा से करऽ लागए। लंच टेबुलक मुख्य चर्चा इएह रहैक ओहि समय। लोक छुट्टी मे विविध रूपें एक जगह सँ दोसर जगह जाइत छल। दक्षिण के लोक उत्तर अबैत छल तऽ उत्तर के लोक दक्षिण जाइत छल। अपना हैसियतक हिसाबें लोक विदेशक यात्रा सेहो करैत छल। कतहु समुद्रक चौपाटी (बीच) अथवा लेक आदि चाहियैक जतए भरि भरि दिन उघारे देह पड़ल रहए। एही समय महिलागण द्वारा बिकिनी वस्त्र (यदि ओकरा वस्त्र कहियैक) बेसी व्यवहार होइत छलैक।

अप्रिले मास सँ कपड़ाक दोकान सब एहेन सामान सब सजा दैत छल। जाड़क कपड़ा हटा देल जाइत छलैक। सब सँ व्यस्त भऽ जाइत छल आजोंस द वोयाज (agence de voyage) अर्थात ट्रैवेल एजेन्ट सब। लोक सब जतऽ ततऽ यात्रा करैत छल। पूरा यूरोप मे सड़क सब पर गाड़ीक भीड़ लागि जाइत छलैक। रेडियो सँ मुख्य सड़क सबहक हाल बताओल जाइत छलैक जे कतऽ सड़क जाम भऽ गेलैक अछि, कतए ट्रैफिक बेसी भऽ गेलैक अछि आ एहेन स्थिति मे कोन विकल्प सड़क भऽ सकैत छलैक। खास कऽ कए पेरिस, लिओं, तुलुज आदि पैघ शहरक आसपास ट्रैफिक बेसी खराप भऽ जाइत छलैक। कार अथवा अन्य गाड़ी सँ चलनिहार लोक हरदम रेडियो पर ध्यान लगेने रहैत छल। कैम्पिंग बला गाड़ी सँ सेहो लोक यात्रा करैत छल। एहेन गाड़ी एकटा छोट ट्रक जकाँ होइत छलैक जाहि मे सब सुविधा बना देल जाइत छलैक। जेना एकटा छोट किचेन, खेबाक टेबुल, सुतबाक लेल चाकर बेंच, जल आ पैखानाक व्यवस्था सेहो रहैत छलैक। ई गाड़ी भाड़ा पर सेहो भेटैत छलैक। एहि मे सुविधा जे कतहु रोकि कए राति बिता सकैत छी। एहेन कोनो पार्क, जंगल आदि भेटि गेल जतए रौद पर्याप्त छैक तऽ लगा लिअए गाड़ी आ बैसि जाउ रौद तपै लेल।

ई दृश्य फ्रांसेटा नहि बल्कि पूरा यूरोप मे भऽ जाइत छलैक। ग्रीष्म तऽ सबकक लेल एके बेर अबैत छलैक आ सबकें कतहु ने कतहु जा कए रौद तपबाक छलैक।

गर्मीक छुट्टी एकटा संक्रामक रोग जकाँ छलैक। बहुत रास छोट छीन दोकान सब एक मासक लेल पूरा अगस्त मे बन्द भऽ जाइत छल, कारण ओकर सबटा कर्मचारी छुट्टी मनबए चल जाइत छलैक। पैघ दोकान आ सुपरमार्केट मे सेहो कर्मचारी सब छुट्टी तऽ लैते छलैक, मुदा एहनो लोक सब छल जे एहि मौसम मे अतिरिक्त नौकरी करए चाहैत छल। से सब एहेन कमी कें पूरा करैत छल। पूरा एक मासक लेल दोकान बन्द भऽ जाएब हम पहिल बेर फ्रांसे मे देखल।

एहनो लोक सब छल जे कतहु बाहर जेबाक प्रोग्राम नहि बना पबैत छल। कतेको एहेन व्यक्ति अपन घरक भङठीए करबा मे अथवा रंगरोगन करबा मे छुट्टी बिता लैत छल। आ घरे बैसल जे रौद भगवान भास्करक कृपा सँ भेटलैक, तकरा अपन त्वचा मे समेटि लेलक।

हम सब एहि छोट अवधि के नौकरी मे एतेक बचत तऽ नहि कऽ सकलहुँ जे कतहु बेसी दिनक छुट्टी बितेबाक प्रोग्राम बनबितहुँ। तैयो एक सप्ताहक लेल बर्लिन गेलहुँ आ एक ट्रिप लंदन के कएल। एकर अतिरिक्त नॉरमैंडी इलाका नीक जकाँ घूमि लेल। एकर वर्णन एही पुस्तक मे कतहु भेटि जाएत।

पड़ोसीक संग पिकनिक

जुलाई मास मे एक दिन हमर पड़ोसी पिकनिकक कार्यक्रम बनौलन्हि। हुनका एकटा पैघ वैन टाइप गाड़ी छलन्हि जाहि मे दूनू परिवारक आठ व्यक्ति आराम सँ यात्रा कऽ सकैत छलहुँ। हमर पड़ोसी अपन छोट भाईक परिवार कें सेहो बजा लेने छलखिन्ह। ओ अपन गाड़ी सँ पिकनिक स्थल पर सीधे पहुँचि गेलाह।

हम सब सबेरे जलपान कऽ कए विदा भेलहुँ। हमरा सबकें करीब सौ किलोमीटर ड्राइव करबाक छल। तखन हम सब एकटा मनोरम झीलक कात पहुँचलहुँ। पिकनिक लेल पड़ोसिन पूरा तैयारी कऽ लेने छलीह। ओतए माछ पकेबाक योजना छलैक। ताहि लेल ओ काठक कोयला आ बारबेकू के चुलहा सबटा गाड़ी मे लऽ गेल छलीह। हम सब घरे सँ बना कए बहुत रास पोलाव, छोला आ आलूदम लऽ लेने रही।

हमरा सबकें पहुँचबा सँ पहिनहि पड़ोसीक अनुज ओतए पहुँचि गेल छलखिन्ह। महिला बिकिनी पहिरने छलखिन्ह आ सन वेदिंग कऽ रहल छलीह। ओतए कतेको आर महिला आ बच्चा छलथि जे बिकिनी पहिरने सन वेदिंग कऽ रहल छलथि अथवा झील मे स्नान कऽ रहल छलथि। पुरुष वर्ग अपन स्विमसूट पहिरने स्नान करैत छल वा ओहिना अर्द्धनग्न भेल रौद तपबा मे लागल।

अस्तु, सब गोटेक आबि गेलाक बाद भोजनक तैयारी शुरू भेल। ओतहि झील मे मछमारि सेहो होइत छलैक आ माछ बिकाइत छलैक। ओ माछ कीन कए आनल गेल। निका बना कए दैए देने छलैक। फेर ओकरा साफ कऽ कए कोयलाक आगि पर झरकाओल गेल। बागेत सेहो संगहि छल। सबटा मिला कए खेबाक लेल बहुत सामग्री भऽ गेलैक।

पिकनिक स्थल पर बहुत रास सेवक गाछ छलैक जाहि मे सेव फड़ल छलैक। एखन छोटे छलैक वा कहियौक टिकुले छलैक। पड़ोसीक अनुज एकाधटा सेवक टिकुला तोड़ि कए हमरा श्रीमतीजी कें देलखिन्ह। ओ हुनका खेवा मे बेस प्रियगर लगलन्हि, कारण खट्टा छलैक आ गर्भवती महिला कें तऽ एहेन चीज चाहबे करी।

भोजनक बाद हम सब किछु काल एमहर ओमहर घुमलहुँ। तकर बाद हम सब बिदा भेलहुँ देहाती इलाका आ दूर दराज के गाम सब देखै लेल। एकर वर्णन प्राचीन ग्राम्य जीवन मे भेटि जाएत।

भैंसुर, भाबहु आ बिकिनी

पड़ोसीक अनुजक पत्नी अर्थात् हमर पड़ोसीक भाबहु बिकिनी पहिरने सबहक संग मिलिकए काज कऽ रहल छलीह। हुनका तऽ बुझलो नहि छलन्हि जे एहि दल मे एकटा रूढ़िवादी भारतीय परिवार सेहो अछि। ओ तऽ आएल छलीह जे झील मे स्नान करतीह आ फेर रौद तपतीह अर्थात् 'सनबेदिंग' करतीह।

हमरा सबहक पहुँचला पर ओ महिला अपन बिकिनी वस्त्रे मे दल मे शामिल भऽ गेल छलीह। बिकिनी बालीक फोटो कतहु भेटि जाएत। भोजन समाप्त हेबा तक ओ बिकिनीए पहिरने रहलीह। ओहि महिला कें बिकिनी पहिरने अपन भैंसुर लग उठैत बैसैत देखि हमरा श्रीमती जी कें बर खराप लगन्हि। ओ ओकरा तऽ किछु नहि कहथिन्ह, हमरा सुनाबथि जे देखियौक केहन निर्लज्ज छैक।

हम श्रीमतीजी कें बुझाओल जे एहि समाज मे लाज धाखक परिभाषा अलग छैक। आ एतए लोक भैंसुर आ भाबहु सेहो नहि बुझैत छैक। ओ तऽ हम सब संगें छलियैक तें भरिसक हमर पड़ोसिन अपने बिकिनी नहि पहिरने छलथि। भऽ सकैत छल किछु धाख होइत होन्हि। नहि तऽ सब महिला एतए एहेन नीक रौदक समय मे बिकिनिए पहिरैत छलीह। बच्चो सब ओएह बिकिनी पहिरने। तें ई ट्रेनिंग बच्चे सँ भऽ जाइत छलैक आ फेर बाद मे एहेन वस्त्र पहिरबा मे कोनो असौकर्य नहि होइत छलैक। तेहने दृश्य झीलक कात आन आन परिवारक बीच सेहो देखलियैक आ हुनको देखा देलिएन्हि।

स्कूल व्यवस्था

फ्राँस मे स्कूल मे कक्षाक संख्या उपर गेला पर घटैत छलैक। प्राइमरी सँ हाइ स्कूल तक बच्चा सब उलटा गिनती मे एक कक्षा सँ दोसर मे जाइत छल। मधुलिका कें पहिने प्रवेश भेल छलन्हि छठम कक्षा मे आ एक सालक बाद हुनका जेबाक छलन्हि पाँचम मे।

कक्षा शेष भेलाक बाद बच्चा पहुँचैत छल लिसे (Lyceé) मे, जकरा हायर सेकण्डरी अथवा इन्टर कालेजक समतुल्य बूझि सकैत छियैक। स्कूली शिक्षा एतहि खतम भऽ जाइत छलैक। तकर बाद लोक विश्वविद्यालय मे प्रवेश करैत छल।

एतए हम मधुलिकाक स्कूली अनुभव किछु बता दैत छी। ओ छठम कक्षा मे छलीह जे भारत मे पाँचम कक्षाक समतुल्य छलैक। नीचा हुनके शब्द मे :

"हमर शिक्षक छलाह मोशिए लावी, जे विशुद्ध फ्रेंच भद्रलोक छलाह। पैघ पैघ मोंछ आ औंठिया केश बला आकर्षक व्यक्तित्व। ओ हमरा सबकें सबटा विषय पढ़बैत छलाह।

स्कूल मे जे ग्रेडिंग पद्धति छलैक से रंग पर आधारित। हरियर रंग भेल 'सर्वोत्तम', पीयर भेल 'नीक' आ लाल भेल 'परिश्रम करए पड़त'।

हम मात्र गणितक पाठ बुझैत छलहुँ, कारण ओहि मे तऽ संख्या आ संकेतक खेला रहैत छलैक। मोशिए लावी हमरा अलग सँ अंग्रेजी मे पाठ के सारांश बुझा देथि, मुदा मूल पाठ तऽ फ्रेंचे मे बजैत छलाह। हमरा सब कें विज्ञान आ इतिहासक पाठ, जे किछु कक्षा मे पढ़ाओल जाइत छलैक, तकर प्रेजेंटेसन देबए पड़ैत छल। ई सब बच्चाक लेल अनिवार्य छलैक।

हमरा सब कें विभिन्न खेलकूद सेहो सिखाओल जाइत छल। जैवलिन थ्रो आ डिस्कस थ्रो पर्यन्त सिखाओल जाइत छल। बुद्ध दिन कें नियमित रूपें जिम्नास्टिक्सक प्रैक्टिस कराओल जाइत छल।

सब विद्यार्थी कें कक्षाक सफाई के ड्यूटी सेहो बाँटि देल जाइत छलैक। सब काजक लेल दूटा विद्यार्थीक ग्रुप बना देल जाइत छलैक। ई काज ब्लैकबोर्डक सफाई सँ लऽ कए पैखानाक सफाई तक किछुओ भऽ सकैत छलैक, यद्यपि पैखाना तऽ हरदम चमचमाइत आ झलकैत साफ रहिते छलैक।

एक दिन हमरा सबहक आश्चर्यक ठेकान नहि रहल जखन मोशिए लावीक संग एकटा खढ़िया (rabbit) कें देखल। जखन हम सब हुनका पुछलिएन्हि तऽ ओ बतौलन्हि जे ओकर शारीरिक संरचना हमरा सब कें देखौताह। तैयो हम सब किछु नहि बुझलियैक। भिनसर मे खढ़िया जिबिते छलैक।

दुपहरिया मे जखन फेर हम सब क्लास गेलहुँ तऽ देखल जे ओ मरल परल अछि। मोशिए लावी हमरा सबहक सामने ओकरा चीर फारि कए ओकर एक एक अंग हमरा सब कें देखा आ बुझा रहल छलाह। सोचियौक ई ज्ञान ओतए हमरा सब कें जाहि वर्ग मे देल गेल छल से भारत मे मात्र कक्षा पाँच के समतुल्य छलैक।

एक दिन हमरा सब कें जंगल भ्रमण पर लऽ जाएल गेल। ई जंगल वास्तव मे हमरा एपार्टमेंटक सामने मे छलैक जकरा नाम पर हमरा सबहक टोलक नाम पड़ल छलैक 'लुब्वा'। ओतए हम सब काफी भीतर तक गेलहुँ, जतए एकटा छोटछीन नहर छलैक। एहि मे किछु साहसी विद्यार्थी कायाकिंग करैत गेलाह। हम सब किछु मित्र ओतए बगल के झाड़ी मे बहुत रास लाल आ कारी रंगक जंगली झड़बेर तोरैत गेलहुँ, जे खेबा मे बेस मिठगर छलैक। एक मुठ्ठी झड़बेर हम डेरा सेहो अनलहुँ जे सब गोटे मिल कए खाइत गेलहुँ।

एक बेर हम सब 'चीज' (cheese) बनबैक फैक्ट्री देखबा लेल गेलहुँ। दूध सँ चीज बनेबाक विस्तृत प्रक्रिया बताओल गेल। मुदा हमरा ओतए ततेक दुर्गंध लागए जे नाक बन्द केने रही। कहुना जल्दी जल्दी बाहर आबि गेलहुँ।"

भरतनाट्यमक शिक्षिका

मेयरी मे भरतनाट्यम नृत्यक कार्यक्रम भेलाक बाद जखन मदाम नेल्ली बुशार्दो सँ परिचय भेल तऽ बातचीत मे शबीर मधुलिकाक चर्च चला देलखिन्ह जे एहि बच्चा कें डान्स सिखैक इच्छा छैक। मदाम सहर्ष स्वीकार कऽ लेलन्हि आ हमरा अपना घरक पता बता देलन्हि। कहलन्हि जे साँझक समय शनि दिन कें लऽ कए चल आउ, एक घंटाक प्रोग्राम मे हम डान्स सिखा देबैक।

हम नियमित रूपें मधुलिका कें हुनका घर पर लऽ जाएल करी डान्सक शिक्षा लेल। ओ अपनहि सँ घुँघरूक इन्तजाम सेहो कऽ देलखिन्ह। बड़ मनोयोग सँ ओ डान्स सिखबैत छलखिन्ह। ई क्रम जुलाई मास तक चलल। अगस्त मास हुनको लेल छुट्टीक मास छलन्हि।

एहि लेल ओ कोनो तरहक दक्षिणा लेबा लेल तैयार नहि भेलीह।

श्रीमतीजी एहि अवधि मे ओतए कएकटा ऊनी ब्लाउज, कार्डीगन, स्कीवी आदि तैयार कऽ लेने छलीह। अपना प्रवासक अन्त मे एक दिन हम एकटा कार्डीगन लऽ कए हुनका घर गेलहुँ, जे हमर ई तुच्छ उपहार स्वीकार कऽ लेल जाए। बहुत आग्रहक बाद ओ कार्डीगन राखि लेलन्हि। हमरा लागल जे ऋणक किछु अंश तऽ कहुना सधाओल।

ऑफिसक समाज

ग्रुप मीटिंग

प्रायोगिक क्षेत्र मे काज केनिहार वेज्ञानिक लोकनिक लेल ग्रुप मीटिंग सब ठाम अनिवार्य रहैत छैक। एतए हम सब एकटा नव प्रयोगक तैयारी मे लागल छलहुँ। ताहि लेल सब सदस्य कें काज बाँटि देल गेल छलैक। सप्ताह मे एक दिन ग्रुप

मीटिंग जरूरी रहैत छलैक, जाहि मे सब क्षेत्रक प्रगति पर बहस कएल जा सकए आ यदि किनको कोनो समस्या छन्हि तऽ ओकर समाधान ताकल जा सकए।

हमरा सबहक ग्रुप मीटिंग सबेर मे दश बजे शुरू होइत छल आ लंचक पहिने खतम होइत छल। हमरा लेल शुरू मे सबसँ पैघ समस्या छल भाषाक। मीटिंग मे खाली फ्रेंच बाजल जाइक। हम बुझियैक वा नहि, ताहि सँ ककरो मतलब नहि। जखन घूरि कए कमरा मे आबी, तखन आन्द्रेयास अनुवाद कऽ कए मुख्य बात सब बता देथि। मुदा तैयो कतेक रास बात रहिये जाइक जे हम नहि बूझि पबियैक। मोशिए आर्दुआँ हमरा बजा कए अपन काज बता देथि। हम ओ काज सम्पादन कऽ कए हुनका रिपोर्ट कऽ दी। एक दोसरा सँ गप करबा काल तऽ अंग्रेजीक प्रयोग भैए जाइत छलैक, मुदा जखने कियो तेसर लोक पहुँचल कि फेर शुरू भऽ गेल फ्रेंच आ हम भऽ जाइत छलहुँ बौक। तें हमरा लेल फ्रेंच सीखब अनिवार्य भऽ गेल आ एकर ट्यूसन लेबए पड़ल।

प्रयोगक समय लगिचेलाक बाद जखन अमेरिकन ग्रुपक सदस्य सब ओतए पहुँचैत गेलाह तखन ग्रुप मीटिंगक भाषा किछु दिनक लेल अंग्रेजी रहलैक। मुदा सेहो सीमित अर्थ मे। कोनराड तऽ जर्मन छलाह आ फ्रेंच बजिते छलाह। आनो सदस्य सब फ्रेंच बजबाक कोशिश करथि।

हमरा सबहक प्रथाक विपरीत एहि ग्रुप मीटिंग मे चाह, कॉफीक व्यवहार नहि छलैक। ओना ऑफिस मे चाह, कॉफीक कोनो समय सेहो नहि छलैक। अमेरिका मे ग्रुप मीटिंग शुरू हेबा सँ पूर्व सब सदस्य अपन कॉफीक मग भरि लैत छलाह। दश बजे आ चारि बजे चाहक जुटान अंग्रेजी सभ्यता मे तऽ होइत छलैक, मुदा फ्रेंच सभ्यता मे नहि। चाह, कॉफी हेतु इंतजामो तेहने गौण रूपें। मात्र एकटा मशीन राखल, जाहि सँ कियो कियो कॉफी लऽ लैत छलाह। मुदा सेहो एकसरे। मशीन लग कोनो टेबुल कुर्सी सेहो नहि। कॉफी लऽ कए लोक एकान्ते मे अपना ऑफिस मे पीबैत छल।

चालीस प्रतिशत पहिल बेर

अमेरिका मे जे मद्यपान शैम्पेन सँ शुरू कएल से मात्र ओकर छोट भाए वाइन पर आबि रुकि गेल छल। कलकत्ता मे रहैत तऽ फेर एकर चर्चो नहि भेल कहियो। जखन फ्राँस गेलहुँ तखन वाइन फेर गेस्ट सबहक लेल डेरा मे आनी आ हुनके सबहक संग किछु पान कऽ ली। एकर अतिरिक्त हल्का फुल्का एपेटाइजर सँ परिचय भेल छल। मुदा असली स्ट्रांग लिकर सँ एखनो हटले रही।

मई 1985 मे गैनिल मे हमर सीनियर मोशिए डानिएल आर्दुआँ स्वीडेन गेलाह एकटा कन्फरेंस मे। ओतए सँ सनेस अनलन्हि एकटा बोतल स्ट्रांग लिकर के। एहि मे अल्कोहल के मात्रा चालीस प्रतिशत, जे साधारणतः ह्विस्की आदि पेय मे रहैत छैक। ईहो एक प्रकारक ह्विस्कीए छलैक। ई बोतल ओ ग्रुप मीटिंग मे खोलि देलखिन्ह आ बर्कले जकाँ छोट छोट पेपर कप मे सबकें बाँटि देलखिन्ह। एहि लिकरक मादकता शेम्पेन सँ एकदम अलग छलैक। लोक साधारणतः एहि मे जल मिला कए पीबैत छल, मुदा ग्रुप मीटिंग मे से सुविधा नहि छलैक। सब कें देखलियैक ओहिना चुस्की लेबऽ लागल। हमहूँ प्रयास कएल। तारु आ कंठक नली सँ होइत जतेक दूर ओ द्रव पहुँचल, से ओकरा जड़बैत गेल, तेहने भान भेल हमरा। कने काल लेल आँखि मूनि लेबए पड़ल हमरा। मुदा फेर सब किछु सामान्य भऽ गेल।

शनैः शनैः ओकरा समाप्त कएल, मुदा ई अनुभव ओतेक मधुर नहि छल, जतेक कि पहिल बेरक शैम्पेन चीखब।

लागल जे भाग्य मे पेपरे कप मे सबटा नव मद्य व्यवहार करब लिखल छल।

लंच सभ्यता

गैनिल मे कैंटीनक नीक व्यवस्था छलैक। सीएनआरएस के प्रत्येक संस्थान मे करीब करीब एके रंगक व्यवस्था। लंचक समय कैंटीन भरल रहैत छलैक। लाइन से लगि जाइत छलैक। कैंटीन लंचे समय टा खूजल रहैत छलैक।

कैंटीन जाएब जरूरी नहि छलैक। कतेक लोक तऽ घरो चल जाइत छल। बारह बजे गेल आ डेढ़ दू बजे तक घूरल। मुदा बेसी लोक कैंटीन जाइत छल। ई एकटा सामाजिकता सेहो छलैक। भोजन के बाद लोक संगहि चाह, काफी पीबैत छल। आ गप सरक्का सेहो। एहि मामला मे फ्रेंच लोकक परतर मुश्किल। चाह, काफी पर आधा पौना घंटा बितेनाइ आसान बात छलैक।

जखन ग्रुप मे लोक भोजनोपरान्त बैसए तऽ कियो एक गोटे उठि कए सबकें अपन अपन इच्छा पूछि लैक आ सबहक लेल ओही अनुसारें चाह आ काफी लऽ आनए। सबहक पैसा ओएह दैक। दोसर दिन कियो दोसर एहिना करैत। कोनो नियम नहि छलैक जे कियो कतेक बेर आकि कएक कप के दाम देलकै। सबटा वोलन्टरी। ईहो सम्भव छलैक जे जहिया अहाँक पार आओत (से तऽ कियो कहत नहि, अहाँ अपनहि सोचबैक) तहिया ग्रुप मे दश गोटे भऽ जाइक आ दोसर दिन जखन आन लोक उठत, तहिया ग्रुप मे पाँचेटा लोक रहैक। मुदा हम कहियो ककरो मुँहें कोनो तरहक शिकाएत नहि सुनलियैक।

बेसी लोक कॉफी पीबैत छल। चाह कियो कियो, सेहो मात्र लिकर, दूध चीनी किछु नहि। दूध चीनी देल चाह तऽ भेल इंगलिश चाह, से फ्रेंच लोक किएक पीत ? फ्राँस आ इंगलैंड मे तऽ सनातन सँ एक दोसरा कें नीचा देखबैक प्रतिस्पर्द्धा रहलैक अछि।

एहने व्यवस्था बाद मे हमरा ओर्से मे सेहो देखबा मे आएल। तखन बूझि गेलियैक जे ई सामाजिकताक अंग थिकैक।

लंच समयक चाह, कॉफी लोक प्रायः अनिवार्य रूपें पीबैत छल। आन समय नहि। एतुका कैंटीन मे आन समय चाह, कॉफी वा अन्य कोनो चीज नहि भेटैत छलैक। लंच समाप्त भेल, कैंटीन के साफ सफाई भऽ गेलैक आ ताला लागि गेलैक। बस खेला खतम।

कर्मचारीगणक बँटबारा

फ्राँसक वैज्ञानिक समाज अमेरिकन समाज सँ एकदम भिन्न। अमेरिका मे लोक बहुत रास काज अपनहि कऽ लैत छल। छोट छोट काजक लेल टेक्नीशियन सब कें नहि बजबैत छल। एकर विपरीत एतए विभिन्न काजक लेल अलग अलग टेक्नीशियनक फौज बहाल रहैत छल। कोनो मेकैनिकल काज भेल तकरा लेल अलग लोक आ कोनो इलेक्ट्रॉनिक्सक काज भेल तऽ फेर अलग लोक। एतुका समाज मे करीब करीब भारते जकाँ खूब बेसी सरकारी नौकरी देल जाइत छलैक।

टेक्नीशियन लोकक बँटबारा विभिन्न ग्रुपक हिसाबें सेहो कऽ देल जाइत छलैक। एक ग्रुपक ओही ट्रेडक कोनो व्यक्ति काजो पड़ला पर आन ग्रुपक काज नहि करैत छल। एको ट्रेड मे यदि बेसी लोक रहैत तऽ काजक बँटबारा एहेन कएल जाइत छलैक जे एक दोसरक काज मे एकदम दखल नहि देत। व्यवस्थाक हिसाबें यद्यपि ई नीक लगैत छलैक, तथापि व्यावहारिक रूपें कतेक बेर हम सब मुश्किल मे पड़ि जाइ। जे काज हम एकसरे दू घंटा मे कऽ लितहुँ तकरा लेल दूटा टेक्नीशियन लगा देल जाइक। ओ लोकनि ओही काजक लेल भरि दिन लगा देथि।

हम पहिने अमेरिका मे काज कऽ चुकल रही, तें ई व्यवस्था कनेक अजगुत लागल। अमेरिका मे टेक्नीशियनक फौज बड़ छोट रहैत छलैक। सेहो जैक ऑफ ऑल ट्रेड्स। वैज्ञानिक लोकनिक ट्रेनिंग सेहो तेहेन देल जाइत छलन्हि जे ओ स्वयं जैक ऑफ ऑल ट्रेड्स भऽ जाइत छलाह।

विशेष आकर्षण : राजीव गाँधीक आगमन

वैज्ञानिक गोष्ठी

मई 1985 मे भारतक तत्कालीन प्रधान मंत्री राजीव गांधी फ्राँस गेलाह। हुनका संग विज्ञान, उद्योग आ संस्कृतिक क्षेत्र सँ बड़का प्रतिनिधि मंडल सेहो गेल छल। हुनक आगमन सँ दू दिन पूर्व भारत आ फ्राँसक बीच वैज्ञानिक आदान प्रदानक लेल एकदिवसीय गोष्ठी के आयोजन सीएनआरएस द्वारा कएल गेल छल। भारतीय वैज्ञानिक दल मे बहुत नामी तीन व्यक्ति गेल छलाह। ओ सब ऊर्जा, कृषि आ विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी सँ सम्बन्धित छलाह। नाम बतेबा सँ हम परहेज करब।

एहि मीटिंग मे पूरा फ्राँस मे सीएनआरएस के सब इकाई मे कार्यरत जे कोनो भारतीय वैज्ञानिक रहथि, हुनका बजाओल गेल छल। हमरो निमंत्रण भेटल आ पहुँचि गेलहुँ पेरिस। यात्रा खर्च सीएनआरएस सँ देल गेल छलैक।

मीटिंग एकटा अति रमणीय स्थल मे ईव्स नदीक किनार कोनो पुरान महलक बीच एकटा सभागार मे भेल छलैक। मईक मास ओहुना वसंतक यौवनावस्था होइत छैक। सबटा गाछ मे हरियर कचोर पात। आब ओ सब शिशिर ऋतुक पत्रहीन नग्न गाछ नहि अपितु हरियर पत्र–वस्त्रयुक्त सुसज्जित गाछ सब छल। फुलवारी सब रंग बिरंगक फूल सँ भरल। मनोरम दृश्य। मौसम से खुशनुमा। जाड़ आब भागि गेल छलैक। सब किछु बहुत बढ़िया आ तहिना सीएनआरएस द्वारा मीटिंग के व्यवस्था।

मंच पर तीनू भारतीय वैज्ञानिक आ सीएनआरएस के डायरेक्टर जेनरल छलाह। मीटिंग शुरू भेल। बहुत छोट स्वागत भाषणक बाद पहिने भारतीय वैज्ञानिक सब कें अपन पक्ष रखबाक अवसर देल गेल। आहि रे बा ! ओ तीनू वैज्ञानिक भाषण तऽ देलन्हि, मुदा ओहि मे सँ एक गोटे तऽ सीट सँ उठबे नहि केलन्हि। मीटिंग के लेल प्रोजेक्टरक व्यवस्था छलैक आ बड़का स्क्रीन लागल छलैक। मुदा हुनका सब लग तऽ देखबैक कोनो मसाला जेना छलन्हिए नै। बैसल बैसल जेना बच्चा सबहक किलास मे मास्टर सब भाषण दैत छैक, तहिना ओ भाषण देलन्हि। ताहू मे कोनो ओज नहि। एक गोटे तऽ बुझाइत छलाह, एखनहुँ निन्ने मे मातल छथि। आँखि खुजबे नहि करन्हि। लगैत छल जेना ओ भरि रातिक जगरना कऽ कए सोझे एहि मीटिंग मे पहुँचि गेल होथि। किछु बुझबा जोग नहि भेल जे ओ लोकनि भारतक विकासक बारे मे की

बतौलखिन्ह। हँ, एक गोटे किछु संस्कृतक उद्धरण सब जरूर सुनौलन्हि, मुदा हुनको भाषण ककरहु आकृष्ट नहि केलकैक। दू गोटेक भाषण मुश्किल सँ आधा घंटाक भीतरे समाप्त भऽ गेल। टाँय टाँय फिस्स।

तेसर व्यक्ति भाषण देबा लेल ठाढ़ भेलाह। नीक बात। कने टाँस सँ बजलन्हि, मुदा हुनको लग प्रोजेक्टर उपयोग करबाक कोनो सामग्री नहि छलन्हि। ई मात्र एकटा राजनेता जकाँ बजैत रहलाह। पहिलुक दूनू व्यक्तिक तुलना मे जरूर ई बेसी समय लेलन्हि आ भारतीय कृषिक बारे मे किछु तथ्य सेहो प्रस्तुत केलन्हि। लागल जे ई लोकनि एहिना मेला घूमए चल आएल छलाह। मीटिंग के कोनो तैयारी हिनका सब लग जेना नहि छलन्हि। पता नहि, हिनका सब कें जानकारी छलन्हि की नहि, जे वैज्ञानिक गोष्ठी हेतैक आ कि ओकर रूप की हेतैक।

एकरा बाद आधा घंटा चाहपानक लेल ब्रेक छलैक। तकर बाद भाषण देब शुरू केलन्हि सीएनआरएस के डी जी महोदय।

आब तऽ सबटा रूपरेखा जेना बदलि गेल। ओ एकदम प्रोफेसनल जकाँ पूर्ण तैयारी सँ आएल छलाह आ सोझे उठि कए चल गेलाह प्रोजेक्टर पर। हुनकर स्लाइड सब एकसँ एक उत्तम कोटिक आ सूचना सँ भरल। सबहक मोन प्रसन्न भऽ गेलैक हुनकर भाषण सुनि कए। ओ करीब एक घंटा तक बजलाह, मुदा श्रोतागण कें एकदम बन्हने रहलखिन्ह। बोर होइक तऽ सवाले नहि छलैक। भारतीय वैज्ञानिक लोकनिक भाषण आ हिनकर भाषण मे कोनो तुलने नहि छलैक।

कतेक अन्तर दूनू मे ! जकरा लेबाक छलैक तकरा कोनो चिन्ते नहि जे की अछि आ की चाही। जकरा देबाक छलैक से थार सजा कए सब चीजक विशेष वर्णनक संग ठाढ़ अछि। वाह रे भारतक लोक !

एहि भाषणक बाद लंच छलैक से उचिते उत्तम रेड वाइनक संग आ फ्रेंच खेनाइक वर्णने की करी। सबटा बिशेष। तकरा बाद किछु प्रश्नोत्तरक कार्यक्रम छलैक, मुदा पहिल सत्र सँ हम ततेक ने निराश भऽ गेल रही जे भारतीय वैज्ञानिक लोकनि कें किछु प्रश्न पुछबाक उल्लासे नहि रहि गेल। हम जा कए ट्रेन पकड़लहुँ आ घूरि एलहुँ काँ।

पेरिस मे राजीव गांधीक कार्यक्रम

राजधानी पेरिसक सबसँ सुन्दर स्थल साँजालिजेक एक छोर पर विस्तृत मैदान मे प्रधान मंत्री राजीव गांधीक कार्यक्रम छलन्हि। काँ मे हमरा सबहक इंडियन एसोसिएशन रजिस्टर्ड छल आ एकर सूची अपना दूतावास मे सेहो छलैक। से हमरा सब कें प्रधानमंत्रीक कार्यक्रम मे सम्मिलित हेबाक लेल दूटा कार्ड पठा देल गेल।

आब दूटा कार्ड पर के के जेताह पेरिस ? हम जा नहि सकैत छलहुँ, कारण दूटा बच्चा सेहो छल। हमरा ईहो संतोष छल जे हम एकटा प्रोग्राम मे तऽ भाग लइले लेने छी। सब मिल कए निर्णय लेल जे शबीर आ जोसेफ जेताह। हम सब घरे मे बैसि टीवी पर कार्यक्रम देखबाक विचार केलहुँ।

टीवी पर सबटा प्रोग्राम बढ़ियाँ सँ देखलहुँ। काफी रंगारंग प्रोग्राम छलैक। एहि विजिट के संग साल भरिक सांस्कृतिक कार्यक्रम "फेस्टिवल ऑफ इंडिया" सेहो शुरू भऽ गेलैक। ताहि लेल कतेक रास नाचगानक प्रोग्राम सेहो छलैक।

जखन जोसेफ आ शबीर पेरिस सँ घूरि कए एलाह तखन हुनकर अनुभव सूनि लागल जे नीके कएल जे घरे मे रहलहुँ। जे पेरिस गेलाह ओ तऽ सिक्यूरिटी कॉर्डन के कारण प्रधानमंत्रीक कार्यक्रम स्थल सँ अढाई तीन सौ मीटर बाहरे रहलाह। ओ लोकनि मात्र भीड़क हिस्सा बनि कए रहि गेलाह आ कोनो कार्यक्रम ठीक सँ नहि देखि सकलाह। हम सब तऽ टीवी कैमरामैन जतए जतए पहुँचैत गेल ताहि स्थल सबहक सबटा कार्यक्रम नीक जकाँ देखलहुँ। आ ओकरा तऽ कोनो रोकटोक रहैक नहि। मंच पर उपस्थित अथितिगणक कतबो नजदीक जा सकैत छल ओ।

मृणालिनी साराभाईक नृत्य

फेस्टिवल ऑफ इंडिया कार्यक्रमक अन्तर्गत बहुत रास भारतीय कलाकार कें फ्राँसक विभिन्न शहर मे अपन विविध कलाक प्रदर्शन करबाक छलन्हि। काँ शहरक हिस्सा मे आएल प्रसिद्ध नर्तकी मृणालिनी साराभाई आ हुनक सुपुत्री मल्लिका साराभाईक नृत्य प्रोग्राम।

ई प्रोग्राम सब फ्राँस सरकारक देखरेख मे होइत छलैक। पूरा शहर आ आसपासक इलाका मे एकर खूब प्रचार कएल गेलैक। गैनिलक हमर कतेक सहकर्मी सेहो टिकट किनलन्हि।

शहरक कांग्रेस हॉल मे ई प्रोग्राम भेलैक। हॉल खचाखच भरि गेलैक। प्रोग्राम एकदम समय सँ शुरू भेलैक। दर्शक लोकनि तऽ मंत्रमुग्ध भऽ कए नृत्य देखैत रहलाह। सत्ते मे नृत्य बहुत बढ़ियाँ भेलैक। लोक कें विश्वासे नहि भऽ रहल छलैक जे 67 बरख उमर के एतेक बूढ़ महिला एहेन सुन्दर नृत्य कऽ सकैत छलथि। एकेटा कने गड़बड़ लगैत छलैक : शरीर पर कतहु कतहु बेसी मोटापा, खास कऽ कए नितम्ब बेसी भारी। आब तऽ ओ मृणालिनी नहि रहि गेल छलीह जिनका पर एतेक पैघ उद्योगपति परिवारक नवयुवक विक्रम साराभाई मोहित भऽ गेल छलाह। मुदा मल्लिका तऽ एखन मात्र 31 बरखक नवयुवती छलीह।

नृत्य कार्यक्रम करीब दू घंटा चललैक। एक के बाद एक आ एक सँ उपर एक नृत्य सँ लोक संतृप्त होइत रहल। नृत्यक परिचय अंग्रेजी आ फ्रेंच दूनू मे होइत रहलैक। ककरहु एहि प्रोग्राम मे कोनो त्रुटि नहि बुझेलैक। दर्शकगण मुग्ध आ विस्मित भेल।

अन्त मे प्रोग्राम समाप्त भेला पर अपन पूरा दल अर्थात् ट्रूप लऽ कए एलीह दूनू माए बेटी स्टेज पर सबहक परिचय करेबाक लेल। ई तऽ कार्यक्रम समाप्तिक एकटा जरूरी प्रथा छलैक जे सब कलाकार सँ दर्शकगण कें परिचय कराओल जाए। मुदा प्रशंसा मे दर्शक लागल थपड़ी बजबए से अन्ते नहि होइक। अन्त मे करीब पाँच मिनट तक जखन थपड़ी बन्द नहि भेलैक तऽ फेर ओ सब चल गेलीह नेपथ्य मे। फेर किछु कालक बाद एलीह स्टेज पर ओही उद्येश्य सँ। हुनका अनुसार प्रोग्राम शेष कोना हेतैक जावत पूरा दलक परिचय नहि देल जाएत ? एम्हर दर्शक छलाह जे हुनका सबहक स्टेज पर अबिते प्रशंसा मे थपड़ी बजाएब शुरू कऽ देथि। आ ई थपड़ी बजाएब एक प्रकारक संक्रामक रोग थिकैक। ओएह नढ़िया बला बात। एक बजाओत तऽ दोसर किएक पछुआएल रहत ? एवं प्रकारें तीन चारि बेर नृत्यांगना सब कोशिश केलन्हि स्टेज पर आबि आ फेर नेपथ्य मे चल जेबाक, जे कहुना थपड़ी बन्द होइक तऽ दलक परिचय करा कए कार्यक्रम समाप्त घोषित कएल जाए। दर्शकगण ई बुझिए नहि रहल छलाह। हुनका लगन्हि जे ई तऽ फ्रेंच लोकक प्रतिष्ठाक सवाल छलैक जे एकटा विदेशी, ताहू मे प्राचीन संस्कृतिक देश भारतक कलाकारक सम्मान नीक जकाँ होन्हि। हुनका सब कें ई बात बुझाबऽ बला कियो नहि छल जे कार्यक्रम समाप्त करबाक एकटा विध छैक, से पूरा नहि भऽ रहलैक अछि आ थाकल कलाकार सब जा नहि सकैत छथि।

अन्त मे दलक परिचय नहिए भऽ सकलैक। कार्यक्रम समाप्त घोषित कऽ देल गेलैक। हम ई नहि बूझि सकलहुँ जे एहि मे फ्रेंच समाजक कोना बेसी नाम भेलैक।

विविधा

मोना लिसाक नकल

पेरिस घुमबाक लेल हम सब तीन बेर गेलहुँ। लूव्र म्यूजियम सेहो देखल जे विश्व प्रसिद्ध छैक। एतहि लिओनार्दो दा विंसीक अमर कृति 'मोना लिसा'क मूल पेंटिंग राखल छैक। पेंटिंग बुलेट प्रूफ शीशा मे बन्द छैक। लोकक भीड़ ओतए सबखन लागल। सब ओहि चित्रक फोटो लेबा मे व्यस्त।

ओतए देखल एकटा चित्रकार बगल मे बैसि आराम सँ ओहि पेंटिंग के नकल उतारि रहल छलाह। नकलचिये सही, मुदा ओ एकटा नीक कलाकार छलाह। नकलो बेस नीक छलैक। पेंटिंग के लम्बाई चौड़ाई सेहो मूल सँ मिलैत छलैक। हम हुनका सँ ओकर दाम पुछलिएन्हि। मोन मे भेल जे यदि किछु सौ फ्रैंक हेतैक तऽ कीन लेब। मुदा ओ जे दाम बतौलन्हि से तऽ फ्रैंक मे छलैके नहि। ओ कहलन्हि त्रवा मिल दोला। त्रवा मिल तऽ भेल तीन हजार, मुदा ई दोला की भेलैक से बुझबे नहि केलियैक। फेर ओ फरिछा कए कहलन्हि अमेरिकन दोला। आब बुझलियैक जे ओ डॉलर मे दाम बता रहल छलाह, जकर फ्रेंच उच्चारण दोला भऽ गेल छलैक। हुनका बूझल छलन्हि जे एहेन धनाढ्य आ सनकी अमेरिकन सैलानिये होयत जे हुनक ई पेंटिंग किनतन्हि, तें ओकर दाम ओ अमेरिकन डॉलर मे रखने छलाह।

अस्तु, तीन हजार डॉलर तऽ हमर एक मासक वेतनो नहि छल, तें ओ पेंटिंग किनबाक कोनो प्रश्ने नहि उठलैक। एहि मे मोलोमोलाई कतेक करितियैक ? तें छोड़ि देल। मुदा अनुभव तऽ भैए गेल जे मोना लिसाक नकल एतेक दाम मे कीनल जा सकैत छैक।

म्यूजियम मे आनो कतेक नामी पेन्टिंग सब राखल छलैक, मुदा अन्यत्र कतहु ने एहेन भीड़ आ ने कोनो चित्रकार ओकर नकल उतारैत। मोना लिसाक प्रसिद्धिये एतेक भऽ गेलैक जे आन सब चित्र ओकरा समक्ष गौण बुझना जाइत छलैक।

काठक कनियाँ पुतरा

हम सब पेरिस मे साक्र कर नामक चर्चक पास मे घुमैत रही। एकर अंगेजी अनुवाद भेलैक सैक्रेड हर्ट। ई एकटा विशाल चर्च छैक आ पेरिस मे एकटा नामी दर्शनीय जगह।

एतए एकटा अफ्रिकन मूलक लोक काठक बनल किछु कलाकृति बेचि रहल छल। एक जोड़ी पुरुष स्त्री, लम्बा लम्बा टाँग आ नमरका मुँह। ओ जोड़ी श्रीमती जी कें पसिन्न पड़ि गेलन्हि। बेचनिहारो बूझि गेल जे हिनका लेबाक छन्हि। दाम पुछलियैक तऽ कहलक 150 फ्रैंक। ओना जँ लोक कें नहि अन्दाज रहौक तऽ एतेक दाम मे एकटा सनेस (souvenir) बहुत महग नहि भेलैक, मुदा हमरा भेल जे टूरिस्ट बला जगह छियैक, मोलाइ होइते हेतैक। हम ओकरा किछु कम करए कहलियैक तऽ ओ उतरि आएल 120 पर। एतेक जल्दी एतेक बेसी कम कऽ देलक से आश्चर्य लागल। हमरा मोन पड़ि

गेल कलकत्ताक हाथीबगानक फुटपाथक मोलाइ। हम एके बेर कहि देलियैक 10 फ्रैंक। आ ओतए सँ विदा हेबाक उपक्रम करए लगलहुँ। ओकरा ई बुझबा मे भऽ गेलैक जे हमरा श्रीमतीजी कें ई पसिन्न छन्हि। एहेन स्थिति मे मोलमोलाई कमजोर भऽ जाइत छैक। तथापि हम अपन बात पर अडिग रहलहुँ आ कएक बेर ओतए सँ चलि जेबाक नाटक केलहुँ। अन्त मे कने काल आर मोल मोलाई होइत ओ काठक जोड़ी 30 फ्रैंक मे हम कीनल। एखनहु घरक शोकेश मे सुसज्जित अछि ई अफ्रिकन कलाकृति।

सोचियौक, कतए 30 फ्रैंक आ कतए 150 फ्रैंक। ओना तऽ 30 फ्रैंक मे बेचि कए सेहो निश्चिते ओ किछु कमेने होएत, मुदा हमरा लेल तऽ 5 गुणा पैघ ठकैती भऽ रहल छल।

युद्धक स्मारिका

कालवादोस प्रिफेक्चर, काँ शहर आदि फ्राँसक नॉरमैंडी इलाकाक भाग थिकैक। ई फ्राँसक उत्तरी भाग थिकैक आ इंगलिश चैनेल के दछिनबरिया भाग पर स्थित छैक। समुद्र एतए सँ मात्र दश बारह किलोमीटर दूर।

अपना तऽ गाड़ी नहि छल। इंडियन एसोसिएशन मे गिरीश कें गाड़ी छलन्हि। ओ एकसरुआ छलाह आ हुनका कने मने बेसी फ्री टाइम भेटि जाइत छलन्हि। शनि रवि कें हम सब हुनका लंच पर बजा ली आ भोजनक बाद आसपासक इलाका घूमि आबी। तहिना लीनाक पति सेहो कहियो कए एम्हर ओम्हर घुमा देथि।

द्वितीय विश्वयुद्धक समय एहि इलाका मे युद्धक पैघ तांडव भेल छलैक। 6 जून 1944 कें एलाइड फोर्सक लैंडिंग एतहि एरोमास मे भेल छलैक। हम सब एरोमास देखऽ गेल रही। ओतए एखनहु एकटा जहाजक टूटल अंश समुद्रक कछेर मे कम पानि मे पड़ल छैक जाहि द्वारा अमेरिकन मिलिटरी जर्मनीक विरुद्ध लड़बा लेल उतरल छलैक।

एरोमास मे मिलिटरीक बड़का टा कब्रगाह छैक। कब्रगाह सब देशक शहीद सैनिक लेल अलग अलग छैक। अमेरिकन कब्रगाह बेस पैघ। बहुत रास अमेरिकन मरलो छलैक। एलाइड देशक सबहक अपन अपन कब्रगाह छैक।

काँ शहर युद्ध मे प्रायः नष्ट भऽ गेल छलैक। एकटा चर्चक टूटल अंश कें यादगारक रूप मे ओहिना छोड़ि देल गेलैक। बाकी हाट बजार सबटा पुनः निर्माण कएल गेलैक। हमर गाम सब तऽ सबटा नवका बनल छल। नष्ट भेलाक बाद पुनर्निर्माण।

एरोमास इलाका मे समुद्रक कात ड्राइव करैत हम सब जर्मन मिलिटरीक बंकर देखलियैक। किछु तऽ ओहिना सुरक्षित छैक। लागए जे एखनहु कियो निकलि कए तोप चलबऽ लगतैक। मुदा से मात्र काल्पनिक भय। तोपक लग जा कए फोटो सेहो लेल।

नॉरमैन्डी इलाका मे बैयो एकटा नामी शहर छैक, जकर चर्च बहुत प्रसिद्ध छैक। ओहि चर्च कें कोनो नोकसान नहि भेलैक। एहि लेल कतेक तरहक खिस्सा सब छैक। सम्भवतः अमेरिकन राष्ट्रपतिक संकेत पर एहि तरहक योजना बनाओल गेलैक जे जर्मन सैनिक कें काँ शहर मे ओझराओल जाए आ बैयो कें कोनो प्रकारक बमबारी सँ बचाओल जाए। ई पहिल शहर छलैक जे जर्मन आधिपत्य सँ मुक्त कएल गेलैक। एरोमासे जकाँ एतहु कब्रगाह सब छैक। एतुका ब्रिटिश सैनिकक कब्रगाह सबसँ पैघ छैक।

बुम बुम बुम बुम

युद्धक विभीषिका काँ इलाका मे लोकक मानस पर बहुत गहींर छाप कऽ देने छैक। तकर अनुभव भेल हमरा 1986 के मई मास मे एतए कांग्रेस भवन लग टहलैत। ओतए एकटा कन्फरेंस चलि रहल छलैक। हम गैनिल मे फेर तीन मासक लेल आबि गेल रही काज करए आ हमर कलकत्ताक मित्र आ सहकर्मी डा० शान्तनु पाल ओहि कम्फरेंस मे भाग लेबाक लेल बर्लिन सँ आएल छलाह। ओ बर्लिन मे दू बरख रहि गेल छलाह। हुनकर छुट्टी एक साल बढ़ि गेल छलन्हि।

हम दूनू गोटे किछु कालक लेल कन्फरेंस सँ बाहर निकलि रौद मे टहलि रहल छलहुँ। कांग्रेस भवनक बाहर बहुत रास फुलवारी लागल छलैक आ दृश्य बहुत मनोरम। हम सब अपना मे गप कऽ रहल छलहुँ।

एतबहि मे कतहु सँ एकटा अधवयसू फ्रेंच व्यक्ति ओतए एलाह आ हमरा दूनूक दिस ताकि चिचिआए लगलाह "बुम बुम बुम बुम" आदि। हम सब किछुओ नहि बुझलियैक। ओ एकटा मिलिटरीक फाटल वर्दी पहिरने छलाह। पहिने तऽ लागल कियो पियक्कर छिऐक। मुदा ओ जखन बतबए लगलाह कोना ओ 1944 मे एही जगह पर लड़ाई लड़ने छलाह, तखन हमरा सब कें बुझबा जोग भेल जे ओ विभीषिका हिनका माथ मे घुरिआइत छन्हि। ओ माइम आर्टिस्ट जकाँ एक्टिंग कऽ कए हमरा सब कें देखबए लगलाह लड़ाई कोना भेलैक। कोना बम फुटैक आदि। कोना ओ कनहा पर बन्दूक राखि कए लड़ैत छलाह। हुनकर बुम बुम आवाज तकरे नकल छल। किछु काल हमरा सब सँ गप केलाक बाद ओ चल गेलाह।

माउंट साँ मिशेल

फ्राँसक टूरिस्ट नक्शा पर माउंट साँ मिशेल एकटा महत्त्वपूर्ण नाम छैक। ई जगह हमरा सबहक नॉरमैंडी इलाका के उत्तर पश्चिम सीमा पर छलैक।

ई एकटा छोट टापू छैक इंगलिश चैनल मे। एतेक छोट जे एकरा मात्र ग्रेनाइट पाथरक एकटा पैघ चट्टान कहल जाइत छैक। जमीन सँ करीब एक किलोमीटर भीतर समुद्र मे। चट्टानक सबसँ उँचगर जगह समुद्रतल सँ मात्र 300 फुट ऊँच। समुद्र मे रहैत सामरिक दृष्टि सँ एकर महत्त्व रहलैक। ताहि कारण ई विभिन्न राजा लोकनिक संघर्षक हिस्सा सेहो रहल। आठम शताब्दी मे एतए एकटा चर्च बनाओल गेल, जे बाद मे मोनेस्टरी आ फेर एबी (abbey) अर्थात विहार मे परिवर्तित भऽ गेलैक। एतए प्रशिक्षु साधु लोकनिक रहबाक व्यवस्था छलैक। एखनहु ई कमरा सब छैके।

नेपोलियनक समय तक मोनेस्टरीक अवस्था खराप भऽ गेल छलैक आ साधु लोकनि एतए सँ परा गेल छलाह। ओहि समय एकरा जेल मे बदलि देल गेलैक। बहुत दिन तक एही अवस्था मे छलैक ई। तखन उनैसम शताब्दी मे विक्टर ह्यूगो एवं समाजक अन्य प्रतिष्ठित लोक सबहक प्रयास सँ एकरा राष्ट्रीय स्मारक बना देल गेलैक। बीसम शताब्दी मे यूनेस्को बनला पर एकरा अन्तर्राष्ट्रीय धरोहरक मान्यता भेटलैक।

इंडियन एसोशिएसन मे बाद मे एकटा व्यक्ति सम्मिलित भेलाह जे हमरा गाम मे तऽ नहि, मुदा किछुए दूर पर रहैत छलाह। तमिल मूलक, पांडीचेरी सँ सम्बन्धित। नाम अगस्त्य। कमे पढ़ल लिखल आ एकटा कार फैक्ट्री मे काज करैत। एकटा फ्रेंच महिला सँ विवाह केने। हिनकर विवाह दू बेर भेल। पहिल बेर तऽ फ्रांसे मे ओतुका रीति सँ। तकर बाद महिला (पत्नी) क आग्रह पर ओ सब अबैत गेलाह पांडीचेरी। एतए फेर भारतीय तमिल रीति सँ विवाह भेल हुनका दूनूक। ओ महिला अपन एहि विवाहक एलबम हमरा सब कें देखौने रहथि आ बहुत गौरवान्वित भेल रहथि। हिनका दूनू मे कियो अंग्रेजी बजनिहार नहि।

मई मासक आसपास हिनके आग्रह कएल जे माउंट साँ मिशेल देखाबथि। तावत तऽ हमरा सबहक फ्रेंच धुड़झाड़ भऽ गेल छल तें बातचीत करबा मे कोनो समस्या नहि छल। ओ सहर्ष राजी भऽ गेलाह।

एकटा रवि कें हम सब विदा भेलहुँ। मौसम बहुत नीक। वसंत अपन युवावस्था मे। जगह तऽ कने दूर छलैक आ दू घंटा सँ कने बेसिये लगलैक ओतए जेबा मे। हम सब पिकनिक रूपें घर सँ पोलाव, छोला आ किछु अन्य सामग्री सब लऽ लेने रही। बागेत पुष्ट सँ लेने छलहुँ। ओहो लोकनि भोजनक सामग्री लेने छलाह।

पहुँचलाक बाद पहिने आसपासक चक्कर कटैत हम सब भोजन कऽ लेल। तकर बाद गेलहुँ टूर करए। टिकट मे गाइडक व्यवस्था सम्मिलित, अर्थात गाइड वेतनभोगी होइत छल। हमरा सबहक दल के गाइड छलीह एकटा नवयुवती।

पूरा टूर मे करीब डेढ़ घंटा समय लगलैक। एहि विशाल चर्चक विभिन्न भाग कें देखबैत गाइड बतौलन्हि जे विश्वक ई एकमात्र जगह छैक जतए पाश्चात्य सभ्यताक वास्तुकलाक तीन शैली : ग्रेको रोमन, रोमानेस्क आ गोथिक, एकहि मकानक विभिन्न भाग मे लोक देखि सकैत अछि। आठम शताब्दी सँ लऽ कए सोलहम सत्रहम शताब्दी तक विभिन्न भाग कें बनाओल गेल आ अपना समयक प्रचलित वास्तुकलाक व्यवहार कएल गेल। से सब एकेटा मकान मे जोड़ैत बनलैक।

टूरक बाद गेट पर सबकें छोड़ैत देखल जे गाइड महिला हाथ पसारने आ सब गोटे हुनका दश बीस फ्रैंक टिप दैत। हमहूँ हुनका टिप दैए देल। ई जानि आश्चर्य लागल जे विश्व मे कतहु जाउ, टिप संग नहिए छोड़त। कतबो फ्राँस वेलफेयर स्टेट रहओ आ कम वेतन बला लोक कें बेसी सुविधा भेटौक, आइली बाइली सँ अबैत आमदनी कियो किएक छोड़ि देत?

वापसीक यात्रा

टिकटक चक्कर

फ्राँस प्रवासक एक बरख के समय लगिचा गेल छल। गैनिल मे हमर नौकरी छऽ मासक लेल बढ़ि गेल छल। हम अपन छुट्टी बढ़ेबाक आवेदन कलकत्ता पठा देने छलियैक। 1985 के जुलाई मास मे हमरा पता चलि गेल जे छुट्टी बढ़ेबाक हमर आवेदन मंजूर नहि भेल। अपन विभागे जखन छुट्टी नहि बढ़ौलक, तखन तऽ देश वापस जेबाके छल। तखन पहिल काज छल सस्त टिकट के व्यवस्था करबाक। हमरा सब कें एक सालक वीजा छल। तें सितम्बर के पहिल सप्ताह मे कोनो हालत मे फ्राँस छोड़ि देबाके छल। एकाध दिन एम्हर ओम्हर भऽ सकैत छलैक, मुदा बेसी नहि। सब गणना कऽ कए हम निश्चित कएल जे सात सितम्बर कें पेरिस सँ विदा भऽ जाई।

गैनिल मे परिचयक सब लोक सलाह देलन्हि जे पेरिस मे नूवेल फ्रॉन्टियर नामक ट्रैवेल एजेन्सी बहुत पैघ संस्था छैक आ सस्ता टिकट के लेल सब सँ नीक सेहो। नूवेल फ्रॉन्टियर कें सम्पर्क कएल आ अपन चारू गोटेक विस्तृत जानकारी पठा

देलियैक। यात्राक तिथि पाँच, छऽ, सात सितम्बर मे कोनो एक दिन भऽ सकैत छलैक। ओहो कहलन्हि जे एयरोफ्लोते सबसँ सस्ता रहत। हम हुनका अपन स्वीकृति दऽ देल जे एयरोफ्लोतक टिकट रिजर्वेशन करा देल जाए।

एतहु रस्ता ओहिना छलैक जेना कलकत्ता सँ अबैत काल। माने पेरिस सँ मॉस्को जाए पड़त आ तखन मॉस्को सँ कलकत्ता। फेर ओहिना भेल : पेरिस सँ मॉस्को जेबाक जगह भेटि गेल सात सितम्बर कें आ मॉस्को सँ कलकत्ता सेक्टर फँसि गेल वेट लिस्ट मे।

ई चक्कर हमरा बूझऽ मे नहि आबि रहल छल। सितम्बर के पहिल सप्ताह गर्मी छुट्टीक शेष छलैक। छुटले बढ़ल लोक रहि गेल छल आब यात्रा करबा लेल। सेहो यूरोप मे। तें ई तऽ बूझऽ मे एबो करैत जे पेरिस सँ मॉस्कोक रस्ता मे भीड़ छलैक, बहुत रास रूसी टूरिस्ट पेरिस आबि गेल छलैक आ सब वापस जा रहल छलैक, तें रिजर्वेशन नहि भेटि रहल छलैक। मुदा से तऽ भेलैक नहि आ आसानी सँ ओहि रस्ता मे रिजर्वेशन भेटि गेल। मुदा मॉस्को सँ कलकत्ता एबा लेल एतेक लोक कतए सँ आबि गेलैक जे एहि सेक्टर मे रिजर्वेशन नहि भेटि रहल छलैक ? सितम्बर मास कलकत्ता मे बरखा ऋतुक समय कतए सँ टूरिस्ट औतैक?

अस्तु, एहि मे हम कैए की सकैत छलियैक ? दू तीन दिन पर नूवेल फ्रॉन्टियर कें फोन कएल करी बुझबा लेल जे किछु प्रगति भेलैक की नहि। मुदा जहिना कलकत्ता मे भेल छल, तहिना एतहु स्थिति छल। प्रायः पन्द्रह अगस्त बीत गेल एहि प्रतीक्षा मे। एहि बेर हम कोनो दशा मे महग टिकट किनबा लेल तैयार नहि छलहुँ।

एक दिन जखन नूवेल फ्रॉन्टियर कें फोन केलियैक तऽ ओ कहलन्हि जे बांगलादेश विमानक सेवा पेरिस सँ शुरू भऽ गेलैक अछि आ भाड़ा सेहो एयरोफ्लोत के बराबरे छैक। एहि सँ बेसी खुशखबरी की भऽ सकैत छल ? हम हुनका कहल जे एयरोफ्लोतक झंझट छोड़ि बांगलादेश विमान सँ कोशिश कएल जाए। एहि मे हमरा सबकें पहिने ढाका जेबाक छल आ फेर ओतए सँ कलकत्ता। कोनो दशा मे मॉस्कोक तुलना मे ढाका जाएब बेसी नीक छल।

दू दिनक बाद नूवेल फ्रॉन्टियरक फोन आएल जे बांगलादेश विमान सँ चारू टिकट रिजर्वेशन भऽ गेल अछि। आश्वस्त भेलहुँ जे आब भारत वापस जा सकब।

घर खाली करब

साल भरिक प्रवास मे कतेको सामान किनाएल। एतेक दिन मे बच्चा सब के लेल कतेक कपड़ा किना गेल छल आ जे कलकत्ता सँ आनल छल जे सब आब कने मने छोट भऽ रहल छलैक। किछु कपड़ा एहनो छल जे जाड़क सीजन मे पहिने कीनल आ पुरान भऽ गेल छल।

अगिला काज छल घर मे भरल एहि सामान कें उपयोगी आ अनुपयोगी मे छाँटि देब। उपयोगी माने एहेन सामान जे कलकत्ता लऽ जेबाक छल। अन्य सामान एतहि ककरो दान करबाक छल।

एकरा सब कें छाँटि कए अलग कएल। पचास किलो चाउरक बोराक साइज के बड़का प्लास्टिक के बोरा मे दू बोरा कपड़ा पैक कएल। शबीर मनोहाक सहायता सँ दूनू बोरा कपड़ा कम्बोदियन रिफ्यूजी लोकनिक लेल दान कऽ देल।

छँटबाक क्रम मे जतेक सामान संगे लऽ जेबाक छल तकरा अलग कएल। टीवी, क्रॉकरी आदि फूटै भंगै बला सामान तऽ संगहि लैए जेबाक छल। नीक वस्त्रक सेट सेहो संगहि लऽ जेबाक छल। चारि टा टिकट मे अस्सी किलो ओजन के सामान तऽ चेकइन मे लैए जा सकैत छलहुँ। आर करीब चालीस किलो हैंड बैगेज मे सेहो। एतबा अन्दाज सँ अलग कऽ लेल।

बाकी सामान सब कलकत्ता पठेबाक छल। एकरा लेल सबटा तरीका पता कएल तऽ बुझबा मे आएल जे पोस्ट ऑफिसक माध्यम सँ पठाएब सब सँ सस्त होएत। ईहो पनिया जहाजे सँ जाइत छलैक, मुदा पोस्टल बैग भऽ कए।

गैनिल सँ किछु पुरान पैकेजिंग के कार्टन सब आनल। पाँचटा पैकेट बनाओल जकरा सबहक ओजन बीस बीस किलो सँ कमे छलैक। एहि सब कें आन्द्रेयासक सहयोग सँ पोस्ट ऑफिस लऽ जा कए पार्सल करबा देल।

पड़ोसी सँ विदाई

काँ छोड़बाक दिन हमरा लेल गैनिल सँ गाड़ी आएल छल। विदा करबाक हेतु शबीर आ जोसेफ सेहो आएल छलाह। एतए गैनिल मे अमेरिका जकाँ सामूहिक रूपें पार्टी कऽ कए विदाई के कोनो चलन नहि छलैक। सम्भव छलैक जे नव लैब रहला सँ प्रथा सब विकसित नहि भेल होएए। हम पहिल विदेशी पोस्टडॉक छलियैक एतए। विदाई के समय अलग अलग सँ किछु आत्मीय लोकनि डेरा पर बजा भोजन करौलन्हि, जेना दुरगमनियाँ कनियाँ लेल कएल जाइत छैक। तें विदा हेबा काल ऑफिसक कोनो सहकर्मी उपस्थित नहि छलाह।

पड़ोसी सँ विदा लेबाक छल। हुनकर दूनू बच्चा तऽ घरे आबि गेल छलथि, मुदा समस्या छल जे पड़ोसिन नहि आबि सकैत छलीह। हमरा सबहक संग पिकनिक जेबाक बाद ओ सब पन्द्रह दिनक लेल गर्मी छुट्टी बिताबए कतहु गेल छलथि। ओहि यात्रा मे एकटा दुर्घटना भऽ गेलैक, जाहि मे हुनकर पैर टूटि गेलन्हि। ओ प्लास्टर करौने ओछाओन पर पड़ल छलीह।

हुनका सँ विदा लेबाक लेल श्रीमतीजी गेलीह हुनका फ्लैट मे। तखन ओतुका दृश्य से करुण भऽ गेल जे लागल कोनो दुरगमनियाँ कनियाँ नैहर सँ विदा भऽ रहल छलीह। दूनू महिला घाड़ाजोड़ी केने दहोबहो कनैत। हमरा विश्वासे नहि भऽ रहल छल जे एकटा फ्रेंच महिला एतेक आत्मीयता बोध सँ ग्रसित भऽ जेतीह आ कि हुनको सब कें बिछुड़लाक अवसादें आँखि मे एना नोर अबैत हेतन्हि।

बाद मे फेर जखन हम अगिला साल 1986 मे गैनिल गेल छलहुँ तखन हुनका लेल हाथी दाँतक एकटा नेकलेस लेने गेल छलिएन्हि। हमर तेसर पुत्रीक जन्म भऽ गेल छल, से सूचना हम पठा देने छलिएन्हि हुनका। ओहो पहिनहि सँ बच्चा लेल बहुत रास खेलौना सब कीन कए रखने छलीह। अबैत काल श्रीमतीजीक लेल एकटा पैघ दामी सेन्टक बोतलक संग ओ खेलौना सब हमरा दऽ देलन्हि।

तकर बाद किछु बरख तक नव वर्षक अवसर पर कार्ड आदिक आदान प्रदान होइत रहल। फेर शनैः शनैः सबटा बन्द भऽ गेल।

भारत वापसीक यात्रा

एतेक दिनक प्रवास मे एक गोट बिहारी भेटलाह सीएनआरएस के पेरिस ऑफिस मे काज करैत। नाम जनार्दन केसरी। पेशा कृषि वैज्ञानिक। सुल्तानगंज लगहक कोनो गामक वासी। खिस्सा सुनाबथि जे बच्चा मे ओ सब कामौर लऽ कए बाबाधाम गेनिहार सबहक लेल जगह जगह पर कने कालक लेल कामौर उठा कए रखने रहथिन्ह, जखन कि लोक लघुशंका आदि सँ निवृत होइत छल। बदला मे दश बीस पैसा भेटि जाइत छलन्हि।

जनार्दनक द्वारा मुंगेर निवासी एक गोटे सँ आर परिचय भेल जे कटक मे राइस रिसर्च इन्सटिच्यूट मे काज करैत छलाह आ कोनो ट्रेनिंग मे एक सालक लेल पेरिस आएल छलाह। ओ एकटा टीवी आ भीसीआर किनलन्हि। हुनका बूझल भेलन्हि जे छऽ मासक भीतर यदि सामान फ्राँसक कस्टम्स चेक पोस्ट सँ कतहु बाहर निकालि लेल जाए आ ओकरा बिल पर कस्टम्स के मोहर लागि जाए तऽ ओहि पर जे भैट ड्यूटी लागल रहैत छलैक से वापस भऽ जाइत छलैक। भैट अठारह प्रतिशत छलैक आ पाँच छऽ हजारक सामान लेल बहुत बेसी टाका होइत छलैक।

ओ हमरा गोहराबए लगलाह जे कहुना हुनकर कागज लऽ कए हम अपन टीवीक पैकेट देखा दियैक जाहि सँ हुनकर कागज पर कस्टम्स के मोहर पड़ि जेतन्हि। हमर अपन टीवीक कागज तऽ नौ मास पुरान भऽ गेल छल, तें ओकर भैट भेटबाक कोनो सवाले नहि छलैक। हम ई कागज हुनका भारत सँ वापस पठा देबन्हि तऽ ओ दोकान मे जा कए भैट वापस करा लेताह। एहि मे झंझट एकेटा छलैक जे हुनकर टीवी छोट मॉडल के छलन्हि आ हमर पैघ छल। यदि कस्टम्स अधिकारी कें शंका भेलैक आ पैकेट खोलबा लेलक तऽ हम फँसि जाएब। खतरा बेसी छलैक, तथापि हम हुनका मददि करबाक इच्छा सँ हुनकर बात मानि लेल।

अपना टीवी कें हम डेरे मे बहुत नीक जकाँ पैक कऽ लेने रही। ओहेन पैकिंग कें यदि एयरपोर्ट पर खोलए पड़ैत तऽ कम सँ कम दश मिनट लगैत आ फेर पैकिंग करबा मे आधा घंटा तऽ जरूरे लगैत। हमरा लग अपन छोटमोट खरीदारी, जे पछिला दू तीन मास मे कएल गेल छलैक, तकरो कागज छल भैट वापस करेबाक हेतु कस्टम्स मे मोहर लगेबाक।

सबटा कागज हम एयरपोर्ट पर कस्टम्स अधिकारी कें देल। ओ कहलन्हि जे टीवीक पैकेट खोलि कए देखाउ। हम एकदम निधोख भावें हुनका संग फ्रेंचे मे बहस कएल जे एहि सामान कें पैक करबा मे हमरा एतेक समय लागल, पैकिंग के सामान से लागल। खोलि देला सँ सबटा नष्ट भऽ जाएत।फेर हम हवाइ जहाज मे चेकइन कोना कराएब ? यदि ओ गछथि जे फेर ओहिना पैकिंग करबा देताह तऽ हमरा कोनो हर्ज नहि अछि, हम खोलि देबैक। हम बेर बेर एहि बात पर जोड़ देलियैक जे पैकिंग के जबाबदेही हुनके रहतन्हि। एहि बात पर ओ कने नरम पड़लाह आ किछु तारतम्यक बाद सबटा कागज पर एके बेर मे मोहर लगा देलन्हि। हम बाजी जीति गेलहुँ।

तकर बाद कोनो झंझट नहि भेल। श्रीमतीजीक उठल अधोभाग लऽ कए जे चिन्ता छल सेहो निर्मूले साबित भेल। कतहु कियो नजरि नहि देलकै आ ने हिनका अपनहि कोनो समस्या ठाढ़ भेलन्हि। हम सब सकुशल ढाका होइत कलकत्ता पहुँचि गेलहुँ।

एयरपोर्ट पर आदरणीय श्री विष्णुकान्त झा जी उपस्थित छलाह आ कस्टम्स विभागक कलक्टरक पैरवी लऽ कए स्वर्गीय गोविन्द मिश्र सेहो उपस्थित छलाह। कोनो तरहक समस्या भेला पर हुनका सँ मददि लेल जा सकैत छल। हमरा सब कें

चारिटा टिकट छल। आ ताहि हिसाबें सामान बहुत बेसी नहिए छल। तैयो एहि दूनू व्यक्तिक उपस्थिति सँ कस्टम्स अधिकारी बहुत नीक जकाँ व्यवहार केलन्हि आ हम सब सबटा सामान लऽ कए बहार भऽ गेलहुँ।

फ्राँस यात्रा एतए समाप्त भऽ गेल।

भाग तीन

अन्यान्य जगहक अनुभव

भाग तीन : अन्यान्य जगहक अनुभव

- बर्लिन : बाम आ दहिन
    - पश्चिम बर्लिनक यात्रा
    - पूर्वी बर्लिन
    - देबालक दर्शन
    - भीख माँगब ?
    - इतिहासक टुकड़ी
- परिवारक संग लंदन भ्रमण
    - किएक लंदन?
    - बस आ जहाज
    - सारी कीनल
    - टिकट हेराएब आ भेटब
    - गाजीपुरक कलक्टर
    - लंदन कें अंतिम प्रणाम
- जेनेवा आ आसपास
    - जेनेवाक पहिल यात्रा
    - सर्न : विज्ञानक तीर्थ
    - फ्रेंच भाषाक बदलैत रूप
    - सर्नक टूर आ मिस्टर अंग्रेज
    - बिना वीजाक प्रवास
    - प्रथम उड़ान
    - चेरी बाली
    - मौं ब्लौं
    - जेनेवा लेक
    - हान्स गुटब्रोडक घर मे दिवाली
    - विवाहक प्रथा
    - लुल्ही गेलीह झूमरि खेलाए
    - दाँतक डाक्टर
    - भारतीय कॉन्सुलेट
    - पाकिस्तानी रोटी
- जर्मनीक किछु प्रसंग
    - म्यून्सटर
    - हैम्बुर्ग, डेजी आ बीयर
    - विचित्र रूम नम्बर
    - रिसर्च एवार्ड पार्टी
- जाग्रेवक अनुभव
    - यात्राक खटमिट्ठी
    - पी के अयंगारक संग बजार मे
- डबल बेड रूम : कतेक पैघ?
- बेचेरोव्का
- स्मोकिंग इज ए वे ऑफ लाइफ
- शांघाई
    - मेरचाई आ मुरगीक टांग
    - शहरक क्रिया कलाप
    - एक करोड़क मोती
- एड्रियेटिक समुद्र मे स्नान
- डैन्यूब मे नौका विहार
- बेइजिंग

  - कतेक पुरान ?
  - देबालक आकर्षण
  - मोल मोलाई
  - माओ सूतल छथि
  - समर पैलेस
- मॉस्को
- वोल्गाक कछेर मे
  - विज्ञानक तीर्थ दुबना
  - वोल्गाक कछेर
  - दुबना इलाका
  - ईवान ग्रोज्नीक संग चाह
  - वोल्गाक सम्मान

बर्लिन : बाम आ दहिन

पश्चिम बर्लिनक यात्रा

1984–85 के फ्राँस प्रवासक अवधि मे बर्लिन घुमबाक अवसर भेटल छल। पश्चिम बर्लिन मे हमर मित्र एवं सहकर्मी शान्तनु पाल हान माइटनर इन्सटिच्यूट मे रहथि। हम दूनू गोटे 1984 मे एकहि समय अपन अपन पोस्टडॉक्टरल रिसर्चक लेल यूरोप गेल रही।

गेनिलक हमर रूममेट आन्द्रेयास क्यानोव्स्की बराबरि अपन गाड़ी लऽ कए बर्लिन चल जाथि, चल आबथि। जून 1985 मे एक सप्ताहक छुट्टी मे हम सब हुनके संग गाड़ी सँ बर्लिन जेबाक विचार कएल। काँ सँ बर्लिन करीब 1300 किलोमीटर छलैक जे 13–14 घंटाक यात्रा छलैक। आन्द्रेयास कें पेट्रोलक खर्चाक हिस्सा वहन करबाक विचार देलिएन्हि तँ ओ राजी भऽ गेलाह। बर्लिन मे हमरा सबकें शान्तनुक संगें रहबाक छल।

प्रिफेक्चर सँ अनुमति लेल जे हम सब एक सप्ताहक लेल फ्राँस सँ बाहर जाएब। वीजा आदि करा लेल गेल। पश्चिम बर्लिन जेबाक लेल पूर्वी जर्मनी होइते सड़क छलैक। पूर्वी जर्मनी मे कम्यूनिस्ट शासन छलैक। साठि सँ अस्सी के दशक छल शीत युद्धक अवधि। पश्चिमी आ पूर्वी जर्मनीक बीच संघर्ष आ प्रतियोगिता खूब बेसी।

आन्द्रेयासक संग भिनसरक जलखै कऽ कए सवेरे काँ शहर सँ विदा भेलहुँ। फ्राँस सँ बेल्जियम होइत जर्मनी जेबाक छल। बटखर्चा पुष्ट सँ लेने रही, कारण दूटा बच्चा छल आ बाट घाट यत्र कुत्र हम सब किछु खाइओ नहि सकैत छलहुँ।

मौसम बढ़ियाँ छलैक। कार सँ एतेक दूरक यात्रा हमरा सबहक लेल पहिले अनुभव छल। रस्ता मे चाह आदि पीलहुँ। एक ठाम भोजन करबाक लेल रुकलहुँ। कतहु कतहु ट्रैफिक धीमा भऽ जाइत छल, जतए सड़क पर मरम्मतिक काज चलैत छलैक। मुदा बेसी रस्ता हम सब 100–120 किलोमीटर प्रति घंटा के गति सँ चलैत रहलहुँ। एवम् प्रकारें साँझ तक हम सब पूर्वी जर्मनीक सीमा पर पहुँचलहुँ।

पूर्वी जर्मनी के सीमा पुलिस के बारे मे आन्द्रेयास कतेक खिस्सा पिहानी सुनौने छलाह। एतए सीमा मे प्रवेश करै काल गाड़ी आदिक जाँच विशेष विस्तार सँ होएबाक सम्भावना रहैत छलैक। सन्देह भेला पर कोनो कोनो गाड़ी कें तँ पार्ट पुर्जा पर्यन्त खोलि कए जाँचल जाइत छलैक। यात्रीगण कें दू चारि मिनट सँ लऽ कए कइएक घंटा तक एतए रोकल जा सकैत छलैन्हि।

हम कने बेसी सशंकित रही, कारण एकटा जर्मनक संग एकटा भारतीय परिवार जा रहल छलहुँ। यद्यपि हमरा सबहक कागज पत्तर सब ठीके छल आ एहेन कोनो प्रतिबन्धित वस्तुओ नहि छल संग मे, मुदा आन देशक सीमा मे डर तँ स्वाभाविके।

चेकपोस्ट पर गाड़ी सबहक लाइन लागल छलैक। जखन हमरा सबहक नम्बर आएल तँ गाड़ी कें हटा कए कात करा लेल गेल। ई एकटा खतरा के संकेत छल। फेर हमरा सब गोटे कें उतरबाक लेल कहल गेल। खतराक ई दोसर संकेत छल। पूर्वी जर्मनीक पुलिस आ आन्द्रेयासक बीच जर्मन भाषा मे बातचीत भऽ रहला सँ हमरा सब कें किछु बुझबा मे नहि आबि रहल छल, मुदा हम हान माइटनर इन्सटिच्यूट के नाम टा कएक बेर सूनि पओलहुँ। लागल जे एहि शब्दक किछु प्रभाव पड़लैक, कारण मात्र डिक्की के साधारण जाँच के बाद तुरत्ते हमरा सब कें छोड़ि देल गेल।

गाड़ी मे बैसि सब गोटे निसास छोड़ल। आन्द्रेयास कहलन्हि जे खतरा तँ छल, मुदा हान माइटनर इन्सटिच्यूट के संदर्भ बतौला सँ टलि गेल।

तकर बाद रस्ता निष्कंटक छल। करीब दश बजे राति मे हम सब शान्तनु के डेरा पहुँचलहुँ। आन्द्रेयास एक सप्ताहक लेल विदा लेलन्हि। हुनकर घरक टेलीफोन नम्बर लऽ लेल।

अगिला दू तीन दिन सामान्ये रूप सँ बीतल। एक दिन हान माइटनर इन्सटिच्यूट मे हमर भाषण छल आ बाकी दिन किछु समय निकालि पश्चिम बर्लिन शहर थोड़ बहुत देखल। तकर बाद हम सब पूर्वी बर्लिन देखबाक विचार कएल।

पूर्वी बर्लिन

बर्लिन शहर मे पश्चिमी भाग सँ पूर्वी भाग जेबाक लेल पूर्वी जर्मनीक सरकार नीक व्यवस्था केने छलैक। कारण पूर्वी बर्लिन के टूरिस्ट आकर्षण सेहो खूब बेसी छलैक आ सरकारक लेल पश्चिमी मुद्रा (मार्क) अर्जित करबाक नीक साधन सेहो छलैक। यद्यपि पूर्वी जर्मनीक मार्क के मूल्य पश्चिमी बाजार मे बड़ कम छलैक, तथापि सीमा पर पूर्वी बर्लिन जेबा काल दूनू मुद्राक मूल्य बराबरि बना देल जाइत छलैक। पूर्वी जर्मनीक मार्क तँ लोक खुला बाजार मे कीन नहि सकैत छल, तें सरकार जे दाम बना दैक सएह स्वीकार करए पड़ैक।

सबेरे जलखै कऽ कए हम सब बस सँ सीमा पर पहुँचलहुँ। ओतए लोकक कतार लागल छलैक। हमहू सब कतार मे लागि गेलहुँ। कतार एकटा साँकड़ गली सँ चलैत छलैक जे सीमा परहक मकान मे कोनो सस्ता प्लाइवूड के पार्टीसन जकाँ बनाओल लगैत छलैक। पूर्वी जर्मनीक गरीबीक अन्दाज एतहि सँ लागि रहल छल। कतार मे बढ़ैत हमरा सबहक

पार जखन आओल, ओतुका इमिग्रेसन के कर्मचारी हमरा सबहक पासपोर्ट राखि लेलन्हि आ चारि गोटेक हेतु 20 मार्क प्रति व्यक्ति के हिसाब सँ 80 मार्क रखा लेलन्हि आ एकटा रसीद पकड़ा देलन्हि। यद्यपि हमरा सबहक पासपोर्ट दुइए टा छल आ बच्चा सबहक नाम माइक पासपोर्ट मे चढ़ाओल छलैक, एतए हमरा चारि गोटेक फीस लागि गेल। खर्चाक लेल ओतहि किछु मुद्रा एक्सचेंज कराओल। मकान सँ बाहर निकलैत हम सब सीमा पार कऽ गेलहुँ आ पूर्वी बर्लिन मे प्रवेश कएल।

विकासक दृष्टिकोण सँ पूर्वी आ पश्चिमी बर्लिनक तँ कोनो तुलने नहि, मुदा तैयो पूर्वी बर्लिन हमरा नीक लागल। बँटबारा तऽ बीस पचीस साल पहिने भेल छलैक। ताहि सँ पूर्व मे बर्लिन तऽ एकीकृत जर्मनीक राजधानी छलैक आ सब दिन सँ यूरोपक एकटा उन्नत शहर छलैक। यातायात मे बस आ ट्राम के नीक व्यवस्था देखलियैक।

सबसँ पहिने हम सब ब्रैन्डेनबुर्ग गेटक समीप गेलहुँ, जतए सँ बर्लिनक देबाल देखल जा सकैत छलैक। ब्रैन्डेनबुर्ग गेट अविभाजित बर्लिन के एकटा प्रसिद्ध स्थल छलैक जे कि शहर के प्रवेश द्वार बूझल जाइत छलैक। विभाजन के बाद ई पूर्वी बर्लिन के अधिकार मे आबि गेल छलैक।

ओतए हमरा सब कें करीब 200 मीटर दूरे रोकि देल गेल। एतए पैघ घेरा बनाओल छलैक। ओहि घेराक भीतर कड़गर पहरा छलैक। गेटक समीप किछु सिपाही बैसल आ किछु पहराक रूप मे एमहर सँ ओमहर टहलैत। बर्लिन के देबालक जतेक चर्चा सुनने छलियैक से एतेक दूर सँ देखबा मे कोनो आकर्षक नहि लागल। एक हिसाबें निराशे भेलहुँ।

तकर बाद हम सब परगामन म्यूजियम गेलहुँ। परगामन प्राचीन एशिया माइनर (एखनुक तुर्की) मे एकटा नामी शहर छलैक। ताही नाम पर म्यूजियम के नाम राखल गेल। एतए मोन हर्षित भए गेल। एतए सब किछु विशाल। पेरिस मे लूब्र म्यूजियम कतेको बेर देखने रही, मुदा परगामन के विशेषता एकदम अलग। सब म्यूजियम के अपन किछु विशेषता होइत छैक। परगामन के विशेषता छलैक तुर्की आ अरब सभ्यताक पुरान वास्तुकलाक अद्वितीय संग्रह। विशालकाय मीनार, स्तम्भ, काठक बनल दरवाजा आदि। मीनार सब पर चित्रकारी, सजावट ओहिना सजीव। परगामन अल्टार, मिलेतस के मार्केट गेट, म्सात्ता फॅसाद (अग्रभाग) आदि जएह देखी, सब एक सँ एक पैघ। जेना कहबी छैक लंका मे जे सबसँ छोट से उनचास हाथ, तहिना एतए प्रदर्शनीक कोनो वस्तु 10–15 मीटर सँ छोट नहि । हमरा सबसँ बेसी आकर्षित केलक ईस्तर गेट। 14 मीटर ऊँच (चारि तल्ला मकानक आकार बूझू) आ 30 मीटर चाकर एहि गेट कें देखि कियो कोना कहतैक जे ई म्यूजियम मे मात्र एकटा प्रदर्शनीक वस्तु थिकैक ? एकरा बेबीलोन के खुनाई के बाद टुकड़ी टुकड़ी एतए आनल गेलैक आ फेर एकत्रित कएल गेलैक। एहिना आनो वस्तु सभ कें टुकड़ी टुकड़ी आनि एतए सजाओल गेलैक। मूल वास्तुकलाक लूड़ि सँ एहि टुकड़ी कें सजएबाक लूड़ि कनियो कम नहि।

म्यूजियम देखबा मे बहुत देरी भए गेल आ भोजनक समय सेहो बीतल जा रहल छल। हम सब भोजनक लेल टीवी टावर गेलहुँ जकरा उपर रिवॉल्विंग रेस्तराँ छलैक। पूर्वी बर्लिन मे टीवी टावर आ एकर रिवॉल्विंग रेस्तराँ मुख्य आकर्षण आ एकटा नीक दर्शनीय जगह। तें भोजन एही रेस्तराँ मे केला सँ एक पन्थ दुइ काज होइत।

दुर्भाग्य सँ तावत समय कने मेघौन भऽ गेलैक। ऊपर सँ बर्लिन शहर के दृश्य ओतेक स्पष्ट जकाँ नहि देखि सकलहुँ। तथापि एतेक ऊपर बैसल छलहुँ जे एतए सँ देबाल अस्तित्वहीन भऽ गेल छलैक। घूमैत रेस्तराँ मे ब्रैन्डेनबुर्ग गेटक बाहर पश्चिम बर्लिनक हिस्सा बला बड़का सड़क, तकर काते कात टियर गार्टनक हरियरी, सबटा मनमोहक छलैक। आँखि जुड़ा गेल।

जर्मनीक एकीकरण भेलाक बादो 368 मीटर उँचाइ बला ई टीवी टावर पूरा जर्मनी मे सबसँ ऊँच वस्तु छैक। टीवी टावर आ एकर रिवॉल्विंग रेस्तराँ बहुत धनीक आ उन्नत पश्चिमी बर्लिन मे तँ नहि छलैक। अपेक्षाकृत गरीब पूर्वी जर्मनी मे एकरा बनएबाक की औचित्य ? पता लागल जे ई टावर पश्चिम जर्मनी कें नीचा देखबैए लेल बनाओल गेल छलैक।

रेस्तराँ आध घंटा मे एक चक्कर काटि लैत छलैक। मुदा लेट भऽ गेला सँ ओतए भीड़ नहि छलैक आ हम सब करीब एक घंटा बैसल रहलहुँ। पेरिस मे ईफिल टावर के दुतल्ला पर रेस्तराँ मे हम सब कतेक बेर भोजन केने रही, मुदा ओ ने एतेक उँचगर छलैक आ ने घुमैत छलैक। एतुका आनन्दे दोसर।

नीचा एलाक बाद बुन्नी नीक जकाँ परए लगलैक। किछु काल विन्डो शॉपिंग केलाक बाद पूर्वी बर्लिन सँ विदा लेल।

देबालक दर्शन

अगिला दिन दूनू बच्चा थाकल रहला सँ डेरे पर रहि गेलथि। हम दूनू गोटे विदा भेलहुँ बर्लिनक देबाल कें दोसर कात सँ देखए लेल। एहि कात पश्चिम बर्लिन मे ब्रैन्डेनबुर्ग गेटक लगे मे राइख्सटैग बिल्डिंग छलैक, जे हिटलर के राज मे थर्ड राइख के शासनक केन्द्र छलैक। ओहि बिल्डिंग कें आब म्यूजियम बना देल गेल छलैक। ईहो दर्शनीय स्थल छल।

मेट्रो सँ उतरि हम सब राइख्सटैग के लेल एकटा बस लेल। बस गन्तव्य सँ करीब एक डेढ़ किलोमीटर पहिनहि उतारि देलक। जर्मन भाषा मे किछु सूचना देल गेलैक, मुदा हम सब बूझि नहि सकलियैक। दिनक मौसम नीक छलैक आ बगल

मे टियर गार्टन सन सुन्दर स्थान, जतए टहलबाक नीक रस्ता बनाओल। हम सब टहलैते टहलैते राइख्सटैग बिल्डिंग पहुँचि गेलहुँ। ओतए म्यूजियम आदि देखलाक बाद बगल के गली सँ चल गेलहुँ ठीक ब्रैन्डेनबुर्ग गेटक सामने।

गेट तँ देबालक ओहि कात पूर्वी बर्लिन मे छलैक, मुदा देबाल आइ हम सब मात्र दस बारह हाथक दूरी सँ देखि रहल छलहुँ। देबाल कें कल्हुका देखब आ अजुका देखब मे जेना राति आ दिनक अन्तर। कालि जेना मौसम मेघौन छल तकर विपरीत आइ चमकैत सूर्य। कालि देखल सिपाही सभक कड़ा पहरा, आइ सब किछु मुक्त। हँ, देबालक काते काते करीब दश हाथ जमीन छोड़ि एकटा ढाठ लागल, जकरा फानब सेहो कठिन नहि। ओना लोक कहैत छलैक जे एहि जमीन मे सब ठाम लैंड माइन गाड़ल छैक, मुदा लागल जे एहि कात नहि, लैंड माइन ओहि कात हेतैक। पश्चिम बर्लिनक सुखी समाजक लोक किएक देबाल फानि कए पूर्वी बर्लिनक गरीब इलाका जाएत ? मुदा ढाठ फानब जरूर चलैत हेतैक, कारण देबाल पर सर्वत्र अनेक तरहक नारा आदि लिखल छलैक। देबाल तक पहुँचबाक लेल ढाठ फानब जरूरी छलैक।

एहि साधारण देबाल के सांकेतिक महत्त्व तऽ भैए गेल छलैक। बाद मे फ्राँस के प्रसिद्ध चित्रकार 'थिएरी न्वा' देबालक कतेक रास जगह पर पैघ चित्रकारी केलन्हि जे अद्वितीय भेलैक। आब देबाल देखनिहार टूरिस्ट कें एकटा आर बहाना भेटलैक।

कल्हुका अनुभवक तुलना मे आइ एतेक लग सँ देबाल देखि हम सब मुग्ध भए गेलहुँ। देबाल के बनाबटि मे एहेन कोनो विशेषता नहि छलैक, मुदा एकर ऐतिहासिक महत्वे बड़ बेसी भऽ गेल छलैक। लागल जेना कालि बर्लिन वाम छलीह, कारण हम सब रही कम्यूनिस्ट अर्थात् लेफ्ट के भू भाग मे। आइ बर्लिन दहिन भए गेलीह, कारण आबि गेलहुँ पश्चिमी यूरोपक अर्थात् राइट के भू भाग मे।

देबाल देखबा मे आ फोटो लेबा मे हम सब ततेक भाव विभोर भए गेलहुँ जे समय के ठेकाने नहि रहल। एकाएक लागल जे लोक सब पतरा गेलैक आ जेहो छलैक से हड़बड़ा कए जा रहल छलैक। हमहुँ सब लगले घूरि एलहुँ राइख्सटैग घर के सामने बला बस स्टैंड पर। ओतए एकोटा बस नहि। देखल जे रस्ता सब पर सौंसे पुलिस भरल। तखन एक गोटे टूटल फूटल अंग्रेजी मे बुझौलन्हि जे आइ एतए मिलिटरी के परेड हेतैक तें बस बन्द छैक। जल्दी निकलि जाउ, कारण पूरा रस्ता साँझ तक बन्द रहतैक। ई कहि ओ अपन कार मे पड़ा गेलाह। आब बूझल जे किएक अबैत काल बस किछु दूर पहिनहि अन्त भऽ गेल छलैक आ जर्मन भाषा मे देल सूचना सेहो सम्भवतः एही सम्बन्ध मे छलैक।

भीख माँगब ?

आब की करू ? एकेटा उपाय बचल जे ककरो सँ लिफ्ट माँगल जाए। एकदम अपरिचित जगह मे अपरिचित लोकक बीच आ भाषा नहि जनैत लिफ्ट कोना माँगी ? जर्मन भाषा मे मात्र दूटा शब्द सिखने रही : 'दाँके' (धन्यवाद) आ ओकर प्रतिरूप 'बिट्टे' (जे भेल अंग्रेजीक नो मेन्सन)। हाथ उठा कए आँगुर देखा कए लिफ्ट मँगैत लोक कें देखने तँ छलियैक, मुदा कएल तँ नहि कहियो। एम्हर श्रीमतीजी एकर अनुमतिओ नहि दए रहल छलीह। विचित्र इतस्ततः के स्थिति छल। हम अहाँ हजारो भिखमँगा कें भीख मँगैत देखने छियैक, मुदा केहनो विकट परिस्थिति आबि जाएत तँ की भीख माँगल पार लागत ?

समय बीतल जा रहल छलैक आ बचल खूचल गाड़ी सब सर्र सर्र निकलल चल जा रहल छल। किंकर्तव्यविमूढ़ताक स्थिति सँ बहराएब आवश्यक छल। हम घबराइते घबराइते हाथ उठाइये देल। एकटा गाड़ी कने आस्ते भेल, मुदा लग आबि फेर निकलि गेल। दोसर गाड़ी ध्यानो नहि देलक, ओहि मे एकटा नबकबेर प्रेमी युगल छलथि। हम आशाहीन भेल जा रहल छलहुँ कि तखने तेसर गाड़ी आएल आ हमरा लग ठाढ़ भए गेल। ओहि मे लोक तँ एकेटा, जे स्वयं ड्राइवर भेलाह, मुदा पछिलुका सीट पर एकटा झबड़ा कुकुर बैसल। कुकुर सँ हमर श्रीमतीजी दश लग्गा हटिए कए रहैत छथि। कलकत्ताक सड़क रहितैक तखन ने ओहि कुकुर कें बैला दितियैक। एतए तँ ओ अधिकार सँ अपन सीट पर बैसल छल। हमरा निर्णय लेबा मे बिलम्ब करैत देखि ओ व्यक्ति अपन गाड़ी स्टार्ट करए लगलाह। हम क्षणांशे मे निर्णय लेल, श्रीमतीजी कें ड्राइवर के बगल बला अगिला सीट पर धकेलि देल आ अपने कुकुरक बगल मे पछिला सीट पर बैसि कार के गेट बन्द कएल।

ओ धर्मात्मा व्यक्ति गाड़ी चलौलन्हि आ हम सब समय रहैत पुलिसक घेरा सँ बहरेबा मे सफल भेलहुँ। कुकुर बेचारा शान्ते रहल। आगन्तुक सँ ओकरा कोनो डर नहि छलैक। लिफ्ट देनिहार सँ अंग्रेजी मे हम वार्तालापक चेष्टा कएल, मुदा कोनो प्रत्युत्तर नहि भेटल। अन्त मे हम बर्लिन मेट्रो के नक्शा हुनका देखाओल आ संकेत सँ बुझाओल जे कोनो नजदीक के मेट्रो स्टेशन पर ओ हमरा सब कें उतारि देथि। ई बात ओ बूझि गेलाह। किछुए मिनट मे गाड़ी एकटा मेट्रो स्टेशन लग ठाढ़ भए गेल। हम सब गाड़ी सँ उतरलहुँ आ बेर बेर 'दाँके' कहि हुनका धन्यवाद देल। ओ ओतबे बेर बिट्टे कहलन्हि। फेर हम सब मेट्रो लऽ कए शान्तनु के डेरा घूरि अएलहुँ।

इतिहासक टुकड़ी

पूर्वी जर्मनी आ पूर्वी बर्लिन आब इतिहास भए गेल। देबाल टूटि गेलैक आ जर्मनीक एकीकरण भए गेलैक। सूनल जे टुटलाहा देबालक ईंटा पर्यन्त बिकेलैक, जे लोक सब धरोहरि के रूप मे जोगा कए रखलक। जखन देबालक विशेष भाग टूटि गेलैक तखन प्रशासन कें ध्यान एलैक एकर ऐतिहासिक महत्वक। तखन तोड़बा पर रोक लगा देल गेलैक। से किछु अंश बाँचल छैक।

इतिहासक टुकड़ीक रूप मे हमरा लग बाँचल अछि पूर्वी जर्मनीक किछु सिक्का, पासपोर्ट पर डीडीआर के दूटा मोहर आ मात्र दूटा फोटो – देबाल क दूनू कात सँ लेल। सत्ते, ई आब अनमोल अछि।

परिवारक संग लंदन भ्रमण

किएक लंदन?

फ्राँस प्रवासक एक बरख के समय लगिचा गेल छल। गैनिल मे हमर नौकरी छऽ मासक लेल बढ़ि गेल छल। हम अपन छुट्टी बढ़ेबाक आवेदन कलकत्ता पठा देने छलियैक। 1985 के जुलाई मास मे हमरा पता चलि गेल जे छुट्टी बढ़ेबाक हमर आवेदन मंजूर नहि भेल। अपन विभागे जखन छुट्टी नहि बढ़ौलक, तखन तऽ देश वापस जेबाके छल। एहि बीच हम सब फ्राँसक बाहर मात्र बर्लिन टा घूमल रही। आब ने बेसी समय छल आ ने टाका। तें सोचल जे कम सँ कम लंदन घूमि ली। परिवारक लेल तऽ बात ठीके छलैक, जे पता नहि फेर कहिया लोक विदेश आबि सकत। ओना ई बात हमरो लेल ठीक छल। हम हरेक विदेश यात्राक बाद इएह सोचैत वापस अबैत छी जे ई अन्तिम यात्रा छल।

जखन ई निश्चित भऽ गेल जे वापस जेबाके अछि तखन एकटा समस्या आर ठाढ़ भेल – बच्चा सब कें कलकत्ता मे फेर कोन स्कूल मे नाम लिखाएब आ कोना। एक तऽ हम सब सेसनक बीच मे कलकत्ता पहुँचि रहल छलियैक, जखन कि सबटा एडमिशन अप्रिले मे भऽ जाइत छलैक आ दोसर, एडमिशन मे ओतुका टंट बंट तऽ बुझले छल। तैयो साहस कऽ कए भारतीय विद्या भवनक जे नवका स्कूल साल्ट लेक मे खूजल रहैक, तकरा प्रिंसिपल कें एकटा चिट्ठी लिखल अपन फ्राँस प्रवासक वर्णन करैत आ ईहो आग्रह करैत जे हमरा बच्चा सबहक लेल किछु विशेष विचार कएल जाए। हुनकर जे उत्तर भेटल से बहुत उत्साहवर्द्धक छल। हुनकर एकटा बहुत छोट माँग छलन्हि : स्कूलक लेल ओ एकटा वीडियो लाइब्रेरी बना रहल छलाह, जे ओहि समय मे बहुत नव बात छलैक। ताहि लेल हम यदि किछु सहायता कऽ दिएन्हि तऽ नीक रहैत। ई सहायता नकद नहि, अपितु, वीडियो कैसेट के रूप मे, जाहि मे बालोपयोगी प्रोग्राम रहैक।

फ्राँसक टीवी सब मे एहेन प्रोग्राम तऽ बहुत अबैत रहैक, मुदा सबटाक भाषा फ्रेंच रहैत छलैक। ओतए अंग्रेजीक प्रोग्राम कतए भेटत ? एही बीच हमरा एकटा भारतीय परिवार सँ परिचय भेल जे काँ सँ करीब सौ किलोमीटर दूर लुहाव्र मे रहैत छलाह। ई लोकनि पंजाबी छलाह आ हिनकर बहुत रास मित्र, सम्बन्धी सब लंदन मे रहैत छलखिन्ह। ओ लोकनि एहि बात मे मददि करबा लेल तैयार भेलाह आ किछु दिनक बाद हमरा खबरि केलन्हि जे लंदन यदि हम जाई तऽ ओतए आशा धीरी नामक महिला सँ भेंट करी। हुनकर टेलीफोन नम्बर सेहो देलन्हि। हम आशाजी सँ बात कएल आ अपन उद्येश्य हुनका बता देल। ओ सहर्ष स्वीकार कऽ लेलन्हि जे पहिनहि सँ बीबीसी के बच्चा बला प्रोग्राम सब कें एकटा वीडियो कैसेट मे रेकर्ड कऽ कए रखतीह आ लंदन गेला पर हमरा सब कें दऽ देतीह। ओ स्वयं एकटा सारीक दोकान पर काज करैत छलीह। हमरा सब कें लागल जे एक पंथ दुई काज भऽ जाएत। सारियो सब कीन लेब आ वीडियो कैसेट सेहो लऽ लेब। सनेसक रूप मे किछु सारी तऽ किनबाके छल, आ पेरिस मे नीक किछु भेटैत नहि छलैक। लंदन मे एकर कोनो कमी नहि छलैक।

सब तरहें लंदन जाएब उचिते नहि, बल्कि आवश्यक सेहो भऽ गेल।

बस आ जहाज

लंदन जेबाक तैयारी करए लगलहुँ। गैनिल ऑफिस मे एसएनसीएफ के एजेंट महिला अबैत छलीह, हुनके मददि लेल एहि यात्राक लेल, कारण ट्रेन टिकट तऽ हुनके सँ लेबाक छल आ एसएनसीएफ पूरा ट्रैवेल एजेंटक काज सेहो करिते छलैक। जुलाई सन मास जखन पूरा यूरोप छुट्टीक मूड मे पागल रहैत अछि, अन्तिम समय मे यात्राक योजना बनेला सँ पैध समस्या भेल सस्त होटल भेटबा मे। लोक छुट्टीक योजना दू तीन मास पहिनहि सँ बनबैत छल आ अपना बजट के हिसाबें होटल आदि बुक कऽ लैत छल। बहुत मसक्कतिक बाद अगस्तक पहिल सप्ताह मे एकटा होटल मे छः बेड बला एकटा रूम भेटल। स्वीकार कऽ लेल। किछु अडंडे सही, मुदा जेबाक तऽ छलेहे।

हम सब दू राति तीन दिनक प्रोगाम बनाओल। पेरिस तक के रस्ता ट्रेन सँ आ फेर पेरिस सँ लंदन तक के रस्ता बस सँ जेबाक छल। बस लंदन एकदम भोरे पहुँचैत छलैक आ फेर साँझे मे विदा होइत छलैक तें पूरा तीन दिन घूमब सम्भव छल। विदा हेबा सँ पूर्व हम सब लंदन सिटी गाइड सेहो लऽ लेलहुँ।

पेरिस मे संध्याकाल हम सब बस पर चढ़लहुँ, जे लऽ अनलक काले (Calais) तक। एतए इंगलिश चैनल पार करबाक छल। फ्राँस आ इंगलैंडक बीच समुद्र मे सबसँ कम दूरी छैक काले आ डोवर के बीच, जे जहाज द्वारा करीब दू घंटा मे

पार कएल जा सकैत छलैक। ताहि लेल बड़का बड़का जहाज चलैत छलैक जाहि मे पूरा बस चढ़ा देल जाइत छलैक। ताहि समय इंगलिश चैनल मे ट्रेन लाइन नहि बनल रहैक। जहाज मे एकटा नीचाक डेक पर खाली बसे सब भरल। हमरा सब कें उपर के डेक पर पठा देल गेल आ कहि देल गेल जे ओहि पार पहुँचला पर फेर हम सब बस मे चल आबी।

पूरा जहाज यात्री सब सँ भरल। फ्राँस आ इंगलैंडक बीच एबा जेबाक ई सस्त साधन। बेसी पैसा बला लोक तऽ हवाई जहाज सँ चल जाइत छल। बस आ जहाजक एहि मिश्रित यात्रा मे लोक सब कें भरि राति जगले रहए पड़ैत छलैक।

भोर होइ सँ पहिने हम सब इंगलैंडक डोवर बन्दरगाह पर पहुँचि गेलहुँ। ओतए जहाज छोड़बा सँ पहिने फेर सब गोटे अपना बस मे सबार भऽ गेलहुँ। आब किछु काल फेर बस कें सड़क पर यात्रा करबाक छलैक लंदन पहुँचबा लेल। आश्चर्य ई लागल जे फ्राँस मे दहिना कात ड्राइव करबाक नियम छलैक, आ इंगलैंड मे बामा कात, जेना अपना देश मे (ड्राइविंग के नियन कानून तऽ अंग्रजे ने बना गेलाह हमरा सब लेल)। मुदा ओ ड्राइवर सब एहेन सिद्धहस्त जे स्टियरिंग बामा कात रहौक कि दहिना कात, गाड़ी चला लैत छल।

लंदन मे समय फ्राँसक समय सँ एक घंटा पाछू। तें हम सब जखन होटल पहुँचलहुँ तखन हमरा हिसाबें सात बाजि गेल छलैक, मुदा एतुका लोकक लेल तऽ छऽ बाजल छलैक।

होटल मे जा कए रूम मँगलियैक। काउन्टर पर जे व्यक्ति छल से कहलक जे रूम उचित मे दश बजेक बादे भेटत कारण खाली तऽ भऽ गेल छैक, मुदा साफ सफाई नहि भेल छैक। भोरे भोर एतेक काल कोना रूकब ? सबकें नित्य क्रिया सँ निवृत हेबाक छल। फेर ओकरा आग्रह केलियैक। एकटा कॉमन ट्वायलेट देखा देलक। अस्तु, आधा काज तऽ ओहि सँ कएल, मुदा स्नान सेहो करबाक छल। बहुत जोर देला पर ओ हमरा सब कें रूम तऽ देलक एहि शर्त पर जे ओ गन्दा छैक, मुदा कहुना व्यवहार कऽ ली। एकटा साफ तौलिया मँगलहुँ आ ओही सँ चारू गोटे स्नानादि कऽ कए लंदन भ्रमण के लेल विदा भऽ गेलहुँ। सामान सब रूमे मे छोड़ि देलियैक।

सारी कीनल

सब सँ पहिने हम सब चल गेलहुँ आशा धीरी सँ भेंट करए। वीडियो कैसेट लेब अति आवश्यक काज छल, कारण कलकत्ता वापस एला पर एही सँ दूनू बच्चाकें स्कूल मे एडमिशन हेबाक सम्भावना छल। एहि लेल बस आ मेट्रो दूनूक काज पड़ल। मेट्रो कें इंगलैंड मे टयूब कहल जाइत छैक, कारण सुरंग एकटा नली जकाँ लगैत छैक। अपन अपन सोच आ प्रथा। हम सब डबल डेकर बस सँ यात्रा करैत रहलहुँ जाहि सँ शहरक किछु दृश्यावलोकन सेहो होअए। जेना कि सब शहर मे होइत छैक, बसक सवारी मे समय बेसी लागल।

आशाजीक सारीक दोकान पर हम सब करीब एक घंटा रहलहुँ। ओ वीडियो कैसेट लेनहि आएल छलीह। कतबो कहलिएन्हि जे किछु दक्षिणा लऽ लिअ, मुदा ओ तैयारे नहि भेलीह। एतेक तक जे खाली कैसेट के दाम पर्यन्त नहि लेलन्हि। ओ अपना घर एबाक निमंत्रण सेहो देलन्हि, मुदा समयाभावें आ जगह हमरा सबहक होटल सँ बहुत दूर रहला कारण हम सब एकरा स्वीकार करबा मे असमर्थ भेलहुँ।

इच्छा आ वित्तक मोताबिक हम सब खूब बेसी कए सारी कीनल।

सारीक पैकेट लेनहि हम सब आब लंदन भ्रमण पर विदा भेलहुँ। पहिल दिन हमर पुरान देखलाहा जगह सब के अतिरिक्त मदाम तुसोक मोमक म्यूजियम देखल। हमहूँ एकरा पहिले बेर देखि रहल छलहुँ। सत्ते मे ई अद्‌भुत कलाकारीक संग्रह छिऐक। विश्वक प्रायः सब नामी व्यक्तिक मूर्ति एतए। ओ व्यक्ति नेता, संत, फिल्म स्टार, फुटबॉलर आ कि क्रिकेटर कियो भऽ सकैत छलाह। लोक कतेक प्रसिद्धि पबैत अछि तकर एकटा पैमाना ईहो जे ओकर मूर्ति एहि म्यूजियम मे लगलैक अछि की नहि। एहेन जीवंत मूर्ति सब, जे विश्वासे नहि होइत कि अहाँ वास्तव मे गाँधीजीक बगल मे ठाढ़ नहि छी आ कि कुम्हरो सँ नेल्सन मेन्डेला, सोबर्स, पेले आ कि इंदिरा गाँधी अहाँ पर नजरि नहि रखने छथि। एतए बच्चा सब खूब फोटो खिचेलक विभिन्न व्यक्तिक संग।

साँझ खन थाकि हारि कए होटल घूरि एलहुँ। लगे मे एकटा रेस्तराँ मे भोजन कएल। होटल मे रूम आब चिक्कन चुनमुन भऽ गेल छल।

टिकट हेराएब आ भेटब

भोजन केलाक बाद जखन रात्रि विश्रामक लेल तैयारी करैत रही तखन बैग मे सब वस्तु तऽ देखल, मुदा बसक रिटर्न टिकट भेटबे नहि कएल। जतेक सामान छल सबटा कें कतेको बेर उनटा पुनटा कए देखि लेल, मुदा टिकट नहि छल आ नहिए भेटल। फेर रिसेप्शन काउन्टर पर पूछताछ कएल जे सम्भवतः भोर मे रूम लैत काल जखन टिकट बला जैकेट सँ होटलक कूपन बहार केने रही, तखन ओतहि तऽ ने छूटि गेल। काउन्टर पर स्टाफ तऽ बदलि गेल छलैक। ओहो जतेक तकबाक चाहियैक ततेक तकलन्हि, मुदा जे नहि भेटबाक छलैक से नहिए भेटलैक। ईहो जिज्ञासा कएल जे साफ

सफाई कऽ कए कचरा कतए फेकल जाइत छैक, मुदा ओ व्यक्ति एहि सँ पूर्ण अनभिज्ञ छलाह। ओ कहलन्हि जे भोर मे जखन सफाई बाली महिला औतीह, तखन हुनके सँ बूझि लेल जाओ।

दिन भरि लंदन मे एतेक दूरक रस्ता मे हम सब घुमलहुँ आ टिकट कतए खसि पड़ल से कोना ताकल जाए ? आब समस्या ई नहि छल जे टाका बुड़ल। पैघ समस्या छल जे नवका रिजर्वेशन कोना भेटत। टूरिस्ट सीजन अपन चरम पर छलैक। प्रत्येक बस पहिनहि सँ पूरा रिजर्व रहैत छलैक।

पछिला रातिक जगरना आ भरि दिन टहलबाक थकनीक अछैतो भरि राति निन्न नहि भेल। टिकट आँखिए लागल छल, मुदा गेल कतए से पता नहि छल। श्रीमती जी हनुमान जी कें आर अन्य देवी देवता कें गोहराबए लगलीह आ कबुला पाती करए लगलीह।

भोरे उठि कए फेर गेलहुँ रिसेप्शन काउन्टर पर पूछै लेल जे सफाई करै बाली महिला कखन औतीह जे हुनका सँ हम पुछितिएन्हि। ओ कहलन्हि जे महिला सात बजे तक औतीह। एखन देरी छलैक। एही क्रम मे चिन्ता मे डूबल हम काउन्टरक बगल मे एकटा रैक पर राखल बहुत रास प्रचारक कागज सब ओहिना हेरैत रही कि नजरि गेल एकटा कागज पर जे फ्रेंच मे लिखल छलैक। आश्चर्य लागल जे लंदनक एहि होटल मे, जतए सबटा कागज अंग्रेजी मे छैक, ततए ई फ्रेंच भाषाक कागज कतए सँ एलैक। आ सेहो एकेटा। उत्सुकतावस ओकरा उठौलहुँ तऽ हर्षक ठेकान नहि रहल। ओ कागज आर किछु नहि, हमरे टिकट छल। कोना कए ओ ओतए पहुँचल से तऽ नहिए बूझि पेलियैक, मुदा आब जे भेटि गेल से भेटि गेल। दौड़ल रूम एलहुँ। सब एखन सुतले छल। चिन्ता मे भरि राति ककरो निन्न नहि भेल छलैक आ भोरबा मे कने आँखि लागल छलैक। सबकें उठाकए ई खुशखबरी सुनेलहुँ। ककरो विश्वासे नहि भऽ रहल छलैक, मुदा टिकट तऽ हमरा हाथ मे छल।

गाजीपुरक कलक्टर

आब तऽ भोरे सँ खुशीक वातावरण छल। आइ हम सब ब्रिटिश म्यूजियम देखबाक प्रोग्राम बनाओल। विचार छल कम सँ कम आधा दिन ओतए बिताबी। सएह कएल।

सबेरे हम सब पहुँचि गेलहुँ आ देखए लगलहुँ म्यूजियमक विभिन्न वस्तु जात कें। हम सब एतए एबा सँ पहिने पेरिस के लूव्र म्यूजियम दू बेर देखने रही आ बर्लिन के परगामन म्यूजियम सेहो देखि लेने रही। कलकत्ताक इंडियन म्यूजियम तऽ देखिनहि रही। तें एहि म्यूजियम कें देखैत काल मोन मे एकटा तुलनाक भावना आबिए जाइत छल। मुदा जतेक देखैत गेलहुँ, ओतेक लागल जे तुलना करब ठीक नहि, कारण सब कें अपन विशेषता आ विशालता छलैक।

म्यूजियमक भीतर हम सब घूमि रहल छलहुँ कि पाछू सँ लागल हिन्दी मे कियो किछु कहि रहल अछि। लंदन मे भारतीय लोकक संख्या एतेक बेसी जे हिन्दी सूनब कोनो पैघ आश्चर्य नहि, जेना कलकत्ता मे मैथिली बजैत सूनि लेब। तें हम सब ओहि दिश ध्यान नहि देलियैक आ म्यूजियम देखबा मे व्यस्त रहलहुँ। फेर सुनबा मे आएल एकटा प्रश्न "क्या आपलोग भारत से आए हैं ?" ई लागल जे हमरे लोकनि सँ पूछल जा रहल छल। आब पाछू देखहिं पड़ल। पाछू मे ठाढ़ छलाह एकटा साढ़े छऽ फुटक अंग्रेज व्यक्ति, बेस उमेरगर। हुनका मुहें एहेन नीक आ शुद्ध हिन्दी सुनि बहुत प्रसन्नता भेल। बातचीत आरम्भ भेल तऽ पता लागल जे ओ व्यक्ति भारत मे ब्रिटिश सरकारक समय प्रशासनिक सेवा मे छलाह, उत्तरप्रदेश मे बहुत समय बितौलन्हि आ गाजीपुर जिला मे कलक्टर रहि चुकल छलाह। हिन्दी ओतहि सिखलन्हि। हम हुनका अपन फ्राँस प्रवासक किछु बात बतौलिएन्हि। संगहि ईहो जे हम सब उत्तरप्रदेशक बगले बिहारक मिथिला क्षेत्र सँ अबैत छी। हुनको हमरा सब सँ गप करैत बहुत प्रसन्नता भेलन्हि। ओ मिथिला क्षेत्र सँ परिचित छलाह, कारण हुनक एकटा पितियौत हुनके जकाँ प्रशासनिक सेवा मे रहैत मुजफ्फरपुर मे कलक्टर छलाह। दूनू बच्चा कें ओ चॉकलेट देलखिन्ह। ओहो सब खुशी भेल। ई एकटा अभिनव अनुभव छल।

ब्रिटिश म्यूजियम कियो सप्ताहो भरि देखत तऽ मोन नहि भरतैक। हम सब तऽ मात्र आधा दिनक समय एकरा लेल रखने रही। अस्तु, एकटा टूरिस्ट कें संतोख तऽ करहि पड़ैत छैक। से लंचक उपरान्त हम सब ओतए सँ निकलि गेलहुँ टावर ऑफ लंदन आ टावर ब्रिज देखबा लेल।

लंदन कें अलविदा

दोसर दिनक अन्तिम समयक अनुभव बहुत कटु रहल छल। एकर वर्णन अन्यत्र कतहु भेटि जाएत। तैयो अपन छुट्टीक प्रोग्राम मे बाधा नहि आबए देलियैक। तेसर आ अन्तिम दिन हमरा सब कें होटल छोड़बाक छल, कारण मात्र दू रातिक रिजर्वेशन छल। सामान ओरिया कए होटलक अमानत मे राखि देल।

पहिल कार्यक्रम छल बकिंघम पैलेस आ आसपास देखैत 'चेंज ऑफ गार्ड' देखब। अगस्त मास छलैक पूरा टूरिस्टक सीजन, तें ई प्रोग्राम नित्य होइत छलैक। मुदा एकरा देखबा लेल भीड़ो बहुत लागि जाइत छलैक। तें लोक पहिनहि सँ जाकए कोनो नीक स्थल चूनि ठाढ़ भऽ जाइत छल, जे देखबा मे सुविधा होइक।

हम सब सबेरे जलखै कऽ कए ओतए पहुँचि गेलहुँ। एखन लोक बेसी नहि छलैक। मुदा कतए ठाढ़ भेल जाए जाहि सँ दृश्यावलोकन सेहो भऽ सकए आ जगह सुरक्षित सेहो रहैक, जे एहेन जगह सँ लगले हटऽ नहि पड़ए से तकबाक छल। एकाध व्यक्ति कें पुछला पर हम सब एक ठाम ठाढ़ भऽ गेलहुँ, जतए सँ सब किछु नीक जकाँ देखल जा सकैत छलैक।

घोड़ा पर सवार ओ गार्ड, जकर आँखि तक टोपी सँ झाँपल रहैत छलैक, से ओहुना कौतुहलक दृश्य छल। चेंज ऑफ गार्ड प्रोग्राम बहुत ताम झाम आ गाजा बाजा सँ भेलैक, जेना कि ओतेक पैघ राजाक लेल हेबाक चाही। बच्चा सब कें ई प्रोग्राम बहुत नीक लगलैक।

तकर बाद पहिने वेस्टमिन्स्टर चर्च गेलहुँ। फेर हम सब प्रधान मंत्री निवास पर घोड़ा पर सवार ठाढ़ गार्ड कें देखल। ई गार्ड लोकनि तऽ पिपनीओ नहि खसबैत छलाह। लगबे नहि करैत छलैक जे जीवित मनुक्ख ठाढ़ छैक। एहेन शान्त जे भ्रम होइक मदाम तुसो बला मोमक पुतला ठाढ़ छैक।

लंचक बाद पार्लियामेंट स्क्वायर इलाका घुमैत घुमैत हम सब चारि बजे होटल आबि गेलहुँ। सामान लेल आ बस पकड़ि आबि गेलहुँ ओहि जगह, जतए सँ राति मे पेरिसक लेल बस लेबाक छल। लंदन कें नमस्कार कएल।

ईहो एकटा संयोगे कहू जे तकर बाद सँ पछिला बीस पचीस साल मे समूचा यूरोपक भ्रमण कएल, मुदा फेर एखन तक लंदन जेबाक अवसर नहिए भेटल अछि। बूझि पड़ैत अछि जे हमहूँ लंदन पर खिसिआएल छिऐक आ लंदनो हमरा पर खिसिआएल अछि।

जेनेवा आ आसपास

जेनेवाक पहिल यात्रा

1989 के जनवरी मास। हमरा तीन मासक लेल डेप्यूटेशन पर स्विटजरलैंड आ जर्मनी जेबाक छल। हमर डेप्यूटेशन इन्डो जर्मन एक्सचेंज प्रोग्रामक अनुसार भेल छल। परमाणु ऊर्जा विभाग सँ हमर जे आर्डर आएल छल तकरा अनुसार हमरा मात्र फ्रैंकफुर्त तक के हवाइ जहाजक टिकट भेटल छल, कारण ओहि प्रस्ताव मे हमर काज देखाओल गेल छल जर्मनीक डार्म्सटाड स्थित जीएसआइ प्रयोगशाला मे प्रोफेसर हान्स गुटब्रोडक संग।

असल मे हमरा सर्न (CERN) जेबाक छल। जेनेवा मे यूरोपीय समुदायक एकटा पैघ अनुसंधान संस्थान अछि जकर मूल फ्रेंच मे नाम छैक Conseil Européen pour la Recherche Nucléaire आ संक्षेप मे सर्न (CERN) कहल जाइत छैक। नाभिकीय भौतिकी अनुसंधानक क्षेत्र मे ई संस्थान अद्वितीय अछि। द्वितीय विश्वयुद्धक बाद यूरोपक सब देश आर्थिक रुप सँ जर्जर दशा मे छल आ विज्ञानक क्षेत्र मे अमेरिका तीव्र गतिएँ प्रगति कए रहल छल। यूरोपक कोनो देश कें एतेक आर्थिक क्षमता नहि छलैक जे कोनो पैघ वैज्ञानिक परियोजना कें संचालित करए। विशेष रुप सँ नाभिकीय भौतिकीक अनुसंधान मे त्वरक (particle accelerator) के आविष्कार भेलाक बाद अमेरिका बहुत आगू भए गेल छल आ ओतए विशाल त्वरक सब बना लेल गेल छलैक। ओहू समय मे ई मशीन सब बहुत खर्चीला होइत छलैक।

एहना स्थिति मे पश्चिमी यूरोपक किछु दूरदर्शी वैज्ञानिक लोकनि नाभिकीय भौतिकी अनुसंधानक लेल संयुक्त रुप सँ प्रयोगशाला बनेबाक प्रस्ताव अपना अपना देशक सरकार कें देलखिन्ह। एहि प्रस्ताव कें अप्रत्याशित मंजूरी भेटलैक जे एकटा क्रांतिकारी घटना छलैक। एही प्रयासक फल जे स्विटजरलैंड देश के जेनेवा शहर मे 1954 मे सर्न प्रयोगशालाक स्थापना भेल। ई जगह स्विटजरलैंड आ फ्राँसक सीमा पर स्थित अछि। प्रारम्भ मे मुख्यतः पश्चिमी यूरोपक बारहटा देश एकर सदस्य बनलाह आ संयुक्त रुपें एकरा चलौलनि। कालान्तर मे अन्य कतेको देश एकर सदस्य बनलाह। वर्तमान मे बीस देश एकर सदस्य छथि। सर्नक सदस्य बनब गौरवक बात बूझल जाइत छैक। यूरोपक देश कें आर्थिक समुदायक रुप मे जोड़बा मे सर्नक सफलताक महत्वपूर्ण भूमिका छैक। ई भेल सामाजिक क्रांतिमे विज्ञानक योगदान।

यद्यपि बाद मे एकर नाम बदलि कए Organisation Européenne pour la Recherche Nucléaire (European Organization for Nuclear Research) भऽ गेलैक, तथापि संक्षेप नाम सर्न रहिए गेलैक आ एही नाम सँ ओ विश्वविख्यात भऽ गेल। आइ कालि लार्ज हैड्रन कोलाइडर आ हिग्स बोसॉनक खोजक लेल फेर चर्चा मे अछि।

प्रोफेसर हान्स गुटब्रोड हमरा लेल सर्न जेबाक सब व्यवस्था केने छलाह। ओ जर्मनीक जीएसआइ लैब मे प्रोफेसर छलाह, मुदा सर्न मे काज करैत छलाह आ जेनेवा इलाका मे रहैत छलाह। सर्न मे WA80 सांकेतिक नामक एकटा प्रयोगक ओ लीडर अथवा प्रवक्ता (स्पोक्समैन) छलाह। सर्न मे सुपर प्रोटॉन सिन्क्रोट्रॉन त्वरक पर स्थापित छऽ टा प्रयोग मे सँ एकटा ईहो छलैक। सब प्रयोगक मुख्य लक्ष्य छलैक ब्रह्मांडक उत्पत्तिक अति प्रारम्भिक समय मे पदार्थक कल्पित अवस्था 'क्वार्क ग्लुअन प्लाज्मा'क खोज करब आ अध्ययन करब। हमहूँ सब एही उद्देश्य सँ ओहि प्रयोग मे सम्मिलित होमए चाहैत रही। एहि विषय पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण सँ देल गेल किछु वर्णन मिथिला दर्शन मे प्रकाशित भेल अछि आ हमर पहिल पुस्तक 'विज्ञानक बतकही' मे सेहो भेटि जाएत।

हमरा हुनके संग प्रयोग करैक सम्भावनाक पता लगेबाक छल आ ईहो अध्ययन करबाक छल जे अपना देशक उपलब्ध औद्योगिक परिस्थिति मे भारतीय वैज्ञानिक लोकनि द्वारा एहि प्रयोग मे कोन तरहें योगदान कएल जा सकैत छलैक।

हुनके द्वारा पठाओल चिट्ठी पर हमरा जर्मनी आ स्विटजरलैंड दूनू ठामक वीजा भेटि गेल छल। हमर ई पहिल यात्रा छल सर्न देखैक लेल।

हम सबेरे फ्रैंकफुर्त हवाइ अड्डा पहुँच गेलहुँ। ओतए मीटिंग प्वाइंट पर हान्स हमरा स्वागत के लेल ठाढ़ छलाह। हमरा लेने ओ सीधे जीएसआइ लैब पहुँच गेलाह। एतए हमरा कने कालक लेल एकटा रूम देल गेल, जतए हम फ्रेश भेलहुँ आ स्नानादि क्रिया सँ निवृत भेलहुँ। ओतहि लैबक रेस्तराँ मे किछु जलपान केलहुँ। हमरा सबकें कार सँ जेनेवा जेबाक छल। हान्सक लेल जर्मनी जीएसआइ सँ जेनेवा कार सँ आएब जाएब रुटीन बात छलन्हि। जेनेवा तक के रस्ता साढ़े चारि सँ पाँच घंटा मे जा सकैत अछि लोक।

हम सब विदा भेलहुँ करीब साढ़े दश बजे। जनवरीक मास। सब तरि यात्रीजीक पत्रहीन नग्न गाछक दर्शन होअए। ई कोनो नव बात नहि छल, कारण फ्राँस मे एहिना देखने रही। कार भीतर सँ गर्म आ बहुत आरामदायक। हम सब गप सप करैत चल जा रहल छलहुँ। जर्मन औटोवान्ह पर 160 किलोमीटर प्रति घंटाक वेग सँ गाड़ी ससरैत जा रहल छलैक आ हमरा लागि रहल छल जेना कलकत्ता मे 25–30 किलोमीटरक वेग जकाँ होइक। एतेक निर्बाध गति, ने कोनो आवाज ने हिलब डोलब। आठ लेनक औटोवान्ह। दूनू कात सँ गाड़ी सब ससरैत चल जाइत।

करीब एक बजे बासल पहुँचलहुँ। ई स्विस शहर जर्मनी आ स्विटजरलैंडक सीमा पर छैक। स्विटजरलैंडक ई इलाका जर्मन भाषी छैक। सीमा पार कऽ कए हान्स गाड़ी एकटा रेस्तराँक आगू लगा देलन्हि। हमरा सब कें लंच करबाक छल।

ई सेल्फ सर्विस टाइप के रेस्तराँ छलैक। हम सब लाइन मे लागि कए भोजन लेबए लगलहुँ। हान्स हमरा सब वस्तु देखा देलन्हि आ दामो बुझा देलन्हि। ओ आगू मे छलाह। हम एकटा पैघ सलादक प्लेट लेबाक निश्चय कएल। एहि मे उपर मे कने अंडा टा छलैक, आर सब किछु शाकाहारी। एकर दाम आठ स्विस फ्रैंक लागल। ई मुदा पूरा भोजने भऽ गेल।

तकर बाद शुरू भेल जेनेवाक यात्रा। फ्राइबुर्ग शहरक बाद आबए लागल स्विटजरलैंडक फ्रेंच इलाका। तदनुरूप जगहक नाम सब सेहो लिखल। आब हिज्जय बदलि गेलैक, जे हमरा परिचिते लागल। स्विटजरलैंड मे चारिटा भाषा बाजल जाइत छैक। ई छोट देश एक कात फ्राँसक सीमा सँ सटल अछि, जतए जेनेवा भेल मुख्य शहर। ई इलाका फ्रेंच बजैत अछि। तहिना ज्यूरिख, बासल आदि मे जर्मन बाजल जाइत छैक आ दावोस इलाका मे इटालियन। बीचक किछु भाग मे एकटा मिश्रित बोली बाजल जाइत छैक।

नजदीक एला पर देखल हिमाच्छादित एकटा पहाड़। हमरा भेल जे ई मौं ब्लौं (Mont Blanc) हेतैक मुदा हान्स बता देलन्हि जे ई जूरा पहाड़ छिऐक जे सर्नक पड़ोसे मे छैक। एही पहाड़ मे सुरंग बना कए लेप (Large Electron Positron collider, LEP) त्वरक स्थापित कएल गेलैक अछि।

करीब चारि बजे हम सब सर्न पहुँचलहुँ। गेट सँ अन्दर अबैत पहिले साइन बोर्ड देखल 'रूत अल्बर्ट आइन्सटाइन'। तकर बाद देखल 'रूत ऊल्फगांग पाउली'। रूत (Route) भेल फ्रेंच, जकरा अंग्रेजी मे बुझू रोड। रोमांच भऽ गेल जे हम एहि धरती पर आबि गेलहुँ जतए सबटा सड़कक नामे छैक नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक सबहक नाम पर।

हान्स हमरा गेस्ट हाउस मे कमरा दिया देलन्हि, आस पासक एरिया आ कैंटीन देखा देलन्हि आ अगिला दिन कोनो निश्चित समय पर ओतहि आबि हमरा सँ भेंट करबाक वचन दऽ कए अपन घर चल गेलाह।

सर्न : विज्ञानक तीर्थ

सर्न मे हम पहिल बेर प्रवेश केने छलहुँ। अपना पर विश्वासे नहि भऽ रहल छल जे हम एहि पवित्र आ तेजमयी धरती पर पैर रखने छी, जे एक हिसाबें विश्वक सबसँ पैघ विज्ञानक तीर्थ छलैक। किछु कालक बाद कने टहलऽ निकलि गेलहुँ। ओहि समय मे ओतए बहुत रास भारतीय लोक सब छलाह जे सब जिकिकी महोदयक वर्ल्ड लैब मे काज करैत छलाह।

प्रसिद्ध इटालियन वैज्ञानिक अन्तोनिनो जिकिकी कें किछु मोटगर फन्ड भेटल छलन्हि, जाहि सँ ओ सर्न मे 'वर्ल्ड लैबोरोटरी' नामक संस्था स्थापित केने छलाह। एकर काज छलैक सर्नक प्रयोग सब मे आ ओहि समय मे अमेरिका मे बनैत सुपरकन्डक्टिंग सुपर कोलाइडर लेल नवीन आ विशेष प्रकारक डिटेक्टर लेल रिसर्च करब। एहि मे खास कऽ कए विकासशील देशक युवा वैज्ञानिक सब कें काज देल गेल छल। भारत, चीन आ पाकिस्तानक कतेको एहेन लोक वर्ल्ड लैबक नौकरी करैत सर्न मे छलाह।

वर्ल्ड लैबक एहने नौकरी मे चंडीगढ़, दिल्ली, जम्मू आदि के लोक सब छलाह जाहि मे किछु गोटे सर्नक गेस्ट हाउस मे हमरा भेटि गेलाह। गेस्ट हाउस मे एहन लोक सब सँ भेंट भेल तऽ नीक लागल। एकटा आर सुविधा भऽ गेल। हिनका सबहक संग साँझक भोजन बना लेबाक अवसर भेटि गेल।

अगिला दिन हान्स एकदम टाइम सँ पहुँचि गेलाह। हुनका संग हम हुनकर ग्रुपक ऑफिस जाहि बैरक मे छलन्हि ओतए गेलहुँ। सर्न के दूटा कैम्पस। एकटा स्विस साइड मे मेराँ (Meryn) गाम मे आ दोसर फ्राँस साइड मे प्रेवेजाँ (Prevision) गाम मे। दूनू मे विभिन्न आकरक बिल्डिंग सब। किछु पक्का, किछु बैरक टाइप के सेहो। एक तल्ला, दूतल्ला सँ लऽ कए सात तल्ला के बिल्डिंग सब छलैक। सबटा जेना छिड़िआएल। सबहक एकटा नम्बर, मुदा कोनो सिलसिलेबार नहि। बिल्डिंग 1 के बगल मे बिल्डिंग 500 छलैक आ तकरा बगल मे बिल्डिंग 32 सेहो। ओही ठाम जे गेस्ट हाउस छलैक तकर नम्बर 38 छलैक। जतए हान्सक ग्रुपक लोक सबहक ऑफिस आदि छलैक, ओ छल नम्बर 590 के एकटा बैरक। ई जगह गेस्ट हाउस सँ करीब एक किलोमीटर दूर। आ फेर बिल्डिंग 591 ओतऽ सँ आर 300 मीटर हटि कए। लोक कें कैम्पसक नक्शा राखब आवश्यक छलैक। नक्शे देखि कए कोनो बिल्डिंग कें ताकि सकैत छलहुँ। दूनू कैम्पस मे रोड सबहक नामकरण प्रख्यात वैज्ञानिक सबहक नाम पर कएल छलैक। यथा अल्बर्ट आइन्सटाइन रोड, पॉल डिराक रोड, मैक्स प्लैंक रोड, मैडम क्यूरी रोड आदि आदि। नक्शा मे रोडक नाम सेहो लिखल छलैक। कने मने एहने स्थिति बर्कले मे एलबीएल मे सेहो रहैक, मुदा ओतए कैम्पस एतेक पसरल नहि रहैक, तें बेसी असुविधा नहि भेल छल।

पहिने हुनका बैरक के लगे मे वेस्ट एरिया इलाका मे हुनक अपन प्रयोग WA80 देखल। प्रयोगक उपकरण के आकार प्रकार देखि विचित्र अनुभव भऽ रहल छल। गैनिल मे रहैत हम सब नाभिकीय भौतिकीक एकटा पैघ प्रयोग स्थापित केने रही, मुदा एकरा तुलना मे ओ बहुत छोट लागि रहल छल।

फेर हान्स हमरा लऽ गेलाह यूजर ऑफिस। एतए रजिस्ट्रेशन कराओल गेल आ एकटा कागज हमरा देल गेल, जाहि सँ हम सर्नक भीतर बिना रोक टोक के आबि सकैत छलहुँ। ओहि समय सुरक्षा व्यवस्था बहुत ढील छलैक। सर्न मे तऽ कोनो बम आदि सम्बन्धी काज होइत नहि छैक। ई तऽ मात्र मूलभूत विज्ञानक केन्द्र थिकैक, जतए विश्वक कोनो कोन सँ वैज्ञानिक लोकनि आबि कए रिसर्च कऽ सकैत छलाह। सब किछु एकदम खुला वातावरण मे। तें कतहु कोनो रोकटोक नहि।

सर्न के मेराँ कैम्पस मे दूटा रेस्तराँ (कैंटीन) छलैक जे नम्बर 1 आ नम्बर 2 सँ जानल जाइत छलैक। बिल्डिंग 590 मे बैसनिहार हान्सक ग्रुपक लोक सब रेस्तराँ नम्बर 2 मे जाथि। ईहो करीब 8–10 मिनट के पैदल रस्ता छलैक आ जनवरी मासक ठंढा मे एतए जाएब कठिनाहे छलैक। भोजन सामग्री फ्रेंच समाजक रुचि आ स्वाद बला। मुदा एतए सीएनआरएस जकाँ सिस्टम नहि छलैक। सब किछु अलग अलग दाम के। जे लेब से लिअ आ ताहि अनुसारें दाम दियौक।

सर्न एकटा अन्तर्राष्ट्रीय प्रयोगशाला छलैक आ एकर संस्कृति ताही रूपें बहुआयामी छलैक। यद्यपि कैंटीन मे भोजन फ्रेंच स्टाइल के छलैक, मुदा एतए अमेरिकन लोकक लेल सेहो उचित पदार्थ भेटिए जाइत छलैक। सबसँ भिन्न बात एकर टाइमिंग। सर्न मे रेस्तराँ नम्बर 1 पहिने भरि राति खूजल रहैत छलैक। आब एहि मे किछु परिवर्तन भेलैक अछि तैयो सात बजे भोर सँ एगारह बजे राति तक तऽ खुजले रहैत छैक। एतेक काल अन्यत्र कोनो वैज्ञानिक संस्थान मे कैंटीन सेवा उपलब्ध छैक, से हमरा तऽ नहि बूझल अछि। एतए संध्या पाँच बजे सँ बीयर भेटैत छैक। वाइन तऽ लंचक समय भेटबे करैत छैक। चाह, कॉफी हरदम भेटैत छैक आ रेस्तराँ मे टेबुल, कुर्सी एतेक पर्याप्त जे कखनहुँ भरल नहि लागत। कोनो समय अपने जाएब, सीट भेटबे करत। एतए हरदम वैज्ञानिक ग्रुप सबकें विज्ञान चर्चा मे व्यस्त देखि सकैत छी।

अगिला दिन हान्स हमरा लेने गेलाह प्रेवेजाँ कैम्पस देखेबा लेल। एतहि हम सब सुपर प्रोटॉन सिन्क्रोट्रॉन (एसपीएस) त्वरक देखल जे जमीनक नीचा सुरंग मे छलैक। ओकर कंट्रोल रूम देखल। एही क्रम मे ओहि सुरंगक भीतर यूए1 प्रयोगक जगह देखल। 1983 मे एही प्रयोग द्वारा कार्लो रूबियाक नेतृत्व मे डब्ल्यू आ जेड बोसॉनक खोज भेल छलैक, जाहि लेल हुनका नोबेल पुरस्कार सँ सम्मानित कएल गेल छलन्हि। तकर बाद दोसर ठाम यूए2 प्रयोगक जगह देखल। एहू प्रयोग सँ डब्ल्यू आ जेड बोसॉनक खोज भेल छलैक, मुदा रूबिया होशियार छलाह आ अपन रिजल्ट पहिने प्रकाशित कऽ लेलन्हि। यूए2 के रिजल्ट कें हुनकर रिजल्टक सत्यापन मानल गेल। एहि दूनू प्रयोगक बारे मे पढ़ने रही। एतए सामने ठाढ़ भऽ कए देखि रहल छलहुँ। एकर रोमांचक की वर्णन कएल जाए?

लेप कोलाइडर सेहो चालू भऽ गेल छलैक। एकर एकटा प्रयोग एल3 छलैक जाहि मे मुम्बई के टीआइएफआरक वैज्ञानिक लोकनि काज करैत छलाह। एकर अतिरिक्त वर्ल्ड लैब मे काज करैत भारतीय सब सेहो एही प्रयोग सँ सम्बन्धित छलाह। हान्स हमरा ईहो प्रयोग देखबै लेल लऽ गेलाह। ई सैंजेनी गामक बाहर लेप सुरंग मे अवस्थित छलैक। हम जाहि समय पहुँचल रही, तखन वैज्ञानिक लोकनि प्रयोगक उपकरण सब कें जोड़बाक तैयारी मे लागल छलाह। एकरो दृश्य अपना मे रोमांचकारी छल। एहि प्रयोग मे व्यवहार कएल चुम्बक ओहि समय विश्व मे कीर्तिमान बनौने छल। चौदह मीटर उँचगर एहि चुम्बक के ओजन 7500 टन छलैक आ एकर एकरूप चुम्बकीय क्षेत्र 12 मीटर लम्बा आ 12 मीटर व्यास बला जगह

मे पसरल छलैक। एतेक पैघ चुम्बक, बूझू चारि तल्ला मकान। बीच मे जतए हम सब ठाढ़ छलहुँ ओतए सँ मूरी उठाइयो कए उपरका छोड़ देखब सम्भव नहि छलैक।

लेप के सुरंगक परिधि 27 किलोमीटर छलैक जाहि मे करीब आधा भाग जूरा पहाड़क नीचा छलैक। जखन ई सुरंग बनल छलैक तखन सिविल इंजीनियरिंग मे एकटा कीर्तिमान स्थापित भेल छलैक। एक छोड़ सँ दोसर छोड़ अबैत अबैत सुरंगक दूनू मुँह मात्र एक सेंटीमीटरक अन्तर पर मीलि गेल छलैक!

एही लेप सुरंग मे सबटा प्रयोग बन्द भऽ गेलाक बाद लार्ज हैड्रन कोलाइडर त्वरक बनलैक आ एही एल3 प्रयोगक जगह पर एलिस प्रयोग स्थापित कएल गेल, जकरा बारे मे हम 'विज्ञानक बतकही' पुस्तक मे लेख लिखने छी। ओ चुम्बक सेहो एलिस के लेल व्यवहार मे आनल गेल।

दश साल पहिने एलबीएल मे बहुत किछु देखने रही, मुदा सर्नक तुलना मे ओ सब न्यूने छल। ओतुका बीभालैक त्वरक सर्न मे त्वरक श्रृंखलाक सबसँ छोट इकाई, जे प्रोटॉन सिन्क्रोट्रॉन छलैक, ताहू सँ आकार प्रकार आ शक्ति मे बहुत छोट। एतए जएह चीज देखी से प्रभावशाली लागए।

फ्राँस मे रहैत शीतकाल मे बढ़ल बिजली खर्चाक अनुभव छल। जेनेवा आबि सर्न मे काज करए लगलहुँ तखन एकर प्रभाव आरो नीक सँ बुझबा मे आएल। सर्न कें बिजली सप्लाई फ्राँसेक बिजली कम्पनी करैत छलैक। ओतए तऽ हजारो चुम्बक आ अन्य मशीन सब छैक, खूब बेसी बिजली खेनिहार। बिजली खर्चा बचबैक लेल सर्न मे नियम बना देल गेल छलैक जे जखन तापमान एक सीमा सँ नीचा चल जाइक, तऽ त्वरक सब कें बन्द कऽ देल जाए आ मात्र किछु अत्यन्त आवश्यक अवयव कें चलैत राखल जाए, जाहि सँ फेर तापमान बढ़ला सँ मशीन कें जल्दीए चलाओल जा सकए। एहेन समय आबि गेला पर पूरा कैम्पस मे 'क्रिटिकल पीरियड' घोषित कऽ देल जाइत छलैक आ खास तरहक लाइट कें जरा कए ओकर संकेत देल जाइत छलैक। एहेन लाइट जगह जगह लागल रहैत छलैक। जतेक काल ई पीरियड रहैत छलैक ओतबा काल प्रयोगक सबटा काज ठप।

जेनेवा मे एहेन स्थिति नवम्बरक अन्त आ दिसम्बरक प्रारम्भो मे आबि जाइत छलैक। क्रिसमस सँ लऽ कए मार्चक अन्त तक सबटा त्वरक बन्दे राखल जाइत छलैक। सर्न मे त्वरक के काज अप्रिल के दोसर अर्द्धभाग सँ शुरू होइत छलैक।

फ्रेंच भाषाक बदलैत रूप

सर्न तऽ हम 1989 सँ एखन तक जाइते रहलहुँ अछि। जेनेवाक बगल मे कतेको फ्रेंच गाम सब छैक। स्विटजरलैंडक जेनेवा इलाका मे सेहो फ्रेंच बजले नहि जाइत छैक, ओहने सभ्यतो छैक। तें एतहु हमरा फ्रेंच सभ्यता सँ परिचय होइत रहल। आब ई परिचय मुदा बैचेलर लोक जकाँ छल। सैंजेनी गाम ठीक सीमाक पार छैक। एतए बहुत रास नीक बुलैंजेरी सेहो। मौसम नीक रहला सँ हम रवि दिन कें टहलि जाइ ओतए तक आ क्रोसाँ कीन लाबी। कतेक बेर तऽ ओ सुगंधित क्रोसाँ रस्ते मे बिला जाए।

जेनेवा इलाका पूरा फ्रेंच भाषाभाषी। पहिने जे हम फ्रेंच सिखने रही, ताहि मे गिनतीक शब्द साठिक बाद नहि छलैक। सत्तरि के लेल शब्द छलैक 'सोसाँत दिस' माने 'साठि आ दस'। तहिना अस्सीक लेल भेल 'कैत्र वाँ' माने 'चारि बीस' । कतेक पुरान अनपढ़ के भाषा ! जकरा अस्सी के गिनती नहि अबैत छलैक आ तकरा लेल चारि बीस शब्दक व्यवहार, जेना कोनो अनपढ़ जन मजदूर करैत होए। फेर नब्बेक लेल 'कैत्रवाँ दिस' अर्थात 'अस्सी आ दस'। खाली सौ के लेल उपयुक्त शब्द छल सौं।

मुदा जेनेवा इलाका मे ई रूप बदलि गेल छलैक। ओतए पचास साठि के लेल प्रयुक्त शब्द सेकाँत आ सोसाँत के तर्ज पर ओकर बाद सत्तरि के लेल सेताँत (सेत भेल सात), अस्सी के लेल व्हीताँत (व्हीत भेल आठ), आ नब्बे के लेल नोनाँत (नफ भेल नौ) शब्द गढ़ल गेल।

उत्तरी आ दक्षिणी फ्राँसक भाषा मे कतेको एहेन भिन्नता छलैक।

सर्नक टूर आ मिस्टर अंग्रेज

पहिल बेर सर्न गेला पर हान्स सुझाव देलन्हि जे शनि दिनक टूर लऽ लिअए। शनि कें भोरक उखराहा मे नियमित रूपें सर्नक टूर होइत छलैक। ओकरा लेल लोक पहिनहि सँ अपन नाम लिखा दैत छलैक। भाषाक हिसाबें टूरक ग्रुप बाँटल जाइत छलैक। यूरोपक भूगोल कें देखैत टूर अंग्रेजीक अतिरिक्त फ्रेंच, इटालियन आ जर्मन भाषा मे होइत छलैक। टूरक गाइड लोकनि एहीमे सँ एक भाषा मे ओतुका बात बुझबैत छलखिन्ह।

हम अंग्रेजी ग्रुपक टूर के लेल नाम लिखा देलियैक। टूर रिसेप्शन बिल्डिंग सँ नौ बजे भोर मे विदा होइत छलैक आ एक बजे तक खतम भऽ जाइत छलैक। हम निर्धारित समय पर ओहि बिल्डिंग मे पहुँचि गेलहुँ। ओतए ककरो अतापता नहि। बर आश्चर्य लागल। तखने एकटा बस एलैक जे भरल छलैक। पुछला पर पता लागल जे ओ इटालियन भाषाक ग्रुप छलैक। अंग्रेजी भाषाक कियो दोसर लोक एखन तक नहि आएल छल। बाहर बहुत ठंढा छलैक। हम मकानक भीतर प्रतीक्षा कऽ रहल छलहुँ।

किछु कालक बाद एकटा अधवयसू सज्जन ओतए एलाह आ हमरा पुछलन्हि "की अहाँ अंग्रेजी भाषी ग्रुपक टूर लेल प्रतीक्षा करैत छी?" हमर सकारात्मक उत्तर पर आगू ओ जनौलन्हि जे ओ स्वयं ओहि टूरक गाइड छलाह। टूरक अन्य लोक एकटा स्कूलक छात्र लोकनि छलाह, जिनकर बस समय सँ जेनेवा नहि पहुँचि सकल, तें हम एकमात्र सदस्य भेलहुँ ओहि टूरक लेल। ओ हमरा कहलन्हि जे एक व्यक्तिक लेल बस तऽ जेतैक नहि। तें यदि हम टूरक इच्छुक होइ तऽ ओ हमरा अपने कार मे बैसा कए लऽ जेताह टूर कराबए।

हमरा लागल जे ई बेचारे टूर पर जेबा मे ओतेक इच्छुक नहि छथि। हमहूँ बाहरक ठंढा मौसम कें देखैत कने असकता गेलहुँ। हम हुनका कहल जे टूरक प्रस्ताव छोड़ि देल जाए। ओतहि बैसि कए हम दूनू गोटे कने काल गपसप केलहुँ। हुनका सँ परिचयक क्रम मे पता लागल जे ओ ब्रिटेनक रहनिहार छलाह आ सर्न मे पछिला करीब तीस साल सँ काज करैत छलाह। ओ पहिने बबुल चैम्बर ग्रुप मे वैज्ञानिक छलाह। बाद मे ओ प्रशासकीय विभाग मे स्थानान्तरण करा लेलन्हि। ओही कारण समय समय पर शनि दिनक एहि टूरक लेल हुनका गाइडक ड्यूटी भेटैत छलन्हि।

हुनका संग थोड़ेक काल गप केलाक बाद हमहूँ गेस्ट हाउस घूरि एलहुँ। हम एहि बात पर सोचए लगलहुँ जे हमर परिचयक दूटा सीनियर वैज्ञानिक, जे अंग्रेज छलाह आ अमेरिका मे काज करैत छलाह, ओहो लोकनि सक्रिय रिसर्चक काज छोड़ि प्रशासनिक लाइन पकड़ि लेलन्हि। एतए तेसर बिटिश वैज्ञानिक सँ भेंट भेल जे तहिना केलन्हि। की ई मात्र संयोगे थिकैक आ कि ब्रिटिश वैज्ञानिक लोकनिक कोनो आंतिरिक इच्छा रहैत छन्हि प्रशासनिक काज दिश भगबाक?

बिना वीजाक प्रवास

1990 मे मई मास। हमर निदेशक महोदय डा० बिकास सिन्हा फ्रॉंस मे छलाह एकटा कन्फरेंस मे भाग लैत। ओतहि हुनका हान्स गुटब्रोड सँ गप भेलन्हि आ दूनू विचारलन्हि जे हमरा जल्दीए सर्न एबाक चाही। नवका कोलैबोरेशनक प्रस्ताव, जाहि मे भारतीय ग्रुप सम्मिलित भऽ रहल छलैक, सर्नक एकटा कमीटी मे विचाराधीन छलैक आ मीटिंग के दिन भारतीय प्रतिनिधि रहबाक चाही। डा० सिन्हा हमरा फोन सँ एक राति सूचना देलन्हि जे दश दिनक भीतर जेनेवा पहुँचबाक अछि। हमरा वीजाक लेल हान्सक ऑफिस सँ आमंत्रण पत्र पठा देल जाएत। ओ स्वयं आर पन्द्रह दिन विदेश मे रहताह, सेहो बता देलन्हि।

हमरा लग सरकारी पासपोर्ट छल। सरकारी व्यक्तिक लेल चट दए एना विदेश जाएब सम्भव नहि छलैक। प्रस्ताव बना कए परमाणु ऊर्जा विभागक हेडक्वार्टर मुम्बई पठबऽ पड़ैत छलैक, से काज निदेशक महोदयक बिना सम्भव नहि छलैक। एतेक कम समय मे सबटा विभागीय कार्रवाई पूरा करब सम्भव नहि छल। विभाग सँ प्रस्ताव मंजूर भेले पर वीजाक लेल सरकारी स्तर पर काज भऽ सकैत छलैक आ टिकट सेहो भेटि सकैत छलैक। वीजाक लेल हमरा विभाग सँ विदेश विभाग कें नोट पठाओल जाइत छलैक, तखन ओ सम्बन्धित दूतावासक नामें नोट भर्वल दैत छलैक। सरकारी पासपोर्ट पर एही नोट भर्वलक आधार पर वीजा भेटैत छलैक।

ओहि समय एकटा आर झंझट छलैक। विभाग मे किछु प्रशासनिक हेरफेर भेल छलैक जाहि सँ कलकत्ताक हमर केन्द्र बीएआरसी के प्रशासनिक कंट्रोल सँ अलग भऽ गेल छल। मुदा एहि बातक स्पष्ट ऑर्डर नहि छलैक आ दुविधाक स्थिति छलैक। बिना लिखित प्रस्ताव के विभाग सँ कोनो तरहें मददिक आशा करब व्यर्थ छल।

एमहर कलकत्ता मे हमरा ऑफिस मे जे नियमित प्रशासनिक अधिकारी छलाह, हुनको ट्रान्सफर भऽ गेल छलन्हि। मात्र एसिस्टैंट पर्सनल ऑफिसर स्तर के एकटा व्यक्ति काज सम्हारने छलाह। हम अगिला दिन जा कए हुनका बुझाओल जे ओ हमर एहि बात पर विश्वास करथि जे राति मे डा० सिन्हाक फोन आएल छल। ई तऽ ओ मानि लेलन्हि, मुदा हुनका करबाक की छलन्हि से तऽ स्पष्ट नहि छल। हम एहि विषय पर किछु सोचल आ हुनका सँ स्विस आ फ्रेंच दूतावासक नामे पत्र लिखबा लेल, जाहि मे अनुशंशा छलैक हमरा वीजा देबाक। एहि पत्रक रूपरेखा हमरा एकटा पुरना कागज सँ भेटि गेल। ई नोट भर्वल तऽ नहि छलैक, मुदा हमरा एहि सँ बेसी करैक साधन नहि छल।

हम कोनो तरहें एकटा ट्रैवेल एजेंट सँ सम्पर्क कएल, जिनका सँ ऑफिसक लेल नियमित रूपें हवाई जहाजक टिकट कीनल जाइत छल। हुनका सबटा बात बुझाओल। अपना रिस्क पर हम टिकट लेल आ हुनके आग्रह कएल जे कोनो तरहें दिल्ली मे स्विस आ फ्रेंच वीजाक व्यवस्था करथि। हमरा लग सरकारी पासपोर्ट छल। हम ओ पासपोर्ट, निमंत्रण पत्र आ प्रशासनिक अधिकारीक लिखल अनुशंसा पत्र सबटा हुनका दऽ देल। ओ कागज सब अपन सम्पर्कक ट्रैवेल एजेंट कें दिल्ली पठा देलखिन्ह। बीच मे मात्र तीन चारि दिन रहि गेल छलैक वीजा करेबाक लेल।

आशा लऽ कए हम कलकत्ता सँ दिल्ली विदा भेलहुँ। ओहि ट्रैवेल एजेंटक सम्पर्क नम्बर हमरा भेटि गेल छल। दिल्ली हम साँझ मे पहुँचलहुँ आ अगिला दिन राति मे हमरा जेनेवाक फ्लाइट पकड़बाक छल।

दिल्ली मे पहिने ओहि ट्रैवेल एजेंट सँ सम्पर्क कएल। ओ कहलन्हि जे कालि सबेर मे अहाँ कें स्विस वीजा भेटि जाएत। हमरा भोर मे स्विस दूतावास लग भेंट करू।

भोर मे हम निर्धारित जगह पर गेलहुँ। पता लागल जे हमरा ऑफिसक प्रशासनिक अधिकारी द्वारा दूतावास सब कें लिखल पत्रक आधार पर ओ वीजाक दरखास्त नहि दऽ सकलखिन्ह। ओहि लेल अपन विदेश विभागक नोट भर्वल चाहबे करी। लेकिन धन्य कही एहि एजेंट लोकनिक जोगार आ पैरवी कें। दिल्ली मे मात्र हमरा ऑफिसक एकटा प्रशानिक अधिकारीक लिखल पत्र, जे उचितो नहि छलैक, कारण ओ सीधे दूतावास कें लिखल छलैक, तकरा आधार पर विदेश विभाग सँ स्विस आ फ्रेंच दूनूक लेल नोट भर्वल बनेबा मे सफल भऽ गेलाह। मुदा एहि मे समय बेसी लागि गेलैक आ हमर स्विस वीजाक दरखास्त कालिए जमा भेल छल आ आइ पासपोर्ट भेटबाक छल।

अस्तु, हमरा आबि गेला पर ओ ट्रैवेल एजेंट अपन सबटा कागज हमरा सौंपि देलन्हि आ अपने हाथ धो लेलन्हि। ओहि दिन शुक्र छलैक आ सब दूतावास दुपहरिया मे बन्द रहैत छलैक। हमरा स्विस दूतावास सँ पासपोर्ट भेटल बारह बजे। तकर बाद हम कतबो कोशिश कएल फ्रेंच दूतावास मे, मुदा ने तऽ आवेदन जमा कऽ सकलियैक आ ने फ्रेंच वीजा भेटल।

हमरा हिसाबें ई कोनो पैघ झंझट नहि छल, कारण हमरा तऽ सर्नक लेल जेनेवा जेबाक छल, जाहि लेल स्विस वीजा भेटिए गेल छल। हम अपन पहिल प्रवास मे सर्न के मेराँ कैम्पस मे गेस्ट हाउस मे ठहरल रही। यदि हम सर्न के फ्रेंच कैम्पस मे नहि जाइ तऽ हमरा फ्रेंच वीजाक काजे कोन ? मुदा हमरा की बूझल छल आगू विधिक की विधान बनल छलन्हि ?

विदा भेलहुँ दिल्ली सँ जेनेवा। ई हमर सर्नक दोसर यात्रा छल आ हवाई जहाज सँ सीधे जेनेवा पहुँचैत पहिले यात्रा। ओहि समय एयर इंडिया के दिल्ली सँ रोम होइत जेनेवा तक सीधे उड़ान छलैक। हम करीब दू बजे दिन मे जेनेवा उतरलहुँ। शनिक दिन। इमिग्रेसन आ कस्टम्स सँ बहरेलहुँ तऽ हान्स हमरा लऽ जाइक लेल ठाढ़ छलाह। हम सब एयरपोर्ट सँ विदा भेलहुँ मेराँ दिश, सर्नक लेल। हम हुनका अपन वीजा बला समस्या सब बता देल। ताहि पर ओ कने मुस्की दऽ देलन्हि आ गाड़ी चलबैत रहलाह। गाड़ी सर्नक गेट पार कऽ गेलैक, मुदा ओ रोकलन्हि नहि। हमरा आश्चर्य लागल। तैयो ओ हमरा किछु नहि कहलन्हि। गाड़ी आगू बढ़ैत गेलैक। हम सब मेराँ के स्विस चेकपोस्ट पार कएल आ तकर बाद फेर फ्रेंच चेकपोस्ट सेहो पार कऽ लेल। कतहु पासपोर्ट चेक नहि भेल। लागल जेना हान्स आश्वस्त भेलाह। आब हम सब फ्राँसक सीमा मे सैंजेनी गाम जा रहल छलहुँ आ सेहो बिना फ्रेंच वीजा के। अर्थात् सही अर्थ मे हम गैरकानूनी प्रवास मे भऽ गेलियैक। आब हान्स अपन बात स्पष्ट केलन्हि जे हमरा लेल सर्नक कोनो गेस्ट हाउस मे जगह नहि भेटलन्हि हुनका। ओतबे नहि, जेनेवा शहर मे सेहो कोनो सस्त होटल नहि भेटलन्हि, कारण संयुक्त राष्ट्र संघक कोनो पैघ मीटिंग चलि रहल छलैक आ जेनेवा शहर मे सबटा सस्त होटल भरल छलैक। तें हारि कए ओ सैंजेनी मे एकटा होटल मे हमरा लेल कमरा बुक करौलन्हि। हमरा एहि ट्रिप मे एही होटल मे रहए पड़त।

हमर गैरकानूनी प्रवासक लेल हान्स तऽ दोषी नहि छलाह। सर्न मे काज केनिहार व्यक्तिक लेल नियमतः दूनू देशक वीजा जरूरी छैक। काजक हेतु ककरहु कखनहु फ्रेंच इलाका मे जाए पड़ि सकैत छैक। ई तऽ हमर दुर्भाग्य छल जे फ्रेंच वीजा नहि भेटल छल।

आब हम बन्हा गेलहुँ। होटल मे छोड़ि देलाक बाद हान्स बुझा देलन्हि जे शनि, रवि कें जेनेवा दिस जेबाक प्रयास नहि करी। सोम दिन सबेरे ऑफिस के समय फेर हमरा एही होटल मे लै लेल ओ आबि जेताह आ कहुना बॉर्डर पर फेर हमरा स्मगल करताह। हमरा ई ठीक तऽ नहि लागल, मुदा आन कोनो उपाय नहि छल। अस्तु, हम कोनो भागल शरणार्थी जकाँ ओहि होटल मे दू दिन बिताएल।

सोम दिन सबेरे हान्स एलाह। हमरा अपना कार मे बैसा लेलन्हि आ हम सब निधोख दूनू चेकपोस्ट पार कऽ लेलहुँ। हमरा पता लागल जे सर्न मे वीजा करबाबऽ लेल एकटा खास ऑफिस छैक। ओतए हम गेलहुँ करीब दश बजे अपन कागज सब लऽ कए, जे कहुना हमरा एतहु तऽ फ्रेंच वीजा भेटि जाए। ओ लोकनि कहलन्हि जे हमरा नौ बजे सँ पहिने एबाक छल। ओतए सँ वीजा बला काज केनिहार लोक नौ बजे निकलि जाइत छथि विभिन्न दूतावासक लेल। अस्तु, सोम दिन तऽ फेर गैरकानूनी ढंग सँ जाए आबए पड़ल। गेस्ट हाउस मे पता कएल जे कोनो कमरा भेटि जाए, तऽ फ्रेंच होटलक चक्कर छूटि जाएत, मुदा निराशे भेलहुँ।

अगिला दिनक लेल हान्स कें आग्रह कएल जे सबेरे हमरा स्मगल करथि। सएह भेल आ एहू बेर हम भाग्यशाली रहलहुँ जे पासपोर्ट चेक नहि भेल। सर्न पहुँचि वीजा ऑफिस मे सबेरे हम अपन सबटा कागज जमा कए देल। ओ लोकनि ओकरा फ्रेंच दूतावास पठा देलखिन्ह। ओतए सँ करीब दश बजे हमरा फोन पर सूचना भेटल जे दश दिन लागत वीजा भेटबा मे। हमर प्रवासे कुल दश दिनक छल। हम दूतावासक कर्मचारी कें बूझाओल जे हमर पासपोर्ट सरकारी अछि आ हमरा लग भारतीय विदेश मंत्रालय सँ देल गेल नोट भर्वल सेहो अछि, जे हमर आवेदनक संग संलग्न अछि। तें एहि आवेदन कें साधारण सँ अलग बूझल जाए। हमर बात ओ मानि गेलाह। ओही दिन चारि बजे हमरा फ्रेंच वीजाक संग पासपोर्ट भेटि गेल। जान मे जान आएल जे आब कानूनी तरीका सँ फ्राँस मे रहि सकब।

अगिला दिन हम स्वयं टहलि कए होटल सँ सर्न एलहुँ। आब तऽ चेकपोस्ट पर कोनो डर नहि छल। आब भाग्य सुधरल लगैत छल। आ ओही दिन 38 नम्बर बला गेस्ट हाउस मे रूम से भेटि गेल। होटल सँ हम जेनेवा साइड मे गेस्ट हाउस चल एलहुँ।

एहि प्रवास मे एसपीएस कमेटी मे हान्सक देल प्रस्ताव पर विचार भेलैक जाहि मे WA80 कोलैबोरेशनक पुरान उपकरण कें परिवर्धित कए आ भारतीय डिटेक्टर मिला कए WA93 नामक नव प्रयोग स्थापित करबाक चर्चा छलैक। एही नव प्रयोगक संग हम सब सर्न मे काज शुरू कएल।

पहिल उड़ान

प्रसिद्ध आयरिश कथाकार लिआम ओ'फ्लाहर्तीक कथा 'हिज फर्स्ट फ्लाइट' अपने सब जरूर पढ़ने होएब। एहि मे सीगल (समुद्री पक्षी)क बच्चाक पहिल उड़ानक चेष्टाक बारे मे लेखक बहुत जीवंत चित्र बनौलन्हि अछि। एकटा बच्चा कें पहिल बेर चट्टान पर सँ पाँखि पसारैत कोना नीचा समुद्रक जल मे खसि पड़बाक डर होइत छैक, ताही भावना कें लेखक उजागर केलन्हि अछि।

किछु एहने डर हमरो भेल छल जखन पहिल बेर 1991 मे हम सब अपन नवनिर्मित फोटॉन मल्टिप्लिसिटी डिटेक्टर (पीएमडी) लऽ गेल रही जेनेवा जाँच करबाक लेल।

हम सब जे डिटेक्टर बनौने रही, ताहि मे बहुर रास छोट छोट प्लास्टिक के टुकड़ी कें पितरिया सीढ़ीनुमा आधार पर साटल गेल छलैक। साटै मे एरलडाइट के नीक व्यवहार भेल छलैक। सबटा काज जखन कलकत्ता मे भेलैक तखन कहियो ओहि सटलाहा वस्तु कें उठा कए ठाढ़ भरे देखैक मौका नहि लागल छल। मुदा एकर असली उपयोग मे एकरा ठाढ़े भरे राखल जेबाक छलैक। पूरा डिटेक्टर कें नीक जकाँ पैकिंग बना कए हम सब जेनेवा पठा देने छलियैक। जेना पैकिंग बनल छलैक, ताहू मे कतहु एहि वस्तु कें ठाढ़ भरे राखल जेबाक कोनो सम्भावना नहि छलैक।

ओना तऽ छोट छीन स्तर पर हम सब कतेक रास डिटेक्टर बनौने रही, मुदा एतेक पैघ स्तर पर ई काज पहिले पहिल केने रही जाहि मे करीब 8000 प्लास्टिक के टुकड़ी साटल गेल छलैक। दोसर बात जे एखन तक के बनाओल डिटेक्टर के जाँच एतहि कलकत्ते मे भेल छलैक। ई पहिल अवसर छल जे हमरा सबहक एहेन नवनिर्मित डिटेक्टर विदेश मे, सेहो सर्न मे, जाँचक लेल पठाओल गेल छल। ओना तऽ काज मे बहुत लोक सहकर्मी छलाह, मुदा नेतृत्वक भार हमहीं लेने छलियैक। तें हम बेसी डेराएल छलहुँ।

पहिल बेर जखन ओकरा क्रेन पर चढ़ाओल गेलैक आ मिस्त्री लगलैक ओकरा उठाबए तऽ हमर प्राण जेना उपरे टँगा गेल। हमरा डर होमए लागल जे एखने सबटा प्लास्टिक के टुकड़ी भड़भड़ा कए खसि पड़तैक आ तकर हहाइत आवाज उठतैक। जेना जेना ओ डिटेक्टर उपर उठैत जाइक, हमर डर बढ़ैत जाइ जे आब खसलैक, तब खसलैक। मुदा ई मात्र हमर ओहने डर छल जेना कि ओहि सीगल के बच्चा कें भेल छलैक। जखन पाँखि पसारि कए ओ उड़ैक कोशिश केलक तखन ओ समुद्र मे नहि खसल। तहिना हमरो डिटेक्टर सकुशल एकदम उपर जा कए ठाढ़ स्थिति मे आबि गेल आ कतहु किछु नहि भेलैक।

तकर बाद शुरू भेल एकर जाँच। एहि लेल सर्नक प्रोटॉन सिन्क्रोट्रॉन त्वरक सँ बहराइत सेकण्डरी किरणपुंजक व्यवहार कएल गेल छलैक। ई एकटा जाँच प्रयोग छलैक, जे चौबीसो घंटा चलितैक चारि दिन तक। एहि प्रयोगक लेल भारत सँ हम सब तीन गोटे सर्न गेल रही। प्रयोग मे हमरा सबहिक मददि करबाक लेल ओतए हान्स गुटब्रोडक ग्रुप के चारि गोट वैज्ञानिक छलाह। हम सब तऽ सर्नक प्रयोग के लेल एकदम नवे रही आ एक हिसाबें सब किछु सिखिए रहल छलहुँ।

पहिल दिन कोनो खास काज नहि भेल। दोसर दिन जाँच प्रयोगक विधि मे किछु संशोधन कएल गेल। तकर बाद हम सब प्रतीक्षा करए लगलहुँ जे कखन एहेन संकेत आओत जे बुझबैक डिटेक्टर ठीक सँ काज करैत अछि। रातुक पारी मे हमर दूटा जर्मन कलीग छलाह मददिक लेल। हम सब तीनू गोटे रही। ककरहु निन्न किएक हेतैक जे एहेन समय जा कए सूतत ? एक सालक परिश्रमक परीक्षाफल बहरेबाक अवसर छलैक।

प्रयोगक विधि मे किछु हेरा फेरी करैत रहलहुँ आ संकेतक प्रतीक्षा सेहो। अन्त मे करीब दू बजे राति मे एके बेर हमर जर्मन सहकर्मी खुशी सँ चिचिया उठलाह। हुनका देखबा मे आबि गेलन्हि जे डिटेक्टर मे किरणपुंजक हिसाबें संकेत आबि रहलैक अछि। आब ई संकेत बराबरि आबि रहल छलैक। फेर ओ हमरो लोकनि कें देखा आ बुझा देलन्हि। आब तऽ सबहक खुशी आ उत्तेजनाक ठेकान नहि छल।

सीगलक बच्चा कें पहिल सफल उड़ान पर माछ भेटलैक। कलकत्ता मे हम सब रहितहुँ तऽ एहि सफलता पर रसगुल्ला बँटितहुँ। एतए तऽ शैम्पेन चाही, जेना बर्कले मे डेविड स्कॉट केने छलाह। आ सेहो ई काज हमर छल, कारण ओतए ग्रुप लीडर हमहीं छलियैक। जर्मन सहकर्मी प्रस्ताव देलन्हि। हम स्वीकार करैत हुनके कहलिएन्हि इन्तजाम करए। हम तऽ पूरा इलाकाक लेल नव छलहुँ। दू बजे राति मे शैम्पेन कतए भेटत से तऽ हुनके लोकनि कें बूझल छलन्हि।

समस्या छल जे बहुत दूर जा नहि सकैत छलहुँ, कारण प्रयोग चलैत छलैक आ ओकर ओगरबाही सेहो करबाक छल। अन्त मे विचार कएल जे शैम्पेन दिन मे ग्रुपक सब लोकक संग बाँटल जाएत, मुदा एखन रेस्तराँ नम्बर एक सँ बीयर आनल जाए। हम एहू विचार कें एवमस्तु कएल। विदा भेलहुँ एक गोटेक संग कार मे रेस्तराँ बीयर किनबा लेल। हुनका सब कें बूझल छलन्हि जे ई रेस्तराँ चौबीस घंटा खूजल रहैत छलैक आ राति मे बीयर भेटिते छलैक। मुदा आहि रे भाग्य! नव नियमक अनुसार, जे हमर जर्मन कलीग कें बूझल नहि छलन्हि, ई रेस्तराँ एक बजे रातिए मे बन्द भऽ जाइत छलैक। हमरा सब कें ओतए निराश होमए पड़ल।

फेर हम विचार देल जे एतेकटा सर्न लैब मे कोनो भेन्डिंग मशीन जरूर हेतैक जाहि मे बीयर भेटैत हेतैक। ई विचार हमर सहकर्मी कें सेहो ठीक लगलन्हि। फेर तीन चारिटा बिल्डिंग मे तकैत हेरैत हमरा सब कें बीयर बला भेन्डिंग मशीन भेटिए गेल। पाँचटा कैन कीनल आ लऽ एलहुँ प्रयोग स्थल पर। पाँचो गोटे मिल कए एहि सफलताक क्षण कें सेलेब्रेट कएल।

अगिला दिन जखन हान्स गुटब्रोड एलाह तऽ ओ सुझाव देलन्हि जे जाँच प्रयोग पूरा भऽ गेला पर आँकड़ाक विश्लेषण कऽ कए पूरा कोलैबोरेशन कें बता देल जाए आ तखनहि शैम्पेन बाँटल जाए। ओ संगहि ईहो गुरूमंत्र देलन्हि जे एहि लेल महग शैम्पेन कीनबाक काज नहि, 'मेथड शैम्पेन्वा' नामक स्पार्कलिंग ह्वाइट वाइन लऽ आनी आ परसि दी। बेसी लोकक बीच ओहो सब तहिना करैत छथि। ई एकटा नव शिक्षा छल।

दू सप्ताहक बाद कोलैबोरेशन मीटिंग भेलैक। एहि मे हम सबटा रिजल्ट प्रस्तुत करैत घोषणा कएल जे भारत मे निर्मित पीएमडी पूर्ण रूपें काज कऽ रहल अछि। खूब थपरी बाजल। एकटा अमेरिकन कलीग अविश्वास आ आश्चर्यक संग टिप्पणी केलन्हि "आर यू टेलिंग ऑल दिस वाज डन एट कलकटा?"। हम की उत्तर दितिएन्हि? उत्तर देलखिन्ह हान्स "यस, एण्ड नेक्स्ट टाइम वी सैल हैव कोलैबोरेशन मीटिंग एट कलकटा, सो दैट वी कैन सी फॉर आवरसेल्व्स हाउ ऑल दिस वाज डन देयर।" ई समुचित उत्तर छलैक।

तकर बाद हुनके लोकनि सँ ओतए राखल मेथड शैम्पेन्वाक बोतल सब खोलबाओल गेल आ सब मे बाँटल गेल।

चेरी बाली

जेनेवाक पहिल प्रवासक प्रायः तीन चारि साल बादक घटना थिक। ओहि समय हम सब जेनेवा प्रवास मे सर्नक सैंजेनी गेस्ट हाउस मे डेरा देने रही। जेनेवा सँ सैंजेनी जाइत रही। मई के मास। चेरीक फल समूचा पकैत। सुपरमार्केट मे गाढ़ लाल आ जमुनियाँ रंगक चेरीक छोट छोट लुभावन पैकेट पसरल। मुदा दाम बेसी।

एहने समय मे एक दिन स्विस आ फ्रेंच चेकपोस्ट पार केलाक बाद फ्राँसक सीमा मे कनिए दूर गेला पर जे दृश्य देखल से सत्ते ग्राम्य जीवनक मोह जगा देलक।

रस्ताक कात मे एकटा अरबी मूलक महिला एकटा पथिया मे खूब पाकल नीक चेरी भरने बेचि रहल छलीह। हुनका लग एकटा तराजू सेहो छलन्हि। बस, बूझू गाम मे घूमि घूमि तरकारी बेचैत कुजरनी जकाँ। विदेश मे एहि तरहक दृश्य पहिने कतहु नहि देखल छल। हम ललचा गेलहुँ। दाम पुछलियैक तऽ सुपरमार्केटक तुलना मे बहुत सस्ता बुझाएल। हम पूरा एक किलो चेरी तौला लेलहुँ आ खाइते खाइते सैंजेनी अपन डेरा एलहुँ। सुपरमार्केट मे तऽ कहियो पाव भरि सँ बेसी नहिए कीनल। ओ चेरी बाली एखनहुँ हमरा बिसरल नहि अछि।

मौं ब्लौं (Mont Blanc)

मौं ब्लौं भेल फ्रेंच नाम जकरा श्वेत पर्वत कहि सकैत छिऐक। आल्प्स रैंजक सबसँ उँचगर ई पर्वत एही इलाका मे फ्राँसक सीमा मे पड़ैत छैक। ओना तऽ ऊँच पर्वतश्रेणी मे हिमालय आ अन्य पहाड़क तुलना मे एकर नाम बहुत नीचा छैक, तैयो एकर आकर्षण बहुत आ सबसँ महत्त्वपूर्ण बात जे एतए टूरिस्ट लोकनिक लेल बहुत सुविधा बनाओल छैक।

सामोनी (Chamonix) एहि पहाड़क नीचा एकटा नीक छोट गाम अछि, जतए सँ लोक केबुल कार लऽ कए उपर चढ़ैत अछि। जेनेवा सँ नियमित बस सेबा द्वारा लोक एतए आबि कए मौं ब्लौं दर्शन कऽ सकैत अछि। एतए कएकटा आरो आकर्षण छैक।

मौं ब्लौं देखबा लेल दू स्तर पर केबुल कार छैक। सामोनीक आधार सँ लोक पहिने प्लाँ द'लागइ (Plan de l'Aiguille) तक चढ़ैत अछि जे 2308 मीटर उँचाई पर छैक। ओतए सँ दोसर केबुलकार द्वारा 3842 मीटर उँचाई पर आगइ दु मिदि (Aiguille du Midi) पहुँचैत अछि। एतए चारू कात दृश्यावलोकन लेल पैघ प्लैटफार्म बनाओल आ दूरबीन सब लागल, जाहि मे पैसा खसा कए लोक मौं ब्लौं चोटी देखि सकैत अछि। उँचाई मे आब मात्र एक हजार मीटर के अन्तर आ एतएँ सँ चोटी तऽ एना बूझि पड़ैत छैक जे दू तीन टा बाँस जोड़ि कए छूल जा सकैत छैक, मुदा छैक बहुत दूर। दार्जिलिंग सँ कंचनजंघा कें देखबाक दृश्यक तुलना मे ई बहुत बेसी आकर्षक छैक। आगइ दु मिदिक एहि दृश्यावलोकन प्लैटफार्म पर ठाढ़ भऽ कए कियो कवि बनि सकैत अछि। जाड़क मौसम मे ई लिफ्ट सिस्टम बन्द रहैत छैक।

एतए एकटा रेस्तराँ आ गिफ्ट शॉप सेहो छैक। रेस्तराँक नामे छिऐक '3842'। मौं ब्लौंक के सौंदर्य कें निहारैत एतए एक कप कॉफी के नहि पीबए चाहत, दाम किछुओ रहौक ? गर्मीक मौसम मे एतए टूरिस्टक भीड़ रहितहि छैक। उपरे मे फ्रेंच पोस्टक एकटा लेटरबॉक्स छैक, जतए लोक उपहार बला पोस्टकार्ड आदि खसा सकैत अछि। ई चालू पोस्टऑफिस छैक, नकली नहि।

आगइ दु मिदि सँ एकटा गोंडोला पर चढ़ि कए लोक इटलीक सीमा मे स्थित प्वाइंट हेल्ब्रोनेर जा सकैत अछि जे 3462 मीटर के उँचाई पर छैक। ई यात्रा जियाँ (Geant) ग्लेशियर के उपर भऽ कए छैक। एहि गोंडोला सँ यात्रा सेहो अविस्मरणीय छैक, कारण नीचा अनन्त विस्तार मे बर्फक श्वेत चादरि ओछाओल लगैत छैक। कतहु कतहु बर्फ फाटि गेला सँ एकटा रेखा जकाँ देखाइत छैक, जेना सावधानी सँ तेज ब्लेड सँ कियो ओहि चादरि कें चीर देने होइक। यदि कालिदास एतए अबितथि तऽ एहि दृश्य पर सेहो "विभृत जघ्नां" उपमा दइए दितथिन्ह। ई सुन्दरता देखितहि बनए। झंझट एतबे जे गोंडोला चलिते रहैत छैक। ओकर ऑपरेटर कें जेना कोनो सौन्दर्यबोध हेबे नहि करैक।

गोंडोला यात्राक दोसर छोर पर एतेक ऊँच जगह पर कस्टम्स के चेकपोस्ट सेहो बनल छैक आ पासपोर्ट देखबए पड़ैत छैक, कारण आब लोक इटलीक सीमा मे प्रवेश कऽ लैत अछि। एतए सँ नीचा उतरि कए इटलीक 'ला पालुद' गाम सेहो जा सकैत अछि। आब शेन्गेन वीजा पद्धति भऽ गेला सँ प्रवेशक अनुमति के समस्या तऽ नहिए रहैत छैक। मुदा सामोनी सँ एनिहार टूरिस्ट सब फेर सामोनी घुरिए जाइत अछि, कारण लोक बस सँ आबऽ अथवा कार सँ, ओ तऽ सामोनीए मे पार्क कएल रहैत छैक।

सामोनी मे छोटका पहाड़ी रेलगाड़ी लऽ कए करीब बीस मिनट के यात्राक बाद लोक पहुँचैत अछि मोंताँवै (Montenvers) । एतए सम्मोहित करए बला दृश्य : सामने बर्फक चट्टान अर्थात् ग्लेशियर आ घड़ीक दूटा सूई जकाँ दूटा चोटी आगइ दु द्रु (Aiguille du Dru) आ आगइ द वेर (Aiguille de verte)। एतए सँ कने चलि कए अथवा गोंडोला पर चढ़ि कए लोक ग्लेसियर देखए अबैत अछि। एतए सेहो दृश्य अनुपम छैक। एहि ग्लेशियर मे एकटा सुरंग बनाओल छैक जाहि मे गर्मीक मौसम मे लोक अन्दर जा सकैत अछि। अन्दर मे तऽ सब खन ठंढा रहितहि छैक। आ सुरंगक छत सँ लटकल बर्फक विभिन्न आकृति सब बनल भेटत।

हम सब जेनेवाक अपन पछिला बीस बाइस बरखक कार्यकाल मे चारि बेर सामोनी गेलहुँ मौं ब्लौं देखबा लेल। दू बेर तऽ हान्स गुटब्रोड लऽ गेलाह अपना कार सँ। अन्य बेर बस सँ गेलहुँ। कतबो बेर जाइ, एहि हिमाच्छादित चोटीक सुन्दरता देखैत मोन नहिए अघाइत छल।

जेनेवा लेक

जेनेवा शहरक सुन्दरता बढ़बै मे ओतुका नामी झील, जकरा फ्रेंच मे 'लाक लेमाँ (Lac Leman)' कहल जाइत छैक, के महत्वपूर्ण स्थान छैक। एहि झीलक चौड़ाई जेनेवा शहरक पास बहुत कम भऽ जाइत छैक आ एहि सँ रोन (Rhone) नदी बहराइत छैक। शहर सँ दूर हँटैत गेला पर झीलक चौड़ाई बढ़ैत जाइत छैक जे कतहु कतहु 14–15 किलोमीटर तक भऽ जाइत छैक। काते कात लम्बाइ 70 किलोमीटर तक छैक। यूरोपक अन्यान्य शहर सँ हवाई जहाज द्वारा जेनेवा अबैत काल एकर दर्शन हेबे करत।

झीलक कोन पर, जतए उँचका फव्वारा लागल छैक, सँ दूर देखला पर दहिना कात फ्राँसक भाग पड़ैत छैक आ बामा कात स्विटजरलैंडक भाग। झीलक बीच सीमा एहि प्रकारें छैक जे 580 वर्गकिलोमीटर क्षेत्रफल के करीब 60 प्रतिशत भाग स्विटजरलैंडक हिस्सा मे पड़ैत छैक आ 40 प्रतिशत फ्राँसक हिस्सा मे। झीलक काते कात अनेको छोट छीन मनोरम गाम आ किछु सुन्दर शहर बसल छैक। स्विस भाग मे लौसैन आ फ्रेंच भाग मे एविओं नामी शहर अछि।

शहरक इलाका मे झीलक कात टहलैक लेल नीक फुटपाथ बनाओल छैक, जाहि मे ठाम ठाम बेंच सेहो छैक। वसंत आ ग्रीष्मक समय मे झीलक कात टहलबाक लेल लोक जाइते अछि आ बेंच पर बैसि कए रौदक आनन्द सेहो लैत अछि। यदि कियो जेनेवाक बहुत छोट यात्रा पर जाइत अछि तऽ कतबो टाइट प्रोग्राम रहौक, एतेक जरूर प्रयास करत जे कनियो कालक लेल झीलक कात टहलि ली। झील देखिये कए मोन प्रसन्न होएब स्वाभाविक।

एहि झील मे अति लघु नौका यात्रा यदि करबाक हो तऽ जेनेवा शहरक बस सेवा 'टीपीजी'क दिन भरिक टिकट कीन लिअ। एहि सँ अपने शहरक भीतर बस, ट्राम आ ट्रौली बस सँ तऽ यात्रा कैए सकब, झील मे सेहो एक कात सँ दोसर कात जा सकब। एकटा मोटर बोट चलैत छैक आ झीलक हुड़बा छुआ दैत छैक ओही टिकट मे। बस, गोटेक मिनट लागत। यदि कने नीक जकाँ झील मे जल विहार करए चाहब तऽ सेहो व्यवस्था छैक, मुदा टिकट बेसी।

जेनेवा प्रवास मे हमरा सब कें एहि झील मे नौकायनक सुन्दर अवसर लागल, कारण हान्स गुटब्रोड कें अपन नाओ अथवा याच छलन्हि। याच राखब एकटा नीक कार रखबा सँ बेसी महग पड़ैत छैक। दोसर बात जे ओकरा चलेबाक लूड़ि आर कठिनाह। तें याच बहुत कमे लोक रखैत अछि। कार तऽ सबजना भऽ गेलैक अछि, मुदा याच एखनहुँ आभिजात्यक सूचक

छैक। एहू मे दाम आ गुण आ क्षमताक विविधता छैक। पैघ छोट सब तरहक याच, जहिना गंगा मे चलैत विभिन्न आकारक नाओ सब।

नब्बे के दशक मे हम सब जखन जेनेवा मे काज शुरू कएल, तखन प्रवास मास दू मास धरिक रहैत छल। एहने एक प्रवास मे हान्स एक दिन हमरा सब कें लऽ गेलाह अपना याच अथवा नाओ पर नौका विहार करबा लेल।

हुनकर याच राखल छलन्हि एविओंक आसपास झीलक कछेर मे। जहिना कार लेल पार्किंग के जगह होइत छैक तहिना याच सबहक लेल कतहु कतहु झीलक कछेर मे जगह बनाओल। ओतए हम सब हुनका संग गेलहुँ कार सँ। हमरा संग छलाह हमर दूटा कनिष्ठ सहकर्मी, मूर्ति गन्ती आ शुभाशीष चटर्जी। हमरा सब कें दिन भरि बितेबाक छल। दुपहरियाक भोजन याचे पर करबाक छल। हान्स एहि लेल सब तैयारी कऽ कए गेल छलाह।

कार पार्क कऽ देल गेल। भोजन सामग्री आ पानिक बोतल सब मिल कए उठा लेलहुँ।

नाओ पार्क कएल छल कछेर मे, मुदा कतेको अन्य नाओक बीच एकदम बूझू घोदामादी भेल। आन आन नाओ पर कुदैत फनैत सब गोटे अपना नाओ पर पहुँचलहुँ। ई नाओ खूब छोट नहिं, एक प्रकारें मध्यम आकारक छलैक। उपरका डेक खुला। नीचा मे सबटा इन्तजाम : किचेन, बेड, टेबुल, कुर्सी, वासबेसिन, शौचालय आदि।

आब शुरू भेल नाओ कें बाहर निकालबाक खेला। एहि मे हम सब तऽ एकदम अनाड़ी छलहुँ। गंगा कातक लोक ने नाओ चलाबऽ मे सिद्धहस्त होइत अछि। मिथिलाक दूर दराजक लोकक लेल नाओ अजगुते वस्तु छैक। जखन कोसीक बाढ़िक जमाना छलैक तखन लोक नाओ खेबनाइ सिखने छल। मुदा आब सब बिसरि गेल। हमर अन्य सहकर्मी सेहो तेहने अवस्था मे छलाह।

पहिने थोड़ेक कालक लेल डीजल इंजन चला देल गेल। हान्स अपनहि लुड़ियें ओहि नाओ कें कहुना कछेर सँ हँटा कए बेसी पानि दिस लऽ गेलाह। नाओ बेसी पानि दिस विदा भेल। कछेर मे कने गर्मी लागए लागल छलैक। आब वसात लगला सँ मोन प्रसन्न भेल।

आब नाओ खेबाक असली लूड़िक काज भेलैक। हान्स लगलाह पाल कें खोलि कए सरिआबए। एहि काज मे हम सब कने सहायता केलिएन्हि। पाल कें उठा कए ओहि मे लागल रस्सी सब कें बिचला खम्भा मे आ नाओ के अन्य जगह मे बनल खुट्टी सब मे बन्हबाक छलैक। किछु प्रयासें अन्त मे ई काज सम्पादन भेल। आब डीजल इंजन बन्द कऽ देल गेलैक। नाओ वसातक गर पर बढ़ए लागल।

एहि सब मे करीब घंटा भरि सँ बेसी समय लागि गेल। आब सब गोटे बैसलहुँ आ हान्स लगलाह कॉफी तैयार करबाक जोगार मे। नीचाक डेक मे सुसज्जित किचेन छलैक। एहि काज लेल मूर्ति आ शुभाशीष आगू एलाह। हान्स उपरे मे हमरा संग रहलाह पालक देखरेख मे। ओना तऽ हमरा सब कें कोनो खास दिशा मे जेबाक इच्छा नहि छल तैयो एतेक तऽ खियाल राखहिं पड़ैत छलैक जे हमरा सबहक नाओ कोनो अन्य नाओ सँ ढूसि नहि लऽ लिअए। पाल कें कने हल्का हिला देला सँ नाओक दिशा बदलि जाइत छलैक। कखनहुँ कें डोरी सब कें कने छोट पैघ कऽ देला सँ सेहो पाल कें घुमाओल जाइत छलैक।

हम सब कॉफी पीलहुँ। तकर बाद सब गोटे उपरका डेक पर आबि गेलहुँ। विस्तृत जलराशिक छाती पर शनैः शनैः घुसकैत नाओ, मन्द मन्द बहैत वसात आ भगवान भास्करक कृपा सँ पसरल मद्धिम उष्णता। एहि सँ बेसी की चाही आनन्दक लेल ? हान्स नौकायनक अपन विभिन्न अनुभव सुनबए लगलाह आ हम तीनू गोटे ध्यान सँ सुनैत रहलहुँ। ओ कतेक बेर छुट्टी बितबै लेल मासक मास एहि नाओ पर समुद्र मे यात्रा केलन्हि। एटलांटिक आ प्रशान्त महासागरक कतेक इलाका मे भ्रमण केने छलाह। विशेष कए क्यूबा, जमैका, त्रिनिदाद एहि सब जगह पर आ कतेको खाड़ी इलाका मे नौकायन करैत छुट्टी बितेने छलाह। हमरा सबहक लेल ई दोसर दुनियाँक गप छलैक।

भोजन करबा लेल हम सब फेर नीचा एलहुँ। आब नाओ एतेक दूरक इलाका मे छलैक, जे आसपास कतहु कोनो नाओ नहि, तें ढूसि लेबाक कोनो डर नहि। भोजन समाप्त भेलाक बाद फेर सब गोटे उपरे चल गेलहुँ।

करीब चारि बजे हान्स नाओ कें घुमेबाक लेल पाल कें घीचए लगलाह। कछेर अबै मे प्रायः एक घंटा लागि गेल। पाल खोलबा सँ पहिने फेर डीजल इंजन चला देल गेल। पाल कें नीक सँ चौपेति कए राखि देल गेल। आ तकर बाद शुरू भेल पार्किंग के कसरत, जाहि मे हान्स फेर अपनहिं लूड़ि सँ ओकरा ठीक जगह पर अनलन्हि। तखन सब सामान लऽ कए हम सब अन्य नाओ सब पर कुदैत फनैत धरती पर पैर राखल।

हान्स गुटब्रोडक घर मे दिवाली

हमरा सबहक जेनेवा प्रवास मे हान्स गुडब्रोड प्रयोगक मुखिया आ मेन्टरे नहि छलाह अपितु सब तरहक उत्सवक भागीदार सेहो। सर्न मे हमरा सबहक प्रयोगक समय साधारणतः अक्टूबर, नवम्बर मास मे रहैत छलैक, जतए हमरा सबहक उपस्थिति अनिवार्य छल। तें कतेको साल हमरा सबकें दुर्गापूजा, दिवाली आदि छूटि जाइत छल।

सर्न मे काज केनिहार भारतीय वैज्ञानिक आ शोधछात्र लोकनिक संख्या पन्द्रह बीस तऽ रहितहि छल। हम सब एतेक गोटे मिल कए दिवालीक दिन, अथवा अगल बगल के कोनो अन्य दिन, जे सबहक लेल सुविधाजनक होइ, ताहि मे एक प्रकारक दिवाली मिलनक इन्तजाम कऽ ली। बस एतबे रहैत छल कार्यक्रम।

एक बेर हमर डायरेक्टर बिकास सिन्हा सेहो दिवालीक समय ओतहि छलाह। सबहक विचार भेल जे दिवाली मनाओल जेबाक चाही। एहि लेल हान्स गुटब्रोडक घर चुनल गेल। हुनक घर जेनेवाक पास फ्राँस के एकटा छोट गाम 'ले फार्जेस' मे छलन्हि। करीब एक एकड़ मे पसरल पैघ परिसर आ घरो पैघ। बाग बगीचा सेहो बहुत। हान्स तऽ खुशी खुशी राजी भऽ गेलाह आ अपना दिस सँ सबहक लेल डिनर के आयोजन कऽ लेलन्हि।

हम सब खूब अधिक रास मोमबत्ती कीनल। मधुरक बदला नीक नीक चॉकलेट कीनल। हमर नवयुवक सहकर्मी आ छात्र लोकनि फटाकाक इन्तजाम सेहो केलन्हि। बस दिवालीक लेल आर की चाही ?

शुरू भेल हान्सक घरक परिसर कें मोमबत्ती सँ सजाएब। जखन फटाका फोरब शुरू भेल, तखन ओहि छोट गाम मे लोक कें आश्चर्य लगलैक जे आइ की बात छिऐक हान्सक घर मे। यद्यपि ओहि समाज मे बिन बजाओल कियो एक दोसराक घर नहिए जाइत छैक, तैयो अगल बगल सँ दू तीन गोटे जिज्ञासा करबा लेल पहुँचिए गेलखिन्ह।

हान्स खुशी सँ हुनका सब कें बता देलखिन्ह जे एतए हुनक भारतीय मित्र लोकनि 'फेस्टिवल ऑफ लाइट' मना रहल छथि। हुनको लोकनि कें चॉकलेट देल गेल। तकर बाद तऽ ओहो लोकनि फटाका फोरबा मे सम्मिलित भऽ गेलाह आ उत्सवक आनन्द लेलन्हि।

भोजन मे हान्स एकटा पैघ सौंस साल्मन माछक व्यवस्था केने छलाह, प्रायः चारि पाँच किलो ओजन के। एहेन माछ ओतए सुपरमार्केट सब मे भेटैत छलैक जे एक हिसाबें स्टीम कूक्ड रहैत छलैक आ लोक ओकरा बिना कोनो झंझटिया रसोई के काटि कए खा सकैत छल। एकर अतिरिक्त उसनल आलू आ सलाद छलैक। सब प्रक्रिया मे भन्सा घरक काज न्यूनतम : मात्र आलू उसिनबाक टा काज। मुदा एकर घाटा भेलन्हि एक गोटे कें जे शुद्ध शाकाहारी छलाह। हुनका ओहि उसनलहा आलुए सँ संतोष करए पड़लन्हि।

विवाहक प्रथा

नबम्वर 1992 मे हान्स गुटब्रोडक पचासम जन्म दिवस पर पार्टी मे हम सम्मिलित रही। ओतए हमरा कार्यविषय के एकटा प्रसिद्ध जर्मन वैज्ञानिक प्रोफेसर हेलमुट साज सेहो आमंत्रित छलाह। ओ भारत प्रेमी लोक। हुनका संग कतेको नवयुवक भारतीय वैज्ञानिक पोस्ट डॉक्टरल रिसर्च कऽ चुकल रहथि। हुनका आ हुनक पत्नी कें भारत सँ बेस आत्मीयता छलन्हि।

हम एहिना मिसेज साज सँ गप कऽ रहल छलहुँ। चर्चा उठि गेलैक विभिन्न समाज मे विवाहक प्रथाक बारे मे। हम अपन चिन्ता बतबैत हुनका कहलिएन्हि जे भारतीय समाज मे एखन तक बेटा बेटीक विवाह माता पिता ठीक करैत रहलखिन्ह अछि। मुदा आब समाज तेजी सँ बदलि रहलैक अछि आ पाश्चात्य समाजक देखादेखी ओतहु प्रेम विवाहक प्रचलन बढ़ल जा रहल छैक। एहि बात पर हुनक प्रतिक्रिया हमरा अप्रत्याशित लागल।

ओ कहलन्हि जे हुनकर जूति चलितन्हि तऽ पाश्चात्य समाजो मे प्रेम विवाहक बदला माता पिता द्वारा ठीक कएल विवाहक प्रथा चालू कऽ देल जइतैक। हमरा बुझने एहेन विचार आइ तक कियो नहि व्यक्त केने छल। लोक तऽ स्वच्छंदताक प्रशंसा उन्मुक्त कंठ सँ करैत अछि। नारी स्वतंत्रता आन्दोलनक जन्मे पश्चिम मे भेलैक। तेहना स्थिति मे कोनो महिलाक एहि तरहें सोचब बहुत आश्चर्यक विषय छल। अपनहु तऽ ओ प्रेम विवाह केनहि छलीह। हम अपन उत्सुकता कें शान्त करबा लेल हुनका सँ प्रश्न कएल जे जखन भारत मे आब अधिकतर नवयुवक नवयुवती लोकनि माता पिता द्वारा ठीक कएल विवाहक प्रथा कें खराप मानि रहलाह अछि, तखन अपनेक एकर पक्ष मे विचार रखबाक की करण अछि।

ओ एकरा उत्तर मे अपन खिस्सा सुनौलन्हि। हुनकर बेटी, जे आब वयस्क छलखिन्ह आ यूनिवर्सिटी मे पढ़ैत छलखिन्ह, से अपन म्यूजिक टीचर सँ प्रेम करैत छलीह। आ जेना कि बहुत सम्भव छलैक, ओ दूनू किछु दिन मे विवाह कैए लेतीह। ई हुनका पसिन्न नहि छलन्हि। हुनकर इच्छा छलन्हि जे बेटी कोनो उच्च पढ़ल युवक सँ विवाह करितए, मुदा एहि प्रेमक रीति तऽ अजीब छैक। तें हुनका ई प्रथा खराप लागि रहल छलन्हि। ओ स्पष्टे कहलन्हि जे अपना सन्तान कें सब माए बाप नीक ठाम बसैत देखए चाहैत अछि। भले एहि पाश्चात्य समाज मे अठारह सालक बाद ओ सन्तान माए बापक लग नहि रहैत होए।

आब हमरा सब बात बुझबा योग भऽ गेल। हम तखन हुनका प्राचीन ब्रिटिश समाजक उदाहरण देल, जे ओतए समाज मे कोनो प्रकारक व्यवहार एक समान स्तरे पर होइत छलैक। एतेक तक कि जखन कोनो लड़कीक लेल वर ताकल जाइत छलैक, तखन जे बॉल आयोजित कएल जाइत छलैक, ताहि मे पूरा समाजक कुमार वर कें तऽ नहि बजाओल जाइत छलैक, बल्कि अपना स्तरक परिवार सब मे सँ चूनि कए बजाओल जाइत छलैक। एहि सँ सम्बन्ध एक स्तरीय होएब निश्चित रहैत छलैक। आब जखन पूरा छूट दऽ देल गेलैक अछि तखन तऽ ई खतरा रहबे करतैक जे बेमेल जोड़ी बनतैक।

लुल्ही गेलीह झूमरि खेलाए

जेनेवाक आसपास आल्प्स मे अनेक जगह छलैक जतए लोक शीतकालीन खेल स्कीईंग करबा लेल जाइत छल। एकरा बारे मे बहुत सूनल छल आ टीवी पर कतेको चित्ताकर्षक दृश्य देखल छल। ई खेल खेलेनाइ बहुत साहसक काज छिऐक। एकर विधिवत ट्रेनिंग होइत छैक आ बिना ट्रेनिंग के एहि मे जेबाके नहि चाही। एहि खेल मे खतरा बहुत छैक। प्रत्येक सीजन मे कतेको लोक हाड़ तोड़बैत अछि आ एकाध टा मरबो करिते अछि। एही खतराक कारण साधारण मेडिकल इन्स्योरेंस कम्पनीक पॉलिसी सब मे विन्टर स्पोर्ट्स सम्मिलित नहि रहैत छैक।

हमरा स्कीइंग रेजॉर्ट देखबाक बहुत इच्छा छल। मुदा एहि जगह मे एकसर जाएब सम्भव नहि छल। मौका लागल 2004 मे जखन मार्च मास मे एलिस कोलैबोरेशनक मीटिंग सँ पूर्व एक दिनक लेल स्कीइंग रेजॉर्टक टूर आयोजित कएल गेल। टूर माने छलैक लोक कें एक दिनक लेल स्कीइंग करबाक अवसर। हम ओहि टूर मे शामिल भऽ गेलहुँ मात्र जगह कें देखबा लेल।

हम सब सर्न सँ बस द्वारा विदा भेलहुँ। हमरा अतिरिक्त बस मे सब गोटे अपन अपन ड्रेस आ स्कीइंग बला उपकरण संग मे लेने छलाह। करीब डेढ़ घंटाक यात्राक बाद बस पहाड़ी सदृश एकटा जगह पहुँचल। ई स्कीइंग के ‘बेस कैम्प’ छलैक। एतए होटल, रेस्तराँ सब अनेक आ लोकक चहल पहल सेहो खूब बेसी। पूरा इलाका हिमाच्छादित। जेम्हरे नजरि जाए, तेम्हरे खूब ढलान बला हिमाच्छादित पहाड़ी।

बस सँ उतरलाक बाद सब गोटे निर्णय लेलन्हि जे लंचक समय फलाँ जगह मे स्थित रेस्तराँ मे हम सब भोजन करब। ओतए छोटका केबुल कार सब दौड़ैत। एक छोर पर, जतए हम सब बस सँ उतरल रही, ओ कने आस्ते भऽ जाए, लोक सब चलिते कार मे कूदि कए सवार भऽ जाए। केबुल कार दोसर छोड़ पर चल जाए। दोसर छोड़ पर सँ स्कीइंग शुरू करबाक व्यवस्था छलैक। स्कीइंग के जगह मे ढलान खूब बेसी। स्कीइंग के खेला मे ढलाने पर छिछलबाक रहैत छैक।

हमर सब संगी दोसर कात पहुँचि गेलाह। हम ओहि चलायमान वाहन कें देखैत ठाढ़ रही। साहसे नहि होअए जे छड़पि कए ओहि पर चढ़ब। हमर इतस्ततः के स्थिति देखि एक गोटे कें कने दया एलैक। ओ एकटा कार कें हाथ सँ पकड़ि लेलक जाहि सँ ओ बहुत आस्ते भऽ गेलैक। ओ हमरा इशारा केलक तखन हम ओहि पर कहुना छड़पि गेलहुँ। कार मे आगूक डंडा कें लैच मे फँसेबाक छलैक, जाहि सँ लोक खसि नहि पड़ए। से हम नहिए कऽ पेलहुँ। तावत तऽ दोसर छोड़ आबि गेलैक। एतए कहुना हम तड़पि गेलहुँ।

एतए खुला मे एकटा रेस्तराँ छल। एही मे हमरा सबकें लंच सेहो करबाक छल। जे लोक एतए अबैत गेलाह से तावत चाह, कॉफी पीबैत छलाह।

हमहूँ चाह लऽ कए बैसलहुँ। मौसम बहुत बढ़ियाँ। चमकैत सूर्य, मुदा एतेक ऊँच पर मार्च महीना मे ओ उष्णता कतए ? हम तऽ जाड़क सबटा कपड़ा पहिरनहि रही। एक गोटे हमरा प्रस्ताव देलन्हि जे चलू हमरा संग, हम साधारण ढलान पर अहाँ कें स्कीइंग सिखा देब। जतए हम सब बैसल रही ओतहि सँ ओहेन ढलान शुरू होइत छलैक। मुदा हम अपन लोभ संवरण कएल। हम हुनका धन्यवाद देल आ कहल जे हम मात्र जगह आ खेला देखबा लेल आएल छी। हम मोने मोन कहल जे एतए यदि कोनो प्रकारक दुस्साहस करब तऽ फेर ”सब सखी गेलीह झूमरि खेलाए, लुल्ही कहलखिन्ह हमहूँ जाएब“ तेहने परि भऽ जाइत।

चाहक बाद शनैः शनैः लोक सब अपन अपन साज सामान लेलक आ विदा भेल ढलान पर सँ छिछलै लेल। एक बेर छिछलै के आवेग आबि गेला सँ फेर के कतऽ गेल, कतेक ऊँच पर पहुँचि गेल आ कतए सँ छलांग लगा देलक से कहब मुश्किल। सब एकाएकी नजरि सँ दूर भऽ गेलाह।

हमरा कोनो काज नहि छल। हम ओहि रेस्तराँक आसपास चक्कर कटैत रहलहुँ आ चारू दिशा मे विभिन्न ढलान परहक दृश्य देखैत रहलहुँ। बीच बीच मे चाह सेहो पीबैत रहलहुँ। लोक सबहक कलाकारी देखितहिं बनए। टीवी मे देखल दृश्य सब सोझाँ मे छल।

अस्तु, लंचक समय भेल। सब गोटे एकाएकी वापस अबैत गेलाह। बूढ़ लोक सब पहिने एलाह, नवयुवक सब बाद मे। सबहक संग लंच लेल। फेर ओ सब चल गेलाह अपन खेला खेलाइ लेल।

आब हमरा ओतए बेसी काल ठहरब खराप लागि रहल छल। विचार केलहुँ जे वापस चलि जाइ आ बस मे बैसि जाइ अथवा ओही कातक दृश्य सब देखी। फेर तऽ ओही चलैत झूलागाड़ी पर लपकि कए चढ़बाक छल आ नहि सम्हरल तऽ खसब बर्फे पर। कने काल इतस्ततः के स्थिति रहल। तखन देखल जे नीचा जे ढलान छलैक ताहि पर किछु लोक गाड़ी सेहो चलेने छल आ बर्फ पर लीक जकाँ बनि गेल छलैक। हमरा ढलान पर उतरबाक छल। सोचल जे बहुत आस्ते आस्ते उतरैत चल जाएब। किछु समय सेहो कटि जाएत आ नहि स्कीइंग तऽ बर्फक ढलान पर उतरिए कए आनन्द लऽ लेब। लुल्हीक लेल एतबे।

अस्तु, शुरू कएल यात्रा। कुल रस्ता मुश्किल सँ चारि सौ मीटर रहल हेतैक। हम बहुत बचा बचा कए पैर राखि रहल छलहुँ आ उठा रहल छलहुँ। कने चारू कात देखियो ली जे हमर एहि बुरबकहा काज कें कियो देखि तऽ नहि रहल अछि। जतए गाड़ीक लीक बनल छलैक ओतए ठीक बीच मे तऽ बर्फ ठोस भऽ कए पिछड़ाह भऽ गेल छलैक, मुदा चक्काक दबाब सँ दूनू कात जे बर्फ उठि गेल छलैक से भुड़भुड़ाह आ ओहि पर पैर देला सँ पिछड़बाक कोनो डर नहि।

करीब तीन चौथाई रस्ता जखन पार कऽ लेलहुँ, तखन एक ठाम बहुत पिच्छर रस्ता भऽ गेलैक। असल मे ई लोकक रस्ता तऽ छलैक नहि जे कियो एकर देखरेख करितैक। लोक तऽ स्कीइंग बला डंडा पर छिछलैत चल अबैत छल, चल जाइत छल। मुदा पैरे चलब तऽ हमरे बाध्यता छल। एहि मे अनकर कोन दोष ? हम बाम दहिन ताकल जे कतहु कम पिच्छर रस्ता भेटि जाए, मुदा से नहि देखाएल। आब की करी ? घुरियो नहि सकैत छलहुँ। कहुना पैर सम्हारैत ससरए लगलहुँ कि धराम! खसिए पड़लहुँ। पोन मे चोट लागल आ हाथक एकटा आँगुर मे मोच पड़ि गेल। आब भारी मुश्किल। एतए कोनो सहायता मँगबाक स्थिति मे सेहो नहि रही, कारण दूनू कात कतहु लोक नहि। फेर विचारल जे जतेक दूर पिच्छर रस्ता छैक से बैसले बैसले घुसकि कए पार कऽ ली। सएह कएल, मुदा हाथक दस्ताना तऽ तुरत्ते भीज गेल। पैर मे ने जूता पहिरने रही, हाथ मे तऽ नहि छल। फेर किछु कालक बाद ठाढ़ भऽ कए चललहुँ आ कष्ट कटैत कहुना दोसर कात पहुँचलहुँ।

ढलान पर उतरैक आनन्द तऽ बिला गेल। शनैः शनैः आँगुर फूलए लागल। बस मे एकरा नुकेने रहलहुँ जे कियो देखि लेत आ पूछत तऽ की उत्तर देबैक ? राति मे बेस फूलि गेल। अगिला दिन भोरे सर्नक डिस्पेंसरी गेलहुँ। कहलियैक जे बाथ रूम मे खसि पड़लहुँ। कोन मुहें कहितियैक जे हम स्कीइंग रिजॉर्ट गेल रही ? एक्सरे कएल गेल। नीक बात एतबे जे फ्रैक्चर नहि छल। पट्टी बान्हि देलक आ किछु दबाई देलक। चारि पाँच दिन चोटक दर्द रहल। लुल्ही कें झूमरि खेलाएब बिसाइए गेलन्हि।

दाँतक डाक्टर

2003 मे भारत आ आस्ट्रेलियाक बीच वर्ल्ड कप क्रिकेट फाइनल खेला छलैक। हम सर्न मे रही। रवि दिन रहैक। पछिले दिन सँ हमरा दाँत मे दर्द करए लागल रहए। पेन किलर खा कए कहुना राति कटने रही। भोर मे देखल जे गाल एतेक फुलि गेल जे मुहें टेढ़ लागए लागल। भिनसर सँ नौ बजैत बजैत आर बेसी फूलि गेल। लागल जे डाक्टर लग जाइए पड़त।

विदेश मे दाँतक डाक्टर ताकब बड़ कठिन काज। सब डाक्टर लग मास दू मास पहिनहि सँ लोक कें एप्वाइंटमेंट लेबए पड़ैत छलैक। हमर हालत तऽ इमर्जेन्सी बला भेल जा रहल छल। आब की कएल जाए ? सोचल जे अस्पताल मे तऽ किछु ने किछु इमर्जेन्सी सेवा हेबे करतैक। फोन नम्बर ताकि कए यूनिवर्सिटीक अस्पताल मे सम्पर्क कएल। ओतए जे महिला फोन उठेलन्हि से कहलन्हि जे दाँत विभाग रवि कें पूर्ण रूपें बन्द रहैत छैक। मुदा ओ हमरा दश मिनट बाद फेर फोन करए कहलन्हि। आशा जागल जे किछु विकल्प इंतजाम लागि जाएत।

अस्तु, दश मिनट बाद फेर फोन कएल। ओ हमरा एकटा डाक्टरक पता आ फोन नम्बर देलन्हि आ ईहो बता देलन्हि जे ओ डाक्टर सवेर मे बारह बजे तक बैसैत छथि। तें हम शीघ्र हुनका सँ सम्पर्क करी आ अपन व्यवस्था करबा ली।

हम सएल कएल। डाक्टर कें फोन कएल। हुनका क्लिनिक पर पहुँचबाक बसक रस्ता बूझि लेल आ लगले विदा भऽ गेलहुँ। करीब एगारह बजे हम हुनका चैम्बर मे पहुँचि गेलहुँ। ओतए कोनो भीड़भार नहि छलैक। एकटा डेन्टिस्ट लग ई बर आश्चर्यक बात छल। हमरा सीधे भीतर बजा लेल गेल। डाक्टर महोदय दाँतक जाँच केलन्हि। ओ सलाह देलन्हि जे फूलब कम होइते हम ओ दाँत निकलबा ली। नहि तऽ दर्द फेर भऽ जाएत आ हम भारत वापस नहि जा सकब। खास कऽ कए हवाई जहाज मे जखन हवाक दबाब कम बेसी हेतैक, तखन दर्द बहुत बेसी भऽ जाएत।

ओ हमरा दर्द आ फूलब कम करैक लेल दवाई देलन्हि, जाहि मे एकटा एंटीबायेटिक सेहो छलैक। हमरा आश्चर्य लागल जे मात्र दूटा गोली आ चारि भाग बना कए एक एक भागक खोराक। वाह रे डाक्टर! अपना देश मे बच्चा कें भेटेरिनरी खोराक मे दवाई ओ एतए विदेश मे बूढ़ लोक कें बच्चाक खोराक। अस्तु, डाक्टर सँ बहस तऽ करितियैक नहि। जेना जेना लिखल छलैक तेना दवाई कीन लेल आ खाए लगलहुँ। फूलब तऽ जरूर दू दिन मे कम भऽ गेल। हमरा तकर किछुए दिनक बाद वापस एबाक छल। पकड़लहुँ हवाई जहाज आ डेराइते डेराइते आबि गेलहुँ कलकत्ता। कतहु यात्रा मे दाँत मे दर्द नहि भेल। आ ओ दाँत उखारबाक काज सेहो नहि पड़ल। रूट कनाल कराओल आ दाँत एखनहुँ अछिए।

भारतीय कॉन्सुलेट

सरकारी चाकरी मे रहैत हम सब जखन डेप्यूटेशन पर जेनेवा जाइ, तखन मुम्बई मे परमाणु ऊर्जा विभाग सँ ओतुका कॉन्सुलेट कें एकर खबरि पठा देल जाइक। हम सब जेनेवा मे कतेको बेर विभिन्न कॉन्सुल जेनरल सँ भेंट केने छलहुँ आ हुनका सब कें सर्न देखबा लेल आमंत्रित सेहो केने छलहुँ। जखन हमर परमाणु ऊर्जा विभागक सचिव महोदय जेनेवा जाथि, तखन हुनका संग ओहो लोकनि सर्न आबथि। एवम् प्रकारें हुनका लोकनि सँ हमेशा नीक सम्बन्ध बनल रहैत छल।

हमरा सबहक मेडिकल बिल भारतीय कॉन्सुलेट सँ देल जाइत छल। हम दाँतक इलाजक लेल जे खर्चा केने रही से सबटा कागज लऽ कए पहुँच गेलहुँ जेनेवा शहर स्थित भारतीय कॉन्सुलेट।

ओतए अपन परिचय देल आ काज सेहो बता देल। हमरा भीतर बजा लेल गेल। एकटा प्रशासनिक अधिकारी छलाह। बर आदर सँ बैसौलन्हि। सबटा कागज देखलन्हि। हमरा किछु फार्म देलन्हि भरए आ तकर बाद हमरा सामने मे ओही समय सबटा प्रक्रिया पूरा कऽ कए हमरा चेक दऽ देलन्हि। चेक मे छऽ स्विस फ्रैंक जोड़ि देल गेल, जे कि बैंक चेक भजबैक कमीशन काटि लितए। एहि तरहें हमरा एको पैसाक घाटा नहि भेल। हमरा कुल बीस मिनट बैसए पड़ल छल।

ओतुका सब काजक दक्षता देखि कए बहुत प्रभावित भेलहुँ। कम सँ कम विदेशे मे सही, हमर लोक सब एतेक नीक जकाँ काज तऽ करैत छथि।

पाकिस्तानी रोटी

सर्नक गेस्ट हाउस मे पाकिस्तानी लोक सब सेहो रहितहि छलाह। ओहो लोकनि लार्ज हैड्रन कोलाइडरक विभिन्न प्रयोग पर काज करैत छलाह। जेनेवा मे रहैत पाकिस्तानी वैज्ञानिक अथवा इंजीनियर लोकनि सँ हमरा सब कें बहुत मित्रभाव सँ बातचीत होइत छल। ओतए भारत पाकिस्तानक आपसी वैमनस्य नहि अबैत छल। यदि मोन मे रहबो करैत तऽ कियो एकरा कखनहुँ कोनो चर्चा मे आबए नहि दैत छलाह। ई एकटा अलिखित नियम छलैक। ओना स्थानीय राजनीतिक चर्चा खूब होइक। ओहि समय इमरान खान नवका राजनीतिक पार्टी बनौने छलाह। से चर्चाक विषय छल। ओहि पाकिस्तानी लोकनिक अनुसार इमरान तऽ एकटा नगरपालिका चुनावो नहि जीति सकैत छलाह।

हमरे सब जकाँ ओहो सब विन्यास सँ भोजन बनबैत छलाह। मुदा एकटा अन्तर छल। हम सब भात बनाबी आ ओ लोकनि रोटी बनाबथि। सेहो चकला बेलना सँ बेलि कए नहि। बस हाथे मे थोपैत थोपैत रोटी कें नमरा लेथि जेना गाम मे लोक मडुआक रोटी बनबैत अछि। रोटी बेस मोटगर आ पैघ सेहो। सोहारी सँ एकदम भिन्न। आ तकरा ओ सब हीटर बला चुलहा पर सीधे राखि कए पका लेथि। कमाल के लूड़ि छल ई।

ई हमरा लेल बेस कौतूहलक विषय छल जे एना रोटी पकैत छलैक। एक दिन हम अपन एहि कौतुहलक चर्चा कएल। ओ लोकनि हमरा बहुत आग्रह केलन्हि हुनका संग खेबाक लेल। हम स्वीकार कएल। ओ रोटी सत्ते बहुर स्वादिष्ट छलैक। ओ लोकनि बतेलन्हि जे गहूमक आँटा ओ सब पाकिस्ताने सँ लबैत छलाह अथवा जेनेवाक पाकिस्तानी दोकान सँ। फ्रेंच सुपरमार्केटक आँटा सँ एहेन रोटी सम्भव नहि छल।

जर्मनीक किछु प्रसंग

म्यून्स्टर

सर्नक पहिल यात्रा मे 1989 मे हम करीब दू सप्ताह ओतए रहलहुँ। तकर बाद हमरा जर्मनी मे म्यून्स्टर जेबाक छल। पहिनहि लीख चुकल छी जे हमरा मात्र फ्रैंकफुर्त तक एबाक आ वापस जेबाक भाड़ा भारत सरकार सँ भेटल छल। बाकी एम्हर ओम्हर गेनाइ हिच हाइकिंग पर निर्भर छल। जेनेवा सँ म्यून्स्टर के लेल हान्स इन्तजाम केलन्हि एकटा पीएचडी छात्रक संग, जे म्यून्स्टर विश्वविद्यालय मे रिसर्च करैत छलाह।

हम दूनू गोटे सबेरे कार सँ विदा भेलहुँ म्यून्स्टर के लेल। रस्ता मे भोजन करैत करीब चारि बजे पहुँचलहुँ ओहि शहर। ओतए हम्बोल्ट हाउस मे हमरा लेल एकटा कमरा पहिनहि सँ रिजर्व छल। ई जगह यूनिवर्सिटीक इलाका मे छलैक। ओ छात्र हमरा ओतए छोड़ि देलन्हि। ओतए सँ ऑफिस टहलि कए जाए बला रस्ता छलैक। संध्या कालक भोजन लेल हम टहलैत टहलैत एकटा यूनानी रेस्तराँ मे गेलहुँ। संयोग सँ ओतुका बैरा कने मने अंग्रेजी बजैत छल। हम एकटा माछक झोर आ भात ऑर्डर केलहुँ। विदेश मे एहेन नीक आ सुअदगर माछ भात फेर कहियो नहि खाएल।

हमर कमरा एकटा सूट छल जाहि मे एक कोन मे किचेन, छोट डाइनिंग टेबुल आ किचेन के सब बरतन बासन आदि सेहो राखल छलैक। आवश्यकता जोगर कप प्लेट आ कटलरी सब टा छलैक। किछु मसाला संग मे रहबे करए। एकटा तुर्की दोकान भेटि गेल जतए सँ काजक सब चीज आनि लेलहुँ। ओना करीब दू किलोमीटर चलए पड़ि जाइत छलैक, मुदा आर कोनो उपाय तऽ छल नहि।

म्यून्स्टर शहर छोट मुदा बड़ सुन्दर। साइकिल सवारीक लेल ओही समय ओतए अलग ट्रैक बनि चुकल छलैक। यूरोपक कतेको शहर पर्यावरण संरक्षणक लेल साइकिल सवारी कें प्रोत्साहित करबा पर लागि गेल छल, जाहि सँ पेट्रोल डीजल आदि के कम खर्च होइक आ ग्रीनहाउस गैसक उत्सर्जन सेहो घटैक।

दिन मे यूनिवर्सिटी के कैंटीन मे भोजन करी आ राति कें अपन किछु बना ली। कैंटीन मे देखल जर्मन लोक भात बनबै मे चाउर कें पूरा सिद्ध नहि करैत छथि, बल्कि बहुत काँचे रहैत छैक। मुँह मे कचर कचर करै बला। ई भात खेबा मे ठीक नहि लागए। आर सब चीज ठीके रहैत छलैक। दाम बर कम लागए। कतबो किछु लिऐक लंच मे, दू मार्क तऽ कहियो

नहि खर्चा भेलैक। एतए बेसी लोक घर सँ लंच लऽ आनथि। एहि मामिला मे जर्मन सिस्टम फ्रेंच सिस्टम सँ बहुत भिन्न छलैक आ अमेरिकन सिस्टम सँ मिलैत जुलैत। लंचक बाद चाह, कॉफी लोक कैंटीन मे नहि, बल्कि अपना ऑफिसे मे पीबैत छल।

हैम्बुर्ग, डेजी आ बीयर

म्यून्सटर सँ हमरा ओतुका टीमक संग जेबाक छल हैम्बुर्ग, जतए डेजी (DESY) लेबोरेटरी मे हम सब एकटा नव उपकरणक अवयव कें जाँच करितियैक। एहि लेल ओतए कुल मिला कए पन्द्रह दिन रहबाक छल, सेहो होटल मे। यूरोपक होटल सब मे जलपानक तऽ नीक व्यवस्था रहैत छैक। ओहि मे तऽ ब्रेड, बटर, जाम आरो अन्य प्रकारक बेकरी सामान, फल, चाह, कॉफी सब भेटि जाइत छैक। तें जलपान भरि इच्छा करबा मे कतहु दिक्कत नहि भेल।

मुश्किल होइत छल लंच आ डिनर के समय। लंच मे सब गोटे डेजीक कैंटीन मे जाइ। जर्मन लोकक लेल तऽ ओतुका भोजन घरेक भोजन छलन्हि, मुदा हमरा लेल तऽ बीफ जखने देखियैक तखने वितृष्णा भऽ जाए। जे किछु शाकाहारी बनैक ताहि सँ काज चलाबी। ताहू मे एक दिन देखलियैक खाली उसनल प्याज छैक। ओहि दिन तऽ भुखले रहि गेलहुँ। तखन लगलहुँ कोनो विकल्प ताकए।

डेजीक मेन गेटक बाहर आसपास तकैत तकैत एकटा चीनी रेस्तराँ भेटि गेल। जान मे जान आएल। ओतए जा कए चिकेन आ भात खेलहुँ। मोन तृप्त भेल। तकर बाद लंच मे हम सब दिन ओतहि पहुँच जाइ। किछु महग तऽ पड़ैत छलैक, मुदा भोजन सँ संतोख होइत छल।

होटल मे हम सब म्यून्स्टर के पूरा टीम रहैत छलहुँ। फरवरीक अंत, मार्चक शुरू मे। हैम्बुर्ग बेसी ठंढा। बर्फ से पड़ऽ लगलैक। तें सबहक संगें कार सँ डेजी जाइ आबी। डिनर के समय सेहो सबहक संग जाइये पड़ए। कहियो इटालियन रेस्तराँ तऽ कहियो पोर्तुगीज रेस्तराँ तऽ कहियो ग्रीक तऽ कहियो इन्डोनेशियन वा चाइनीज। पन्द्रह दिन मे हम कतहु जर्मन रेस्तराँ नहि देखलियैक। रेस्तराँ सब मे तऽ बुझेला सँ माछ अथवा चिकेन भेटिए जाइत छल तें डिनर मे खेबाक लेल ओहेन समस्या नहि छल।

समस्या होइत छल डिनर के बाद। जर्मन लोकनि सब के सब डिनर के बाद जाथि बीयर पीबए। आ से छकि कए। ई क्रम बारह एक बजे राति तक चलैक। बीयर पर बीयर आ तै पर गप सरक्का। एखन तक हम बीयर नहि चिखने रही। फ्राँस प्रवास तक तऽ वाइन आ कि छोटमोट आपेरितिफ (एपेटाइजर) तक सीमित रहलहुँ। खाली एक बेर लैब मे स्ट्राँग लिकर चिखने रही। एतए हम एकसरे हिनका बीच बैसल बैसल ओंघाए लागी। एक दू बेर किछु सॉफ्ट ड्रिंक लेल, मुदा ओहि सँ ने निन्न मानए आ ने अनमाना लागए। पार्टी तेहन जोश मे होइक जे कहियो नहि सकैत छलियैक होटल घूरि चलू। ई अभद्रता सेहो होइत। होटलक रस्ता देखल नहि आ ने ई बूझल जे कतेक दूर छैक जे एकसरे चल जाएब। तें हिनका सब पर आश्रित भऽ गेल रही।

हारि कए एक दिन हम बीयर ऑर्डर कएल। हमर जर्मन सहकर्मी लोकनि खूब खुशी भेलाह। बीयर चीखल। मोन परि गेल अमेरिका प्रवास मे खेमकाक ओ टिप्पणी : लोक करैला किएक खाइत अछि ? बीयर सत्ते कने तीत छलैक स्वाद मे। खेमका तऽ पापर लऽ कए खाइत छलाह। हमरा एतए पापर कतए सँ अबितए ? बीयर मुँह मे गेला पर बुझलियैक पापर कतेक नीक आ जरूरी चीज छलैक एकरा लेल। नहि पापर तऽ कोनो दोसरे नमकीन, भुजिआ आदि रहितैक तैयो काज चलितैक, मुदा एतए लोक एहि तरहक चिखनाक व्यवहार नहि करैत छल। एतए बीयर तऽ लोक पानिक बदला मे पीबैत छल। हम कने कने बहुत धीरे धीरे पीबऽ लगलहुँ जाहि सँ एक बेर जीह पर गेल पदार्थक तीत स्वाद कम भऽ जाए, तखने दोसर बेर फेर ओकरा जीह पर ली। आब एक गिलास बीयर हमरा दू तीन घंटा चल जाए, जावत हमर जर्मन सहकर्मी लोकनि चारि पाँच गिलास गटकि जाइथ। अस्तु, ईहो बूझू एकटा ट्रेनिंग छल। शैम्पेन सँ शुरू भेल ट्रेनिंग के ई अन्तिम भाग छल, जाहि मे एक दशक सँ बेसी समय लागल छलैक आ दश प्रतिशत सँ शुरू होइत चालीस प्रतिशत पर पहुँचैत आब पाँच प्रतिशत पर अटकि गेल छल। मद्यक ट्रेनिंग आब समाप्त छल। आब बचले की छलैक?

विचित्र रूम नम्बर

जर्मनीक जीएसआइ प्रयोगशाला कतेक मामिला मे विचित्र अछि। पहिल बेर 1989 मे हम जखन एतए पहुँचल रही तखन एकर अनुभव नहि भेल छल, कारण किछुए घंटाक लेल रुकलहुँ सेहो ऑफिसे मे।

किछु साल बाद जखन एकर गेस्ट हाउस मे रहए गेलहुँ तखन बड़ आश्चर्य लागल जे चाभीक उपर लिखल छल अंग्रेजीक V अक्षर। चाभी हमरा गेटे पर भेटि गेल छल। हम सोचलहुँ एतए लोक पुरना रोमन संख्या व्यवहार करैत छैक आ हमर रूम अछि पाँच नम्बर। मुदा जखन गेस्ट हाउसक मकान मे प्रवेश केलहुँ तखन तऽ आश्चर्यक ठेकाने नहि रहल। एतए रूम सबहक उपर तत्वक रसायनिक संकेत लिखल जेना Na, K, Ca, Ar आदि। हमर रूमक चाभी पर जे V लिखल छल से वास्तव मे भनैडियम तत्वक संकेत छल। कमरा सब एहिना तत्वक परमाणु संख्याक बढ़ैत क्रम मे लागल।

विज्ञानक एहेन अपूर्व अथवा विचित्र व्यवहार अन्यत्र एखन तक कतहु नहि देखल। एतेक तऽ बूझल छल जे एतुका वैज्ञानिक लोकनि नव नव भारी तत्वक संश्लेशण मे विश्व मे अग्रणी छथि, मुदा हुनक एहि काजक प्रति मोह एतेक बेसी छन्हि, जे अपना गेस्ट हाउसक कमरा नम्बर पर्यन्त तत्वेक नाम पर राखि देलखिन्ह, से विचार अद्वितीये छलैक।

रिसर्च एवार्ड पार्टी

2007 मे हमरा जर्मनीक हम्बोल्ट फाउन्डेशन द्वारा 'हेमहोज हम्बोल्ट रिसर्च एवार्ड' भेटल छल। एकर समारोह भेल छल ओही साल मार्च मास मे बैम्बर्ग नामक रमणीय आ ऐतिहासिक स्थल मे। एहि मे भाग लेबाक लेल पूरा खर्चा हम्बोल्ट फाउन्डेशन द्वारा वहन कएल गेल। हम पहिने फ्रैंकफुर्त पहुँचि जीएसआइ मे ठहरलहुँ। ओतए सँ हान्स गुटब्रोडक संग हुनके कार सँ हमरा बैम्बर्ग जेबाक छल। ओहो सपत्नीक एहि समारोह मे आमंत्रित छलाह कारण हमर एहि एवार्डक प्रस्ताव हुनके द्वारा देल गेल छलन्हि। आमंत्रण हमरो सपत्नीक छल, मुदा व्यक्तिगत कारण सँ हम एकसरे गेल रही।

बैम्बर्ग जर्मनीक बभारिया क्षेत्रक एकटा पुरान आ नामी ऐतिहासिक जगह छैक, जकरा यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज शहरक दर्जा भेटल छैक। ओना तऽ ई शहर एक हजार साल सँ बेसी पुरान भऽ गेल अछि, मुदा हाल के समय मे इतिहासक दूटा महत्त्वपूर्ण घटनाक ई साक्षी रहल अछि। प्रथम विश्वयुद्धक बाद जखन बभारिया मे कम्यूनिस्ट आन्दोलन जोड़ पकलक, तखन राज्य सरकार राजधानी म्यूनिख छोड़ि भागि आएल बैम्बर्गे मे। एतए करीब दू साल तक प्रवासित रहलाक बाद जखन स्थिति सामान्य भेलैक, तखन फेर म्यूनिख वापस जाइत गेल। दोसर घटना जे विश्वक नक्शा बदलबा मे आ द्वितीय विश्व युद्धक बीजारोपण के रूप मे जानल जाइत छैक, से अछि 1926 मे हिटलर द्वारा बजाओल गेल बैम्बर्ग कन्फरेंस। एकर मुख्य उद्येश्य छलैक नवजात नाजी पार्टी मे एकताक बिगुल फुकैत ओकरा सुदृढ़ करब आ विरोधक स्वर कें शान्त करब, जे मुख्यतः बभारिया सँ उठैत छलैक।

एतए रिसर्च एवार्ड पार्टीक लेल संसारक सब भाग सँ 53 टा वैज्ञानिक चुनल गेल छलाह जाहि मे हम एकसरे भारतीय छलहुँ। अमेरिका सँ आएल भारतीय मूलक चारिटा वैज्ञानिक जरूर छलाह। हमर परिचय मे मात्र एक व्यक्ति : मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, ईस्ट लान्सिंग (अमेरिका) के प्रोफेसर गैरी वेस्टफॉल। गैरी आ हम 1978 मे बर्कले मे बीभालैक प्रयोग मे सहकर्मी छलहुँ आ फेर वर्तमान मे ब्रुकहैवेन स्थित स्टार कोलैबोरेशनक सहकर्मी सेहो। गैरीक प्रस्तावक छलखिन्ह फ्रैंकफुर्त यूनिवर्सिटीक एकटा प्रोफेसर। सबहक संग हुनका लोकनिक प्रस्तावक सेहो आएल छलखिन्ह। हम्बोल्ट फाउन्डेशनक अधिकारीगण मिला कए करीब डेढ़ सौ व्यक्तिक भीड़ एतए छलैक। एकर आयोजन एतेक नीक आ उच्च स्तरक छलैक जे हमरा लेल अविस्मरणीय भऽ गेल।

वृहस्पति दिन 22 मार्च कें हम सब पहाड़ी रस्ता आ मनोरम घाटी सब मे ड्राइव करैत साँझ खन बैम्बर्ग पहुचलहुँ। होटल 'रेजिदेन्स्क्लॉस' मे सब गोटेक आवासो छल आ सबटा कार्यक्रम सेहो एतहि छलैक।

अपन वैज्ञानिक जीवन मे बहुतो मीटिंग, कन्फरेंस आदि मे भाग लेल, मुदा ई मीटिंग सब सँ भिन्न छल। पहिल एहेन मीटिंग देखल जे डिनर के बाद प्रारम्भ भेल छल। हम्बोल्ट फाउन्डेशनक सेक्रेटरी जेनेरल डा० गियोर्ग सुत्त एकर उद्घाटन केलन्हि। तकर बाद हमरा सब कें बैमबर्ग शहरक मध्ययुगीन इतिहासक परिचय देल गेल।

अगिला दिन वैज्ञानिक सम्भाषण तथा हम्बोल्ट फाउन्डेशनक इतिहासक चर्चा चलल दिन भरि। साँझ मे डिनर के बाद शुरू भेल एवार्ड देबाक परिचर्या। सबटा एवार्ड हम्बोल्ट फाउन्डेशनक प्रेसिडेंट प्रोफेसर डा० उल्फगांग फ्रुह्वाल्ड द्वारा वितरित कएल गेल। हमरा बेर मे हेमहोज फाउन्डेशनक अध्यक्ष डा० जुरगन म्लिनेक सेहो छलाह, कारण हमर एवार्ड दूनू फाउन्डेशनक संयुक्त कोष सँ भेटल छल। आ तकर बाद शुरू भेल संगीतक कार्यक्रम जे प्रायः अर्द्धरात्रि तक चलैत रहल।

एवार्ड लेनिहार तऽ अपन काज समाप्ते बुझलन्हि, मुदा अगिला दिन सेहो लंच तक वैज्ञानिक सम्भाषणक कार्यक्रम छलैक। लंचक बाद गाइडक संग हम सब बैम्बर्ग शहर घुमबाक लेल गेलहुँ। एकर चर्च विशेष आकर्षक छल। संध्या काल 'फेयरवेल डिनर' छलैक आ तकर बाद एवार्डक चुनाव समितिक सदस्य लोकनि कें सम्मानित कएल गेल। आधिकारिक तौर पर ई मीटिंग एतहि समाप्त भऽ गेल। अगिला दिन जलपानक बाद सब कें होटल खाली करबाक छल।

पूरा मीटिंग के समय जलखै, लंच, डिनर मे भोज्य पदार्थ अनुपम। लंच आ डिनर मे सब समय प्रचुर मात्रा मे वाइनक व्यवस्था छलैक। डिनर के बाद यदि लोक ब्रांडी आदि लेबए चाहैत छल, तऽ से ओकरा होटल के बार मे जाकए स्वयं कीनए पड़ैत छलैक।

एतए पूरा अवधि मे हम जेना स्वप्निल संसार मे छलहुँ। जखन एवार्ड लेबऽ लेल गेलहुँ, तखन विश्वासे नहि होअए जे सत्ते मे हमर उपलब्धि एतेक भऽ गेल अछि जे जर्मनीक हम्बोल्ट फाउन्डेशन सँ एवार्ड भेटि रहल अछि। अपन वैज्ञानिक जीवनक सबसँ पैघ सम्मान लैत कने गौरवान्वित जरूर भऽ रहल छलहुँ, मुदा ई गौरव घमंडक स्तर पर नहि पहुँचल कहियो। अपितु एकटा बढ़ैत उत्तरदायित्वक बोध भेल, जे आब एहि एवार्डक सम्मान कें रक्षा करैत अपेक्षित रिसर्च सेहो करबाक अछि। जर्मनीक एहि समाज कें हमरा सब जकाँ एतए सम्मानित एहि विदेशी वैज्ञानिक सबसँ बहुत आशा छलैक।

जाग्रेवक अनुभव

यात्राक खटमिट्ठी

खिस्सा 1989 के थिक। हैम्बुर्ग मे रहैत एक दिन डेजी मे हमरा कलकत्ता सँ फोन आएल। हमर डायरेक्टर बिकास सिन्हा साहेबक फोन छल। ओहि जमाना मे भारत सँ विदेश मे होमए बला फोन सेवा एतेक खराप रहैक जे लोक कें चिचिआए पड़ैक तखने किछु बात भऽ पबैक। ओ हमरा कहलन्हि जे एक सप्ताहक बाद जाग्रेव मे एकटा कन्फरेंस छैक। ओतए बीएआरसी मुम्बई के डायरेक्टर डा० पी के अयंगार जेबा लेल छथि। हुनकर इच्छा छन्हि जे हम हुनका संग जाग्रेव मे ओहि कन्फरेंस मे भाग ली। विशेष गप भऽ नहि सकल।

हमर अपन प्रोग्राम छल डेजीक काज खतम भऽ गेला पर फेर म्यून्सटर मे करीब पन्द्रह दिन रहि कए मार्चक अन्त तक भारत वापस जेबाक। आब दोसरे आदेश आबि गेल। डेजी मे रहैत हमरा फोन करबाक कोनो सुविधा नहि छल। एतए तऽ हम सब टेम्पोररी विजिटर रही। लैबक प्रशासनिक सुविधा हमरा लेल नहि छल। यदि जेनेवा अथवा म्यून्स्टर मे रहितहुँ तऽ टेलीफोनक जोगार लागि जइतए, मुदा एतए से सम्भव नहि छल। ईमेलक जमाना सेहो एखन नहि आएल छलैक। कहुना एकटा फैक्स पठेबाक प्रयास केलहुँ, जाहि सँ सब बात ठीक सँ बूझि ली।

तकर बाद फेर टेलिफोन आएल जे हमर जाग्रेव जेबाक खर्चा यूरोपियन फिजिकल सोसाइटी वहन करत, तकरा लेल डा० अयंगार इन्तजाम कऽ देलन्हि अछि। मुदा ई स्पष्ट नहि भेल जे हम हैम्बुर्ग सँ जाग्रेव कोना जाएब। ट्रेन सँ आ कि हवाई जहाज सँ।

अस्तु, एकटा बात स्पष्ट छल। हम हैम्बुर्ग मे छलहुँ जतए सब देशक कॉन्सुलेट छलैक। हमरा सरकारी पासपोर्ट छल। वीजाक काज हमरा एतए रहितहिं कऽ लेबाक छल। सरकारी पासपोर्ट पर वीजाक लेल हमरा पहिने अपना कॉन्सुलेट जा कए नोट भर्वल लेबए पड़त, तखने कोनो आन देशक कॉन्सुलेट हमरा वीजा दऽ सकत।

जाग्रेव ओहि समय युगोस्लावियाक अंग छलैक। तें हमरा युगोस्लावियाक वीजा तऽ लेबहि पड़ितए। पता लगाओल जे यदि ट्रेन सँ जाए पड़त तऽ कोन कोन देश रस्ता मे औतैक। ओकरो लेल हमरा ट्रान्जिट वीजा लेबए पड़ैत। एकटा ट्रेनक रस्ता एहेन छलैक जाहि मे आस्ट्रियाक वीजा हमरा लेबए पड़ैत।

हम पहुँचि गेलहुँ अपना भारतीय कॉन्सुलेट। हमरा लग कागज किछु नहि छल। मात्र टेलीफोनक बातचीत पर हमरा काज करबाक छल। ओतए एकटा बंगाली अफसर भेटि गेलाह। हुनका सबटा बात बुझाओल। ओ मददि केलन्हि आ दूटा नोट भर्वल बना देलन्हि। एकटा युगोस्लाव कॉन्सुलेटक नाम आ दोसर ऑस्ट्रियन कॉन्सुलेटक नाम।

हमरा लग समय कम छल। दुइये दिनक भीतर हमरा दूनू वीजा लऽ कए फ्रैंकफुर्त पहुँचि जेबाक छल। साधारणतः कॉन्सुलेट सब दिनक पहिल उखराहा मे वीजाक आवेदन लैत छैक आ दोसर उखराहा मे वापस दैत छैक। भिनसर मे पासपोर्ट देत नहि आ दुपहरिया मे आवेदन लेत नहि। वीजा देबा मे कतेक समय लगतैक से तऽ कॉन्सुलेट पर आ अहाँक पासपोर्ट कोन तरहक अछि ताहि पर निर्भर करैत छैक। यदि सरकारी पासपोर्ट अछि तऽ नोट भर्वल जरूरी आ तखन ओही दिन दुपहरिया मे वीजा भेटि सकैत छैक। मुदा कोनो कोनो देशक नियम झंझटिया छैक आ सरकारियो पासपोर्ट मे बेसी समय लगा दैत छैक।

हम पहिने गेलहुँ युगोस्लाव कॉन्सुलेट। ओतए वीजाक लेल आवेदन दऽ कए आबि गेलहुँ। ओही दिन दुपहरिया मे पासपोर्ट भेटि गेल। तकर बाद अगिला दिन भिनसर मे गेलहुँ ऑस्ट्रियन कॉन्सुलेट। एकटा मैट्रन रूपी मोट अधवयसू महिला ओतए वीजा काउन्टर सम्हारैत छलीह। हुनका आवेदन देल आ विनती कएल जे यदि ओ आइए दुपहरिया मे हमरा वीजा दऽ देथि तऽ हमरा समय पर फ्रैंकफुर्तक ट्रेन पकड़ा जाइत। ओतए सँ हमरा राति मे जाग्रेबक ट्रेन लेबाक छल। ओ नहि मानलन्हि। अन्त मे हम हुनका कालि सबेर मे दऽ देबाक प्रार्थना कएल।

ओ तखन तऽ कहलन्हि, "आबि जाऊ, देखबैक"। मुदा जखन हम 11 बजे दोसर दिन ओतए गेलहुँ तऽ ओ साफ मना कऽ देलन्हि। हुनकर मुखमुद्रा सँ लागल जे हम हुनका कोनो अति गैरकानूनी काजक लेल कहि देलिएन्हि अछि। एके बेर कहलन्हि "कम एट टू" आ खिड़की बन्द कऽ देलन्हि। कोनो सुनबाई नहि।

हुनक व्यवहार हमरा खराप लागल छल। मुदा विदेशक लोक पर अहाँक जोर जबर्दस्ती तऽ चलत नहि। कतेक स्थिति मे तऽ अपनो लोक अहाँक विनती कें ठुकरा देत। ओहि दिन हमर फ्रैंकफुर्त जेबाक प्रोग्राम स्थगित भऽ गेल।

वीजा हमरा दू बजे भेटल।

तावत एकटा नीक बात भेलैक। हमरा सूचना भेटल जे हम ज्यूलिस चल जाइ। ज्यूलिस मे इन्डो जर्मन प्रोग्रामक ऑफिस छलैक। ओतए हमरा लेल हवाई जहाजक टिकट आदि सबटा व्यवस्था कएल छल। हम तहिना कएल। अगिला दिन हम फ्रैंकफुर्त नहि जा कए सीधे ज्यूलिस पहुँचि गेलहुँ। ओतए हमरा लेल जाग्रेव जेबाक लेल हवाई जहाजक टिकट राखल छल। आब तऽ हम जर्मनी सँ उड़ि कए सीधे युगोस्लाविया पहुँचि जाएब। वाह रे भाग्य ! इएह बात जँ दू दिन पहिने

बूझल भऽ गेल रहितए तऽ फेर ऑस्ट्रियाक वीजा लेबाक काजे नहि छल। मुदा से जँ होइतैक तऽ एकटा कटु अनुभव जे हेबाक छल से तऽ नहिए होइत ने।

ज्यूलिस सँ फ्रैंकफुर्त आबि हवाई जहाज पकड़ि हम जाग्रेव पहुँचि गेलहुँ।

पी के अयंगारक संग बजार मे

डा० अयंगार पहिनहि जाग्रेव पहुँचल छलाह। हमरा दोसर होटल मे राखल गेल। फोकटिया छलियैक ने। अस्तु, रिसेप्शनक समय हुनका सँ भेंट भेल। हुनका खुशी भेलन्हि जे हम ठीक ठाक पहुँचि गेलहुँ। सब व्यवस्था तऽ हुनके कएल छलन्हि। हमरा लेल तऽ जाग्रेव गेनाई आ एतए कन्फरेंस मे भाग लेनाइ एक प्रकारक लौटरी भेटब जकाँ छल।

जाग्रेव शहर बेस सुन्दर, कारण ई एकटा पुरान रजबाड़ा शहर छलैक जयपुर, उदयपुर जकाँ। दर्शनीय स्थल अनेक।

कन्फरेंसक दोसर दिन जखन हुनक भाषण भऽ गेलन्हि, तखन डा० अयंगार हमरा कहलन्हि जे चलू हमरा संग बजार करए। एहि प्रस्ताव पर हम की कहितियैक ? ई तऽ बूझू बॉस सँ आर्डर छल, जे अहाँ कें मानबाक छल। हमरा 'नहि' कहैक तऽ सवाले नहि उठैत छल। एक तऽ हुनक संग रहबाक अवसर भेटैत छल, दोसर शहर देखबाक अवसर भेटैत छल आ तेसर हमरा अपनो जे किछु बजार करितहुँ तऽ हुनका सँ नीक एकटा सीनियर गाइड के भेटैत एहि अनठीया देश मे ? हम सहर्ष विदा भेलहुँ। हुनका जेना आसपासक सब इलाका देखले छलन्हि, तहिना निधोखे विदा भेलाह।

हम सब पैएरे विदा भेलहुँ। यद्यपि एखन मार्चे मास छलैक तथापि रौद रहला सँ ओतेक ठंढा नहि बुझाइत छलैक। गरम कपड़ा तऽ रहबे करए। चलि पड़लहुँ। करीब पन्द्रह मिनट पर बजार आबि गेलहुँ। एहि इलाकाक बजार मे रस्ता बहुत बेसी चाकर नहि छलैक, मुदा बहुत तंग सेहो नहि। ठीके ठाक, जेना कलकत्ताक कॉलेज स्ट्रीट छैक। हम सब पहिने तऽ विंडो शौपिंग केलहुँ। तकर बाद डा० अयंगार एकटा दोकान मे प्रवेश केलन्हि। ओहि मे हार्डवेयर सामान आदि बिकाइत छलैक।

युगोस्लाव दीनार बहुत हल्लुक करेंसी छलैक। एयरपोर्ट पर जखन डॉलर भजेने रही तऽ एक डॉलर के सात हजार दीनार देने छल। तें देखियैक जे वस्तुक दाम सब दश बीस हजार सँ कम कतहु नहि रहैक। ओकरा लीखैक लेल एकटा डॉट दऽ कए तीन टा शुन्ना दऽ देने रहैक। यूरोप मे हजारक बाद डॉट देल जाइत छैक जतए हम सब भारत मे कौमा दैत छिऐक आ दशमलव लीखै मे जतए हम सब डॉट दैत छिऐक ओतए ई सब कौमा दैत छैक। देश देशक भिन्न भिन्न रंग। मुदा हमरा सब कें आश्चर्य लागल जे किछु दाम सब एना लीखल छलैक जाहि मे डॉटक आगू तीन टा शुन्ना नहि, मात्र दूटा शुन्ना छलैक। एकर कोनो अर्थ नहि बूझि सकलियैक। यदि डॉट कें अनठा दियैक तऽ ओकर अर्थ लागि सकैत छल। ब्लैक एन्ड डेकर सन नामी कम्पनीक बनल एकटा पावर ड्रिल मशीन के दाम लिखल छलैक 30.00 मात्र। एकर की माने लगेबैक से हम नहि बूझि पौलहुँ। मुदा डा० अयंगार कें भेलन्हि जे ई मात्र तीन हजार दीनार थिकैक। तीन हजार दीनार माने भेलैक आधा डॉलर सँ कम। हम हुनका कहलिएन्हि जे एतेक कम दाम नहि भऽ सकैत छैक एकर। जरूर एहि मे कोनो पेचकन छैक। ओ हमर बात कें हँसी मे उड़ा देलखिन्ह "यू बिहारी बुद्धू, डॉन्ट नो एनीथिंग"। हम बहुत जूनियर छलहुँ हुनका लग सब तरहें। हमर मजाक ओ ओहुना उड़बैत रहैत छलथि, मुदा एहि मे कोनो दुर्भाव नहि रहैत छलैक। बस हँसी मजाक टा। ई तऽ हुनके वरदहस्त छल जे सर्नक रिसर्च लेल हमरा बूझू ब्लैंक चेक भेटि गेल छल आ दूटा स्टाफक जोगार सेहो। विज्ञानक काज लेल हमरा पर एतेक विश्वास छलन्हि हुनका। ओहुना जे लोक हुनका जनैत छल से बुझैत छल जे पी के अयंगार सँ बहस नहि कएल जा सकैत छलैक। हम चुप लगा गेलहुँ।

हुनका ओ मशीन पसिन्न पड़लन्हि की दाम देखि सस्त बुझलखिन्ह तें लेबा लेल उद्यत भेलाह, से तऽ हम नहि बुझलियैक, मुदा दोकानदार कें बजा ओहि मशीन कें सब तरहें ठोकि बजा कें करीब दश मिनट तक देखलन्हि। तकर बाद ओकरा पैक करबै लेल कहलखिन्ह आ दाम देबए गेलाह। ओतए ओ तीन हजार दीनार देलखिन्ह तऽ दोकान बला अस्वीकार कऽ देलकन्हि। ओ कहलकन्हि जे ई दाम जर्मन मार्क मे लिखल छैक आ एकर दाम 30 मार्क छैक जे करीब एक लाख दीनार भेलैक। ई सुनि हमरा दूनू कें दूटा शुन्नाक पेचकन बुझबा मे आबि गेल। एतेक दाम मे तऽ अनेरे ई मशीन हुनका लेबाक नहि छलन्हि। ओ बहाना बना देलखिन्ह जे हुनका सामान लेल ई बहुत भारी छन्हि, तें एखन नहि लऽ जेताह। बाद मे देखल जेतैक। ई कहि ओ दोकान सँ बाहर आबि गेलाह। हम हुनका पाछू पाछू बाहर आबि गेलहुँ।

अस्तु, एकटा बात तऽ फरिछा गेल छल जे एतए दू तरहक दाम लिखल छैक : एकटा दीनार मे जकरा लेल डॉट के बाद तीन टा शुन्ना होएब आवश्यक छैक आ दोसर जर्मन मार्क जाहि मे मात्र दूटा शुन्ना रहैत छैक। दीनार मे एक दीनारक छोट भाग किछु नहि छलैक, मुदा मार्क मे तऽ ओकर शतांश होइत छलैक। तकरे लेल दूटा शुन्ना देल जाइत छलैक।

तकर बाद हम सब एकटा कपड़ा दोकान मे गेलहुँ। एतए ओहो अपना लेल एकटा सूटक कपड़ा किनलन्हि आ हमरो किना देलन्हि। एतए कोनो दुविधाक प्रश्न नहि छलैक। सबटा दाम दीनारे मे छलैक आ जाहि तरहें लोकक आशा छलैक, तेहने दाम छलैक।

डबल बेड रूम : कतेक पैघ ?

बोरलांगेन स्वीडेन मे एकटा रमणीय स्थल छैक। छोट छीन गाम जकाँ। एकरा विकसित कएल गेल कन्वेन्सन सेंटर के रूप मे। किछु होटल, किछु रेस्तराँ, एकटा पैघ ऑडिटोरियमक संग छोट पैघ चारि पाँच टा हॉल आ एकटा छोट एयरपोर्ट आदि बना देल गेल। पूरा इलाका काफी खूजल। एक होटल आ दोसर के बीच दूरी सेहो आध किलोमीटर जमीन सँ कम नहि। पैघ शहरक भीड़ भाड़ सँ एकदम अलग।

1993 मे मई मास मे एतए एकटा अन्तर्राष्ट्रीय कन्फरेंसक आयोजन छलैक। हम एहि मे भाग लेबाक हेतु इच्छुक रही आ आयोजक कें किछु आर्थिक सहायताक लेल आवेदन केने रहिएन्हि। आर्थिक सहायता भेटला सँ विभागीय मंजूरी भेटब आसान होइत छलैक।

हमरा जे सहायता भेटल ताहि मे एकटा शर्त छल जे हमरा होटल मे एक कमरा मे एक अन्य व्यक्तिक संग रहए पड़त। हमर सहकर्मी आ मित्र डा० दिनेश श्रीवास्तव सेहो एहि कन्फरेंस मे भाग लेबऽ जा रहल छलाह। हुनको एहेन वित्तीय सहायताक आवश्यकता छलन्हि। तें हुनका सँ पूछि हम आयोजक कें बता देल जे हम आ दिनेश एक कमरा मे रहि जाएब।

हम बोरलांगेन पहुँचलहुँ जेनेवा सँ साँझ मे। रवि दिन रहैक। अगिला दिन सोम सँ कन्फरेंस शुरू हेबाक छलैक। दिनेश कें एबाक छलन्हि अमेरिका सँ। हमरा नहि बूझल छल ओ कखन औताह। हमरा आयोजक सँ एकटा होटल मे कमरा भेटि गेल। होटल गामक दूर के एकटा निर्जन इलाका मे छलैक आ कन्फरेंसक जगह सँ करीब 10 मिनटक टहलबाक रस्ता छलैक। कमरा जे भेटल से बहुत छोट। देबाल सँ सटल बेड। आ पैर दिस दरवाजाक कोन मे छोटे टा बाथरूम। बेड आ दोसर देबालक बीच मुश्किल सँ दू अढ़ाइ फुट जगह छलैक। ने टेबुल, ने कुर्सी, किछु नहि। लागल जेना सियालदह के कोनो लॉज मे पहुँचि गेल छी।

अस्तु, एतए शिकाएत तऽ कैए नहि सकैत छलियैक, कारण हम टाका तऽ टेंट सँ देने नहि छलियैक। मुदा एतेक छोट कमरा आ एकेटा बेड देखि अन्दाज कएल जे ई छोट किन्तु सिंगल रूम हेतैक। खुशी भेल जे चलू सिंगल रूम तऽ भेटि गेल ने। जरूर आयोजक सब कें डबल रूमक अभाव भऽ गेल हेतन्हि तें हमरा सन फोकटिओ सब कें सिंगल रूम दऽ देलखिन्ह। अस्तु, यात्राक किछु थकान तऽ रहबे करए। साँझ मे रिसेप्शन छलैक। ओतए गेलहुँ आ जे किछु भेटल से खा कए आबि गेलहुँ। बेड पर पसरि गेलहुँ आ निन्न लागि गेल।

गाढ़ निन्न मे रही तखन लागल जे कियो दरवाजा खटखटा रहल अछि। आश्चर्य लागल, एतए अनचिन्हार जगह मे एतेक राति कें के भऽ सकैत अछि। ओंघाएले मे दरबाजा खोलल तऽ देखैत छी दिनेश ठाढ़ छथि। हम पुछलिएन्हि कोन कमरा देलक अहाँ कें। हम तऽ मानि बैसल रही जे जहिना हमरा सिंगल रूम भेटल, तहिना हुनको भेटि गेल हेतन्हि। मुदा ओ तऽ उनटे हमरे रूम मे प्रवेश कऽ गेलाह। हमरा बड़ आश्चर्य लागल। तावत निन्न सेहो टूटि गेल छल। हम कहलिएन्हि जे एहि मे बेड तऽ एकेटा छैक। तखन कोना गुंजाइस हैत दू गोटे कें। ओ कहलन्हि जे हमरा कहल गेल अछि इएह रूम छी अहाँक।

तखन ओ ताकए लगलाह कतहु कोनो दोसर बेड नुकाएल तऽ नहि छैक। आ हुनका भेटिए गेलन्हि एकटा बेबीकॉट जकाँ बेड जे हमरा बेडक नीचा मे घोंसियाएल छलैक। ओकरा घीच कए बाहर केलन्हि। वाह रे इन्तजाम ! आब कमरा मे एतबो जगह नहि छलैक जे हम बेड पर सँ उतरि सकी। जतेक खाली जगह छलैक ताहि मे कहुना ओ बेड अँटि गेलैक। हमर बेड सामान्य डेढ़ फुट ऊँच आ हुनकर बेड मात्र छऽ इंच ऊँच। यदि दिनेश कें नीचा मे सुतैक घाटा भेलन्हि तऽ हुनका लेल बाथरूम गेनाइ आसान भेलन्हि। हमरा यदि उँचका बेडक फायदा भेटल तऽ हमरा लेल ओहि बेड पर सँ उतरबे कठिन छल। कहुना कए तरपि कए बाथरूम जाइ।

एहने परवाक खोंता मे कहुना हम सब पाँच राति बितौलहुँ। ओहेन होटल आ ओहेन डबल बेड रूम फेर एखन तक कतहु नहि भेटल।

बेचेरोव्का

जुलाई 1996 मे चेक रिपब्लिक के राजधानी प्राग सँ सटले एकटा छोट शहर रेज मे WA98 प्रयोगक कोलैबोरेशन मीटिंग छल। मीटिंग के सार्वजनिक डिनर मे हमरा सब कें एक प्रकारक 'वेलकम ड्रिंक' राखल छल एकटा अति छोट गिलास मे। चमकैत उज्जर रंगक द्रव, मुदा एहेन मादक गंध आइ तक कोनो ड्रिंक मे नहि देखने छलियैक। ओ गंध नाकक पूरा मे जाइत देरी उल्लसित कऽ देलक।

जीह पर जखन लेल तखन तऽ लागल बैकुण्ठ लोक पहुँचि गेलहुँ। तुरत्ते हम उठिकए तकलहुँ अपन होस्ट माइकल सुम्बेरा कें, आ पूछि बैसल एहि विशिष्ट पेयक बारे मे। ओ बतौलन्हि जे एकरा 'बेचेरोव्का' कहल जाइत छैक आ ई एकदम स्वदेशी अथवा स्थानीय ड्रिंक थिक। हुनका अनुसार ई हर्बल ड्रिंक थिकैक जे एक प्रकारक जंगली फरक बिया सँ बनाओल जाइत छैक। ई फर चेक गणराज्यक एकटा खास इलाका मे भेटैत छलैक। हुनका वर्णनक अनुसार हम अनुमान कएल जे ओ फल अपना सबहक अमती सँ मिलैत जुलैत हेतैक।

एकर आविष्कारक छलाह कियो जोसेफ बेचर। हुनके नाम पर एकर नाम देल गेल बेचेरोव्का। आब यान बेचर कम्पनी एकर निर्माता अछि। यान बेचर हुनके वंशज छथिन्ह। एहि ड्रिंक कें बनबै मे ओहि फरक अतिरिक्त किछु विशिष्ट मसालाक व्यवहार सेहो कएल जाइत छैक। मुदा असली बात तऽ ककरो बूझल छैक नहि। एकर बनबैक लूड़ि आकि गुप्त ज्ञान मात्र ओहि परिवारक किछुए गोटे कें छन्हि। एहि पर परिवारक एकाधिकार छैक। संसार मे आन ठाम ई बनिते नहि छैक।

चेक गणराज्यक राजधानी प्राग शहर सेहो बहुत सुन्दर आ सुव्यवस्थित। सबसँ नीक लागल एतुका ट्रामक द्रुत गति सँ चलब। एहि इलाका मे कट ग्लासक सुन्दर सुन्दर कलाकृति सेहो भेटैत छैक। बेचेरोव्का चिखबा लेल एतए छोट छोट गिलास वा कप कही से कीनल। कट ग्लासक किछु आरो सनेस कीनल।

ओना तऽ चेक लोक अपन बीयर कें सेहो बहुत प्रशंसा करैत छथि आ ओ सब बीयर पिबितो बहुत छथि, मुदा से तऽ भेल तकरा लेल जकरा बहुत पेय चाही। हमरा सब सन लोकक लेल, जकरा नीक चीज चाही बरू थोड़बे किएक नहि होइक, ई बेचेरोव्का अति उत्तम वस्तु छल। आन कोनो ड्रिंक प्रचुर मात्रा मे कतहु भेटि जाएत, मुदा ई बेचेरोव्का नहि। तें एकर एकाध ठोप हम अपना घर मे रखबे करैत छी। यदि चरणामृत लेबाक हो अथवा नासिकापान करबाक हो तऽ सम्पर्क कऽ सकैत छी। हम जे एकर भक्त भेलहुँ से तऽ नासिकापाने सँ ने।

स्मोकिंग इज ए वे ऑफ लाइफ

दिसम्बर 1997 मे जापानक त्सुकुबा यूनिवसिर्टी गेल रही एकटा अन्तर्राष्ट्रीय कंफरेंस मे। ई जगह राजधानी टोकियो सँ करीब 100 किलोमीटर दूर छैक आ एकरा बगले मे छैक उच्च ऊर्जा भौतिकीक नामी केन्द्र 'केईके' जे जापानक सबसँ उन्नत विज्ञान केन्द्र अछि आ सर्नक बाद जर्मनी मे हैम्बुर्ग स्थित डेजी केन्द्रक टक्कर के अछि।

कन्फरेंसक व्यवस्था उत्तम, जेना जापानक बारे मे लोक सँ सुनैत छलहुँ। मुदा हमरा सबसँ बेसी आश्चर्य लागल एकटा नारा लीखल देखि कए "स्मोकिंग इज ए वे ऑफ लाइफ"। ई नारा ओतए सड़क पर लीखल देखल। होटल सँ कन्फरेंस सेंटर जेबा काल हल्का चढ़ाई छलैक जकरा लेल सीढ़ी बनल छलैक। ओहि सीढ़ीक उठलाहा भाग मे सेहो लीखल देखल।

ई तऽ देखैत छलहुँ जे यत्र कुत्र जापानी लोक सिकरेट खूब पीबैत छलाह। खास कऽ कए यूनिवर्सिटी कैम्पस मे नवयुवक आ नवयुवती सब मे तऽ ई एक प्रकारक फैसन, अथवा कही संक्रामक रोग, भऽ गेल छल। एहि नारा कें जखन देखल, तखन एकर मूल कारण बुझबा मे कोनो भाङठ नहि रहल।

सिकरेट उत्पादन करए बला बहुराष्ट्रीय कम्पनी सब हमेशा नवका नवका बजार तकैत रहल अछि। पहिने एकर बजार छलैक अमेरिका। ओतए जखन लोक कने सचेत भेल आ तरह तरह सँ सिकरेट पीबाक विरोध होमए लगलैक, तखन ई सब फँसेलक आन आन देशक लोक कें। केहन नारा युवा वर्ग कें फँसेबाक लेल ! कहू तऽ एहिना यदि लोक लीख दैक "स्टीलिंग इज ए वे ऑफ लाइफ" अथवा "किलिंग इज ए वे ऑफ लाइफ" तऽ ओहि समाजक की दशा हेतैक ? आश्चर्य ईहो लागल जे एतुका सरकार एहि पर कोनो क्रिया किएक नहि करैत छलैक।

भगवान बुद्धक भक्त लोकनिक समाजक ई दशा!

शांघाई

मेरचाई आ मुर्गीक टांग

शांघाई हम गेल रही 2006 के नवम्बर मास मे एकटा अन्तर्राष्ट्रीय कन्फरेंस मे भाग लेबा लेल। होटल आदि पहिने सँ बुक छल। एयरपोर्ट सँ सीधे हम होटल पहुँचि गेल रही बिना कोनो दिक्कत के। टैक्सी बला कें बुझबैक लेल चीनी अक्षर मे लिखल कागज हमरा सबकें आयोजक लोकनि पहिनहि पठा देने छलाह। आ भाड़ा सेहो अनुमानिते। कोनो ठकी नहि।

ओतए पहुँचल रही लुकझुक साँझ मे। स्नानादि सँ निवृत भेलाक बाद भोजन करबाक छल। ओहि होटल मे अपन कोनो नीक रेस्तराँ नहि छलैक। पुछलियैक तऽ बतौलक जे रस्ता पर अनेक छोट पैघ रेस्तराँ छैक जतए लोक भोजन कऽ सकैत अछि।

अस्तु, विदा भेलहुँ रोड कें खियाल करैत। किछु आगू गेला पर एकटा रेस्तराँ नजरि आएल। ओतए हमरे कन्फरेंस मे भाग लेनिहार किछु अमेरिकन व्यक्ति छलाह बीयर पीबैत। ओ लोकनि नवयुवक छलाह आ हमरा परिचय नहि छल।

हम रेस्तराँक एकटा टेबुल पर बैसि गेलहुँ। वेटर आएल आ मेनू कार्ड राखि देलक। ओ बहुत मामूली अंग्रेजी बजैत आ बुझैत छल। मेनू मे चीनी भाषाक संग अंग्रेजियो लीखल रहैक आ किछु चित्र सेहो रहैक वस्तु कें बुझबैक लेल। ई पद्धति नीक लागल।

की आर्डर करी, ई समस्या हमरा सब ठाम रहितहि अछि आ फेर अनचिन्हार जगह मे तऽ आरो बेसी भऽ जाइत अछि। चिकेन के व्यंजन सब दिस ध्यान देल। एकटा छलैक फ्राइड चिकेन लेग्स। ओकरा संग दूटा मेरचाई सेहो चित्र मे देल छलैक। आगू अन्य व्यंजन सब मे तीन चारि टा मेरचाई सेहो देखलियैक।

हम एकर अर्थ वेटर कें पुछलियैक, मुदा ओकर अंग्रेजी सँ हमरा किछु बुझना योग्य नहि भेल। अमेरिका मे रहैत हमरा एकटा एहेन अनुभव भेल छल। बर्कले मे एकटा भारतीय रेस्तराँ छलैक सितार नाम सँ। एकर संचालक छलाह एकटा मराठी सज्जन, जे केमिकल इंजिनीयर छलाह। रेस्तराँ मात्र राति कें खुजैत छलैक। ओ केमिकल इंजिनीयर महोदय दिन मे अपन नोकरी करथि आ राति मे बूझू एकटा हॉबी जकाँ ई रेस्तराँ चलाबथि। ओ स्वयं भोजन बनाबथि आ मात्र एकटा अमेरिकन सहायक रखने छलाह। हिनका रेस्तराँ मे तरकारी अथवा कोनो कढ़ी आदि कतेक करू खाएब, से बतबए पड़ैत छलैक। कड़ूक लेल हिनकर पैमाना मे पाँच भाग छलैक – एक सँ लऽ कए पाँच तक। ओही हिसाबें मेरचाईक बुकनी देल जाइत छलैक भोजन मे। हम एक अथवा दू सँ आगू कहियो नहि बढ़लहुँ। एक बेर खेमका तीन पर आर्डर केलन्हि, मुदा से खा कए नोरे झोरे एकामय भऽ गेलन्हि। आश्चर्य तऽ ई लागए जे अमेरिकन लोक सब, खास कऽ कए नवयुवक छात्र लोकनि, चारि पाँच स्तर के कड़ू बला भोजन आर्डर करथि आ सुआदि कए खाथि।

ओही अनुभव सँ हम एतुक्का मेनूक चित्र मे देल एक दू तीन मेरचाईक हिसाब लगेलहुँ आ दूटा मेरचाई बला चिकेन लेग आर्डर कऽ देलियैक।

जखन व्यंजन परोसि कए आगू आएल तखन आश्चर्य आ क्षोभक ठेकान नहि रहल। हम आशा करैत रहियैक जे ई व्यंजन कोनो बर्तन ने आओत आ किछु झोड़ तऽ हेबे करतैक। मुदा हमरा तऽ देल गेल एकटा चङेरी मे भरल लाल लाल मेरचाई के बीच राखल मुर्गाक किछु पातर पातर टांग। मेरचाई मे ओ सब एना डूबल छल जे तकनाइयो कठिन काज।

चीनी परम्पराक अनुसार एकटा बाटी मे भात जरूर आएल छल। आब हमरा ओ भात सुखाएल चिकेन लेगक संग खेबाक छल मेरचाई कात करैत। खैर, विदेश मे टूरिस्टक जे दशा होइत छैक से भेल। कहुना अदहा छिदहा भात खेलहुँ आ पैसा दऽ कए उठि गेलहुँ। मेरचाई चिखबाक काजे नहि बुझलियैक।

शहरक क्रिया कलाप

शांघाई शहरक बेसी इलाका प्रायः पूर्णतः नवनिर्मित छैक। आ सेहो बूझू न्यूयार्कक तर्ज पर। आर तऽ आर, ओतए चीनी लोकनि टाइम्स स्क्वायर पर्यन्त बनौलन्हि अछि। ओहि इलाका मे भ्रमण करैत कियो कखनो सोचबो नहि करतैक जे ओ एशियाक एकटा एहेन देश मे अछि, जतए एखनहु ग्रामीण इलाका बहुत गरीब छैक। टाइम्स स्क्वायर मे सबटा दोकान बहुराष्ट्रीय कम्पनी सबहक। भोजनक लेल प्रसिद्ध अमेरिकन कम्पनी जेना मैक्डोनाल्ड, पिज्जा हट, टाको बेल आदि के दोकान सब पसरल। आरो अन्य दोकान सब अमेरिकन तर्ज पर। एतए चीजो वस्तु तहिना महग।

साफ सफाई मे नगर प्रशासन एतेक मुस्तैद जे देखलियैक सफाई कर्मचारी साँझो कें काज करैत। टिपिर टिपिर पानि परैत आ ताहू बीच ओ सब एक एक टा पात जे खसि पड़ैक रोड पर, तकरा उठबैत। एतेक सफाई तऽ कोनो अमेरिकी आ कि यूरोपीय शहर पर्यन्त मे नहि देखलियैक। स्विटजरलैंड मे, जे यूरोप मे प्रायः सबसँ बेसी साफ सुथरा देश बूझल जाइत छैक, सेहो रातुक खसलाहा पात सब भोर मे सड़क पर ढेर लागि जाइत छलैक। ओकरो सफाई होइत छलैक जरूर मुदा भोर मे। प्रात हेबा सँ पहिने भोरबा मे सफाई कर्मचारी बहुतो ठाम काज करैत छैक। अपनहु देश मे कतेको शहर मे एहेन इन्तजाम छैक, मुदा साँझ राति मे काज करैत एतहि टा देखलियैक।

एकटा आर बात। एतहु मेन रोडक पछुआर मे गली सब जेना गन्दा हेबाक चाही कोनो गरीब एशिआइ देश मे, तहिना देखल। आ दुर्गन्ध तऽ आर बेसी विचित्र प्रकारक।

कन्फरेंसक आर आयोजन बहुत नीके कहक चाही। खास कऽ कए शाकाहारी लोकक लेल सेहो अलग इंतजाम छल। ओहि मे टोफूक तरकारीक मात्रा नीक। टोफू भेल पनीर सदृश वस्तु, दूधक बनल। किछु अन्य हरियर तरकारी सेहो। आर सब किछु बढ़ियाँ। चीनी स्टाइल मे बहुत पैघ वृत्ताकार टेबुलक उपर कने छोट वृत्ताकार शीशाक टुकड़ी लागल जे चारू कात घुमैत। भोजनक सामग्री सबटा ओहि घुमैत टुकड़ी पर सजाओल। आ चारू कात लोक बैसल। जकरा जे चीज लेबाक भेलैक से ओहि छोटका टुकड़ी कें घुमा कए अपना दिश आनि लेलक आ ओहि मे सँ परसि लेलक। एक टेबुल पर दश व्यक्ति बैसि सकैत छल।

मोल मोलाई टूरिस्ट जगह पर पूरा विश्व मे एके समान छैक। एतहु सएह देखल। शांघाई टीवी टावर, जे बहुत प्रसिद्ध जगह छैक, ओकर एकटा मामूली प्रतिरूपक दाम शुरू केलक 100 आरएमबी सँ आ देलक 15 आरएमबी मे। एकरा बेसी लोक कीनैत छल स्मारिका हेतु। एतेक कम दाम भेलो पर लागल जे ठकाएले रहलहुँ।

एक करोड़क मोती

सबसँ आश्चर्य भेल टूर ऑपरेटरक व्यवहार पर। कन्फरेंसक तरफ सँ एक दिनक टूरक व्यवस्था कएल गेल छलैक। ताहि मे तीनटा विकल्प छलैक। हम सब जाहि विकल्प कें चुनने रही ताहि मे शहरक भीतर किछु दर्शनीय जगह सब छल। दुर्भाग्य सँ ओहि दिन बरखा होमए लगलैक आ कने ठंढा सेहो बढ़ि गेलैक। एहेन समय मे बाहर घूमब ककरो नीक नहि लगैक। हमरा सबकें टीवी टावर आदि देखेलाक बाद लंच सँ पहिने एकटा दोकान मे अथवा कहू डिपार्टमेंट स्टोर मे पहुँचा देल गेल, जतए चीनी सिल्कक विभिन्न वस्तु सब छलैक। बहुत रास ड्रेस, कपड़ा, हैंडबैग आ अन्यान्य उपयोगी वस्तु सब। ई व्यवस्था एना कएल जाइत छलैक जे टूरिस्ट लोकनि किछु कीनथि। बस ऑपरेटर कें एहि मे किछु कमीसन भेटैत छलैक, से अन्दाज लागल जेना अपनो देश मे होइत छैक।

एतए हमरा लेल जे किछु उपहार किनबाक छल से सबटा भेटि गेल। बहुतो लोक बहुत रास सामान सब किनलन्हि। एतए हम सब करीब घंटा भरि बिताओल। तकर बाद लंचक प्रोग्राम छल। ई सब तऽ घर अथवा कही मकानक भीतर भेल। तकर बाद हम सब वापस जाए चाहैत रही। आब ककरो बाहरक कोनो टूर करबाक इच्छा नहि रहि गेल छलैक।

मुदा बस ऑपरेटर हमरा लोकनिक बात किएक सूनत ? एकटा गाइड छल ओतुका विद्यार्थी, ओकरो हम सब बुझाओल जे समय खराप छैक, हम सब होटल जाए चाहैत छी। ओ अपना दिस सँ बस बला कें बुझेबाक कोशिश केलक, मुदा ओकरा तऽ जे ड्यूटी देल गेल छलैक ताहि मे कोनो परिवर्तन करबा लेल तैयार नहि छल। अपन प्रोग्रामक अनुसार वापसी मे ओ हमरा सब कें मोतीक गहना के एकटा दोकान पर लऽ गेल।

ओतए किनबाक तऽ ककरो किछु नहि छलैक, तखन समय तऽ बितेबाके छल। एकटा अनुभव, जे म्यूजियमे जा रहल छी। भीतर मे एतेक पैघ शोरूम, मात्र मोतीक गहना के। एक सँ एक मनोहारी मोती सब, विभिन्न आकार आ चमक बला आ तहिना दामो। प्राकृतिक मोतीक एकटा पैघ माला छलैक तकर दाम दू मिलियन डॉलर, माने बूझू दश कोटि टाका ! मोन प्रसन्न भऽ गेल। एकटा पैघ मोती, बूझू आमक छोटका टिकुला एतेकटा, से छल दू लाख डॉलर के, माने एक करोड़ टाका। कम सँ कम एहेन अपूर्व वस्तु देखबो कतए करितियैक ? लागल जे बस ऑपरेटर उपकारे केलक हमरा सबहक।

एड्रियेटिक समुद्र मे स्नान

क्रोएशिया पुरना युगोस्लावियाक टूटल भाग अछि जकर राजधानी भेल जाग्रेव। स्प्लिट (Split) शहर वर्तमान क्रोएशिया मे राजधानी जाग्रेवक बाद दोसर सबसँ पैघ शहर अछि। ई एड्रियेटिक समुद्रक किनार पर बसल अछि। एतए समुद्र एकदम स्वच्छ आ पारदर्शी, जेना अंडमान मे। जल कने नोनाह जरूर, मुदा बहुत शांत, एकदम झील अथवा पोखरि जकाँ। समुद्रक लहरिक पता नहिए बूझू कछेर मे। दूर मे किछु लहरि देखा पड़ैत। एतेक नीक सबटा वातावरण जेना स्नान करबाक लेल एकदम सँ बूझू आमंत्रित करैत।

सीबीएम कोलैबेरेशन के मीटिंग एतए भेल छल 2009 के अक्टूबर मास मे। तावत टूरिस्ट सीजन कने हल्लुक भऽ गेल छलैक आ हम सब एकटा पैघ होटल मे रही, जतए मीटिंग के सेहो नीक व्यवस्था छलैक। मात्र डेढ़ दू सौ मीटर पर समुद्रक कछेर। सब लोक कें देखियैक, जखन तखन अपन स्विम सूट लेलक आ चल गेल स्नान करए। दिन मे दू बेर, तीन बेर, जेना मोन भेलैक।

हमरा लेल साधारणतः समुद्री स्नान बहुत प्रियगर बात नहि रहल अछि। मुदा एतुका समुद्रे एतेक आकर्षक जे ललचा गेलहुँ। दू दिन तक लोक कें देखैत अन्त मे तेसर दिन हम लंचक बाद विचार कएल जे स्नान कैए ली।

स्विमिंग सूट तऽ छल नहि। एकाध लोक कें तौलिया व्यवहार करैत देखने रहियैक। जखन लोक बिकिनी पहिरते छल तखन जँघिया पहिरि स्नान करबा मे कोन लाज ? एहि मीटिंग मे भारतीय तऽ मात्र दुइयेटा आ दोसर हमरे जूनियर सहकर्मी। ओ बहुत व्यस्त छलाह आ एकर सम्भावना, जे जखने हम स्नान करैत रहब, तखने ओ समुद्रक कछेर मे चल औताह, से नगण्य छलैक। एकेटा समस्या छल जे होटलक तौलिया व्यवहार करबाक छल। यदि ओ तीतल तौलिया पहिरने समुद्र सँ अबैत कियो होटल कर्मचारी देखि लिअए आ टोकि दिअए तऽ गड़बड़ भऽ जाएत। तखन निश्चिते ई बात समूचा पसरि जाएत।

कने काल इतस्ततः मे रहलहुँ जे होटल बला कें पूछि लियैक आ यदि कोनो स्विम सूट भाड़ा पर भेटि जाए तऽ लऽ लेब। मुदा एकरो विचार त्यागि देल। अन्त मे कने मोनक डर कम कएल आ एकटा प्लास्टिक के बैग मे तौलिया आ एकटा जँघिया लेने हम निकलि गेलहुँ।

समुद्रक कछेर मे प्रायः सबठाम स्नान करबाक जगह छलैक। इएह तऽ एकर विशेषता छलैक। हम ठीक होटलक सामने नहि, कने दूर जा कए एकटा जगह टेबल। लंचक बादक समय छलैक तैं जगह सुनसान छलैक। एखन स्नानार्थी लोकनि नहि छलाह। हम अपन कपड़ा उतारि कए कछेर मे बालु पर राखल आ मात्र जँघिया पहिरने जल मे उतरि गेलहुँ, जेना लोक आइ कालि गंगा स्नानो मे करैत अछि। जल बहुत ठंढा तऽ नहि छलैक, मुदा हमरा लेल ओकर तापमान कमे छलैक। तैयो जलक स्वच्छता आ पारदर्शिता एतेक आकर्षित करैत छलैक जे लोभ संवरन नहि कएल भेल। जखन डुबकी लगेलहुँ तखन आरो बेसी ठंढा लागल। पानि मे बहुत दूर तऽ नहिए गेलहुँ, कारण आसपास एकोटा लोक नहि छलैक, तथापि कने काल जल मे एम्हर ओम्हर विचरण करबाक आनन्द तऽ जरूर लेलहुँ। अन्त मे करीब दस मिनट के बाद दू डुबकी लगा कए बाहर आबि गेलहुँ। एतबहि काल मे तऽ हम थरथरा गेल रही।

उपर मे तौलिया सँ नीक जकाँ देह पोछि कपड़ा बदलि लेलहुँ आ फेर भिजलाहा तौलिया आ जँघिया प्लास्टिक बैग मे राखि होटल घूरि एलहुँ। हमर मीटिंग तऽ चलि रहल छल आ सब लोक ओहि मे व्यस्त छल, तें ककरो सँ होटलक लॉबी मे भेंट नहिए भेल। होटल कर्मचारी किओ किएक टोकत ?

कमरा मे आबि लागल जे फेर स्नान करहि पड़त। खैर, एतए तऽ कोनो समस्या नहि छलैक। गुनगुना जल मे स्नान कएल तऽ ठंढी कने कम भेल। कने कालक बाद तऽ मीटिंग मे चाहक समय भऽ गेलैक। हम बहरा गेलहुँ सबहक संग चाह पीबै लेल।

एतए तक तऽ स्नानक काज ठीके रहल, मुदा राति मे हमरा सर्दी पकड़िए लेलक। नाक सँ पानि बहए लागल। हल्का बोखार से भऽ गेल। फल ई भेल जे अगिला दिन सेहो हम मीटिंग मे नहिए जा सकलहुँ। दुपहरिया तक आराम केला पर मोन कने ठीक भेल।

डैन्यूब मे नौका विहार

सीबीएम कोलैबेरेसनक मीटिंग सितम्बर 2010 मे भेल छल रोमानियाक एकटा अति मनोरम रेजॉर्ट ममाइया मे। एहि जगह कें एहेन ईश्वरीय कृपा भेटल छैक जे एकटा छुडुक्की जमीनक टुकड़ीक दूनू कात जलक भंडार। एक कात समुद्र तऽ दोसर कात विशाल झील। आ एही छुडुक्की मे बीच मे सड़क आ दूनू कात कतेको छोट पैघ होटल सब बनल। टूरिस्ट सीजन मे ई जगह बहुत व्यस्त रहैत अछि।

होटल मे कमरा सब एना जे अहाँ समुद्र देखब नहि तऽ झील देखब। मुदा समस्या एकेटा जे छोट जगह आ हाट बजार दूर। सब सँ लग मे शहर भेल कॉन्स्टैन्टा। यद्यपि एतहु एयरपोर्ट छलैक तथापि हम सब बुखारेस्टेक टिकट लेने रही। हम कलकत्ता सँ फ्रैंकफुर्त गेल रही। ओतए बहुत रास जर्मन सहकर्मी लोकनि सेहो संग भेलाह। सब पहिने सँ विचार केने छलाह जे बुखारेस्टे जाएब। ओतए सँ ममाइया जेबाक लेल बसक इन्तजाम छल। सब मिला कए ई सस्त पड़ैत छलैक।

राजधानी बुखारेस्ट सँ करीब चारि घंटाक बस यात्रा केला पर हम सब एतए पहुँचल रही। बसक यात्रा मे किछु देहाती इलाकाक खेत पथारक दर्शन भेल। पूर्वी यूरोपक देश जेना गरीब होइत अछि से आभास भैए गेल। एक ठाम एकटा किसान कें देखल एक्का सदृश गाड़ी पर सामान लदने जाइत। ई दृश्य अजगुत छल।

मीटिंग के आयोजक लोकनि एक दिनक प्रोग्राम पहिनहि सँ बनेने छलाह डैन्यूब मे नौका विहारक लेल। ई एहि मीटिंग के सब सँ पैघ विशेषता भेल। डैन्यूब कें अन्तर्राष्ट्रीय नदी कहल जाइत छैक, से हम सब बच्चे मे पढ़ने रही। जर्मनीक ब्लैक फोरेस्ट सँ चलैत रोमानिया मे ब्लैक सी मे अपन यात्रा शेष करैत ई नदी यूरोपयिन यूनियनक सबसँ पैघ नदी अछि आ पूरा यूरोप मे, जाहि मे रूस सेहो सम्मिलित अछि, दोसर स्थान पर, कारण रूसक वोल्गा सबसँ पैघ भऽ जाइत छैक। एतेक पैघ यात्रा मे यूरोपक कतेको छोट पैघ शहर कें अपना कछेर मे आश्रय देने आ चारिटा देशक राजधानी कें बसौने अछि ई डैन्यूब, जे विश्व मे आर कोनो नदी कें एहेन सौभाग्य प्राप्त नहि छैक। वियेना आ बुडापेस्ट सदृश सुन्दर आ पैघ शहर एकरे कछेर मे बसल छैक।

रोमानिया मे ब्लैक सी तक पहुँचैत पहुँचैत डैन्यूब नदी एकटा नीक डेल्टा मे परिवर्तित भऽ जाइत छैक। ई डेल्टा क्षेत्र सुन्दरवनहि जकाँ यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज जगह घोषित भऽ गेल छैक। मुदा सुन्दरवन तऽ विश्व मे सबसँ पैघ डेल्टा क्षेत्र अछि। डेल्टा क्षेत्र जलक छोट पैघ विहार आ जल जन्तु सँ भरल। ताहि कारण हम एहि नौका विहार कार्यक्रम लेल बेसी उत्साहित छलहुँ।

नौका विहारक लेल हम सब ममाइया सँ बस सँ गेलहुँ 'तुलसी' नामक एकटा जगह, जतए सँ नाव पर विदा हेबाक छल। एतए डैन्यूबक जल विस्तार बेसी आ कछेर मे विशेष इन्तजाम कऽ कए जेट्टी सब बनाओल, जाहि मे अनेक नौका लागल। टूरिस्ट सीजन मे मई सँ अगस्त तक एहि जगह मे भीड़ बहुत बेसी रहैत छैक।

नाव दू तल्ला आ एतेक पैघ जे हमरा दलक करीब एक सौ प्रतिभागी आराम सँ जगह पाबि गेलाह। नाव पर नीक इन्तजाम। नीचा मे पूरा नाव पर टेबुल कुर्सी लागल। उपर मे मात्र कुर्सिये टा। पूरा दल एके बेर मे बैसि कए भोजन कऽ सकैत छल।

हम सब करीब दश बजे चढ़लहुँ। ओना तऽ नाव पूरा झाँपल रहबाक व्यवस्था छलैक, मुदा एखन मौसम नीक छलैक आ ओकरा खुजले राखल गेल छलैक। बेसी लोक उपर जा कए दृश्य देखबा मे व्यस्त भऽ गेलाह।

हमरा सबहक रस्ता बेसी काल संकीर्ण इलाका मे छल। दूनू कछेर मे सघन जंगल। जंगल मे काते काते पानि मे पोसल जाइ बला झारी जेना खरही, सरपत, बेंत आदि प्रकारक गाछ सँ मिलैत जुलैत। जंगल मुदा सुन्दरवनक जंगल सँ भिन्न। आ एतए बाघक तऽ कोनो चर्चे नहि छलैक। मुदा चिड़ै चुनमुनी सँ भरल। ओना तऽ बेसी चिड़ै चुनमुनी जून जुलाई मास मे रहैत छैक, मुदा एखनहु एतेक तऽ जरूरे छलैक जे मधुर गुंजन ध्वनि करैत। कतहु कतहु बगल मे छोट छोट गाम। ओहेन इलाका मे माछ पकड़निहार लोक सब सेहो भेटि जाथि। कतेक ठाम लोक बंसी पथने। जगह जगह पर दुफेरिया आबि जाइत छल, जतए नदी दू भाग मे बँटि जाइत छलैक। एहेन जगह पर हमर नाओ पातर नदी सँ होइत चलैत छल। कतहु नदी अनेरे बहुत चाकर भऽ जाइत छल। जतए बेसी चाकर जल खंड, ओतए उचिते मनुक्खक बास नहि।

लंचक लेल आन वस्तु सबहक अतिरिक्त एकटा माछ छल, जे कहल गेल हमरा सबकें, एही नदी सँ आनल गेल छल। छोट माछ बेस स्वादिष्ट। आ माछक संग नेबो रहबे करए। आठ घंटाक बाद साँझ मे टूर समाप्त भेल आ हम सब फेर घूरि कए ममाइया एलहुँ।

बेइजिंग

कतेक पुरान?

2011 के सितम्बर मे हमरा बेइजिंग जेबाक मौका भेटल। ओतुका त्सिंहुआ यूनिवर्सिटी मे सीबीएम कोलैबोरेशन के पाँच दिवसीय मीटिंग छलैक।

ओही साल ओ विश्वविद्यालय अपन शताब्दी वर्ष मना रहल छल। मीटिंग मे यूरोप सँ बेसी लोक भाग लेनिहार। मुख्यतः जर्मनी, फ्राँस, पोलैंड, रोमानिया, रूस, क्रोएशिया आदि देशक तथा भारतक अतिरिक्त एकाध टा अमेरिका सँ सेहो छलाह।

यद्यपि त्सिंहुआ यूनिवर्सिटी एक सौ साल पूरा कऽ रहल छल, हमरा सब कें पूरा कैम्पस मे एकोटा पुरान बिल्डिंग नहि भेटल। कैम्पस एकदम विस्तृत, सड़क सब बहुत चाकर आ दूनू कात चौड़गर फुटपाथक अलावा साइकिल ट्रैक सेहो। कैम्पस देखि एकटा जर्मन सहकर्मी एहि तरहें टिप्पणी केलखिन्ह : "लगैत अछि ई सब कोनो अमेरिकन यूनिवर्सिटी जा कए ओकर फोटो उतारि लेलक आ हूबहू ओहने बना लेलक"।

ओना तऽ ई टिप्पणी चीनक नब इलाका जतए कतहु बनलैक अछि, करीब करीब सब ठामक लेल लागू कएल जा सकैछ, मुदा किछु किछु उदाहरण तऽ एतेक सटीक भऽ जाइत छैक जे ओहि मे कोनो दू मत के गुँजाइसे नहि रहि जाइत छैक।

होटल मे अंग्रेजी बजनिहार तऽ भेटल, मुदा सम्हारि सम्हारि कए बाजए पड़ैत छल। जलपान व्यवस्था स्थानीय आ कंटिनेन्टल के मिश्रण, जे हमरा सबहक लेल नीके छल। चीनी आइटम सब तऽ एहेन जे लगैक लोक पेट भरि खा लेत। किछु लोक तहिना करबो करैत छल। जलखै मे हम कंटिनेन्टल आइटमे पर निर्भर रहलहुँ। लंच, डिनर तऽ चीनी भोजन करहिं पड़ैत छल।

शहरक पुरान इलाका देखला पर रिक्शा सेहो भेटि जाएत। ठेला गाड़ी पर सामान लऽ कए फल आदि बेचनिहार सेहो भेटि जाएत। आ खास चीनी दुर्गंध सेहो भेटत।

देबालक आकर्षण

सीबीएम कोलैबोरेशनक मीटिंग साधारणतः अन्तिम दिन लंच तक समाप्त भऽ जाइत रहलैक अछि। एतए मीटिंग के प्रोग्राम एहेन बनाओल गेल छलैक जे साइट सीइंग टूर अन्तिम दिन राखल गेल छलैक। हमरा से बूझल नहि छल आ हम वापसीक टिकट एहिना कटेने रही जे अन्तिम दिन पाँच बजे साँझ मे हमर फ्लाइट छल। घुमबा फिरबाक लेल हमरा मात्र लंच तक समय छल ओहि दिन। एहि समय मे कॉमन टूर हम नहि लऽ सकैत छलहुँ। हम स्थानीय आयोजक सँ गप कऽ कए अपना लेल अलग सँ दोसरे दिन के लेल दिन भरिक टूर लऽ लेल। एहि मे खर्चा कने बेसी जरूर लागल, मुदा लाभ ई भेल जे बसक बदला कार सँ सबठाम गेलहुँ आ एकसरे हमरा लेल एकटा नीक अंग्रेजी बजनिहार गाइड सेहो छल।

बेइजिंग आ आसपासक इलाका मे एकटा टूरिस्टक लेल एतेक रास नीक नीक आ आकर्षक जगह सब छैक जे एक दिन मे की देखी, की नहि, से चुनबा मे बेस कठिनाई भेल। अन्त मे हम चीनक देबाल (ग्रेट वाल ऑफ चाइना) आ तिएन आन मेन स्क्वायरक आसपासक इलाका चूनल। हमरा लेल चीनक देबाल देखब आवश्यक छल। एकरा बारे मे बहुत बेसी इतिहास पढ़ि लेने रही आ कतेको लोक सँ सुनने सेहो रही।

हमर गाइड एकटा सुन्दरी चीनी युवती छलीह जे अपन परिचय ट्रेसी कहि कए देलन्हि। हम कहलिएन्हि, नाम तऽ बहुत सुन्दर अछि, मुदा एतेक सुन्दर अंग्रेजी नाम कोना भऽ गेल अहाँक ? हमरा किछु सन्देह भऽ गेल छल जे जरूर ई छद्म नाम थिकैक। हम स्पष्ट पुछलिएन्हि जे अहाँक कोनो चीनी नाम अछि की नहि। ताहि पर ओ स्वीकार केलन्हि जे हमर एकटा चीनी नाम जरूर अछि, मुदा ओहि नाम सँ हम टूरिस्ट लोकनि कें परिचय कोना दियौक ? हुनका सब कें ई नाम स्मरण राखऽ मे बेस मुश्किल हेतन्हि। तें हम व्यवसायक लेल ई नाम लऽ लेल अछि। ओ ईहो बतौलन्हि जे पर्यटन व्यवसाय मे गाइड लोकनिक लेल पूरा चीन मे एहि तरहक व्यवस्था छैक। ओ अपन चीनी नाम हमरा कहबो केलन्हि, मुदा सत्ते हमहूँ बिसरि गेलियैक हुनकर नाम। हमरा लेल फेर ओ ट्रेसी रहि गेलीह।

अस्तु, हम दूनू गोटे आ ड्राइवर निर्धारित समय आठ बजे होटल सँ टूरक लेल विदा भेलहुँ। पहिल पड़ाव छल बादालिन मे ग्रेट वाल ऑफ चाइना। रस्ता मे मिंग टॉम्ब देखैत जेबाक छल। वापसी मे लंचक बाद हमरा तिएन आन मेन स्क्वायरक इलाका देखबाक छल। त्सिंहुआ यूनिवर्सिटी सँ बादालिन जेबा लेल बेइजिंग शहर बाटे नहि जेबाक छल। तें समय कम लागल। मुदा लंचक बाद हमरा सब कें शहरक ट्रैफिक कें पार करैत तिएन आन मेन स्क्वायर पहुँचबाक छल। तें समय बेसी लगबाक अनुमान छल।

मिंग टॉम्ब माने भेल किछु कब्र सब, जे मिंग वंशक राजा लोकनिक अगिला जन्म मे सुखक लेल बनाओल गेल छलैक। सबटा सोलहम शताब्दी मे। मुदा रखरखावक मामला मे यदि अपना देश मे ओही समयक शेरशाह सूरीक मकबरा सँ तुलना करी तऽ लागत जे हम सब अपना इतिहासक रक्षा करब जनिते नहि छी। एतए सादा संगमरमर सँ बनल बेस पैघ प्रवेश द्वारक भीतर बहुत रास पाथरक जानवर सब बनाओल। किछु जानवर काल्पनिक सेहो।

जखन मिंग टॉम्बक नजदीक पहुँचलहुँ तखन गाइड ट्रेसी कहलन्हि जे एतए ठीक सँ देखबा लेल कम सँ कम एक घंटा समय चाही। एतेक समय हमरा बिताएब ठीक नहि बुझाएल। तें मात्र दश मिनट मे हुड़बा छुबैत हम सब बादालिन विदा भऽ गेलहुँ।

रस्ता मे छोट छोट चीनी गामक सेहो दर्शन भेल। ठाढ़ भऽ कए तऽ देखि नहि सकलहुँ, मुदा तैयो किछु बातक अन्दाज भैये गेल। एक तऽ भेल गाम मे घर सब खपरैल आ पक्का दूनू, जेना अपना सबहिक कोनो गाम मे भेटि जाएत। पैघ समानता ई जे चारू कात चारिटा घर आ बीच मे पैघ आँङन देखल। दोसर बात देखल सबटा गली कुच्ची पक्का जे कि एखन अपना गाम सब मे नहि भेटत। तेसर बात छल नल द्वारा जलक आपूर्ति। ई तऽ हम सब अपना गाम मे एखन सोचियो नहि सकैत छिऐक।

ई दृश्य सब देखैत करीब दू घंटाक बाद हम सब बादालिन पहुँलहुँ। गाड़ी पार्किंग मे छोड़ि हम आ गाइड ट्रेसी विदा भेलहुँ देबाल पर चढ़ि ओकर विशालताक अनुभव करबा लेल।

डेग डेग पर ट्रेसी हमरा बुझा रहल छलीह एहि देबालक इतिहास। चीनक देबाल जहिना नाम तहिना वस्तु। पूरा चीन मे ई देबाल करीब 8850 किलोमीटर मे पसरल छैक जाहि मे बेइजिंग इलाका मे एकर लम्बाई करीब 600 किलोमीटर छैक। बहुत ठाम ई नष्टो भऽ गेलैक अछि। आन आन ठाम ढहि ढनमना सेहो गेल छैक। किछु महत्वपूर्ण जगह सब पर सरकार एकर रखरखाव करैत रहलैक अछि। ओहने जगह सब पर टूरिस्ट लोकनि पहुँचैत छथि। बादालिन एहने एकटा जगह अछि, जतए देबालक मरम्मति होइत रहलैक अछि आ टूरिस्ट लोकनिक लेल सब सुविधा बनाओल छैक।

ट्रेसी ईहो बतौलन्हि जे एकटा कनाडियन महिला करीब छऽ साल तक ट्रेकिंग कऽ कए पूरा दिबाल चलि गेलीह। अपना अनुभव पर ओ एकटा नीक किताब सेहो लिखलन्हि।

हमरा आश्चर्य लागि रहल छल जे दुश्मनक आक्रमण सँ बचेबाक लेल कोनो राजा एना सोचियो सकैत छल। भारत मे यदि एहेन अग्रसोची सब रहितथि तऽ सम्भवतः इतिहास दोसरे रहितैक।

हम सब जाहि ठाम देबाल चढ़ब शुरू केलहुँ, ओतए किछु सीढ़ी चढ़लाक बाद रस्ता दू दिस भऽ जाइत छलैक। लोक अपना सुविधाक अनुसार बामा कात आ दहिना कात चल जाइत छल। बामा कात बेसी भीड़ छलैक, तें ट्रेसी कहलन्हि हम सब दहिना कात चली। हम सब चढ़ैत गेलहुँ। देबालक रस्ता मे बेसी जगह तऽ सपाट चढ़ाई छलैक आ कतहु कतहु सीढ़ी सेहो बनाओल। बीच बीच मे चबूतरा सेहो। एहि ठाम फेरी बाली सब विविध सामान बेचैत। महिलागणक लेल उनी शाल, रेशमी स्कार्फ आदि सँ लऽ कए अनेक हस्तकलाक सामान सब। एकटा शालक दाम मोलेबो केलहुँ, मुदा चीजक विश्वसनीयता पर संदेह भऽ गेला सँ कीनल नहि।

हम सब बैसैत उठैत चढ़लहुँ। एकदम उपर गेला पर घाटी सदृश मनोरम दृश्य भऽ गेलैक। ओना तऽ देबाल एतेक पैघ छैक जे कतहु सँ ओकर लम्बाई आ उँचाई के अन्दाज लगाएब सम्भव नहि। उपर मे किछु काल बिताए उतरब शुरू कएल। सब मिला कए करीब दू घंटा एतए लागल।

हम अपन विदेश यात्रा मे दूटा देबाल देखल। एकटा बर्लिन मे आ एकटा चीन मे। कहै लेल दूनू देबाल, मुदा दूनू मे कतेक अन्तर ! एकटा छोट, दोसर एक चौथाई पृथ्वीक परिक्रमा करैत। एकटा देबाल बनल लोक कें गरीब इलाका सँ

धनीक इलाका मे भगबा सँ रोकबा लेल बीच शहर मे। से देबाल एहने जे लोक भागि नहि सकए। दोसर बनल अपन जमीन कें, प्रजा कें, राजधानी कें दुश्मनक आक्रमण सँ बचेबाक लेल। ई बनल जंगल झाड़, नदी, पहाड़, खेत, पथार आदि होइत आ से बेस उँचगर आ मोटगर, जकरा पार करब दुर्गम आ दुरूह। एकटा बनल किछु दिने मे जेना हड़बड़ी मे ठाढ़ कऽ देल गेल। दोसर सुनियोजित ढंग सँ कतोक शताब्दी तक बनैत रहल, बनैत रहल, पसरैत रहल।

एकटा देबाल अस्तित्वविहीन भऽ गेल, जहिना आएल तहिना गेल। दोसर गौरवान्वित भेल ठाढ़ अछि आ ठाढ़ रहबे करत।

मोल मोलाई

वापसी मे लंचक समय भैए गेल छलैक। हम ट्रेसी कें पहिनहि बुझा देने छलिएन्हि जे हमरा शाकाहारी भोजन चाही। ओ रस्ता मे एक ठाम लंचक लेल हमरा लऽ गेलीह। समय सँ अन्दाज कएल जे जगह बेइजिंग शहर सँ किछु दूरे छलैक। लंचक रेस्तराँ एकटा पैघ डिपार्टमेंट स्टोरक पछिला भाग मे छलैक, जाहि लेल लोक कें स्टोरक भीतरे सँ जाए पड़ैत छलैक। हमरा लागल, ई जानि बूझि कए एहेन व्यवस्था कएल गेल छलैक जे लोक किछु कीन लिअए। बादालिन सँ घुरबा काल प्रायः सब टूरिस्ट बस, गाड़ी आदि एतए ठाढ़ होइते हेतैक। स्टोर मे एक कात महिला लोकनि चीनी मिट्टीक बरतन सब मे पच्चीकारी कऽ रहल छलीह। बेस तन्मयता सँ काज करैत। भीतर घुसबाक रस्ता एहि तरहें बनाओल जे लोक एहि दृश्य सब कें देखैत जाइत छल। आ फेर यदि बेसी देखबैक तऽ किछु कीनबाक मोन भैए जाएत।

भोजन करबा काल हम ट्रेसी कें बहुत आग्रह केलिएन्हि जे संग देथि, मुदा ओ नहिए मानलन्हि। हमर लंचक दाम टूर पैकेज मे सम्मिलित छल। हुनका लेल अलग सँ देबए पड़ितैक। हमरा लागल जे कस्टमर सबहक संग हुनका भोजन करब ठीक नहि लगैत हेतन्हि। प्रायः ओ आ ड्राइवर अलग अपन किछु भोजन टिफिन अनने होथि। हुनका सबहक लेल तऽ ई ड्यूटीक अवधि छलैक ने।

हमर शाकाहारी भोजन नीक छल। भात आ चीनी स्वाद बला एकटा झोरगर तरकारी। किछु अन्य वस्तु सेहो छलैक। मोन तृप्त भेल। तकर बाद स्टोर बाटे बहराइत काल हमरो मोन भैए गेल जे घरक लोक सब लेल सनेस लइए ली। बेइजिंग अबैत काल कुनमिंग एयरपोर्ट पर एकटा जेड पाथर के माला देखने छलियैक। ओकर दाम जखन पुछलियैक तऽ कहने रहए छऽ सौ आरएमबी। मुदा तुरत्ते ओ दोकानदार ओकरा घटा कए साढ़े चारि सौ कऽ देलक। आश्चर्य लागल जे एतेक जल्दी पचीस प्रतिशत छूट कोना दऽ देलक। हमरा ओतए लेबाक तऽ नहि छल, मुदा एकटा अन्दाज तऽ भैए गेल छल। कतेक लोकक मुँह सँ सुनने रही जे चीन मे मोल मोलाई बहुत होइत छैक। हम ओहने एकटा माला पसन्द कएल आ दाम पुछलियैक तऽ कहल गेल साढ़े चारि सौ आरएमबी। हमरा चारि टा लेबाक छल। हम अपना जनैत खूब कसि कए दाम धेलहुँ आ कहि देलियैक जे आठ सौ मे यदि चारू भेटि जाएत तऽ हम लऽ लेब। माने आधा सँ कम दाम मे। तकर बाद शुरू भेल मोल मोलाई के नाटक, जेना सब तरि होइत छैक। काउन्टर पर जे सेल्समैन छल से अठारह सौक बदला किछु कम करैत सोलह सौ सँ शुरू केलक आ किछु मिनट के हमर दृढ़ता पर बारह सौ तक आबि कए रुकि गेल। ओ कहलक जे एहि सँ बेसी दाम कम करैक अधिकार ओकरा नहि छैक। ओ कने हटि कए बैसल दोसर व्यक्ति दिश इशारा करैत कहलक जे एहि सँ आगू दाम कम करबाक लेल हमरा ओहि व्यक्ति सँ बात करए पड़त जे ओकर सीनियर सेल्समैन छथिन्ह। हमहूँ ई खेला खेलाए चाहैत छलहुँ आ समयाभाव कें देखैत सनेसक ओ वस्तु किनिए लेबए चाहैत छलहुँ। हम ओहि व्यक्ति कें बजाओल आ कहल जे हमरा चारिटा माला चाही आ एहि लेल पैघ डिस्काउन्ट भेटबाक चाही। ओ व्यक्ति बहुत धीरे धीरे दाम घटा रहल छल। आबि कए एक हजार पर हाथ जोरि लेलक। तकर बाद हम ओकरा टिटकारी देब शुरू कएल जे देखू अहाँ हिन्दी चीनी भाई भाई के बात बुझिते छिऐक। अहाँक चीन मे बनल एतेक सुन्दर सामान भारत के महिलागण पहिरती, तखन कतेक खुशी हेतीह, तकर अन्दाज करियौक। आदि। ओहो तऽ खेलाएले सेल्समैन छल। हमरा गोहारि करए लागल जे हम ओकर नौकरी बचा लियैक। एतेक कम दाम केला पर मैनेजर ओकरा नौकरी सँ हटाइये देतैक। हमरा लागल जे एहि खेला मे गुंजाइश छैक आ हम यदि दृढ़ रही तऽ सौदा आठ सौ मे पटिए जाएत। हम जिद कऽ देल जे मैनेजर कें बजाओल जाए। हम हुनके सँ दाम दिगर करब। मुदा ओ नहला फेकलक जे मैनेजर तऽ एखन लंच पर चल गेल छथि, एक घंटा बादे औताह। ओहो बुझैत छलैक जे कोनो टूरिस्ट एतेक प्रतीक्षा नहिए करतैक।

हम दहला फेकलहुँ जे कोनो बात नहि, हम एखन जाइत छी। हमरा गाड़ी अछिए, हम दू घंटा बाद फेर आबि जाएब। ई कहि हम बहरेबाक नाटक करए लगलहुँ। अन्त मे हारि कए ओएह सेल्समैन हमरा आठ सौ मे चारिटा माला दए देलक। मोल मोलाई के इएह घाटा छैक जे असली दाम तऽ अहाँ कें कखनहु बूझल भेल नहि। आब एतेक कसलाक बादो हम कतेक ठकेलहुँ से के कहत ? तैयो संतोष एतबे जे एक हजार आरएमबी बचा लेलहुँ।

एम्हर ट्रेसी आ ड्राइवर महोदय प्रतीक्षा करैत छलाह। तुरत्ते हम सब वापसी यात्रा मे बेइजिंग बिदा भऽ गेलहुँ।

माओ सूतल छथि

बेइजिंग मे सेहो ट्रैफिक दिन मे बहुत धीमा भऽ जाइत छैक। आब तकर अनुभव भऽ रहल छल। तियेन आन मेन स्क्वायर पहुँचैत पहुँचैत चारि बाजि गेल। सिटी स्क्वायरक रूप मे ई अद्‌भुत अछि। भारत मे तऽ एहेन कोनो जगह छैके नहि। हमरा कलकत्ता मे डलहौजी स्क्वायर अछि, जे नामे लेल सिटी स्क्वायर अछि। लंदन मे ट्रैफल्गर स्क्वायर छैक आ पेरिस

मे प्लास द'ला कंकॉर्ड। आनो कतेक शहर मे अपन अपन स्क्वायर छैक। प्राचीन समय मे नगर परिसर होइत छलैक, मुदा सेहो किछु हजार लोक कें जमा हेबाक लेल बनैत छलैक। दिल्लीक इंडिया गेट इलाका कें यदि पूरा विस्तार मे देखी तऽ जरूर पैघ छैक, मुदा तैयो तियेन आन मेन स्क्वायर सँ छोटे अछि आ इतिहास बहुत नव। एकर विपरीत ई स्क्वायर सात आठ सौ बरखक इतिहास अपना छाती मे रखने अछि।

एतए देखबाक तऽ बहुत रास जगह छल। मुदा लेट भऽ गेला सँ हम सोचल जे मात्र एहि भव्य स्क्वायरक दर्शन करी। चारू कात घूमैत रहलहुँ आ ट्रेसी बतबैत रहली जे फलाँ मकान जे देखैत छिऐक से भेलैक 'फॉरविडेन सिटी'। दोसर दिश देखबैत बजलीह, ई भेल 'द ग्रेट हॉल ऑफ पीपुल'। फेर पाछू घुमैत कने लग जा कए देखौलन्हि 'ई भेल नेसनल म्यूजियम'। आ फेर लग जा कए देखौलन्हि एकटा मकान जे भेल माओ त्से तुंगक मकबरा अथवा समाधि। अर्थात् एतए माओ सूतल छथि। ओतहि एकटा विशाल स्तम्भ ठाढ़ जे लोक नेता सबहक स्मारक Monument to the People's Heroes छल।

माओक प्रति श्रद्धा लोक मे एखनहु कम नहि भेलैक अछि। हम ट्रेसी सँ प्रश्न केलिएन्हि जे आधुनिक चीनक निर्माण तऽ वास्तव मे देंग जिआओ पेंगक नीति सँ भेलैक। हमरा बुझने हुनक योगदान माओ सँ कम नहि छन्हि। कतहु हुनको कोनो समाधि अथवा स्मारक छन्हि की नहि ? एहि प्रश्न पर ओ एकेटा संक्षिप्त उत्तर देलन्हि "माओ विशिष्ट छलाह आ रहताह। तिएन आन मेन स्क्वायर मे आन ककरो समाधि सम्भवे नहि छैक।" ई उक्ति छल एकटा साधारण नागरिक के। मुदा चीनक लेल माओक व्यक्तित्वक तुलना मे अनका बहुत छोट प्रमाणित करैत छल।

चीन मे अगिले सप्ताह सँ राष्ट्रीय उत्सव शरू भऽ रहल छलैक। ताहि लेल तियेन आन मेन स्क्वायर कें समूचा दुलहिन जकाँ सजाओल गेल छलैक। हमरा लेल ई विशेष नीक बात भेल जे हम एही अवसर पर एतए घूमए आबि गेलहुँ।

समर पैलेस

अन्तिम दिन सबहक लेल कॉमन टूरक व्यवस्था कएल गेल छलैक। एहू लेल अलग सँ छऽ सौ आरएमबी टिकट छलैक। हम आठ सौ आरएमबी पहिनहि टैक्सी बला टूर पर खर्च कऽ चुकल रही। टूर सबहक प्रोग्रामो एहि तरहें छलैक जे आधा दिन मे हम कोनो नव जगह देखि नहि सकैत छलहुँ। पाँच बजे हमर फ्लाइट छल वापस एबाक तें लंच तक मात्र हमरा समय छल। सब मिला कए हम सोचल जे अलग सँ समर पैलेस देखि लेल जाए आ बेइजिंग दर्शन कें इतिश्री कएल जाए। बेइजिंग के नीक दर्शनीय स्थल मे एकर नाम छलैक।

हम ई प्रस्ताव अपन होस्ट प्रोफेसर वांग महोदय कें देल आ संगहि एकटा आग्रह जे हमरा एकसरे जेबाक अछि समर पैलेस। गाइड तऽ ओतए भेटि जाएत, मुदा पहुँचब कोना से रस्ता बता देथि। ओ एक डेग आगुए बढ़ि कए हमरा सहायताक लेल अपन एकटा शोध छात्र कें ड्यूटी लगा देलखिन्ह। ओ छात्र अनका तुलना मे कने नीक अंग्रेजी बजैत छलाह। हुनका बुझा देलखिन्ह जे होटल सँ सबेरे संग लऽ कए मेट्रो पकरि समर पैलेस लऽ जेताह आ घुमा कए लंचक समय तक होटल वापस पहुँचा देताह। हमरा लेल ई सहायता आर बढ़िएँ छल।

अस्तु, अगिला अर्थात अन्तिम दिन ओ छात्र समय पर होटल पहुँचि गेलाह। हम नास्ता केलाक बाद होटलक कमरा छोड़ि देलियैक, चेकआउट कऽ लेल आ सामान होटले मे राखि विदा भऽ गेलहुँ घूमए।

मेट्रो स्टेशन नजदीके छलैक। एतए जखन टिकट किनबाक अवसर एलैक, तखन ओहि छात्र कें हम दू टिकट जोगर चीनी नोट बहार कऽ कए देल। मुदा हमरा आश्चर्य लागल जे ओ किन्नहुँ हमरा सँ पैसा लेब स्वीकार नहि केलन्हि। हम हुनका बुझाओल जे ओ एखन तऽ छात्र छथि आ मात्र किछु छोटछीन छात्रवृत्ति पर गुजर करैत छथि। हम सीनियर व्यक्ति छी, पैसा खर्च करबा मे सक्षम छी, तें ओ हमर बात मानि लेथि। मुदा ओ तैयार नहिए भेलाह।

बहुत खोधला पर ओ उत्तर देलन्हि जे प्रोफेसर वांग हुनका एहि लेल पैसा देने छथिन्ह आ संगहि आदेश सेहो जे हमर पैसा नहि खर्च होअए। आब हम भारी दुविधा मे पड़ि गेलहुँ। अतिथि सत्कारक एहि रूपक हमरा कोनो अन्दाजे नहि छल। हम कतबो ओहि छात्र कें बुझाओल, ओ बात मानबा लेल तैयार नहि। हम ईहो बता देल जे कोनो तरहें ई बात वांगक कान मे नहि पहुँचतन्हि से हम वचन दैत छी, मुदा ओ तऽ ओतबे करै लेल तैयार छलाह जतेक हुनका गुरुक आदेश छलन्हि। प्रोफेसर वांग स्वयं तऽ आन लोकक संग कोनो टूर पार्टी मे चल गेल छलाह। हुनका सँ सम्पर्क करबाक कोनो साधन नहि छल। हारि कए हमरा ई ऋण स्वीकार करए पड़ल।

समर पैलेस पहुँचला पर प्रवेश टिकट लेबा काल फेर ओहिना भेल। आब हम हारि मानि लेने छलहुँ।

समर पैलेसक नाम जेना छैक, तेना ओतए कोनो एकटा महल नहि छैक। ओ तऽ पूरा राजधानी नगर बूझू छैक। टहलबाक पैघ बगीचा, छोट पैघ कतेको सुन्दर मकान, सबटा पुरना चीनी ढंग सँ बनाओल आ सबसँ पैघ आकषर्ण ओकर झील जकरा कुनमिंग झील कहल जाइत छैक। सबटा मकान मे चीनी वास्तुकलाक उत्तम नमूना भेटल। भगवान बुद्ध तऽ भेटबे केलाह। हुनका बिना राजधानीक महल तऽ सम्भवे नहि छलैक।

एक कातक सबटा इलाका देखैत हम सब लेकक कात पहुँचलहुँ। ओतए नाव चलैत छलैक दोसर कातक एकटा टापू पर जेबाक लेल, जतए सँ फेर एकटा पुल सेहो बनल छलैक। नाव पर अलग सँ टिकट लगैत छलैक। ई पुल सेहो अद्भुत। सत्रहटा मेहराव पर बैसाओल ई पुल। जेना जेना जल सँ दूर होइत जाइ, मेहरावक उँचाई सेहो कम होइत जाइक।

परिसर मे कतहु कतहु टूरिस्ट लोकनिक लेल सूवनीरक दोकान सेहो। मुदा एहि दोकान मे कोनो तरहक मोल मोलाई नहि। ई जानि हमरा बड़ आश्चर्य भेल। एतहु किछु छोटछीन सनेस सब कीनल। बिना मोलाई के दोकान मे चीज कीनब तऽ आसान होइत छैक। चीज पसिन्न करू, दाम दियौक। खेला खतम।

2012 के अक्टूबर मे सीबीएम कोलैबोरेशनक मीटिंग कलकत्ते मे आयोजित भेल रहैक। अपन इच्छा छल जे एहि मीटिंग मे जखन प्रोफेसर वांग औताह, तखन हुनकर ऋण सँ उऋण भऽ जाएब आ हुनको देखा देबन्हि जे भारतीयो सब अतिथि सत्कार मे कनियो कम नहि छथि। मुदा हाय रे भाग्य ! हमरा सबहक लाख कोशिशक अछैत भारतीय दूतावास प्रोफेसर वांग कें समय पर वीजा नहिए देलकन्हि आ ओ कलकत्ता नहि आबि सकलाह। हम एखनहु तक उऋण नहिए भेलहुँ अछि।

मॉस्को

पहिल बेर 2008 मे रूस गेलहुँ। एतए दुबना मे सीबीएम कोलैबोरेशनक मीटिंग छलैक। दुबना रूसक सबसँ पैघ नदी वोल्गाक कछेर मे बसल अछि। एकर वर्णन बाद मे दैत छी।

ओना तऽ मीटिंग के समय आयोजक लोकनि कोनो स्पेशल टूर प्रोग्राम नहि रखने छलाह, मुदा कलकत्ताक हम दू गोटे एक दिन समय निकालि मॉस्को चल गेल रही। पहिल बेर रूस गेल रही से राजधानी तऽ देखबाके छल। कलकतिया लोक सब कें पैंतीस सालक कम्यूनिस्ट शासन मे रूस सँ लगाव तऽ भैए गेल छैक।

हमरा सब कें गाइड करबाक हेतु दुबनाक एकटा सीनियर वैज्ञानिक सेहो संग भऽ गेल छलाह। एकटा टूरिस्टक लेल जे जे जगह घूमैक चाही से हम सब देखलहुँ। रेड स्क्वायर सबसँ पहिने गेलहुँ। रेड स्क्वायर पर साक्षात ठाढ़ भेल मोन पड़ि गेल यूनिवर्सल स्टूडियोक ओ दृश्य, जे हम भाग एक मे पहिने वर्णन कए चुकल छी। लेनिनक समाधि देखबा लेल बड़कीटा लाइन। मुदा शान्त भावें घुसकैत रहलहुँ आ अपन गाइड महोदयक खिस्सा सब सुनैत रहलहुँ। दुबनाक ओहि वैज्ञानिकक मुहें खिस्सा सब, जे जनमले छलाह साम्यवादी समाज मे आ सब तरहक उतार चढ़ावक साक्षी रहल छलाह।

क्रेमलिन तऽ भेल सत्ताक केन्द्र। ओतए टूरिस्ट की देखत ? सब ठाम पहरा। दोसर बात छल हमरा सबहक समयाभाव आ मॉस्कोक अन्य अनेक जगहक हुड़बा छूबाक कार्यक्रम।

रूस सँ साम्यवाद पड़ाएल तऽ उचिते छलैक जे अमेरिकन कम्पनीक दोकान सब सजि जाएत। सएह देखलहुँ। ओहि इलाका मे तऽ फैशन आ उपभोक्ता वस्तुक बड़का बड़का बहुराष्ट्रीय कम्पनीक स्टोर भरल। आब न्यूयार्क रहओ कि मॉस्को आ कि शांघाई कि दिल्ली, सब ठाम ओएह बड़का बड़का शॉपिंग मॉल भेटत आ ओहने बहुराष्ट्रीय कम्पनी सबहक चीज वस्तु सब। जगहक अपन विशेषता खतम भऽ गेल। मॉस्को मे कोनो चीज एहेन नहि भेटल जकरा रूसक विशेषता कहि सकैत छलियैक। रूसी गुड़िया तऽ आन्ध्रप्रदेश मे सेहो भेटैत छैक, ओही रंग ढंगक। अन्त मे सनेसक रूप मे बर्च गाछक छाल सँ बनल किछु छोट मौडनी पौती कीनल। ई जरूर शुद्ध रूसी वस्तु छलैक।

रूसी चर्च सेहो देखल। सबसँ उत्तम तऽ रेड स्क्वायर मे स्थित बैसिल चर्च अछि। एकर फोटो हम दऽ रहल छी। फोटो नीक नहि अछि कारण बीच के उँचका गुम्बज पूरा नहि आएल अछि। मुदा एकटा स्पष्ट वास्तुकला, जे अपने सब देखैत छिऐक, से भेल एहि चर्च मे मस्जिदक आकार के गोल गुम्बज सब। ई विशेषता रूस मे चर्च मे प्रायः सब ठाम भेटत। दुबना मे दुबना नदीक कछेर मे सेहो एकटा पुरान चर्च छैक, ताहू मे एहने गोल गुम्बज सब छैक। आ रूस मे अन्यत्र सेहो चर्च एही प्रकारक छैक। वास्तुकला विशेषज्ञ सबहक मत छन्हि जे वास्तव मे रूस मे चर्च बनेबा मे मुस्लिम मस्जिदक वास्तुकलाक प्रभाव पड़ल छैक।

मॉस्को शहरक एकटा आर विशेषता, जे अन्यत्र हम नहि देखल, से छल बीच शहर मे खूब चाकर रस्ताक दूनू कात बगीचा आ जंगल लगाओल। एकरा बुलवार्ड रिंग सँ जानल जाइत छैक। एकर तुलना मे पेरिसक साँजाँलिजे टा कहल जा सकैत छैक। ओतए चाकर सड़कक कात वन तऽ जरूर छैक, मुदा वनक दोसर कात फेर ओहेन टहलबाक रस्ता नहि। बर्लिन मे 17 जून सड़क के कात टियर गार्टेन छैक, मुदा से एके कात। लंदनक हाइड पार्क अपना मे सेहो विशिष्ट छैक आ एहेन विरले कोनो अंग्रेज साहित्यकार हेताह जिनकर खिस्सा पिहानी मे एकर वर्णन नहि हो। सब मिला कए फेर ओएह बात, जे एक के तुलना दोसर सँ नहिए करी, कारण सब के अपन अपन विशेषता छैक।

सब ठीक, मुदा ओतुका मेट्रो मे जेबाक जे चलायमान सीढ़ी (एस्केलेटर) छलैक से बेसी भयानक लागल। मॉस्को मेट्रो जमीनक भीतर बेसी गँहींर मे तऽ छैके, से तऽ आनो ठामक मेट्रो तहिना छैक, मुदा एतए एकेटा सीढ़ी अहाँ कें सीधे नीचा उतारत। ताहि काल कने भयक बोध जरूर होइत छैक लोक कें।

वोल्गाक कछेर मे

विज्ञानक तीर्थ दुबना

बहुत पहिने राहुल सांकृत्यायनक उपन्यास 'वोल्गा से गंगा तक' पढ़ने रही। अपने सब सेहो पढ़ने होएब। वोल्गाक कछेर मे हुनक ओ आदिम नायिका निशाक खोज करबाक उत्कंठा सबकें रहल होएत। हमरो छल। निशा तऽ आदिम युगक नायिका छलीह तें हुनका सँ भेंट तऽ सम्भव नहि, मुदा वोल्गाक दर्शन तऽ भैए सकैत छल।

वोल्गा दर्शनक अवसर भेटल पहिल बेर 2008 के अक्टूबर मे जखन सीबीएम कोलैबोरेशनक मीटिंग भेल रूसक दुबना शहर मे। आ फेर सितम्बर 2013 मे सेहो ओही कोलैबोरेशन मीटिंग के लेल गेलहुँ दुबना।

वोल्गा आ गंगा। कतेक समानता छैक दूनू नदी मे ! वोल्गा यूरोपक सब सँ पैघ नदी। गंगा भारत के लेल तेहने। रूसक पैघ पैघ बारह टा शहर एकरा किनार मे बसल। तहिना गंगा कात मे नामी शहर सब। आर तऽ आर, दूनू कें अपना देश मे 'माता'क उपाधि भेटल : जहिना गंगा मैया तहिना वोल्गा मातुस्का। आरो समानता छैक। जहिना भारतक राजधानी दिल्ली कें गंगा नहि छुबैत छथि, तहिना रूसक राजधानी मॉस्को कें सेहो वोल्गा नहि छुबैत छथि। मुदा रूसी लोक बेसी बुधियार। से ओ बना लेलन्हि 128 किलोमीटर लम्बा नहर आ लऽ अनलन्हि वोल्गा कें राजधानी। कहू तऽ भला बिना माएक दूध पीने राजधानीक लोक कोना जीब सकैत छल। आ से थोड़ नहि, पूरा पचास प्रतिशत मॉस्कोक जलक आपूर्ति करैछ ई नहर वोल्गाक पानि सँ। दिल्लीक लोक ओतेक बुधियार नहि, तें जखन गंगाक जलक खगता होइत छलन्हि, तऽ दौड़ैत छलाह हरिद्वार फुच्ची मे गंगाजल भरबा लेल। मुदा आब कने होशियारी देखेलन्हि अछि। दिल्लीक लोक कें सेहो पानि चाही आ हाल मे उत्तरप्रदेशक मुरादनगरक समीप गंगाक नहर सँ पाइप द्वारा दिल्ली कें गंगाजल सप्लाई भऽ रहल छैक। एखन ई दिल्लीक आवश्यकताक मात्र दशे प्रतिशत पूरा करैत छैक। जे किछु, भऽ गेल ने फेर ओएह खिस्सा : वोल्गा आ गंगा अपन अपन देशक राजधानीक पिआसल लोक कें तृप्त करैत।

हमर मीटिंग के जगह 'दुबना' बसल अछि वोल्गाक कछेर मे। एकदम कछेर मे जेना गंगाक कछेर मे पटना आ कि हरिद्वार।

द्वितीय विश्वयुद्धक बाद जखन पश्चिमी यूरोपक विभिन्न देशक वैज्ञानिक लोकनि मिल कए जेनेवा मे 1954 मे यूरोपियन न्यूक्लियर रिसर्च सेन्टर सर्न (CERN) के स्थापना केलन्हि तखन एकरा प्रत्युत्तर मे कम्यूनिस्ट ब्लॉकक देश तत्कालीन सोवियत रूसक नेतृत्व मे 1956 मे एहने एकटा संस्थानक स्थापना केलन्हि जकरा नाम देल गेल ज्वाइंट इंस्टीच्यूट ऑफ न्यूक्लीयर रिसर्च, संक्षेप मे जेआइएनआर (JINR)। इएह जेएनआइआर अछि दुबना मे बसल। दुबना छोट शहर आ तें दूनू बूझू पर्यायवाची भऽ गेल। सर्न जकाँ जेआइएनआर सेहो विज्ञानक तीर्थ भऽ गेल। ओहि समय सर्न के सदस्य देश सब छलैक पश्चिमी यूरोपक देश जर्मनी, फ्राँस, ब्रिटेन, इटली, स्विटजरलैंड, आस्ट्रिया, पुर्तगाल, हॉलैंड, बेल्जियम आदि आ जेएनआइआरक सदस्य सब छलैक कम्यूनिस्ट देश सब। स्थापनाक समय जे देश सब एकर सदस्य छल से भेल सोवियत रूसक अतिरिक्त अल्बानिया, बुल्गारिया, चीन, चेकोस्लोवाकिया, पूर्वी जर्मनी, हंगरी, उत्तर कोरिया, मंगोलिया, पोलैंड, रोमानिया आ विएतनाम। सबटा देश लाल टोपी पहिरए बला।

भारत कें सेहो नेहरूजीक समय सँ रूस सँ नीक सम्बन्ध रहलैक आ विज्ञानक क्षेत्र मे, खास कऽ कए परमाणु ऊर्जा सम्बन्धी विज्ञानक क्षेत्र मे, बहुत घनिष्ट सहयोग रहलैक। भारतक परमाणु ऊर्जा विभाग सँ सेहो बहुत वैज्ञानिक दुबना मे रहि प्रशिक्षित भेलाह। एकर प्रभाव एतेक छलैक जे हम सब जखन बीएआरसी ज्वाइन केने छलहुँ, तखन एक साल के वैज्ञानिक प्रशिक्षण के अवधि मे रूसी भाषा सेहो सिखाएल गेल छल। तखन तऽ सब गोटे रूसी नीक जकाँ लिखितो आ बजितो रही। बूझू जे राजकपूरक 'सिर पै लाल टोपी रूसी' कने मने हमहूँ सब पहिरिए लेने रही। मुदा एहेन भऽ कए बिसरलियैक जे ओकर वर्णमालाक तैंतीस टा अक्षर सेहो नहि चिन्हैत छिऐक आब। से पहिल बेर रूसे जा कए पता चलल।

सोवियत रूसक विघटन आ विश्व सँ साम्यवादक जड़ि उखरलाक प्रभाव दुबना पर सेहो पड़लैक। एकर सदस्य देश सब मे पैघ परिवर्तन भेलैक। पहिने तऽ चीन हटि गेल। ओतए विज्ञानक विकास एतेक बेसी भऽ गेलैक जे ओकरा रूसी सहायताक काज नहि रहलैक। दोसर, जे बहुत रास पूर्वी यूरोपीय देश पश्चिमक प्रभाव मे आएल आ यूरोपियन कमीशन के सदस्य होइत गेल। एहेन देश सब संगहिं सर्नक सदस्यता सेहो लऽ लेलक आ दुबना कें छोड़ि देलक। दुबनाक सदस्य देशक संख्या मे तऽ वृद्धि भेलैक, कारण पहिने जे एकटा सोवियत रूस छल से आब कएक टा देश भऽ गेलैक, मुदा भौगोलिक हिसाबें ओकर प्रभाव क्षेत्र मे कमी जरूर एलैक।

वर्तमान मे रूसक अतिरिक्त एकर सदस्य देश अछि : आरमीनिया, अजरबैजान, बेलारस, बुल्गारिया, क्यूबा, चेक रिपब्लिक, जौर्जिया, कजाखस्तान, उत्तर कोरिया, मोल्दोवा, मंगोलिया, पोलैंड, रोमानिया, स्लोवाकिया, उकरैन, उजबेकिस्तान आ विएतनाम। एकरा अतिरिक्त ईजिप्ट, जर्मनी, हंगरी, इटली, दक्षिण अफ्रिका आ सर्बिया कें दुबना संग द्विपक्षीय समझौता छैक एतए काज करबा लेल। एहि मे किछु गोटे एसोसिएट सदस्य छथि।

अपन स्थापनाक समय सँ दुबनाक रिसर्च क्षेत्र सर्न जकाँ नाभिकीय भौतिकी आ उच्च ऊर्जा भौतिकी रहलैक अछि। सर्न के नकल पर एतहु विभिन्न प्रकारक छोट पैघ त्वरक सब बनाओल गेल आ नाभिकीय भौतिकी तथा अन्य सम्बधित विषय मे उच्च स्तरक अनुसंधान प्रारम्भ भेल। शुरू मे प्रतियोगिता नीक छलैक। मुदा बाद मे सर्न जकाँ पैघ पैघ त्वरक एतए नहि बनलैक। तें उच्च ऊर्जा भौतिकी मे विश्व स्तर मे एकर योगदान घटए लगलैक।

एकर अपन जे विशेषता रहलैक अछि से भेल नव नव भारी नाभिक (nucleus) के संश्लेषण (synthesis)। एहि लाइन मे विश्व मे मात्र तीनटा प्रयोगशाला काज करैत अछि : अमेरिकाक लौरेन्स बर्कले नेशनल लैबोरेटरी, जर्मनीक जीएसआइ आ रूस मे दुबना। दुबना एहि मे बहुत आगू रहल अछि। एतए परमाणु संख्या (atomic number) 102 बला नाभिक के खोज 1963 मे भेल। तकर बाद ई क्रम चलिते रहलैक। हाल के वर्ष मे परमाणु संख्या 112 सँ 118 तक के नाभिकक खोज अथवा ओकर सत्यापनक काज एतए भेलैक अछि।

यद्यपि एतुका कोनो वैज्ञानिक कें नोबेल पुरस्कार नहि भेटल छन्हि, मुदा नाभिक संश्लेशण मे एकर महत्व एही सँ बूझल जा सकैत छैक जे दूटा नव तत्वक नाम देल गेल अछि एहि जगह आ एतए काज करए बला वैज्ञानिकक नाम पर। एकटा भेल दुबनियम जकर परमाणु संख्या 105 अछि आ दोसर फ्लेरोवियम जकर परमाणु संख्या 114 अछि। दुबनियम दुबनाक प्रतिष्ठाक लेल आ फ्लेरोवियम ओतुका वैज्ञानिक जी एन फ्लेरोवक प्रतिष्ठाक लेल राखल गेल। सर्न यद्यपि उच्च ऊर्जा भौतिकी क्षेत्र मे बहुत आगू बढ़ि गेल अछि आ ओतुका वैज्ञानिक कें नोबेल पुरस्कार सेहो भेटलन्हि अछि, मुदा ई प्रतिष्ठा ओतुका वैज्ञानिक कें नहि भेटलन्हि अछि। सब तीर्थक अपन अपन महत्त्व छैक।

एतुका वैज्ञानिक लोकनि नीक केलन्हि जे सर्नक पाछू दौड़ब छोड़ि कए अपन एहेन खेल शुरू कऽ देलन्हि जाहि मे हमेशा अगुआएले रहलाह। एहेन एकटा खेल मे दुबनाक बूझू एकाधिकार छैक। ई थिक कैल्सियम के आइसोटोप कैल्सियम–48 बनेबा मे। भारी नाभिक संश्लेषण मे एकर बहुत उपयोगिता छैक। ओना तऽ आनो आनो तत्वक आइसोटोपक संवर्धण (enrichment) एतए नीक जकाँ होइत छैक, मुदा नाभिकीय भौतिकी प्रयोग मे कैल्सियम–48 के विशेष स्थान छैक। से विश्वक अन्य जे कोनो लैब एकरा व्यवहार करताह, हुनका दुबनाक शरण मे जाइए पड़तन्हि।

वर्तमान परिवेश मे एतुका न्यूक्लोट्रॅान त्वरक कें नव रूप देल जा रहलैक अछि, जाहि सँ ब्रह्मांड विमर्शक एकटा अंग "क्वार्क ग्लुअन प्लाज्मा" क अध्ययन मे ईहो लैब विश्व मे अपन स्थान बना सकत। ई परियोजना चालू छैक आ 2018 सँ 2020 तक पूरा भऽ जेतैक। एकर उद्येश्य सीबीएम प्रयोगक उद्येश्य सँ बहुत मिलैत छैक। ईहो एकटा कारण जे हमरा सबहक सीबीएम कोलैबोरेशनक मीटिंग पछिला पाँच साल मे एतए दू बेर भऽ चुकल अछि।

रूसी समाज मे दुबनाक स्थिति सदा सँ 'विशेष' महत्त्वक रहलैक अछि। पछिला शताब्दी के अंतिम दशक मे गोर्वाचोवक समय जखन सोवियत रूस टूटए लागल आ रूस मे खाद्य समस्या गंभीर भऽ गेलैक, ताहू स्थिति मे दुबनाक वैज्ञानिक लोकनि कें सरकार सँ पूरा पूरी राशन भेटैत छलन्हि। ई छलैक ओकर प्रतिष्ठा।

वोल्गाक कछेर

दुबना शहरक मुख्य सड़क अछि वोल्गाक काते काते मात्र 100 मीटर के अन्तर पर। एही सड़क पर अछि दुबना होटल जतए हम सब दूनू बेर ठहरल छलहुँ। सड़क आ नदीक बीच यत्न सँ लगाओल जंगल। नदीक कछेर मे पूरा इलाका मे टहलबाक मार्ग (प्रोमेनेड) बनल, जतए अपने कें कुकुरक संग मॉर्निंग वाक केनिहार सँ लऽ कए जौगिंग केनिहार पर्यन्त भेटि जेताह। एहि प्रोमेनेडक एक कात जगह जगह नीचा नदीक कछेर मे उतरबाक लेल सीढ़ी बनाओल। कतेक लोक कछेरक बालु पर सेहो टहलैत छथि। कखनहु कए बन्सी सँ माछो मारनिहार भेटि जेताह। प्रोमेनेड मे दोसर कात कतार सँ सेवक गाछ लगाओल। नीचा मे सेवक पथार लागल, मुदा एकरा उठेनिहार वा खेनिहार किओ नहि, जेना अनेरुआ होअए।

एतए रहि नित्य वोल्गाक दर्शन कएल। लागए जेना कोनो आंतरिक सिनेह अथवा आकर्षण जनमि गेल होअए। किनार मे प्रायः सब दिन किछु ने किछु समय बिताओल। ओना एतए नदी चाकर ओते नहि आ आन ठाम जाकए बेसी चाकर भऽ जाइत छैक। मुदा जल एकदम स्वच्छ। एखनुक प्रदूषित गंगाजल सँ एकदम विपरीत। जलक स्वच्छताक अनुमान फोटो देखि कए लगा सकैत छी, जाहि मे कछेर मे जलक भीतर बालु स्पष्ट परिलक्षित होइत अछि। गंगा मे एहेन स्वच्छ जल देखबाक होएत तऽ बहुत उपर जाए पड़त। वोल्गा नदी मे ठाम ठाम बहुत रास बान्ह आ नहर बना देल गेल छैक, ताहि कारण नदीक तीव्रता आब बहुत कम भऽ गेलैक अछि। यदि बसात नहि बहैत रहैक तऽ दुबना मे नदी मात्र एकटा झील हेबाक भ्रम दैत छैक।

दुबना शहर के बगल मे दुबना नदी सेहो बहैत छैक। ई वोल्गाक सहायक नदी थिकैक। शहर सँ करीब दू तीन किलोमीटर पर ई नदी वोल्गा मे मील जाइत छैक। एतए संगम के दृश्य सेहो अति मनोरम।

दुबना इलाका

एहि बेर हमर कोलैबोरेशन मीटिंग के आयोजक लोकनि पहिनहि सँ प्रोग्राम बना हमरा सब कें दूटा जगहक भ्रमण करौलन्हि। पहिल दिन दुबनाक आसपासक इलाकाक भ्रमण भेल। एहि मे तीन टा दृश्य मुख्य छल : एक तऽ वोल्गा नदी आ दुबना नदीक संगम स्थल आ ओतुका चर्च। दोसर भेल ओहि इलाका मे पैघ फैक्ट्री आदि। मिग विमानक डिजाइन एतहि भेलैक आ निर्माण सेहो भऽ रहलैक अछि। तेसर आ सबसँ नीक छल वोल्गा मे बनल मॉस्को नहर आ ओकरा आसपास के इलाका, जतए लेनिनक 25 मीटर ऊँच मूर्ति स्थापित अछि। पहिने मॉस्को मे लेनिनक ऊँच मूर्ति देखने रही, मुदा दुबनाक एहि मूर्तिक तुलना मे ओ छोटे अछि। लेनिनक ई मूर्ति विश्व मे ऊँचाई मे दोसर स्थान रखैत अछि। एतए छलैक तऽ स्टालिन के मूर्ति सेहो, मुदा ओकरा बाद मे उठा कए वोल्गा मे फेकि देल गेलैक। रूसी जनता स्टालिनवाद सँ मुक्ति चाहैत छल।

मॉस्को नहर अद्‌भुत अछि। ई वोल्गा नदी कें मॉस्को नदी सँ जोड़ैत छैक। मॉस्को नहर नाम मे नहर छैक, मुदा 128 किलोमीटर लम्बा एहि नहर के जल विस्तार एतेक छैक जे पूरा इलाका एकटा समुद्र जकाँ लगैत छैक। एहि नहर द्वारा वोल्गा सँ एतेक पानि मॉस्को मे जाइत छैक जे ओतुका जल आपूर्ति के आधा भाग एहि सँ भेटि जाइत छैक। एहि नहर द्वारा बड़का बड़का जहाजक आवाजाही सेहो होइत छैक।

ईवान ग्रोज्नीक संग चाह

दोसर दिन हम सब करीब दू घंटाक बस यात्राक बाद गेलहुँ एलेक्जान्द्रोव शहर इवान ग्रोज्नीक महल देखबा लेल। ई शहर दुबना आ मॉस्को सँ करीब 100 किलोमीटर पर एकटा त्रिकोण बनबैत स्थित अछि। इवान ग्रोज्नी, जकरा अंग्रेजी मे 'इवान द टेरिबल' अनुवाद कएल गेलैक अछि, सोलहम शताब्दी मे रूसक बहुत प्रतापी राजा भेल छलाह। एतए रूसी भाषाक शब्द ग्रोज्नीक असली अर्थ छैक भयानक अर्थात् एहेन व्यक्ति जकरा सँ ओकए शत्रु डेराए। मुदा लोक 'टेरिबल'क अर्थ खराप तरहें सेहो बूझि लैत अछि। रूसक विभिन्न खंड कें एक मे करबाक आ पैघ शक्तिशाली रूसी साम्राज्य बनेबाक श्रेय हिनके छन्हि। हिनका समय मे रूस यूरोपक सबसँ शक्तिशाली साम्राज्य छलैक। हमरा सब कें बताओल गेल जे सही माने मे रूसक पहिल जार इएह छलाह। एहि जगह कें एलेक्जान्द्रोव क्रेमलिन सेहो कहल जाइत छलैक। करीब सतरह साल तक रूसक राजधानी एतहि छलैक। एहि वर्ष एकर स्थापना कें 500 वर्ष पूर भऽ गेलैक अछि। एखन एतए म्यूजियम स्थापित कएल गेलैक अछि जकरा 'एलेक्जान्द्रोव्स्काया स्लोवोदा' कहल जाइत छैक।

हम सब दूटा बस मे करीब सत्तरि गोटे गेल रही। एतए हमरा सब कें तीन ग्रुप मे बाँटि देल गेल। ओतए जे लोकल गाइड छलीह से मात्र रूसी भाषा बजैत छलीह। हुनका अंग्रेजी मे अनुवाद करबाक लेल दुबना सँ तीनटा दुभाषिया आएल छलीह। तीनू ग्रुप कें एकटा गाइडक संग एकटा दुभाषिया लगा देल गेल। तखन शुरू भेल टूर।

म्यूजियमक परिसर तऽ बेस पैघ छलैक, मुदा ओकर मकान सब ओतेक पैघ नहि। हम सब ईवानक शयन कक्ष देखल, निजी भोजन कक्ष आ पाहुन सबहक भोजन कक्ष सेहो देखल। सजा आ प्रतारणा देबाक कक्ष सेहो देखल। ओतए एकटा चर्च छैक जे इवान ग्रोज्नीक निजी चर्च छलन्हि। ओना जाहि तरहक राज प्रासादक विशालताक हमरा कल्पना छल तेना एतए नहि भेटल। राजस्थानक विभिन्न रजवाड़ा मे जे महल सबहक वास्तुकला छैक आ ओहि भीतर पैघ पैघ कमरा सब देखल अछि, तकरा तुलना मे एतए सब किछु झुझुआने लागल। मुदा एकर किछु अपन विशेषता जरूर छलैक।

हम सब आर तऽ जे किछु देखल, अन्त मे इवान द्वारा समय समय पर जे स्वयंवर आयोजित कएल जाइत छल, तकरा बेस जागृत रूपें हमर गाइड चमत्कृत कऽ कए देखाओल। एहि लेल एकटा कमरा मे हम सब बैसलहुँ। हमरा दलेक बीच सँ एक गोटे चुनल गेलाह जे इवान बनलाह। हुनका ओतए राखल राजकीय पोशाक पहिरा देल गेल। तहिना एही दल मे सँ तीन टा महिला चुनल गेलीह जिनका स्वयंवरक लेल भावी रानीक रोल करबाक छल। संयोग देखू जे हमरा दल मे मात्र तीने टा महिला छलीह। ओहो सब एक प्रकारक पोशाक पहिरलन्हि।

तकर बाद टकुरी जकाँ एकटा यंत्र बहार कएल गेल। तीनू महिला लोकनि कें एक एकटा ओ यंत्र दऽ देल गेल। एकरा संग हुनका सब कें किछु सूत सेहो दऽ देल गेल। काज छलन्हि ओहि यंत्र मे नीक जकाँ सूत कें लपटेबाक। ई एक प्रकारक परीक्षा छलैक, जे स्वयंवर मे उपस्थित सब लड़की सँ लेल जाइत छलैक। किछु आर परीक्षा छलैक। थोड़ेक काल ई नाटक चललाक बाद 'राजा' सँ कहल गेल जे यदि कियो परीक्षा मे उत्तीर्ण भेलीह तऽ हुनका चूनि लेल जाओ। हमरो सबहक 'राजा' तहिना केलन्हि आ फेर भेलैक जोरदार ठहाका।

ओहि समय मे ई स्वयंवर बेस नामी छलैक आ प्रत्येक आयोजन मे हजारो विवाह योग्य महिला भाग लैत छलीह। ईवान कें आठ टा पटरानी छलखिन्ह।

एहि टूरक सबसँ बेसी मोन राखै बला घटना भेल हमरा सब कें चाह बिस्कुट सँ सत्कार। संसार के विभिन्न कोन मे एतेक जगह घुमलहुँ, मुदा कतहु टूरिस्ट कें बैसा कए चाह बिस्कुट सँ सत्कार करैत नहि देखल। जापान मे लोक जाइत अछि तऽ जगह सब बनल छैक जतए अहाँ पैसा खर्च कऽ कए जापानी स्टाइल मे बैसि कए ओहने क्रॉकरी मे चाह पीबि सकैत छी। मुदा ई एकदम अद्भुत आ नवीन अनुभव छल। एकटा महल मे खास कमरा बनल छलैक, जाहि मे ईवान अपन विशेष अतिथि सबहक सत्कार करैत छलखिन्ह। ई अतिथि होइत छलाह विभिन्न व्यवसायक सेठ साहूकार लोकनि आ विभिन्न देशक राजदूत लोकनि। कमरा मे पैघ डाइनिंग टेबुल लागल। ओहि पर करीब बीसेक कप डिस सजा कए राखल। चारू कात कुर्सी सजाओल। एही कमरा मे हमरा सब कें बैसाओल गेल। चाह आ कूकी सबकें नीक कप प्लेट मे परसल गेल। लागल जेना हमहूँ सब ईवान ग्रोज्नीक संग चाह पीबि रहल होइ।

टूर गाइड सब अपना अपना दल कें एना कए व्यवस्थित केलन्हि जे एक दलक चाह बिस्कुट भेलाक बाद ओतए सँ उठि गेलाक किछु काल बादे दोसर दल ओतए घुमैत घुमैत पहुँचताह। एवम् प्रकारें सब गोटे चाह पीबैत गेलहुँ।

वोल्गाक सम्मान

वोल्गा एकटा नदीक रूप मे रूसी सभ्यता कें प्राचीन काल सँ पोषैत आएल अछि। ई नदी रूसी लोकक लेल जल मार्गक रूप मे आवाजाहीक साधन सेहो रहलैक अछि। ताहि कारण मातृभाव जरूर छैक लोक कें एकरा प्रति, मुदा ई मातृभाव हमरा लोकनिक गंगाक प्रति जे भावना अछि, ताहि सदृश धर्मान्ध नहि। हम सब तऽ रटैत छी "सुधा कलश ओंघराए देब गंगाम्बु चुरुक भरि"। एकटा रूसी लोक कें वोल्गाक जल चाही जरूर, मुदा सुधा कलश अलग सँ सेहो चाही।

एखनुक इंटरनेट युग मे वोल्गाक प्रति सम्मान रहि गेलैक अछि मात्र यूट्यूब पर रूसी लोकगीतक रूप मे। ई लोकगीत एखनहुँ बहुत लोकप्रिय छैक, मुदा नवका लोकक अपेक्षा पुरान लोक मे बेसी। हमरा कोलैबोरेशन मे एकटा बूढ़ व्यक्ति छलाह, जे रिटायर भेलाक बादो वैज्ञानिक काज सँ सम्बन्ध रखने छथि। हुनका सँ जखन वोल्गा मातुस्काक चर्चा कएल तऽ ओ भावविभोर भऽ गेलाह आ लगलाह एहने कोनो लोकगीतक धुन गुनगुनाबए। मुदा एहेन लोकक युग आब अन्ते भऽ रहलैक अछि।

गंगाक प्रति आशक्ति व्यक्त करबा लेल विद्यापतिक गीत "वर सुख सार पाओल तुअ तीरे" बहुत सुन्दर अछि। तहिना एकटा विदेशिया गीत छैक "सुन्दर सुभुमि भैया भारतक देशबा से, मोरे प्राण बसै गंगा धार रे बटोहिया।" वोल्गाक लोकगीत मुख्यतः एहने भावना पर आधारित छैक "मोरे प्राण बसै वोल्गा धार रे बटोहिया" कारण गीत सब मे "छोड़इत निकट नयन बह नीरे" बला भाव नहि बुझाइत अछि। ओतुका गीत मे नाविक लोकनिक अनुभव, नदी यात्राक समय आएल अन्हर बिहारि, नाविक लोकनिक आपसी व्यवहार, आदिक वर्णन बेसी। ओना तऽ प्रत्येक कवि अपन भावना अपना अपना शब्द मे व्यक्त करैत छथि आ ई कहब अनुचित जे कोनो कविक उद्‌गार, से ओ वोल्गाक प्रति हो आ कि गंगाक प्रति, कम छन्हि अथवा बेसी छन्हि। तखन एकटा बात निश्चिते जे हम सब गंगाक प्रति जतेक धार्मिक भावना बना लेने छी, से रूसी लोकनि कें वोल्गाक प्रति नहि छन्हि। सनातान धर्मक उत्पत्ति आ विकास मे गंगा अनेक रूप मे मिझहर भेल छथि, मुदा क्रिश्चियन धर्माबलम्बी समाज मे वोल्गाक लेल एहि तरहक स्थान सम्भव नहि छैक।

भाग चारि

नीम आ चिरैता

भाग चारि : नीम आ चिरैता

- प्रवेश निषेध
- स्मोक एलार्म
- फ्रेंच हरताल
- ओहि राति भुखले रहलहुँ
- कोलैबोरेशन डिनर मे शैम्पेन
- आइ इनवाइट यू टू डिनर
- के अभागल, के भागमन्त ?
- ज्वालामुखी विस्फोट
- एहनो आथितेय !
- स्किनहेडक आक्रमण

प्रवेश निषेध

घटना जून 1985 के थिक। हम सब बर्लिन सँ घूरि रहल छलहुँ। आन्द्रेयास कार चला रहल छलाह। जखन फ्राँसक सीमा पर पहुँचलहुँ तखन हमरा सब कें दूटा विकल्प छल। आन्द्रेयास कहलन्हि जे हम सब सीधे ड्राइव करैत चल जाइ, कारण एतुका चेक पोस्ट पर हमरा सब कें किछु काज नहि अछि। हुनका लेल तऽ बात एकदम ठीके छलैक, कारण ओ जर्मन नागरिक छलाह आ फ्राँस मे बेरोकटोक अबैत जाइत छलाह मुदा हमरा अपना सबहक लेल ई ठीक सँ बूझल नहि छल।

हम सब पहिल बेर जखन फ्राँस मे प्रवेश केने रही तखने वीजा खतम भऽ गेल छल कारण ओ सिंगल इन्ट्री वीजा छलैक। तकरा बाद हम सब तऽ कालबादोस प्रीफेक्चर सँ अनुमति लऽ कए बर्लिन गेल रही। हमरा भेल जे सीमा पर प्रवेश करैत काल पासपोर्ट फेर देखा देब उचित होएत, कारण ओ सब प्रवेशक कोनो स्टाम्प लगा देत तऽ ठीक रहत। ओना फेर काँ मे प्रीफेक्चर कोना बूझत जे हम सब सही तरीका सँ घूरि आएल छलहुँ ?

समय दुपहरियाक छलैक। चेक पोस्ट खाली जकाँ लागल। वास्तव मे एतए चेक पोस्ट पर जे कर्मचारी रहैत छथि, हुनका लेल कोनो काज नहि, कारण सबटा गाड़ी तऽ यूरोपियन लोकक रहैत छैक जकरा आएब जाएब निर्बाध छैक। तें ओ सब बाहर मे कियो ठाढ़ो नहि छलाह। हम ऑफिस जा कए एक गोटे कें बजाओल आ अपन दूनू पासपोर्ट देखाओल। हुनका एहि पर किछु आश्चर्य लगलन्हि। सम्भवतः एहि तरहक केश ओ पहिल बेर देखि रहल छलाह। हमरा पासपोर्ट कें दू तीन बेर उनटा पुनटा कए देखलाक बाद ओ फैसला दऽ देलन्हि जे हम सब फ्राँस मे प्रवेश नहि कऽ सकैत छी, कारण हमरा सबहक अनुमति के अवधि खतम भऽ गेल।

हमरा बर आश्चर्य लागल। एहि समय तक तऽ हम सब फ्रेंच नीक जकाँ बजैत रही। हम लगलहुँ बहस करए। ताहि पर ओ कहलन्हि जे ओ अन्दर अपन सीनियर सँ पूछि कए अबैत छथि। ई कहि दूनू पासपोर्ट लऽ कए ओ भीतर चल गेलाह।

हम सब प्रतीक्षा करए लगलहुँ। आन्द्रेयास हड़बड़ा रहल छलाह, कारण एखनहुँ हमरा सब कें चारि पाँच सौ किलोमीटर सँ बेसी रस्ता जेबाक छल। जे अधिकारी पासपोर्ट लऽ गेलाह हुनकर कोनो पते नहि।

अन्त मे करीब पन्द्रह मिनट के बाद आन्द्रेयास स्वयं दरवाजा खोलि भीतर मे आवाज देलखिन्ह। तखन एकटा दोसर व्यक्ति दूनू पासपोर्ट लेने एलाह, हमरा हाथ मे देलन्हि आ मात्र एतबे कहलन्हि "से बों (सब ठीक छैक)" आ ओ भीतर चलि गेलाह। ने कोनो व्याख्या आ ने क्षमायाचना जे हमरा सब कें अनेरे एतेक काल ठाढ़ केने रहलाह। हम जे सोचने रही, पासपोर्ट पर मोहर आदि लागि जाएत, सेहो नहि भेल।

अस्तु, पासपोर्ट हाथ आएल, हम सब निशास छोड़लहुँ आ आगूक यात्रा पर विदा भेलहुँ। हमरा सबहक कोनो दोष नहि छल, अनेरे एतेक समय नष्ट कएल। आन्द्रेयास खौंझा गेलाह आ ओहि कस्टम अधिकारी कें फ्रेंचे मे एकटा नीक गारि देलखिन्ह बाद मे।

स्मोक एलार्म

एक खेप हम जेनेवा जाइत रही ऑस्ट्रियन एयरलाइंस सँ। हमर एकटा कनिष्ठ सहकर्मी मि० रामनारायण सेहो छलाह ओही फ्लाइट मे। हम सब दिल्ली सँ विएना जइतहुँ आ फेर ओतए सँ जेनेवा। दिल्ली सँ जहाज दुपहरिया राति मे चलैत छलैक आ विएना भोरे पहुँचि जाइत छलैक। विएना सँ जेनेवा सेक्टर मे हमरा दूनू गोटेक टिकट अलग अलग छल। हमरा दू घंटाक बादे कनेक्शन छल, मुदा रामनारायण कें दुपहरिया मे चारि बजे छलन्हि कारण ओ टिकट बाद मे कटेने छलाह आ भोरक जेनेवा फ्लाइट मे हुनका जगह नहि भेटल छलन्हि।

समय पर हम सब विएना पहुँचलहुँ। ओतए कने काल प्रतीक्षा तऽ करबाके छल। ओहि समय मे हम रामनारायण कें कहलिएन्हि जे बूझि आबथु, यदि हमरे बला फ्लाइट मे जगह भेटि जाइ, तऽ संगहि चल जाएब।

ओ गेलाह बूझए आ चेंज कराइये लेलन्हि, मुदा हुनका 100 यूरो उपर सँ लागि गेलन्हि। एहेन सम्भव छलैक, कारण हम सब सस्ता टिकट पर यात्रा करैत छलहुँ, जाहि मे परिवर्तन केला पर किछु एक्सट्रा चार्ज देबए पड़ैत छलैक।

आब ई तऽ दोसरे मुश्किल भेल। ऑफिस सँ हुनका 100 यूरो कोना भेटतन्हि तकर हमरा चिन्ता होमए लागल। हम ग्रुप लीडर छलियैक आ सबटा प्रस्ताव तऽ हमरहि बनबए पड़ैत छल। उचित कारण आ जरूरी काज यदि नहि देखेबैक तऽ क्लेम डिसमिस। हम एक दू बेर हुनका बजबो केलियन्हि जे टाका दऽ कए चेंज करेबा सँ पहिने एक बेर हमरा पूछि तऽ लितथि। आइ रवि छलैक आ रविक लेल हम कोन जरूरी काजक बहाना बनाउ जे रामनारायण कें सबेरे जेनेवा पहुँचब आवश्यक छलन्हि से हमरा फुरा नहि रहल छल।

अस्तु, एखन आब तऽ किछु करबाक नहि छल। हम दूनू गोटे सुरक्षा जाँचक लाइन मे लगलहुँ आ फेर फ्लाइट मे जाकए बैसि गेलहुँ।

समय सँ जहाज उड़ान भरलकै। मात्र दश मिनट भेल हेतैक कि घोषणा भेलैक जे जहाज मे स्मोक एलार्म बाजि उठलैक अछि आ ओकरा शीघ्रातिशीघ्र लगेक एयरपोर्ट पर उतारबाक कोशिश कएल जेतैक। ईहो घोषणा भेलैक जे पसिंजर सब कें घबरेबाक काज नहि छैक। दोसर एयरपोर्ट बहुत नजदीके छैक।

मुदा कतबो लोक आश्वासन दैक, जखन खतराक घंटी बाजि जाइत छैक तखन घबराहटि कोना नहि होउक ? लोक सब कछमछ करए लागल। किछु गोटे तऽ एतेक उताहुल भऽ गेल जे लगैक उड़िते जहाज सँ कूदि जेतैक। बेचारी एयर होस्टेस सब एहेन पसिंजर सब कें शान्त करबा मे व्यस्त छलीह।

खैर, थोड़ेके काल मे लेंज एयरपोर्ट आबि गेलैक। रुकैत देरी जहाज कें फायर ब्रिगेडक लोक घेरि लेलकै। आ कि तखने इमरजेंसी खिड़की खोलि किछु लोक फानब शुरू कऽ देलक। सामान सब तऽ जहाजे मे छोड़ि देलक। बहुत कमे लोक छल जे शान्त छल आ जहाजक रुकबाक बाद, जखन सीढ़ी लगलै, तखन आराम सँ अपन सामानक संग उतरल। लोकक घबराहटि देखि हमरा आश्चर्य लागल जे एतुका विकसित समाजो मे धैर्यक एतेक अभाव छैक। एतबे नहि, उतरला पर किछु गोटे कें खूब कनैत देखलिएन्हि आ प्रायः सबहक चेहरा पर घबराहटिक छाप तऽ छलैके। कननिहार मे स्त्री पुरुष दूनू छलाह। ईहो एक प्रकारें नव अनुभव छल।

लेंज एयरपोर्ट बहुत छोट जगह छलैक। आ ताहू मे समस्या जे कुसमय मे ई फ्लाइट उतरि गेलैक। एयरलाइन स्टाफ सबहक लेल नाश्ताक इन्तजाम केलकै, मुदा एहि मे किछु समय तऽ लागिए गेलैक, कारण सामान सब बजार सँ मँगाबऽ पड़लैक। किछु नाश्ता हमरो सब कें भेटल।

आब आगू की कएल जाए ? ओहि छोट एयरपोर्ट सँ बहुत रास फ्लाइटो नहि छलैक। बारह बजे एकटा फ्लाइट फ्रैंकफुर्त जाइ बला छलैक। जेनेवा गेनिहार कें फेर सँ टिकट लेबए पड़ितैक। एकर कोनो एक्स्ट्रा खर्चा तऽ नहि छलैक मुदा नियमक अनुसार तऽ आब दूटा सेक्टर भऽ गेलैक – लेंज सँ फ्रैंकफुर्त आ फेर फ्रैंकफुर्त सँ जेनेवा। एहि लेल एयरलाइन काउन्टर खोललक] मुदा तुरत्ते पैघ लाइन भऽ गेलैक। दोसर विकल्प छलैक जे कार सँ लोक विएना वापस चल जाए आ ओतए सँ फेर ओएह चारि बजे बला जेनेवाक फ्लाइट लिए, जाहि मे पहिने रामनारायणक रिजर्वेशन छलन्हि। लेंज सँ विएना कार सँ मात्र दू घंटाक रस्ता। हमरा सब कें इएह विकल्प नीक लागल, कारण फ्रैंकफुर्त जाइयो कए तऽ बहुत पहिने जेनेवा पहुँचि नहि सकैत छलहुँ। दोसर, जे कार सँ विएना जाइ मे ऑस्ट्रियाक देहात, खेत पथार देखैत जेबाक मौका छल। समय नीके छलैक। रौद बला। तें हम सब विएना वापस जेबाक विचार केलहुँ।

एकटा कार मे हम दूनू गोटे कें आ एकटा आर पसिंजर कें लऽ कए ड्राइवर विदा भेल। करीब दू बजे हम सब फेर विएना एयरपोर्ट पर रही, जतए सँ आठ बजे विदा भेल रही। हम रामनारायण कें कहलियन्हि जे जाकए टिकट काउन्टर पर शिकाएत करथु जे ओ तऽ 100 यूरो दैयो कए समय पर जेनेवा पहुँचि नहि सकलाह, जकर दोख तऽ एयरलाइने पर छैक। आब हुनका तऽ पुरने रिजर्वेशन बला फ्लाइट सँ जाए पड़तन्हि। तें हुनक 100 यूरो वापस कऽ देल जाए।

ओ गेलाह आ अपन बात कहलखिन्ह। बिना कोनो बहस के 100 यूरो हुनका वापस कऽ देल गेल। हम सब पुनर्मूषिकोभव बला स्थिति मे आबि गेलहुँ। विएना एयरपोर्ट पर भोजन कएल आ फेर चारि बजेक फ्लाइट सँ सकुशल जेनेवा पहुँचि गेलहुँ। एतबे गुणक जे रवि दिन छलैक, मुदा एहि घूरा घूरी मे भरि दिन ऑस्ट्रिया मे खराप भऽ गेल।

करीब एक मासक बाद ऑस्ट्रियन एयरलाइंस सँ एकटा चिट्ठी भेटल, जाहि मे हमरा सब कें भेल तकलीफक लेल माफी मँगैत ई बताओल गेल जे स्मोक एलार्म फॉल्स छलैक आ जहाज मे किछु मामूली गड़बड़ी सँ एना भेल छलैक।

ओहि राति भुखले रहलहुँ

ई खिस्सा 1995 के छी। एहि बीच हमरा सबहक काज स्विटजरलैंड के जेनेवा शहरक सर्न प्रयोगशाला मे बहुत जमि गेल छल। एतए जे हम सब WA98 प्रयोग मे एकटा बड़का उपकरण पीएमडी लगौने छलहुँ तकरा 1996 के बाद हटा देबाक छल आ विचार ई छलैक जे एकरा उठा कए अमेरिका के ब्रूकहैवेन नेसनल लैबोरेटरी (बीएनएल) मे पठा देल जाए, जतए रिलेटिभिस्टिक हेवी आयन कोलाइडर पर स्थापित कोनो प्रयोग मे ओहि उपकरण द्वारा काज भऽ सकितैक। एहि सम्बन्ध मे स्टार कोलैबोरेशन सँ बातचीत करबा लेल पहिल बेर 1994 मे हम अगस्त मास मे बीएनएल आएल रही आ एतुका अतिथि गृह मे एक सप्ताह रूकल रही। बीएनएल तऽ एकदम जंगल के बीच छैक आ एतुका जीवन जापन के तरीका किछु विचित्र छैक, खास कऽ कए ओहि लोकक लेल जे कैम्पस मे रहैत अछि आ अपन कार नहि छैक। जे लोक किछु बेसी दिनक लेल रहैत अछि, ओ कोनहुना किछु रसोई के व्यवस्था कैए लैत अछि। कैम्पस के होस्टल अथवा डोर्म सब मे किचेन छैक, किछु बर्तनक व्यवस्था करए पड़ैत छैक। राशन के लेल सप्ताह मे दू दिन लैब के एकटा बस सुपरमार्केट

जाइत छैक। एहि तरहें लोक अपन प्राण रक्षा करैत अछि। मुदा जे कियो कम दिनक लेल अबैत छथि, आ गेस्ट हाउस मे रहैत छथि, हुनका लेल ई सम्भव नहि। ने तऽ गेस्ट हाउस मे किचेन सुविधा छलैक आ ने ई सम्भव छल जे चारि पाँच दिनक लेल रसोई के इन्तजाम करी।

भोजन के लेल लोक कैफेटेरिया पर निर्भर करैत छल। ई काजक दिन, माने सोम सँ शुक्र तक, तऽ जलखै, लंच आ डिनर सेवा दैत छलैक, मुदा शनि रवि तैयो समस्या छलैक। 1994 मे जखन गेल रही तऽ रवि कें संध्या काल पहुँचल रही। ओहि दिन मात्र बीएनएल क्लब नामक जगह खूजल छलैक, जतए किछु हल्का फुल्का भोजन भेटि जाइत छलैक। असल मे ई क्लब छलैक, जतए लोक साँझ कें ड्रिंक आदि के लेल जाइत छल। ड्रिंक के प्रधानता छलैक आ खेबाक चीज गौण। तैयो क्षुधा शान्तिक लेल ठीके छलैक आ हमरा कोनो दिक्कत नहि भेल छल।

एही अनुभवें हम 1995 मे सेहो रवि दिन साँझ मे पहुँचल रही। असल मे रवि दिन पहुँचबाक विवशता छल एहि कारणें जे सोम दिन सबेरे सँ मीटिंग शुरू भऽ जाइत छलैक। एयर इंडियाक विमान न्यूयार्क पहुँचैत छलैक बीतल दुपहरिया कें आ फेर ओतए सँ लिमो द्वारा बीएनएल जाएब अढ़ाई तीन घंटाक रस्ता छलैक।

हम करीब छऽ बजे साँझ मे गेस्ट हाउस पहुँचल रही। कलकत्ता सँ मुम्बई आ फेर मुम्बई सँ न्यूयार्कक यात्राक झमारल रही। अगस्तक मास छलैक आ मौसम नीक, गर्मे कहक चाही। गेस्ट हाउस पहुँचि कए नीक जकाँ स्नान कएल। भूख खूब जोड़ लागि गेल छल। टहलैते विदा भेलहुँ बीएनएल क्लब दिश। तावत साँझ बेस भऽ गेल छलैक आ रस्ता सब पर लाइट जरा देल गेल छलैक।

ओतए पहुँचि हमरा कने अनभुआर जकाँ लागल। जाहि गेट सँ पछिला साल प्रवेश केने रही से बंद देखलियैक। कतहु लाइट सेहो नहि जरैत आ ने कोनो मनुक्खक हलचल। अजीब लागल। एम्हर ओम्हर ताकल, तखन देखल जे एकटा छोट कागज पर लीखल "सॉरी, वी आर क्लोज्ड टुडे"। आब सब बात बुझि गेलियैक जे लाइट किएक नहि छलैक। निराश भऽ गेलहुँ। वापसी मे सिक्यूरिटी गार्ड कें पुछलिएन्हि जे लग पास मे कतहु भोजनक कोनो अन्य व्यवस्था छैक की ? अमेरिकन उच्चारण पर जोर दैत ओ हमरा बतौलन्हि जे सबसँ नजदीक के मैक्डोनाल्ड पाँच मील पर छैक। अहाँ लग कार अछि की ? केहन बकलेल छल ओ ? यदि हमरा लग कार रहितए तऽ हम ओकरे पूछए जइतियैक ? अमेरिका मे भोजनक परिभाषा मैक्डोनाल्ड तक सीमित भऽ गेल छैक। अस्तु, समस्याक कोनो समाधान नहि भेटल। ओ एकटा जगह बतौलन्हि, जतए भेन्डिंग मशीन सँ चिप्स आदि लेल जा सकैत छलैक। हम तकरो अनठा देलियैक। बीएनएल मे किछु भारतीय लोक सब काज करैत छलाह, जे आसपासक इलाका मे रहैत छलाह। एतए आसपास माने 10–15 मील के दूरी होइत छलैक। ने ककरो टेलीफोन नम्बर बूझल छल आ ने रविक संध्या बिना कोनो पूर्व सूचना के हुनका सबहक कपार पर विसेनाइये उचित बुझाएल।

मोन मारि लेल जे अजुका दिन उपासे रहल। गेस्ट हाउस आबि आराम करए लगलहुँ। थाकल रहला सँ भुखलो रहैत निन्न तऽ आबिए गेल।

अगिला दिन सोम छलैक आ कैफेटेरिया मे ब्रेकफास्ट सेवा साते बजे शुरू भऽ जाइत छलैक। हम ओहि दिन पहिल व्यक्ति रही कैफेटेरिया मे ब्रेकफास्टक ट्रे लेने काउन्टर पर।

एहि घटना सँ शिक्षा लैत बाद मे जे हमर सहकर्मी लोकनि एतए आबए लगलाह ओ अपना संग सुटकेस मे किछु ने किछु रेडीमेड भोज्य पदार्थ जरूर लऽ लैत छलाह।

कोलैबोरेशन डिनर मे शैम्पेन

स्टार कोलैबोरेशन के मीटिंग पाँच दिन चलैत छलैक। साधारणतः चारिम दिनक संध्या सामूहिक रूपें डिनर के आयोजन कएल जाइत छलैक। एहि लेल सब कें टिकट कीनए पड़ैत छलैक। एकटा सामाजिक रीतिक निर्वाह करबाके छल, कारण हम तऽ अपना देशक टीम के लीडर छलहुँ। दोसर बात जे एहने समय मे बहुत रास लोक सँ परिचय भऽ जाइत छलैक आ किछु काजक गपशप सेहो। ओना तऽ सब अपन अपन काज मे व्यस्त रहैत छल आ फेर बिना एप्वांइटमेंट के ककरो सँ भेंट करब मुश्किल। हम एहि कोलैबोरेशन डिनर के टिकट पहिनहि लऽ लेने रही।

डिनर के आयोजन लौंग आइलैंडक एकटा नीक रेस्तराँ मे छलैक, जे समुद्रक काते मे छल। सब लोक एका एकी साढ़े सात बजे तक पहुँचि गेल। स्टार कोलैबोरेशन के बीएनएल ऑफिसक सेक्रेटरी ओतए पहिनहि सँ सबहक स्वागत के लेल ठाढ़ छलीह। हमरा सब कें पहिल आइटम देल गेल पेय के, जे छल शैम्पेन। बहुत बढ़िया लागल। मुदा शैम्पेन परसल गेल छलैक पेपर कप मे। ई कने झुझुआन बुझाएल। ओना हम शैम्पेन पहिनहुँ पेपर कप मे पीने छी, मुदा से तऽ लैब मे भेल छल। ओतए शैम्पेनक गिलास जोगाड़ करब सम्भव नहि छलैक। मुदा एतए तऽ हम सब नीक रेस्तराँ मे छलहुँ तखन एना किएक ? ओहि डिनर मे मुख्यतः अमेरिकी लोक सब छलाह। म्यूनिख सँ आएल एकटा जर्मन प्रोफेसर पीटर सीबॉथ

छलाह। हम हुनका सँ पुछलिएन्हि जे एना पिकनिक स्टाइल मे पेपर कप मे शैम्पेन किएक परसल गेल ? ओहो हमरे जकाँ क्षुब्ध छलाह। हुनका तऽ कियो भेटि गेलन्हि मोनक बात कहै लेल। बस लगलाह अमेरिकन लोक आ हुनक समाज आ सभ्यता कें गरिआबए। "ई अमेरिकन सब अपना कें इनफॉरमल बनबैक चक्कर मे सबटा रीति रिवाज कें नष्ट कऽ देलक। जकरा खाइ तक के लूड़ि नहि छैक, जे चलैत चलैत बर्गर खाइत रहैत अछि, ओ नीक गिलास मे शैम्पेन पीबऽ की जानए गेलैक ? एहि तरहें शैम्पेन ढारब ओहि प्रतिष्ठित पेयके प्रति अपमाने भेलैक ने। आदि आदि" ओ बहुत किछु बजैत रहलाह। बाद मे पता चलल जे मात्र किछु पैसा बचबैक लेल गिलास बला सर्विस मना कऽ देल गेल छलैक। यूरोपीय सभ्यता आ अमेरिकन सभ्यता मे कतेक अन्तर छैक सेहो पता चलि गेल।

आइ इनवाइट यू टू डिनर

1995 के बीएनएल विजिट मे हमरा सबहक प्रस्ताव स्वीकार भऽ गेल छल, मुदा आगूक काज छलैक विस्तार सँ सब दृष्टिकोण पर विचार करैत प्रोजेक्ट रिपोर्ट लिखब। हम सब रिपोर्ट 1997 तक जमा कऽ देलियैक आ एकटा कमेटी के गठन सेहो भऽ गेलैक। एकर काज छलैक हमरा लोकनिक उपकरण के स्टार प्रयोगक लेल उपयोगिता देखैत अपन सुझाव दिअए। कमेटी के अनुमोदन एबा सँ पूर्व हमरा लोकनि कें ओतए जा कए हुनका लोकनिक समक्ष सबटा बात बतेबाक छल। एहि बीच भारत 1998 के मई मास मे परमाणु बमक विस्फोट कऽ देलक आ अमेरिका सँ सम्पर्क जेना टूटि गेलैक। खास कऽ कए परमाणु ऊर्जा विभागक लोक लेल अमेरिका जाएब बन्द भऽ गेलैक, कारण वीजा भेटबे नहि करैक।

ई स्थिति सामान्य भेलैक 1999 के अन्त मे जाकए, जखन अमेरिकन राष्ट्रपति बिल क्लिन्टन भारत एलाह। हमरा सब कें 2000 के जनवरी मास मे पहिल बेर वीजा भेटल। मुदा एहि अन्तराल मे हमरा लोकनि किछु नव रिसर्च कऽ लेने रही आ ताहि अनुसारें स्टार कें देल पुरना प्रस्ताव मे किछु परिवर्तन करए चाहैत रही। जनवरी मे हम दू गोटे जा कए एहि बात पर चर्चा कएल। तकर बाद अप्रिल मास मे पूरा कमेटीक मीटिंग करबाक निर्णय भेलैक। नव प्रस्तावक हिसाबें कमेटी सेहो बदलि देल गेलैक।

एहि मीटिंग के लेल भारत सँ हम सब चारि गोटे गेल रही। मीटिंग मे हमरा सबहक प्रेजेन्टेसन उत्तम रहल आ कमेटीक सब सदस्य खुशी भेलाह। मीटिंग करीब पाँच बजे शेष भेलैक। तकर बाद हम सब गेस्ट हाउस चल जेबाक विचार करिते रही कि ओहि कमेटीक चेयरमैन हमरा लग आबि कए कहलन्हि "आइ इन्वाइट यू टू डिनर"। हम एकर अर्थ नहि बुझलहुँ। हम फरिछा कए पुछलिएन्हि जे एकसरे कि सब गोटे। हम स्पष्ट कऽ देलिएन्हि जे आजुक संध्या, जखन हमर सहकर्मी सब नीक प्रदर्शन केलन्हि आ सब गोटे खुशी के मूड मे छी, तऽ हम एकसरे डिनर मे नहि जा सकब। ओ फेर स्पष्ट केलन्हि जे ओ हमरा टीमक सब सदस्य कें आमंत्रित करैत छथि, एकसरे नहि।

हम सब बहुत खुशी भेलहुँ आ एहि निमंत्रण कें एक प्रकारक इनाम बुझलहुँ। ओएह व्यक्ति गाड़ीक व्यवस्था केलन्हि आ दूटा अमेरिकन सहकर्मीक संग हम सब सात गोटे डिनर मे गेलहुँ। हम सब तऽ सब खन बुझैत रहलियैक जे सब गोटे आमंत्रित छी। तें किछु आर्डर करबा मे कोनो संकोच नहि कएल। हँ, हम सब महग ड्रिंक नहि लेल, मात्र बीयर तक रहलहुँ। भोजन नीक जकाँ करैत गेलहुँ।

आब जखन बिल एलैक तऽ ओ चेयरमैन महोदय ओहि कागज कें सब लग बढ़ा देलखिन्ह। ई भेल ने पकिया अमेरिकन धूर्त्तता ! जखन खर्च हमरे सब कें देबाक छल तखन "आइ इनवाइट यू टू डिनर" के कोन काज छलैक ? हम सब तऽ अपन सफलता सँ ततेक खुशी रही जे यदि ओ ईहो प्रस्ताव रखितथि जे "लेट अस गो फॉर डिनर" तऽ हम सब खुशी खुशी मानि जइतहुँ। आ तखन ई स्पष्ट रहैत जे सब कियो मिल कए बिल के चुकता करताह। यदि ओ ईहो प्रस्ताव दितथि "गिभ अस ए ट्रीट" अथवा "टेक अस टु डिनर" तैयो हम सब खुशी खुशी सब कें डिनर खुआ दितिएन्हि। अपना मे चन्दा कऽ कए जेनेवा मे कएक बेर हम सब एहेन पार्टी देने छलियैक। अस्तु, दिनक खुशी राति मे कने कसानि जरूरे भऽ गेल।

फ्रेंच हरताल

फ्राँसक लेबर यूनियन हड़ताल करबा मे आगू अछि की बंगालक सीटू बला सब, एकर फैसला देबा मे बड़का बड़का जूरी लोकनि घबरा जेताह। यूरोपक प्रायः तीन दशकक हमर विभिन्न यात्रा आ प्रवास मे फ्रेंच लोकनिक हड़ताल कएक बेर भोगलहुँ। बेसीतर ट्रेनक हड़ताल देखल। किछु बेर एयरपोर्ट पर सेहो भोगल।

मुदा एक बेर हम बड़का मुश्किल मे फँसि गेलहुँ। बात 2002 के मार्च मासक थिक। हम पहिने सर्न मे काज करैक लेल जेनेवा गेलहुँ। हमरा फेर जेनेवा सँ न्यूयार्क जेबाक छल बीएनएल मे काज करै लेल। कलकत्ते सँ पूरा यात्राक टिकट

कटाओल गेल छल आ नियमक अनुसार एयर इंडिया द्वारा सबटा टिकट देल गेल छल। पता नहि एना किएक कएल गेल, मुदा हमर जेनेवा सँ न्यूयार्क जेबा लेल एयर फ्राँस द्वारा जेनेवा सँ पेरिस आ फेर पेरिस सँ लंदन जेबाक टिकट देल गेल। लंदन मे हमरा एयर इंडियाक अपन मुम्बई सँ लंदन होइत न्यूयार्क जाइ बला फ्लाइट लेबाक छल।

सकाले हम जेनेवा एयरपोर्ट पहुँच गेलहुँ। रवि दिन छलैक। ओतए एयर फ्राँसक काउन्टर अस्तव्यस्त देखल। लोकक पते नहि। एकटा लड़की ओतए यात्री कें मात्र ई सूचना दै लेल छल जे पेरिस मे एयरपोर्ट स्टाफक हड़ताल चलि रहल छैक तें सबटा फ्लाइट बन्द छैक।

अब तऽ भारी मुश्किल मे पड़लहुँ। टिकट तऽ हमरा एयर इंडिया देने छल। आब जेनेवा मे एकर कोनो काजक ऑफिस रहि नहि गेल छलैक। कोनो जमाना मे टाटा द्वारा जेनेवा मे खोलल एयर इंडियाक ऑफिस लंदन, न्यूयार्क मे स्थित ऑफिसक टक्कर के छलैक। आइ मकानो भाड़ा पर लागि गेल छलैक। ज्यूरिख मे एकटा ऑफिस छलैक, ओतहि सँ टिकट चेंज, कैंसिल आदि सब किछु कएल जा सकैत छलैक। ओ ऑफिस तऽ सोम दिन माने कालि नौ बजे खुजबे करितैक। आ हम तऽ जेनेवा एयरपोर्ट पर छलहुँ। हम कोना अपन टिकट आदि हुनका पठाउ आ फेर कखन तक ओ हमरा नवका टिकट देताह तकर कोनो ठीक नहि छल। से तऽ ई मानि कए जे ओ हमर बात मानिए लेताह आ हमरा वैकल्पिक व्यवस्था कैए देताह। यदि समय पूरा रहैक, तऽ जरूरे ई उत्तरदायित्व एयर इंडियाक छलैक जे हमरा ओ न्यूयार्क पहुँचाबए, मुदा ई गारंटी तऽ ओ नहि लेत जे पुरना प्रोग्रामक अनुसारे पहुँचा देत। आ हमरा ओही दिन बीएनएल पहुँचब जरूरी छल कारण अगिला दिन सोम कें मीटिंग छलैक।

ओही ठाम एक गोटे हमरा अपन परेशानीक बात पुछलन्हि। हम हुनका बताओल जे एना एना हमरा एयर फ्राँस सँ पेरिस होइत लंदन जेबाक छल। ओ एकटा सलाह देलन्हि जे अहाँ ब्रिटिश एयरवेजक टिकट लऽ कए सीधे जेनेवा सँ लंदन पहुँचि जाऊ। बात तऽ ठीक छलैक, मुदा टिकट लेबाक लेल कैश तऽ संग मे छल नहि। सिटीबैंक के क्रेडिट कार्ड छल, मुदा ओ तऽ भारत मे देल गेल छल आ हम ओकरा विदेश मे कहियो व्यवहार केनहि नहि छलियैक। स्टेट बैंकक एकटा पुरना क्रेडिट कार्ड मे लिखल रहैत छलैक "valid for only India and Nepal"। से सब एहि कार्ड मे नहि लीखल छलैक। मुदा रिजर्व बैंकक की नियम छलैक एहि सम्बन्ध मे, सेहो नहि बूझल छल।

अस्तु, हमरा लग दुइये टा विकल्प छल : ओहि दिन बीएनएल जेबाक प्रोग्राम कैंसिल कऽ दी आ जेनेवे मे रही अथवा कहुना अलग टिकट लऽ कए लंदन पहुँचि जाइ, जतए फेर एयर इंडियाक फ्लाइट पकड़ि ली। पहिल विकल्प मे फेर एकटा झंझट छल जे सर्न मे गेस्ट हाउस तऽ छोड़ि देने छलियैक आ रवि कें फेर रिजर्वेशन कोना होएत ?

सब मिला कए देखल तऽ लंदने जाएब नीक बुझाएल। ब्रिटिश एयरवेज के टिकट काउन्टर पर गेलहुँ आ हुनका जेनेवा सँ लंदन के टिकट देबा लेल कहलिएन्हि। पेमेंटक लेल हम अपन क्रेडिट कार्ड देलिएन्हि। हमरा आश्चर्य लागल जे पेमेंट भऽ गेलैक। हमरा टिकट भेटि गेल। पहिल बेर विदेश मे क्रेडिट कार्डक उपयोग सफल रहल छल।

फ्लाइट तऽ तुरत्ते छलैक। बीस मिनट के भीतर हम ब्रिटिश एयरवेज के जहाज मे बैसल छलहुँ लंदन जेबा लेल। आ फेर लंदन बहुत पहिनहि पहुँचि गेलहुँ। एयर इंडियाक न्यूयार्क बला फ्लाइट तऽ एखन एबा मे बहुत देरी छलैक। समय पर ओही दिन संध्याकाल बीएनएल पहुँचि गेलहुँ।

कलकत्ता वापस एला पर टिकट मे जे एक्स्ट्रा खर्चा भेल छल, तकरा ऑफिस सँ मंजूर करबा लेल। फ्रेन्च हरतालक एहि असुविधा कें कोना बिसरबैक ?

के अभागल, के भागमन्त ?

घटना 2004 के जनवरी मासक थिक। हम जाइत रही अमेरिका। पहिने एक सप्ताह कैलिफोर्निया मे एकटा कन्फरेंस मे भाग लेबाक छल आ तकर बाद बीएनएल मे तीन सप्ताह रहबाक छल। एतए हमरा सबहक पीएमडी नामक उपकरण आब प्रयोग मे डाटा लेबाक स्थिति मे छल। हमर टिकट छल कोलकाता सँ मुम्बई, फेर मुम्बई सँ लंदन होइत शिकागो आ शिकागो सँ सानफ्रान्सिस्को। मुम्बई पहुँचला पर हम सब एयर इंडिया द्वारा देल गेल एकटा होटल मे रात्रि विश्रामक लेल गेलहुँ, कारण शिकागो बला फ्लाइट भोर मे करीब आठ बजे छलैक। होटल मे चेकइन के समय एकटा महिला कें देखल। फेर भोरे जखन हम सब होटल सँ एयरपोर्ट जेबा लेल विदा भेलहुँ, फेर ओहि महिला कें देखल। ओहो सम्भवतः एयरपोर्ट जइतथि। होटल सँ हमरा सब कें बस द्वारा एयरपोर्ट पठेबाक छलैक। लेकिन जेना कि एयर इंडियाक खराब इन्तजाम मे हमेशा होइत छैक, ओ बस बहुत लेट सँ एलैक। एकर प्रतिफल भेल जे हम सब शिकागो बला फ्लाइट के चेकइन लेल बहुत पछुआ गेलहुँ आ सबटा नीक सीट भरि गेलैक। हमरा एकटा बीच बला सीट भेटल, मुदा कैए की सकैत छलियैक ? एयर इंडिया अथवा होटल कें दोष देलो पर एकर सुधार तऽ होइतए नहि।

अस्तु, मोन मारि कए हवाई जहाज मे प्रवेश कएल आ अपन सीट पर बैसए लेल गेलहुँ। हमर सीट बिचला कतार मे, जाहि मे चारि टा सीट रहैत छैक, ताहि मे एक कात सँ आइल सीटक अन्दर छल। हम देखल जे ओ महिला, जिनका हम होटल मे दू बेर देखि चुकल रही, पहिनहि सँ एकटा सीट पर बैसल छथि जे हमरे बगल मे छलैक आ दोसर कातक आइल सीटक अन्दर छलैक। अर्थात् ओहि चारि सीट बला कतार मे दूनू कातक आइल सीट पर दूटा व्यक्ति आ बीच के दूनू सीट पर हम आ ओ महिला।

हम चुपचाप अपना सीट पर बैसि गेलहुँ। साधारणतः ई हमर आदति अछि जे हम चुप्पे रहैत छी आ अगल बगल बला कें बिना प्रयोजने नहि टोकैत छियैक। तहिना भेलैक आ हवाई जहाज लंदन के यात्रा पर उड़ि गेल। हम देखल जे फ्लाइट मे ओहि महिला कें चिन्हनिहार बहुत गोटे छलखिन्ह। हम एहि बातक कोनो जिज्ञासा नहि कएल जे ओ लोक सब के थिकाह आ कि कतए जाइत छथि। हम अपना मे मस्त रही। जेना कि फ्लाइट मे लोक करैत अछि, किछु पत्र पत्रिका पढ़लहुँ, जे भोजन देल गेल से खेलहुँ, इनफ्लाइट सिनेमा देखलहुँ आ आराम केलहुँ। करीब आठ घंटाक बाद जहाज लंदन के लेल उतरब शुरू केलकै।

एतए हमरा सँ एकटा गलती भऽ गेल। हम ओहि महिला कें पूछि देलिएन्हि, "की अपने लंदन मे उतरि जेबैक ?" ओना हम अपनहि नहि बूझि सकलियैक जे एहि प्रश्नक पाछू हमर की उद्येश्य छल। हुनकर सीट तऽ हमरे जकाँ छलन्हि आ यदि नीको रहितन्हि तऽ हम ओ सीट कोना पाबि लितहुँ ? सीट तऽ चेक इन काउन्टर पर देल जाइत छलैक। खैर, जे भऽ गेलैक से भऽ गेलैक। छोड़ल तीर आ बाजल बात वापस तऽ आओत नहि। ओहो एकटा संक्षिप्त उत्तर देलन्हि, "हम शिकागो तक जाएब"। तकर बाद फेर कोनो गप नहि भेल।

लंदन मे हमरा सबकें दू घंटा ट्रान्जिट लौंज मे बितेबाक छल। लोक कें अपन हैंडबैगेज संगहि लऽ कए उतरबाक छलैक। एतए जहाजक साफ सफाई होइतैक, तकर बाद फेर पसिंजर सब अपन अपन सीट पर बैसि सकैत छल।

हम उतरि कए शौचालय गेलहुँ आ फेर ट्रान्जिट लौंजक भीतर एकटा कुर्सी पर बैसि गेलहुँ। अन्यमनस्क भाव सँ बैसल किछु सोचि रहल छलहुँ कि ओ महिला कुम्हरो सँ एलीह आ हमरा कहलन्हि अपन हैंड लगेज देखैत रहैक वास्ते, हुनका शौचालय जेबाक छलन्हि। लेडिज शौचालय एक फ्लोर उपर छलैक आ हुनका भाड़ी लगेज उठेबा मे कष्ट होइतन्हि। हम मना की करितिएन्हि ? ई कोनो पैघ बात तऽ छलैक नहि। हम स्वीकारोक्ति मे मूड़ी हिला देल। ओ अपन सामान छोड़ि चल गेलीह शौचालय। ओतए सँ घुरलाक बाद फेर अपन अन्य परिचित लोक सब सँ लगलीह गप करए। हमर दायित्व शेष भऽ गेल। हम देखल जे ओहि फ्लाइट मे करीब पाँच छऽ गोटे हुनकर परिचित छलखिन्ह। आब सब ओही लौंज मे जमा छलखिन्ह आ सब अपना मे गप कऽ रहल छलाह। गप सप सँ बुझबा मे आएल जे ओ लोकनि दिल्ली वासी छलाह।

किछु पुरान (जे मुंबई सँ चलल रहथि) आ किछु नव (जे लंदन मे चढ़लाह) यात्री सब लऽ कए लंदन सँ शिकागोक लेल जहाज विदा भेलैक। हमरा कतार मे सब गोटे पुरने रहलहुँ। ओ महिला हमरा बगल मे जहिना छलीह तहिना बैसि गेलीह। मुंबई सँ लंदनक आठ घंटाक चुप्पी तोड़बाक गलती तऽ हम कऽ चुकल रही। आब हुनकर पार छल। ओ हमरा पुछलन्हि जे हम कतए रहैत छी आ कतए जाइत छी। हम यथासाध्य संक्षिप्ते उत्तर देल जे हम कलकत्ता मे रहैत छी आ अमेरिका एक मासक लेल जा रहल छी किछु काज सँ। एहि पर ओ एकटा विचित्र आ रहस्यमय टिप्पणी केलन्हि "जे भागमन्त रहैत अछि से अमेरिका घूमए लेल जाइत अछि आ जे अभागल रहैत अछि से ओतए रहै लेल जाइत अछि"।

एहि टिप्पणी सँ हमरा कतार मे बैसल तीनू लोक चौंकि गेलहुँ। आब तऽ उचिते छल जे बात आगू बढ़ाओल जाए। हम हुनका पुछलिएन्हि "एना किएक कहैत छी अपने ?"

ओ अपन खिस्सा सुनबए लगलीह।

एकटा बंगाली परिवार मे दिल्ली मे हुनकर जन्म आ पालन पोषण भेलन्हि। पढ़बा मे नीक छलीह। केमेस्ट्री मे एमएससी केलन्हि। तकर बाद कलकत्ता आबि गेलीह पीएचडी करबाक हेतु। ओ कहलन्हि जे हुनका जीवनक तीनटा महत्त्वपूर्ण घटना : पीएचडी केनाइ, विवाह भेनाइ आ पहिल संतानक जन्म, सबटा कलकत्ते मे भेलन्हि। हुनक पति सेहो केमिस्ट्री मे पीएचडी छलखिन्ह। हुनका एकटा फार्मा कम्पनी मे दिल्ली मे नौकरी भेट गेलन्हि आ ईहो गार्गी कालेज, जे ओहि समय नवे छलैक, मे लेक्चरर भऽ गेलीह। एकटा पुत्ररत्न छलन्हि। जिनगी हँसी खुशी बीतए लगलैक।

मुदा पति महोदय फार्मा कम्पनीक नौकरी सँ बेसी संतुष्ट नहि छलाह। हुनकर विचार भेलन्हि अमेरिका जाकए पोस्टडॉक करबाक। जमाना कें देखैत ई विचार अनुचित नहि छलैक। ओहि जमाना मे एकर अवसर भेटब कोनो कठिन नहि छलैक। ओ किछु ठाम एप्लाइ केलखिन्ह आ एक ठाम सँ ऑफर आबि गेलन्हि।

ओ सब अमेरिका जेबाक मोन बना लेलन्हि। महिला कें कालेजक नौकरी छोड़ए पड़लन्हि। मुदा नीक भविष्यक कल्पना मे ओ एहि बलिदान कें स्वीकार केलन्हि। ओ सपरिवार अमेरिका चल गेलाह। महिला ओतए अपन कोनो उच्च अध्ययन चालू नहि राखि सकलीह। छोट बच्चा कें सम्हारब अमेरिका मे एकसर रहि कें फुलटाइम काज भऽ गेलन्हि।

पति महोदय एक पोस्टडॉक समाप्त भेलाक बाद दोसर पोस्टडॉक धऽ लेलन्हि। रेगुलर नोकरी कोनो हुनका भेटन्हि नहि। दू साल वा तीन साल के एकटा पोस्टडॉक आ तकर बाद जॉब चेन्ज। एहि तरहें ओ जिनगी बितबए लगलाह। एही मध्य ग्रीन कार्ड सेहो आबि गेलन्हि। मुदा नोकरी नहि भेटलन्हि। ओ सब अमेरिका मे तेना ने डुबलाह जे घूरि कए भारत एबाक विचारे नहि होन्हि। ओना एकटा उमर भऽ गेलाक बाद भारतो मे नीक नोकरी भेटब आसान नहि रहि जाइत छैक। ई समस्या गंभीरे होइत गेल। अमेरिका मे सेहो ई नियम बनि गेलैक जे उमर के एकटा सीमाक बाद लोक कें पोस्टडॉक नोकरी नहि देल जाए। पोस्टडॉक तऽ एकटा अन्तरिम स्टेज थिकैक जखन लोक अपन पीएचडी बला ज्ञान कने बेसी परिपक्व कऽ लैत अछि आ किछु रिसर्च सेहो मुदा एकरा कैरियर नहि बूझक चाही। लोक जिनगी भरि तऽ पोस्टडॉक रहत नहि। कोनो ने कोनो नोकरी ताकहि पड़तैक।

एम्हर जखन पतिदेवक नोकरी डगमगेलन्हि तऽ महिला कें हाथ पैर चलेबाक उपक्रम करए पड़लन्हि। पीएचडी तऽ छलीहे। शिकागो मे एकटा म्यूनिसिपल स्कूल मे शिक्षिका भऽ गेलीह। एहि स्कूल मे ओहेन छात्र सब छलैक जे बच्चा मे कोनो कारणें स्कूल जाएब छोड़ि देने छलैक। हुनका अनुसार एहि स्कूल मे छात्र सबहक औसत उमर 23–24 साल छलैक। ई सब मुख्यतः अफ्रिकन अमेरिकन छलाह।

कहबी छैक दुर्भाग्यो एकसर नहि अबैत छैक। सएह भेलन्हि एहि परिवारक संग। जबान बेटा कैंसर सँ ग्रसित भऽ गेलखिन्ह आ फेर संसार छोड़ि चल गेलखिन्ह। ई बड़का आघात छलैक। पति महोदय से हार्ट के मरीज भऽ गेलखिन्ह। नियमित दवाई चाही। से आबि रहल छलन्हि महिलाक अपन नोकरीक इन्स्योरेन्स सँ। आब तऽ पति कें नोकरीक कोनो उमीद नहि रहि गेल छलन्हि। किछु अन्यान्य देश मे सेहो कोशिश केलन्हि मुदा सब ठामक इएह अनुभव जे बहुत देरी भऽ गेल।

अमेरिका मे अपन दयनीय जीवनक तुलना ओ भारत मे रहैत अपन अन्य सम्बन्धीक स्थिति सँ करैत छलीह तऽ लगैत छलन्हि जे अमेरिका जाएब आ गार्गी कालेजक नोकरी छोड़ब बड़का गलती भेलन्हि। हुनक छोट बहिन, जे ओही गार्गी कालेज मे हिनका बाद लेक्चरर भेल छलीह, एखन ओतए विभागाध्यक्ष छलीह।

इएह हुनकर कटु अनुभव छलन्हि आ ताही कारणें ओ टिप्पणी केने छलीह जे भागमन्त लोक अमेरिका रहए नहि, घूमए जाइत अछि। ई खिस्सा सुनि कए हमरा सहानुभूति तऽ जरूर भेल, मुदा रस्ताक पसिंजर कें बोल भरोसक किछु शब्द टा कहि सकैत छलहुँ। आर बेसी की करितियैक?

ज्वालामुखी विस्फोट

अप्रिल 2010 मे आइसलैंड मे एकटा ज्वालामुखी विस्फोट भेलैक। ओहि सँ बहराएल धुआँ जखन उत्तरी अक्षाँश सँ नीचा आबए लगलैक आ यूरोपीय महादेशक शहर सब कें झाँपए लगलैक, तखन पूरा महादेश मे हवाई सेवा बन्द कऽ देल गेलैक।

हमर दुर्भाग्य जे एहने समय मे हम ओतए फँसि गेलहुँ। हम गेल रही जेनेवा मे एलिस कोलैबोरेशनक काज सँ। वापसी मे जर्मनी मे डार्म्सटाडक जीएसआइ लैब मे सीबीएम कोलैबोरेशनक मीटिंग मे सेहो भाग लेबाक छल।

16 अप्रिल 2010 कें हमरा फ्रैंकफुर्त सँ मुम्बई के फ्लाइट लेबाक छल, जे ओतए सँ सकाल करीब एगारह बजे चलैत छलैक। हमर एकटा शोधछात्र सिद्धार्थ सेहो एही फ्लाइट कें पकड़ै लेल जेनेवा सँ आएल छल पछिले राति। हम समय सँ हवाई अड्डा पहुँचलहुँ। यात्रा शुरुएहिं सँ जेना खराप छल। डार्म्सटाड मे होटल मे टैक्सी बजौने रही, जकर भाड़ा जीएसआइ दऽ दितैक। ओ टैक्सी समय पर एबे नहि कएल। एना साधारणतः होइत नहि छलैक। अस्तु, संयोग एतबे नीक जे होटलक आगुए टैक्सी स्टैंड छलैक। ओतए करीब बीस मिनट तक प्रतीक्षा केलाक बाद एकटा टैक्सी आएल। सएह लऽ कए करीब दूना भाड़ा दऽ कए हम एयरपोर्ट पहुँचल रही।

एयरपोर्ट परहक दृश्य देखि माथ ठनकल। एकदम अस्तव्यस्त आ खाली खाली। चलैत चलैत एयर इंडियाक काउन्टर तक गेलहुँ। ओतए मात्र किछु पैसेंजर आ एकेटा कर्मचारी। लगैक जेना फ्लाइट चल गेलैक। एक गोटे सँ पुछलियैक तऽ खराब सूचना देलक जे फ्लाइट कैंसिल भऽ गेलैक। ईहो ओतेक खराप नहि छल। कारण एयर इंडिया सँ यात्रा करैत ई कोनो नव अनुभव नहि छल। कएक बेर एना भेल छलैक। एक बेर दिल्ली मे हम दू राति बितेने रही होटल मे आ एक बेर पेरिस मे सेहो एक राति बितेने रही होटल मे। सएह सोचि काउन्टर परहक कर्मचारी लग गेलहुँ आ ओकरा सँ कहलियैक जे फ्लाइट कैंसिल भऽ गेलैक तऽ होटल के व्यवस्था करू। तखन ओ बुझेलक जे ई एयर इंडियाक गलती नहि छलैक, अपितु एयरपोर्ट मैनेजमेंटक निर्णय छलैक जे सबटा फ्लाइट कैंसिल कऽ देल गेलैक। आ सेहो अभूतपूर्व प्राकृतिक विपदाक कारण। तैं एहि मे ओ किछु नहि कऽ सकैत छलाह। दोसर बात जे हालत कखन सामान्य हेतैक आ फेर फ्लाइट कहिया सँ चलतैक सेहो कोनो ठीक सँ नहि कहल जा सकैत छलैक।

आब तऽ अप्रत्याशित झंझट भेल। हमरा अगिले दिन मुम्बई मे एकटा जरूरी मीटिंग छल आ तकर दू दिनक बाद बंगलोर सँ बेटी सबहक संग ऊटी जेबाक कार्यक्रम बनल छल। सबटा पर पानि परि गेल। एहेन कहियो नहि भेल छल, मुदा एतए कैए की सकैत छलियैक ?

ज्वालामुखी विस्फोटक समाचार एयरपोर्टे पर सुनलियैक। साधारणतः विदेश मे रहैत हम टाइम्स ऑफ इंडियाक इंटरनेट संस्करण पढ़ि लैत छी। मुदा ओहि दिन आ तकरा एक दिन पहिनहुँ अवसर नहि भेटल छल। ओहुना खबरि टटके छलैक, कारण एहि घटनाक प्रभाव 15 अप्रिल कें अर्थात कालिए सँ देखबा मे आएल छलैक। पहिने उत्तर के शहर, जेना लंदन, मे हवाई अड्डा बन्द कएल गेल। जेनेवा एयरपोर्ट पर काज साँझ तक चलैत रहल आ ओतए सँ फ्लाइट राति मे फ्रैंकफुर्त उतरबो केलकै, जाहि मे हमर छात्र सिद्धार्थ छल।

एयरपोर्ट पर जे दू चारिटा पैसेंजर बचि गेल छलाह, हुनका सँ गप सप मे पता चलल जे आसपास के सबटा बजट होटल भरि गेल छैक आ बहुत बेसी महग होटल टा बाकी छैक। मुदा होटलो लोक कतेक दिनक लेल करत से तऽ किछु बूझल नहि छलैक। हम फँसि गेल छलहुँ आ शीघ्रे किछु निर्णय लेबाक छल। हमरा चिन्ता छल सिद्धार्थ कतए अछि आ कोना अछि, कारण ओकरा चेकइन इलाका मे नहि देखि रहल छलियैक।

संयोग सँ किछुए काल मे सिद्धार्थ भेटि गेल। ओहो हमरा तकैत छल। ओकर सामान तऽ मुम्बई के लेल जेनेवे सँ चेकइन भऽ गेल छलैक। एकटा हैंडबैग लऽ कए ओ राति बितेलक। एयरपोर्ट मे रातिक फँसलाहा यात्री सबहक लेल ओछाओनक व्यवस्था कऽ देल गेल छलैक। हजारो लोक फँसल छल।

हम निर्णय लेल जे डार्म्सटाड घूरि जाई तऽ होटल के किछु व्यवस्था भैए जेतैक। नीक बात एतबे जे शुक्र दिन छलैक आ एखन जीएसआइ मे लोक सब काज करिते छल। यदि वीकेन्ड भऽ गेल रहितैक तऽ फेर बेसी झंझट होइतए। हमरा लग सीबीएम ग्रुप के सेक्रेटरीक फोन छल नहि। तखन हान्स गुटब्रोड कें तकलीफ देलिएन्हि, कारण हम सब कठिन परिस्थिति मे फँसि गेल रही। आब हमरा सिद्धार्थक व्यवस्था सेहो करबाक छल। संयोग सँ एगारह बजैत बजैत सबटा सम्पर्क भऽ गेल आ हमरा दूनू गोटेक लेल सोमक भोर तक के लेल होटल के जोगार सेहो लागि गेल। आधा घंटा मे जीएसआइ सँ टैक्सी सेहो आबि गेल एयरपोर्ट पर। हम सब घूरि गेलहुँ डार्म्सटाड।

यूरोप मे धुआँक प्रकोप बढ़ले जा रहल छलैक आ कोनो संकेत नहि छलैक जे एकाध दिन मे स्थिति मे एहेन सुधार भऽ जेतैक जे हवाई सेवा चालू भऽ सकत। पूरा दुनियाँ मे लोक फँसि गेल छल। जकरा यूरोप एबाक छलैक सेहो आ जकरा यूरोप सँ जेबाक छलैक सेहो। यूरोपक भीतर सेहो सब ठाम लोक फँसल छल।

एहि मे सीबीएम कोलैबोरेशन के हमर रूसी एवं अन्य सहकर्मी सब सेहो छलाह। हुनको सब कें शुक्र दिन मीटिंग खतम भेलाक बाद अपन अपन शहर वापस जेबाक छलन्हि, मुदा सब अटकि गेलाह। सबकें आवासक समस्या छलैक। डार्म्सटाड इलाका तक सस्ता होटल सब भरि गेलैक, मुदा सब होटल वीकेन्डक बाद खाली करबए चाहैत छलैक, कारण सबकें पहिने सँ बुकिंग छलैक।

शनि रवि तऽ कटि गेल कहुना आरामे सँ। सोम दिन भोरे होटल खाली करबाक छल। आब कतए जाउ ? हम सब चारिटा भारतीय फँसल रही। अन्त मे हम निर्णय लेल जे जेनेवा चलि जाई सिद्धार्थ कें लऽ कए। ई जरूरिओ छल, कारण ओतए जे लोक सब भारत सँ अबै बला छल से नहि आबि सकल छल आ प्रयोग मे सिफ्ट ड्यूटी तऽ सम्हारबाके छल।

सोम दिन भोर मे जखन हम दूनू गोटे सामान लऽ कए जीएसआइ गेलहुँ तऽ देखल जे करीब पन्द्रहटा रूसी, रोमानियन आदि सहकर्मी सब सीबीएम कोलैबोरेशन के प्रवक्ता पीटर सेंगर के रूम मे भरल आ हुनका घेरने जे आवासक कोनो व्यवस्था करथि। एहि भीड़ मे हमरा इएह उचित बुझाएल जे एतए सँ जेनेवा चल जाई। तखन एकटा ईमेल एलिस सेक्रेटेरियेट कें पठाओल जे कोनहुना एकटा कमरा सर्नक गेस्ट हाउस मे बुक करा देथि हमरा लेल। जेनेवा मे हमरा ग्रुपक सदस्य सबहक लेल एकटा एपार्टमेंट सेहो छल भाड़ा पर लेल। एतए छात्रगण आ कनिष्ठ सहकर्मी सब रहैत छलाह। सिद्धार्थक लेल एहि एपार्टमेंट मे जगह भैए जइतैक।

हम सब जीएसआइ छोड़ि देल। सिद्धार्थक सुटकेस तऽ छलैक एयरपोर्ट पर, से लेबाक छल। तें हम सब फेर एलहुँ फ्रैंकफुर्त एयरपोर्ट। एतुका दृश्य तऽ वास्तव मे करुण छल। लोक सब जत्र कुत्र पसरल, ओंघराएल। की करितैक ? सबकें ने तऽ एतेक वित्त छलैक जे महग होटल मे जाइत आ ने हमरा जकाँ उपाय छलैक डार्म्सटाड सदृश जगह मे भगबाक। खास कऽ कए निम्न वित्त टूरिस्ट सब, जे पहिनहि सबटा टाका पैसा खर्च कऽ लेने छल आ घर वापस जा रहल छल, तकरा लेल तऽ एहि तरहक विपत्ति मे भारी मुश्किल भऽ गेल छलैक।

अस्तु, हम सब लगेज रूम सँ सुटकेश लेल आ ओतहि सँ जेनेवाक ट्रेन लेबा लेल चल गेलहुँ इन्तजाम करए। हवाई सेवा नहि रहला सँ यूरोपक भीतर ट्रेनो मे भीड़ बहुत भऽ गेल छलैक। मुदा उपाइये की छल ? जेनेवा जेबा मे दू ठाम ट्रेन बदलए पड़ल। अन्त मे राति कें नौ बजे पहुँचि गेलहुँ सर्न। हमरा गेस्ट हाउस मे रूम भेटि गेल। सिद्धार्थ कें पठा देलियैक सैंजेनी के एपार्टमेंट।

थोड़ बहुत हवाइ सेवा 20 अप्रिल सँ शुरू भेलैक। हम ज्यूरिख के एयर इंडिया ऑफिस मे फोन कऽ कए अपना लेल 25 अप्रिलक बुकिंग करबा लेल। एतए हमरा आब दूटा महत्वपूर्ण मीटिंग एटेन्ड करबाक छल, जाहि मे मुम्बई सँ परमाणु ऊर्जा विभागक संयुक्त सचिव महोदय कें एबाक छलन्हि, मुदा ओ नहि आबि सकलाह।

सबटा प्रोग्राम गड़बड़ा गेल। ऑफिस मे फेर सबकें सूचित कएल एहि तरहक परिस्थिति के आ हमर निर्णय जे अपनहु आ सिद्धार्थ कें सर्न वापस लऽ अनलहुँ। तकरा लेल फेर सँ विभागीय स्वीकृति कराओल।

एतेक दिनक विदेश यात्रा आ प्रवास मे ई पराभव अद्वितीय छल जे कहियो बिसरल नहि जाएत।

एहनो आथितेय !

अप्रिल 2011 मे सीबीएम कोलैबोरेशन मीटिंग भेल छल ड्रेसडेन मे, जे पूर्वी जर्मनीक एकटा प्रसिद्ध शहर छल। एतए शहर सँ हँटि कए रोजेन्डॉर्फ नामक जगह पर परमाणु अनुसंधान केन्द्र छैक, जकरा साम्यवादी जर्मनीक समय बहुत महत्व छलैक, कारण एतए परमाणु रिएक्टर छलैक आ अनेक तरहक गोपनीय रिसर्च कएल जाइत छलैक।

आब तऽ एकीकरणक बाद एहि केन्द्र मे रिसर्चक प्राथमिकता बदलि गेलैक अछि।

हम एकटा होटल मे रही जे ड्रेसडेन शहरक मध्य छलैक आ किछु सस्ता छलैक। एहि होटल मे हमरा सन भारतीय लोक कें छोड़ि सबटा रूसी लोकनि छलाह। होटल सँ मीटिंग केन्द्र तक हमरा सबकें बस सँ पहुँचाओल जाइत छल आ वापसी सेहो। बस यात्रा मे करीब आधा घंटा समय लगैत छलैक। दिन मे लंचक व्यवस्था तऽ मीटिंग स्थले पर होइत छलैक। राति मे लोक अपना रुचिक अनुसारें अपन अपन व्यवस्था करैत छल। हम होटलक समीपे शॉपिंग सेन्टर चल जाइ, जतए बहुत प्रकारक रेस्तराँ छलैक।

जाहि दिन कोलैबोरेशन डिनर छलैक ताहि दिन हमरा सब कें वापसी बला बस एकटा पुरान किला पर पहुँचा देलक। जगह अति रमणीय। एकटा ऊँच स्थल पर अवस्थित ई किला, जतए सँ शहरक एक भाग तऽ नीक जकाँ देखाइत छलैक।

मौसम नीक छलैक। लोक सब ग्रुप बना कए बाग बगीचा मे छिड़िया गेल। थोड़ेक काल मे ड्रिंक सेहो शुरू कऽ देल गेलैक। समय नीक जकाँ बीतैत गेलैक। अन्त मे हम सब करीब साढ़े आठ बजे भोजन पर बैसैत गेलहुँ। भोजन जखन लगिचेलैक, तखन देखल जे आयोजक महोदय किछु कागज के टुकड़ी जकाँ टेबुले टेबुल जा जा कए बाँटि रहल छथि। ई एकटा अति नवीन अनुभव छल। पहिने तऽ बुझबे नहि केलियैक जे ई भेलैक की, मुदा जखन ओ हमरो लग एलाह आ पुछलन्हि जे अहाँ कोन होटल मे रहैत छी तखन बूझल जे वापसी यात्राक इन्तजाम भऽ रहल छलैक। ओ हमर उत्तर के बाद एकटा ट्रामक टिकट पकड़ा देलन्हि जे ई लऽ कए अपने सब ट्राम सँ होटल चलि जाएब।

आब बूझू भला एकटा पूर्णतः अपरिचित शहर मे, सेहो राति के दस बजे, अहाँ कें ट्राम सँ होटल जेबाक अछि। सेहो कोनो ट्राम सोझे नहि जेतैक। दू ठाम बदलए पड़त। अहाँ स्थानीय भाषा से नहि जनैत छी। ओहुना एतेक राति कें रस्ता बतबै लेल लोक भेटत, तकर सम्भावना अति न्यून। यदि दिने मे एहि तरहक घोषणा कऽ देल जइतैक, तखन लोक सबटा बात बूझि लितए आ फेर ई दू चारि यूरो के ट्राम टिकट सेहो हुनका खर्च नहि करए पड़ितन्हि। यदि पैसे बचेबाक छलन्हि तऽ नीके सँ बचबितथि। आब कएल की जाए ?

हम निर्णय लेल जे रूसी लोकनिक संग धऽ लेल जाए। रूसी लोकनि किछु जर्मन बजिते हेताह आ ड्रेसडेन शहर मे, जे किछुए वर्ष पूर्व तक साम्यवादी देशक हिस्सा छल आ रूसी प्रभाव मे छल, ततए लोक सेहो रूसी भाषा जनैत छल। ओहुना ई लोकनि एम्हर आएल रहिते हेताह आ भऽ सकैछ बाट घाट बुझलो होन्हि। सब प्रकारें हमर रूसी सहकर्मी सब सक्षम छलाह ओतेक रातिओ कें सकुशल होटल पहुँचबा मे।

अस्तु, डिनर शेष भेल आ हम सब अपन ट्रामक टिकट हाथ मे लेने विदा भेलहुँ ओहि किला सँ किछु दूर पर जे ट्राम स्टैन्ड छलैक ताहि दिश। एकटा ट्राम मे चढ़ैत गेलहुँ। आब कतए उतरब आ कोन ट्राम मे बदलब ताहि मे एकटा बूढ़ आ एकटा नवयुवक रूसी मे घोंघाउज होमए लागल। हमरा बुझना गेल जे जरूर किछु गड़बड़ भऽ रहल छैक। मुदा हम तऽ कोनो तरहें एहि समस्या मे अपन विचार देबा मे सक्षम नहि छलहुँ, मात्र हुनका पाछू पाछू चलबाक छल। सएह कएल। जतए ओ लोकनि उतरैत गेलाह ओतए उतरि गेलहुँ। फेर किछु दूर चलए पड़ल दोसर ट्रामक स्टैन्ड तक। एतए बेसी काल रूकए पड़ल तखन एकटा ट्राम भेटल। फेर की भेलैक नहि कहि, ओ लोकनि दुइए स्टॉपक बाद उतरि गेलाह। संग लागल हमहूँ उतरि गेलहुँ। आब ओ सब चलब शुरू केलन्हि। बुझना गेल जे रस्ता कने भोतिया जाइत गेलाह। देखल जे नवयुवक रूसी सहकर्मी ओहि वृद्ध पर कने खिसियाइत एकटा नक्शा बहार केलन्हि आ स्ट्रीट लैम्प मे ओकरा पढ़ए लगलाह।

कोनहुना चलैत चलैत हम सब करीब बारह बजे राति मे होटल पहुँचलहुँ।

वाह रे आथितेय ! ओ लोकनि जखन भारत अबैत छथि तऽ हम सब हुनका सबहक स्वागत सत्कार लेल दारोमदार भेल रहैत छी। एहेन कल्पनो नहि कऽ सकैत छलियैक जे ककरो कलकत्ता मे ट्राम अथवा बसक टिकट धरा देबैक आ कहबैक अपन होटल चल जाइ जाएब। विरले एहेन भेल हेतैक जे कोनो अतिथि कें हम सब एकसरे टैक्सी पर बैसा देने हेबन्हि आ बिना ककरहु संगे पठेने हुनका होटल पठा देने हेबन्हि। हम सब सतत प्रयास मे रहैत छी जे कोनो विदेशी अतिथि कें कखनहु कोनो तरहक कष्ट नहि होइन्हि। विदेशो मे अन्यत्र जतए कतहु गेलहुँ, एहेन अनुभव नहि भेल छल। बस ट्राम सँ चललहुँ सब ठाम, मुदा ताहि लेल लोक पूर्ण तैयार रहैत छल आ आवश्यकतानुसार जानकारी लइए कए यात्रा करैत छल। यदि शुरुएक दिन सँ हम सब ट्राम सँ यात्रा करैत रहितहुँ तखन एना नहि होइतैक।

स्किनहेडक आक्रमण

घटना अगस्त 1985 के छी जखन हम सपरिवार लंदन घूमए गेल छलहुँ। दोसर दिन टावर ब्रिज देखि हम सब आबि रहल छलहुँ लगेक मेट्रो अथवा ट्यूब स्टेशन दिश। समय करीब छऽ बाजि गेल छलैक आ देखबा सुनबाक जगह सब बन्द भऽ गेल छलैक। घड़ीक हिसाबें दिनक अन्त भऽ गेल छलैक। ओना तऽ अगस्त मास मे लंदन मे सूर्यास्त बहुत देरी सँ होइत छैक आ सड़क पर एखनहुँ रौदक धाही छलैके, मुदा कर्मचारी लोकनि तऽ अपन ड्यूटी शेष केलन्हि।

ओतए फुटपाथ काफी चौड़ा आ टहलबाक अपन आनन्द छलैक। हम सब इएह सोचैत अपना मे गप करैत जा रहल छलहुँ कि दोसर दिशा सँ एकटा नवयुवक आएल आ हमरा मुँह पर भरि मुँह बीयर थूकि देलक। हमर चश्मा अन्हार भऽ गेल। जावत हम किछु बूझि पबियैक तावत तऽ ओ भागि गेल छल। सड़क पर जे लोक सब छल, सब कें एहेन घटना पर आश्चर्य लगलैक। हम तऽ अवाक ! किछु बुझिए नहि पेलियैक जे एना किएक केलक ओ। हम भारी दुविधा मे पड़लहुँ जे पहिने मुँह साफ करी आ कि पुलिस कें ताकी। तावत देखलियैक जे पाछू मे करीब दू सौ मीटर पर एकटा पुलिस ठाढ़ छल। हमरा पता नहि जे ओ एहि घटना कें देखलक वा नहि। हम ओकरा लग गेलहुँ आ भेल घटना बता देलियैक। ओ मूरी डोलबैत एतबे कहलक "इया, दोज स्किनहेड्स !" एकर बाद ने ओ कोनो प्रतिक्रिया जनौलक आ ने हमरा कोनो सुझावे देलक जे हम कतए एकर शिकाएत कऽ सकैत छलिऐक। लागल जेना एहेन शिकाएत ओकरा लेल रुटीन बात होइक, जाहि पर ध्यान देबाक काज नहि छलैक।

जखन पुलिसे अन्ठा देलक तखन आर की कऽ सकैत छलहुँ ? हम एहि पर आगू नहिए बढ़ि सकलहुँ। किछु दूर गेला पर पब्लिक शौचालय भेटल, जतए पूरा चेहरा साफ केलहुँ। एखनहुँ तक जखन ई घटना मोन परैत अछि तऽ आश्चर्य होइत अछि जे एना कऽ कए ओकरा की भेटलैक ? हम तऽ मात्र एकटा विदेशी टूरिस्ट रही ओहि देश मे। मुदा रेसिस्ट विचारक लोक कें ताहि सँ कोन मतलब ? स्किनहेड ग्रुप सब तऽ बनले छलैक घृणाक सिद्धान्त पर। ओकरा कियो अश्वेत भेटि गेलैक अपन तामस उतारबाक लेल। एकरा शुकुरे बूझू जे ओ मात्र बीयर फेकि कए चल गेल। यदि कोनो तरहक बेसी अभद्र व्यवहार अथवा मारिएपीट कऽ बैसैत तऽ हम की कऽ सकैत छलियैक ?

ई घटना (अथवा दुर्घटना कही) हमर विदेश प्रवासक सबसँ तीत अनुभव रहल।



1 अमेरिका प्रवास सँ घुरैत काल स्टैच्यू ऑफ लिबर्टीक सामने न्यूयार्क मे।

Good luck as you carry on along the Tao with a heart

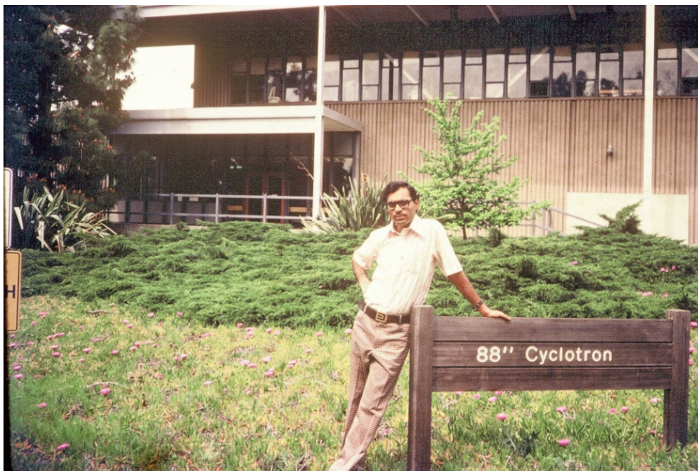
डेविड स्कॉट, डेव हेन्ड्री, रिक गफ, डेव क्लार्क, जो सर्नी, जिनेट महोनी, जेम्स साइमन्स, हेनरी कोन्जेट, जुहा आयस्तो, डेनिस मोल्ज, कार्ल वॉन बिबर, कैरोल एडम्स, एन पांग, रुथमेरी लैरीमर, एलेन शॉटर, टेरी औस, हावार्ड वाइमैन, फिल फ्रेजियर

2 बर्कले मे विदाई के अवसर पर टाओ ऑफ फीजिक्स किताब पर सहकर्मी लोकनिक हस्ताक्षर। बक्सा मे सबहक नाम लिख देल अछि।



3,4 आइ हाउस मे हमरा द्वारा आयोजित विदाई पार्टीक दृश्य। उपर बीच मे छथि मदाम फराजी आ नीचा मे छथि डेविड स्कॉट।





5,6 (उपर) बर्कले मे साइक्लोट्रॉन बिल्डिंग लग ठाढ़। (नीचा) बीएनएल मे रिलेटिभिस्टिक हेवी आयन कोलाइडर के सुरंग मे सुपरकन्डक्टिंग चुम्बक सँ ओङठल।





7 फ्राँस प्रवास मे काँ शहर मे गैनिल प्रयोगशाला जेबाक रस्ता के सामने।



8 इंदिरा गाँधीक मृत्यु पर आयोजित शोक सभाक दृश्य। शोक संदेश पढ़ैत जोसेफ आ हुनका बगल मे उज्जर कमीज मे शबीर।



9 अपना गाम ईरोबिल साँ क्ले मे 26 जनवरी 1985 कें झंडा फहरेबाक दृश्य।



10 कार्निवाल मे रावण कें घुमबैत। प्लैकार्ड पर लिखल अछि Association Culturell des Indiens du Calvados



11 एरोमास इलाका मे द्वितीय विश्व युद्धक समय के जर्मन बंकरक सामने।



12 मधुलिका अपना साइकिल पर प्रैक्टिस करैत। अपाला स्केट्स पहिरने छथि।



13,14 (उपर) सामूहिक उत्सव कार्यक्रम मे भारतीय स्टॉल। स्टॉल पर लोक सब हमरा सबहक बनाओल व्यंजन कीन रहल अछि। (नीचा) किचेन के दृश्य। सब गोटे मिलकए व्यंजन सब बना रहल छी। निमकीक लेल मैदा बेलल जा रहल अछि।





15 पेरिस मे ईफिल टावरक सामने।



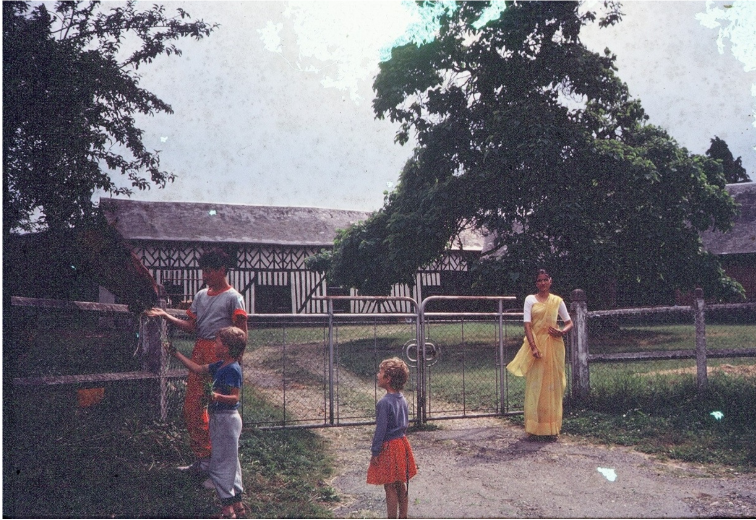
16 पड़ोसी आ हुनक अनुजक परिवारक संग नॉरमैन्डी इलाकाक पुरान स्टाइल के घरक सामने। हमरा चारू गोटेक बगल मे हमर पड़ोसी, पड़ोसिन आ तकर बाद दूनू छोट बच्चाक संग हुनकर अनुज अपन पत्नीक संग। सबसँ कात मे छथि पड़ोसीक पुत्री।



17 पड़ोसीक संग पिकनिक स्थलक दृश्य। बिकिने पहिरने महिला हमर पड़ोसीक भाबहु छथिन्ह।



18 पुरान गाम मे एहि जगह पर सार्वजनिक धुलाई होइत छलैक। आब मात्र संरक्षित छैक।



19,20 (उपर) प्राचीन इलाका मे गामक एकटा पुरान घरक सामने। (नीचा) एहने पुरान घर।





माउंट साँ मिशेलक परिदृश्य मे अगस्त्य आ हुनक पत्नीक संग।



22 ब्रैन्डेनबुर्ग गेट लग पूर्वी बर्लिन मे। एहि खरापो फोटो मे एतेक स्पष्ट अछि जे गेटक पाछू बहुत दूर तक सोझ सड़क छैक। एहि सड़क कें 17 जून सड़क कहल जाइत छैक।



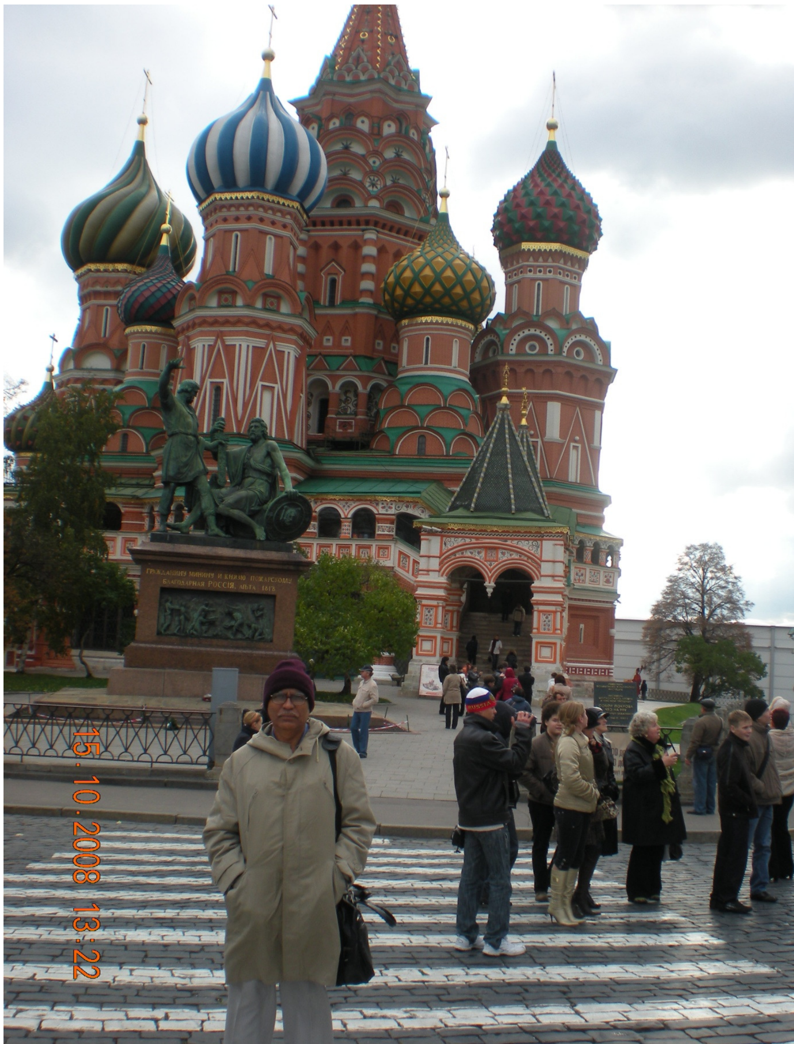
23 पश्चिम बर्लिन मे ब्रैन्डनबुर्ग गेट लग ठाढ़। एहि भाग सँ सामनेक देबाल देखैत छी। आ लागल ढाठ सेहो, जाहि पर जर्मन मे 'सावधान (Achtung)' लिखल अछि। गेटक विभिन्न भाग मे कतेको रास नारा सेहो लिखल छैक।



24 जेनेवा मे सर्नक मेन गेट लग ठाढ़।



25 मॉस्को मे लेनिनक मूर्ति के सामने।



26 मॉस्को मे रेड स्क्वायर मे चर्चक सामने।



27 मॉस्को मे रेड स्क्वायर मे। पाछू मे अछि छहरदेबाली सँ घेरल क्रेमलिन।



28 दुबना मे वोल्गाक कछेर मे ठाढ़।



29,30 तियेन आन मेन स्क्वायर मे। (उपर) दूर मे देखा रहल आछि फोर्विडेन सिटीक अट्टालिका आ तकरा संग अछि माओक फोटो।(नीचा) माओक समाधिक कात मे।





31,32 (उपर) बेइजिंग के नजदीक बादालिन मे चीनक देबाल पर चढ़ैत। (नीचा) समर पैलेस परिसर मे कुनमिंग लेक आ पुल पर ठाढ़। पाछू दूर मे समर पैलेस देखा रहल अछि।



33 मौं ब्लौंक रस्ता मे हान्स गुटब्रोडक संग।



33 मौं ब्लौंक रस्ता मे हान्स गुटब्रोडक संग।



34 जेनेवा लेक मे हान्सक नाओ पर।



35 बैम्बर्ग मे हेमहोज फाउन्डेशनक अध्यक्ष डा० जुरगन म्लिनेक सँ एवार्ड लैत। बगल मे ठाढ़ छथि हम्बोल्ट फाउन्डेशनक प्रेसिडेंट प्रोफेसर डा० उल्फगांग फ्रुह्वाल्ड।



36 लंदन मे टावर ब्रिज के पास।

37 बर्लिन मे परगामन म्यूजियम के अन्दर एकटा दर्शनीय गेट।



37 बर्लिन मे परगामन म्यूजियम के अन्दर एकटा दर्शनीय गेट।